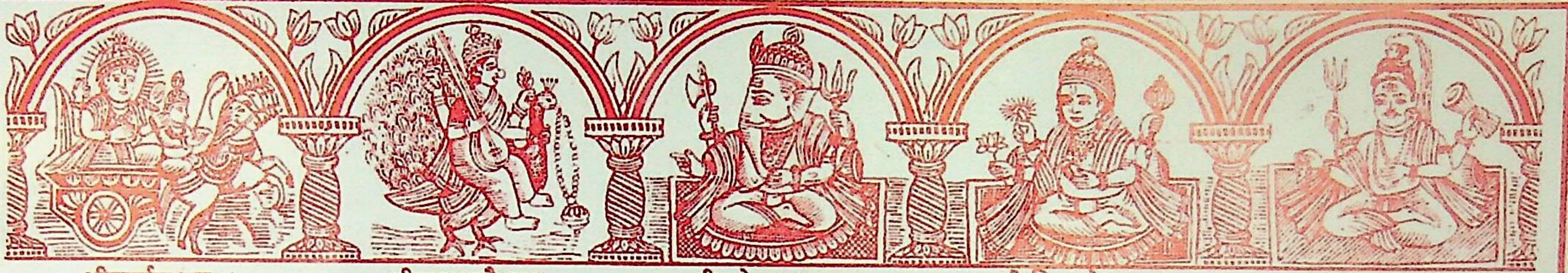
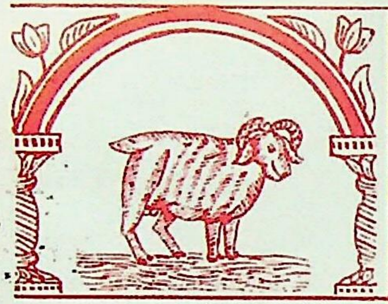
यह पञ्चाङ्ग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत सूक्ष्म दृश्य गणित से बनाया गया है।



श्रीसूर्याय नमः। श्रीसरस्वत्यै नमः। श्रीगणेशाय नमः। श्री विष्णवे नमः। श्रीशंकराय नमः।



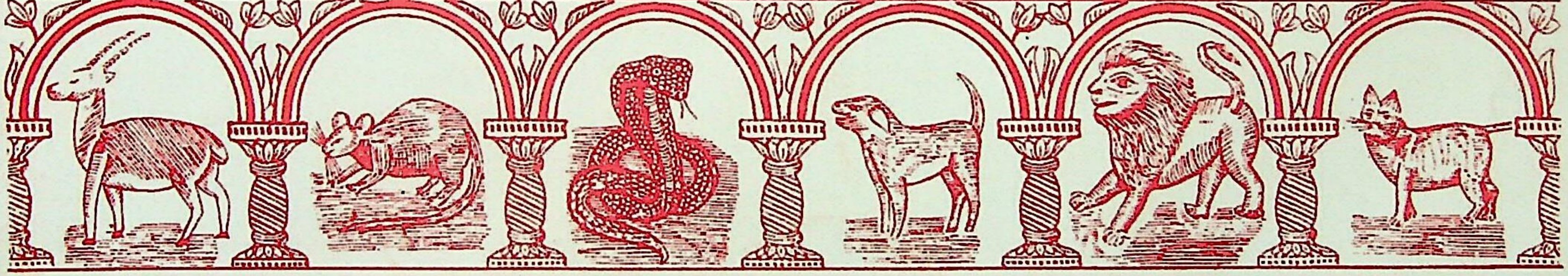
श. ष. स. ह. मेष श्वान वैर

स्वस्तिश्री सवाईजयपुरराज्यांतर्वर्ती १०५ श्रीसीकरनरेशस्य रामगढनगरे श्रीमन्मुकुटमणिच्छत्रपतिराजराजेंद्र-महाराजा-धिराज १०८ श्रीसवाईमाधवसिंहजी श्रीमतां विजयराज्ये ज्यौतिषकः श्रीमनुः ॥ संवत् २०७७ शके १९४२ ईसवी सन् २०२० हिजरीसन् १४४१

रुपये ७५ मात्र



अ. इ. उ. ए. ओ. गरुड सर्प वैर



य. र. ल. व.	प. फ. ब. भ. म.	त. थ. द. ध. न.	ट. ठ. ड. ढ. ण.	च. छ. ज. झ. ञ.	क. ख. ग. घ. ङ
मृग सिंह वैर	मूषक बिलाड वैर	सर्प गरुड वैर	स्वान मेष वैर	सिंह मृग वैर	बिलाव मूषक वैर

पं. श्रीवल्लभ मनीराम

पञ्चाङ्ग की विशेषता - काल समीकरण आदि पूर्व सुविधाओं सहित सभी महत्वपूर्ण विषयों की सरल विधि, सूत्र, उदाहरण। हरिवासर आदि निर्णय, अष्टादश(१८) पुराणों के प्रमाण सहित नाम, पुराणों और सिध्दान्त ग्रन्थों में मानव और दैव चतुर्युग प्रमाण, मंगल (मंगलीक) दोष अपवाद, अग्निवास. (पृ.९)

॥ भूमिका ॥ इस असार संसारमें जन्म लेकर नीति और धर्मसे विद्या द्रव्याद्युपार्जन करके सर्व साधारण प्राणिमात्रका उपकार करनेमें बुद्धि देना ही उत्तम पुरुषोंका काम है; ऐसा मनमें विचार कर आज २२ वर्षसे विविध मतोंके पंचांग देखकर ग्रहलाघवीय (मानवपंचांग) मैं भी बनाता हूं. आशा है कि इसको देखकर सज्जन सम्यक् प्रकारसे प्रसन्न होते होंगे, क्योंकि आजकल ग्रहलाघव ही सर्वलोकमान्य और उत्तम पंचांग निर्माण करने योग्य ग्रंथ है. यद्यपि इसके भौम और शुक्रकी वक्रावस्थामें किंचित् अंतर ग्रहलाघवकी टीकाद्वारा मुझको प्रतीत हुआ था सो अब वक्रारंभके अंशांकोंमें बीजसंस्कार देके पुनः इसका गणित ठीक कर लिया गया है. अतएव जो महाशय देखेंगे उनको स्वयं निश्चय हो जायगा और जो रामविनोदी पंचांग है सो इसी ही ग्रहलाघवकी शाखा है. कारण रामभट्टने रामदास महीपति और दिल्लीके अकबर बादशाहको प्रसन्न करनेके हित ग्रहलाघवकी छायासे ही रामविनोद ग्रन्थ बनाया है और जोधपुरका चण्डू पंचांग है सो कर्णकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) से बनता है परंतु इसके ग्रहोंमें विशेष अंतर देखकर किसी विद्वान्ने रामबीज नाम एक नवीन संस्कार देकर ठीक किया था तो भी आजकल चंद्रग्रहणके मध्यकालमें पूर्णिमासे दो घटीका अनुमान अन्तर रहता है जिससे प्रतिदिनकी तिथि दो दो घटीके अनुमान सांतर प्रतीत होती है और सूर्यग्रहणमें ग्रहोंके उदयास्तमें भी बहुत कुछ अन्तर रहता है। और जो आधुनिक नवीन युक्तिके पंचांग बनते हैं उनका गणित आर्य ग्रन्थोंसे भिन्न है जिससे वे इन धर्मशास्त्रोंके अनुकूल मान्य नहीं हो सकते क्योंकि धर्मशास्त्र लिखता है (बाणवृद्धी रसक्षयः) अर्थात् एकतिथीकी कलासे दूसरी तिथि ५ पांच कला अधिक और ६ कलासे कमती नहीं होनी चाहिये परंतु आधुनिक पंचांगोंमें १० कलाका न्यूनाधिक्य होनेका भी ठिकाना नहीं और प्राचीन ग्रंथोंसे बुध एक दिनमें ११८ कलासे अधिक नहीं चल सकता और आधुनिक गणितसे १३२ कलातक चल सकता है और सृष्टिके कोटयवधि वर्षोंके पीछे ग्रहलाघवाचार्यने प्राचीन गणितके तुल्य ही सूर्यको आकाशमें नलिकाद्वारा ठीक देखा था और आधुनिक पौनेचारसौ वर्षोंमें ही नवीन यंत्रवेधी कहते हैं कि प्राचीन गणितसे अभी सूर्य ४ अंश पीछा हट गया और दूसरे यंत्रवेधी कहते हैं कि केवल कन्याका सूर्य आगेसे ३३ कला पीछा हटा है; कहो किसको सत्य मानें ? अब ग्रहलाघवके तृतीयाधिकारमें शुक्र और मंगलके संस्कार देना (शुक्रारयोश्चलभवो) इत्यादि विशेष लिखा है परंतु इसके टीकाकार मल्लारि गणकने और विशेष लिखा है कि (शुक्रारयोश्चलभवोऽत्यगतो यदांकेति वचनात् अनेनापि विशेषफलेन संस्कृतौ भौमशुक्रौ महांतरितौ दृश्येते कुतः अन्त्यांकस्य बाहुल्यात्। अत्र सुधीभिः एकान्त्यांकमध्ये त्रींश्चतुरो वा अंकान् कृत्वा शीघ्रफलसिद्धिःकर्तव्या ॥ इत्यादि) ऐसे ग्रहलाघवके गणितमें नवीन शुद्ध संस्कार देके प्राचीन ऋषि-मुनिप्रणीत गणित ठीक मानकर ग्रहोंके उदयास्त और सूर्यचन्द्रके ग्रहणगणितको यथार्थ करके और रामविनोदी सूर्य अवधिके आदिमें और ग्रहलाघवीय सूर्य अवधिके अंतमें देके और प्रतिदिनके सौर और ब्रह्म दोनों रवि और सूर्योदयास्तके घंटा मिनट देके यह पंचांग निर्मित होता है. आशा है कि, इसमें किसी प्रकारका दृष्टिदोष हो तो सज्जन अपने सौजन्यवशसे सब सुधार लेंगे क्योंकि लिखते छापते शुद्ध करते कहीं न कहीं दृष्टिदोष तो रह ही जाता है ॥

रामगढ़निवासी पं० मनीराम शर्मा, ठि० " श्रीवेङ्कटेश्वर " स्टीम्-प्रेस, बंबई.

हमारे यहां से प्रकाशित पं. श्रीवल्लभ मनीराम पंचांग तथा अन्य पुस्तकों की विस्तृत जानकारी व खरीद के लिये हमारा प्रमुख निजी सम्पर्क स्थान : **खेमराज श्रीकृष्णदास**, अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस, ९१/१०९, खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग, ७ वी खेतवाडी बॅक रोड कॉर्नर, मुंबई - ४०० ००४, दुरभाष / फैक्स -०२२-२३८५७४५६. मुंबई न्यायालय कानूनी अधिकारान्तर्गत।

श्री गणेशाय नमः ।। श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ।। अविल्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ।। समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ।। पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूरसं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ।। लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ।। २ ।। अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२१, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२१ भोग्यकलिः ४२६८७९ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७७ शाकः १९४२ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधः १, मंत्री चंद्रः २, सस्येशो गुरुः ३, धान्येशो भौमः ४, मेघेशो रविः ५, रसेशः शनिः ६, नीरसेशो गुरुः ७, फलेशो रविः ८, धनेशो बुधः ९, दुर्गेशो रविः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां ७ प्रमादी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ०।२७।३३।७ भोग्य मासादि ११।२।२६।५३ इन्द्राग्नि दैवतं युगम् । वर्षनाम आषाढ । चतुर्मेघनाम आवर्त्तः । रोहिणी निवासः संधो । समय निवासो वैश्यगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहन सिंचाणु । स्तंभ २ जल तृण । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी १ । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्तानि ३९० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १० । अष्टोत्तरी मतेन उत्पति विश्वा १०५ । स्वपति विश्वा ९६ । विंशोत्तरी मतेन उत्पति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा ९९ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् १३ । तृणम् १३ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११३ । (क्षुधा ९ । तृष्णा ९ । निद्रा ३ । आलस्य ३ । उद्यम ५ । शान्ति ७ । क्रोध १३ । दण्ड १ । मैत्री ९ । उत्सव ७ । पाप ७ । पुण्य ३ । उग्रत्व ७ । रसोत्पत्तिः ७ । फलोत्पत्तिः १३ । व्याधि १३ । व्याधिनाश ११ । आचार ११ । अनाचार १७ । मृत्यु १५ । जन्म ७ । चौर १३ । उपशमन १९ । अग्निभय ९ । अग्निशमः १९ ।) सत्यम् ।।, धर्म ९।।, पाप १८ । शनि दृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ सूर्यस्य । उद्रिजः ५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १५ । स्वदेजः १३ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल हैं । **।। संवत् २०७७ शाकः १९४२** ।। वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् बुधवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. २५ मार्च २०२०), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः ३२७६, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः १८९८, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०५७३१.

संवत् २०७७ में भूमण्डल पर चंद्र ग्रहण नहीं होगा ।

(१) मितिः आषाढ कृष्णा ३० रविवासरे, संवत् २०७७ ता. २१ जून २०२०, खण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**, परमग्रास ०.९५

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	११।२६	१५।३४	१९।५८	८।३२
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१०।१४	११।५३	१३।३८	३।२५

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन रात्री स्टै. २२।१४ वजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में वाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादास्तेषु केवलम् ।
प्रत्यक्षम् ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्र साक्षिणौ ।।
- ज्योतिर्गणित

यात्राविवाहोत्सव जातकादौ,
स्पेटैस्फुटैरेव फलस्फुटत्वरम् ।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणाम्,
स्फुटक्रियादृग्गणितैक्यकृद्या ।।
- भास्कराचार्य सिद्धान्त शिरोमणि स्पष्टा. श्लो. १

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, मो. ८९७६८५२९२०
मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३, मो. ८१०८५५४४०१

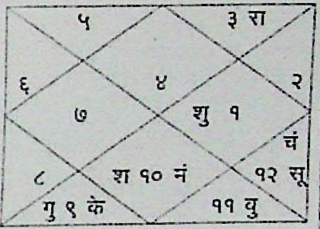
।। अथ भैरव भवानि संवाद ।।



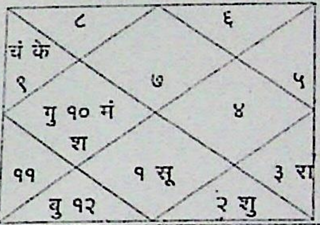
भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
सतत्तर संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल ।।
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्यम संवत होय ।।
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
धनपति-राजा बुध हुए चन्द्र हैं मंत्री विचार ।।
दुर्गाधिप रविराज हैं मेघेशोऽपि संभाल ।
रसाधिप तो शनिदेव हैं समझो मध्यम साल ।।
सस्याधिप-नीरसपति गुरुजी करें सहाय ।
धान्याधिप कुजदेव हैं जठरों होसी भाय ।।
समय निवासो वैश्यघर रोहिणी संधि में जाय ।
चतुर्मेघ आवर्त्त हुए वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
हाथजोड़ विनति करुँ हो कोई जो मेरी भूल ।।
गुरु ध्यानधर फल कहा संवत् सतत्तर साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ।।

लाभ खर्च कोष्ठक				
	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	खर्च	लाभ	खर्च
मेष	५	५	२	५
वृष	१४	११	११	११
मिथुन	२	११	२	११
कर्क	११	८	११	५
सिंह	१४	२	१४	२
कन्या	२	११	२	११
तुला	१४	११	११	११
वृश्चिक	५	५	२	५
धनु	८	११	१४	८
मकर	११	५	८	११
कुंभ	११	५	८	११
मीन	८	११	१४	८

वर्ष लग्नम् ३।२१



वर्षेश लग्नम् ६।१२



लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल -

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

।। संवत् २०७७, संवत्सर नाम प्रमादी ।। विशेष - पं. श्रीवल्लभ मनीराम पंचांग, वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय (B.H.U.), सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी और जयपुर (राज.) की दोनों वेधशालाओं में भेजा जाता है । - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता), मुम्बई.

॥ अथ संवत् २०७७ वर्ष फलम् ॥

प्रमाथीवत्सरेतत्रमध्यसरस्यार्घवृष्टयः
॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७७ शाकः १९४२ प्रमादी नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - प्रमाथीवत्सरेतत्रमध्यसरस्यार्घवृष्टयः
। प्रजाःकथंचिज्जीवन्तिसमात्सर्याः क्षितीश्वराः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् - बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाहमङ्गलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धनधान्यसङ्कुलम्
॥ मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् - शशिनि मन्त्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमण्डिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ॥ सस्येशोगुरुस्तत्फलम् - कणपतौसुरराजपुरोहिते
सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहुनि वसूनि वै ॥ धान्येशोभौमस्तत्फलम् - भूमिजेग्रीष्मधान्येशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणिभवन्ति च ॥
मेघेशोरविस्तत्फलम् - जलदपेयदिवासरपेतदासरसिवैरमतेजनतारसम् । यवचणेक्षुनिवारसुशालिभिः सुखचयंसुलभंभुवि वर्तते ॥ रसेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते रसपेरससंक्षयोनजलदागददाश्वपयोधराः
। अजगवांगजवाजिस्वरोष्ट्रहाजनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुस्तत्फलम् - हरिद्रापीतवस्तूनिपीतवस्त्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशोरविस्तत्फलम् -
द्रुमवतीवरपुष्पवतीधराप्रमुदिताफलभोगविशेषता । बहुजलंजलदोभुविमुंचति क्वचिदपिप्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशोबुधस्तत्फलम् - द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तुफल तदा । द्वीजवरा
जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेष विशेषितमानसाः ॥ दुर्गेशोरविस्तत्फलम् - नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुररोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिपुसंव्रजतां न भयं क्वचित् ॥ वर्षनाम
आषाढ तत्फलम् - अंर्घमहर्घतांयाति धनधान्यंसमंभवेत् । आषाढे स्वल्पवृष्टिश्चतुषधान्य महर्घता ॥ चतुर्मेघनाम आवर्त्तस्तत्फलम् - आवर्त्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ तत्फलम् - खंडवृष्टिश्च सन्धिपु
। समय निवासो वैश्यगृहे तत्फलम् - सर्वधान्यं महर्घ स्याद्वणिग्वेश्मनि संस्थिते ॥ अपिच - वणिक्गृहे शुभंनास्ति । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त
राजा और धनेश बुध हैं । सस्येश और नीरसेश गुरु हैं । रसेश शनि हैं । मेघेश और फलेश और दुर्गेश रवि हैं । मंत्री चंद्र हैं । धान्येश मंगल हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हो ॥ वर्षेश लग्न तुला ॥ **चैत्र** - रोहिणीशकट
हुए हैं और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यम होगा । वर्षलग्न कर्क होने से पूर्व में सुख, उत्तर मे दुःख तथा आसन बल और पश्चिम में दुर्भिक्ष हो ॥ वर्षेश लग्न तुला ॥ **चैत्र** - रोहिणीशकट
का शुक्र के भेदन करने से पृथ्वी केश और अस्थिखण्डों से शवल (विचित्र वर्ण की) होकर कापालिक की तरह व्रत धारण करे अर्थात् पृथ्वी पर अत्यधिक मरी पड़े । **वैशाख** - उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति
में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो, राज्यवर्ग में पीड़ा हो, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, बुध रेवती को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित
हों, इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों, जौ गेहूँ में रोग हो, ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, बुध अश्विनी को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले,
जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो । **ज्येष्ठ** - शतभिषा पर मंगल होने से कीड़े और
मूषक अधिक हों तो भी खेतियां बहुत हों । वर्षा अधिक हो, आरोग्यता हो और धान्य सस्ता हो । आरोग्यता हो, वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो ।
आषाढ - पुनर्वसु में बुध होने से बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखो से प्रजा पीडित हो, आर्द्रा मे बुध होने से वर्षा अधिक हो, गेहूँ
तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखो से प्रजा पीडित हो । **श्रावण** - मिथुन राशि में बुध का उदय होने
से वर्षा का अभाव हो । श्रावण में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, मनुष्यों मे रोग हो और अन्न लक्ष्मी बहुत हो, धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो, बालकों को
पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो, लोग सुखी रहें, तीन महीने जल वर्षे और चौथे मास नहीं वर्षे । बृहस्पति और शुक्र परस्पर सप्तम राशि में स्थित होने से रोग और अनेक प्रकार के भय से प्रजागण पीड़ित हो तथा
अवृष्टि हो । सब लोगों में मांगलिक उत्सव हों । **भाद्रपद** - आर्द्रा में शुक्र होने से अल्प वृष्टि हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों, शुक्र पुनर्वसु नक्षत्र में होने से अश्मक
और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के वंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, उड़द मूंग कम उत्पन्न हों । **प्र.आश्विन** - आश्विन की पूर्णिमा को अश्विनी
का अभाव होने से महर्घता हो । शुक्र पुष्य नक्षत्र में होने से अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो, बहुत धान्य और सुख हो, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो, धान्य निरोग रहे, शुक्र
आश्लेषा नक्षत्र में होने से लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो । **द्वि.आश्विन** - रेवती नक्षत्र पर मंगल होने से सुभिक्ष हो, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से शवर-पुलिन्द जन पीडित हों और अतिवृष्टि
हो, व्यापारी वस्तु महँगी हों, कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीडित हों तथा वृष्टि हो, चित्रा में बुध होने से वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी,
और विप्र वर्ग पीड़ित हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य मे वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, भूकंप तथा युद्धादि हों, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और
दुर्भिक्ष का भय हो, लोग सुखी रहें, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो । **कार्तिक** - पूर्णिमा को कृतिका का अभाव होने से महर्घता हो । स्वाति में बुध होने से मन्द वर्षा हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत
आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर
आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नो से परिपूर्ण हो । स्वाती नक्षत्र में शुक्र होने से अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । **मार्गशीर्ष** - पूर्णिमा को
मृगशिरा का अभाव होने से महर्घता हो । विशाखा में शुक्र होने से तुष धान्य की महँगाई हो, ज्येष्ठा में बुध होने से ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि),
रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो । मूल मे बुध होने से पशु पक्षी और बालकों में पीडा हो । ज्येष्ठा नक्षत्र में शुक्र होने
से क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । **पौष** - उत्तराषाढ़ा को बुध के भेदने से वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । मूल नक्षत्र में शुक्र होने से प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से
पूर्ण हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, प्रचण्ड पवन चले, वर्षा कम हो, स्त्रियाँ पीड़ित हों, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य मे वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, उड़द तिल अधिक
हो, भरणी पर मंगल होने से ब्राह्मणों को पीड़ा हो तथा उनका शीघ्र पतन हो, राजा के अधिकारी, प्रधान ब्राह्मण, वैद्य और पुरोहित पीडित हो, रोगों की उत्पत्ति हो । **माघ** - हवा बहुत चले और हिम (ठंढ) से
वृक्ष जल जायँ, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो, श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य मे वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, कहीं भी प्राकृतिक
आपदा हो, धान्य महंगा हो, देश भंग हो और तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो, पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों)
को पीड़ित करता है । **फाल्गुन** - पूर्वभाद्रपदा में स्थित शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाव देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है, वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई
हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, फल-मूल पीड़ित हो । **चैत्र** - रेवती में बुध होने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका
से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो, जौ, तिल, उड़द कम हों । अश्विनी में स्थित शुक्र अश्वपालकों को पीडित
करता है ॥ आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ॥

संवत् २०७७ (ई. सन २०२० - २०२१)

॥ पञ्चाङ्ग विषयानुक्रमणिका ॥ (अतिरिक्त सुविधा सहित)

& क्रमांक ६२, पृष्ठांकाः ४९-७४, विद्वानो की सुगमता के लिए दैनिक चन्द्र-नक्षत्र से सूर्यादि ग्रहों की युति, पंच शलाका वेध और सप्त शलाका वेध का पचांग मे समावेश कर दिया है। **ज्योतिषां सुगमाय समावेशं चन्द्रार्क्षाद्विधंवेधं युतिः चन्द्रऋते ग्रहाः ॥ जन साधारण की सरलता के लिए- चैत्रादि मास के पृष्ठों में संवत् और शाकः के अंको को संस्कृत में उल्लेख किया है। बढते कदम . . . .**

श्री गुरु चरणकमलेभ्यो नमः

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

इस पंचांग के अंतर्गत गणित फलित या मुहूर्तादि जो भी मेरे द्वारा किया गया है इनमें मेरा अपना कुछ भी नहीं है । जो भी है उन महापुरुष प्रातःस्मरणीय, सर्वदा वंदनीय, विद्या वारिधि सुविज्ञ निधि श्री गुरु चरणों की महीनता है जिन्होंने अनुग्रह करके मुझे जैसे मंदबुद्धि एवं अपरिचित को भी अपना अमूल्य समय देकर अमृतरुपी विद्या का पान करवाया लेकिन मुझ भाग्यहीन व्यक्ति का पान वैसा ही रहा जैसे समुद्र में से एक गिलास पानी । प्रथम श्री गुरु चरणों के दर्शन से ऐसा लगा कि न जाने विद्या-दान देंगे या नहीं । लेकिन चरणस्पर्श के बाद प्रार्थना करने पर मुझे जो प्रत्युत्तर मिला उससे मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि उतने महान् विद्वान होते हुए भी इतना कोमल स्वभाव मृदुभाषी अध्यापन में इतने सुविज्ञ कि मंदबुद्धिवाला भी सुगमतापूर्वक अध्ययन कर सकता है । अंहकार का तो स्पर्श मात्र भी नहीं है । पंचांग गणित की जिज्ञासा को लेकर मैंने कई विद्वानों से आग्रहपूर्वक संपर्क किया लेकिन वाञ्छिवानिलाषा से वञ्चित ही रहा और संयोगसे जब आपकी चरण रज का दर्शन हुआ तब से तो मेरी वही गति हो रही थी जैसे किसी धनार्थी को स्वयं कुबेरजी यह कहें कि इस खजाने से ले सके उतना धन ले ले । आपकी विद्वत्ता तो पूरा विश्व जानता है कि आपने लोगों के कल्याणार्थ "श्री वेंकटेश्वर शताब्दि पंचांग" का पूर्व काल में ही निर्माण कर दिया था जो कि पूरे एक सौ वर्ष (संवत् २००१ से २१०० तक) का मात्र यही एक पञ्चाङ्ग था । इस पंचांग के निर्माण कार्य से विद्या का अनुमान लगाना वैसे ही कठिन है जैसे महासागर की गहराई का । अस्तु, उन श्री गुरु चरणों को मैं पुनः पुनः प्रणाम करता हूँ ।

श्री.श्री. १०८ स्व. पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८, रामकुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड़,
विलेपार्ले (पूर्व), मुम्बई - ४०० ०५७.
फोन नं. ०२२ २६१६६७८३.

अथ पञ्चाङ्ग देखने की विधि

यह पञ्चाङ्ग दृश्य गणित से बनाया गया है साथ ही सौर पक्षीय एवं ब्रह्म पक्षीय सूर्योदय कालीन दैनिक सूर्य स्पष्ट भी है ।

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम् ।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादि निर्णयम् ॥
(इति वशिष्ठ वचनात्)

इस पञ्चाङ्ग का सभी गणित व्यंकटेश बापू केतकर पद्धति (केतकी, ज्योतिर्गणित, म. ग्रहगणित मालिका आदि .. ग्रंथो) से रामगढ (शेखावाटी) अक्षांशाः २८/०० उ., रेखांशाः ७४/५९ पूर्व, अं.व्यं. पलभाः ६/२३ के आधार पर किया गया है । तिथिनक्षत्र योग करण इनके घटिपल रामगढ (शेखावाटी) **स्पष्टार्कोदय** के लिखे गये हैं जब कि इससे पूर्व संवत् २०६० तक मध्यमार्कोदय के लिखे जाते थे लेकिन आपके सुझाव को ध्यान में रखकर **स्पष्टार्कोदय के घटीपल लिखे हैं** । घटि-पलों में २॥ का भाग देकर भागफल में **रामगढ (शेखावाटी) के स्टैं. सूर्योदय का घंटा मिनट जोड़कर** साधारण जनहितार्थ रेल्वे (स्टैण्डर्ड समय के घण्टा मिनट लिखे गये हैं, ये तिथ्यादि के घंटा मिनट भारतीय रेल्वे (स्टैण्डर्ड) समय से समाप्ति काल के हैं । ये स्टै. समय के घंटा मिनट संपूर्ण भारत में समान रुप से उपयोगी होंगें । उदाहरण के लिए किसी तिथि नक्षत्र योग का स्टैण्डर्ड घं. मि. १५ बजे लिखा है तो संपूर्ण भारत (पंजाब आसाम मद्रास केरल उ.प्र. राजस्थान) में दोपहर तीन बजे ही समाप्ति होगा । इस पंचांग से भारत के किसी भी गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बनाने हों तो अभीष्ट शहर या गांव का स्टैण्डर्ड सूर्योदय इस पंचांग के तिथ्यादि के स्टैं. समय में घटाकर (ऋण) शेष को २॥ से गुणा करने पर अभीष्ट गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बन जायेंगे । किसी भी गांव या शहर के दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त की विधि भी इसी पंचांग में अन्यत्र लिखी हुई है ।

विद्वज्ञनों की आवश्यकता को देखते हुए दैनिक रविक्रांति और पूरे भारत वर्ष (अक्षांशाः ८/०० उ. से ३६/०० उ. तक) की चरपल संस्कार सारणी भी पंचांग में दे दी गई है जिससे भारतवर्ष के किसी भी गांव या शहर का सुगमता पूर्वक दिनमान बना सकते हैं । दैनिक लग्नसारणी और चंद्रवार का स्टैं. समय प्रवेशकाल दिया गया है ।

सूर्योदयास्त किरण वक्री बवन संस्कार रहित भारतीय रेल्वे (स्टैण्डर्ड) टाईम रामगढ (शेखा.) के हैं । किरण वक्री भवन संस्कार करने से वास्तविक क्षितिज वृत्त के उदयास्त में अंतर आ जाता है जिससे इष्ट बनाने तथा धार्मिक निर्णयों में त्रुटि होना संभव है परंतु स्टैं. सूर्योदयास्त समय से यदि घड़ी का मिलान करना हो तो पंचांग में लिखित सूर्योदय में दो मिनट किरण वक्री भवन संस्कार घटाकर तथा सूर्यास्त में दो मिनट जोडकर घटिका यंत्र (घड़ी) से मिलान करना चाहिए क्योंकि गणितागत सूर्य क्षितिजवृत्त के उदय से दो मिनट पहले दिखाई देता है और गणितागत सूर्यास्त के दो मिनट बाद तक दृष्टिगोचर होता है परिणामस्वरुप दश पल (चार मिनट) दिनमान भी बढ जाता है ।

ग्रहचार भद्रा आदि भी स्टैण्डर्ड (रेल्वे) समय में ही लिखे गये हैं । पंक्तिस्थ ग्रहस्पष्ट रामगढ (शेखावाटी) के प्रातः सूर्योदय कालीन (इष्ट ००।००) के लिखे गये है साथ ही सर्वत्र उपयोगिता के लिए अयनांशाः (न्यूटेशन संस्कार युक्त) और सूर्यादि ग्रहों के नक्षत्र चरण भी दिये हैं ।

तिथ्यादि ग्रहचार चंद्रचार भद्रादि का स्टैं समय जहाँ १३-१४-१५ आदि अंक हों वहाँ दिन के १२ बजे के बाद १-२-३ बजे समझें और जहाँ २५-२६-२७ आदि अंक लिखें हों वहाँ रात्रि के १२ बजे के बाद क्रमशः रात्रि के १-२-३ बजे समझें (१३ से २४ तक के दिन के १ बजे से रात्रि १२ बजे तक और २४ से ३० तक रात्रि के १२ बजे से दूसरे दिन प्रातः ६ बजे तक के लिखे हैं) । व्रतोत्सव-ग्रहचार में A B C D आदि चिन्ह दिये गये हैं इनका मतलब यह है कि उस तिथि या तारीख का मैटर उस पंक्ति (लाईन) में नहीं आ सका इसलिए वहाँ चिन्ह लगाकर शेष मैटर वैसा ही चिन्ह [A [B लगाकर पूरा किया गया है ।

विवाह मुहूर्त्तों में दिन के विवाह लग्न तो लिखते ही थे अब महर्षि कात्यायनोक्त नक्षत्र चतुष्टयी के विवाह मुहूर्त्तों का समावेश भी कर दिया है इन पर विद्वज्ञन आवश्यकतानुसार निर्णय कर लें । पंचांग को अधिकाधिक उपयोगी बनाने के लिए उपनयन मुहूर्त्त, देवप्रतिष्ठा मुहूर्त्त गेहारंभ मुहूर्त्त नूतन और जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्त भी दे दिये हैं अतः विद्वद्गण आवश्यकतानुसार निर्णय लेकर मुहूर्त्तों का उपयोग करें । इनका अत्यधिक लाभ लेकर श्री वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग एवं प्रकाशन संस्थान **खेमराज श्रीकृष्णदास** के इस परिश्रम को सफल बनाकर कृतकृत्य करें ।

जिनके लिए आप बहुत दिनों से सुझाव भेज रहे थे, वार्षिक पञ्चाङ्ग में उन उत्कृष्ट, अलभ्य, अश्रुत, अलौकिक, अज्ञात विषयों का समावेश कर दिया है । यह कोई अतिशयोक्ति या मिथ्या प्रशंसा नहीं है मेरा लक्ष्य आप तक विद्या पहुँचाना था परिणाम स्वरूप अहर्निश कार्यरत रहने से मेरा स्वास्थ्य खराब हो गया है, मैं रहूँ न रहूँ मेरी विद्या लाखों करोड़ों विद्वानों के पास रहेगी जो मैंने श्रीगुरुचरणों से प्राप्त की थी । इससे मुझे आत्मशान्ति तो प्राप्त हुई ही है बल्कि गुरुऋण और भूऋण से भी मुक्त हो गया । मेरी न्यूनताओं की जानकारी और विद्वज्ञनों के उत्तम सुझाव प्राप्त होंगे तो उन्हें शिरोधार्य कर मैं आभारी रहूँगा ।

अवसान में करबद्ध प्रार्थना यही है कि इस पंचांग के निर्माण में हर तरह की सूक्ष्मता एवं सावधानी रखी गई है फिर भी अनवधान वश अथवा मुद्रणदोष से कहीं त्रुटि रह गई हो तो पक्षपात रहित बुद्धि से विद्वज्ञन उसे सुधारकर उपयोग में ले लें । कहा भी है -

प्रमाददोषादिह या च काचिन्मान्यास्त्रुटिर्दृष्टिपथं व्रजेद्धै ।
ज्योतिर्विदः शास्त्र विचारदक्षाः धिया स्वयं शोधयतार्यवर्याः ॥
गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः ।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥

दुर्जन गण अनेक प्रकार से प्रार्थना करने पर भी अपनी आदत नहीं छोड़ सकते है; क्योकि- **खलो मृगयते दोषं गुणपूर्णेषु वस्तुषु ।**
वने पुष्पफलाकीर्णे पुरीषमिव सूकरः ॥
विद्वज्ञनों को मेरा पुनः पुनः प्रणाम ।

गणितकर्ता : विदुषां वशंवदः पंडित ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

पञ्चाङ्ग की विशेषता - काल समीकरण आदि पूर्व सुविधाओं सहित सभी महत्वपूर्ण विषयों की सरल विधि, सूत्र, उदाहरण । हरिवासर आदि निर्णय, अष्टादश (१८) पुराणों के प्रमाण सहित नाम, पुराणों और सिद्धान्त ग्रन्थों में मानव और दैव चतुर्युग प्रमाण, मंगल (मंगलीक) दोष अपवाद, अग्निवास. (पृ.९)

मुख्य व्रतोत्सव तालिका संवत् २०७७ (ई. सन २०२०-२०२१)

व्रतोत्सव सन २०२०		व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.	व्रतोत्सव	ता.
चैत्रमास	मार्च	नृसिंह चतुर्दशी	६	श्रीश्यामवावा द्वादशी	२	जन्माष्टमी व्रत वैष्णव	१२	प्रदोष व्रत	३०	श्रीश्यामवावा जागरण	२७	चतुर्मास व्रतसमाप्ति	२५
नया संवत आरम्भ	२५	कूर्मोत्पत्ति	७	प्रदोष व्रत	२	गोगानवमी (गुगोजी)	१३	पूर्णिमा व्रत सितं.	१	श्रीश्यामवावा द्वादशी	२८	देवोत्थापन	२५
नवरात्र आरम्भ	२५	पूर्णिमा व्रत	७	पूर्णिमा व्रत	४	भारतीयस्वतंत्रतादिवस	१५	अनन्त चतुर्दशी	१	प्रदोष व्रत	२८	प्रवोधिनी एका.	२५
गुडीपड़वा (महाराष्ट्र)	२५	वैशाखस्नानपूर्त्ति	७	गुरु पूर्णिमा	४	अजा एका.	१५	श्राद्ध प्रारम्भ	१	शरद पूर्णिमा	३०	श्रीश्यामवावा जागरण	२६
सिंधारा	२६	ज्येष्ठमास	मई	श्रावणमास	जुलाई	जैनपर्युषण	१५	प्रौष्ठपदी	१	कोजागरी व्रत	३०	श्रीश्यामवावा द्वादशी	२७
गणगोर	२७	चतुर्थीव्रत	१०	चतुर्थीव्रत	८	वत्सपूजा(वच्छवारस)	१५	कु. संध्यापूजा	२	पूर्णिमा व्रत	३१	प्रदोष व्रत	२७
भवान्युत्पत्ति अप्रे.	१	अपरा एका.	१८	नागपंचमी (राज.)	१०	प्रदोष व्रत	१६	प्र.आश्विनमास	सितंवर	कार्तिकस्नान प्रारम्भ	३१	वैकुण्ठ चतुर्दशी	२८
दुर्गाष्टमी	१	प्रदोष व्रत	१९	कामिका एका.	१६	कुशांग्रहणी अमा.	१८	चतुर्थीव्रत	५	कार्तिकमास	नवंवर	पूर्णिमा व्रत	२९
श्री रामनवमी	२	भाऊका अमा.	२२	प्रदोष व्रत	१८	पिठोरी अमा.	१८	अशोकाष्टमी	१०	करवाचतुर्थीव्रत	४	पुष्कर यात्रा	२९
कामदा एका.	४	अमावस्या	२२	सोमवती अमावस्या	२०	अमावस्या पितृकार्य	१८	इंदिरा एका.	१३	होई आठें (अष्टमी)	८	नानक जयंती	३०
श्रीश्यामवावा जागरण	४	महाराणाप्रतापजयंती	२५	हरियाली अमा.	२०	भादीमावस	१९	प्रदोष व्रत	१५	रमा एका.	११	भीष्म पंचक समाप्ति	३०
श्रीश्यामवावा द्वादशी	५	तारा (शुक्र अस्त)	३०	अमावस्या	२०	लोहार्गल स्नान	१९	सर्वपितृ श्राद्ध	१७	गोवत्स द्वादशी	१२	कार्तिक स्नान पूर्ति	३०
प्रदोष व्रत	६	गंगादशमी जून	१	सिंधारा	२२	मातृ अमा.	१९	अधिक मासारंभ	१७	धनतेरस	१२	मार्गशीर्षमास	दिसंवर
जैन महावीर जयंती	६	निर्जला एका.	२	तीज	२३	अमावस्या देवकार्य	१९	अमावस्या	१७	धन्वन्तरी जयंती	१२	चतुर्थीव्रत	३
पूर्णिमा व्रत	७	श्रीश्यामवावा जागरण	२	नागपंचमी	२५	गणेश चतुर्थी		कमला एका.	२७	प्रदोष व्रत	१३	कालभैरवाष्टमी	७
हनुमान जयंती	८	श्रीश्यामवावा द्वादशी	३	पवित्रा एका.	३०	(चंद्रदर्शननिषेध)	२२	श्रीश्यामवावा जागरण	२७	छोटी दीपावली	१३	उत्पत्ति एका.	११
वैशाख स्नान प्रारम्भ	८	प्रदोष व्रत	३	श्रीश्यामवावा जागरण	३०	जैन संवत्सरी	२२	श्रीश्यामवावा द्वादशी	२८	नेहरुजयन्ती(वालदिवस)	१४	प्रदोष व्रत	.१२
वैशाखमास	अप्रेल	कवीर जयंती	५	श्रीश्यामवावा द्वादशी	३१	ऋषि पंचमी	२३	प्रदोष व्रत	२९	अमावस्या पितृकार्य	१४	सोमवती अमावस्या	१४
चतुर्थीव्रत	११	आषाढ़मास	जून	तिलकपुण्यतिथि अग.	१	गौरी आवाहन	२५	पूर्णिमा व्रत अक्टु.	१	महालक्ष्मी पूजा	१४	अमावस्या	१४
बूढो वास्योड़ो	१५	चतुर्थीव्रत	८	प्रदोष व्रत	१	श्री राधाष्टमी	२६	द्वि.आश्विनमास	अक्टूवर	कुवेर पूजा	१४	मोक्षदा एका.	२५
वरुथिनि एका.	१८	ताराशुद्ध (शुक्रउदय)	९	सूणमाण्डणा		दधीची जयंती	२६	गांधीजयन्ती	२	अमावस्या देवकार्य	१५	श्रीश्यामवावा जागरण	२५
प्रदोष व्रत	२०	योगिनी एका.	१७	(पूरा दिन शुद्ध है)	२	गौरी पूजन	२६	चतुर्थीव्रत	५	गोवर्धन पूजा	१५	गीता जयंती	२५
अमावस्या पितृकार्य	२२	प्रदोष व्रत	१८	नारियल पूर्णिमा	३	अदुःख नवमी व्रत	२७	कमला एका.	१३	अन्नकूट	१५	श्रीश्यामवावा द्वादशी	२६
अमावस्या देवकार्य	२३	अमावस्या पितृकार्य	२०	पूर्णिमा व्रत	३	श्री चंद्र जयंती		प्रदोष व्रत	१४	गुजरातियों का		प्रदोष व्रत	२७
शिवाजी जयंती	२५	अमावस्या देवकार्य	२१	रक्षावंधन		(उदासीन संप्रदाय)	२७	अधिक मास समाप्ति	१६	नूतन वर्षारंभ	१६	श्री दत्त जयंती	२९
परशुराम जयंती	२५	सूर्यग्रहण	२१	भद्रा के वाद	३	गौरी विसर्जन	२७	अमावस्या	१६	भैयादूज	१६	पूर्णिमा व्रत	२९
अक्षय ३ (आखातीज)	२६	श्रीजगदीश रथयात्रा	२३	भाद्रपदमास	अगस्त	श्रीरामदेवजीका मेला	२८	नवरात्र आरम्भ	१७	सौभाग्य पंचमी	१९		
सीता नवमी मई	२	भड़ली नवमी	२९	कज्जली(वूढी) तीज	६	जलझूलनी एका.	२९	अग्रसेन जयंती	१७	गोपाष्टमी	२२		
श्रीश्यामवावा जागरण	३	आशा दशमी	३०	चतुर्थीव्रत	७	श्रीश्यामवावा जागरण	२९	मातामह श्राद्ध	१७	अक्षय(आंवला)नवमी	२३		
मोहिनी एका.	४	देवशयनीएका.जुला.	१	हलषष्ठी	९	वामन द्वादशी	२९	महाष्टमी (दुर्गाष्टमी)	२३	कुष्माण्ड नवमी	२३		
श्रीश्यामवावा द्वादशी	४	श्रीश्यामवावा जागरण	१	चंद्रषष्ठी (चानाछठ)	९	श्रीश्यामवावा द्वादशी	३०	विजया दशमी	२५	तुलसी विवाह	२५	शेष रवियोग के	
प्रदोष व्रत	५	चतुर्मास व्रत प्रारम्भ	१	जन्माष्टमी व्रत स्मार्त	११			पापांकुशा एका.	२७	भीष्म पंचक प्रारम्भ	२५	पृष्ठ पर देखें ...	

मकरेऽर्कः १४ जनवरी २०२१ गुरुवार प्रातः स्टै. ७।४७ ॥ **मकर सक्रांति** पुण्यकाल १४ जनवरी गुरुवार प्रातः स्टै. ७।४७ से रात्रि स्टै. २३।४७ तक ॥
तारा:- ता. ३०। ५।२०२० से ९। ६।२०२० तक और ११। २।२०२१ से.. (शुक्र) अस्त रहेगा ॥ **तारा:-** १७। १।२०२१ से १४। २।२०२१ तक (गुरु) अस्त रहेगा ॥

॥ अयन ज्ञानाय ॥

सायन/निरयन दो प्रकार के होते है। पहला सायन और दूसरा निरयन। सायन सूर्य से छ ऋतुओं का निर्धारण होता है और निरयन सूर्य से पंचांग (धार्मिक व्रतोत्सव, मुहूर्त आदि) का निर्णय किया जाता है। (पीयूषधारा पृ.१७२, श्लोक ९)
अयन - एक वर्ष में दो अयन होते हैं। उत्तरायण और दक्षिणायन। मकर सक्रान्ति से उत्तरायण प्रारम्भ होता है और सूर्य कर्क राशी पर आवे तब दक्षिणायन प्रारम्भ होता है।
ऋतु - एक वर्ष में छ ऋतु होती है। उनके नाम :- वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्, हेमन्त, शिशिर।

॥ नक्षत्र संरव्या और अभिजित् मान ॥

भारत के प्राचीन दिव्य ऋषियों ने भचक्र (वृहदाकाश) में जो अगण्य तारिकाएं दृष्टिगोचर होती हैं इनके प्रत्येक समूह को नक्षत्र की संज्ञा दी और इन नक्षत्रों की संख्या, स्वरूप, स्थान, वर्ण आदि निर्धारित किये। यहाँ मात्र संख्या की चर्चा होगी क्यों कि यह बहुत गहन विषय है। ग्रहमंडल, तारामंडल आदि की अधिक जानकारी के लिए वाराह मिहिर कृत वृहत्संहिता देखें। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार नक्षत्रों की संख्या २७ होती हैं प्रत्येक नक्षत्र के चार पाद (चरण) निर्धारित किये गये हैं और नो चरणों की एक राशि होती है। अस्तु। ये सताईस नक्षत्र इस प्रकार हैं -

(१) अश्विनी, (२) भरणी, (३) कृतिका, (४) रोहिणी, (५) मृगशिरा, (६) आर्द्रा, (७) पुनर्वसु, (८) पुष्य, (९) आश्लेषा, (१०) मघा, (११) पूर्वाफाल्गुनी, (१२) उत्तराफाल्गुनी, (१३) हस्त, (१४) चित्रा, (१५) स्वाति, (१६) विशाखा, (१७) अनुराधा, (१८) ज्येष्ठा, (१९) मूल, (२०) पूर्वाषाढा, (२१) उत्तराषाढा (२२) श्रवण, (२३) धनिष्ठा, (२४) शतभिषा, (२५) पूर्वाभाद्रपद, (२६) उत्तराभाद्रपद, (२७) रेवती ॥

अभिजिन्मानम्- "वैश्व-प्रान्त्याङ्घ्रिश्रुतितिथिभागतोऽभिजित्स्यात् ।" वैश्वेति। वैश्वमुत्तराषाढा, तस्यान्त्याङ्घ्रिः चतुर्थचरणः, श्रुतेः श्रवणस्य पञ्चदशांशो मिलित्वाऽभिजिद्भोगः स्यात। यदाह वसिष्ठः- "अभिजिद्भोगमेतद्वै वैश्वदेवान्त्यपादमखिलं तत्। आद्यचतस्रो नाड्यो हरिभस्यैतच्च रोहिणी विद्धम्।" -पीयूषधारा पृ.३७५, श्लो.५५

अर्थ - अभिजित् नामक कोई पृथक नक्षत्र (२७ नक्षत्रों की तरह) नहीं है। उत्तराषाढा नक्षत्र के चतुर्थ चरण का समय और श्रवण नक्षत्र के भभोग का १५वां-विभाग दोनों को मिलाने से जितनी घटिका होती है, उन घटिकाओं को अभिजित् नक्षत्र का मान समझना चाहिए ॥५५॥ अर्थात् अभिजित् उत्तराषाढा और श्रवण नक्षत्र के मध्य ही भुगत जाता है।

॥ विष्कुंभ आदि योग ॥

विष्कुंभादि योग २७ होते हैं इनके नाम इस प्रकार हैं - (१) विष्कुंभ, (२) प्रीति, (३) आयुष्मान्, (४) सौभाग्य, (५) शोभन, (६) अतिगण्ड, (७) सुकर्मा, (८) धृति, (९) शूल, (१०) गण्ड, (११) वृद्धि, (१२) ध्रुव, (१३) व्याघात, (१४) हर्षण, (१५) वज्र, (१६) सिध्दि, (१७) व्यतिपात, (१८) वरीयान्, (१९) परिघ, (२०) शिव, (२१) सिद्ध, (२२) साध्य, (२३) शुभ, (२४) शुक्ल, (२५) ब्रह्म, (२६) ऐंद्र, (२७) वैधृति ॥

बव आदि करणों के नाम - सम्पूर्ण-तिथिभोग का आधा भाग करण होता है **"तिथ्यर्थ करणम्"**। करण ११ होते हैं इनके नाम - बव, बालव, कौलव, तैतिल, गर, वणिज, विष्टि (विष्टि करण को भद्रा भी कहते हैं), अतिरिक्त चार करण शकुनि, चतुष्पाद, नाग, किंस्तुघ्न।

॥ महा वारुणी योग ॥

(निर्णयसिन्धु पृ.१२९, व्रतराज पृ.६६६)

चैत्रकृष्णत्रयोदश्यां महावारुणीसंज्ञो योगो गौडेषु प्रसिद्धः। तदुक्तं वाचस्पतिकृतौ शूलपाणौ च स्कान्दे - "वारुणेन समायुक्ता मधौ कृष्णा त्रयोदशी ॥ गंगायां यदि लभ्येत सूर्यग्रहशतैः समा ॥ शनिवारसमायुक्ता सा महावारुणी स्मृता ॥ गंगायां यदि लभ्येत कोटिसूर्यग्रहैः समा ॥ शुभयोगसमायुक्ता शनौ शतभिषा यदि। महामहेति विख्याता त्रिकोटिकुलमुद्धरेत ॥३॥" तत्रैव ज्योतिषे "चैत्रासिते वारुणऋक्षयुक्ता त्रयोदशी सूर्यसुतस्य वारे। योगे शुभे सा महती महत्या गंगाजलेऽर्कग्रहकोटितुल्या" इति ॥ ॥

चैत्रवदी त्रयोदशीको महावारुणीयोग गौडों में प्रसिद्ध है यही वाचस्पति के बनायें और शूलपाणि ग्रन्थ में स्कंदपुराण का वाक्य हैकि, शतभिषा नक्षत्र से युक्त चैत्रकृष्णवारुणी त्रयोदशी को गंगास्नान मिलै तो सूर्य के ग्रहणों के तुल्य फल है। यदि शनिवार संयुक्त होय तो वारुणी होती है यदि उसमें गंगास्नान प्राप्त होय तो सूर्य के कोटिग्रहणों के तुल्य फल होता है, यदि शुभयोग शनिवार शतभिषा नक्षत्र तीनों का योग होय तो महामहा वारुणी होती है, वह गंगास्नान से तीन कोटि कुलों का उद्धार करती है, उसी में ज्योतिष का वाक्य है कि, चैत्र कृष्ण त्रयोदशी को शतभिषा नक्षत्र शनैश्चरयुक्त शुभ योग होय तो वह महामहावारुणी होती है वह गंगाजल में सूर्य के कोटिग्रहणों के तुल्य होती है, यह त्रिस्थलीसेतु में ब्रह्माण्डपुराण का वाक्य है कि, शतभिषानक्षत्रयुक्त चैत्रकृष्ण त्रयोदशी गंगा में मिलै तो सूर्यग्रहण के समान होती है। कल्पतरु में ब्रह्मपुराण का वचन है कि, चैत्रकृष्ण त्रयोदशी शनिवार को शतभिषानक्षत्र युक्त होने से वारुणी कहलाती है और महाशुभदायक है।

॥ विष्णुशयनोत्सव और हरिवासर निर्णयः ॥

(निर्णयसिन्धु परिच्छेद २, पृ. १५१)

अत्रैव विष्णुशयनोत्सव उक्तो हेमाद्रौ ब्राह्मे - एकादश्यां तु शुक्लायामाषाढे भगवान् हरिः। भुजंगशयने शेते क्षीरार्णवजले सदा ॥ इति ॥ कल्पतरौ यमः - क्षीराब्धौ शेषपर्यंके आषाढ्यां संविशेद्धरिः। निद्रां त्यजति कार्त्तिक्यां तयोः संपूजयेत् सदा ॥ ब्रह्महत्यादिकं पापं क्षिप्रमेवं व्यपोहति। हिंसात्मकैस्तु किं तस्य यज्ञैः कार्यं महात्मनः ॥ प्रस्वापे च प्रबोधे च पूजितो येन केशवः ॥ टोडरानन्देऽपि स्कान्दे - आषाढशुक्लैकादश्यां कुर्यात् स्वप्नमहोत्सवम् ॥ अयं द्वादश्यामप्युक्तः। आभाकारितपक्षेषु मैत्रश्रवणरेवती। आदिमध्यावसानेषु प्रस्वापावर्तनोत्सवाः। निशि स्वापो दिवोत्थानं संध्यायां परिवर्तनम् ॥ अत्र पादयोगेपि द्वादश्यामेव कारयेत. आभाकाद्येषु मासेषु मिथुने माधवस्य च। द्वादश्यां शुक्लपक्षे च प्रस्वापावर्तनोत्सवाः ॥ इति भविष्योक्तेः। द्वादश्यां संधिसमये नक्षत्राणामसंभवे। आभाकासित पक्षेषु शयनावर्तनादिकम् ॥ इति वाराहोक्तेश्च ॥ द्वादश्यामित्यत्रापि पारणाहोमगात्रं विवक्षितम् ॥ पारणाहे पूर्वरात्रे घंटादीन्वादयन्महः, इति रामार्चनचन्द्रिकोक्तेः। अत्रैकादशीद्वादश्योर्देशभेदेन व्यवस्था ॥ इदं च मलमासे न कर्तव्यम् ॥

अर्थ - विष्णुशयन का उत्सव हेमाद्रि में ब्रह्मपुराण के मत से लिखा है कि, आषाढ शुक्ल एकादशी को शेष शय्यापर भगवान् क्षीरसागर के जल में निरन्तर शयन करते हैं। कल्पतरुग्रन्थ में यमराज का कथन है कि, आषाढ की एकादशी को भगवान् क्षीरसागर में शयन करते हैं। और कार्तिकशुक्ल एकादशी को जागते हैं। इससे इन दोनों में जो मनुष्य विष्णु भगवान का सदैव पूजन करते हैं उनके ब्रह्महत्यादि पाप सब दूर होते हैं। जो मनुष्य सोने और जागने के दिन केशव भगवान् का पूजन करता है, उसको हिंसारूप यज्ञों से क्या प्रयोजन है, टोडरानन्द ग्रन्थ में स्कंदपुराण का वाक्य है कि, आषाढ शुक्ल एकादशी को विष्णुशयन का उत्सव करना चाहिये, यह उत्सव द्वादशी में भी लिखा है. कारण कि. भविष्य पुराण का वाक्य है कि आषाढ, भाद्रपद, कार्तिकशुक्ल द्वादशी को क्रम से अनुराधा, श्रवण, रेवती नक्षत्रों के आदि, मध्य और अन्त के चरणों में क्रम से सोने, करवट लेने और जागने का उत्सव करै उनमें शयन का उत्सव रात्रि में और जागने का उत्सव दिन में और करवट लेने का उत्सव सन्ध्या में करना चाहिये अन्य समय भी पूर्वोक्त चरणों का होय तो भी पूर्वोक्त उत्सवों को द्वादशी में ही करना चाहिये। आषाढ, भाद्रपद, कार्तिक आदि महिनों में और मिथुन आदि के सूर्य में भगवान के शयन आदि का उत्सव शुक्लद्वादशी को करना चाहिये। वाराह पुराण में लिखा है कि द्वदशी को सन्ध्या के समय जबतक नक्षत्रों का उदय न हो तबतक आषाढ, भाद्रपद, कार्तिक में विष्णु के शयन आदि का उत्सव करना यह द्वादशी पद से पारणा का दिन ग्रहण करना, कारण कि रामार्चनचन्द्रिका में लिखा है कि पारणा के दिन पहली रात्री में घण्टा आदि को बारम्बार बजावे, यहाँ एकादशी और द्वादशी की व्यवस्था देशभेद से जाननी चाहिये। इस उत्सव को मलमास में नहीं करना चाहिये. कालादर्श में इसका उल्लेख है। - निर्णयसिन्धु परिच्छेद २, पृ. १५१) ॥ अलमति विस्तरेण।

॥ श्रवणद्वादशी (विष्णुशृंखला) निर्णय ॥

(निर्णयसिन्धु परिच्छेद २, पृ. २०३-४)

द्वादश्यां तु सिते पक्षे मासि प्रौष्ठपदे तथा ॥ शक्रमुत्थापयेद्राजा विश्वश्रवणवासवे। इयमेव श्रवणद्वादशी। तत्रैकादश्यां द्वादशी श्रवण योगे संवोपोष्या। एकादशी द्वादशी च वैष्णव्यमपि तत्र चेत्। तद्विष्णुशृंखलं नाम विष्णुसायुज्यकृद्भवेत्। इति विष्णुधर्मोक्तेः। नारदीयेपि - संस्पृश्यैकादशीं राजन् द्वादशीं यदि संस्पृशेत्। श्रवणं ज्योतिषां श्रेष्ठं ब्रह्महत्यां व्यपोहति। द्वादशी श्रवणस्पृष्टा स्पृशेदेकादशी यदि। स एवं वैष्णवो योगो विष्णुशृंखलसंज्ञितः ॥२॥ इति हेमाद्रौ मात्स्योक्तेश्च।

अर्थ - भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को इन्द्रध्वजा को उठावै यदि अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्र होवे तो इसी को श्रवणद्वादशी कहते हैं। वह एकादशी, द्वादशी और श्रवण का योग होय तो उसी दिन ही व्रत करै, कारण कि विष्णुधर्म में यह लिखा है कि एकादशी और द्वादशी होय और श्रवण नक्षत्र भी वहाँ होय तो यह विष्णुशृंखल नाम योग विष्णु की सायुज्य करने वाला होता है. नारदपुराण में भी लिखा है कि, हे राजन्! यदि ज्योतिषियो मे श्रेष्ठ श्रवणनक्षत्र एकादशी का स्पर्श करके द्वादशी का भी स्पर्श करले तो ब्रह्महत्याओं को दूर करता है, हेमाद्रि में मत्स्य पुराण का वाक्य है कि श्रवण नक्षत्र से मिलि एकादशी द्वादशी का स्पर्श कर ले तो वह वैष्णवों का विष्णुशृंखलयोग होता है ॥ अलमिति ॥

राहु काल और देशाचार - इस विशेष काल में १ घंटा ३० मिनट के लिए राहुकाल का अनिष्टकारी समय होता है। किसी भी शुभ कार्य के प्रारम्भ में इस समय को टाल देना चाहिए - दक्षिण भारत (कर्नाटक आदि) में ऐसी मान्यता है अन्यत्र नहीं। देशाचार के अनुसार सभी जगह पृथक पृथक मान्यताएं रहती हैं, जैसे महाराष्ट्र में घबाड़योग-करिदिन, गुजरात में विच्छुड़ा, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर-प्रदेश, बिहार, आन्ध्रप्रदेश, बंगाल, हिमाचल-प्रदेश, उड़िसा आदि भारत के अधिकांश भागों में भद्राकाल (विष्टि) में शुभकार्य नहीं करते हैं। अलग अलग स्थलों मे भिन्न-भिन्न मान्यताएं-भाषाएं और देशाचार के अनुसार रीती रिवाज रहते हैं। भ्रान्तियो से बचना चाहिए। अलमतिविस्तरेण।

॥ अष्टादश (१८) पुराणों के नाम ॥

०२. पद्म-महापुराण पातालखण्ड में -

ब्राह्मं पुराणं प्रथमं द्वितीयं पाद्ममुच्यते। तृतीयं वैष्णवं चैव चतुर्थं शैवमुच्यते ॥११५.८९॥
अथ भागवतं प्रोक्तं पञ्चमं षष्ठमुच्यते। भविष्यं नारदीयं च सप्तमं परिकीर्तितम् ॥११५.९०॥
मार्कण्डेयमिति प्रोक्तमष्टमं नवमं तथा। आग्नेयं ब्रह्मवैवर्त्तं दशमं परिकीर्तितम् ॥११५.९१॥
लैङ्गं च वामनं चैव स्कान्दं मात्स्यमथैव च। कौर्मं वाराहमुदितं गारुडं वाथ कीर्तितम् ॥११५.९२॥
ब्रह्माण्डमित्यष्टादश पुराणानि विदुर्बुधाः। .... ॥११५.९३॥ स्पष्टार्थः।

०३. विष्णु-महापुराण तृतीय अंश में -

आद्यं सर्वपुराणानां पुराणं ब्राह्ममुच्यते। अष्टादशपुराणानि पुराणज्ञाः प्रचक्षते ॥६.२०॥
ब्राह्मं पाद्मं वैष्णवं च शैवं भागवतं तथा। तथान्यं नारदीयं च मार्कण्डेयं च सप्तमम् ॥६.२१॥
आग्नेयमष्टमं चैव भविष्यन्नवमं स्मृतम्। दशमं ब्रह्मवैवर्त्तं लैङ्गमेकादशं स्मृतम् ॥६.२२॥
वाराहं द्वादशं चैव स्कान्दं चात्र त्रयोदशम्। चतुर्दशं वामनं च कौर्मं पञ्चदशं तथा ॥६.२२॥
मात्स्यं च गारुडं चैव ब्रह्माण्डं च ततः परम्। महापुराणान्येतानि ह्यष्टादश महामुने ॥६.२३॥स्पष्टार्थः

१३. स्कन्द-महापुराण (प्रथम माहेश्वरखण्डम्) कौमारिकाखण्ड में -

ब्राह्मं पाद्मं वैष्णवं च शैवं भागवतं तथा। तथान्यन्नारदीयं च मार्कण्डेयं च सप्तमम् ॥४०,१९९॥
आग्नेयमष्टमं प्रोक्तं भविष्यं नवमं स्मृतम्। दशमं ब्रह्मवैवर्त्तं लैङ्गमेकादशं तथा ॥४०,२००॥
वाराहं द्वादशं चैव स्कान्दं चैव त्रयोदशम्। चतुर्दशं वामनं च कौर्मपञ्चदशं स्मृतम् ॥४०,२०१॥
मात्स्यंषोडशकं प्रोक्तं गारुडं च ततः परम्। अतः परं तु ब्रह्माण्डमेवञ्चाष्टादशानिहि ॥४०,२०२॥
स्पष्टार्थः।

क्रमांक पुराणों के नाम
१ ब्रह्मपुराण
२ पद्मपुराण
३ विष्णुपुराण
४ शिवपुराण (वायुपुराण)
५ श्रीमद्भागवतपुराण
६ नारदीयपुराण
७ मार्कण्डेयपुराण
८ अग्निपुराण
९ भविष्यपुराण
१० ब्रह्मवैवर्तपुराण
११ लिंगपुराण
१२ वाराहपुराण
१३ स्कन्दपुराण
१४ वामनपुराण
१५ कूर्मपुराण
१६ मत्स्यपुराण
१७ गरुड़पुराण
१८ ब्रह्माण्डपुराण

०६._नारदपुराण में - (मानव चतुर्युग वर्ष-प्रमाण)

युगमानं स्मृतं विप्र खचतुष्करदार्णवा।
तद्दशांशास्तु चत्वारः कृताख्यं पादमुच्यते ॥ २,५४,६१ ॥
त्रयस्त्रेता द्वापरः द्वौ कलिरेकः प्रकीर्तितः।
मनुं कृताब्दसहिता युगानामेकसप्ततिः ॥ २,५४,६२ ॥

अर्थ - [चतुर्युग प्रमाण] हे विप्रवर ! चारोंयुगों का एकीकृत मान तेतालीस लाख बीस हजार वर्ष निर्धारित हैं। इसका जो दशांश होता है उसको चार से गुणा करने पर कृतयुग संज्ञक पाद होगा (जिसका मान १७ लाख २८ हजार वर्ष स्वीकृत है)। उक्त दशांश को तीन से गुणा करने पर (१२,९६००० वर्ष) त्रेतायुग का पाद होगा। उक्त दशांश को दो से गुणा किया जाए तो द्वापर का पाद (८६,4००० वर्ष) होगा। अन्त में, उक्त दशांश को एक ही गुना स्वीकारने पर कलियुग नामक पाद (४३२००० वर्ष) होगा। कृतयुग सहित (संध्या रूप में एक कृतयुग की वृद्धि समेत) ७१ चतुर्युग का एक मन्वन्तर होता हैं ॥६१-६२॥

१३-_स्कन्द-महापुराण (प्रथम माहेश्वरखण्डम्) कौमारिकाखण्ड में -
(मानव चतुर्युग वर्ष-प्रमाण)

मनुष्याणां च वर्षाणि लक्षसप्तदशैव तु। अष्टाविंशति सहस्राणि कृतं त्रेतायुगं ततः ॥३९.५६॥
लक्षद्वादशसाहस्रषण्णवत्यधिकाः पराः। अष्टौ लक्षश्चतुःषष्टिसहस्राणि च द्वापरः ॥३९.५७॥
चतुर्लक्षन्तु द्वात्रिंशत्सहस्राणि कलिः स्मृतः। ....॥३९.५८॥

अर्थ - मनुष्यों के १७ लाख २८ हजार वर्ष का सत्ययुग होता है। बारह लाख ९६ हजार वर्ष का त्रेतायुग, आठ लाख ६४ हजार वर्ष का द्वापर तथा ४ लाख ३२ हजार वर्ष का कलियुग होता है ॥५६-५७-५८॥

मानव और दैव चतुर्युग मान

०४. वायुपुराण में -

लौकिकेन प्रमाणेन विवृद्धोऽब्दस्तु मानुषः।
तेनाब्देन प्रसंख्याय वक्ष्यामीह चतुर्युगम् ॥५७,५॥

भाव - मानव वर्ष लौकिक प्रमाण से माना गया है। उसी मानव वर्ष के प्रमाण से इन चारों युगों का प्रमाण बतला रहा हूँ ॥५॥

लौकिकेनैव मानेन अब्दो यो मानुषः स्मृतः।
एतद्दिव्यमहोरात्रं शास्त्रेऽस्मिन्निश्चयो मतः ॥ ५७,१२॥
दिव्ये रात्र्यहणी वर्षं प्रविभागस्तयो पुनः।
अहस्तत्रोदगयनं रात्रिः स्याद्दक्षिणायनम् ॥५७,१३॥

अर्थ - लौकिक मान से मानव के एक वर्ष का देवताओं का एक अहोरात्र इस शास्त्र में निश्चित माना गया है। इस दिव्य (देवताओं के) वर्ष का विभाग इस प्रकार है, उसमें उत्तरायण तो दिन है और दक्षिणायन रात्रि ॥१२-१३॥

मनुस्मृति में - एदेतत्परिसंख्यातमादावेव चतुर्युगम्।
एतद्द्वादशसाहस्त्रं देवानां युगमुच्यते ॥१,७१॥

भाव - १२००० हजार वर्ष देवताओं के चतुर्युग हैं ॥ इति स्पष्ट ॥

ब्रह्मस्फुटसिद्धान्त-४ (आचार्य ब्रह्मगुप्त,टीका- आचार्यवर रामस्वरूप, दिल्ली, १९६६)- मानाध्याय में -

युगवर्षं विषुवदयनर्त्त्वहर्निशोर्वृद्धिह्रानयः सौरात्।
तिथिकरणाधिकमासोनरात्रपर्वक्रियाश्चान्द्रात् ॥२३,३॥

भाव-युगादीनि कृतादीनि तेषां या वर्षसंख्या सौरेण मानेन ग्राह्या। ...॥३॥

॥ मंगल दोष अपवाद ॥

ज्ञात हुआ हैं कि, वर अथवा कन्या की कुण्डली में मंगलदोष अर्थात् मांगलीक बताकर इतना भ्रम पैदा कर दिया जाता है कि माता पिता तो घबराते ही है अपि तु बच्चे (वर कन्या) भी चिंतित हो जाते हैं - मांगलीक प्रमाणित करने के लिए शास्त्र में बहुमत प्राप्त होता है वह कन्या शब्द के लिए है जैसे - "कन्याभर्त्तु र्विनाशाय.." इति प्रसिद्धः ॥ शास्त्रों में हमारे ऋषिगणों ने कन्या संज्ञा के लिए कितने वर्ष की आयु निर्धारित की है पढते हैं -

नारद, कश्यप, श्रीपतिनिबन्ध, पराशरादि सहित - अत एवाह व्यासः - 'अष्टवर्षा भवेद्गौरी नववर्षा च रोहिणी। दशवर्षा भवेत्कन्या द्वादशे वृषली स्मृता ॥' इति। -पीयूषधारा पृ.३१४

अपि च - दशवर्षा भवेत्कन्या अत ऊर्ध्वम् रजस्वला ॥५॥' इति। - निर्णयसिन्धु पृ. ४५०

प्राचीन आचार्यों के मत से १२ वर्ष से ऊपर कन्या संज्ञा नही रहती हैं। ज्ञातव्य है कि १२ वर्ष से ऊपर रजस्वला होने के कारण कन्या संज्ञा नही रहती है तो मंगल दोष कहाँ से होगा। अस्तु। मैं यहाँ स्पष्ट कर दूँ कि - कन्या की आयु १२ वर्ष और वर की आयु १६ वर्ष (प्राप्ते षोडशे वर्षे..) के बाद किसी भी तरह का कोई मंगलदोष नहीं होता है। - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता)

अथ यद्दिने होमशिखीर्वितरत्तद्दिने वह्निवासवशेन शुभाशुभफलमिंद्रवज्रयाह - सैका तिथिर्वारयुता कृताप्ता शेषे गुणेऽभ्रे भुवि वह्निवासः। सौख्याय होमे शशियुग्मशेषे प्राणार्थनाशो दिवि भूतले च ॥३६॥ उक्तं च - संस्कारेषु विचारोऽस्य न कार्यो नापि वैष्णवे। नित्ये नैमित्तिके कार्ये नचाब्दे मुनिभिः स्मृतः ॥ इति ॥३६॥ शुक्लपक्ष की प्रतिपदा से (कृष्णपक्ष अमा तक ३० तिथियो मे) वर्तमान तिथि मे १ जोडकर उसमे वार संख्या (रवि से शनि तक ७) जोडकर इस जोड मे ४ का भाग देने से यदि १ शेष बचे तो स्वर्ग मे नेष्ट, २ बचने से पाताल मे नेष्ट, शून्य और तीन (०, ३) शेष बचे तो भूमि मे अग्निवासक तिथि का हवन उत्तम शुभेष्ट फलद होगा। उपनयन विवाहादिक संस्कारो एवं नित्य नैमित्तिक शुभ कार्यों मे उक्त अग्निवास विचार की आवश्यकता प्रतीत नही होती अर्थात यज्ञ अनुष्ठानादि मे विचार करना चाहिए ॥३६॥ - पीयूष पृ.१०४

संवत् २०७७, सृष्टि के आरम्भ से गत वर्ष

॥ कालांशेन कल्पादितःसृष्ट्यादितश्च गताब्दाः कल्पभोग्याब्दाश्च बोधम् ॥

लोकानामन्तकृत्कालः कालोन्यःकलनात्मकः । स द्विधा स्थूलसूक्ष्मत्वान्मूर्त्तश्चामूर्त उच्यते ॥१०॥
प्राणादिःकथितो मूर्तःत्रुट्याद्योऽमूर्तसंज्ञकः । षड्भिः प्राणैर्विनाडीस्यात्तत्षष्ट्यानाडिकास्मृता ॥११॥
नाड़ी षष्ट्या तु नाक्षत्रमहोरात्रप्रकीर्तितम् । तत्त्रिंशता भवेन्मासः सावनोऽर्कोदयैस्तथा ॥१२॥
ऐन्दवस्तिथिभिस्तद्वत्सङ्क्रान्त्या सौरउच्यते । मासैर्द्वादशभिर्वर्ष दिव्यं तदहरुच्यते ॥१३॥
सुरासुराणामन्योन्यमहोरात्रं विपर्ययात् । तत्षष्टिषड्गुणा दिव्यं वर्षमासुरमेव च ॥१४॥
तद्द्वादशसहस्राणि चतुर्युगमुदाहृतम् । सूर्याब्दसंख्यया द्वित्रिसागरैरयुताहतैः ॥१५॥
सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं विज्ञेयं तच्चतुर्युगम् । कृतादीनां व्यवस्थेयं धर्मपादव्यवस्थया ॥१६॥
युगस्यदशमोभागश्चतस्त्रिद्व्येक सङ्गुणः । क्रमात्कृतयुगादीनां षष्ठांऽशः सन्ध्ययोः स्वकः ॥१७॥
युगानांसप्ततिस्सैका मन्वन्तरमिहोच्यते । कृताब्दसङ्ख्यातस्यान्ते सन्धिः प्रोक्तोजलप्लवः ॥१८॥
ससन्धयस्ते मनवः कल्पे ज्ञेयाश्चतुर्दश । कृतप्रमाणः कल्पादौ संधिः पञ्चदश स्मृताः ॥१९॥
इत्थं युगसहस्रेण भूतसंहारकारकः । कल्पो ब्राह्ममहः प्रोक्तं शर्वरी तस्य तावती ॥२०॥
परमायुश्शतं तस्य तयाऽहोरात्रसङ्ख्यया । आयुषोऽर्धमितं तस्य शेषात्कल्पोऽयमादिमः ॥२१॥
कल्पादस्माच्च मनवः षड्व्यतीताःससंधयः । वैवस्वतस्य च मनोर्युगानां त्रिघनो गतः ॥२२॥
अष्टाविंशाद्युगादस्माद्यातमेतत्कृतं युगम् । अतः कालं प्रसंख्याय सङ्ख्यामेकत्र पिण्डयेत् ॥२३॥
ग्रहर्क्षदेवदैत्यादि सृजतोस्य चराचरम् । कृताद्रिवेदा दिव्याब्दाः शतघ्ना वेधसो गताः ॥२४॥

॥ सूर्य सिद्धान्त ॥ प्रकाशन - खेमराज श्रीकृष्णदास वेङ्कटेश्वर प्रेस मुम्बई.

एक संक्रान्ति से दूसरी संक्रान्ति तक के समय को सौरमास कहते हैं। १२ सौरमासों का एक सौरवर्ष होता है, जिसको दिव्यदिन अथवा देवताओं का दिन कहते हैं। हमारे ३६० सौरवर्षो का देवताओं का एक वर्ष होता है ॥१३-१४॥

इन बारह हजार दिव्य वर्षो का एक चतुर्युग होता है जिसकी संख्या सौर वर्षो में तैतालीस लाख वीस हजार (४३२००००) होती है। इसमें सन्ध्या और संध्याश के वर्ष भी मिले हुए हैं। एक चतुर्युग में सत्ययुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग चार युग होते हैं (चतुर्युग को महायुग भी कहते हैं)। चतुर्युग के दसवें भाग का चार गुना सत्ययुग, तीन गुना त्रेता, दो गुना द्वापर और एक गुना कलियुग होता है। प्रत्येक युग के छठें भाग के समान उसकी दोनों संन्ध्याएँ होती है ॥१५-१७॥ संध्या-संध्यांशः एक आरम्भ में और एक अन्त में। युग के आदि में जो संध्या होती है उसको आदि संध्या और अन्त में जो संध्या होती है उसको संध्यांश कहते हैं।

७१ महायुगों का एक मन्वन्तर होता है, जिसके अंत में सत्ययुग के समान संध्या होती है। इसी संध्या में जलप्लव होता है। संधि सहित १४ मन्वन्तरों का एक कल्प होता है, जिसके आदि में भी सत्ययुग के समान एक संध्या होती है, इसलिए एक कल्प में १४ मन्वन्तर और १५ सत्ययुग के समान संध्याएँ हुई ॥१८-१९॥

सूर्यसिद्धांत रचनाकाल में प्राण से नीचे कोई छोटी संख्या नहीं थी अतः-

गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई

१ प्राण	= १	१ विनाड़ी(पल)	= ६ प्राण
१ नाड़ी(घडी)	= ६० विनाड़ी(पल)	१ दिन(अहोरात्र)	= ६० नाड़ी (घडी)

१ मास	= ३० दिन(अहोरात्र)
१ सौरमास	= एक संक्रान्ति से दूसरी संक्रान्ति तक का समय.
१ सौरवर्ष	= १२ सौरमास
१ दिव्यदिन	= १ सौरवर्ष (१२ सौरमास)
१ दिव्यमास	= ३० दिव्यदिन (३० सौरवर्ष या ३६० सौरमास)
१ दिव्यवर्ष	= १२ दिव्यमास (३६० दिव्यदिन या ३६० सौरवर्ष)
१ चतुर्युग	= १२००० दिव्यवर्ष (४३२०००० सौरवर्ष)
१ मन्वन्तर	= ७१ चतुर्युग + सत्ययुगतुल्य मन्वन्तरसंध्या(३०८४४८००० सौरवर्ष)
१ कल्प	= १४ मन्वन्तर + सत्ययुगतुल्य कल्पादिसंध्या (४३२००००००० सौरवर्ष)

सौरवर्षो में

४३२०००० = दिव्यवर्ष १२००० X ३६०, दोनों संध्याओं (संध्या-संध्यांशः) सहित इनके मान यह हुएः-

	युगादि	(युगों का मूलमान + संध्या व संध्याश)
४३२०००० ÷ १० X ४, सत्ययुग का मान हुआ	१७२८००० =	(१४४०००० + २८८०००)
४३२०००० ÷ १० X ३, त्रेता का मान हुआ	१२९६००० =	(१०८०००० + २१६०००)
४३२०००० ÷ १० X २, द्वापर का मान हुआ	८६४००० =	(७२०००० + १४४०००)
४३२०००० ÷ १० X १, कलियुग का मान हुआ	४३२००० =	(३६०००० + ७२०००)

षष्ठांशसंध्याओं सहित १ महायुग (चतुर्युग) का मान	४३२०००० = (३६००००० + ७२००००)
१ मन्वन्तर	= ३०८४४८००० (७१ X ४३२०००० + १७२८००० मंन्वन्तरसंध्या)
१ कल्प	= ४३२००००००० (१४ X ३०८४४८००० + १७२८००० कल्पादिसंध्या)
सहस्रमहायुग	= ४३२००००००० (४३२०००० X १०००), चार अरब बत्तीस करोड़ सौरवर्ष

वर्तमान में- प्रवर्तमानस्याद्य ब्रह्मणो द्वितीये परार्धे श्री श्वेतवाराह कल्पे सप्तमे वैवस्वत मन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलि प्रथमचरणे ... । श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७७ .. ।

गत ६ मन्वन्तर (६ X ३०८४४८००० + १७२८००० कल्पादिसंध्या)	१८५२४१६०००
सातवें मन्वन्तर के गत २७ महायुग(चतुर्युग) (२७ X ४३२००००)	११६६४००००
„ गत युगादि सत्य, त्रेता, द्वापर (१७२८००० + १२९६००० + ८६४०००)	३८८८०००
„ कलि गताब्दाः	५१२१
कल्पादितः गताब्दाः	१९७२९४९१२१
कल्पादितः सृष्टिरचनापर्यन्तं गताब्दाः (श्लोक २४, दिव्य वर्ष ४७४०० X ३६०)	- १७०६४०००
सृष्ट्यादितः गताब्दाः	१९५५८८५१२१
कल्प भोग्याब्दाः	२३४७०५०८७९
कलि भोग्याब्दाः	४२६८७९

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२ (सन २०२०-२१) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

विवाह मुहूर्त्त देखने की विधि - विवाह मुहूर्त्त की पंक्तियाँ जैसे पहले देते थे उनको यथावत् रखते हुए आपकी अभिलषित सामग्री का समावेश किया है. आशा हैं कि लाभान्वित होंगें। उपर दिये हुए प्रत्येक विवाह मुहूर्त्त की तारीख वाली पंक्ति के नीचे जिन राशि वाले वर और कन्या का शुभ विवाह हो सकता है उन वर कन्या की राशियों का दो पक्तियों में अलग अलग उल्लेख किया है उसके बाद उसी पंक्ति मे सूर्य-चंद्र उस दिन किस राशि पर हैं वह राशि दी गई है, उसके नीचे की पंक्ती में लग्नों का प्रवेश और समाप्ति स्टेंडर्ड (रेल्वे) समय दिया हैं। जिस तारीख या मिति को सूर्य या चंद्रमा की राशि का परिवर्तन हुआ हैं तो वहाँ वर कन्या की राशियाँ भी दुबारा लिखी हैं जैसे ५ मई (का.), २९ जून (का.) को। ध्यान रहे कि विवाह लग्न का समय सूर्य या चंद्रमा के परिवर्तन समय से पूर्व हैं तो पहले वाली राशियों से वर और कन्या की राशि का मिलान करें और परिवर्तन समय से विवाह लग्न का समय बाद में हो तो बाद वाली राशियों से मिलान करें अर्थात् वर और कन्या की राशि (जन्म या व्यवहारिक) जिस तारीख और लग्न (फेरे के समय) वाली राशियों से मिलती है उस दिन उस लग्न में उनका शुभ विवाह मुहूर्त बनता है। **यथा -** वर की राशि तुला है और कन्या की राशि कर्क है इनका संवत् के आरंभ में विवाह मुहूर्त्त देखना है तो तारीख २६ अप्रेल २०२० रविवार की पंक्ति में वर की राशि तुला नहीं है और कन्या की राशि कर्क पंक्ति में प्राप्त हो गई. अतः उपरोक्त राशि वालों का शुभ विवाह मुहूर्त्त नहीं बनता हैं। तारीख १ मई २०२० शुक्रवार की पंक्ति में वर की राशि तुला और कन्या की राशि कर्क दोनों की राशि प्राप्त हो गई. अतः यह शुभ विवाह मुहूर्त बनता है। इसी तरह आगे भी देखना चाहिए।

विशेष - उपर पंक्तियों में वे ही राशियाँ ग्रहण की गई हैं जो वर-कन्या की राशि से सूर्य और चंद्रमा शुभ और पूज्य हैं। शेष अशुभ राशियाँ (सूर्य ४-८-१२ और चंद्रमा ४-८) छोड़ दी गई हैं। यहाँ पर गुरु राशि का विचार नहीं किया हैं क्यों कि **"कन्या-प्रौढा"** के मत से विद्वद्गण स्वयं निर्णय लें, जो कन्या मत से गुरु देखना चाहते हैं उनकी सुविधा के लिए गुरु राशि का विवरण भी दिया है। जिस कन्या का विवाह मुहूर्त देखना हो उस कन्या की राशि को विवाह मुहूर्तों की पंक्ति में कन्या राशि के सामने जो राशियाँ लिखी हैं उनमें देखकर नीचे गुरु शुद्धि में जो राशियाँ लिखी हैं उनमें भी देखें यदि दोनों जगह कन्या की राशि प्राप्त हो तो उस कन्या का विवाह हो सकता है अन्यथा नहीं। जैसे- ता. २६ अप्रेल २०२० रविवार को वृष राशि दोनों जगह प्राप्त हैं लेकिन मिथुन राशि नीचेवाली राशियों में नही है अतः मिथुन राशिवाली कन्या की गुरुबल शुद्धि नही है। अलमतिविस्तरेण।

विवाह मुहूर्तों के आरंभ में (१४ अप्रे. २०२०) गुरुस्थिति -
कन्या राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : गुरु राशि - मकर
ता. ३० जून २०२० के विवाह मुहूर्त्तों से -
कन्या राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : गुरु राशि - धनु
ता. २५ नवं. २०२० के विवाह मुहूर्त्तों से -
कन्या राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : गुरु राशि - मकर

कन्या के विवाह में गुरुबलः- कन्याविवाहकालं ग्रहशुद्धिं च वसन्तमालिकाछन्दसाह - गुरुशुद्धिवशेन कन्यकानां समवर्षेषु षडशब्दकोपरिष्टात्। रविशुद्धिवशाच्छुभो वराणामुभयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः ॥१२॥ **नारद,कश्यप,श्रीपतिनिबन्ध, पराशरादि सहित - अत एवाह व्यासः -** **'अष्टवर्षा भवेद्गौरी नववर्षा च रोहिणी। दशवर्षा भवेत्कन्या द्वादशे वृषली स्मृता ॥' इति।** **यदा तु कन्या कालातिक्रान्ता भवति तदा गुरुबलमनावश्यकमित्याह व्यासः -** 'दशवर्षव्यतिक्रान्ता कन्या शुद्धिविवर्जिता। तस्यास्तारेन्दुलग्नानां शुद्धौ पाणिग्रहो मतः॥' इति। प्राचीन आचार्यों के मत से १२ वर्ष से ऊपर की कन्याओं के विवाह मे समय (अवस्था) के अतिक्रमण से गुरु शुद्धि आदिक विचार आवश्यक नहीं है। **- पीयूषधारा पृ.३१४**
अपि च- अष्टवर्षा.। दशवर्षा भवेत्कन्या अत ऊर्ध्वम् रजस्वला ॥५॥' इति। -निर्णयसिन्धु पृ.४५०

कालातिक्रमे निषेधमाह वाराहः- पूजाभिलाषं प्रतिनिःस्पृहोऽपि, कुर्य्याद् गुरौ शुद्धिविवर्जितेऽपि। वराग्र्यलाभे शुभदं विवाहं, वदन्ति गर्गच्यवनादिमुख्याः ॥५३॥
वराह के अनुसार कालातिक्रम में गुरु का निषेध- श्रेष्ठ सुयोग्य वर के प्राप्त होने पर गुरु की शुद्धि के बिना भी विवाह शुभ होता है। गर्ग, च्यवन प्रभृति मुख्य ऋषियों का यह मत है। **- संग्रहशिरोमणि पृ.३५३**

सन२०२०	**वैशाख शुक्लपक्षः**
२६ अप्रे.	**३ रवौ मृगे** रे. ६ ॥ऽशुऽ॥ऽऽ॥ रात्रौ लग्न १० (भद्रा २५।५९ से) **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि-** मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष **समयः** मकर- रात्री १२।४१ से १।५९ यावत् तदुपरांत भद्रारंभः
१ मई	**८ शुक्रे मघा.** रे. ७ ॥॥ऽऽ॥ऽ। रात्रौ लग्न १० (मकरे चं ७ २५।०७ यावत), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीनः सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि-** मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह **समयः** मकर- रात्री १। ७ उपरांत २। ४
२ मई	**९ शनौ मघा.** रे. ७ ॥॥ऽऽ॥ऽ। दिवा लग्न २, ३, ६, रात्रौ लग्न गोधूलि(७), ८ (मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृश्चिके शु ७ पूज्यः), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः **वर राशि** - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीनः सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि-** मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह **समयः** वृष- प्रातः ६।३४ से ८।३०, मिथुन- दिन ८।३० से ९।१६ यावत्, कन्या-दिन ३।२० से ५।३६, गोधूलि- सायँ ६।१३ से ७।४९, वृश्चिक- रात्री ७।५५ से १०।१३
४ मई	**११ चंद्रे उफा.** रे. ८ ॥॥ऽऽ॥। दिवा लग्न ५ **वर राशि** - मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि-** मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या **समयः** सिंह- दिन १२।५६ से ३।१३
४ मई	**११ चंद्रे हस्ते** रे. ७ ऽऽ॥ऽ॥॥ रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७), ८, १०, १२ (वृश्चिके शु ७ पूज्यः, मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः) **वर राशि** - मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि-** मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या **समयः** अ.गोधूलि- सायँ ७।१९ उपरांत ७।५०, वृश्चिक- रात्री ७।४७ से १०। ५, मकर- रात्री १२। ९ से १।५२, मीन- उत्तर रात्री ३।२० से ४।४६
५ मई	**१३ भौमे हस्ते** रे. ७ ऽऽ॥ऽ॥॥ दिवा लग्न ३ (मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा) **वर राशि** - मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि मेष **कन्याराशि-** मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या **समयः** मिथुन- प्रातः ८।१८ से १०।३२
६ मई	**१४ बुधे स्वातौ** रे. ८ ॥॥ऽ।ऽ॥ दिवा लग्न ६ (भद्रा १९।४६ से) **वर राशि** - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष **कन्याराशि-** मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला **समयः** कन्या- दिन ३। ५ से ५।२०

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२ (सन २०२०-२१) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

दिनांक	विवरण
	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
सन२०२० १८ मई	११ चंद्रे उभा. रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ३, ६ (मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, कन्या. चं ७ पूज्यः) वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीनः चंद्रराशि-मीन समयः मिथुन- प्रातः ७।२७ से ९।४१, कन्या- दिन २।१८ से ४।११ यावत्
१८ मई	११ चंद्रे रेवत्यां रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), १०, १ वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीनः चंद्रराशि-मीन समयः अ.गोधूलि- सायँ ६।२२ से ७।५८, मकर- रात्री ११।१४ से १२।५७, मेष- उत्तर रात्री ३।५१ से ५।२७
१९ मई	१२ भौमे रेवत्यां रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ३, ६ (मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, कन्या. चं ७ पूज्यः) वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीनः चंद्रराशि-मीन समयः मिथुन- प्रातः ७।२३ से ९।३७, कन्या- दिन २।१४ से ४।२९ अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः (३० मई २०२०, स्टै.२३।१५) शुक्रोदयः (९ जून २०२०,स्टै. ६।१९)
	आषाढ़ कृष्णपक्षः
सन२०२० १३ जून	८ शनौ उभा. रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न १ वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीनः चंद्रराशि-मीन समयः मेष- रात्री २। ९ से ३।४५
१५ जून	१० चंद्रे रेवत्यां रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ३, ६ (मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, कन्या. चं ७ पूज्यः) (भद्रा १६।३६ से) वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीनः चंद्रराशि-मीन समयः मिथुन- प्रातः ५।३८ से ७।५१, कन्या- दिन १२।२७ से २।४३
	आषाढ़ शुक्लपक्षः
सन२०२० २७ जून	७ शनौ उफा. रे. ७ ISIIIISSII रात्रौ लग्न १२ (भद्रा २६।५७ से) वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या समयः मीन- रात्री ११।४८ से १।१४ (मीने शु ३ दोषः;रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः;सोग्रांगः मं)
३० जून	१० भौमे स्वातौ रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ५, ८, रात्रौ लग्न गोधूलि(९), १०, १२, १ (वृश्चिके शु ७ पूज्यः, मकरे सोग्रांगः श, मीने शु ३ दोषः;रा ४ दोषः;सोग्रांगः मं, मेषे चं ७ पूज्यः) वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला समयः सिंह-दिन ९।१२ से ११।२८,वृश्चिक-दिन ४। ३ से ६।२१,गोधूलि-सायँ ६।३८ से ८।१४, मकर- रात्री ८।२५ से १०। ८, मीन- रात्री ११।३६ से १। २, मेष- रात्री १। २ से २।३८ अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
	कार्तिक शुक्लपक्षः
सन२०२० २५ नवं.	११ बुधे उभा. रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ८, ९, १०, १ (वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के, मेषे बु शु ७ पूज्यः) (भद्रा १५।५८ से) वर राशि-वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीनः सूर्यराशि-वृश्चिक कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीनः चंद्रराशि-मीन समयः वृश्चिक- प्रातः ७। ३ से ८।३९, धनु- प्रातः ८।३९ से १०।४३,मकर- दिन १०।४३ से १२।२६, मेष- दिन ३।२० से ३।५८ यावत् तदुपरांत भद्रारंभः
२९ नवं.	१४ रवौ रोहि. रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न ८ वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष समयः वृश्चिक- उत्तर रात्री ६। १ से ७। ७ (वृश्चिके रा ७ दोषः;चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू के)
३० नवं.	१५ चंद्रे रोहि. रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ८, १०, १२, १, रात्रौ लग्न ५, ७ (वृश्चिके रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू के, मीने सोग्रांगः मं, मेषे शु ७ पूज्यः, सिंहे शु ३ दोषः) वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष समयः वृश्चिक- प्रातः ७। ७ से ८।१९, मकर- दिन १०।२४ से १२। ७, मीन- दिन १।३५ से ३। १, मेष- दिन ३। १ से ४।३७, सिंह- रात्री ११। ७ से १।२३, तुला- रात्री ३।३८ से ५।५७
	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
सन२०२० ७ दिसं	७ चंद्रे मघा. रे. ८ ISIIIISIII दिवा लग्न ९, १० वर राशि - मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह समयः धनु- प्रातः ७।५२ से ९।५६, मकर- दिन ९।५६ से ११।३९
९ दिसं	९ बुधे हस्ते रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२), ५ (मीने चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, अ.गोधुल्यां सोग्रांगः रा, सिंहे शु ३ दोषः) वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या समयः मीन- दिन १२।५९ से २।२५, अ.गोधूलि- सायँ ४।४३ से ६।१९, सिंह- रात्री १०।३१ से १२।४८ (भद्रा २६। ९ से)
११ दिसं	११ शुक्रे स्वातौ रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ९, १०, १२, १, रात्रौ लग्न ५ वर राशि - वृष, मिथुन, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-वृश्चिक कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला समयः धनु- प्रातः ८।४७ उपरांत ९।४०, मकर-प्रातः ९।४० से ११।२३, मीन-दिन १२।५२ से २।१७, मेष-दिन २।१७ से ३।५३, सिंह-रात्री १०।२३ से १२।४० (मीने सोग्रांगः मं,मेषे चं ७ पूज्यः)

अग्रे धनुष्यर्कः, गुरोरस्तः (१७ जन. २०२१), शुक्रास्तः (११ फर. २०२१)

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

दिनांक	विवरण
	वैशाख कृष्णपक्षः
सन२०२० १६ अप्रे.	९ गुरौ धनि. रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न १२ (मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः) वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर समयः मीन- उत्तर रात्री ४।३१ से ५।५७

सोग्रांगः इति । स उग्र अंगः ॥ स सहितः, उग्र उग्रग्रहाणाम् (सूर्य,मंगल,शनि,राहु,केतु), अंगः लग्नः ॥ भाव- लग्न में उक्त ग्रहों में से कोई एक भी ग्रह हो तो मुहूर्त्तों में सोग्रांगः लिखा रहता है ।

॥ संवत् २०७७ मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेरवा सहितानि च ॥

सन२०२० ५ मई	**वैशारव शुक्लपक्षः** १३ भौमे चित्रा. रे. ८ SIIIIISIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७), ८, १०, १२, १ (वृश्चिके शु ७ पूज्यः, मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः, मेषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू) वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या समयः अ.गोधूलि- सायँ ६।१५ से ७।५१, वृश्चिक- रात्री ७।४३ से १०। १, मकर- रात्री १२। ५ से १।४८ --- वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला : उत्तररात्री ३।१५ उप. समयः मीन- उत्तर रात्री ३।१७ से ४।४२, मेष- उत्तर रात्री ४।४२ से ५।५०
६ मई	१४ वुधे चित्रा. रे. ८ SIIIISIIII दिवा लग्न ३ (मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा) वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला समयः मिथुन- प्रातः ८।१४ से १०।२९
सन२०२० २९ जून	**आषाढ़ शुक्लपक्षः** ९ चंद्रे चित्रा. रे. ८ IIIIISSIII दिवा लग्न ५, ७, ८, रात्रौ लग्न गोधूलि, १०, १२, १ (वृश्चिके शु ७ पूज्यः, गोधुल्यां सोग्रांगः के, मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः; सोग्रांगः मं,) वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या समयः सिंह- दिन ९।१६ से ११।३२, तुला- दिन १।४८ से ४। ७, वृश्चिक- दिन ४। ७ से ६।२५ --- वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला : दिन ६।२५ उप. समयः गोधूलि- सायँ ६।३८ से ८।१४, मकर- रात्री ८।२९ से १०।१२, मीन- रात्री ११।४० से १। ६, मेष- रात्री १। ६ से २।४२ (मेषे चं ७ पूज्यः)
सन२०२० २७ नवं.	**कार्तिक शुक्लपक्षः** १२ शुक्रे अश्वि. रे. ६ SSIIISSIII दिवा लग्न ९, १०, १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२) (मीने सोग्रांगः मं, अ.गोधुल्यां सोग्रांगः रा) वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष समयः धनु प्रातः ८।३१ से १०।३५, मकर- दिन १०।३५ से १२।१८, मीन- दिन १।४७ से ३।१२, अ.गोधूलि- सायँ ४।४२ से ६।१८ अग्रे धनुष्यर्कः, गुरोरस्तः (१७ जन. २०२१), शुक्रास्तः (११ फर. २०२१)

॥ वृहत्संहितायाम् ॥

यत्रैते संहितापदार्थाः ॥ दिनकरादीनां ग्रहाणां चारास्तेपु च तेषांप्रकृतिविकृतिप्रमाणवर्णकिरणद्युति-संस्थानास्तमनोदयमार्गमार्गान्तरवक्रानुवक्रर्क्षग्रहसमागमचारादिभिः फलानिः नक्षत्रकूर्मविभागेन देशेष्वगस्त्यचारः । सप्तर्पि-चारः । ग्रहभक्तयो नक्षत्रव्यूहग्रहश्रृङ्गाटकग्रहयुद्धग्रहसमागमग्रहवर्षफल गर्भलक्षण रोहिणीस्वात्यापाढी-योगाः सद्योवर्षकुसुमलतापरिधिपरिवेपपरिघपवनोल्कादिग्दाहक्षिति चलनसन्ध्यारागगन्धर्वनगररजो-निर्घातार्घकाण्ड-सस्यजन्मेन्द्रध्वजेन्द्रचापवास्तुविद्याङ्गविद्यावायसविद्यान्तरचक्रमृगचक्रश्वचक्रवातचक्र-प्रासादलक्षणप्रतिमा-लक्षणप्रतिष्ठापनवृक्षायर्वेदोदगार्गलनीराजनखञ्जनकोत्पातशान्तिमयूरचित्रकघृत-कम्बलखङ्गपट्टकृकवाकुकूर्म-गोजाश्वेमपुरुषस्त्रीलक्षणान्यन्तःपुरचिन्ता पिटकलक्षणोपानच्छेदवस्त्रच्छेद-चामरदण्डशयनाऽऽसनलक्षणरत्नपरीक्षा दीपलक्षणं दन्तकाष्ठाद्याश्रि-तानिशुभाऽशुभानि निमित्तानि सामान्यानि च जगतः प्रतिपुरुषं पार्थिवे च प्रतिक्षणमनन्यकर्माभि-युक्तेन दैवज्ञेन चिन्तयितव्यानि । न चाकाकिनाशक्यतेऽहर्निशमवधारयितुं निमित्तानि । तस्मात्सुभृतेनैव दैवज्ञेनान्येऽपि चद्विदश्चत्वारः कर्तव्याः । तत्रैकेनैन्द्री चाग्नेयी च दिगवलोकयितव्या । याम्या नैऋती चान्येनैव वारुणी वायव्या चोत्तरा चैशानी चेति । यस्मादुल्कापातादीनि शीघ्रमपग-च्छन्तीति । तस्याश्चाकारवर्णस्नहप्रमाणादि ग्रहर्क्षोपघातादिभिः फलानि भवन्ति ॥

महर्षि गर्ग -

कृत्स्नाङ्गकुशलं होरागणितनैष्ठिकम् । यो न पूजयते राजा स नाशमुपगच्छति ॥
मुहूर्ततिथिनक्षत्रमृतवश्चायने तथा । सर्वाण्येवाकुलानि स्युर्न स्यात्सांवत्सरो यदि ॥
नासांवत्सरिके देशे वस्तव्यं भूतिमिच्छता । चक्षुर्भूतो हि यत्रैष पापं तत्र न विद्यते ॥
न सांवत्सरपाठी च नरकेषूपपद्यते । ब्रह्मलोकप्रतिष्ठां च लभते दैवचिन्तकः ॥
अविदित्वैव यः शास्त्रं दैवज्ञत्वं प्रपद्यते । स पंक्तिदूषकः पापो ज्ञेयो नक्षत्रसूचकः ॥
नक्षत्रसूचकोद्दिष्टमुपवासं करोति यः । स व्रजन्त्यन्धतामिस्रं सार्धमृक्षाविडम्बिना ॥
न तत्सहस्रं करिणां वाजिनां च चतुर्गुणम् । करोति देशकालज्ञो यथैको दैवचिन्तकः ॥

सूर्य और चन्द्र के दश ग्रास-

सव्यापसव्यलेहग्रसननिरोधावमर्दनारोहाः । आघ्रातं मध्यतमस्तमोऽन्त्य इति ते दश ग्रासाः ॥

अन्तरिक्ष में केतुसंस्या -

तामसकीलकसंज्ञा राहुसुताः केतवस्त्रयस्त्रिंशत् । वर्णस्थानाकारैस्तान् दृष्ट्वाऽर्के फलं ब्रूयात् ॥
ते चार्कमण्डलगताः पापफलाश्चन्द्रमण्डले सौम्याः । ध्वाङ्क्षकबन्धप्रहरणरुपाः पापाः शशाङ्केऽपि ॥
केचित्केतुसहस्रं शतमेकसमन्वितं वदन्त्येके । नारदमत एकोऽयं त्रिस्थानसमुद्भवो विविधरुपः ॥
दिव्यग्रहर्क्षजातास्तीव्रफला मन्दफलकराः भौमाः । प्राणिध्वजादितुङ्गेषु चान्तरिक्षा न चान्यशुभाः ॥
उदयास्तमयाधूमनसंयोगाकारमार्गदिग्यातैः । फलनिर्देशो दिवसैर्मासा मासैस्तु वर्षाणि ॥
शतमभिहितमेकसमेतदेकेन विरहितान्यस्मात् । कथयिष्ये केतूनां शतानि नव लक्षणैः स्पष्टैः ॥

अगस्त्य मुनि के वर्णन में अङ्गभूत समुद्र का वर्णन-

समुन्द्रोऽन्तः शैलैर्मकरनखरोत्खातशिखरैः कृतस्तोयोच्छित्त्या सपदि सुतरां येन रुचिरः ।
पतन्मुक्तामिश्रैः प्रवरमणिरत्नाम्बुनिवहैः सुरान् प्रत्यादेष्टुं मितमुकुटरत्नानिव पुरा ॥

विन्ध्याचल का वर्णन-

दिनकररथमार्गविच्छित्तयेऽभ्युद्यतंयच्चलच्छृङ्गमुद्भ्रान्तविद्याधरांसावसक्तप्रियाव्यग्रदत्ताङ्कदेहावलम्बाम्ब-रात्युच्छ्रितोद्धूय-मानध्वजैः शोभितं करिकटमदमिश्ररक्ताश्मलेहानुवासानुसारिद्विरेफावलीनोत्तमाङ्गैः कृतान् वाणपुष्पैरिवोत्तंसकान् धारयद्भिर्मृगेन्द्रैः सनाथीकृतान्तर्दरीनिर्झरम् । गगनतलमिवोल्लिखन्तं प्रवृद्धैर्गजा-कृष्टफुल्लद्रुमत्रासविभ्रान्त-मत्तद्विरेफावलीहृष्टमन्द्रस्वनैः शैलकूटैस्तररक्षर्क्षशार्दूल-शाखामृगाध्यासितैः रहसि मदनसक्तया रेवया कान्तयेवोपगूढं सुराध्यासितोद्यानमम्भोशनानन्तमूलानिलाहारविप्रान्वितं विन्ध्यमध्यस्तम्भयद्यश्च तस्योदयः श्रूयतामिति ॥

- बालावबोधार्थं, मनो-विनोदाय च ज्योतिषाम्

॥ सूर्यग्रहणम् ॥ संवत् २०७७, सन २०२०-२१

संवत् २०७७ में भूमण्डल पर कुल दो सूर्यग्रहण होंगे। इनमें से पहला सूर्यग्रहण भारत में दिखाई देगा। दूसरा सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा विदेशों में दिखाई देगा। यह पहला सूर्यग्रहण भारत के अधिकांश भागों में नीचे लिखे अनुसार देखा जा सकता है।

(१) मितिः आषाढ कृष्णा ३० रविवासरे, संवत् २०७७, ता. २१ जून २०२०, खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम् (स्टैं. घंटा-मिनट)

खण्डग्रास सूर्यग्रहण वाले शहर

स्थल		स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व	परमग्रास
रामगढ	शेखा.	१०।१४	११।५३	१३।३८	३।२५	०.९५
	घटी-पल	११।२६	१५।३४	१९।५८	८।३२	
अजमेर	(राज.)	१०।११	११।५०	१३।३७	३।२६	०.९९
अहमदाबा.	(गुज.)	१०।०३	११।४१	१३।२८	३।२५	०.८३
अयोध्या	(उ.प्र.)	१०।२९	१२।१३	१३।५८	३।२९	०.८७
अमृतसर	(पंजा.)	१०।१९	११।५६	१३।३८	३।१९	०.९४
आकोला	(महा.)	१०।११	११।५२	१३।४०	३।२९	०.७२
आगरा	(उ.प्र.)	१०।१९	१२।००	१३।४६	३।२८	०.९१
इंदौर	(म.प्र.)	१०।१०	११।५०	१३।३८	३।२९	०.७९
इलाहाबा.	(उ.प्र.)	१०।२७	१२।१२	१३।५७	३।३०	०.८३
उज्जैन	(म.प्र.)	१०।१०	११।५०	१३।३८	३।२८	०.८०
उदयपुर	(राज.)	१०।०७	११।४६	१३।३३	३।२६	०.८६
कटक	(उडी.)	१०।३७	१२।२४	१४।०६	३।२९	०.६७
कोलकाता	(प.बं.)	१०।४५	१२।३३	१४।१३	३।२८	०.७३
काठमाण्डु	(नेपा.)	१०।३६	१२।२३	१४।०५	३।२९	०.८६
कानपुर	(उ.प्र.)	१०।२४	१२।०७	१३।५३	३।२९	०.८७
कोटा	(राज.)	१०।१२	११।५३	१३।४०	३।२८	०.८६
गंगानगर	(राज.)	१०।१४	११।५२	१३।३५	३।२१	०.९८
गोरखपुर	(उ.प्र.)	१०।३२	१२।१७	१४।०१	३।२९	०.८७
गौहाटी	आसाम	१०।५५	१२।४३	१४।२०	३।२५	०.८५
चिन्नई	(तमि.)	१०।२१	११।५७	१३।३७	३।१७	०.४६
जबलपुर	(म.प्र.)	१०।२०	१२।०४	१३।५१	३।३१	०.७७
जयपुर	(राज.)	१०।१४	११।५४	१३।४०	३।२७	०.९१
जींद	(हरि.)	१०।१८	११।५८	१३।४२	३।२४	०.९८
जोधपुर	(राज.)	१०।०६	११।४४	१३।३०	३।२४	०.९२
झरिया	(बिहा.)	१०।३९	१२।२६	१४।०८	३।३०	०.७७
झांसी	(उ.प्र.)	१०।१९	१२।०१	१३।४८	३।२९	०.८५
झुन्झुनू	(राज.)	१०।१५	११।५४	१३।४०	३।२५	०.९५
डिब्रुगढ	आसाम	११।०५	१२।५१	१४।२५	३।२०	०.९०
तेजपुर	आसाम	१०।५९	१२।४६	१४।२२	३।२३	०.८६
दरभंगा	(बिहा.)	१०।३८	१२।२५	१४।०७	३।२९	०.८४
त्रिवेंद्रम	(केर.)	१०।१४	११।३९	१३।१३	२।५८	०.३५
दिल्ली		१०।१९	१२।००	१३।४५	३।२६	०.९६
नैनिताःल	(उ.प्र)	१०।२५	१२।०७	१३।५१	३।२६	०.९७
पूना	(महा.)	१०।०२	११।३९	१३।२७	३।२५	०.६८
प्रयाग	(उ.प्र.)	१०।२६	१२।११	१३।५७	३।३०	०.८३
बीकानेर	(राज.)	१०।११	११।४८	१३।३४	३।२३	०.९७
बंगलुरू	(कर्ना.)	१०।१२	११।४६	१३।२८	३।१६	०.४८
बांसवाडा	(राज.)	१०।०७	११।४७	१३।३४	३।२७	०.८२
बिलासपुर	(म.प्र)	१०।२६	१२।११	१३।५७	३।३१	०.७३
भिवानी	(हरि.)	१०।१७	११।५७	१३।४२	३।२५	०.९७
मथुरा	(उ.प्र.)	१०।१८	१२।००	१३।४६	३।२७	०.९२
मुम्बई	(महा.)	१०।००	११।३७	१३।२४	३।२४	०.७०
मैसूर	द.भा.	१०।१०	११।४२	१३।२३	३।१४	०.४७
लखनऊ	(उ.प्र.)	१०।२५	१२।०९	१३।५४	३।२९	०.८८
वाराणसी	(उ.प्र)	१०।३०	१२।१५	१४।००	३।३०	०.८३
विजयवा	(आंप्र)	१०।२१	१२।०२	१३।४६	३।२५	०.५६
श्रीनगर	ज.क.	१०।२३	११।५८	१३।३७	३।१४	०.८६
हरद्वार	(उ.प्र.)	१०।२३	१२।०३	१३।४७	३।२४	०.९९
हैदराबाद	(आं.प्र.)	१०।१४	११।५४	१३।४०	३।२६	०.६०
चंडीगढ		१०।२१	१२।००	१३।४३	३।२२	०.९८
नारनौल	(हरि.)	१०।१६	११।५६	१३।४२	३।२६	०.९४
रिवाड़ी	(हरि.)	१०।१७	११।५८	१३।४३	३।२६	०.९५
पानीपत	(हरि.)	१०।२०	१२।००	१३।४४	३।२५	०.९८
करनाल	(हरि.)	१०।२०	१२।००	१३।४४	३।२४	०.९९
सिरसा	(हरि.)	१०।१६	११।५५	१३।३९	३।२३	०.९९
पटोदी	(हरि.)	१०।१८	११।५८	१३।४३	३।२६	०.९५
हिसार	(हरि.)	१०।१७	११।५६	१३।४१	३।२४	०.९८
अलवर	(राज.)	१०।१६	११।५७	१३।४३	३।२७	०.९३
अलीगढटोंक	(राज.)	१०।१३	११।५४	१३।४१	३।२८	०.८८
अलीगढधौल	(राज.)	१०।१८	११।५९	१३।४६	३।२८	०.८९
किशनगढ	(राज.)	१०।०६	११।४१	१३।२६	३।२०	०.९८
कुचामन	(राज.)	१०।१२	११।५२	१३।३८	३।२६	०.९३
चूरु	(राज.)	१०।१४	११।५३	१३।३८	३।२४	०.९६
चित्तौडगढ	(राज.)	१०।०९	११।४९	१३।३६	३।२७	०.८६
जहाजपुर	(राज.)	१०।११	११।५१	१३।३९	३।२७	०.८८
जैसलमेर	(राज.)	१०।०५	११।४१	१३।२६	३।२२	०.९५
डीडवाना	(राज.)	१०।११	११।५०	१३।३७	३।२५	०.९३
धौलपुर	(राज.)	१०।१८	१२।००	१३।४६	३।२८	०.८९
नूरबहादरा	(राज.)	१०।१५	११।५५	१३।४०	३।२४	०.९७
पाली	(राज.)	१०।०८	११।४६	१३।३३	३।२५	०.९०
प्रतापगढ	(राज.)	१०।०८	११।४८	१३।३६	३।२७	०.८४
बाडमेर	(राज.)	१०।०४	११।४०	१३।२७	३।२३	०.९२
बालोत्रा	(राज.)	१०।०६	११।४३	१३।३०	३।२४	०.९१
बारॉ	(राज.)	१०।१३	११।५५	१३।४२	३।२८	०.८५
भरतपुर	(राज.)	१०।१८	११।५९	१३।४५	३।२७	०.९१
फतेहपुर	(राज.)	१०।१३	११।५२	१३।३८	३।२५	०.९५
भीलवाड़ा	(राज.)	१०।१०	११।४९	१३।३६	३।२७	०.८८
फुलेरा	(राज.)	१०।१३	११।५२	१३।३९	३।२६	०.९२
राजगढ	(राज.)	१०।१५	११।५५	१३।४०	३।२४	०.९७
रतनगढ.	(राज.)	१०।१३	११।५२	१३।३७	३।२४	०.९६
रिंगस	(राज.)	१०।१४	११।५४	१३।४०	३।२६	०.९३
लाडनू	(राज.)	१०।१२	११।५१	१३।३७	३।२५	०.९४
लक्ष्मणगढ	(राज.)	१०।१३	११।५३	१३।३९	३।२५	०.९५
ब्यावर	(राज.)	१०।१०	११।४९	१३।३६	३।२६	०.९०
शाहाबाद	(राज.)	१०।१५	११।५७	१३।४४	३।२९	०.८५
शाहगढ	(राज.)	१०।०३	११।३८	१३।२३	३।२०	०.९७
शाहपुरा	(राज.)	१०।११	११।५१	१३।३८	३।२७	०.८८
शेरगढ	(राज.)	१०।१३	११।५४	१३।४२	३।२९	०.८४
सांगानेर	(राज.)	१०।१४	११।५४	१३।४०	३।२७	०.९१
सीकर	(राज.)	१०।१३	११।५३	१३।३९	३।२५	०.९४
सिरोही	(राज.)	१०।०६	११।४३	१३।३१	३।२५	०.८८
श्रीमाधोपुर	(राज.)	१०।१४	११।५३	१३।३९	३।२६	०.९३
सोजत	(राज.)	१०।०८	११।४७	१३।३४	३।२५	०.९०
सूरजगढ	(राज.)	१०।१५	११।५५	१३।४०	३।२५	०.९५
सुजानगढ	(राज.)	१०।१२	११।५१	१३।३७	३।२५	०.९५
हनुमानगढ	(राज.)	१०।१५	११।५३	१३।३७	३।२२	०.९९
अबोहर	(पंजा.)	१०।१५	११।५३	१३।३६	३।२१	०.९८
बरनाला	(पंजा.)	१०।१८	११।५६	१३।४०	३।२२	०.९८
फरीदकोट	(पंजा.)	१०।१७	११।५५	१३।३८	३।२१	०.९७
फिरोजपुर	(पंजा.)	१०।१७	११।५५	१३।३७	३।२०	०.९६
फ्राजिल्का	(पंजा.)	१०।१५	११।५३	१३।३६	३।२१	०.९७
गुरदासपुर	(पंजा.)	१०।२०	११।५८	१३।३९	३।१९	०.९३
जालंधर	(पंजा.)	१०।१९	११।५७	१३।४०	३।२०	०.९५
कोटकपूरा	(पंजा.)	१०।१७	११।५५	१३।३८	३।२१	०.९७
पठानकोट	(पंजा.)	१०।२१	११।५८	१३।४०	३।१९	०.९२
पटियाला	(पंजा.)	१०।२०	११।५९	१३।४२	३।२३	०.९९
अंगूल	(उडी.)	१०।३४	१२।२०	१४।०४	३।३०	०.६८
बालेश्वर	(उडी.)	१०।४०	१२।२७	१४।०९	३।२९	०.७०
पूरी	(उडी.)	१०।३७	१२।२३	१४।०५	३।२८	०.६५
सिल्लीगुडी	(प.बं.)	१०।४६	१२।३३	१४।१३	३।२७	०.८६
कूचबिहार	(प.बं.)	१०।४९	१२।३६	१४।१५	३।२७	०.८५
जलपाईगुडी	(प.बं.)	१०।४६	१२।३४	१४।१४	३।२७	०.८५
झाडग्राम	(प.बं.)	१०।४१	१२।२९	१४।१०	३।२९	०.७३
दार्जीलिंग	(प.बं.)	१०।४५	१२।३२	१४।१२	३।२७	०.८७
मलदाह	(प.बं.)	१०।४४	१२।३२	१४।१३	३।२८	०.८१
कटिहार	(बिहा.)	१०।४३	१२।३०	१४।११	३।२८	०.८२
किशनगंज	(बिहा.)	१०।४१	१२।२८	१४।१०	३।२८	०.८४
पटना	(बिहा.)	१०।३६	१२।२२	१४।०५	३।३०	०.८३
भागलपुर	(बिहा.)	१०।४२	१२।२९	१४।११	३।२९	०.८१
पूर्णिया	(बिहा.)	१०।४३	१२।३०	१४।११	३।२८	०.८३
गंगटोक	(सिकि.)	१०।४७	१२।३३	१४।१३	३।२७	०.८८
शिलांग	(मेघा.)	१०।५६	१२।४३	१४।२१	३।२५	०.८३
अगरतला	(त्रिपुरा)	१०।५४	१२।४२	१४।२०	३।२६	०.७७
इम्फाल	(मणि.)	११।०२	१२।५०	१४।२५	३।२३	०.८१
इटानगर	(अरु.प्र.)	११।०१	१२।४८	१४।२३	३।२२	०.८८
धुबरी	(आसा.)	१०।५०	१२।३८	१४।१६	३।२६	०.८४
शिवसागर	(आसा.)	११।०४	१२।५१	१४।२५	३।२१	०.८८
सिलचर	(आसा.)	१०।२९	१२।१५	१३।५९	३।३१	०.८१
कुमारीअंत.	(भा.)	१०।१७	११।४१	१३।१३	२।५६	०.३४
निकोबारद्वी	(भा.)	११।२८	१२।५५	१४।११	२।४३	०.२९
केरशिखर	(भा.)	१०।२८	१२।०३	१३।४०	३।१२	०.८३
पोरबंदर	(गुज.)	९।५६	११।३१	१३।१८	३।२२	०.८१
द्वारका	(गुज.)	९।५५	११।३०	१३।१७	३।२१	०.८४
सदिया	(असम)	११।०७	१२।५३	१४।२६	३।१९	०.९१
जोरहाट	(असम)	११।०३	१२।५०	१४।२४	३।२१	०.८७

कंकणाकृति सूर्यग्रहण वाले शहर

स्थल		स्पर्श	सम्मीलन	मध्य
अनूपगढ	(राज.)	१०।११।३६	११।४८।४२	११।४८।४६
उन्मीलन		मोक्ष	पर्व	परमग्रास
११।४८।४९		१३।३३।११	३।२१।३५	०.९९

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन रात्री स्टैं. २२।१४ बजे से प्रारम्भ होगा। ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है।

(२) रामगढ और भूमण्डलीय मितिः मार्गशीर्ष कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०७७, ता. १४ दिसंबर २०२०

नोट - यह ग्रहण भारत के किसी भी भाग में दिखाई नहीं देगा। जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बंधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है।

नोट - विदेशों में जहाँ दिखाई देगा उनके कुछ नाम -

खण्डग्रास सूर्यग्रहण वाले शहर अंकोह्यूगा,चोलीवीया, अंदेश,द.अमेरिका, एंटोफागेस्टा,चिली, अरीकजु,ब्रजील, अरिक्यूपा,पेरु, अरजनटाइना,द.अमेरिका, अरिका,चीली, असन्सिओन,परागुए, अटकामा डिसर्ट,चीली, बहिया बलंका,अर्जनटा., वेलिंगसेन सागर,एंथराटीका।

चंद्रग्रहणम् संवत् २०७७ में भूमण्डल पर चंद्र ग्रहण नहीं होगा।

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२, सन २०२०-२१ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

चैत्र मासः

सन२०२०
२६ मार्च **शु. ०२ गुरौ अश्वि.** अभिजिति (वैधृति १६।२१ से)
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि मेष
समयः अभि.- दिवा १२।१२ से १।००

३ अप्रे. **शु. १० शुक्रे पुष्ये** अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः अभि.- दिवा १२।०९ से १२।५७

वैशाख मासः

सन२०२०
९ अप्रे. **कृ. ०२ गुरौ स्वातौ** अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२।०८ से १२।५६

३ मई **शु. १० रवौ पूफा.** लग्न १, अभिजिति
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि सिंह
समयः मेष- प्रातः ५।५३ उपरांत ६।३०, अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१

४ मई **शु. ११ चंद्रे उफा.** अभिजिति, ५ (भद्रा ६।१६ तक)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, सिंह- दिवा १२।५६ से २।३९ अपरान्ह

ज्येष्ठ मासः

सन२०२०
८ मई **कृ. ०१ शुक्रे अनुरा.** लग्न ५
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः सिंह- दिवा १।०५ उपरांत २।३९ अपरान्ह

२५ मई **शु. ०३ चंद्रे आर्द्रा.** अभिजिति, ५, ६
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, सिंह- दिवा ११।३४ से १।५०,
कन्या- दिवा १।५० से २।४३ अपरान्ह

२७ मई **शु. ०५ बुधे पुष्ये** लग्न ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः कन्या- दिवा १।४२ से २।४३ अपरान्ह

आषाढ़ मासः

सन२०२०
२५ जून **शु. ०४ गुरौ श्लेषा.** लग्न ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः कन्या- दिवा ११।४८ से १२।३० यावत्

२ जुला **शु. १२ गुरौ अनुरा.** अभिजिति, ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः अभि.- दिवा १२।१० से १२।५८, कन्या- दिवा ११।२१ से १।३६

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

ज्येष्ठ मासः

सन२०२०
८ मई **कृ. ०१ शुक्रे अनुरा.** अभिजिति, ५
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, सिंह- दिवा १२।४० से २।५७
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष

श्रावण मासः

सन२०२०
२९ जुला **शु. १० बुधे अनुरा.** लग्न ६ (महापात स्पर्शः १४।५१ मोक्षः २१।११)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः कन्या- दिवा ९।३४ से ११।५०
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क

कार्तिक मासः

सन२०२०
३० नवं. **शु. १५ चंद्रे रोहि.** अभिजिति, २
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः अभि.- दिवा ११।५५ से १२।४३, वृष- दिवा ४।३७ से ५।३० सूर्यास्त
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२०
१८ अप्रे. **कृ. ११ शनौ शते** अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।०६ से १२।५४
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष

२० अप्रे. **कृ. १३ चंद्रे उभा.** अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष

३० अप्रे. **शु. ०७ गुरौ पुष्ये** अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष

ज्येष्ठ मासः

सन२०२०
२७ मई **शु. ०५ बुधे पुष्ये** लग्न ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः कन्या- दिवा १।४२ से ३।५८
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि वृष

आषाढ़ मासः

सन२०२०
१२ जून **कृ. ०७ शुक्रे शते** लग्न ५, अभिजिति, ६ (भद्रा ९।५५ तक)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः सिंह- दिवा १०।२३ से १२।३९, अभि.- दिवा १२।०६ से १२।५४, कन्या- दिवा १२।३९ से २।५५
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि वृष

नोट - अभिजित मुहूर्त्त और चर संज्ञा - कुछ बालमति विद्वान् अज्ञानता के कारण अभिजित् मुहूर्त्त की चर संज्ञा बताकर यजमान को भ्रमित करते हैं यह उचित नहीं है अभिजित् मुहूर्त्त एक स्वतंत्र मुहूर्त्त है। **चर, स्थिर, द्विस्वभाव संज्ञा** मेषादि १२ राशियों की हैं न कि अभिजित् की। यथा - गिरिशभुजगमित्राः पित्र्यवस्वम्बुविश्वेऽभिजिदथ च विधातापीन्द्र इन्द्रानलौ च। पीयूषधारा-पृ. ३७४, श्लोक ५२ ॥ अपि च -

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२, सन २०२०-२१ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

भाद्रपद मासः

सन२०२०
२१ अग. शु. ०३ शुक्रे उफा. लग्न ५, अभिजिति, ९
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः सिंह- प्रातः ६।०७ उपरांत ८।०४, अभि.- दिवा १२।०९ से १२।५७, धनु- दिवा २।५६ से ५।०१
भूमि-पूजन (शिलान्यारा) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि सिंह

कार्तिक मासः

सन२०२०
१२ नवं. कृ. १२ गुरौ हस्ते अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा ११।५० से १२।३८
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला

१३ नवं. कृ. १३ शुक्रे चित्रा. अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा ११।५० से १२।३१ यावत्
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला

१६ नवं. शु. ०१ चंद्रे अनुरा. अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः अभि.- दिवा ११।५१ से १२।३९
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२०
९ दिसं कृ. ०९ वुधे हस्ते लग्न २
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः वृष- दिवा ४।०१ से ५।३१ सूर्यास्त
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक

१० दिसं कृ. १० गुरौ चित्रा. लग्न २ (भद्रा १२।५३ तक)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः वृष- दिवा ३।५७ से ५।३१ सूर्यास्त
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक

११ दिसं कृ. ११ शुक्रे स्वातौ अभिजिति, २
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा ११।५९ से १२।४७, वृष- दिवा ३।५३ से ५।३२ सूर्यास्त
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक

ज्येष्ठ मासः

सन२०२०
१८ मई कृ. ११ चंद्रे उभा. अभिजिति, ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, कन्या- दिवा २।१८ से ४।३३

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२०
२० अप्रे. कृ. १३ चंद्रे उभा. अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३

४ मई शु. ११ चंद्रे उफा. अभिजिति, ५ (भद्रा ६।१६ तक)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, सिंह- दिवा १२।५६ से ३।१३

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२०
२७ अप्रे. शु. ०४ चंद्रे मृगे लग्न ५
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन
समयः सिंह- दिवा २।३० उपरांत ३।४०

ज्येष्ठ मासः

सन२०२०
८ मई कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. अभिजिति, ५
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, सिंह- दिवा १२।४० से २।५७

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२०
१८ अप्रे. कृ. ११ शनौ शते अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।०६ से १२।५४

३० अप्रे. शु. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति (भद्रा १४।४३ से)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१

कार्तिक मासः

सन२०२०
२१ नवं. शु. ०७ शनौ धनि. अभिजिति (महापात मोक्षः ११।४९)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः अभि.- दिवा ११।५२ से १२।४०

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२०
११ दिसं कृ. ११ शुक्रे स्वातौ अभिजिति, २
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा ११।५९ से १२।४७, वृष- दिवा ३।५३ से ५।३२ सूर्यास्त

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

ज्येष्ठ मासः

सन२०२०
२७ मई शु. ०५ वुधे पुष्ये लग्न ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः कन्या- दिवा १।४२ से ३।५८

"अष्टमे दिवसस्यार्द्धे त्वभिजित् संज्ञकः क्षणः" ॥ मुहूर्तचिन्तामणि-चौखम्बा.

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२, सन २०२०-२१ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

सन२०२० — श्रावण मासः

९ जुला — कृ. ०४ गुरौ शते अभिजिति, ६, ९
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५९, कन्या- दिवा १०।५३ से १।०९, धनु- दिवा ५।४५ से ७।२५

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२० — वैशाख मासः

३० अप्रे. — शु. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१

४ मई — शु. ११ चंद्रे उफा. अभिजिति (भद्रा ६।१६ तक)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१

सन२०२० — ज्येष्ठ मासः

२७ मई — शु. ०५ बुधे पुष्ये लग्न ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः कन्या- दिवा १।४२ से ३।५८

सन२०२० — आषाढ़ मासः

१२ जून — कृ. ०७ शुक्रे शते अभिजिति, ६ (भद्रा ९।५५ तक)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।०६ से १२।५४, कन्या- दिवा १२।३९ से २।५५

२ जुला — शु. १२ गुरौ अनुरा. अभिजिति, ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः अभि.- दिवा १२।१० से १२।५८, कन्या- दिवा ११।२१ से १।३६

सन२०२० — श्रावण मासः

९ जुला — कृ. ०४ गुरौ शते अभिजिति, ६, ९
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५९, कन्या- दिवा १०।५३ से १।०९, धनु- दिवा ५।४५ से ७।२५

१२ जुला — कृ. ०७ रवौ रेवत्यां लग्न ६, अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः कन्या- दिवा १०।४१ से १२।५७, अभि.- दिवा १२।१२ से १।००

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२० — आषाढ़ मासः

३ जुला — शु. १३ शुक्रे ज्येष्ठा. लग्न ४, अभिजिति, ६ (महापात स्पर्शः १८।१९)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः कर्क- प्रातः ६।४१ से ९।००, अभि.- दिवा १२।१० से १२।५८, कन्या- दिवा ११।१७ से १।१९ यावत्

सन२०२० — श्रावण मासः

९ जुला — कृ. ०४ गुरौ शते अभिजिति, ६, ९
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५९, कन्या- दिवा १०।५३ से १।०९, धनु- दिवा ५।४५ से ७।२५

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२० — वैशाख मासः

२० अप्रे. — कृ. १३ चंद्रे उभा. लग्न २, ३, अभिजिति, ६, ७ (वृषे शु १ शुभ)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः वृष- प्रातः ७।२२ उपरांत ९।१७, मिथुन- दिवा ९।१७ से ११।३१, अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३, कन्या- दिवा ४।०८ से ६।२३, तुला- दिवा ६।२३ से ६।५४ सूर्यास्त

२७ अप्रे. — शु. ०४ चंद्रे मृगे लग्न ६, ७
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन
समयः कन्या- दिवा ३।४० से ५।५६, तुला- दिवा ५।५६ से ६।५८ सूर्यास्त

३० अप्रे. — शु. ०७ गुरौ पुष्ये लग्न २, ३, अभिजिति (वृषे शु १ शुभ)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः वृष- प्रातः ६।४२ से ८।३८, मिथुन- दिवा ८।३८ से १०।५२, अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१

सन२०२० — ज्येष्ठ मासः

८ मई — कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. लग्न ३, अभिजिति, ६, ७
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः मिथुन- दिवा ८।३८ उपरांत १०।२१, अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, कन्या- दिवा २।५७ से ५।१२, तुला- दिवा ५।१२ से ७।०४ सूर्यास्त

सन२०२० — कार्तिक मासः

१६ नवं. — शु. ०१ चंद्रे अनुरा. अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः अभि.- दिवा ११।५१ से १२।३९

२५ नवं. — शु. ११ बुधे उभा. लग्न १२ (भद्रा १५।५८ से) (मीने गु ११ शुभ)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः मीन- दिवा १।५४ से ३।२०

२७ नवं. — शु. १२ शुक्रे अश्वि. अभिजिति, १२, २ (व्यतिपात ८।२९ तक) (मीने गु ११ शुभ)
यजमान राशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि मेष
समयः अभि.- दिवा ११।५४ से १२।४२, मीन- दिवा १।४७ से ३।१२, वृष- दिवा ४।४८ से ५।३०

३० नवं. — शु. १५ चंद्रे रोहि. लग्न २
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः वृष- दिवा ४।३७ से ५।३० सूर्यास्त

सन२०२० — मार्गशीर्ष मासः

९ दिसं — कृ. ०९ बुधे हस्ते लग्न २
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः वृष- दिवा ४।०१ से ५।३१ सूर्यास्त

१० दिसं — कृ. १० गुरौ चित्रा. लग्न १२, २ (भद्रा १२।५३ तक) (मीने गु ११ शुभ)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः मीन- दिवा १२।५५ से २।२१, वृष- दिवा ३।५७ से ५।३१ सूर्यास्त

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२, सन २०२०-२१ मध्ये ग्रहजपादिना- गेहारंभ (भूमि पूजन), गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

॥ ग्रहजपादिना- गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२० ४ मई — शु. ११ चंद्रे उफा. लग्न २ (भद्रा ६।१६ तक) (वृषे के ८; सू; बु १२)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः वृष- प्रातः ६।२६ से ८।२२
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष

ज्येष्ठ मासः

सन२०२० ८ मई — कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. लग्न ३, ६ (मिथुने गु; श ८; शु १२, कन्या. सू; बु ८)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः मिथुन- दिवा ८।३८ उपरांत १०।२१, कन्या- दिवा २।५७ से ५।१२
भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष

श्रावण मासः

सन२०२० २९ जुला — शु. १० बुधे अनुरा. लग्न ५ (सिंहे मं ८; सू १२)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः सिंह- दिवा ८।३० उपरांत ९।३४
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क

भाद्रपद मासः

सन२०२० ६ अग. — कृ. ०३ गुरौ शते लग्न ५ (सिंहे मं ८; सू; बु १२)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः सिंह- प्रातः ६।४७ से ८।४० यावत्
भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे ,: सूर्यराशि कर्क

द्वि.आश्विन मासः

सन२०२० २९ अक्टु — शु. १३ गुरौ उभा. लग्न ९ (धनुषि के १२)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः धनु- दिवा १०।२५ से १२।०१ यावत्
भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला

कार्तिक मासः

सन२०२० २५ नवं. — शु. ११ बुधे उभा. लग्न ९, ११, १२ (भद्रा १५।५८ से)
(धनुषि सू; के १२, कुंभे गु; श १२, मीने बु; शु ८)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः धनु- प्रातः ८।३९ से १०।४३, कुंभ- दिवा १२।२६ से १।५४, मीन- दिवा १।५४ से ३।२०
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक

३० नवं. — शु. १५ चंद्रे रोहि. लग्न ९, ११, १२ (धनुषि सू; बु; के १२,कुंभे गु; श १२,मीने शु ८)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः धनु- प्रातः ८।१९ से १०।२४, कुंभ- दिवा १२।०७ से १।३५, मीन- दिवा १।३५ से ३।०१
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक

॥ ग्रहजपादिना- नूतनगृहप्रवेश मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२० २० अप्रे. — कृ. १३ चंद्रे उभा. लग्न २, ३, ५, ६
(वृषे के ८; सू १२, मिथुने मं; गु; श ८; शु १२, सिंहे चं; बु ८, कन्या. सू ८)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः वृष- प्रातः ७।२२ उपरांत ९।१७, मिथुन- दिवा ९।१७ से ११।३१, सिंह- दिवा १।५१ से ४।०८, कन्या- दिवा ४।०८ से ६।२३

४ मई — शु. ११ चंद्रे उफा. लग्न २, ३, ६ (भद्रा ६।१६ तक)
(वृषे के ८; सू; बु १२, मिथुने मं; गु; श ८; शु १२, कन्या. लग्नस्थ चंद्रः नेष्टः; सू; बु ८)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः वृष- प्रातः ६।२६ से ८।२२, मिथुन- दिवा ८।२२ से १०।३६, कन्या- दिवा ३।१३ से ५।२८

ज्येष्ठ मासः

सन२०२० १८ मई — कृ. ११ चंद्रे उभा. लग्न २, ३, ५ (वृषे के ८,मिथुने गु; श ८; सू; बु; शु १२,सिंहे चं ८)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः वृष- प्रातः ५।४३ उपरांत ७।२७, मिथुन- प्रातः ७।२७ से ९।४१, सिंह- दिवा १२।०१ से २।१८

॥ ग्रहजपादिना- कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२० २७ अप्रे. — शु. ०४ चंद्रे मृगे लग्न ६ (कन्या. सू; बु ८)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन
समयः कन्या- दिवा ३।४० से ५।५६

ज्येष्ठ मासः

सन२०२० ८ मई — कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. लग्न ३, ६ (मिथुने गु; श ८; शु १२, कन्या. सू; बु ८)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि वृश्चिक
समयः मिथुन- दिवा ८।३८ उपरांत १०।२१, कन्या- दिवा २।५७ से ५।१२

॥ ग्रहजपादिना- जीर्णगृहप्रवेश मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२० १८ अप्रे. — कृ. ११ शनौ शते लग्न २, ३, ५, ६
(वृषे के ८; सू १२, मिथुने मं; गु; श ८; शु १२, सिंहे बु ८, कन्या. सू ८)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः वृष- प्रातः ७।२९ से ९।२५, मिथुन- दिवा ९।२५ से ११।३९, सिंह- दिवा १।५९ से ४।१५, कन्या- दिवा ४।१५ से ६।३१

३० अप्रे. — शु. ०७ गुरौ पुष्ये लग्न २, ३, ५ (भद्रा १४।४३ से)
(वृषे के ८; सू; बु १२, मिथुने मं; गु; श ८; शु १२, सिंहे चं १२)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः वृष- प्रातः ६।४२ से ८।३८, मिथुन- दिवा ८।३८ से १०।५२, सिंह- दिवा १।१२ से २।४३ यावत्

श्रावण मासः

सन२०२० २७ जुला — शु. ०७ चंद्रे स्वातौ लग्न ९ (भद्रा १८।०२ तक) (धनुषि सू ८)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः धनु- दिवा ६।०२ उपरांत ६।३९

कार्तिक मासः

सन२०२० २१ नवं. — शु. ०७ शनौ धनि. लग्न ११, १२ (महापात मोक्षः ११।४९)
(कुंभे चं; गु; श १२, मीने बु; शु ८)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि मकर
समयः कुंभ- दिवा १२।४२ से २।१०, मीन- दिवा २।१० से ३।३६

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२० ११ दिसं — कृ. ११ शुक्रे स्वातौ लग्न ९, ११, १२
(धनुषि सू; बु; शु; के १२, कुंभे गु; श १२, मीने चं ८)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः धनु- प्रातः ८।४७ उपरांत ९।४०, कुंभ- दिवा ११।२३ से १२।५२, मीन- दिवा १२।५२ से २।१७

अग्रे अभावः

संवत् २०७७, ता. १४ नवंबर २०२० शनिवार ॥ 卐 *श्रीमहालक्ष्मी पूजनम्* 卐 ॥ विभिन्न नगरों में दिन के चौघड़ियों का समाप्तिकाल (स्टै. घंटा-मिनट)

शहर	रामगढ	अजमेर	अहमदा.	अमृतस.	आकोला	इंदौर	उदयपुर	कोलकाता	सीकर	कानपुर	कोटा	चिन्नई	जयपुर	झरिया	झांसी	डिब्रुगढ	दिल्ली	बैंगलोर	बांसवाडा	भिवानी	मुम्बई	वाराणसी	विजयवा.	हैदराबाद
सूर्योदय	६।५५	६।५३	६।५७	७।०२	६।३४	६।४३	६।५४	५।५२	६।५३	६।३१	६।४७	६।११	६।५०	६।०२	६।३६	५।३४	६।४७	६।२१	६।५०	६।५१	६।४९	६।१८	६।१४	६।२४
चौ.मान	१।२०	१।२१	१।२२	१।१८	१।२३	१।२२	१।२१	१।२२	१।२०	१।२१	१।२१	१।२६	१।२०	१।२२	१।२१	१।२०	१।२०	१।२६	१।२२	१।२०	१।२४	१।२१	१।२४	१।२४
काल	८।१५	८।१४	८।१९	८।२०	७।५७	८।०५	८।१६	७।१४	८।१३	७।५१	८।०८	७।३७	८।१०	७।२४	७।५७	६।५४	८।०७	७।४७	८।११	८।११	८।१२	७।३९	७।३९	७।४८
शुभ	९।३५	९।३४	९।४१	९।३८	९।२०	९।२७	९।३७	८।३६	९।३४	९।१२	९।२९	९।०२	९।३०	८।४५	९।१८	८।१४	९।२६	९।१३	९।३३	९।३०	९।३६	९।००	९।०३	९।१२
रोग	१०।५४	१०।५५	११।०२	१०।५७	१०।४३	१०।४९	१०।५८	९।५८	१०।५४	१०।३३	१०।५०	१०।२८	१०।५१	१०।०७	१०।३९	९।३४	१०।४६	१०।३८	१०।५५	१०।५०	१०।५९	१०।२१	१०।२७	१०।३६
उद्वेग	१२।१४	१२।१५	१२।२४	१२।१५	१२।०६	१२।११	१२।२०	११।२०	१२।१४	११।५३	१२।११	११।५४	१२।११	११।२९	१२।००	१०।५४	१२।०५	१२।०४	१२।१७	१२।१०	१२।२३	११।४२	११।५२	१२।००
चल	१३।३४	१३।३६	१३।४६	१३।३३	१३।२९	१३।३३	१३।४१	१२।४३	१३।३४	१३।१४	१३।३२	१३।१९	१३।३१	१२।५०	१३।२१	१२।१५	१३।२५	१३।३०	१३।३८	१३।२९	१३।४७	१३।०३	१३।१६	१३।२४
लाभ	१४।५४	१४।५७	१५।०८	१४।५२	१४।५२	१४।५५	१५।०२	१४।०५	१४।५४	१४।३४	१४।५३	१४।४५	१४।५२	१४।१२	१४।४२	१३।३५	१४।४५	१४।५५	१५।००	१४।४९	१५।१०	१४।२४	१४।४१	१४।४९
अमृत	१६।१४	१६।१७	१६।३०	१६।१०	१६।१४	१६।१७	१६।२३	१५।२७	१६।१४	१५।५५	१६।१४	१६।१०	१६।१२	१५।३४	१६।०३	१४।५५	१६।०४	१६।२१	१६।२२	१६।०८	१६।३४	१५।४५	१६।०५	१६।१३
काल	१७।३४	१७।३८	१७।५२	१७।२८	१७।३७	१७।३९	१७।४५	१६।४९	१७।३४	१७।१५	१७।३५	१७।३६	१७।३३	१६।५५	१७।२४	१६।१५	१७।२४	१७।४७	१७।४४	१७।२८	१७।५७	१७।०६	१७।२९	१७।३७

जिन नगरों का नहीं लिखा है वे नीचे लिखी विधि को क्रियान्वित करें। दिनमान एवं रात्रिमान का आठवाँ भाग चौघड़िया होता है। दिन का चौघड़िया :- सूर्योदय में घंटा-मिनटात्मक दिनमान का आठवाँ भाग जोड़ने से एक चौघड़िया का समय आता है। इसी संख्या में पुनः आठवाँ भाग जोड़ने से दूसरे चौघड़िये का समय आता है। इसी प्रकार क्रिया करते रहने से आठों चौघड़ियों का समय स्पष्ट होता है। रात्रि का चौघड़िया :- सूर्यास्त में रात्रिमान (सूर्यास्त से अगले दिन के सूर्योदय तक रात्रिमान होता है) का आठवाँ भाग जोड़ने से एक चौघड़िया का समय आता है। शेष क्रिया पूर्ववत्। उदाहरण ता. १४ नवंबर २०२० शनिवार को रामगढ में सूर्योदय ६ बजकर ५५ मिनट और सूर्यास्त १७ बजकर ३४ मिनट हैं। यहाँ सूर्यास्त में से सूर्योदय घटाकर आठ का भाग देने से एक चौघड़िया का मान (समय) १ घंटा २० मिनट हुआ इसे सूर्योदय ६ बजकर ५५ मिनट में जोड़ने से प्रथम चौघड़िया काल का ८ बजकर १५ मिनट पर समाप्तिकाल हुआ। इसी संख्या में दुबारा एक चौघड़िया का मान (समय) जोड़ने से दूसरा चौघड़िया शुभ का ९ बजकर ३५ मिनट पर समाप्तिकाल हुआ। इसी तरह पुनः पुनः एक चौघड़िया का मान (समय) जोड़ने से दिन के आठों चौघड़ियों का समय जाना जा सकता है।

संवत् २०७७, ता. १४ नवंबर २०२० शनिवार ॥ 卐 *श्रीमहालक्ष्मी पूजनम्* 卐 ॥ विभिन्न नगरों में लग्नप्रवेश (स्टै. घंटा-मिनट) ॥ कर्के त्याज्यम् ॥

शहर	अजमेर	अहमदा.	अयोध्या	अमृतस.	आकोला	आगरा	इंदौर	इलाहाबा.	उज्जैन	उदयपुर	कटक	कोलकाता	सीकर	कानपुर	कोटा	गंगानग.	गोरखपु.	गौहाटी	चिन्नई	जबलपु.	जयपुर	जींद	जोधपुर	झरिया
वृष	१७।४५	१७।५९	१७।१४	१७।३५	१७।४५	१७।३१	१७।४७	१७।१८	१७।४६	१७।५२	१७।१०	१६।५७	१७।४१	१७।२३	१७।४३	१७।४२	१७।१०	१६।३७	१७।४४	१७।२९	१७।४०	१७।३३	१७।५४	१७।०३
मिथुन	१९।४२	१९।५७	१९।११	१९।३०	१९।४४	१९।२८	१९।४५	१९।१५	१९।४५	१९।५०	१९।१०	१८।५५	१९।३८	१९।२०	१९।४०	१९।३७	१९।०७	१८।३४	१९।४६	१९।२८	१९।३७	१९।२९	१९।५१	१९।०१
कर्क	२१।५६	२२।११	२१।२६	२१।४५	२१।५८	२१।४२	२१।५९	२१।३०	२१।५९	२२।०४	२१।२३	२१।०९	२१।५२	२१।३४	२१।५४	२१।५३	२१।२१	२०।४९	२१।५८	२१।४२	२१।५१	२१।४४	२२।०६	२१।१५
सिंह	२४।१५	२४।२८	२३।४५	२४।०८	२४।१२	२४।०२	२४।१५	२३।४८	२४।१५	२४।२१	२३।३७	२३।२५	२४।१२	२३।५३	२४।१२	२४।१४	२३।४०	२३।०७	२४।०८	२३।५८	२४।१०	२४।०५	२४।२४	२३।३२
कन्या	२६।३१	२६।४०	२६।००	२६।२९	२६।२२	२६।१८	२६।२७	२६।०२	२६।२७	२६।३५	२५।४७	२५।३६	२६।२९	२६।०८	२६।२६	२६।३३	२५।५६	२५।२२	२६।११	२६।१०	२६।२६	२६।२३	२६।३९	२५।४४
तुला	२८।४५	२८।५१	२८।१५	२८।४९	२८।३१	२८।३३	२८।३७	२८।१५	२८।३८	२८।४७	२७।५५	२७।४७	२८।४४	२८।२२	२८।३९	२८।५१	२८।१०	२७।३६	२८।१३	२८।२१	२८।४१	२८।४०	२८।५३	२७।५६

शहर	झांसी	झुन्झुनू	डिब्रुगढ	तेजपुर	दरभंगा	त्रिवेंद्रम	दिल्ली	नैनिताल	पूना	प्रयाग	बीकानेर	बैंगलोर	बांसवाडा	बिलासपु.	भिवानी	मथुरा	मुम्बई	मैसूर	लखनऊ	वाराणसी	विजयवा.	श्रीनगर	हरद्वार	हैदराबाद
वृष	१७।३१	१७।३९	१६।२२	१६।३२	१७।०१	१८।०३	१७।३९	१७।२१	१८।०१	१७।१८	१७।४८	१७।५४	१७।५१	१७।२२	१७।३५	१७।३१	१८।०५	१७।५९	१७।१९	१७।१४	१७।३७	१७।३०	१७।२५	१७।४४
मिथुन	१९।२९	१९।३५	१८।१९	१८।२९	१८।५८	२०।०७	१९।२७	१९।१६	२०।०२	१९।१६	१९।४४	१९।५७	१९।४९	१९।२१	१९।३१	१९।२८	२०।०५	२०।०२	१९।१६	१९।११	१९।३८	१९।२३	१९।२०	१९।४५
कर्क	२१।४३	२१।५०	२०।३४	२०।४४	२१।१२	२२।१९	२१।४२	२१।३१	२२।१४	२१।३०	२१।५९	२२।०९	२२।०३	२१।३५	२१।४६	२१।४२	२२।१८	२२।१४	२१।३१	२१।२५	२१।५१	२१।३९	२१।३५	२१।५८
सिंह	२४।०१	२४।१०	२२।५३	२३।०३	२३।३१	२४।२५	२४।०३	२३।५३	२४।२८	२३।४८	२४।१९	२४।१८	२४।२०	२३।५०	२४।०७	२४।०२	२४।३१	२४।२३	२३।५०	२३।४३	२४।०३	२४।०५	२३।५७	२४।१०
कन्या	२६।१५	२६।२७	२५।०९	२५।१८	२५।४६	२६।२५	२६।२०	२६।११	२६।३५	२६।०२	२६।३६	२६।२२	२६।३२	२६।०१	२६।२४	२६।१८	२६।३९	२६।२५	२६।०६	२५।५८	२६।०९	२६।२८	२६।१६	२६।१७
तुला	२८।२८	२८।४३	२७।२५	२७।३३	२८।००	२८।२३	२८।३७	२८।२८	२८।४२	२८।१६	२८।५२	२८।२३	२८।४४	२८।११	२८।४१	२८।३४	२८।४६	२८।२६	२८।२०	२८।११	२८।१४	२८।५१	२८।३४	२८।२३

॥ संवत् २०७७ मध्ये तिथि-वार-नक्षत्रजन्य अमृतादि योगाः ॥ (स्टै. घंटा-मिनट)

अमृतसिद्धि योग

२। ४	गुरुपुष्यामृत १९।२७ से ३०।२२
२५। ४	शनिरोहिणी २०।५३ से २९।५९
३०। ४	गुरुपुष्यामृत ५।५५ से २५।५४
१९। ५	भौमाऽश्विनि १९।५५ से २९।४२
२३। ५	शनिरोहिणी ५।४१ से २८।४८
२८। ५	गुरुपुष्यामृत ५।३९ से ७।२९
३१। ५	रविहस्त २७।०१ से २९।३८
१६। ६	भौमाऽश्विनि ५।३८ से २९।३८
२०। ६	शनिरोहिणी ५।३९ से ११।५९
२८। ६	रविहस्त ८।४७ से २९।४१
१। ७	बुधानुराधा २६।३२ से २९।४२
६। ७	सोमश्रवण २३।१३ से २९।४४
१४। ७	भौमाऽश्विनि ५।४८ से १४।०९
२६। ७	रविहस्त ५।५४ से १२।३६
२९। ७	बुधानुराधा ८।३० से २९।५६
३। ८	सोमश्रवण ७।१९ से २९।५९
२६। ८	बुधानुराधा ६।१० से १३।०१
३१। ८	सोमश्रवण ६।१२ से १५।०३
४। ९	शुक्ररेवति २३।२४ से ३०।१४
२।१०	शुक्ररेवति ६।२७ से ३०।२८
३०।१०	शुक्ररेवति ६।४४ से १४।५८
३१।१२	गुरुपुष्यामृत १९।४७ से ३१।२५
सन	२०२१
२३। १	शनिरोहिणी २१।३३ से ३१।२४
२८। १	गुरुपुष्यामृत ७।२३ से २७।४९
१६। २	भौमाऽश्विनि २०।५२ से ३१।१०
२०। २	शनिरोहिणी ७।०७ से ३१।०६
२५। २	गुरुपुष्यामृत ७।०२ से १३।१५
१६। ३	भौमाऽश्विनि ६।४२ से ३०।४१
२०। ३	शनिरोहिणी ६।३८ से १६।४१
२८। ३	रविहस्त १७।३१ से ३०।२८
५। ४	सोमश्रवण २६।०१ से ३०।१९

सर्वार्थसिध्दि योग

२६। ३	६।३१ से ......
२७। ३	.... १०।०५
३०। ३	६।२६ से ३०।२५
२। ४	६।२३ से ३०।२२
१०। ४	२१।५४ से ३०।१३
१२। ४	१९।१३ से ३०।११
२१। ४	६।०३ से १०।२२
२३। ४	६।०१ से १६।०१
२५। ४	२०।५३ से २९।५९
२७। ४	५।५८ से २४।२७
३०। ४	५।५५ से २५।५४
३। ५	२१।४३ से २९।५२
८। ५	८।३८ से २९।४८
१०। ५	५।४८ से २८।१४
१७। ५	१३।५८ से २९।४३
१९। ५	१९।५५ से २९।४२
२३। ५	५।४१ से २८।४८
२५। ५	५।४० से ६।०७
२८। ५	५।३९ से ७।२९
३१। ५	५।३९ से २९।३८
४। ६	१८।३७ से ......
५। ६	.... १६।४५
७। ६	५।३८ से १४।१३
१४। ६	५।३८ से २४।२२
१६। ६	५।३८ से २९।३८
२०। ६	५।३९ से ११।५९
२८। ६	५।४१ से २९।४१
१। ७	२६।३२ से ......
२। ७	.... २५।१३
५। ७	२३।०४ से २९।४४
६। ७	२३।१३ से २९।४४
१२। ७	५।४७ से ८।१६
१४। ७	५।४८ से १४।०९
१५। ७	१६।४६ से २९।४९
२०। ७	२१।१८ से २९।५१
२१। ७	२०।२९ से २९।५२
२६। ७	५।५४ से १२।३६
२९। ७	८।३० से ......
३०। ७	.... ७।३८
२। ८	६।५२ से २९।५८
३। ८	७।१९ से २९।५९
९। ८	१९।०३ से ३०।०२
११। ८	२४।५७ से ......
१२। ८	.... ३०।०३
१७। ८	६।४१ से २९।४०
१८। ८	६।०६ से २८।०६
२६। ८	६।१० से १३।०१
३०। ८	६।१२ से १३।५१
३१। ८	६।१२ से १५।०३
४। ९	२३।२४ से ३०।१४
६। ९	६।१५ से २९।२०
८। ९	८।२३ से ......
९। ९	.... ३०।१७
१३। ९	१६।३२ से ......
१४। ९	.... १५।५०
१५। ९	६।१९ से १४।२४
१९। ९	२५।१८ से ३०।२१
२१। ९	२०।४६ से ३०।२२
२६। ९	१९।२३ से ३०।२५
१।१०	२९।५६ से ......
२।१०	.... ३०।२८
४।१०	६।२८ से ११।४९
६।१०	६।२९ से १७।४९
७।१०	६।३० से ३०।३०
९।१०	२४।२५ से ३०।३१
११।१०	६।३२ से २५।१८
१७।१०	११।५१ से ३०।३६
१९।१०	६।३७ से २७।५३
२३।१०	२५।२५ से ......
२४।१०	.... २६।३४
२९।१०	१२।०१ से ......
३०।१०	.... ३०।४४
२।११	२३।४५ से ३०।४६
४।११	६।४७ से २८।४६
५।११	३०।४२ से ......
६।११	.... ३०।४९
८।११	६।५० से ८।४६
११।११	२८।२५ से ३०।५३
१४।११	६।५५ से २०।१०
१६।११	६।५६ से १४।३९
२०।११	९।२२ से ......
२१।११	.... ९।५१
२४।११	१५।३० से ३१।०३
२६।११	७।०४ से ......
२७।११	.... २४।२५
३०।११	७।०७ से ३१।०८
२।१२	७।०९ से १०।३३
३।१२	१२।१८ से ......
४।१२	.... १३।३८
९।१२	१२।३३ से ३१।१४
१८।१२	७।१९ से १९।०३
२२।१२	७।२२ से २५।३६
२४।१२	७।२३ से ......
२५।१२	.... ७।३९
२८।१२	७।२४ से ३१।२४
३१।१२	७।२५ से ३१।२५
सन	२०२१
६। १	७।२६ से १७।०९
१९। १	७।२६ से ९।५०
२१। १	७।२५ से १५।३६
२३। १	२१।३३ से ३१।२४
२५। १	७।२४ से २५।५३
२८। १	७।२३ से २७।४९
३१। १	२५।२० से ३१।२१
५। २	१८।२७ से ३१।१८
७। २	१६।१४ से ३१।१७
१४। २	१६।२९ से ३१।११
१६। २	२०।५२ से ३१।१०
२०। २	७।०७ से ३१।०६
२२। २	७।०५ से १०।५६
२५। २	७।०२ से १३।१५
२८। २	९।३४ से ३०।५९
४। ३	२३।५५ से ......
५। ३	.... २२।३६
७। ३	६।५२ से २०।५७
१४। ३	६।४५ से २६।१६
१६। ३	६।४२ से ३०।४१
२०। ३	६।३८ से १६।४१
२८। ३	६।२९ से ३०।२८
१। ४	७।१९ से २९।१७
४। ४	२६।०३ से ३०।२०
५। ४	२६।०१ से ३०।१९
११। ४	६।१३ से ८।५६

सिध्दि योग

२। ४	६।२३ से १९।२७
१२। ४	१९।१३ से ३०।११
२१। ४	६।०३ से १०।२२
१०। ५	५।४८ से २८।१४
७। ६	५।३८ से १४।१३
२६। ६	११।२९ से २९।४१
६। ७	२३।१३ से २९।४४
१५। ७	१६।४६ से २९।४९
२४। ७	५।५३ से १६।०४
३। ८	७।१९ से २९।५९
१२। ८	६।०३ से २७।२७
३१। ८	६।१२ से १५।०३

९। ९	६।१६ से ११।१३
१९। ९	२५।१८ से ३०।२१
१७।१०	११।५१ से ३०।३६
५।११	३०।४२ से ३०।४९
१४।११	६।५५ से २०।१०
२४।११	१५।३० से ३१।०३
३।१२	१२।१८ से ३१।१०
२२।१२	७।२२ से २५।३६
३१।१२	७।२५ से १९।४७
सन	२०२१
१९। १	७।२६ से ९।५०
७। २	१६।१४ से ३१।१७
७। ३	६।५२ से २०।५७
२६। ३	२१।३६ से ३०।३०
५। ४	२६।०१ से ३०।१९

द्विपुष्कर योग

३१। ३	६।२५ से १८।४२
२३। ५	२८।४८ से ......
२४। ५	.... २५।००
२। ६	१२।०६ से २२।५४
२६। ७	१२।३६ से २९।५४
४। ८	२१।५६ से २९।५९
१९। ९	६।२१ से ९।०९
२७। ९	२०।४७ से ३०।२५
२१।११	९।५१ से २१।४६
१।१२	१६।४९ से ३१।०९
सन	२०२१
२४। १	२४।०० से ३१।२४
२०। ३	१६।४१ से ......
२१। ३	.... ७।१०
३०। ३	६।२७ से १२।१७

त्रिपुष्कर योग

१८। ४	२८।२३ से ......
१९। ४	.... २४।४६
२५। ४	५।५९ से ११।५०
२३। ६	५।३९ से ११।२१
२७। ६	१०।१३ से २६।५७
१६। ८	७।०० से १३।४९
२५। ८	६।०९ से १२।२०
२९। ८	१३।०१ से ......
३०। ८	.... ८।२२
८। ९	२४।०२ से ३०।१६
१८।१०	८।५१ से १७।२९
२७।१०	१०।४६ से ३०।४२
१।११	२२।४९ से ३०।४६
७।११	७।२५ से ८।०४
२०।१२	२०।५७ से ३१।२१
२६।१२	१०।३८ से २८।२२
सन	२०२१
५। १	७।२६ से १८।२२
१३। २	१५।०८ से २४।५६
२३। २	१८।०६ से ३१।०३
२८। २	११।२० से ३०।५९
९। ३	१५।०३ से २०।३९

रवि योग

२७। ३	१०।०५ से ......
२८। ३	.... १२।४८
२९। ३	१५।१५ से ......
३०। ३	.... १७।१५
३१। ३	६।२६ से १८।४२
२। ४	१९।२७ से ......
३। ४	दिनरात
४। ४	.... १७।०८
६। ४	१२।१५ से ......

॥ संवत् २०७७ मध्ये रवियोग: ॥ (स्टै. घंटा-मिनट)

१३। ४	.... १९।०२	२५। ७	१४।१९ से	२४।१०	२६।३४ से	२१। १	१५।३६ से ......
१३। ४	१९।४८ से	२६। ७	.... १२।३६	२५।१०	दिनरात	२२। १	दिनरात
१४। ४	.... १९।३९	२८। ७	९।३९ से	२६।१०	.... ३०।३४	२३। १	.... २१।३३
२५। ४	२०।५३ से	२९। ७	दिनरात	२९।१०	१२।०१ से	२३। १	२७।३३ से ......
२६। ४	.... २२।५२	३०। ७	.... ७।३८	३०।१०	.... १४।५८	२४। १	.... २४।००
२७। ४	११।३६ से २४।२७	१। ८	६।४८ से	५।११	३०।४२ से	२६। १	२७।०९ से ......
२८। ४	२५।३२ से	२। ८	.... ६।५२	६।११	.... ७।५१	२७। १	.... २७।४७
२९। ४	.... २६।०२	२। ८	२१।०५ से	७।११	८।०४ से	२। २	२२।३३ से ......
१। ५	२५।०७ से	३। ८	.... ७।१९	८।११	.... ८।४६	३। २	.... २१।०७
२। ५	दिनरात	९। ८	१९।०३ से	१७।११	१२।२५ से	१४। २	१६।२९ से ......
३। ५	.... २१।४३	१०। ८	.... २२।०५	१८।११	.... १०।४३	१५। २	.... १८।२४
५। ५	१६।३८ से	२१। ८	२१।२७ से	१९।११	९।४० से १३।५१	१६। २	२०।५२ से ......
६। ५	.... १३।५१	२२। ८	.... १९।०९	२०।११	९।२२ से	१७। २	.... २३।४५
१२। ५	२८।५२ से	२३। ८	१७।०३ से	२१।११	.... ९।५१	२१। २	८।४२ से ......
१३। ५	दिनरात	२४। ८	.... १५।१७	२३।११	१३।०१ से	२२। २	दिनरात
१४। ५	.... ६।१९	२६। ८	१३।०१ से	२४।११	दिनरात	२३। २	.... १२।२८
२६। ५	७।०१ से	२७। ८	दिनरात	२५।११	.... १८।२१	२५। २	१३।१५ से ......
२७। ५	.... ७।२९	२८। ८	.... १२।३५	२७।११	२४।२५ से	२६। २	.... १२।३३
२८। ५	७।२९ से	३०। ८	१३।५१ से १४।५०	२८।११	.... २७।१९	३। ३	२५।३३ से ......
२९। ५	.... ७।०१	३१। ८	१५।०३ से	६।१२	१४।४८ से	४। ३	.... १७।२३
३०। ५	२८।४४ से	१। ९	.... १६।३७	७।१२	.... १४।३५	४। ३	२३।५५ से ......
३१। ५	दिनरात	८। ९	८।२३ से	१७।१२	१९।१४ से	५। ३	.... २२।३६
१। ६	.... २५।०२	९। ९	.... ११।१३	१८।१२	.... १९।०३	१५। ३	२८।३९ से ......
३। ६	२०।४२ से	१९। ९	२५।१८ से	१९।१२	१९।३७ से	१६। ३	दिनरात
४। ६	.... १८।३७	२०। ९	.... २२।४९	२०।१२	.... २०।५७	१७। ३	.... ७।२५
११। ६	१६।३० से	२१। ९	२०।४६ से	२२।१२	२५।३६ से	१७। ३	२५।४९ से ......
१२। ६	.... १८।४४	२२। ९	.... १९।१६	२३।१२	दिनरात	१८। ३	.... १०।२९
२४। ६	१३।१२ से	२४। ९	१८।०७ से	२४।१२	दिनरात	१९। ३	१३।३९ से ......
२५। ६	.... १२।३०	२५। ९	दिनरात	२५।१२	.... ७।३९	२०। ३	.... १६।४१
२६। ६	११।२९ से	२६। ९	.... १९।२३	२७।१२	१३।१९ से	२२। ३	२१।२५ से ......
२७। ६	.... १०।१३	२६। ९	२४।१३ से	२८।१२	.... १५।३७	२३। ३	दिनरात
२९। ६	७।१३ से	२७। ९	.... २०।४७	२८।१२	२३।२० से	२४। ३	.... २३।१०
३०। ६	.... २८।०२	२९। ९	२४।४७ से	२९।१२	.... १७।२९	२६। ३	२१।३६ से ......
२। ७	२५।१३ से	३०। ९	.... २७।१५	सन	२०२१	२७। ३	.... १९।४८
३। ७	.... २४।०९	७।१०	२०।३१ से	४। १	१९।२० से	२। ४	२७।४२ से ......
१०। ७	२९।२८ से	८।१०	.... २२।४७	५। १	.... १८।२२	३। ४	.... २६।३६
११। ७	दिनरात	१८।१०	३०।०९ से	१५। १	२९।१४ से		
१२। ७	.... ८।१६	१९।१०	.... २७।५३	१६। १	.... ३०।०५		
२३। ७	१७।४५ से	२०।१०	२६।१३ से	१८। १	७।३८ से		
२४। ७	.... १६।०४	२१।१०	.... २५।१३	१९। १	.... ९।५०		

मुख्य व्रतोत्सव तालिका का शेष ...

पोषमास जनवरी २०२१		षट्तिला एका. वै.	८	अमावस्या	१३
चतुर्थीव्रत	२	प्रदोष व्रत	९	फुलरिया दूज	१५
सफला एका.	९	तारा (शुक्र अस्त)	११	होलाष्टक प्रारम्भ	२२
सुरुप द्वादशी	९	मौनी अमा.	११	बिड़कुला-ढाल थापणा भद्रा के बाद	२५
प्रदोष व्रत	१०	अमावस्या	११	आमलकी एका.	२५
अमावस्या पितृकार्य	१२	श्री वल्लभ जयंती	१२	श्रीश्यामबाबा जागरण	२५
अमावस्या देवकार्य	१३	ताराशुद्ध (गुरुउदय)	१४	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	२६
तारा (गुरु अस्त)	१७	वसन्त पंचमी	१६	प्रदोष व्रत	२६
शांकभरी यात्रा	२१	पुत्र सप्तमी	१९	श्रीखाटुश्यामजी मेला	२६
नेताजी जयन्ती	२३	भानुसप्तमी	१९	पूर्णिमा व्रत	२८
पुत्रदा एका.	२४	भीष्माष्टमी	१९	जेलपोणी भद्रा के बाद	२८
श्रीश्यामबाबा जागरण	२४	जया एका.	२३	होलिका दहन	२८
श्रीश्यामबाबा द्वादशी	२५	श्रीश्यामबाबा जागरण	२३	**चैत्रमास मार्च**	
गणतन्त्र दिवस	२६	श्रीश्यामबाबा द्वादशी	२४	वसन्त प्रतिपदा	२९
प्रदोष व्रत	२६	प्रदोष व्रत	२४	छारेंडी	२९
पूर्णिमा व्रत	२८	भीष्मद्वादशी	२४	चतुर्थीव्रत	३१
शाकंभरी जयंती	२८	पूर्णिमा व्रत	२७	शीतलापूजन (बास्योड़ा) अप्रै.	३
माघ स्नानारंभ	२८	माघ स्नान पूर्ति	२७	पापमोचनी एका.	७
माघमास जनवरी		**फाल्गुनमास मार्च**		प्रदोष व्रत	९
तिलकुटी चतुर्थीव्रत	३१	चतुर्थीव्रत	२	अमावस्या पितृकार्य	११
सौभाग्य सुन्दरी व्रत	३१	विजया एका.	९	सोमवती अमावस्या	१२
स्वामीविवेकानन्दज.फर.	४	प्रदोष व्रत	१०	अमावस्या देवकार्य	१२
षट्तिला एका. स्मा.	७	महा शिवरात्री व्रत	११		

पं. श्री वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग जिन ग्रंथों से बनता है उन ग्रंथों के नाम:

१. श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः
२. केतकी ग्रहगणितम्
३. वैजयन्ती पञ्चाङ्गगणितम्
४. ज्योतिर्गणितम्
५. मराठी ग्रहगणितम्
६. भारतीय भूमण्डल सूर्यग्रहणगणितम्
७. मराठी ग्रहगणितमालिका
८. बृहद् दैवज्ञ विनोद
९. सांवत्सरी पद्धत्ति
१०. निर्णय सिन्धु
११. धर्मसिन्धु
१२. सूर्य सिद्धान्त
१३. सिद्धान्त शिरोमणि
१४. मुहूर्त्त चिन्तामणि
१५. मुहूर्त्त मार्तण्ड
१६. बृहद् दैवज्ञ रंजन
१७. उपलब्ध पुराण
१८. पीयूषधारा
१९. वर्षप्रबोध
२०. वाराहमिहिर संहिता
२१. ग्रहलाघव

उक्त (क्रमाङ्क ८ से २१) ग्रंथों के प्रकाशक - खेमराज श्री कृष्णदास, मुम्बई, कल्याण, पूणे है। प्राप्तिस्थल - कल्याण के दूरध्वनि- ०२५१- २२०९०६१ हैं विशेष पं. श्री वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के अन्तिम पृष्ठों में देखें, प्राप्तिस्थल का दूरध्वनि क्रमाङ्क सहित सम्पूर्ण ठिकाना लिखा है।

क्रमाङ्क २ से ७ के रचयिता-
मानद् वेंकटेशबापू केतकर हैं।

उक्त ग्रंथों के प्रकाशक- महाराष्ट्र सरकार है, और प्राप्तिस्थल-
१. संचालक, शासन मुद्रण, लेखन सामग्री व प्रकाशन संचनालय, नेताजी सुभाष मार्ग, मुम्बई. (चर्नीरोड), ४०० ००४, दूरध्वनी- ०२२- २३६३२६९३, २३६३०६९५, २३६३११४८, २३६३४०४९
२. सचिव महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृति मंडल, मुंबई. मराठीग्रंथ संग्रहालय इमारत, ३रा मजला १७२, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय मार्ग, दादर मुंबई. ४०० ०१४ दूरध्वनी- ०२२ २४१४४०२१, २४१४६००५
३. व्यवस्थापक- शसकीय फोटोझिंको मुद्रणालय व ग्रंथागार, फोटोझिंको मुद्रणालय, आवार जी. पी. ओ. नजीक, पूणे ४११ ००१, दूरध्वनी ०२०- २६२४१५९, २६१२५८०८

नम्र निवेदन- आपका सहयोग ही परिश्रम की सफलता है। श्री श्री १००८ सन्त भातारामजी महाराज जो "बाबा श्री रामेश्वरदास धाम" के वर्तमान पदासीन और सभी सेवकों को हृदय से सादर प्रणाम करता हूँ। जिन वयोवृद्ध विद्वानों और दैवज्ञों ने पत्रों द्वारा आशिर्वाद भेजें है उनकों मैं शिरोधार्य करते हुए दण्डवत् प्रणाम करता हूँ। भवदीय - वरदभावाकाँक्षी - गणितकर्ता

॥ काल समीकरण ॥

काल यानि समय की परिवर्तन क्रिया को काल समीकरण कहते है। इसमें गणित की प्रधानता है। प्रत्येक कार्य में गणित की आवश्यकता होती है। आज विश्व में ज्योतिष हो या साईंस हो या वास्तु सभी गणित पर निर्भर करते हैं और यह गणित अनेक प्रकार का है। लेकिन यहाँ ज्योतिष के उसी गणित की चर्चा होगी जो कि प्रत्येक व्यक्ति के उपयोग में आता है। ज्योतिष में समय की परिवर्तन क्रिया करने के लिए मुख्य रुप से तीन तरह का गणित उपयोगी होता है।

(१) स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय (२) स्थानिक समय से स्टैण्डर्ड समय
(३) स्थानिक स्पष्टग्रह से अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्पष्टग्रह (नोट- अग्रिम पृष्ठ पर देखें)

(१) स्टंण्डर्ड समय से स्थानिक समय बनाना हो तो रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण-धन जो है वो ज्यों का त्यों संस्कार होगा और वेलान्तर का चिन्ह ऋण-धन जो है उससे विलोम (धन हो तो ऋण और ऋण हो तो धन) संस्कार करने पर स्पष्ट स्थानिक समय प्राप्त होगा। जैसे - रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण हैं और वेलान्तर का भी ऋण है तो संस्कार करने के लिए रेल्वे अन्तर का चिन्ह ज्यों का त्यों ऋण रहेगा और वेलान्तर का चिन्ह ऋण से विलोम धन हो जायेगा।

(२) स्थानिक समय से स्टैण्डर्ड समय बनाना हो तो रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण-धन जो है उससे विलोम (धन हो तो ऋण और ऋण हों तो धन) संस्कार होगा और वेलान्तर का चिन्ह ऋण-धन जो है वो ज्यों का त्यों संस्कार करने पर स्पष्ट स्टैण्डर्ड समय प्राप्त होगा। जैसे - रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण हैं और वेलान्तर का भी ऋण है तो संस्कार करने के लिए रेल्वे अन्तर का चिन्ह ऋण से विलोम धन हो जायेगा और वेलान्तर का चिन्ह ज्यों का त्यों ऋण रहेगा।

स्टैंण्डर्ड समय क्या है। - भारत अथवा संसार के नक्शे (अटलस) में देखा होगा कि आडी और खडी रेखाएँ रहती हैं, जो आडी (पूर्व-पश्चिम) रेखाएँ होती हैं वे अंक्षांश कहलाते हैं और जो ऊर्ध्वाधर-(उत्तर-दक्षिण) खडी रेखाएँ होती हैं वे रेखांश कहलाते हैं। ग्रीन्वीच में रेखांश ० डिग्री (अंश) हैं अतः ग्रन्वीच से पूर्व दिशा में जो रेखांश हैं वे पूर्वी रेखांश कहलाते हैं और ग्रीन्वीच से जो पश्चिम दिशा में रेखांश हैं वे पश्चिमी रेखांश कहलाते हैं। इसीलिए अटलस या पंचांगों में पूर्वी रेखांश- पश्चिमी रेखांश लिखा हुआ रहता है। पूर्वी रेखांश सदैव धनात्मक होते हैं और पश्चिमी रेखांश सदैव ऋणात्मक होते हैं। एक रेखांश से दूसरे रेखांश का अन्तरकालमान (दूरी) ४ (चार) मिनट होता है। ग्रीन्वीच को केन्द्रबिंदु मानकर (मध्यरात्री के १२।०० बजे से) संसार के सभी देशों में घड़ियों की व्यवस्था की गई है। किसी भी देश के मध्य में स्थित रेखांशों को आधार मानकर घडी का समय निर्धारित किया है। जैसे भारत ग्रीन्वीच से पूर्वदिशा में है तो ८२।३० (साढे बियासी) पूर्वी रेखांशों पर घडियों का समय आधारित है यानि कि ग्रीन्वीच से भारत का ५ घंटा ३० मिनिट का धनात्मक अंतर (८२।३० रेखांशाः x ४ मिनिट = ३३० मिनिट = घंटा ५ मिनिट ३०) है। ग्रीन्वीच की घडी से भारत की घडी ५ घंटा ३० मि. आगे (धनात्मक) रहती हैं, जैसे ग्रीन्वीच की घड़ी में मध्यरात्री १२।०० बजते हैं तो भारत की घड़ी में प्रातः ५।३० बजते हैं इसी तरह सब जानकारी करनी चाहिए। भारत की घड़ियों के इसी समय का नाम "स्टैण्डर्ड समय" है जो कि भारत में समान रुप से है। स्टैण्डर्ड समय को ही रेल्वे समय कहते हैं। अंग्रेजी में इसे इंडियन स्टैंण्डर्ड टाइम (I. S. T.) कहते हैं। सारांश यह है कि स्टैण्डर्ड समय और रेल्वे समय एक ही हैं, मात्र नाम का भेद है। हमारी घड़ियों में जो टाइम देखते हे यही स्टैंण्डर्ड समय कहलाता है और रेल्वे स्टेशनों पर जो घड़ियाँ रहती हैं जिनके आधार पर हमारी रेल गाडियाँ चलती है वह रेल्वे समय कहलाता है। स्थानिक काल निकालने के लिए रेल्वे (स्टं.) समय में परिवर्तन क्रिया आवश्यक है जिसे रेल्वेऽन्तर (रेखांतर) क्रिया कहते हैं।

रेल्वे अन्तर (रेखान्तर(मिनट)) = (अभीष्ट स्थल रेखांश – ८२.५ रेखांश) x ४

अभीष्ट स्थल के रेखांश ८२.५ (साढे बियासी) रेखांश से ज्यादा हों तो रेल्वे अन्तर (रेखान्तर (मिनट)) संस्कार का चिन्ह सदैव ही धनात्मक होता है और रेखांश कम हों तो चिन्ह सदैव ही ऋणात्मक होता हैं। वेलान्तर संस्कार पञ्चाङ्ग में चिन्ह सहित लिखा रहता है।

देशान्तर (मिनट) = (अभीष्ट स्थल रेखांश – पञ्चाङ्ग स्थल रेखांश) x ४

अभीष्ट स्थल के रेखांश जिस स्थल का पञ्चाङ्ग हो उस रेखांश से ज्यादा हों तो देशान्तर संस्कार का चिन्ह सदैव ही धनात्मक होता है और रेखांश कम हों तो चिन्ह सदैव ही ऋणात्मक होता है।

चरान्तर संस्कार: अक्षांश और क्रांति को उपकरण मानकर चरपल संस्कार सारणी से प्राप्त कर सकते हैं। चरान्तर संस्कार का चिन्ह क्रांति की तरह ऋण धन होता हैं।

ऋण-धन के योग (जोड) और गुणाकार के चिन्हों का सूत्र

धन + धन का योग धन होता है	धन X धन का गुणाकार धन होता है
ऋण + ऋण का योग ऋण होता है	धन X ऋण का गुणाकार ऋण होता है
गुरुधन + लघुऋण का योग धन होता है	ऋण X ऋण का गुणाकार धन होता है
गुरुऋण + लघुधन का योग ऋण होता है	ऋण X धन का गुणाकार ऋण होता है

॥ चन्द्रोदय-चंद्रास्त गणित की सरलविधि ॥

चन्द्रमा की शीघ्र गति होने के कारण चन्द्रगणित बहुत ही कष्टप्रद है। यह बात सन १९९१ की है में दशवर्षीय (संवत् २०५१ से २०६० तक) के लिए गणित कर रहा था गणितान्तर्गत एक ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहण में और चन्द्रोदय में २ मिनट का अन्तर आरहा था तो मुझे शंका हो गई. उस शंका समाधान के लिए महाराष्ट्र गुजरात के अनेक पञ्चाङ्गकर्ताविद्वानों से टेलिफोन पर सम्पर्क कियां लेकिन उनका जवाब था क्रमशः (१) आप अपना गणित भेज दीजिए. बाद में हम देखेंगें क्या करना है। (२) हम तो गणितकर्ता का नाम सिर्फ लिखते हैं लेकिन गणित तो किसी दूसरे से लेते हैं। (३) अपनी विद्या कोई किसी को देता है क्या! (४) हमारे पास दो वर्ष का ही गणित है आगे का नहीं, ... आदि।

विद्वानों के ऐसे भाव और भाषा सुनकर हृदय को आघात पहुँचा और उन दिनों की याद आ गई जब मुम्बई में अंधेरी रेल्वे स्टेशन के पश्चिम में वीइएराटी के स्थानक पर बस क्रमांक ४ की प्रतीक्षारत पंक्ति में खड़े एक अद्वतीय व्यक्ति जिनके चरणों में राजस्थान में निर्मित पादत्राण,

श्वेतवर्णवाला अधोवस्त्र मंदपवन के प्रसरण से मंदमंद लहरा रहा था, श्वेतवर्णवाला ही उपवस्त्र मानो कि मिट्टी-धूल से रक्षा करने में सक्षम हो, श्वेतवर्णवाले राजपुत्रदेशीयरुमाल (साफा) से आवेष्टित कर्णपुट जो उनकी विद्वत्ता की गहराई का संकेत करता हो, वामस्कंध पर विराजमान रक्तवर्ण वाला उत्तरीयवस्त्र जो उक्त संकेत की पुष्टि कर रहा हो ऐसे अपरिचित महापुरुष को पंक्ति में खडे देख कर अन्तरात्मा ने प्रेरणा की कि ये सुविख्यात पञ्चाङ्गगणितकर्ता पण्डित ईश्वरदत्तजी शर्मा होने चाहिएं। पुष्टि के लिए निकट जाकर आद्यप्रणामोपरान्त मैनें पूछा पण्डितजी आपका नाम क्या है ! उन्होने कहा **"भाया मनै तो ईश्वरदत्त कव हैं"**। यह सुनकर मेरी वाह्याभ्यन्तर जो स्थिति हुई वह कल्पना के परे है। हृदय प्रफुल्लित हो उठा। मैंने कहा - मैं पञ्चाङ्गगणित सीखना चाहता हूँ आप पढा देंगे। उन्होने कहा **"मैं तो चाहता हूँ कि कोई भी विद्यार्थी मेरे से इस विद्या को ग्रहण करे"** उनके अमृत तुल्य वचनों की याद आ गई और मैं फूट फूट कर रो पडा, शंका रुपी भंवर से उबारने वाले परम पूज्य गुरुजी का स्वर्गवास हो चुका था। धन्य हैं वे लोग जो अपना सम्पूर्ण जीवन परोपकार में लगाकर अमर हो गये। महाराष्ट्र में जन्म हुए श्रीमन्त **'वेंकटेशवापू केतकर'** द्वारा रचित **'ज्योतिर्गणित'** का वह श्लोक अहर्निश याद रहता है - "अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादास्तेषु केवलम्। प्रत्यक्षम् ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्र साक्षिणौ"। ऐसे महापुरुषों को सर्वदा हृदय से प्रणाम करता हूँ।

अतः मैं चिरकाल से प्रयत्नरत था कि थोड़े से परिश्रम से किसी भी स्थल का चन्द्रोदय ज्ञात किया जा सके. अतः जनसाधारण उपयोग हेतु चन्द्रोदय जानने की सरल विधि प्रस्तुत हैं। जब किसी नगर अथवा गाँव का चन्द्रोदय ज्ञात करना हो तो वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग में दिये हुए दैनिक स्पष्ट चन्द्रोदय के साथ ही चन्द्रक्रान्ति और मध्यम चन्द्रोदय भी दिया हुआ है। मध्यम चन्द्रोदय में मात्र दो (चरान्तर और रेल्वेन्तर) संस्कार करने से स्पष्ट **चन्द्रोदय/चंद्रास्त** ज्ञात किया जा सकता है।

(१) चन्द्रक्रान्ति और अक्षांश की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से चरपल प्राप्त करें, चरपल मे ढाई का भाग देकर मिनट सेकण्ड बनायें इस संख्या को मध्यम चन्द्रोदय में धन या ऋण चन्द्रक्रान्ति से विलोम (चन्द्रक्रान्ति धन हो तो ऋण और चन्द्रक्रान्ति ऋण होतो धन) करें। इसे चरान्तर संस्कार कहते हैं (ये कभी द्विगुण नहीं होता मात्र दिनमान बनाने के लिए ही द्विगुण किया जाता है)। (२) दूसरा रेल्वेन्तर (रेखान्तर) **सूत्र** में बताये अनुसार (पञ्चाङ्ग में भी लिखा रहता है) प्राप्त कर विलोम संस्कार करने से अभीष्ट स्थल का (सूक्ष्मासन्न) स्पष्ट चन्द्रोदय होगा।

इस गणितागत चन्द्रोदय में गति संस्कार धनर्ण करने से सूक्ष्म चन्द्रोदय होगा। प्रति १ घंटा की गति २ मिनट है। पञ्चाङ्ग में दिये हुए रामगढ़ (शेखावाटी) के चन्द्रोदय और अभीष्ट स्थल के गणितागत चन्द्रोदय में जितना घंटा-मिनट का अंतर हो उसी हिसाब से गति संस्कार प्राप्त करें। पञ्चाङ्गस्थ चन्द्रोदय से अभीष्ट स्थल का चन्द्रोदय कम हो तो गति संस्कार ऋण और ज्यादा हो तो गति संस्कार धन करने से सूक्ष्म स्पष्ट चन्द्रोदय होगा। **चंद्रास्त** गणित भी ऐसे ही होगा। सरलता के लिए यहाँ चन्द्रोदय का एक उदाहरण भी दिया है।

नोट- पञ्चाङ्गस्थ चन्द्रोदय में जिस तारीख के सामने . . . यह चिन्ह हो वहाँ अगले दिन सूर्योदय के बाद चंद्रोदय होगा ऐसा समझें।

सूत्रः स्पष्ट चन्द्रोदय = मध्यम चन्द्रोदय + (चरान्तर + रेल्वेन्तर) + गतिसंस्कार

गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

॥ कृष्णा चतुर्थी (संकष्टी) चन्द्रोदय उदाहरण, संवत् २०७७ ॥

ता. ११ अप्रेल २०२० को बैंगलोर (कर्ना.) अक्षांशाः १२° ५८' उ., रेखांशाः ७७° ३६' पू. का स्पष्ट चन्द्रोदय गणित द्वारा ज्ञात करना है। पञ्चाङ्ग में रामगढ (शेखा.) का स्पष्ट चन्द्रोदय २२ बजकर ३८ मिनट, चन्द्रक्रान्ति (ऋण) -२० अंश २९ कला, मध्यम चन्द्रोदय २१ बजकर २२ मिनट १५ से. है। यहाँ चन्द्रक्रान्ति और अक्षांश की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से (ऋण) - ४९ पल ०१ वि. प्राप्त हुई. ढाई का भाग देने पर चरान्तर संस्कार (ऋण) -१९ मिनट ३७ से. हुए। बैंगलोर (कर्ना.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७७।३६) x ४) रेल्वेन्तर (ऋण) -१९ मिनट ३६ से. है। चरान्तर (ऋण) -१९ मिनट ३७ से. और रेल्वेन्तर (ऋण) -१९ मिनट ३६ से. (चरान्तर + रेल्वेन्तर) ये ऋण -३९ मिनट १३ से. का संस्कार मध्यम चन्द्रोदय २१ बजकर २२ मिनट १५ से. में विलोम (धन) किया तो सूक्ष्मासन्न स्पष्ट चन्द्रोदय २२ बजकर ०१ मिनट २८ से. (अर्धाधिकरुप से २२।०१) हुआ। **नोट-** भारत के किसी भी स्थल का सूक्ष्मासन्न चन्द्रोदय और सूक्ष्म चन्द्रोदय में ५ मिनट से न्यूनाधिक अन्तर नहीं होगा।

सूक्ष्मता के लिए इस गणितागत सूक्ष्मासन्न चन्द्रोदय में गति संस्कार

प्रति १ घंटा की गति २ मिनट है। पञ्चाङ्ग में दिये हुए रामगढ (शेखा.) के चन्द्रोदय २२।३८ और बैंगलोर (कर्ना.) के गणितागत चन्द्रोदय २२।०१ में (पञ्चाङ्गस्थ चन्द्रोदय से अभीष्ट स्थल का चन्द्रोदय कम होने से) ऋणात्मक ३६ मिनट का अंतर है तो गति संस्कार (ऋण) -०१ मिनट १३ से. प्राप्त हुआ। गणितागत चन्द्रोदय २२ बजकर ०१ मिनट २८ से. में गति संस्कार (ऋण) -०१ मिनट १३ से. किया तो सूक्ष्म स्पष्ट चन्द्रोदय २२ बजकर ०० मिनट १५ से. (अर्धाधिकरुप से २२।००) हुआ। **नोट-** सूक्ष्म चन्द्रोदय में १ मिनट का न्यूनाधिक अन्तर कहीं कहीं आ सकता है उससे अधिक अन्तर नही होगा। देखें **'विभिन्न नगरों के गुरु - शुक्रोदयास्त और कृष्णा चतुर्थी का चंद्रोदयः'** पृष्ठ में २२।०० है। इसी विधि से भारत के किसी भी स्थल का **स्पष्ट चन्द्रोदय और चंद्रास्त** ज्ञात कर सकते हैं। **चंद्रास्त गणित** में अंतर मात्र इतना है कि रामगढ के चन्द्रोदय के स्थान पर चंद्रास्त, मध्यम चन्द्रोदय के स्थान पर मध्यम चंद्रास्त और चन्द्रोदय क्रान्ति के स्थान पर चंद्रास्त क्रान्ति लेनी चाहिए. शेष क्रिया पूर्ववत्।

गुरु - शुक्रोदयास्त और कृष्णा चतुर्थी का शेष .. संवत् २०७७

देखने की विधि - पृष्ठारंभ में नगरों के नाम हैं और उनके सामने शुक्र के उदयास्त की तारीख और समय है तदुपरांत गुरु का उदयास्त है तदुपरांत कृष्णाचतुर्थी के चंद्रोदय का समय है। शीर्षपंक्ति में चंद्रोदय की तारीख और महिना है यानि कि एकनगर के सामने ही तीनों (गुरु - शुक्रोदयास्त और कृष्णा चतुर्थी का चंद्रोदय) देख सकते हैं। जैसे - रामगढ शेखा. में शुक्र का पश्चि.अस्त ता. ३० मई २०२० को रात्रि ११ बजकर १५ मि. है और पूर्व.उदय ता. ९ जून २०२० को प्रातः ६ बजकर १९ मि. है और पूर्व.अस्त ता.११ फरवरी २०२१ को दिन ११ बजकर ३८ मि. है। गुरु का पश्चि.अस्त ता. १७ जनवरी २०२१ को रात्रि ११ बजकर ३६ मि. है और पूर्व.उदय ता. १४ फरवरी २०२१ को रात्रि २ बजकर २६ मि. है। कृष्णा चतुर्थी का चंद्रोदय ता. ११ अप्रेल (ता.उपर की पंक्ती में लिखी है) को २२।३८ (रात्रि १० बजकर ३८ मि.) पर है। जिन अंको के नीचे यह __ निशान हो वह चतुर्थी उपर लिखि तारीख से एक दिन पूर्व समझें और जहाँ गहरी कालीस्याही के अंक हों वह चतुर्थी एक दिन बाद में समझें। जैसे - अहमदाबा. (गुज.) के सामने ११ अप्रेल के नीचे <u>२१।३५</u> (रात्रि ९ बजकर ३५ मि.) है तो इसको १० अप्रेल समझना चाहिए। इसी क्रिया से अपने अभीष्ट नगर का देखें। - गणित कर्ता

।। किसी भी स्थल के इष्टकालीन ग्रहस्पष्ट साधन ।।

श्रीगुरुचरणों का ध्यान कर कमलरुपी चरणों से प्राप्त ज्ञानपुंज के प्रकाश से इष्टकालीन ग्रहस्पष्ट सोदाहरण बालबोधाय प्रकाशित करने का प्रयास किया है। माँ सरस्वती से अहर्निश प्रार्थना करता हूँ कि ज्ञानपुँज के दर्शन कराने वाले श्रीगुरुचरण सर्वदा मेरेहृदय में निवास करें।

पञ्चाङ्ग में स्टैं. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्ट दिये हुए हैं और वहीं पर सूर्योदय समय भी लिख दिया है ताँकि विद्वज्ञनों को भारत में किसी भी स्थल के अभीष्टसमय के ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने में कष्ट न हो, क्योंकि स्टैंडर्ड समय सम्पूर्ण भारतवर्ष में समान रुप से ग्राह्य हैं। आगे अनेक स्थानों पर प्रसंगवश पुनरुक्ति हुई है यह बालबोध के लिए आवश्यक था।

पञ्चाङ्गस्थ स्थानिक स्पष्टग्रह से अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्पष्टग्रह करने के लिए गतिगुणक, ग्रहगति और राशि, अंश, कला, विकला की आवश्यकता होती हैं। इष्टकाल और गतिगुणक के गणित की क्रिया एक ही है। इष्टकाल निर्माण में जातक के स्टैं. जन्मसमय में उसी स्थल का सूर्योदय घटाया जाता है जहाँ जातक का जन्म हुआ है और गतिगुणक निर्माण में जातक का जन्म भारत के किसी भी नगर या गांव में हो लेकिन जातक के स्टैं. जन्मसमय में मात्र पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय ही घटाना चाहिए। अंतुरिक्ष में ग्रहों के भ्रमण करने वाले मार्ग को भचक्र कहते हैं इस भचक्र में १२ राशी अथवा ३६० अंश होते हैं। एक राशि में ३० अंश होते हैं, एक अंश में ६० कला होते हैं, एक कला में ६० विकला होती है।

इष्टकालीन समय या अभीष्ट स्टैं. समयः जातक के स्टैं. जन्मसमय को इष्टकालीन या अभीष्ट स्टैं. समय कहते हैं। आगे सूत्ररचना और उदाहरणों में सभी जगह स्टैं. जन्मसमय को इष्टकालीन या अभीष्ट स्टैं. समय कहा गया है कारण कि ग्रहस्पष्ट किसी भी कार्य के लिए किये जा सकते हैं।

इष्टकाल के बारे में पहिले ही बता चुका हूँ। यथा - **सूर्योदय कालस्यारम्भात् जातकस्य जन्मकालावधि तयोरेव 'अन्तरकालः' इष्टकालो भवतीति।**

इष्टकाल = जन्म स्टैं. समय – सूर्योदय स्टैं. समय

गतिगुणक = अभीष्ट स्टैं. समय – पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय

इष्टकालीन स्पष्टग्रह = (ग्रहगति x गतिगुणक) ÷ क्षेपक ८६४०० + पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह

जब किसी स्थल के अभीष्ट स्टैं. समय के ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने हों तो अधो लिखित तीन ही स्थितियाँ हो सकती है।

(१) अभीष्ट स्टैं. समय ज्यादा हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय कम हो

(२) अभीष्ट स्टैं.समय अभीष्टस्थलीय सूर्योदय से पहिले का हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं.सूर्योदय कम हो

(३) अभीष्ट स्टैं. समय कम हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय ज्यादा हो

(१) जहाँ ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टैं.समय ज्यादा हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं.सूर्योदय कम हो उस स्थिति में उस अभीष्ट स्टैं. समय में से पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय को घटाने से जो संख्या प्राप्त होगी उसे **गतिगुणक** कहते हैं। जैसे भारत के किसी शहर में स्टैं.रात्री २६।१० वजे एक बच्चे का जन्म हुआ है उसके लिए ग्रहस्पष्ट करने हैं। यहाँ स्टैं. रात्री २६।१० बजे में से पञ्चाङ्ग के ग्रहस्पष्ट में स्टैं. सूर्योदय प्रातः ६।३७ बजे है उसे घटाने से १९।३३ गतिगुणक हो गया।

(२) जहाँ ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टैं.समय अभीष्टस्थलीय सूर्योदय से पहिले का हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं.सूर्योदय कम हो उस स्थिति में अभीष्ट स्टैं. समय में से २४ घंटे घटाकर अगले दिन का पञ्चाङ्गस्थ स्टैं.सूर्योदय और ग्रहस्पष्ट काम में लें। उस अभीष्ट स्टैं. समय में से पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय को घटाने से जो संख्या प्राप्त होगी उसे **गतिगुणक** कहते हैं। जैसे तारीख ४ अप्रेल २०११ को मुम्बई (महा.) का स्टैं. सूर्योदय ६।३४ वजे है और ग्रहस्पष्ट स्टैण्डर्ड ३०।२८ बजे के लिए ज्ञात करना है। पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में ४ अप्रेल २०११ को सूर्योदय स्टैं. ६।२२ बजे है और ५ अप्रेल २०११ को सूर्योदय स्टैं. ६।२१ बजे है अतः इसी दिन की क्रिया से ग्रहगणित में लाघव होगा। यहाँ गणित के लिए अभीष्ट स्टैं. ३०।२८ बजे में २४ घंटे घटाकर शेष ६।२८ में पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय ६।२१ को घटाया तो घंटा-मिनटादि + ०।०७ गतिगुणक प्राप्त हुआ।

(३) जहाँ ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टैं. समय कम हो और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय ज्यादा हो उस स्थिति में पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय में अभीष्ट स्टैं. समय को घटाने से जो संख्या प्राप्त होगी वह ऋणात्मक **गतिगुणक** होता है। जैसे तारीख १० अप्रेल २००५ को कोलकाता (बंगा.) का स्टैं. सूर्योदय ५।२४ बजे है और ग्रहस्पष्ट स्टैण्डर्ड ५।४५ बजे के लिए ज्ञात करना है। पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में १० अप्रेल २००५ को सूर्योदय स्टैं. ६।१५ बजे है। ऐसी स्थिति में पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय ६।१५ में अभीष्ट स्टैं. समय ५।४५ घटाने से - ०।३० **ऋणात्मक गतिगुणक** हो गया।

कभी संयोग से अभीष्ट स्थलीय स्टैं. सूर्योदय और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय दोनों समान हों तो अभीष्ट स्थलीय इष्टकाल ही **गतिगुणक** होता है। और कभी ग्रहस्पष्ट ज्ञात करने वाला अभीष्ट स्टैं. समय और पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय दोनों समान हों तो पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह ही तत्कालीन स्पष्टग्रह समझना चाहिए।

गणितागत गतिगुणक के घंटा-मिनट को मिनटात्मक बनावें और जिस ग्रह को स्पष्ट करना हो उस ग्रह की गति को **ग्रहगति** कहते हैं। उस ग्रहगति के कला-विकला को विकलात्मक (घंटे को ६० से गुणा कर मिनट जोडने से मिनटात्मक गतिगुणक होता है और कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति होती है) बनावें।

विकलात्मक ग्रहगति को मिनटात्मक गतिगुणक से गुणा करके गुणनफल में क्षेपक ८६४०० का भाग देने से भागफल कलात्मक प्राप्त होगा यदि शेष हो तो शेष को ६० से गुणा कर पुनः क्षेपक का भाग देने से भागफल विकलात्मक प्राप्त होगा। इस कला-विकलात्मक भागफल को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह के राशि, अंश, कला, विकला में जोड दें और ग्रहगति यदि वक्री हो तो घटा दें।

यहाँ ध्यान रखने योग्य बात यह है कि गतिगुणक यदि ऋणात्मक है तो संस्कार विपरीत होंगें यानि कि भागफल को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह के राशि, अंश, कला, विकला में घटा दें और ग्रहगति यदि वक्री हो तो जोड दें। यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्पष्टग्रह हो गया। स्पष्टता के लिए यहाँ एक उदाहरण भी दिया है।

नोट- पञ्चाङ्ग में स्पष्टग्रहों के साथ जो ग्रहगति दी है वो सूर्योदय से अगले दिन के सूर्योदय की है और उपर जो क्षेपक दिया है वो मध्यममान से २४ घंटे (६० घटी) का है अतः गणितागत इष्टकालीन स्पष्टग्रह में कहीं कहीं सूक्ष्म न्यूनाधिक अंतर आ सकता है।

गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

इष्टकालीन ग्रहस्पष्ट उदाहरण, संवत् २०७७

तारीख ९ मई २०२० को बैंगलोर (कर्ना.) का स्टैं. सूर्योदय ६।०० बजे है और ग्रहस्पष्ट स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे के लिए ज्ञात करना है।
पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में ९ मई २०२० को सूर्योदय स्टैं. ५।४८ बजे है।

गतिगुणक- यहाँ स्टैण्डर्ड २९।३२ में से पञ्चाङ्गस्थ स्टैं. सूर्योदय ५।४८ को घटाया तो घंटा-मिनटादि +२३।४४ गतिगुणक प्राप्त हुआ। इसको मिनटात्मक बनाने के लिए घंटे को ६० से गुणा कर मिनट जोडने से मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ हुआ।

सूर्य स्पष्ट राश्यादि ०।२४।४४।०२ है और गति कला-विकलादि ५७।५८ है।
यहाँ सूर्य गति कला-विकलात्मक ५७।५८ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति ३४७८ को मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ से गुणा किया और गुणनफल ४९५२६७२ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक +५७।१९ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल +५७।१९ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह सूर्य के राशि, अंश, कला, विकला ०।२४।४४।०२ में जोड दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि ०।२५।४१।२१ स्पष्टग्रह हो गया। इसी प्रकार सभी ग्रहों को इष्टकालीन स्पष्टग्रह कर सकते हैं।

चंद्र स्पष्ट राश्यादि ७।१६।१२।१६ है और गति कला-विकलादि ८५३।०९ है।
यहाँ चंद्र गति कला-विकलात्मक ८५३।०९ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति ५११८९ को मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ से गुणा किया और गुणनफल ७२८९३१३६ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक +८४३।४० प्राप्त हुआ। कला ६० से ज्यादा है तो ६० का भाग देकर अंशादि बनाये इस अंश-कला-विकलात्मक भागफल +१४।०३।४० को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह चंद्र के राशि, अंश, कला, विकला ७।१६।१२।१६ में जोड दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि ८।००।१५।५६ स्पष्टग्रह हो गया, चंद्रमा की शीघ्रगति होने से चंद्रस्पष्ट का यह साधन स्थूल है।

मंगल स्पष्ट राश्यादि १०।०३।००।२९ है और गति कला-विकलादि ४१।०६ है।
यहाँ मंगल गति कला-विकलात्मक ४१।०६ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति २४६६ को मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ से गुणा किया और गुणनफल ३५११५८४ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक +४०।३९ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल +४०।३९ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह मंगल के राशि, अंश, कला, विकला १०।०३।००।२९ में जोड दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि १०।०३।४१।०८ स्पष्टग्रह हो गया।

बुध स्पष्ट राश्यादि - ०।२९।४१।५४ है और गति कला-विकलादि १२९।५७ है।
यहाँ बुध गति कला-विकलात्मक १२९।५७ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति ७७९७ को मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ से गुणा किया और गुणनफल १११०२९२८ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक +१२८।३० प्राप्त हुआ। कला ६० से ज्यादा है तो ६० का भाग देकर अंशादि बनाये इस अंश-कला-विकलात्मक भागफल + २।०८।३० को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह बुध के राशि, अंश, कला, विकला ०।२९।४१।५४ में जोड दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि १।०१।५०।२४ स्पष्टग्रह हो गया।

गुरु स्पष्ट राश्यादि ९।०३।०३।०९ है और गति कला-विकलादि ०।५७ है।
यहाँ गुरु गति कला-विकलात्मक ०।५७ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति ५७ को मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ से गुणा किया और गुणनफल ८११६८ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक + ०।५६ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल + ०।५६ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह गुरु के राशि, अंश, कला, विकला ९।०३।०३।०९ में जोड दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि ९।०३।०४।०६ स्पष्टग्रह हो गया।

शुक्र स्पष्ट राश्यादि १।२७।३९।१० है और गति कला-विकलादि ८।१४ है।
यहाँ शुक्र गति कला-विकलात्मक ८।१४ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति ४९४ को मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ से गुणा किया और गुणनफल ७०३४५६ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक + ८।०९ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल + ८।०९ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह शुक्र के राशि, अंश, कला, विकला १।२७।३९।१० में जोड दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि १।२७।४७।१९ स्पष्टग्रह हो गया।

शनि स्पष्ट राश्यादि ९।०७।५१।०२ है और गति कला-विकलादि ०।०९ है।
यहाँ शनि गति कला-विकलात्मक ०।०९ को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति ९ को मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ से गुणा किया और गुणनफल १२८१६ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक + ०।०९ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल + ०।०९ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह शनि के राशि, अंश, कला, विकला ९।०७।५१।०२ में जोड दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि ९।०७।५१।११ स्पष्टग्रह हो गया।

राहु स्पष्ट राश्यादि २।०७।१५।१३ है और गति कला-विकलादि ३।११ वक्री है।
यहाँ राहु गति कला-विकलात्मक ३।११ वक्री को भी ऐसे ही कला को ६० से गुणा कर विकला जोडने से विकलात्मक ग्रहगति -१९१ को मिनटात्मक गतिगुणक १४२४ से गुणा किया और गुणनफल -२७१९८४ में क्षेपक ८६४०० का भाग दिया भागफल कला-विकलात्मक - ३।०९ प्राप्त हुआ। इस कला-विकलात्मक भागफल - ३।०९ को पञ्चाङ्गस्थ स्पष्टग्रह राहु के राशि, अंश, कला, विकला २।०७।१५।१३ में वक्री होने से घटा दिया तो यह अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि २।०७।१२।०४ स्पष्टग्रह हो गया।

केतु स्पष्ट करने के लिए स्पष्टराहु की राशि २ में ६ राशि जोडने से अभीष्टस्थल का इष्टकालीन स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे का राश्यादि ८।०७।१२।०४ स्पष्ट केतु हो गया।

नोट- राहु में ६ राशि जोड़ने से केतु स्पष्ट होता है (राहु-केतु में परस्पर ६ राशि का ही अन्तर रहता है शेष अंश-कलादि समान होते हैं)। इनकी २४ घंटे की सदैव ही वक्री गति कलादि ३।११ रहती है।

॥ स्टेण्डर्ड(रेल्वे) जन्मसमय से 'इष्टकाल' साधन विधि ॥

जन्म पत्रिका बनाने के लिए इष्टकाल का महत्वपूर्ण स्थान है। जिसका गणित द्वारा साधन पंचांग अथवा अन्य ग्रंथों में जल्दी उपलब्ध नहीं होता है और जहाँ कहीं उपलब्ध होता भी है तो श्रमसाध्य होता है। अतः जनसाधारण हितार्थ सरल विधि से भारत के किसी भी स्थल के लिए "इष्टकाल" साधन यहाँ प्रस्तुत है। **"इष्टकालः" - सूर्योदय कालस्यारम्भात् जातकस्य जन्मकालावधि तयोरेव 'अन्तरकालः' इष्टकालो भवतीति** स च गणितेन साध्यः तद्यथा : - जन्मपत्रिका बनाने के लिए किसी भी नगर के अभीष्ट दिन का इष्टकाल निकालना हो उस स्थान और उस दिन का स्टैंडर्ड सूर्योदय (पञ्चाङ्ग में अन्यत्र पृष्ठ पर विधि हैं) ज्ञात करें। जिस जातक के अभीष्ट जन्म समय का इष्टकाल निकालना हो उस अभीष्ट (स्टैं.) जन्म समय में से (स्टैं.) सूर्योदय घटाने पर शेष घंटा-मिनटात्मक इष्टकाल होगा, इसको ढाई (२॥) से गुणा करने पर घटी पलात्मक इष्टकाल स्पष्ट होगा। हाँ इतना ध्यान अवश्य देना है कि जन्मसमय मध्यान्ह १।०० बजे से रात्री ११ बजकर ५९ मिनट तक हो तो १२।०० घंटा और रात्री १।०० बजे से सूर्योदय के पूर्व तक २४।०० घंटा जोड़कर (उदाहरणों में इस संख्या को 'क्षेपक' नाम दिया हैं) सूर्योदय घटाने से स्पष्ट **"इष्टकाल"** ज्ञात होगा। स्पष्टता के लिए न्यास १ में पृथक्-पृथक् चार उदाहरण **(उसी शहर की मिति के साथ)** दिये है। जिनका उपयोग 'भयात भभोग साधन विधि' में किया हैं। **उदाहरण - १.** तारीख ९ मई २०२०, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष २ शनिवार संवत् २०७७ को बैंगलोर (कर्ना.) में उत्तररात्री (स्टैं.) ५ बजकर ३२ मिनट। **उदाहरण - २.** तारीख १० मई २०२०, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष ३ रविवार को दिन के (स्टैं.) १० बजकर १४ मिनट। **उदाहरण - ३.** तारीख १२ मई २०२०, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष ६ मंगलवार को उत्तररात्री (स्टैं.) ५ बजकर २६ मिनट। **उदाहरणं - ४.** तारीख १३ मई २०२०, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष ६ बुधवार को दिन के (स्टैं.) २ बजकर ५८ मिनट पर बैंगलोर (कर्ना.) में पृथक्-पृथक् बच्चो का जन्म हुआ है। इनका इष्टकाल ज्ञात करना है और भयात भभोग साधन भी स्टैण्डर्ड समय तथा घट्यात्मक क्रिया से ज्ञात करना है।

बैंगलोर (कर्ना.) के लिए ॥ इष्टकाल साधन ॥ न्यास १

उदाहरण →	१	२	३	४
जन्म तारीख	९ मई	१० मई	१२ मई	१३ मई
सन २०२०	उत्तररात्री	दिन के	उत्तररात्री	दिन के
जन्मसमय	५।३२	१०।१४	५।२६	२।५८
+ क्षेपक	+ २४।००	+ ००।००	+ २४।००	+ १२।००
स्टैं.जन्मसमय	२९।३२	१०।१४	२९।२६	१४।५८
- स्टैं. सूर्योदय	- ६।००	- ५।५९	- ५।५९	- ५।५८
इष्टकाल घं. मि.	२३।३२	४।१५	२३।२७	९।००
ढाई से गुणा	x २॥	x २॥	x २॥	x २॥
इष्टकाल घ.प.	५८।५०।००	१०।३७।३०	५८।३७।३०	२२।३०।००

संवत् २०७७, ॥ भयात भभोग साधन विधि ॥

भयात भभोगयोरर्थपरं लक्षणम् - भस्य (जन्मकालिक चांद्र नक्षत्रस्य) यातं (गत भागः) भयातम्, भस्य भोगो भभोगः इत्येवं व्युत्पत्या जन्मनक्षत्रस्यारंभात् जातकस्य जन्मकालावधि तस्यैव व्यतीत भागो भयातमेवं चारम्भकालात्समाप्तिपर्यन्तं तन्नक्षत्रस्य संपूर्णमानं भभोग इति। तावतैव तयोरानयनं स्फुटीभवति यदाधारके पद्ये च तत्तदवसरसंगते यथा -

गतर्क्षनाडी खरसेषु शुद्धा सूर्योदयादिष्टघटीषु युक्ता। भयातसंज्ञा भवतीह तस्य निजर्क्षनाडीसहिता भभोगः ॥
नक्षत्रमानादधिकं यदीष्टं तच्चेष्ट मानात्पतितं भयातम्। नक्षत्रमानं किल षष्टिशुद्धमैष्यर्क्षमानैः सहितं भभोगः ॥

किञ्च कुत्रचिदेकस्मिन्नेव दिने नक्षत्रत्रयस्य संपर्कस्तथैकस्यैव नक्षत्रस्य दिनत्रयेऽ वस्थितिर्भवति तस्यां स्थितौ बालमतीनां पद्योक्त युक्त्या भयातभभोगानयने यथाकथञ्चिद्वैपम्यमापततीति स्फुटार्थ तेषां पृथक् पृथक् उदाहरणस्वरुपास्थाप्यन्ते। अर्थ - जन्म नक्षत्र के प्रारंभ से जातक के जन्म समय तक नक्षत्र के व्यतीत भाग को भयात कहते हैं। जन्म नक्षत्र के आरंभ से समाप्ति पर्यंत संपूर्ण मान को भभोग कहते हैं। श्लोकार्थ - पंचांग में गत नक्षत्र की घटी पल जो लिखा है, उसको ६० में घटा कर जो शेष बचे उसमें इष्ट घटी पल जोड देने से भयात होता है और उसी शेष में इष्ट कालिक नक्षत्र की घटी पल जोड देने से भभोग होता है। यदि जन्म दिन के नक्षत्रमान से इष्टकाल अधिक हो तो इष्टकाल में नक्षत्रमान घटा देने से भयात होता है। इष्टकालिक नक्षत्र के घटी पलों को ६० में घटाकर जो शेष बचे उसको अगले (पर) दिन के नक्षत्रमान में जोड देने से भभोग होता है। उपर लिखे पद्य में नक्षत्र की दो स्थिति बताई है लेकिन जहाँ एक ही दिन में तीन नक्षत्रों का संपर्क होता है या एक ही नक्षत्र का तीन दिन स्पर्श होता है उस स्थिति में जन साधारण को विषमता उत्पन्न हो जाती हैं इसलिए यहाँ नक्षत्र की चारों स्थितियों के अलग अलग चार उदाहरण दिये हैं।

उदा. - १: नक्षत्र का क्षय (ह्रास) होता है तो एक ही दिन में तीन नक्षत्रों का संपर्क होता है यहाँ दो नक्षत्रों की समाप्ति के बाद तीसरे नक्षत्र के संपर्क में इष्टकाल है। **उदा. - २:** इसी के दूसरे दिन इष्टकाल कम है और नक्षत्रमान ज्यादा है। **उदा. - ३:** नक्षत्र की वृद्धि होती है तो एक ही नक्षत्र तीन दिन स्पर्श करता है यहाँ वृद्धिनक्षत्र के पूर्व दिन वृद्धिनक्षत्र स्पर्श होने के बाद का इष्टकाल है। **उदा. - ४:** यहाँ वृद्धिनक्षत्र वाले दिन का इष्टकाल है और वृद्धिनक्षत्र समाप्ति अगले दिन है। जो कि घटी पल और स्टण्डर्ड काल (घंटा मिनट) दोनों ही प्रकार से दर्शाया है ताकि भारत के किसी भी स्थल का इष्टकाल और भयात भभोग साधन सुगमता पूर्वक कर सकें। पंचागस्थ स्टैण्डर्ड काल से गणित करने की क्रिया का अंतर इतना ही है कि ऊपर लिखे घटी ६० के स्थान पर घंटा २४ + सूर्योदय की संख्या काम में ले और नक्षत्र की घटी पल के स्थान पर स्थानिक घंटा मिनट काम में लें। जहाँ इष्टकाल ज्यादा है और नक्षत्रमान कम है वहाँ स्टैं. जन्म समय में से स्टैं. नक्षत्रमान घटाने से घंटा निनटात्मक भयात होता है। शेष क्रिया पूर्ववत् है।

पंचांगस्थ नक्षत्रों के स्टैण्डर्ड समय को बैंगलोर (कर्ना.) के लिए परिणत विधि ॥ न्यास २

उदाहरण →	१	२	३	४
सन २०२०	९ मई	१० मई	१२ मई	१४ मई
तारीख	९ मई	१० मई	१२ मई	१४ मई
नक्षत्र	अनु-ज्ये	मूल	उपा	श्रव
	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
स्टैं. समय	२९।०४	२८।१४	२८।५२	६।१९
- सूर्योदय	- ६।००	- ५।५९	- ५।५९	- ५।५८
स्थानिक काल	२३।०४	२२।१५	२२।५३	०।२१
ढाई से गुणा	x २॥	x २॥	x २॥	x २॥
स्था.घटीपल	५७।४०।००	५५।३७।३०	५७।१२।३०	०।५२।३०

स्पष्टता के लिए उदाहरण देखिये । उदा. (न्यास २.) में पंचागस्थ नक्षत्रों के स्टैं. समय में से सूर्योदय घटाकर स्थानिक घंटा मिनट बनाये हैं और २॥ से गुणा करके स्थानिक घटी पल किये हैं, 'पंचांग देखने की विधि' के पृष्ठ पर स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय बनाने की क्रिया से प्रस्तुत चारों उदाहरणों का गणित दर्शाया है । जिस अभीष्ट स्थल का बनाना हो उसी स्थल का सूर्योदय घटाना चाहिए । **नक्षत्र चरण:** भयात भभोग ज्ञात करने के बाद नक्षत्र चरण ज्ञात करना हैं । भभोग की संख्या में चार का भाग देने से भागफल में चतुर्थांश आता है । भभोग के चतुर्थांश की संख्या के मान तक नक्षत्र का प्रथम चरण । चतुर्थांश को दुगुना करने पर द्वितीय चरण का मान, तिगुना करने पर तीसरे चरण का मान और उसी चौथे हिस्से को चौगुना करने पर चतुर्थ चरण का मान होता है । भयात की संख्या जिस नक्षत्र चरण के मान में आवे वही नक्षत्र चरण कहलाता है । उदाहरणों में किस दिन का गणित किया हैं इसकी स्पष्टता के लिए: - जन्मदिन से पूर्व दिन को **'गत'** नाम दिया है, जन्मदिन के गणित को **'वर्त.'** जन्मदिन से अगले (पर) दिन को **'भोग्य'** नाम दिया हैं । यद्यपि सविरतार लिखने का प्रयास किया हैं तथापि गुरु के बिना यथावत् ज्ञान नहीं होता हैं । अतः किसी विज्ञज्योतिषी के समक्ष क्रियान्वित करें ।

गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा

सूचना- यहाँ दिये हुए चारों उदाहरण, न्यास १ और न्यास २ के अनुसार बैंगलोर (कर्ना.) के हैं ।

उदाहरण १: जन्म तारीख ९ मई २०२०, जन्मसमय उत्तररात्री (स्टैं.) २९।३२
श्रीसूर्योदयादिष्टकालः - घंटा २३ मिनट ३२ घटी ५८ पल ५० विप. ००

	भयात घंटा मि.	भभोग घंटा मि.	भयात घ. प. वि.	भभोग घ. प. वि.
९ मई का गत				
स्टैं.जन्मसमय	२९।३२	(सूर्योदय + २४) ३०।००	५८।५०।००	६०।००।००
ज्ये समाप्तिकाल	- २९।०४	- २९।०४	- ५७।४०।००	- ५७।४०।००
मूल का भयात	०।२८	गत ०।५६	१।१०।००	गत २।२०।००
१० मईका भोग्यकाल		भोग्य + २२।१५		भोग्य + ५५।३७।३०
घंटामिनटात्मक भभोग		२३।११		५७।५७।३०
ढाई से गुणा	x २॥	x २॥		
घट्यात्मक भयात-भभोग	१।१०।००	५७।५७।३०	१।१०।००	५७।५७।३०
तुलनात्मक मूल के	भयात	भभोग	भयात	भभोग

भभोगस्यैव चतुर्थांशो नक्षत्रस्य चरणरुपः एतेन मूल नक्षत्रस्य प्रथम चरणे जन्मेत्यपि ज्ञायते । प्रथमांशः = घंटा ५ मिनट ४७ से. ४५, घटी १४ पल २९ विप. २२

उदाहरण २: जन्म तारीख १० मई २०२०, जन्मसमय दिन के (स्टैं.) १०।१४
श्रीसूर्योदयादिष्टकालः - घंटा ४ मिनट १५ घटी १० पल ३७ विप. ३०

	भयात घंटा मि.	भभोग घंटा मि.	भयात घ. प. वि.	भभोग घ. प. वि.
९ मई			६०।००।००	
(घंटा २४ + सूर्योदय)	३०।००			
ज्ये समाप्तिकाल	- २९।०४		- ५७।४०।००	
मूल गतकाल	०।५६	गत ०।५६	२।२०।००	गत २।२०।००
घंटा मिनटात्मक इष्टकाल	+ ४।१५	वर्त.+ २२।१५	+ १०।३७।३०	वर्त. + ५५।३७।३०
घंटामिनटात्मक भयात-भभोग	५।११	२३।११		
ढाई से गुणा	x २॥	x २॥		
घट्यात्मक भयात-भभोग	१२।५७।३०	५७।५७।३०	१२।५७।३०	५७।५७।३०
तुलनात्मक मूल के	भयात	भभोग	भयात	भभोग

भभोग का ही चौथा हिस्सा नक्षत्र का चरण होता हैं । इससे यह सिद्ध हुआ कि मूल के प्रथम चरण में जन्म हुआ । प्रथम हिस्सा = घंटा ५ मिनट ४७ से. ४५, घटी १४ पल २९ विप. २२

उदाहरण ३: जन्म तारीख १२ मई २०२०, जन्मसमय उत्तररात्री (स्टैं.) २९।२६
श्रीसूर्योदयादिष्टकालः - घंटा २३ मिनट २७ घटी ५८ पल ३७ विप. ३०

	भयात घंटा मि.	भभोग घंटा मि.	भयात घ. प. वि.	भभोग घ. प. वि.
१२ मई का गत				
स्टैं.जन्मसमय	२९।२६	(सूर्योदय + २४) २९।५९	५८।३७।३०	६०।००।००
उषा समाप्तिकाल	- २८।५२	- २८।५२	- ५७।१२।३०	- ५७।१२।३०
श्रव का भयात	०।३४	गत १।०७	१।२५।००	गत २।४७।३०
१३ मई दिनरात का		वर्त. + २४।००		वर्त. + ६०।००।००
१४ मईका भोग्यकाल		भोग्य + ०।२१		भोग्य + ०।५२।३०
घंटामिनटात्मक भभोग		२५।२८		६३।४०।००
ढाई से गुणा	x २॥	x २॥		
घट्यात्मक भयात-भभोग	१।२५।००	६३।४०।००	१।२५।००	६३।४०।००
तुलनात्मक श्रव के	भयात	भभोग	भयात	भभोग

भभोग का ही चौथा हिस्सा नक्षत्र का चरण होता है । इससे यह सिद्ध हुआ कि श्रवण के प्रथम चरण में जन्म हुआ । प्रथम हिस्सा = घंटा ६ मिनट २२ से. ००, घटी १५ पल ५५ विप. ००

उदाहरण ४: जन्म तारीख १३ मई २०२०, जन्मसमय दिन के (स्टैं.) १४।५८
श्रीसूर्योदयादिष्टकालः - घंटा ९ मिनट ०० घटी २२ पल ३० विप. ००

	भयात घंटा मि.	भभोग घंटा मि.	भयात घ. प. वि.	भभोग घ. प. वि.
१३ मई का गत			६०।००।००	
(घंटा २४ + सूर्योदय)	२९।५९			
उषा समाप्तिकाल	- २८।५२		- ५७।१२।३०	
श्रव गतकांल	१।०७	गत १।०७	२।४७।३०	गत २।४७।३०
१३ मई दिनरात का		वर्त. + २४।००		वर्त. + ६०।००।००
घंटा मिनटात्मक इष्टकाल	+ ९।००	भोग्य + ०।२१	+ २२।३०।००	भोग्य + ०।५२।३०
घंटामिनटात्मक भयात-भभोग	१०।०७	२५।२८		
ढाई से गुणा	x २॥	x २॥		
घट्यात्मक भयात-भभोग	२५।१७।३०	६३।४०।००	२५।१७।३०	६३।४०।००
तुलनात्मक श्रव के	भयात	भभोग	भयात	भभोग

भभोगस्यैव चतुर्थांशो नक्षत्रस्य चरणरुपः एतेन श्रवण नक्षत्रस्य द्वितीय चरणे जन्मेत्यपि ज्ञायते । द्वितीयांशः = घंटा ६ मिनट २२ से. ००, घटी १५ पल ५५ विप. ००

लग्न सारणी का उपयोग

प्रस्तुत लग्नसारणीचक्र आपके सुझावों पर पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के १४ पृष्ठों में २८ लग्नसारणी मौक्तिकाक्षरों में मुद्रित है जो अपने आप में सूक्ष्मता और स्पष्टता समेटे हुए है। अयनांशाः २४, अक्षांशाः ८।३० से ३५।३० तक हैं। प्रत्येक लग्नसारणी १ अक्षांश के अंतर से अं. व्यंगु. पलभा, चरखण्डाः और स्वदेशोदय पलों के साथ दी गई हैं। जो लग्नसारणी जिस अक्षांश के लिए उपयोगी है उस अक्षांश का उल्लेख किया है और कुछ नगरों के नाम लिख भी दिये है। जैसे - बैंगलोर (कर्ना.) के लिए कौन सी लग्नसारणी काम में लें ! बैंगलोर (कर्ना.) के अक्षांशाः १२° ५८' उ., होने से अक्षांशाः १२।३० की लग्नसारणी काम में लें, वहाँ लिखा भी है - (उत्तर अक्षांशाः १२ से १३ तक वाले सभी) नगरों के लिए। इसी तरह भारत के किसी भी स्थल का और किसी भी तरह की जन्मपत्रिका का लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं। यदि आपका अपेक्षित सहयोग रहा तो **पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के बढते कदम** उत्तरोत्तर अबाध गति से बढते ही रहेंगें। ज्योतिर्गणित का ज्ञान रुपी दीपक कभी टिमटिमायेगा नहीं।

जन्मपत्रिका के लिए लग्न स्पष्ट (जन्मांगम्) ज्ञात करने की विधि -

सूर्य स्पष्ट को तत्रार्क, स्पष्टार्क, रविस्पष्ट भी कहते हैं। पञ्चाङ्ग में दिये हुए सूर्य स्पष्ट (राशि अंश कला विकला) की सहायता से अभीष्ट स्थलीय अक्षांश वाली लग्नसारणी से अंक प्राप्त करें। अंक प्राप्त करने की विधि - स्पष्ट सूर्य की जो राशि हो लग्नसारणी में उस राशि के सामने वाली पंक्ति और स्पष्ट सूर्य के जो अंश हों, लग्नसारणी में उन्ही अंशों के नीचे के अंक प्राप्त करें (सूक्ष्मता के लिए प्राप्तांक और अगले अंश की संख्या इन दोनों के अंतर का अनुपात से स्पष्ट सूर्य के कला/विकला जितना हो प्राप्त कर पहिले प्राप्तांक वाली संख्या में जोड देना चाहिए.) ये प्राप्त अंक घट्यात्मक इष्टकाल में जोड कर फिर उसी लग्नसारणी में वो अंक खोजें, जिस राशि के सामने मिलें वही लग्न की राशि होगी जिस अंश के नीचे मिलें वही उस लग्न के अंश होंगें। यदि इष्टकाल जोडी हुई संख्या और लग्नसारणी के अंक समान न हों और संख्या दो अंशों के बीच में हो या कम ज्यादा हो तो इष्टकाल जोडी हुई संख्या के नजदीक जो अंक हों उन्ही के राशि अंश लेने चाहियें। यह सूक्ष्मासत्र लग्न स्पष्ट होगा, सूक्ष्मता के लिए अभीष्ट स्थल का इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य लेना चाहिए. इसे इष्टार्कः भी कहते हैं। ध्यान रहे कि ज्योतिष गणित में ग्रहस्पष्ट, लग्नस्पष्ट, तन्वादि द्वादशभावस्पष्ट आदि में राशि के अंको को इस तरह लिखते हैं- मेष को ०, वृष को १, मिथुन को २, कर्क को ३, सिंह को ४ इत्यादि।

लग्न स्पष्ट उदाहरण १, संवत् २०७७

उदाहरण - संवत् २०७७, तारीख ९ मई २०२०, शनिवार को बैंगलोर (कर्ना.) अक्षांशाः १२° ५८' उ., रेखांशाः ७७° ३६' पू. में स्टैं. २९।३२ बजे किसी बच्चे का जन्म हुआ इसका इष्टकाल और जन्म कालीन लग्न स्पष्ट गणित द्वारा ज्ञात करना है। ९ मई २०२० को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१७।२६ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति दोनों को उपकरण मानकर इनकी सहायता से चरपल संस्कार सारणी से अनुपात सहित पलादि प्राप्त करें। यह ध्यान रहे कि जितने उपकरण होते हैं अनुपात भी उतने ही करने चाहिए. अन्यथा गणित स्थूल होगा। यहाँ उदाहरण में भी गणित की सूक्ष्मता के लिए अनुपात की चरपलों को विपल तक लिया है फिर भी अर्धादिक करते समय कहीं एक-आध पल-विपल का अंतर हो भी जाये तो विचार नहीं करना।

अनुपात विधि - किसी दो संख्या के बीच का फल त्रैराशिक क्रिया से प्राप्त हो उसे अनुपात कहते हैं। किसी दो संख्या के बीच की संख्या (मान) को अंतरसंख्या कहते हैं और जिस संख्या का अनुपात से मान निकालना हो उसे अभीष्ट संख्या कहते हैं। अंतरसंख्या में ६० का भाग (पल को ६० से गुणा कर, यदि विपल हों तो जोड दें) देकर अभीष्ट संख्या से गुणा करने पर विपलात्मक स्पष्ट अनुपात होगा (यदि ६० से अधिक हो तो ६० का भाग देकर पल-विपल बना लें) । इस अनुपात की संख्या को पूर्णांक की संख्या पलादि में जोडने से अनुपात सहित फल होगा।'

अनुपात सूत्र = अंतरसंख्या ÷ ६० X अभीष्ट संख्या

विशेष- यद्यपि अंतरसंख्या को अभीष्ट संख्या से गुणा करके ६० का भाग देने पर भी वही संख्या (अंतरसंख्या X अभीष्ट संख्या ÷ ६०) आती है जो कि उपर के सूत्र में बताई है इस क्रिया से संख्या (पल-विपलादि) को पहचानने में ध्यान रखना होगा, इसके लिए गोमुत्रिका क्रम चाहिए।

जैसे - चरपल संस्कार सारणी पृष्ठ में उपर के भाग में जहाँ तीर के चिन्ह सहित अक्षांशाः लिखा हुआ है वे ८ से ३६ तक अक्षांश हैं और पृष्ठ में बांई तरफ उपर से नीचे जहाँ तीर के चिन्ह सहित क्रांत्यंशाः लिखा हुआ है वे १ से ३० तक क्रांति के अंश हैं, इन्ही (अक्षांश और क्रांति अंश) को उपकरण कहते हैं।

चरपल संस्कार सारणी के पृष्ठ में अक्षांश १२ के नीचे और क्रांति के अंश १७ के सामने की पंक्ति में ३७ पल लिखा है, (इन दोनों पूर्ण संख्याओं का फल प्राप्त हो गया. लेकिन अक्षांश के शेष कला ५८ और क्रांति के कला २६ का फल अनुपात से लेना होगा) यहाँ अक्षांश कला का गणित पहले करते हैं: - सारणी की इसी पंक्ति में अक्षांश १३ के नीचे ४० पल हैं दोनों का अंतर ३ पल (३ = ४० – ३७) है। यदि १ अंश (अर्थात् ६० कला) मे ३ पल का अंतर है तो ५८ कला में क्या ? सूत्र (२।५४ = (३ ÷ ६०) X ५८) ५८ कला का फल २।५४ पल-विपल प्राप्त हुआ।

क्रांति कला २६ का फल- अक्षांश १२ के नीचे और क्रांति अंश १८ के सामने की पंक्ति में (अर्थात् ३७ पल के नीचे) ४० पल हैं दोनों का अंतर ३ पल (३ = ४० – ३७) है। यहाँ भी उपर लिखे सूत्रानुसार है, यदि १ अंश (अर्थात् ६० कला) मे ३ पल का अंतर है तो २६ कला में क्या ? सूत्र (१।१८ = (३ ÷ ६०) X २६) २६ कला का फल १।१८ पल-विपल प्राप्त हुआ। अव इन तीनों (१ अखण्ड फल और २ खण्ड फलों) को जोड दिया, अक्षांश १२ और क्रांति के अंश १७ की ३७ पल, ५८ अक्षांशकला की २।५४ पलादि, २६ क्रांतिकला की १।१८ पलादि, (४१।१२ = ३७ + २।५४ + १।१८) यह अनुपात सहित कुल संख्या पलादि ४१।१२ प्राप्त हुई। सरलता के लिए पूर्ण चरपलों से यह गणित दर्शाया है। यदि चर की पल-विपल लेकर गणित करेंगें तो सूक्ष्म पलादि ४१।११ प्राप्त होंगे, लेकिन इसमें परिश्रम अधिक है जव कि दोनों संख्याओ का अंतर १ पल, २९ विपल से अधिक नहीं होगा।

पल-विपल ४१।११ को २ से गुणा किया (८२।२२ = ४१।११ X २) तो पलादि ८२।२२ हुई. पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + १।२२।२२ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर हैं अतः घटी ३० में जोड दिया (३०।००।०० + १।२२।२२) तो घट्यात्मक ३१।२२।२२ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा १६ मिनट २८ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा ४३ मिनट ३२ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए -

बैंगलोर (कर्ना.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७७।३६) X ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -१९ सेकण्ड ३६ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड दिया तो ६।०३।०८ सूर्योदय और ६।३६।०४ सूर्यास्त बैंगलोर (कर्ना.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख ९ मई २०२० को वेलान्तर मिनट - ३ सेकण्ड ३३ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।५९।३५ सूर्योदय और ६।३२।३१ सूर्यास्त (अर्धादिक रुप से सूर्योदय ६ वजकर ०० मिनट और सूर्यास्त ६ वजकर ३३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया।

रामगढ (शेखा.) पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०१२४१४४१०२ है.

वैंगलोर (कर्ना.) अक्षांशः १२° ५८' उ., के लिए अक्षांश १२।३० की लग्नसारणी का उपयोग-

वैंगलोर (कर्ना.) का इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०१२५१४११२१

स्टैं. जन्मसमय	२९।३२
स्टैं. सूर्योदय	− ६।००
इष्टकाल (घंटामिनटात्मक)	२३।३२
	x २।३०
इष्टकाल (घटी-पल-विपल)	५८।५०।००

इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०१२५१४११२१ है, लग्नसारणी में राशि ० (मेष) के सामने और अंश २५ के नीचे अंक ७।०७ प्राप्त हुए. सूर्य कलादि ४१।२१ के अंक का अनुपात से ६ पल प्राप्त होंगें, विधि - (७।१६ – ७।०७ ÷ ६० X ४१।२१ + ७।०७) + ७।१३ अनुपात सहित

लग्नसारणी में खोजने वाले अंक (घटी-पल) ६।०३

(नोट - यह संख्या ६० घटी से अधिक है अतः ६० घटा दिया)

लग्नसारणी में राशि ० मेष के सामने और अंश १८ के नीचे ६।२ है,
लग्नसारणी में राशि ० मेष के सामने और अंश १९ के नीचे ६।११ है
यहाँ ६।०३ की नजदीकी संख्या ६।२ है

अतः लग्नस्पष्ट (जन्मांगम्) राश्यादि ०११८।६।०३ (अर्थात् मेष लग्न) **हुआ ।**

इसी प्रकार भारत के किसी भी गांव या शहर का लग्नस्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं ।

लग्न स्पष्ट उदाहरण २, संवत् २०७७

उदाहरण - संवत् २०७७, तारीख १३ मई २०२०, बुधवार को वैंगलोर (कर्ना.) अक्षांशः १२° ५८' उ., रेखांशः ७७° ३६' पू. में स्टैं. १४।५८ बजे किसी बच्चे का जन्म हुआ इसका इष्टकाल और जन्म कालीन लग्न स्पष्ट गणित द्वारा ज्ञात करना है । १३ मई २०२० को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१८।२७ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति दोनों को उपकरण मानकर इनकी सहायता से चरपल संस्कार सारणी से अनुपात सहित पलादि प्राप्त करें ।

चरपल संस्कार सारणी के पृष्ठ में अक्षांश १२ के नीचे और क्रांति के अंश १८ के सामने की पंक्ति में ४० पल लिखा है, (इन दोनों पूर्ण संख्याओं का फल प्राप्त हो गया. लेकिन अक्षांश के शेष कला ५८ और क्रांति के कला २७ का फल अनुपात से लेना होगा) यहाँ अक्षांश कला का गणित पहले करते हैं: - सारणी की इसी पंक्ति में अक्षांश १३ के नीचे ४३ पल हैं दोनों का अंतर ३ पल (३ = ४३ – ४०) है । यदि १ अंश (अर्थात् ६० कला) मे ३ पल का अंतर है तो ५८ कला में क्या ? सूत्र (२।५४ = (३ ÷ ६०) X ५८) ५८ कला का फल २।५४ पल-विपल प्राप्त हुआ ।

क्रांति कला २७ का फल- अक्षांश १२ के नीचे और क्रांति अंश १९ के सामने की पंक्ति में (अर्थात् ४० पल के नीचे) ४२ पल हैं दोनों का अंतर २ पल (२ = ४२ – ४०) है । यहाँ भी उपर लिखे सूत्रानुसार है, यदि १ अंश (अर्थात् ६० कला) मे २ पल का अंतर है तो २७ कला में क्या ? सूत्र (०।५४ = (२ ÷ ६०) X २७) २७ कला का फल ०।५४ पल-विपल प्राप्त हुआ । अब इन तीनों (१ अखण्ड फल और २ खण्ड फलों) को जोड दिया, अक्षांश १२ और क्रांति के अंश १८ की ४० पल, ५८ अक्षांशकला की २।५४ पलादि, २७ क्रांतिकला की ०।५४ पलादि, (४३।४८ = ४० + २।५४ + ०।५४) यह अनुपात सहित कुल संख्या पलादि ४३।४८ प्राप्त हुई । सरलता के लिए पूर्ण चरपलों से यह गणित दर्शाया है । यदि चर की पल-विपल लेकर गणित करेंगें तो सूक्ष्म पलादि ४३।४६ प्राप्त होंगे, लेकिन इसमें परिश्रम अधिक है जब कि दोनों संख्याओं का अंतर १ पल, २९ विपल से अधिक नहीं होगा ।

पल-विपल ४३।४६ को २ से गुणा किया (८७।३२ = ४३।४६ X २) तो पलादि ८७।३२ हुई. पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + १।२७।३२ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर हैं अतः घटी ३० में जोड दिया (३०।००।०० + १।२७।३२) तो घट्यात्मक ३१।२७।३२ दिनमान हुआ । इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा १७ मिनट ३० से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा ४२ मिनट ३० से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए -

वैंगलोर (कर्ना.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७७।३६) X ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -१९ सेकण्ड ३६ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड दिया तो ६।०२।०६ सूर्योदय और ६।३७।०६ सूर्यास्त वैंगलोर (कर्ना.) का मध्यम मान से हुआ । इसमें तारीख १३ मई २०२० को वेलान्तर मिनट - ३ सेकण्ड ३९ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।५८।२७ सूर्योदय और ६।३३।२७ सूर्यास्त (अर्धादिक रुप से सूर्योदय ५ बजकर ५८ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर ३३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया ।

रामगढ (शेखा.) पञ्चाङ्गस्थ ग्रहस्पष्ट में स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०१२८।३५।४६ है.

वैंगलोर (कर्ना.) अक्षांशः १२° ५८' उ., के लिए अक्षांश १२।३० की लग्नसारणी का उपयोग-

वैंगलोर (कर्ना.) का इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०१२८।५७।५७

स्टैं. जन्मसमय	१४।५८
स्टैं. सूर्योदय	− ५।५८
इष्टकाल (घंटामिनटात्मक)	९।००
	x २।३०
इष्टकाल (घटी-पल-विपल)	२२।३०।००

इष्टकालीन स्पष्ट सूर्य राश्यादि ०१२८।५७।५७ है, लग्नसारणी में राशि ० (मेष) के सामने और अंश २८ के नीचे अंक ७।३५ प्राप्त हुए. सूर्य कलादि ५७।५७ के अंक का अनुपात से १० पल प्राप्त होंगें, विधि - (७।४५ – ७।३५ ÷ ६० X ५७।५७ + ७।३५) + ७।४५ अनुपात सहित

लग्नसारणी में खोजने वाले अंक (घटी-पल) ३०।१५

लग्नसारणी में राशि ५ कन्या के सामने और अंश ७ के नीचे ३०।११ है,
लग्नसारणी में राशि ५ कन्या के सामने और अंश ८ के नीचे ३०।२१ है
यहाँ ३०।१५ की नजदीकी संख्या ३०।११ है

अतः लग्नस्पष्ट (जन्मांगम्) राश्यादि ५। ७।३०।१५ (अर्थात् कन्या लग्न) **हुआ ।**

इसी प्रकार भारत के किसी भी गांव या शहर का लग्नस्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं ।

रेखाष्टक उदाहरण, संवत् २०७७

लग्नानुसार जन्मकुण्डली में लग्न सहित सभी ग्रहों की रेखा लगाना ज्ञात करना है।

इष्टकालीन ग्रहस्पष्ट उदाहरण और लग्नस्पष्ट उदाहरण से प्राप्त अङ्क :-

तारीख ९ मई २०२० शनिवार को बैंगलोर (कर्ना.) का स्टैं. सूर्योदय ६।०० बजे है और अभीष्ट समय (स्टैण्डर्ड २९।३२ बजे) का गणितागत लग्नस्पष्ट राश्यादि ०।१८।६।०३ (अर्थात् मेष लग्न) है।

इष्टकालीन सूर्यादि-स्पष्टग्रहा :-

सूर्य	०।२५।४१।२१	(मेष राशि)	चंद्र	८।००।१५।५६	(धनु राशि)
मंगल	१०।०३।४१।०८	(कुंभ राशि)	बुध	१।०१।५०।२४	(वृष राशि)
गुरु	९।०३।०४।०६	(मकर राशि)	शुक्र	१।२७।४७।१९	(वृष राशि)
शनि	९।०७।५१।११	(मकर राशि)	राहु	२।०७।१२।०४	(मिथुन राशि)
केतु	८।०७।१२।०४	(धनु राशि)			

विशेष - यहाँ उदाहरण दिया जा रहा है इसलिए उपर सम्पूर्ण विवरण दिया गया है अन्यथा रेखाष्टक में तो मात्र लग्न की राशि मेष और सूर्यादि ग्रहों की राशि (सूर्य मेष, चंद्र धनु, मंगल कुंभ, बुध वृष, गुरु मकर, शुक्र वृष, शनि मकर) की ही आवश्यकता है।

॥ अथ रेखाष्टक ज्ञानाय ॥

रेखाष्टक - लग्न, सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि

लग्न सहित सूर्यादि ७ ग्रह का नाम अष्टक है। इन आठों की आठ कुण्डलियों में रेखा लगाने को अष्टकवर्ग या रेखाष्टक कहते हैं।

सूत्रः रेखा = ग्रहाद्गणयेदङ्कान् (स्व-निर्मित सूत्र)
सूत्रः रेखा = ग्रहस्थानात् समारम्य, अङ्कतुल्ये नियोजयेत् ॥ (स्व-निर्मित सूत्र) ॥

नोट - यदि किसी भी तरह की अशुद्धि-त्रुटि हो तो कृपया अवगत करें। आगामी संवत् में सुधार कर दिया जायेगा।

रेखाष्टक उदाहरण के गणितकर्ता- संपादकशिष्यः
चि. हेमन्तकुमार शुक्ल, आंजना, बांसवाडा (राज.)

अथ लग्न रेखाष्टक

पञ्चाङ्ग में जहाँ रेखाकोष्टक दिये हुए हैं वहीं **"लग्न रेखा ४९"** नाम के कोष्टक में लग्न के नीचे ३, ६, १०, ११ अंक लिखे हुए हैं, ऐसे ही -
सूर्य के ३, ४, ६, १०, ११, १२ ॥ चन्द्र के ३, ६, १०, ११, १२ ॥ मंगल के १, ३, ६, १०, ११ ॥ बुध के १, २, ४, ६, ८, १०, ११ ॥ गुरु के १, २, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११ ॥ शुक्र के १, २, ३, ४, ५, ८, ९ ॥ शनि के १, २, ४, ६, १०, ११ ॥ अंक लिखे हुए हैं।

ये जो अंक हैं ये प्रथम, द्वितीय, तृतीय आदि भावों को दर्शाते हैं। जैसे लग्न रेखाष्टक में लग्न के अंक ३, ६, १०, ११ हैं इसका अर्थ यह हो गया कि लग्न से प्रारंभ कर तीसरे, छठे, दशवें, ग्यारहवें भावों में रेखा लगेंगी।
यथा - लग्न (प्रथम-भाव) की मेष राशि है अतः लग्न से तीसरा भाव मिथुन, छठा भाव कन्या, दशवाँ भाव मकर, ग्यारहवाँ भाव कुंभ होगा और इनमें ही रेखा लगेंगी। यह लग्न रेखाष्टक के लग्न की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा सूर्य की हैं. तो पहले यह देखना चाहिए कि सूर्य कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में सूर्य प्रथम भाव मे है तो प्रथम भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार सूर्य के रेखा अंक ३, ४, ६, १०, ११, १२) तीसरे, चौथे, छठे, दशवें, ग्यारहवें, बारहवें भावों में रेखा लगेंगी।
सूर्य (लग्नस्थ) की मेष राशि है अतः सूर्य से तीसरा भाव मिथुन, चौथा भाव कर्क, छठा भाव कन्या, दशवाँ भाव मकर, ग्यारहवाँ भाव कुंभ, बारहवाँ भाव मीन होगा और इनमें ही रेखा लगेंगी। यह लग्न रेखाष्टक के सूर्य की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा चन्द्र की हैं. तो पहले यह देखना चाहिए कि चन्द्र कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में चन्द्र नवम भाव में है तो नवम भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार चन्द्र के रेखा अंक ३, ६, १०, ११, १२) तीसरे, छठे, दशवें, ग्यारहवें, बारहवें भावों में रेखा लगेंगी।
चन्द्र (नवमभावस्थ) की धनु राशि है अतः चन्द्र से तीसरा भाव कुंभ, छठा भाव वृष, दशवाँ भाव कन्या, ग्यारहवाँ भाव तुला, बारहवाँ भाव वृश्चिक होगा और इनमें ही रेखा लगेंगी। यह लग्न रेखाष्टक के चन्द्र की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा मंगल की हैं. तो पहले यह देखना चाहिए कि मंगल कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में मंगल एकादश भाव में है तो एकादश भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार मंगल के रेखा अंक १, ३, ६, १०, ११) पहिले, तीसरे, छठे, दशवें, ग्यारहवें भावों में रेखा लगेंगी।
मंगल (एकादशभावस्थ) की कुंभ राशि है अतः मंगल से पहला भाव कुंभ, तीसरा भाव मेष, छठा भाव कर्क, दशवाँ भाव वृश्चिक, ग्यारहवाँ भाव धनु होगा और इनमें ही रेखा लगेंगी। यह लग्न रेखाष्टक के मंगल की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा बुध की हैं. तो पहले यह देखना चाहिए कि बुध कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में बुध द्वितीय भाव में है तो द्वितीय भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार बुध के रेखा अंक १, २, ४, ६, ८, १०, ११) पहिले, दूसरे, चौथे, छठे, आठवें, दशवें, ग्यारहवें भावों में रेखा लगेंगी।
बुध (द्वितीयभावस्थ) की वृष राशि है अतः बुध से पहला भाव वृष, दूसरा भाव मिथुन, चौथा भाव सिंह, छठा भाव तुला, आठवाँ भाव धनु, दशवाँ भाव कुंभ, ग्यारहवाँ भाव मीन होगा और इनमें ही रेखा लगेंगी। यह लग्न रेखाष्टक के बुध की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा गुरु की हैं. तो पहले यह देखना चाहिए कि गुरु कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में गुरु दशम भाव में है तो दशम भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार गुरु के रेखा अंक १, २, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११) पहिले, दूसरे, चौथे, पांचवें, छठे,

सातवें, नोवें, दशवें, ग्यारहवें भावों में रेखा लगेंगी।
गुरु (दशमभावस्थ) की मकर राशि है अतः गुरु से पहला भाव मकर, दूसरा भाव कुंभ, चौथा भाव मेष, पाँचवां भाव वृष, छठा भाव मिथुन, सातवाँ भाव कर्क, नोवाँ भाव कन्या, दशवाँ भाव तुला, ग्यारहवाँ भाव वृश्चिक होगा और इनमें ही रेखा लगेंगी। यह लग्न रेखाष्टक के गुरु की रेखा हो गई।

लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा शुक्र की हैं. तो पहले यह देखना चाहिए कि शुक्र कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में शुक्र द्वितीय भाव में है तो द्वितीय भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार शुक्र के रेखा अंक १, २, ३, ४, ५, ८, ९) पहिले, दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें, आठवें, नोवें भावों में रेखा लगेंगी।
शुक्र (द्वितीयभावस्थ) की वृष राशि है अतः शुक्र से पहला भाव वृष, दूसरा भाव मिथुन, तीसरा भाव कर्क, चौथा भाव सिंह, पाँचवां भाव कन्या, आठवाँ भाव धनु, नोवाँ भाव मकर होगा और इनमें ही रेखा लगेंगी। यह लग्न रेखाष्टक के शुक्र की रेखा हो गई।

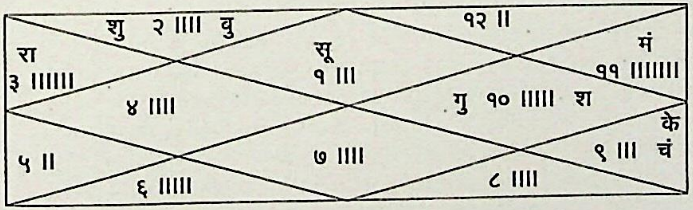
लग्न रेखाष्टक में आगे की रेखा शनि की हैं. तो पहले यह देखना चाहिए कि शनि कौन से भाव में बैठा है। यहाँ उदाहरण में शनि दशम भाव में है तो दशम भाव से प्रारम्भ कर (उपर बताये अनुसार शनि के रेखा अंक १, २, ४, ६, १०, ११) पहिले, दूसरे, चौथे, छठे, दशवें, ग्यारहवें भावों में रेखा लगेंगी।
शनि (दशमभावस्थ) की मकर राशि है अतः शनि से पहला भाव मकर, दूसरा भाव कुंभ, चौथा भाव मेष, छठा भाव मिथुन, दशवाँ भाव तुला, ग्यारहवाँ भाव वृश्चिक होगा और इनमें ही रेखा लगेंगी। यह लग्न रेखाष्टक के शनि की रेखा हो गई।

आगे सूर्य आदि रेखाष्टक की भी रेखा ऐसे ही लगानी चाहिए। ध्यान रखने योग्य इतना ही है कि जिस रेखाष्टक की रेखा लगानी हो उसी रेखाष्टक के अंक हो. और सूर्यादि ग्रहो में से जिस ग्रह की रेखा लगानी हो वह ग्रह कुण्डली के जिस भाव में हो उसी भाव से प्रथम भाव की गणना प्रारम्भ करें और पंचांग में दिये हुए रेखाष्टक के अंकों के अनुसार भावों (अंको को प्रथम, द्वितीय, तृतीय आदि भाव समझते हुए भावों) में रेखा स्थापित करें। जैसा कि उपर बताया गया है।

इस तरह रेखाष्टकों में रेखा लगाकर मानसागरी आदि ज्योतिष-ग्रन्थों से फलादेश करें। ज्योतिष-ग्रन्थों की जानकारी प्रकाशक से प्राप्त करें।

यहाँ उदाहरण के साथ कुण्ड़ली भी दी है। आशा है कि जिज्ञासुगण लाभान्वित होंगें।

लग्न रेखाष्टक ४१



॥ अथ विंशोत्तरीक्रमेण भुक्त-भोग्य दशा आनयन विधि ॥

गतर्क्षनाडी निहिता दशाब्दैः सर्वर्क्षनाडीविहृता फलं यत्।
वर्षादिकं भुक्तमिति प्रकल्प्य स्वाब्दादपास्यं भवतीह भोग्यम् ॥६॥

अथाऽऽनीतभयातभभोगाभ्यां जन्मकालिकग्रहदशाया भुक्तभोग्यानयनप्रकारः —

उपकरण - संवत् २०७७ (भयात भभोग पृष्ठ, उदाहरण १ का) बेंगलोर (कर्ना.) जन्म तारीख ९ मई २०२०, जन्मसमय उत्तररात्री (स्टैं.) २१।३२

यथा भयातं घट्यादि १।१० पलीकृतम् ७० भभोगश्च घट्यादिकः ५७।५७ पलीकृतः ३४७७ ततः पद्यानुसारेण दशेशबुधवर्षाणि १७ भयातगुणितानि १७ x ७० = ११९० अत्र भभोगेन भागार्थन्यासः- ११९० ÷ ३४७७ .. लब्धं वर्षादि ०। ४। ३।१२।३५ भुक्तं दशायाः, इदमेव दशावर्षेभ्यः १७ शुद्धं सद्भोग्यं वर्षादि १६। ७।२६।४७।२५.

घट्यात्मक भयात् को पलात्मक बनाकर जिस ग्रह की महादशा हो उस महादशा वर्ष से गुणा कर पलात्मक भभोग का भाग देवे-भागफल में भुक्त अन्तर्दशा के वर्ष आयेगें। शेष'बचे हुए को १२ से गुणा कर पुनः भभोग का भाग देने से भागफल में महिने आयेंगे। शेष को ३० से गुणा कर पुनः भभोग का भाग देने से भागफल में दिन आयेंगे। इसी क्रम से शेष को ६० से गुणा और भभोग का भाग देने से भागफल में घटी-पल और विपल आजायेंगी। गणितागत अन्तर्दशा के भुक्त वर्षादि को अभीष्ट ग्रह के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे।

भुक्तदशा सूत्र = पलात्मक भयात x दशाधीशवर्ष ÷ पलात्मक-भभोग (लब्धं वर्षादि..)
भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशावर्षादि (लब्धं वर्षादि..)

अथान्तर्दशानयनम् -

दशा दशाहता कार्या दशभिर्भागमाहरेत्। यल्लब्धं सो भवेन्मासस्त्रिंशत्रिघ्नं दिनं भवेत् ॥१॥

अन्तर्दशा-आनयन सूत्र १ = ग्रहदशा वर्षात्मक x ग्रहदशा वर्षात्मक ÷ १०
(लब्धी मासादि)

अपरञ्च- अन्तर्दशानयनम् -

दशा दशाहता कार्या विहृता परमायुषा। लब्धमन्तर्दशामानं वर्षादिकमिहेरितम् ॥७॥

अन्तर्दशा-आनयन सूत्र २ = ग्रहदशा वर्षात्मक x ग्रहदशा वर्षात्मक ÷ १२०
(लब्धी वर्षादि)

यस्मिन्मित्रगृहे स्वकीयभवने तुङ्गे त्रिकोणेऽपिवा, तत्सर्वं विदधाति जन्मसमये षडवर्गशुद्धो ग्रहः।
एकस्तत्र हि सर्वभूरिनिकरो हस्तेपु कोषान्वितो, द्वाभ्यां किन्नरमत्र सिद्धसदृशं कुर्वन्ति मर्त्य भुवि॥३॥

जिसके जन्मकालिक कोई ग्रह अपने मित्रों के गृह में वा अपने घर में, त्रिकोण (अपने स्थान से पञ्चम, नवम) में, वा अपने उच्च में स्थित देखा जाय वह ग्रह उस जातक के सब कामों को करने वाला होता है। यदि किसी आदमी को एक षडवर्गशुद्ध ग्रह कुण्डली में पड़ जाय तो सब प्रकार की सम्पत्ति खजाने से सहित बड़ा ऐश्वर्यशाली जातक होता है। इसी तरह जिसको दो षडवर्गाशुद्ध पड़ जाँय वह सिद्ध किन्नर के सदृश उच्च विभूतिमान् प्रतापी हो यह कहना ही क्या है अवश्यमेव वैसा होगा, सो जानना चाहिए ॥ ३॥ - मानसागरी

।। संवत् २०७७ में विभिन्न नगरों के गुरु -शुक्रोदयास्त और कृष्णा चतुर्थी का चंद्रोदयः ।। (स्टै.समय में) ई.सन् २०२०-२१, (उन्नतांशाः गु.८.२, शु.६.४)

शुक्र / शहर	पश्चि.अस्त ता. घं. मि.	पूर्व.उदय ता. घं. मि.	पूर्व.अस्त ता. घं. मि.	गुरु पश्चि.अस्त ता. घं. मि.	पूर्व.उदय ता. घं. मि.	११अप्रे घं. मि.	१०मई घं. मि.	८जून घं. मि.	८जुला घं. मि.	७अग घं. मि.	५सितं घं. मि.	५अक्टू घं. मि.	४नवं घं. मि.	३दिसं घं. मि.	२जन घं. मि.	३१जन घं. मि.	२मार्च घं. मि.	३१मार्च घं. मि.
रामगढ शेखा.	३०। ५ २३।१५	९। ६ ६।१९	११। २ ११।३८	१७। १ २३।३६	१४। २ २६।२६	२२।३८	२२।२६	२२।०४	२२।०९	२१।४६	२०।४७	२०।२३	२०।२३	२०।०२	२०।५४	२०।५०	२१।४९	२१।४७
अजमेर (राज.)	३०। ५ २३।४०	८। ६ २७।०२	१२। २ १४।११	१७। १ २६।४६	१४। २ १२।४८	२२।३६	२२।२३	२२।०२	२२।०७	२१।४७	२०।४८	२०।२६	२०।२८	२०।०७	२०।५८	२०।५३	२१।४९	२१।४६
अहमदा. (गुज.)	३०। ५ २४।१५	८। ६ २१।१७	१४। २ १५।३७	१८। १ ८।०३	१३। २ १२।५७	२१।३५	२२।२६	२२।०४	२२।१२	२१।५५	२०।५८	२०।४०	२०।४४	२०।२४	२१।१२	२१।०४	२१।५७	२१।५१
अमृतसर (पंजा.)	३०। ५ २१।५३	९। ६ १५।१८	८। २ १६।१०	१७। १ १५।०८	१६। २ १६।०१	२१।३८	२२।३६	२२।१४	२२।१५	२१।४८	२०।४६	२०।१८	२०।१५	१९।५४	२०।४९	२०।४७	२१।५२	२१।५४
आकोला (महा.)	३०। ५ २४।२७	८। ६ १७।१०	१५। २ २९।३४	१८। १ ११।३७	१२। २ १९।५२	२२।१५	२२।०१	२१।३९	२१।४९	२१।३५	२०।४१	२०।२५	२०।३१	२०।११	२०।५७	२०।४७	२१।३६	२१।२८
इंदौर (म.प्र.)	३०। ५ २४।१९	८। ६ २०।१७	१४। २ २४।३३	१८। १ ८।५५	१३। २ ८।४९	२२।२४	२२।१०	२१।४९	२१।५७	२१।४१	२०।४५	२०।२७	२०।३२	२०।११	२०।५९	२०।५१	२१।४२	२१।३६
उज्जैन (म.प्र.)	३०। ५ २४।१६	८। ६ २०।५८	१४। २ १८।२२	१८। १ ८।१९	१३। २ ११।४०	२२।२५	२२।१२	२१।५०	२१।५९	२१।४२	२०।४५	२०।२७	२०।३१	२०।११	२०।५९	२०।५१	२१।४३	२१।३७
कटक (उडी.)	३०। ५ २४।२८	८। ६ १६।५०	१६। २ ८।४७	१८। १ ११।५३	१२। २ १८।२८	२१।३८	२१।२४	२१।०२	२१।१३	२०।५९	२०।०५	१९।४९	१९।५५	१९।३५	२०।२१	२१।१०	२०।५९	२०।५०
कोलकाता	३०। ५ २४।२०	८। ६ २०।०१	१४। २ २७।००	१८। १ ९।१०	१३। २ ७।४२	२१।३१	२१।१७	२०।५६	२१।०५	२०।४९	१९।५३	१९।३५	१९।४०	२०।१६	२०।०७	२०।५८	२०।५०	२०।४३
कानपुर (उ.प्र.)	३०। ५ २३।४०	८। ६ २७।०४	१२। २ १३।५५	१७। १ २६।४४	१४। २ १२।५७	२२।१३	२२।००	२१।३८	२१।४४	२१।२४	२०।२५	२०।०३	२०।०५	१९।४४	२०।३५	२१।३१	२१।२६	२१।२३
कोटा (राज.)	३०। ५ २३।५७	८। ६ २४।३२	१३। २ ११।०९	१७। १ २९।०५	१३। २ २६।२७	२२।२९	२२।१६	२१।५४	२२।०१	२१।४२	२०।४४	२०।२४	२०।२६	२०।०६	२०।५६	२०।४९	२१।४४	२१।३९
गंगानगर (राज.)	३०। ५ २२।३४	९। ६ ११।००	९। २ २३।३८	१७। १ १९।१४	१५। २ २१।५७	२१।४०	२२।३६	२२।१३	२२।१६	२१।५२	२०।५१	२०।२४	२०।२३	२०।०२	२०।५६	२०।५३	२१।५५	२१।५५
गुडगावाँ (हरि.)	३०। ५ २३।०३	९। ६ ७।४३	१०। २ २४।४२	१७। १ २२।२१	१५। २ ८।१४	२२।३१	२२।१९	२१।५७	२२।०१	२१।३८	२०।३८	२०।१३	२०।१३	१९।५२	२०।४५	२०।४१	२१।४१	२१।४०
गौहाटी आसाम	३०। ५ २३।४४	८। ६ २६।३०	१२। २ १८।३७	१७। १ २७।१६	१४। २ १०।३५	२१।२४	२१।१२	२०।५०	२०।५७	२०।३७	१९।३९	१९।१७	१९।१८	१९।५४	१९।४७	२०।४३	२०।३८	२०।३४
जयपुर (राज.)	३०। ५ २३।३३	८। ६ २७।५९	११। २ ३०।१९	१७। १ २५।५३	१४। २ १६।४७	२२।३२	२२।२०	२१।५८	२२।०४	२१।४३	२०।४४	२०।२१	२०।२३	२०।०२	२०।५३	२०।४८	२१।४५	२१।४२
जबलपुर (म.प्र.)	३०। ५ २४।१६	८। ६ २१।००	१४। २ १८।०७	१८। १ ८।१७	१३। २ ११।४७	२२।०८	२१।५४	२१।३२	२१।४१	२१।२४	२०।२८	२०।०९	२०।१४	१९।५३	२०।४२	२०।३३	२१।२५	२१।१९
जौधपुर (राज.)	३०। ५ २३।४४	८। ६ २६।२८	१२। २ १८।५४	१७। १ २७।१८	१४। २ १०।२६	२१।३९	२२।३२	२२।१०	२२।१६	२१।५६	२०।५७	२०।३६	२०।३८	२०।१७	२१।०८	२१।०२	२१।५८	२१।५५
झरिया (विहा.)	३०। ५ २४।११	८। ६ २१।५९	१४। २ ९।१७	१८। १ ७।२४	१३। २ १५।५४	२१।४२	२१।२९	२१।०७	२१।१५	२०।५८	२०।०१	१९।४२	१९।४६	२०।२२	२०।१४	२१।०७	२०।५९	२०।५३
झुञ्झुनू (राज.)	३०। ५ २३।१३	९। ६ ६।३२	११। २ ९।५२	१७। १ २३।२८	१४। २ २७।२२	२२।३६	२२।२४	२२।०२	२२।०७	२१।४५	२०।४५	२०।२१	२०।२१	२०।००	२०।५२	२०।४८	२१।४७	२१।४६
डिब्रुगढ आसाम	३०। ५ २३।२४	९। ६ ५।११	११। २ २०।३९	१७। १ २४।४५	१४। २ २१।४५	२१।१३	२१।०१	२०।४०	२०।४६	२०।२५	१९।२५	१९।०२	१९।०२	१९।३८	१९।३२	२०।३०	२०।२५	२०।२३
दिल्ली	३०। ५ २३।०३	९। ६ ७।४५	१०। २ २४।२४	१७। १ २२।१९	१५। २ ८।२३	२२।३०	२२।१८	२१।५६	२२।०१	२१।३८	२०।३७	२०।१३	२०।१३	१९।५२	२०।४४	२०।४०	२१।४०	२१।३९
नासिक (महा.)	३०। ५ २४।२८	८। ६ १६।१०	१६। २ १५।०८	१८। १ १२।२६	१२। २ १५।४४	२२।२८	२२।१३	२१।५२	२२।०२	२१।४९	२०।५५	२०।४०	२०।४६	२०।२६	२१।१३	२१।०२	२१।५०	२१।४१
चेन्नई (तमि.)	३०। ५ २३।५१	८। ६ ८।१६	१९। २ २६।३७	१८। १ [illegible]	१०। २ ३०।०५	२१।४९	२१।३३	२१।११	२१।२७	२१।२०	२०।३०	२०।२२	२०।३४	२०।१४	२०।५६	२०।४०	२१।१९	२१।०५
बांसवाडा (राज.)	३०। ५ २४।१३	८। ६ २१।३४	१४। २ [illegible]	१८। १ [illegible]	१३। २ १४।०७	२२।३२	२२।१८	२१।५६	२२।०४	२१।४७	२०।५१	२०।३२	२०।३६	२०।१६	२१।०४	२०।५६	२१।४९	२१।४३
बिलासपु (म.प्र)	३०। ५ २४।२३	८। ६ १९।१५	१५। २ १०।०२	१८। १ ९।५०	१२। २ २८।३१	२१।५६	२१।४२	२१।२१	२१।३०	२१।१५	२०।१९	२०।०२	२०।०७	१९।४६	२०।३४	२१।२४	२१।१५	२१।०८
भिवानी (हरि.)	३०। ५ २३।००	९। ६ ८।०४	१०। २ २२।०१	१७। १ २२।०२	१५। २ ९।४१	२२।३४	२२।२३	२२।०१	२२।०५	२१।४२	२०।४१	२०।१७	२०।१७	१९।५६	२०।४८	२०।४४	२१।४५	२१।४३
मुम्बई (महा.)	३०। ५ २४।२७	८। ६ १४।४६	१६। २ २९।०२	१८। १ १३।३४	१२। २ ९।४८	२२।३०	२२।१५	२१।५३	२२।०५	२१।५२	२०।५९	२०।४५	२०।५२	२०।३२	२१।१८	२१।०७	२१।५३	२१।४३
वाराणसी (उ.प्र)	३०। ५ २३।५५	८। ६ २४।५१	१३। २ ८।२८	१७। १ २८।४८	१३। २ २७।४५	२१।५९	२१।४६	२१।२५	२१।३२	२१।१३	२०।१५	१९।५४	१९।५६	१९।३६	२०।२५	२१।२०	२१।१४	२१।१०
विजयवा. (आं.प्र)	३०। ५ २४।१७	८। ६ ११।४८	१८। २ ११।२८	१८। १ १५।४८	११। २ २१।१८	२१।५३	२१।३७	२१।१६	२१।२९	२१।१९	२०।२७	२०।१६	२०।२५	२०।०५	२०।४९	२०।३६	२१।१९	२१।०७
हैदराबाद (आं.प्र)	३०। ५ २४।२२	८। ६ १२।४५	१७। २ २५।३२	१८। १ १५।०७	११। २ २५।१९	२२।०३	२१।४८	२१।२७	२१।३९	२१।२८	२०।३६	२०।२३	२०।३२	२०।१२	२०।५७	२०।४४	२१।२८	२१।१७
दरभंगा (विहा.)	३०। ५ २३।४४	८। ६ २६।२८	१२। २ १८।५४	१७। १ २७।१८	१४। २ १०।२७	२१।४९	२१।३६	२१।१५	२१।२१	२१।०१	२०।०३	१९।४१	१९।४३	२०।१८	२०।१२	२१।०८	२१।०३	२०।५९
बीकानेर (राज.)	३०। ५ २३।१२	९। ६ ६।४१	११। २ ८।४१	१७। १ २३।२०	१४। २ २७।५९	२१।३९	२२।३३	२२।११	२२।१६	२१।५३	२०।५३	२०।२९	२०।३०	२०।०९	२१।०१	२०।५७	२१।५६	२१।५४
बैंगलोर (कर्ना.)	३०। ५ २३।४०	८। ६ ८।११	१९। २ २७।४१	१८। १ १८।०१	१०। २ २९।४१	२२।००	२१।४३	२१।२२	२१।३७	२१।३१	२०।४१	२०।३३	२०।४४	२०।२५	२१।०७	२०।५१	२१।३०	२१।१५
उदयपुर (राज.)	३०। ५ २४।०३	८। ६ २३।३१	१३। २ १९।५३	१७। १ ३०।०१	१३। २ २२।१५	२२।३७	२२।२३	२२।०२	२२।०९	२१।५०	२०।५३	२०।३३	२०।३६	२०।१६	२१।०५	२०।५८	२१।५२	२१।४७
सीकर (राज.)	३०। ५ २३।२२	८। ६ २९।२६	११। २ १८।३८	१७। १ २४।२६	१४। २ २२।४८	२२।३६	२२।२४	२२।०२	२२।०७	२१।४६	२०।४६	२०।२३	२०।२४	२०।०३	२०।५४	२०।५०	२१।४८	२१।४६

देखने की विधि - चन्द्रोदय उदाहरण के पृष्ठ पर देखें।

॥ अथ अवकहडाचक्रम् विंशोत्तरी-अष्टोत्तरी-योगिनीमहादशा सहितम् ॥ (जन्मकुण्डली के महत्वपूर्ण कोष्टक)

राशयः	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
राशी।स्वामिनः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः
अयन गोल ऋतु	मंगल	उत्तर	उत्तर	शुक्र	उत्तर	उत्तर	बुध	उत्तर	उत्तर	चंद्र	दक्षिण	उत्तर	सूर्य	दक्षिण	उत्तर	बुध	दक्षिण	उत्तर
वर्ण हंसकादि	ऋतु	वर्णः	हंसक	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसक	ऋतु	वर्णः	हंसक
	वसंत	क्षत्रि.	अग्नि	ग्रीष्म	वैश्य	भूमिः	ग्रीष्म	शूद्रः	वायु	वर्षा	विप्रः	वारि	वर्षा	क्षत्रिय	अग्नि	शरद	वैश्य	भूमिः
घातादयः	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार
	कार्ति	नंदा	रवि	मार्ग	पूर्णा	शनि	आषा	भद्रा	चंद्र.	पोष	भद्रा	बुध	ज्येष्ठ	जया	शनि	भाद्र	पूर्णा	शनि
	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण
	मघा	विष्कुं	वव	हस्त	शूल	शकु	स्वा.	परि.	चतु.	अनु	व्याघा	नाग	मूल	धृति	वणि.	श्रवण	शूल	कौल
	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री
	१	१	१	४	५	८	३	९	७	१	२	९	१	६	५	१	१०	३

राशयः	तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुंभ			मीन		
राशी।स्वामिनः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः	स्वा	अयन	गोलः
अयन गोल ऋतु	शुक्र	दक्षिण	दक्षिण	मंगल	दक्षिण	दक्षिण	वृह.	दक्षिण	दक्षिण	शनि	उत्तर	दक्षिण	शनि	उत्तर	दक्षिण	वृह.	उत्तर	दक्षिण
वर्ण हंसकादि	ऋतु	वर्णः	हंसक	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः
	शरद	शूद्रः	वायु	हेमन्त	विप्रः	वारि	हेमंत	क्षत्रिय	अग्नि	शिशि	वैश्य	भूमिः	शिशि	शूद्रः	वायु	वसंत	विप्र	वारि
घातादयः	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार
	माघ	रिक्ता	वृह.	आश्वि	नंदा	शुक्र	श्राव	जया	शुक्र	वैशा	रिक्ता	भौम	चैत्र	जया	वृह.	फाल्गु	पूर्णा	शुक्र
	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण	नक्षत्र	योग	करण
	शत	शूल	तैतिल	रेवति	व्यति	गर	भर	वरीया	तैति	रोहि	वैधृ	शकु.	आर्द्रा	गंड	किंस्तु	श्ले	वैधृति	चतुष्पा
	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री	प्रहर	पु.चंद्रः	स्त्री
	४	३	६	१	७	२	१	४	१०	४	८	११	३	११	५	४	१२	१२

नक्षत्र चरण	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४
नक्षत्रनाम-संख्या	अश्वि१	भरणी२	कृति.३	रोहि.४	मृग.५	आर्द्रा६	पुन.७	पुष्य ८	श्ले.९	मघा१०	पूफा११	उफा१२	हस्त१३	चि.१४
नक्षत्र-अक्षर	चू चे	ली लू	अ ई	ओ वा	वे वो	कु घ	के को	हू हे	डी डू	म मी	मो टा	टे टो	पु ष	पे पो
नक्षत्र-अक्षर	चो ला	ले लो	उ ए	वि वु	क की	ङ छ	ह ही	हो डा	डे डो	मु मे	टी टू	प पी	ण ठ	र री
योनि	अश्वः	गजः	मेषः	सर्पः	सर्पः	श्वान्	मार्जारः	मेषः	मार्जारः	मूषकः	मूषकः	गौ	महिषः	व्याघ्रः
गण	देव	मनुष्यः	राक्षसः	मनुष्यः	देवः	मनुष्यः	देवः	देवः	राक्षसः	राक्षसः	मनुष्यः	मनुष्यः	देवः	राक्षसः
वर्ग	सिंह३ मृग.१	मृग	गरूड	गरू.१ मृग.३	मृग२ मार्जा.२	मार्जा३ सिंहः१	मार्जा२ मेषः२	मेषः३ श्वा.१	श्वान्	मूषकः	मूष.१ श्वा.३	श्वान२ मूष.२	मू१मे१ श्वा.२	मूषक२ मृगः२
युंजा	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य
नाडी	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य
वश्य	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतु..२ मान.२	मानव	मान.३ जल.१	जलचर	जलचर	वनचर	वनचर	वन.१ मान.३	मानव	मानव
वैरयोनि	महिषः	सिंहः	वानरः	नकुलः	नकुलः	मृगः	मूषकः	वानर	मूषकः	मार्जारः	मार्जारः	व्याघ्रः	अश्वः	गौ
शुभाऽशु.	शुभ	नाश	कार्यना.	सिद्धिः	शुभः	शुभः	मध्यम	शुभः	शोक	नाश	मृत्यु	विद्या	लक्ष्मी	शुभ
देवता	अश्विकु	यम	अग्नि	ब्रह्मा	चंद्रः	शिवः	अदिति	गुरुः	सर्पः	पितर	भगः	अर्यम्	रविः	त्वष्टा
मुख	तिर्यक	अधः	अधः	उर्ध्व	तिर्यक	उर्ध्व	तिर्यक	उर्ध्व	अधः	अधः	अधः	उर्ध्व	तिर्यक	तिर्यक
नेत्र (लोचन)	मन्दलो.	मध्य	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.
ध्रुवक्षिप्रनामादि.	क्षिप्र	उ.क्रू.	मि.सा.	ध्रुवस्थि	मृदुमै	ती.दा.	चर,च.	क्षिप्र	ति.दा	उ.क्रू.	उ.क्रू.	ध्रुवस्थि	क्षिप्र	मृदु,मै
स्वरूप-	अश्वमु.	योनिरव.	क्षुराकृति	शकट	मृगमु.	मणिसदृ.	गृहाका.	शराका.	चक्राका.	शाला.	शय्या.	खट्वाका.	हस्ताका	मौक्तिकं
तारासंख्या	३	३	६	५	३	१	४	३	५	५	२	२	५	१
विंशो. महादशा	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	वृहस्प.	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल
प्रमाणवर्षाणि	७	२०	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७.	२०	६	१०	७
योगिनी नाम	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	सङ्कटा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	सङ्कटा	मंगला
योगि. दशा-वर्ष	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८	१
अष्टोत्त. दशा-वर्ष	राहु-१२	राहु-१२	शुक्र२१	शुक्र२१	शुक्र२१	सूर्य-६	सूर्य-६	सूर्य-६	सूर्य-६	चंद्र-१५	चंद्र-१५	चंद्र-१५	मंग-८	मंग-८
अष्टो. नक्षत्रमास	३६	३६	८४	८४	८४	१८	१८	.१८	१८	६०	६०	६०	२४	२४

नक्षत्र चरण	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४	१२३४
नक्षत्रनाम-संख्या	स्वा.१५	वि.१६	अनु.१७	ज्ये.१८	मूल१९	पूषा२०	उषा२१	श्र.२२	धनि२३	शत.२४	पूभा२५	उभा.२६	रेव.२७
नक्षत्र-अक्षर	रू रे	ती तू	न नी	नो या	ये यो	भू धा	भे भो	खी खु	ग गी	गो सा	से सो	दु थ	दे दो
नक्षत्र-अक्षर	रो ता	ते तो	नू ने	यी यू	भ भी	फा ढा	ज जी	खे खो	गु गे	सी सु	द दी	झ ञ	चा ची
योनि	महिषः	व्याघ्रः	मृगः	मृगः	श्वान्	वानरः	नकुलः	वानरः	सिंहः	अश्वः	सिंहः	गौ	गजः
गण	देवः	राक्षसः	देवः	राक्षसः	राक्षसः	मनुष्यः	मनुष्यः	देवः	राक्षसः	राक्षसः	मनुष्यः	मनुष्यः	देवः
वर्ग	मृगः३ सर्पः१	सर्पः	सर्पः	सर्पः१ मृगः३	मृगः२ मूष.२	मू.१स.१ मू.श्वा.१	मूष.२ सिंहः२	मार्जारः	मार्जारः	मार्जा.१ मेषः ३	मेषः२ सर्पः२	सर्पः२ सिंहः२	सर्पः२ सिंहः२
युंजा	मध्य	मध्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य
नाडी	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य
वश्य	मानव	मान.३ कीट.१	कीट.	कीट	मानव	मान ॥ चतु.३॥	चतुष्प.	चतु.१॥ जल३॥	जलचर२ मान.२	मानव	मान.३ जल.१	जलचर	जलचर
वैरयोनि	अश्वः	गौ	श्वान्	श्वान्	मृगः	मेषः	व्याघ्रः	मेषः	गजः	महिषः	गजः	व्याघ्रः	सिंहः
शुभाऽशु.	अशुभ	अशुभ	सर्वसि.	क्षय	हानिः	हानिः	वृद्धिः	सुख	शुभ	कल्याण	मृत्यु	लक्ष्मी	काम.
देवता	वायु	इन्द्राग्निः	मित्र	इन्द्रः	राक्षसः	उदक्	विश्वेदे.	विष्णु	वसु	वरुणः	अजैक.	अहिर्बु.	पूषा.
मुख	तिर्यक	अधः	तिर्यक	तिर्यक	अधः	अधः	उर्ध्व	उर्ध्व	उर्ध्व	उर्ध्व	अधः	उर्ध्व	तिर्यक
नेत्र (लोचन)	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सूलो.	अन्ध.	मन्द.	सूलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सुलो.	अन्ध.
ध्रुवक्षिप्रनामादि.	चर,च.	मिश्र	मृदु,मै.	ती.दा.	ती.दा.	उग्रक्रूः	ध्रुवस्थि	चर,च.	चर,च.	चर,च.	उग्रकू.	ध्रुवस्थि	मृदु,मै.
स्वरूप-	प्रवाला.	तोरणसदृ	बलिसदृ	कुंडला.	सिंहपुच्छ.	हस्तिदं	शय्याका.	त्रिकोण	मृदंगाका.	वर्तुला	मंचाका.	यमलसदृ	मृदंगाका.
तारासंख्या	१	४	४	३	११	२	२	३	४	१००	२	२	३२
विंशो. महादशा	राहु	वृहस्प.	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	वृहस्प.	शनि	बुध
प्रमाणवर्षाणि	१८	१६	१९	१७	७	२०	६	१०	७	१८	१६	१९	१७
योगिनी नाम	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	सङ्कटा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का
योगि. दशा-वर्ष	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६
अष्टोत्त. दशा-वर्ष	मंग-८	मंग-८	बुध-१७	बुध-१७	बुध-१७	शनि-१०	शनि-१०	शनि-१०	वृह.१९	वृह.१९	वृह.१९	राहु-१२	राहु-१२
अष्टो. नक्षत्रमास	२४	२४	६८	६८	६८	३०	३०-३०	३०	७६	७६	७६	३६	३६

पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्नप्रवेश सारणी से निम्नलिखित नगरों के लग्नसपष्ट संस्कार कोष्ठक (मिनट), सूक्ष्म गणित, (– = ऋण, + = धन)

नगरों के नाम / राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
१. अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १५	+ ११	+ ६	+ २	– ०	+ १	+ ४	+ ९
२. अमृतसर (पंजा.)	– २	– ६	– ८	– ७	– ४	– ०	+ ४	+ ७	+ ९	+ ८	+ ५	+ २
३. अजमेर (राज.)	+ २	+ ४	+ ५	+ ४	+ ३	+ १	– ०	– २	– २	– २	– १	+ १
४. अलवर (राज.)	– ६	– ६	– ६	– ६	– ६	– ७	– ७	– ७	– ८	– ७	– ७	– ७
५. अंबिकापुर (म.प्र.)	– २९	– २५	– २३	– २४	– २७	– ३२	– ३७	– ४१	– ४३	– ४२	– ३९	– ३४
६. अनंतपुर (आं.प्र)	– ०	+ ११	+ १६	+ १४	+ ४	– ८	– २१	– ३१	– ३७	– ३५	– २५	– १३
७. अयोध्या (उ.प्र.)	– २८	– २७	– २६	– २७	– २८	– २९	– ३०	– ३१	– ३२	– ३१	– ३०	– २९
८. आकोला (महा.)	– ३	+ ४	+ ७	+ ५	– ०	– ७	– १४	– २१	– २४	– २२	– १७	– १०
९. आगरा (उ.प्र.)	– ११	– १०	– १०	– १०	– ११	– ११	– १२	– १३	– १४	– १३	– १३	– १२
१०. आजमगढ (उ.प्र.)	– ३१	– ३०	– २९	– २९	– ३१	– ३२	– ३४	– ३६	– ३७	– ३७	– ३५	– ३३
११. आबू रोड (राज.)	+ १२	+ १५	+ १६	+ १६	+ १३	+ १०	+ ६	+ ३	+ २	+ २	+ ५	+ ८
१२. इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	– २	– ८	– १२	– १५	– १४	– १०	– ५
१३. इटारसी (म.प्र.)	– ६	+ १	+ ४	+ २	– ३	– १०	– १८	– २४	– २८	– २६	– २०	– १३
१४. इलाहाबाद (उ.प्र.)	– २६	– २३	– २२	– २३	– २५	– २७	– ३०	– ३२	– ३३	– ३३	– ३१	– २८
१५. उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ६	+ ३	– २	– ७	– ११	– १३	– १२	– ९	– ४
१६. उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १३	+ १२	+ ९	+ ६	+ २	– १	– २	– २	+ १	+ ४
१७. औरंगाबाद (महा.)	+ ५	+ १२	+ १६	+ १४	+ ८	+ ०	– ८	– १५	– १८	– १७	– ११	– ३
१८. कटक (उडी.)	– ३८	– ३१	– २८	– २९	– ३५	– ४२	– ५०	– ५६	– ६०	– ५८	– ५२	– ४५
१९. कोलकाता (बंगा.)	– ५०	– ४५	– ४२	– ४३	– ४८	– ५३	– ५८	– ६३	– ६६	– ६४	– ६०	– ५५
२०. कानपुर (उ.प्र.)	– २०	– १९	– १८	– १८	– १९	– २१	– २३	– २४	– २५	– २४	– २३	– २२
२१. कुचामन (राज.)	+ १	+ २	+ २	+ २	+ २	+ १	– ०	– १	– १	– १	– ०	+ ०
२२. कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	– ६	– १५	– २०	– १८	– १०	+ १
२३. कोटा (राज.)	– १	+ १	+ ३	+ २	+ ०	– ३	– ६	– ८	– १०	– ९	– ७	– ४
२४. गंगानगर (राज.)	+ ३	+ १	+ ०	+ ०	+ २	+ ४	+ ६	+ ८	+ ९	+ ९	+ ७	+ ५
२५. ग्वालियर (म.प्र.)	– ११	– १०	– ९	– ९	– ११	– १२	– १४	– १६	– १७	– १६	– १५	– १३
२६. गया (न.प्र.)	– ३८	– ३५	– ३३	– ३४	– ३६	– ३९	– ४३	– ४६	– ४७	– ४६	– ४४	– ४१
२७. गुडगांवाँ (हरि.)	– ९	– ९	– १०	– ९	– ९	– ८	– ८	– ७	– ७	– ७	– ७	– ८
२८. गोरखपुर (उ.प्र.)	– ३३	– ३१	– ३१	– ३१	– ३२	– ३३	– ३५	– ३६	– ३६	– ३६	– ३५	– ३४
२९. गौहाटी (आसा)	– ६६	– ६४	– ६३	– ६४	– ६५	– ६७	– ६९	– ७०	– ७१	– ७१	– ६९	– ६८
३०. गोवा (भारत)	+ १४	+ २५	+ ३०	+ २८	+ १९	+ ७	– ५	– १५	– २१	– १८	– ९	+ २
३१. चंढीगढ (पंजा.)	– १०	– १३	– १४	– १३	– ११	– ८	– ५	– ३	– १	– २	– ४	– ७
३२. चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	– १	– ४	– ६	– ५	– ३	+ ०
३३. चिन्नई (तमि.)	– १०	+ ३	+ ९	+ ६	– ४	– १८	– ३२	– ४४	– ५१	– ४८	– ३७	– २४
३४. जयपुर (राज)	– २	– १	– १	– १	– २	– ३	– ४	– ५	– ६	– ५	– ५	– ३
३५. जबलपुर (म.प्र.)	– १६	– १२	– १०	– ११	– १४	– १९	– २४	– २८	– ३०	– २९	– २६	– २१
३६. जमशेदपुर (विहा.)	– ४१	– ३६	– ३४	– ३५	– ३९	– ४४	– ४९	– ५४	– ५६	– ५५	– ५१	– ४६
३७. जलगाँव (महा.)	+ २	+ ८	+ १०	+ ९	+ ५	– १	– ७	– १२	– १५	– १४	– ९	– ४
३८. जालंधर (पंजा.)	– ५	– ८	– १०	– ९	– ७	– ३	+ ०	+ ४	+ ५	+ ५	+ २	– २
३९. जैसलमेर (राज.)	+ १७	+ १८	+ १९	+ १९	+ १८	+ १७	+ १५	+ १४	+ १४	+ १४	+ १५	+ १६
४०. जौधपुर (राज.)	+ ११	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ १०	+ ८	+ ७	+ ६	+ ६	+ ८	+ १०
४१. झांसी (उ.प्र.)	– १२	– १०	– ९	– ९	– ११	– १४	– १७	– १९	– २०	– २०	– १८	– १५
४२. झुञ्झुनू (राज.)	– २	– २	– २	– २	– २	– २	– २	– २	– २	– २	– २	– २
४३. झरिया (विहा.)	– ४२	– ३८	– ३६	– ३७	– ४१	– ४५	– ४९	– ५३	– ५५	– ५४	– ५१	– ४७
४४. डिब्रुगढ (आसा)	– ८०	– ७९	– ७९	– ७९	– ७९	– ८०	– ८०	– ८१	– ८१	– ८१	– ८१	– ८०
४५. डूंगरपुर (राज)	+ ८	+ १२	+ १४	+ १३	+ १०	+ ६	+ २	– २	– ४	– ३	+ ०	+ ४
४६. दरभंगा (विहा.)	– ४२	– ४०	– ३९	– ४०	– ४१	– ४३	– ४५	– ४७	– ४८	– ४७	– ४६	– ४४
४७. दिल्ली	– ९	– १०	– १०	– १०	– १०	– ९	– ८	– ८	– ७	– ८	– ८	– ९
४८. देवरिया (उ.प्र.)	– ३४	– ३२	– ३१	– ३२	– ३३	– ३५	– ३६	– ३८	– ३८	– ३८	– ३७	– ३५
४९. नागपुर (महा.)	– ११	– ५	– २	– ४	– ९	– १५	– २२	– २८	– ३१	– ३०	– २५	– १८
५०. नागौर (राज.)	+ ६	+ ७	+ ७	+ ७	+ ६	+ ५	+ ४	+ ४	+ ३	+ ३	+ ४	+ ५
५१. नारनौल (हरि.)	– ५	– ५	– ५	– ५	– ५	– ५	– ५	– ५	– ५	– ५	– ५	– ५
५२. नासिक (महा.)	+ ११	+ १८	+ २२	+ २०	+ १४	+ ७	– १	– ८	– १२	– १०	– ४	+ ४
५३. नैनिताल (उ.प्र.)	– १९	– २१	– २१	– २१	– २०	– १८	– १७	– १६	– १५	– १५	– १६	– १८
५४. नैल्लोर (आं.प्र)	– ११	+ ०	+ ६	+ ३	– ६	– १९	– ३२	– ४३	– ४९	– ४६	– ३६	– २४
५५. पटना (विहा.)	– ३९	– ३७	– ३६	– ३६	– ३८	– ४०	– ४३	– ४५	– ४६	– ४६	– ४४	– ४१
५६. पटियाला (पंजा.)	– ८	– १०	– ११	– ११	– ९	– ६	– ४	– २	– ०	– १	– ३	– ५
५७. प्रतापगढ (उ.प्र.)	– २७	– २५	– २४	– २४	– २६	– २८	– ३०	– ३२	– ३३	– ३३	– ३१	– २९
५८. प्रयाग (उ.प्र.)	– २५	– २३	– २२	– २२	– २४	– २७	– २९	– ३२	– ३३	– ३२	– ३०	– २८
५९. पाली (राज.)	+ ८	+ १०	+ ११	+ ११	+ ९	+ ७	+ ४	+ २	+ १	+ २	+ ४	+ ६
६०. पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ६	– ३	– ११	– १५	– १३	– ६	+ ३
६१. वडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ८	+ २	– ३	– ६	– ४	+ ०	+ ६
६२. वद्रीनाथ (उ.प्र.)	– २१	– २३	– २५	– २४	– २२	– १९	– १६	– १३	– १२	– १२	– १५	– १८
६३. वरैली (उ.प्र.)	– १८	– १९	– १९	– १९	– १८	– १८	– १८	– १७	– १७	– १७	– १७	– १८
६४. वारंगल (आं.प्र)	– ११	– ३	+ २	– ०	– ७	– १७	– २७	– ३५	– ३९	– ३७	– ३०	– २१
६५. वांसवाडा (राज.)	+ ६	+ १०	+ १२	+ ११	+ ८	+ ३	– १	– ५	– ७	– ६	– ३	+ १
६६. विलासपुर (म.प्र.)	– २४	– १९	– १६	– १८	– २२	– २८	– ३४	– ३९	– ४२	– ४०	– ३६	– ३०
६७. वीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७
६८. बेलगाँव (कर्ना.)	+ ११	+ २१	+ २६	+ २४	+ १५	+ ४	– ८	– १८	– २३	– २१	– १२	– १
६९. वैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ २०	+ १७	+ ६	– ८	– २२	– ३४	– ४०	– ३८	– २७	– १३
७०. वैलारी (कर्ना.)	+ २	+ १३	+ १८	+ १६	+ ७	– ५	– १८	– २८	– ३४	– ३१	– २२	– १०
७१. भागलपुर (विहा.)	– ४६	– ४३	– ४२	– ४३	– ४५	– ४७	– ५०	– ५३	– ५४	– ५४	– ५१	– ४९
७२. भावनगर (गुज.)	+ १६	+ २२	+ २४	+ २३	+ १८	+ १२	+ ६	+ १	– २	– १	+ ४	+ १०
७३. भिवानी (हरि.)	– ५	– ६	– ६	– ६	– ६	– ५	– ४	– ३	– ३	– ३	– ४	– ५
७४. भुवनेश्वर (उडी.)	– ३८	– ३१	– २८	– २९	– ३५	– ४२	– ५०	– ५६	– ६०	– ५८	– ५२	– ४५

संवत् २०७७ पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्नप्रवेश सारणी से निम्नलिखित नगरों के लग्नसपष्ट संस्कार कोष्ठक (मिनट), सूक्ष्म गणित

नगरों के नाम / राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
७५. भोपाल (म.प्र.)	– ५	– १	+ १	– ०	– ४	– ८	– १३	– १७	– २०	– १९	– १५	– १०
७६. मथुरा (उ.प्र.)	– १०	– १०	– १०	– १०	– १०	– ११	– ११	– १२	– १२	– १२	– ११	– ११
७७. मंडला (म.प्र.)	– १८	– १४	– ११	– १२	– १६	– २१	– २७	– ३१	– ३४	– ३३	– २९	– २३
७८. मारवाड (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ ११	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	– १	– ०	+ २	+ ५
७९. मेहसाणा (गुज.)	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ १०	+ १०	+ ९	+ १०	+ १०	+ १०
८०. मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २६	+ १९	+ १०	+ २	– ६	– १०	– ८	– २	+ ७
८१. रतलाम (म.प्र.)	+ ४	+ ८	+ १०	+ ९	+ ५	+ १	– ४	– ८	– १०	– ९	– ६	– १
८२. रायपुर (म.प्र.)	– २१	– १६	– १३	– १४	– १९	– २५	– ३२	– ३८	– ४१	– ४०	– ३५	– २८
८३. राजगढ (राज.)	– २	– ३	– ३	– ३	– ३	– २	– १	– १	– ०	– ०	– १	– २
८४. रिंगस (राज.)	– २	– १	– १	– १	– १	– २	– ३	– ३	– ४	– ३	– ३	– २
८५. लखनऊ (उ.प्र.)	– २३	– २२	– २१	– २१	– २२	– २३	– २५	– २६	– २६	– २६	– २५	– २४
८६. लुधियाना (पंजा.)	– ६	– ९	– १०	– १०	– ७	– ४	– १	+ २	+ ३	+ २	+ ०	– ३
८७. वाराणसी (उ.प्र.)	– ३०	– २७	– २६	– २७	– २९	– ३२	– ३४	– ३७	– ३८	– ३७	– ३५	– ३३
८८. विजयवाडा (आं.प्र)	– १४	– ४	+ १	– २	– १०	– २०	– ३२	– ४१	– ४६	– ४४	– ३६	– २५
८९. शिमला (हि.प्र)	– १२	– १५	– १६	– १५	– १३	– १०	– ६	– ३	– २	– २	– ५	– ८
९०. श्रीनगर (ज.क)	– ५	– ११	– १४	– १३	– ८	– १	+ ६	+ १२	+ १५	+ १४	+ ८	+ २
९१. सागर (म.प्र.)	– ११	– ८	– ६	– ७	– १०	– १४	– १८	– २२	– २४	– २३	– २०	– १६
९२. सीकर (राज.)	– ०	+ ०	+ ०	+ ०	– ०	– १	– १	– १	– २	– १	– १	– १
९३. सिंघाना (राज.)	– ३	– ३	– ३	– ३	– ३	– ३	– ३	– ४	– ४	– ४	– ४	– ३
९४. सिरोही (राज.)	+ ११	+ १४	+ १५	+ १५	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ २	+ २	+ ५	+ ८
९५. सिल्लीगु. (प.बंगा)	– ५३	– ५१	– ५१	– ५१	– ५२	– ५३	– ५५	– ५६	– ५७	– ५६	– ५५	– ५४
९६. सूरत (गुज.)	+ १५	+ २१	+ २४	+ २३	+ १८	+ ११	+ ४	– १	– ५	– ३	+ २	+ ९
९७. सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	– २	– १२	– २१	– २५	– २३	– १५	– ६
९८. हरद्वार (उ.प्र.)	– १५	– १६	– १७	– १७	– १५	– १३	– ११	– ९	– ८	– ९	– १०	– १३
९९. हैदरावाद (आं.प्र)	– ६	+ ३	+ ८	+ ६	– २	– १२	– २२	– ३१	– ३६	– ३४	– २६	– १६
१००. हिंसार (हरि.)	– ४	– ५	– ६	– ६	– ५	– ३	– २	– १	– ०	– १	– २	– ३

संस्कार कोष्ठक ज्ञानाय:- पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - तारीख ९ मई २०२० को बैंगलोर (कर्ना.) में सिंह लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना हैं। पंचांग में ९ मई २०२० को सिंह का प्रवेश काल दिवा घंटा १२ मिनट ३८ और समाप्ति काल दिवा घंटा २ मिनट ५४ लिखा हुआ हैं। संस्कार कोष्ठक में बैंगलोर (कर्ना.) के सिंह में + ६ मि. और कन्या में – ८ मि. है (कन्या का प्रवेश काल ही सिंह का समाप्ति काल है)। अतः सिंह के प्रवेश दिवा १२।३८ में + ६ मि. का संस्कार किया (यदि – हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो बैंगलोर (कर्ना.) का स्पष्ट प्रवेश काल दिवा १२।४४ हो गया सिंह के समाप्ति काल दिवा घंटा २ मिनट ५४ में – ८ मि. का संस्कार किया तो सिंह का समाप्ति काल दिवा २।४६ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए १०० नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं। - पं. ग्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई.

॥ अथ विंशोत्तरी क्रमेण महादशा-अन्तर्दशा चक्राणि ॥

॥ अथ विंशोत्तरीक्रमेण महादशाचक्रम् ॥

ग्रहाः	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	वुध	केतु	शुक्र
वर्ष	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
माह	००	००	००	००	००	००	००	००	००
दिन	००	००	००	००	००	००	००	००	००

सूर्य महादशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = कृतिका, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढा

ग्रहाः	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	वुध	केतु	शुक्र
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
माह	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दिन	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

चंद्र महादशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = रोहिणी, हस्त, श्रवण

ग्रहाः	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	वुध	केतु	शुक्र	सूर्य
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
माह	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

भौम महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा

ग्रहाः	भौम	राहु	गुरु	शनि	वुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
माह	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दिन	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

राहु महादशा वर्ष १८ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा

ग्रहाः	राहु	गुरु	शनि	वुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
माह	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दिन	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

गुरु महादशा वर्ष १६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद

ग्रहाः	गुरु	शनि	वुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
माह	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दिन	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

शनि महादशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद

ग्रहाः	शनि	वुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
माह	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दिन	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

वुध महादशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती

ग्रहाः	वुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
माह	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दिन	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

केतु महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मघा, मूल, अश्विनी

ग्रहाः	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	वुध
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
माह	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दिन	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

शुक्र महादशा वर्ष २० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा, भरणी

ग्रहाः	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	वुध	केतु
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
माह	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

रवियोग : सूर्य नक्षत्र से चन्द्रमा के नक्षत्र तक गिनती करने से यदि सूर्य से चन्द्रमा का नक्षत्र ४, ६, ९, १०, १३ २० इन संख्याओं में पडे तो उसदिन रवियोग होना जो समग्र दोषों को अच्छी प्रकार दूर करता है।

द्विपुष्कर - त्रिपुष्करयोग :

भद्रातिथि (२ / ७ / १२) शनि मंगल और रविवार के तिन कृतिका, पुन., उफा., विशाखा, उषा., पूभा. ये छ नक्षत्रों की स्थिति आती हो तो त्रिपुष्कर योग तथा उक्त भद्रातिथि, शनि मंगल और रविवार के दिन मृग, चित्रा, धनिष्ठा नक्षत्रों का योग होता है तो द्विपुष्कर योग बनता है। त्रिपुष्कर योग मे होनेवाले किसी भी कार्य का त्रिगुणित फल और द्विपुष्कर में होनेवाले का दुगुना फल होता है।

॥ अष्टोत्तरीमतेन दशा-अन्तर्दशा चक्रम् नक्षत्रसहितम् ॥

सूर्य महादशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा

(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास १८)

ग्रहाः	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र
वर्ष	०	०	०	०	०	१	०	१
माह	४	१०	५	११	६	०	८	२
दिन	०	०	१०	१०	२०	२०	०	०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०

शनि महादशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, अभिजित, श्रवण

(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ३०)

ग्रहाः	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध
वर्ष	०	१	१	१	०	१	०	१
माह	११	९	१	११	६	४	८	६
दिन	३	३	१०	१०	२०	२०	२६	२६
घटी	२०	२०	०	०	०	०	४०	४०

चंद्र महादशा वर्ष १५ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी

(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ६०)

ग्रहाः	चंद्र	भौम	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य
वर्ष	२	१	२	१	२	१	२	०
माह	१	१	४	४	७	८	११	१०
दिन	०	१०	१०	२०	२०	०	०	०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०

गुरु महादशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद

(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ७६)

ग्रहाः	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध	शनि
वर्ष	३	२	३	१	२	१	२	१
माह	४	१	८	०	७	४	११	९
दिन	३	१०	१०	२०	२०	२६	२६	३
घटी	२०	०	०	०	०	४०	४०	२०

भौम महादशा वर्ष ८ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा

(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास २४)

ग्रहाः	भौम	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
वर्ष	०	१	०	१	०	१	०	१
माह	७	३	८	४	१०	६	५	१
दिन	३	३	२६	२६	२०	२०	१०	१०
घटी	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०

राहु महादशा वर्ष १२ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = उत्तराभाद्रपद, रेवती, अश्विनी, भरणी

(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ३६)

ग्रहाः	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध	शनि	गुरु
वर्ष	१	२	०	१	०	१	१	२
माह	४	४	८	८	१०	१०	१	१
दिन	०	०	०	०	२०	२०	१०	१०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०

बुध महादशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल

(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ६८)

ग्रहाः	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम
वर्ष	२	१	२	१	३	०	२	१
माह	८	६	११	१०	३	११	४	३
दिन	३	२६	२६	२०	२०	१०	१०	३
घटी	२०	४०	४०	०	०	०	०	२०

शुक्र महादशा वर्ष २१ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा

(प्रति एक नक्षत्र महादशा-मास ८४)

ग्रहाः	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	बुध	शनि	गुरु	राहु
वर्ष	४	१	२	१	३	१	३	२
माह	१	२	११	६	३	११	८	४
दिन	०	०	०	२०	२०	१०	१०	०
घटी	०	०	०	०	०	०	०	०

अथान्तर्दशाकरणम्- दशा दशाहता कार्या नवभिर्भागमाहरेत् । यल्लब्धं सो भवेन्मासस्त्रिंशन्निघ्नं दिनं भवेत् ॥

॥ योगिनी दशा-अन्तर्दशा चक्रम् नक्षत्रसहितम् ॥

मंगला महादशा वर्ष १ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आर्द्रा चित्रा श्रवण

योगि.	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०
माह	०	०	१	१	१	२	२	२
दिन	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

भद्रिका महादशा वर्ष ५ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = भरणी मघा ज्येष्ठा उत्तराभाद्रपद

योगि.	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम
वर्ष	०	०	०	१	०	०	०	०
माह	८	१०	११	१	१	३	५	६
दिन	१०	०	२०	१०	२०	१०	०	२०

पिंगला महादशा वर्ष २ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुनर्वसु स्वाती धनिष्ठा

योगि.	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०
माह	१	२	२	३	४	४	५	०
दिन	१०	०	२०	१०	०	२०	१०	२०

उल्का महादशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = कृत्तिका पूर्वाफाल्गुनी मूल रेवती

योगि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि
वर्ष	१	१	१	०	०	०	०	०
माह	०	२	४	२	४	६	८	१०
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०

धान्या महादशा वर्ष ३ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुष्य विशाखा शतभिषा

योगि.	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०
माह	३	४	५	६	७	८	१	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०

सिद्धा महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = रोहिणी उत्तराफाल्गुनी पूर्वाषाढा

योगि.	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का
वर्ष	१	१	०	०	०	०	०	१
माह	४	६	२	४	७	९	११	२
दिन	१०	२०	१०	२०	०	१०	२०	०

भ्रामरी महादशा वर्ष ४ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = अश्विनी आश्लेषा अनुराधा पूर्वाभाद्रपद

योगि.	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०
माह	५	६	८	९	१०	१	२	४
दिन	१०	२०	०	१०	२०	१०	२०	०

सङ्कटा महादशा वर्ष ८ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मृगशिरा हस्त उत्तराषाढा

योगि.	सङ्क	मंग	पिंग	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा
वर्ष	१	०	०	०	०	१	१	१
माह	९	२	५	८	१०	१	४	६
दिन	१०	२०	१०	०	२०	१०	०	२०

अथ योगिनी दशानामानि- मङ्गला पिङ्गला धान्या भ्रामरी भद्रिका तथा । उल्का सिद्धा सङ्कटा च एतासां नामवत्फलम् ॥४॥ **हिन्दी -** मङ्गला, पिङ्गला, धान्या, भ्रामरी, भद्रिका, उल्का, सिद्धा, सङ्कटा ये आठों योगिनी हैं । इनके अनुसार शुभाशुभ फल जाने ॥४॥

योगिनी नक्षत्र आनयन सूत्र = जन्मनक्षत्रसंख्या (अश्विनी से) + ३ ÷ ८ (शेषवत् योगिनीदशा)

उदाहरण — जैसे किसी जातक का जन्मनक्षत्र पुष्य है जो कि अश्विनी से गिनने पर ८ हुआ, इसमें ३ और मिलाया तब ११ हुआ, इसमें आठ से (योगिनी की संख्या आठ ही है इसलिए) भाग दिया तो लब्धि १ (अनपेक्षित) आई, शेष ३ रहा अतः क्रमानुसार गिनने से धान्या योगिनी की दशा जन्मसमय में आई, ऐसे ही सर्वत्र समझना चाहिये ॥२-३॥

॥ अथ अष्टोत्तरीक्रमेण भुक्त-भोग्य दशा आनयन विधि ॥

अष्टोत्तरी दशाधीशाः-

सूर्यश्चन्द्रः कुजः सौम्यः शनिर्जीवस्तमो भृगुः । अष्टोत्तरी-दशाधीशाः केतुहीना नवग्रहाः ॥

प्रथम सूर्य, दूसरे चन्द्रमा, तीसरे मङ्गल, चतुर्थ बुध, पञ्चम शनिश्चर, षष्ठ बृहस्पति, सप्तम राहु एवं अष्टम शुक्र ये क्रम से आठ ग्रह दशाधीपति माने गये हैं (इसमें केतु का परिगणन नहीं है) ॥४॥

अष्टोत्तरी क्रम से ग्रह दशा के भुक्त-भोग्य की विधि विंशोत्तरी की तरह है। अन्तर इतना है कि पलात्मक भयात को दशाधीश के वर्ष से गुणा करने की जगह जिस ग्रह की महादशा हो उस महादशा के मास से गुणा करें। जैसे - धनिष्ठा नक्षत्र का घट्यादि भयात ३७।५८ पलात्मक २२७८, भभोग ५६।१४ पलात्मक ३३७४ हुआ यहाँ गुरु की महादशावर्ष १९ है।

गुरु के दशावर्ष १९ और नक्षत्र तीन (धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद) होने से १९ वर्ष के तीन भाग (यदि नक्षत्र चार हों तो इसी विधि से चार भाग करें) करने के लिए- १९ वर्ष को १२ से गुणाकर मास बनाये, क्रिया- (१९ X १२ =) २२८ मास हुए इनमें तीन का भाग दिया (२२८ ÷ ३ =) ७६ मास हुआ। गुरु के तीन नक्षत्रों में से प्रत्येक नक्षत्र का ७६ दशा-मास ही मान होगा, **पंचांगस्थ कोष्टक "अष्टोत्तरीमतेन ग्रहाणां दशावर्षचक्रम् नक्षत्रसहितम्"** में देखें, गुरु का नक्षत्रदशा-मास ७६ ही है। अष्टोत्तरी भुक्त-भोग्य दशा के लिए सभी ग्रहों का नक्षत्रदशा-मास गणित इसी तरह करें। अस्तु।

पलात्मक भयात को जिस ग्रह की महादशा हो उस दशाधीश (नक्षत्रदशा) मास से गुणा कर पलात्मक भभोग का भाग दें। भागफल में मास आयेंगें (मासादि लब्धि यदि १२ से अधिक हो तो बारह का भाग देकर वर्षादि बना लें)। शेष को ३० से गुणा कर पुनः भभोग का भाग देने से भागफल में दिन आयेंगे। इसी क्रम से शेष को ६० से गुणा और भभोग का भाग देने से भागफल में घटी-पल और विपल आजायेंगी। गणितागत दशा के भुक्त वर्षादि को नीचे लिखी क्रिया द्वारा अभीष्ट ग्रह के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्यदशा के वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे।

भुक्त- भोग्य के विशेष निर्देश - अष्टोत्तरी में तीन अथवा चार नक्षत्रों में एकग्रह के दशावर्ष प्राप्त होते हैं और (जैसे गुरु के दशावर्ष १९ और नक्षत्र तीन धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद ॥ अपि च- राहु के दशावर्ष १२ और नक्षत्र चार उत्तराभाद्रपद, रेवती, अश्विनी, भरणी) यही कारण है कि दशाधीश के वर्षो को तीन या चार भाग करने पड़ते हैं इसी से भुक्त- भोग्य की क्रिया भी विंशोत्तरी से अलग होगी। जहाँ प्रथम नक्षत्र होगा वहाँ विंशोत्तरी की तरह भोग्यकाल आयेगा लेकिन दूसरा, तीसरा, चोथा नक्षत्र होने से क्रिया अलग होगी।

(१) जैसे - धनिष्ठा में जातक हो तो गणितागत दशा के भुक्त वर्षादि को दशाधीश के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे।

(२) जैसे - शतभिषा में जातक हो तो गणितागत दशा के भुक्त वर्षादि में (गत नक्षत्र के प्रथम भाग को जोड़कर) दशाधीश के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे।

(३) जैसे - पूर्वाभाद्रपद में जातक हो तो गणितागत दशा के भुक्त वर्षादि में (गत प्रथम नक्षत्र के प्रथम भाग और द्वितीय नक्षत्र के द्वितीय भाग को जोड़कर) दशाधीश के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे।

सारांश यह है कि जातक का जन्म प्रथम नक्षत्र के बाद किसी भी नक्षत्र में हो भुक्त वर्षादि में (जितने गत नक्षत्र हों उतने ही दशाधीश की दशा के भाग) जोड़ कर दशाधीश के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आजायेंगे। स्पष्टता के लिए सूत्र दिये है -

(१) भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशा (लब्ध वर्षादि..)
(२) भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशा + (लब्ध वर्षादि + गत एक नक्षत्र दशामान)
(३) भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशा + (लब्ध वर्षादि + गत दो नक्षत्र दशामान
(४) भोग्यदशा सूत्र = दशाधीशवर्ष — भुक्तदशा + (लब्ध वर्षादि + गत तीन नक्षत्र दशामान

उदाहरण(१) - पलात्मक भयात २२७८ को ७६ से गुणा किया. १७३१२८ में पलात्मक भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल ५१ मास प्राप्त हुआ, शेष को ३० से गुणाकर भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल में ९ दिन आया, शेष को ६० से गुणाकर भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल २२ घटी प्राप्त हुई, शेष को ६० से गुणाकर फिर भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल १७ पल प्राप्त हुई, शेष को ६० से गुणाकर भभोग ३३७४ का भाग दिया, भागफल ५९ विपल प्राप्त हुई। (नोट - उपर मासादि लब्धि १२ से अधिक ५१ मास है अतः बारह का भाग दिया तो ४ वर्ष हुए शेष ३ माह बच गये)। गुरु के भुक्त वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९ को १९ वर्ष में से घटा दिया तो भोग्य वर्षादि १४।०८।२०।३७।४२।०१ स्पष्ट हो गये।

क्रिया(१) धनिष्ठा-भयात २२७८ X ७६ ÷ भभोग ३३७४ = भुक्त वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९
भोग्यदशा(वर्षादि १४।८।२०।३७।४५। १) = दशाधीशवर्ष १९ — भुक्तदशा-
वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९

क्रिया(२) शतभिषा-भयात २२७८ X ७६ ÷ भभोग ३३७४ = भुक्त वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९
भोग्यदशा(वर्षादि ८। ४।२०।३७।४५। १) = दशाधीशवर्ष १९ — (भुक्तदशा-
वर्षादि ४।३।९।२२।१७।५९ + गत एकनक्षत्र धनिष्ठा दशामानवर्षादि ६।४ = १०। ७। ९।२२।१७।५९)

क्रिया(३) पूभा-भयात २२७८ X ७६ ÷ भभोग ३३७४ = भुक्त वर्षादि ४। ३। ९।२२।१७।५९
भोग्यदशा(वर्षादि २।००।२०।३७।४५। १) = दशाधीशवर्ष १९ — (भुक्तदशा
वर्षादि ४।३।९।२२।१७।५९ + गत दो नक्षत्र धनिष्ठा-शतभिषा दशामानवर्षादि १२।८ = १६।११। ९।२२।१७।५९)

॥ अथ योगिनी भुक्त-भोग्य दशा आनयन विधि ॥

गतर्क्षनाडी गुणिता दशाब्दैः सर्वर्क्षनाडीविहृता फलं यत् ।
वर्षादिकं भुक्तफलं ततश्च भोग्यं दशाब्दात्प्रविशोध्य लेख्यम् ॥

हिन्दी- सर्वप्रथम जन्मकालीन नक्षत्र का भयात और भभोग ठीक तरह से (भयात और भभोग के घटी-पलों को पलात्मक) बनाकर जिस योगिनी की महादशा में जन्म सिद्ध हुआ हो उसके महादशावर्ष से (भयात को) गुणा दें और भभोग से भाग दें तब जो लब्धि आवे (वह वर्षात्मक होगा शेष को १२ से गुणा कर फिर भभोग का भाग देने से भागफल में माह होगा, शेष को ३० से गुणा कर फिर भभोग का भाग देने से भागफल में दिन आयेगा, ऐसे ही शेष को ६० से गुणा और भभोग से भाग देने पर घटी-पल-विपल होगा) वही उस योगिनी का भुक्त होगा, इसे महादशावर्ष में घटाने से शेष भोग्यकाल रहेगा अर्थात् भुक्त के तुल्य जन्मकाल से पहिले ही गुजर गया है और भोग्यकाल के समान जन्मसमय के आगे बीतेगा, यह सिद्ध होता है ॥६॥

उदाहरण — जैसे किसी जन्मकालीन भयात १५ घटी, ३० पल और भभोग ६० घटी, ५० पल तथा जन्मदशा भद्रिका की है अतः भयात-भभोग का पलात्मक बनाया (भयात ९३० = १५ X ६० + ३०, भभोग ३६५० = ६० X ६० + ५०) अब पलात्मक भयात ९३० को भद्रिका के महादशावर्ष ५ से गुणा किया तो ४६५० हुआ। इस ४६५० में पूर्वोक्त क्रिया से पलात्मक भभोग ३६५० का भाग दिया तो प्राप्तांक १।३।८।३७।४८ वर्षादि भुक्त महादशा होगी। इस प्रकार भुक्तदशा को भद्रिका की महादशावर्ष ५ में घटा दिया तो भोग्य महादशा वर्षादि ३।८।२१।२२।१२ हुई। ऐसे ही सर्वत्र गणित के द्वारा भुक्त-भोग्य लाना चाहिये ॥६॥

एवं सर्वत्र करणीयम् ।

- पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

१ मूंग
२ हरितवस्त्र
३ सुवर्ण
४ कांस्य
५ मृगमद
६ आज्य
७ पंचरत्न
८ दासी
९ हस्तिदंत



ईशान्यांबाणाकारमंडल अंगुल ४ मगधदेश आत्रेयसगोत्र पीतवर्ण कन्यामिथुनको स्वामी जप ४०००

१ चित्रांबर
२ श्वेताश्व
३ धेनु
४ हीरा
५ रौप्य
६ सुवर्ण
७ तदुल
८ सुगंध
९ घृत



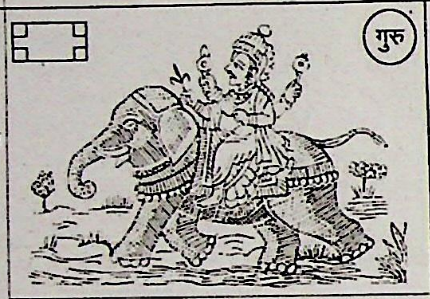
पूर्वे पचकोणमंडल वृष तुलाको स्वामी भोजकट देश भार्गवसगोत्र श्वेतवर्ण जप १६०००

१ वशपात्र
२ तदुल
३ कर्पूर
४ मौक्तिक
५ श्वेतवस्त्र
६ वृषभ
७ रौप्य
८ धृतकुंभ
९ शंख



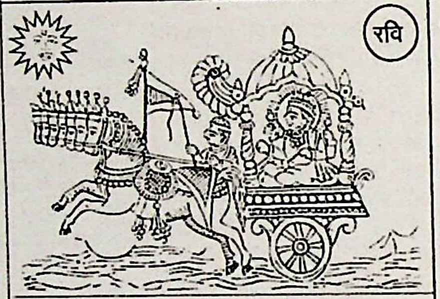
आग्नेय्यां चतुरस्रमंडल अंगुल ४ यमुनातीर देश आत्रेयसगोत्र श्वेतवर्ण कर्कको स्वामी जप ११०००

१ अश्व
२ शर्करा
३ हलद
४ पीतधान्य
५ पीतवस्त्र
६ पुष्पराग
७ लवण
८ कांचन



उत्तरदाघचतुरस्रमंडल अंगुल ६ सिंधुदेशाद्भव आंगिरस गोत्र पीतवर्ण धनु मीनका स्वामी जप१९०००

१ माणिक
२ गेहूं
३ धेनु
४ कुसुभ
५ गुड
६ ताम्र
७ रक्तवस्त्र
८ रक्तपुष्प
९ सुवर्ण



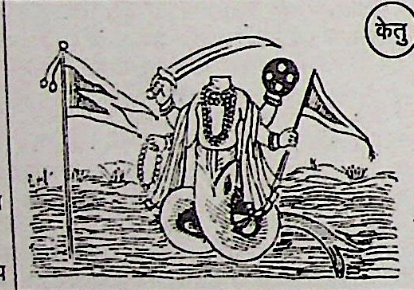
मध्यवर्तुलमंडल अंगुल १२ कलिंगदेशाद्भव काश्यपसगोत्र रक्तवर्ण सिंहको स्वामी जप ७०००

१ प्रवाल
२ गेहूँ
३ मसूर
४ ताम्रवस्त्र
५ गुड
६ सुवर्ण
७ ताम्र
८ कण्हेर
९ वृषभ



द. त्रिकोणमंडल अंगुल ३ अवंतीदेशाद्भव भारद्वाजसगोत्र रक्तवर्ण वृश्चिक मेषको स्वामी जप १००००

१ वैडूर्य
२ तिल
३ कंबल
४ कस्तूरी
५ शस्त्र
६ कृष्णवस्त्र
७ तैल
८ कृष्णपुष्प
९ छाग
१० लोहपात्र



वायव्य ध्वजाकारमंडल केतु अंगुल ६ अवंतिदेश जैमिनिसगोत्र धूम्रवर्ण जप १७०००

१ माष
२ तिल
३ तैल
४ कुलित्थ
५ महिषी
६ लोहू
७ कृष्णागौ
८ इंद्रनील
९ शामवस्त्र



प धनुराकारमंडल अंगुल २ सौराष्ट्रदेश काश्यपसगोत्र मकर कुंभको स्वामी कृष्णवर्ण जप २३०००

१ गोमेदरत्न
२ अश्व
३ नीलवस्त्र
४ कंबल
५ तिल
६ तैल
७ लोह
८ अभ्रक



नैऋत्या शूर्पाकारमंडल अंगुल १२ काश्मीरदेश पैठीनसगोत्र कृष्णवर्ण जप १८०००

॥ आवश्यक मुहूर्ताः ॥

ता.	मुहूर्त	नक्षत्रादि	ति.	वार	लग्न
१	रजोदर्शन	अश्वि.मृ. ह.चि. स्वा.अनु. उत्तरा ३ श्र.ध. श. रे. माघ.फाल्गुन मार्गशीर्ष वैशाख ज्येष्ठ आश्विन शुक्र.	शुभ	चं. बु. गु. शु.	शुभ
२	रज स्नान	अश्वि.रो. मृ. उत्तरा. ह. स्वा. अनु. ज्ये. धनि. रे.	शुभ	शु.	शु.
३	गर्भाधान	रो. मृ. उ. ३. ह. स्वा. अनु. श्र. ध. शत.	शुभ	शु.	शु.
४	पुंसवन	मृ. पुन. पुष्य हस्त मूल श्र. मास ३ शुक्ल पक्ष	शुभ	सू.बृ.मं.	शु.
५	सीमंत(अगरणी)	मृ. पुन. पुष्य ह. मू. श्र. मास. ८ शुक्ल पक्ष	शुभ	सू.बृ.मं.	शुभ
६	जातकर्म	अश्वि.रो.,पुन.पुष्य,मघा,उ.३,ह.,चि.,स्वा.,अनु.,मृ.,श्रव.,ध.,शत.,रे.	शुभ	शु.	शु.
७	नामकरण	जातकर्म नक्षत्रादि लेना,जन्माशौच के अन्त में चारों वर्णो के करना, जैसे ब्रा. ११ दि., क्ष. १३ दि. वै. १६ दि., शू. १ मास	शुभ	शु.	शु.
८	पालना में सुलाना	अश्वि. रो.मृ.पु. उत्तरा ३ ह.चि.अनु.रे. रवि भाद् गणना आरोग्य ५, कट ५, मृ. ५ रो. ५, सु. ७	शुभ	शु.	शु.
९	अन्न प्राशन	अश्वि. रो. मृ.पुन. उत्तरा ३ ह.चि. स्वा. अनु. श्र. ध. श. रे. पुरुष ६-८ मास, स्त्री के ५-७ मास, पुरुष सम - स्त्री विषम मास	२-३-५-७	शु.	शु.
१०	चौलकर्म	अश्वि. मृ. पुन. पुष्य, ह.चि.स्वा.ज्ये.श्र.ध.शत.रे. वर्ष २-३-५ मासा- माघ,फा. वैशाख, ज्ये.आषाढ चैत्र, हीनोत्तरायणे	२-३-५-७ १०,११,१३	शु.	शु.
११	विद्यारंभ	अश्वि. रो. मृ.आर्द्रा पुन.पु.श्ले. पू. ३ उ. ३ ह. चि. स्वा. श्र.ध. शत. अनु. मूल. रे. (उत्तरायने)	२,३,५,६ १०,११,१२	सू. गु. शुक्र	शु. शु.
१२	वापी-कूपतडाग	रो. मृग,पुष्य,मघा,उ. ३ ह. अनु.पू.पा.ध. शत.रे.	शुभ	शु.	शु.
१३	गृहारंभ सक्रान्तिमास-युता-चान्द्र-मासाः ग्राह्या	रो.मृ.पुष्य,उत्तरा.३ हस्त चि.स्वा.अनु.धनि.शत.रे. मेष,वृष,कर्क,सिंह,तुला,वृश्चि,मक,कुंभ,संक्रा.मासाः जाग्रतिभूमौ,वत्स च.क्रशुद्धे,विपञ्चके(अग्निवाण रहिते) चैत्र-वैशा,ज्येष्ठ,आषा-श्रा,भाद्र,आश्वि,कार्ति-मार्ग,पौष-माघ,फा	२,३,५,७ १०,११,१२ १३,१५,कृ१	चं.बु.गु. शु.श.	२।३।५ ६।९ ११।१२ दिवा
१४	क्रय	अश्वि. चि. स्वा. शत. रे.	शुभ	शु.	शु.
१५	विक्रय	कृ. भ. आश्ले. पूर्वा. ३ विशाखा	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शु.
१६	नौकर रखने	अश्वि. मृ. पुष्य. ह. चि. अनु. रे.	शुभ	शु.सू.बु.बृ.	शु.
१७	बीज बोना राहु भाद्वणना	अश्वि.रो.मृ.पुष्य म.उ. ३ ह.चि.स्वा.अनु.मू.रे.ने ८ श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. ४	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शुभ
१८	रोग मुक्त स्ना.	अश्वि. भ.कृ.मृ. आर्द्रा, पुष्य पु. ३ ह.चि.वि. अनु. ज्ये. मू. श्र. ३	अशुभ	सू.मं.बु. बृ.श.	अशुभ (चर)
१९	देवस्थापन (प्रतिष्ठा)	अश्वि. रो.मृ. पुन. पुष्य. उत्तरा. ३ ह. चि. स्वा. अनु. श्र. ध. शत. रे. उत्तरायणे	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शु.
२०	भूषणादिधारण	अश्वि. रो. पुन. उ. ३ ह.चि. स्वा.वि. अनु. ध. रे. सौभाग्यवती को. रो. पुन. पुष्य उत्तरा ३ त्याज्या	शुभ	सु. बु. बृ. श.	शु.
२१	औषधसेवन	अश्वि.मृ.पुन.पुष्य,ह.चि.स्वा.अनु.मू. श्र. ध.श. रे.	शुभ	शु.	द्वि.स्व.

॥ गृहप्रवेश मुहूर्तम् ॥

मासाः	वै. ज्ये.माघ फा.उत्तरायणे रवौ श्रेष्ठा जीर्णे गृहेतु कार्तिक,मार्ग.,श्रावणमासाः अपिग्राह्याः
भानि:	उत्तरा ३ अनु.रो. मृ. चि. रे. एपुद्वास्स्थभेषु च कुम्भ चक्रशुद्धौ जीर्णे तु पुष्य.स्वा. धनि. शत. अपिग्राह्याः पापरहितेष्वविद्धभेषु ।
वाराः	चं. बु. बृ. शु. शनि तिथयः १।२।३।५।६।७।८। १०।११।१२।१३ ग्राह्याः (शुक्ला १ नेष्टा) S
लग्न	२।५।८।११ सत् ३।६।९।१२ मध्या तत्र लग्नस्थचन्द्रः न शुभः
	लग्नात् ४।८ शुद्धयोः १।२।३।५।७।९।१०।११ एषु शुभैः ३।६।११ एषु पापैः वामार्के सति शुभः दिवाकाले वा गुरुशुक्रयोरुदितयोः ।

S गृहप्रवेशे विशेषः - कहीं कहीं लोकाचार (राजस्थान आदि) में बुधवार को गृहप्रवेश नहीं करते हैं लेकिन व्यापारगृह का शुभारम्भ लाभदायक समझते हैं । अस्तु । देशाचारानुसार निर्णय लें । शास्त्रीय दृष्टि- से रवि, मंगल को छोड़कर सभी वार ग्राह्य है । यथा - "व्यर्कारिरिक्तावरदर्शचैत्रे । अर्कारौ प्रसिद्धौ वारौ (रवि,मंगल) । अर्कादयः प्रवेशदिने निषिद्धा इत्यर्थः" । - पीयूषधारा (श्लो.४, पृ.५८७)

गृहप्रवेशे कालशुद्धिः-

सौम्यायने ज्येष्ठतपोऽन्त्यमाधवे यात्रानिवृत्तौ नृपतेर्नव गृहे । स्याद्वेशनं द्वाःस्थमृदुध्रुवोडुभिर्जन्मर्क्ष-लग्नोपचयोदये स्थिते ॥

॥ अथ यज्ञोपवीत धारण महूर्त चक्रम् ॥

सर्वेषां ग्राह्य नक्षत्राणि	अश्वि.रो.मृ.आर्द्रा.पुन.पुष्य.श्ले.पू. ३ उ. ३ ह. चि. स्वा. अनु. मू. श्र. ध. श. रे.
वर्ज्य नक्षत्रा	कृ. भ. म. ज्येष्ठा विशा.
ऋग्वेदिनां न.	मृ. आर्द्रा. श्ले. पू. ३ ह. चि. स्वा. मू.
यजूषां ग्राह्य.	मृ. पुन. पुष्य, उत्तरा. ३ ह. अनु. रे.
सामगानाम्	अश्वि. आर्द्रा. पुष्य. उ. ३ ह. श्र. ध.
अथर्वणाम्	अश्वि. पुन. मृ. ह. अनु. ध. रे.
सर्वेषां वाराः	सू. चंद्र.बु. गु. शुक्र,लग्न १।३।५।६।९ (२)
तिथ्यादि	कृ. २, ३, ५ शुक्ल २, ३, ५, १०, ११, १२ उत्तरायणे, चैत्ररहिते परं मीनार्के चैत्रं शुभम्
वर्ज्यतिथ्यादि.	४।७।८।९।१३।१४।१५।३०,रात्रिः,प्रदो.,अप.,भद्रा, अनध्या,रुग्वाण,गुरु-शु.वृद्धत्वं.,अस्त.शिशुत्व.

गृहप्रवेशकलशचक्रम् सूर्यनक्षत्रात् (अभि.रहित)

नक्ष.	अंग	फलं
१	मुख	मृत्यु
४	पूर्व	गमन
४	दक्षिण	धन
४	पश्चिम	लक्ष्मी
४	उत्तर	वैर
४	गर्भ	शोक
३	कंठ	स्थिरता
३	गुद	सुख

गृहारंभे वृष चक्रम् सूर्यनक्षत्रात्(साभिजि.)

नक्ष.	अंगानि	फलम्
३	शिरसि	दाहः
४	अग्रपादे	शून्यम्
४	पृष्ठपादे	स्थिरता
३	पृष्ठे	श्रीः
४	दक्षिणकु.	लाभ
३	पुच्छे	स्वामिनाश
४	वाम कु.	दारिद्रम्
३	मुखे	पीडा

गेहारम्भे - कैश्चिन्मेषरवौ मधौ इति । मेषसंस्थे रवौ मधौ चैत्रे मासि गेहप्रारम्भं शुभं स्यात् इत्यादि ॥१६॥ - पीयूषधारा (पृ.५६८)

अथ गृहारम्भे पञ्चाङ्गशुद्धिं चानुष्टुभाह - भौमार्करिक्तामाद्यूने चरोने च विपञ्चकः । व्यष्टान्त्यस्थैः शुभैर्गेहारम्भस्त्र्यायारिगैः खलैः ॥१८॥ भौमार्केति । भौमार्कौ वारौ रिक्ताश्च प्रसिद्धाः । चरोने चरराशिभिः मेषकर्कतुलामकरैरूनेऽङ्गे लग्ने स्थिरे द्विस्वभावे च गृहारम्भः कार्यः । विवाहप्रकरणोक्तानि पञ्चकानि रोगाग्निराजचोरमृत्युसंज्ञानि तैः रहितेऽङ्गे लग्ने पञ्चकरहिते लग्ने इत्यर्थः ॥१८॥ - पीयूषधारा (पृ.५७१) **हिन्दी-**ग्राह्य राशिलग्न. स्थिर,द्विस्वभाव । **त्याज्याः** वृश्चि.लग्न और चरलग्न (मेष,कर्क,तुला,मक),अग्निवाण, सक्रांतिरहिता-चांद्रमासाः ॥

होमादौ ग्रहमुखेष्वाहुतिज्ञानचक्रम् ।

सूर्यभात्त्रित्रिभे चान्द्रे सूर्यविच्छुक्रपङ्गवः। चन्द्रारेज्यागुशिखिनो नेष्टा होमाहुतिः खले ॥३५॥ - पीयूष पृ.१०४

ग्रहाः	नक्ष.संख्या	फलम्
सूर्य	३	धननाशः
बुध	३	बुद्धिवर्धन
शुक्र	३	सम्पत्तिः
शनि	३	धननाशः
चंद्र	३	कृषिलाभः
मंगल	३	अग्निदाहः
बृह.	३	अभीष्टसिद्धिः
राहु	३	हानिः
केतु	३	दुर्भिक्षम्

सूर्य नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक (जिस दिन का देखना हो उस दिन के चन्द्र नक्षत्र तक) अभि. रहित गणना करें, १ से ३ में सूर्य, ४ से ६ बुध, ७ से ९ शुक्र १० से १२ शनि के मुख में, शेष ग्रहों का भी ऐसे ही होगा ।

होलिका विषये- जब मुख्य कर्म का समय मिले तो गौण समय (भद्रा,दिन और प्रतिपदा) क्यों ? - निर्णयसिंधु (परि.२,पृष्ठ ३४१-२) यथा - भद्रायां दीपिता होली राष्ट्रभङ्गं करोति वै । नगरस्य च नैवेष्टा तस्मात्तां परिवर्जयेत् ॥ तथा- भद्रायां द्वे न कर्तव्ये श्रावणी फाल्गुनी तथा । श्रावणी नृपतिं हन्ति ग्रामं दहति फाल्गुनी ॥ -निर्णयसिंधु (परि.२) **गौण समय -** धर्मशास्त्रों में जिस कर्म (व्रतोत्सव,त्योंहार आदि) का ग्राह्य-काल नहीं लिखा हो या ..A

A जिस काल के लिए मना किया हो. उसे गौणकाल या गौण समय कहते हैं । जैसे होली के लिए ज्योतिर्निबन्ध मे कहा है ज्योतिर्निबन्धे तु - प्रतिपद्भूतभद्रासु यार्चिता होलिका दिवा । सवत्सरं च तद्राष्ट्रं पुरं दहति सा द्रुतम् ॥ प्रदोष व्यापिनी ग्राह्या पौर्णिमा फाल्गुनी सदा । तस्यां भद्रामुखं त्यक्त्वा पूज्या होला निशामुखे ॥ २॥ इति नारदवचनात् प्रदोषव्यापिनीत्युक्तम् । भद्रामुखं त्यक्त्वा इति रात्रिपर्यन्त भद्रापक्षे । प्रदोषकालः- सूर्यास्त से १ घंटा १२ मि. (३ घटी) तक के समय को प्रदोष काल कहते हैं । शास्त्र अनन्त है-अनन्तपारं किल शब्दशास्त्रम् ।

हद्दासारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
बृ.६	शु.८	बु.६	मं.७	गु.६	बु.७	श.६	मं.७	गु१२	बु.७	बु.७	शु१२	स्वामि-अंश
शु.६	बु.६	शु.६	शु.६	शु.५	शु१०	बु.८	शु.४	शु.५	गु.७	शु.६	गु.४	स्वामि-अंश
बु.८	बृ.८	बृ.५	बु.६	श.७	गु.५	गु.७	बु.८	बु.४	शु.८	गु.७	बु.३	स्वामि-अंश
मं.५	श.५	मं.७	बृ ७	बु.६	मं.७	शु.७	गु ५	मं.५	श.४	मं.५	मं.९	स्वामि-अंश
श.५	मं.३	श.६	श.४	मं.६	श.२	मं.२	श.६	श.४	मं.४	श.५	श.२	स्वामि-अंश

होरा सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	अंशाः १५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

त्रिशांश सारिणी

विषमे त्रिशांशा							समे त्रिशांशा						
अंशाः	मेष	मि.	सिंह	तुला	धनु	कुंभ	वृष.	कर्क	क.	वृ.	म.	मी.	अंशाः
५	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	५
१०	११	११	११	११	११	११	६	६	६	६	६	६	१२
१८	९	९	९	९	९	९	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
२५	३	३	३	३	३	३	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
३०	७	७	७	.७	७	७	८	८	८	८	८	८	३०

सप्तमांश सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४।१७।८।३४
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८।३४।१७।०८
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२।५१।२५।२३
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७।८।३४।१७
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१।२५।४२।५१
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५।४२।५१।२६
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०।००।००।००

द्रेष्काण सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	गु.९	श१०	श११	गु१२	अंशाः१०
सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	गु.९	श१०	श११	गु१२	मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	२०
गु.९	श१०	श११	गु१२	मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	३०

तारा बोधाय

वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक और कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग देवें शेष बचे उसके अनुसार तारागुण चक्र द्वारा गुणदेखें। ध्यान रहे शेष शून्य बचे तो ९ संख्या का फल देखें।

नवमांश सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध	म.	कुं	मी.	राशयः अंश-क
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३।२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६।४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०।००
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३।२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६।४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०।००
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३।२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६।४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०।००

द्वादशांश सारिणी

मेष	वृष	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु	मी.	राशयः अंश-क
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२।३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५।००
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७।३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०।००
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२।३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५।००
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७।३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०।००
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२।३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५।००
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७।३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०।००

त्रिराशिपतिचक्रम्

मेष	वृष.	मि	कर्क	सिं.	क	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
सू.	शु.	श.	शु.	बृ	चं.	बु	मं.	श.	मं.	गु.	चं.	दिने
गु.	च.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	गु.	श.	मं.	गु.	चं.	रात्रौ

अथ हर्षबलम् –नंदत्रिषड्लग्नभवर्क्षपुत्रव्यया इनाद्धर्षपदं स्वभोच्चम्॥
त्रिभंत्रिभंलग्नभतः क्रमेण स्त्रीणां नृणां रात्रिदिनेषु तेषाम् ॥१॥

अर्थ– वर्ष लग्न में सूर्य ९, चंद्र ३, मंगल ६, बुध १, गुरु ११ भृगु ५ शनि १२ वे स्थान में होय तो हर्षता है और स्वगृही उच्च का ग्रह होता हैं सो हर्षबल देता है और लग्नकुण्डली में स्त्री. स्त्री. स्त्री. पु. पु. पु. ऐसी द्वितीयावृत्ति करके स्त्री गृह स्त्री गणना में आवे तो हर्षबल देता है और पुरुष ग्रह पु. गणना में आवे तो हर्षबल देता हैं और दिन में प्रवेश होय तो पुरुषग्रह हर्षबल देता है और रात्रि में वर्ष प्रदेश होय तो स्त्री ग्रह हर्षबल देता है। इसी तरह एक एक का हर्षबल ५ पांच का होता है जब चारों में बल आने से २० का पूर्ण बल होता है।

पंचवर्गी बलम् / नवांशाः

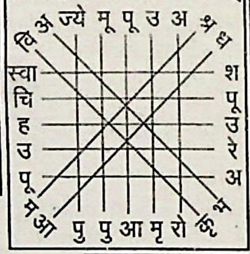
स्वक्षे	उच्च	हद्दा	द्रेष्का.	नवा.	सं	मे	वृष.	मि.	कर्क	
३० ०	२० ०	१५ ०	१० ०	५ ०	स्व.	सिं	क	तु.	वृश्चि	
२२ ३०	१५ ०	११ १५	७ ३०	३ ४५	मित्र	ध्व.	म	कु.	मी.	
१५ ०	१० ०	७ ३०	५ ०	२ ३०	सम.	३. २०	६ ४०	१० ०	१३ २०	
७ ३०	५ ०	३ ४५	२ ३०	१ १५	शत्रु	१६ ४०	२० ०	२३ २०	२६ ४०	३० ०

भद्रा-मुख-पुच्छ-घटी-ज्ञान

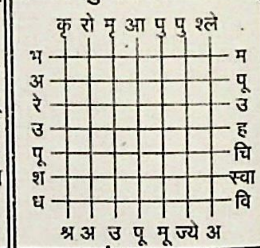
	शुक्ल पक्ष				कृष्ण पक्ष			
तिथि	४	८	११	१५	३	७	१०	१४
प्रहर	५	२	७	४	८	३	६	१
आदि मुख घटी	५	५	५	५	५	५	५	५
प्रहर	८	१	६	३	७	२	५	४
अंत पुच्छ घटी	३	३	३	३	३	३	३	३

तिथि भोग (आरंभ से अंत तक) के घट्यादि मान में ८ के भाग से लब्धांक १ प्रहर का मान होता है। तिथि के आरंभ से प्रहर की गणना करनी चाहिये।

विवाहे पंचशलाकाचक्रम्



सर्वकार्येषु सप्तशलाकाचक्रम्



अथ मांगलिक बोधाय

लग्ने व्यये च पाताले, जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्त्तुर्विनाशाय भर्त्ता कन्या विनाशकः॥

वर कन्या के परस्पर जन्मांग और राशिचक्र के लग्न, चतुर्थ, सप्तम्, अष्टम् और द्वादशभावों में अवस्थित मंगल परस्पर विनाशकारी है।

द्वादशराशिपरत्वे नवग्रहादिघातचक्रे मासतिथिनक्षत्रादिस्त्रीणां घातचन्द्रकोष्टकम्																	ल.भा.	
राशि	मास	तिथि	वार	नक्षत्र	योग	करण	प्र.	ल.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सी.	घ.	प.
मेष	कार्तिक	नंदा	रवि	मघा	विष्कं.	वव	१	१	४	१	५	२	६	७	३	८	१	३	३८
वृषभ	मार्ग.	पूर्णा	शनि	हस्त	शू.	श.	४	२	८	५	९	६	१०	१०	७	१२	८	४	११
मिथुन	आपाढ	भद्रा	चंद्र	स्वाती	परि.	चं.	३	४	१२	९	१	१०	२	३	११	४	७	५	२३
कर्क	पौष	भद्रा	बुध	अनु.	व्या.	ना.	१	७	५	२	६	३	७	८	४	९	९	५	४४
सिंह	ज्येष्ठ	जया	शनि	मूल	धृ.	व.	१	१०	९	६	१०	७	११	१२	८	१	५	५	५०
कन्या	भाद्र.	पूर्णा	शनि	श्रवण	शू.	कौ.	१	१२	१	१०	२	११	३	४	१२	५	३	५	४१
तुला	माघ	रिक्ता	गुरु	शत.	शू.	तै.	४	६	६	३	७	४	८	९	५	१०	६	५	४१
वृश्चिक	आश्वि.	नंदा	भृगु	रेवती	व्यती	ग.	१	८	१०	७	११	८	१२	१	९	२	२	५	५०
धनु	श्रावण	जया	शु.	भरणी	वरी	तै.	१	९	७	४	८	५	९	१०	६	११	१०	५	४२
मकर	वैशाख	रिक्ता	भौम	रोहिणी	वै.	श.	४	११	१२	८	१२	९	१	२	१०	३	११	५	२
कुंभ	चैत्र	जया	गुरु	आर्द्रा	गं.	किं.	३	३	२	११	३	१२	४	५	१	६	५	४	८
मीन	फाल्गुन	पूर्णा	शुक्र	आश्ले.	वै.	चं.	४	५	६	१२	४	१	५	६	२	७	१२	३	३५

चोरी लाभालाभ कोष्ठकम्			
अंध	मन्द	मध्य	सुलो.
रोहि.	मृग.	आ	पु.
पु.	आ.	म.	पू.
उ.	ह.	चि.	स्वा.
वि.	ऽनु.	ज्ये.	मू.
पू.	उ.	भि.	श्र.
ध.	श	पू	उ
रे.	अ.	भ.	कृ.
शीघ्र मि.पू.	दिन३ मि.द.	मा.१ मि.प.	मिले नहीं उ

॥ अथ ग्रहाणां मित्र सम शत्रूच्च-नीच-स्वगृह दृष्टि रत्नादिं कोष्टकम् ॥

ग्रहाणां नाम	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्रग्रहाः	चं.मं.गु.	सू.बु.	र.गु.चं.	सू.रा.शु.	सू.चं.मं.	बु.रा.श.	बु.रा.शु.	बु.श.शु.	बु.रा.शु
समग्रहाः	बु	मं.शु.गु.श.	शु.श.	श.मं.गु.	श.रा.	मं.गु.	गु.	गु.	गु.
शत्रुग्रहाः	श.रा.शु.	रा.	बु.रा.	चं.	बु.शु.	सू.चं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं.
उच्चराशयः परमोच्चांशाः	मेष १०	वृषभ ३	मकर २८	कन्या १५	कर्क ५	मीन २७	तुला २०	मिथुन ०	धनु १५
नीचराशयः नीचांशाः	तुला १०	वृश्चिक ३	कर्क २८	मीन १५	मकर ५	कन्या २७	मेष २०	धनु ०	मिथुन १५
ग्रहाणां स्वगृहाणि	सिंह	कर्क	मेष वृश्चिक	कन्या मिथुन	धनु मीन	तुला वृषभ	मकर कुंभ	कन्या	मीन
एकपाददृष्टिः	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	०।०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टिः	५।९	५।९	५।९	५।९	०।०	५।९	५।९	५।९	५।९
त्रिपाददृष्टिः	४।८	४।८	०।०	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८
संपूर्णदृष्टिः	७	७	४।७।८	७	५।९।७	७	३।१०।७	७	७
ग्रहाणांवर्षाणि	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
नेष्टग्रहस्य वर्षे दानोपायसाधन	हरिवंश श्रवण	रुद्रार्चन	रुद्रज	कांस्य-दान	अमावस्या व्रत	गोप्रति पालन	मृत्युंजय जप	भुजंग दान	ध्वजा दान
राशी भु.प्राक्.	मास १	दिन २।	मा.१॥	मास१	मा.१३	मास १	मा.३०	मा.१८	मा.१८
ग्रह रत्नानि.	माणक	मोति	प्रवाल	पन्ना	पुष्परा.	हीरा	नीलम	पिरोज	लसाठी
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
अष्टोत्तरीदशा	६	१५	८	१७	१९	२१	१०	१२	०
योगिनीदशा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	संकटा	
वर्ष ३६	१	२	३	४	५	६	७	८	
जन्मनक्षत्र वशात	आर्द्रा चि. श्र.	पुन स्वा. ध.	पु. वि. शत.	अश्वि.श्ले. अनु.पूभा.	भ.म.ज्ये. उ.भा.	कृ.पू.फा. मू.रे.	रो.उफा. पू.षा.	मृ.ह उ.षा.	

॥ वर्ण गुण चक्रम् १ ॥

वरस्य	→	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
कन्याया	विप्र	१	०	०	०
	क्षत्रिय	१	१	०	०
	वैश्य	१	१	१	०
	शूद्र	१	१	१	१

॥ गणगुण चक्रम् ६ ॥

वरस्य	→	देव	मनुष्य	राक्षस
कन्यायाः	देव	६	५	१
	मनुष्य	६	६	०
	राक्षस	०	०	६

॥ ग्रहगुण चक्रम् ५ ॥

वरस्य	→	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
कन्यायाः	सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
	चंद्र	५	५	४	१	४	॥	॥
	मंगल	५	४	५	॥	५	३	॥
	बुध	४	१	॥	५	॥	५	४
	गुरु	५	४	५	॥	५	॥	३
	शुक्र	०	॥	३	५	॥	५	५
	शनि	०	॥	॥	४	३	५	५

॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥

॥ नाड़ीगुण चक्रम् ८ ॥

वरस्य	→	आद्य	मध्य	अंत्य
कन्यायाः	आद्य	०	८	८
	मध्य	८	०	८
	अंत्य	८	८	०

॥ भकूट गुण बोधाय ७ ॥

वर कन्या की परस्पर राशि ३/११, ४/१० तथा ७/७ हों तो ७ गुण लेना अन्यथा शून्य गण लेना, द्विर्द्वादश, षडाष्टक, नव-पंचम (२/१२, ६/८, ९/५) में राशि स्वामी एक हो तो भी ग्राह्य है अन्यथा नहीं ।

॥ योनि गुण चक्रम् ४ ॥

वरस्य	→	अश्व	गज	मेष	सर्प	श्वान्	मार्जार	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
कन्यायाः	अश्व	४	२	३	२	२	३	३	२	०	१	३	२	२	१
	गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
	मेष	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	१	१
	सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
	श्वान्	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
	मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
	मूषक	३	३	३	१	१	०	४	३	३	२	३	२	१	२
	गौ	२	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
	महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
	व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
	मृग	३	३	३	२	०	३	३	३	३	१	४	२	२	१
	वानर	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२
	नकुल	२	२	१	०	२	२	१	२	२	२	२	२	४	२
	सिंह	१	०	१	२	२	२	२	१	१	३	१	२	२	४

॥ वश्य गुण चक्रम् २ ॥

वरस्य	→	चतुष्पद	मानव	जलचर	वनचर	कीट.
कन्यायाः	चतुष्पद	२	१	१	०	१
	मानव	१	२	॥	०	१
	जलचर	१	॥	२	१	१
	वनचर	०	०	१	२	०
	कीट.	१	१	१	०	२

॥ तारा गुण चक्रम् ३ ॥

वरस्य	→	१	२	३	४	५	६	७	८	९
कन्यायाः	१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
	४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
	६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
	८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
	९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

तात्कालिक मैत्री चक्रम्

मित्र	शत्रु
२, ३	१, ५
४, १०	६, ७
११, १२	८, ९

पञ्चधा मैत्री चक्रम्

१	मित्र + मित्र	अतिमित्र
२	मित्र + सम	मित्र
३	मित्र + शत्रु	सम
४	सम + शत्रु	शत्रु
५	शत्रु + शत्रु	अतिशत्रु

ज.जाग्रताद्यवस्था

विषमे	अंशाः	समे
जाग्रत्	१०	सुसुप्तिः
स्वप्न	२०	स्वप्न
सुषुप्तिः	३०	जाग्रत्

बालाद्यवस्था

विषमे	अंशाः	समे
बाला.	६	मृता.
कुमारा	१२	वृद्धा.
युवा.	१८	युवा.
वृद्धा.	२४	कुमारा
मृता.	३०	बाला.

अश्वचक्रम्

सूर्यभात	५	१०	२	४	५	२
अंगानि	स्कंधे	पृष्ठे	पुच्छे	चतु.	उदरे	मुखे
फलम्	लक्ष्मी	अर्थसिद्धि	स्त्रीनाश	रणभङ्ग	अश्वनाश	अर्थलाभ

अथ घातचन्द्राख्यं शालिन्याह - भूपञ्चाङ्कद्व्यङ्गदिग्वह्निसप्तवेदाष्टेशार्काश्च घातास्यचन्द्रः । मेषादीनां राजसेवाविवादे यात्रायुद्धाद्ये च नान्यत्र वर्ज्यः ॥२७॥ पीयूष.- भूपञ्चाङ्केति । मेषादीनां.. ।
पीताम्बरा - चन्द्रघात दोष - मेषादिक द्वादश राशियों के लिए क्रमश १, ५, ९, २, ६, १०, ३, ७, ४, ८, ११, १२ घात-चन्द्र दोष होता है । जैसे मेष राशि के लिए मेष का, वृषभ राशि का वृषभ से पञ्चम कन्या राशि इत्यादि का चन्द्रमा घात चन्द्रमा होता है। राजसेवा युद्ध यात्रा और विवाद में घात चन्द्रमा वर्ज्य है अन्यत्र वर्ज्य नहीं है ॥२७॥ - पीयूषधारा पृ. ४६९, निर्णयसिन्धु परि.३, पृ.५५७

भ्रात्रादीनां दायविभागमुहूर्त्तयन्त्रम् । (सम्पत्ति का बटवारा)

मासाः	चैत्र	वैशाख	ज्येष्ठ	आषाढ	श्रावण	भाद्रपद	आश्विन	कार्तिक	मार्गशीर्ष	पौष	माघ	फाल्गुन
मासफल	शोक	रोग	मरण	पशुनाश	धनसंप.	दरिद्र	कलहं	वृद्धि	धन	आनन्द	अग्निभय	सिद्धि
नक्षत्राणि	पुष्य	अनुराधा	श्रवण	चित्रा	रेवती	मूल	उत्तरा	धनिष्ठा	मृग.	शत.	०	०
वार	सोम	बुध	गुरु	शुक्र	चंद्रबल	तारावल	शुभयोग	०	शुभतिथि	०	०	०
वर्ज्यतिथि	१	४	९	१४	८	६	१२	३०	१५	भद्रा	अपयो	०

गृहारंभादिखननेशेषचक्रम् ।

दिशाकोण	अग्नौ खातः	ऐशान्यां खातः	वायौ खातः	नैऋत्या खातः
गृहारंभे संक्रांति	५। ६। ७	८। ९ ।१०	११।१२। १	२। ३। ४
देवालये संक्रांति	१२। १। २	३। ४ । ५	६। ७। ८	९।१०।११
जलाशये संक्रांति	१०।११।१२	१। २ । ३	४। ५। ६	७। ८। ९

कूप-वापी चक्रम्

रो. नक्ष.	३	३	३	३	३	३	३	३	३
दिशा	मध्ये	पूर्वे	आग्ने	दक्षिण	निर्ऋतौ	पश्चि.	वायौ	उत्तरे	ईशा.
फलम्	शीघ्र जल	जलं नास्ति	मध्यम जल	जल नाश	वहु जल	अमृत जल	क्षार जल	जल	मध्य जल

चुल्लीचक्रम् ।

सूर्यनक्षत्रात्	६	४	८	५	२	२
फल	सुख	मृत्यु	सौख्य	नाश	भोग	मृत्यु
अंग	पृष्ठ	शिर	वाहु	गर्भ	कर	पाद

चुल्लीस्थापनमहूर्तयन्त्रम् ।

वाराः	सू.	सो.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.
वारफल	रोग	धनधान्यं	भार्यानाश	लाभ	लक्ष्मी	धननाश	दरिद्र
ग्राह्यनक्षत्र	पूर्वा-३	आर्द्रा	रो. पु.	उत्तरा	अश्विनी	चं.वल	शु.तिथि

द्वारशाखा (चोगट) रोपणमुहूर्तयन्त्रम् ।

काष्ठशाखा	अश्वि.	पु.	मृ.	पाषाणशाखा	ध.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
रोपण नक्षत्र	ह.	श्र.	स्वा.	नक्षत्र	श.			
तिथिफल	१	२।१०	३	४।१४	५।१५	६	७	८।९
	दुःख	धननाश	शुभ	अशुभ	धनलाभ	अशुभ	धन	शुभ
त्याज्यवारादि	मं.	श.	चं.	सू.	त्रिपुष्कर	कृत्तिका	पंचक	०

स्त्रीणांचोटीआटीचम्बरमुहूर्त ।

हस्त, मूल, रोहिणी, विशाखा, श्रवण, स्वाति, उत्तरा ३, मृग, वृहस्पति, चन्द्र, शुक्र, सूर्यवार, लग्न ५।४।१२।८।२।३, इन नक्षत्रादिकों मे स्त्रियों ने आटी माथा गुथाणा ।

विपणी (दुकान) वाणिज्य मुहूर्त ।

अनु. उत्तरा, पुष्य, रेवती, रोहिणी, मृग, चित्रा, अश्विनी, अभिजित्, हस्त यह नक्षत्र, वृहस्पति, शुक्र, वुध, सोम, शुभ तिथि, शुभलग्न, लग्न में चंद्र शुक्र हो तो दुकान वैठाना श्रेष्ठ है ।

तडागारंभे तडागचक्रम्

सूर्यनक्षत्रात्	दिशा	फल
२	पूर्व	जलशोष
२	अग्नि	वहुजल
२	दक्षिण	जलनाश
२	निर्ऋति	शुद्धजल
२	पश्चिम	स्वादु
२	वायु	जलशोप
२	उत्तर	स्थिरजल
२	ईशान्य	कुत्सितजल
५	मध्य	पूर्णजल
६	वारिवाह	अमृतजल

गृहप्रवेशे वामार्कज्ञानचक्रम् ।

दिशा	पूर्वमुखे	दक्षिणमुखे	पश्चिममुखे	उत्तरमुखे
लग्नात्सूर्य स्थानि	८।९।१० ११।१२	५।६।७ ८।९	२।३।४ ५।६	११।१२।१ २।३
वामो रविः	रवि	रवि	रवि	रवि

स्तंभस्थापने स्तंभचक्रम् ।

सूर्यनक्षत्रात्	२	२०	६	०
फल	धननाश	सौख्य	मृत्यु	०
काष्टस्तंभस्थापने त्याज्यनक्षत्र	धनिष्ठा	शत-भिषा	पू.भा.	उ.भा. रेवती

द्वारशाखाचक्रम् ।

सूर्यभात् गणना	४	८	८	३	४
अंग	शिर	कोण	शाखा	देहली	मध्य
फलं	लक्ष्मीप्राप्ति	उद्वसन	सौख्य	स्वामीनाश	सौख्य

यात्रा मुहूर्त विचार

अश्विनी, मृग, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त,अनुराधा, श्रवण, धनिष्टां,रेवती यह नक्षत्र यात्रा में श्रेष्ठ हैं । रोहिणी. उ.३, पू.३, मू. मध्यम और आश्लेषा, मघा, चित्रा, स्वाति, विशाखा,ज्येष्ठा नेष्ट हैं । तिथि ४।९।१४।६।१२।३० नेष्ट हैं । जन्म लग्न और राशि से अष्टम ८ लग्न नेष्ट, कुंभ लग्न और कुंभ नवमांश में मीन पृष्ठोदय लग्न और घात चन्द्र नेष्ट हैं । लग्न से शुभ ग्रह १।४।७।१०।९।५ श्रेष्ठ । पापग्रह ३।६।१०।११ श्रेष्ठ । शनि १०, शुक्र ७, चन्द्र १।६।८।१२, लग्नेश ६।७।८।१२ नेष्ट हैं ।

नूतनशकट (गाडा) चलाणेरा मुहूर्त ।

अदितिक्षिप्रभशाक्रमृदुस्तथा
भृगुजवाक्पतिपूर्णजयातिथौ ॥
शकटनावसुखासनशिल्पिका
भ्रमणिकाद्यरहट्टकसिद्धिदम् ॥१॥

टीका - पुनर्वसु, पुष्य, अश्विनी, हस्त, ज्येष्ठा, मृग, चित्रा, अनुराधा, रेवती, शुक्रवार, गुरुवार, ५।१०।१५।३।८।१३ यह तिथि गाडी, नौका, आसण, पालखी,हिंडोरा, रहट इत्यादि शु० काम में शुभ ।

कर्ण वेध मु. चक्रम्

नक्षत्राणि	अश्वि.पुन.पुष्य.हस्त,चित्रा अनु.मूल,श्रव,धनि.रेवती
वाराः	सोम, वुध, गुरु, शुक्र.
शुभ तिथि	२, ३, ५, ७ १०, ११, १३ कृ. १

(१) सूर्यसंक्रान्ति से ५।७।९।१५।२१।२४ दिन घरती सूती जानना, (२)सूर्यनक्षत्रात् ५।७।९।१२।१९।२६ भूशयनं केचित् । नोट-पञ्चाङ्ग में प्रथमपक्ष का ग्रहण किया है ।

भद्राअंगविभागफलचक्रम् ।

घडी	५	१	११	४	६	३
अंग	मुख	गल	वक्ष	नाभि	कटि	पुच्छ
फल	हानि	मृत्यु	दरिद्र	उन्मत्तता	नाश	जय

सूर्यभात् काष्ठगोमयसंचयचक्रम्

नक्षत्र	६	२	४	४
फल	रसपाक	शवदाह	सर्पभय	सुहृत्संगम
नक्षत्र	४	४	०	४
फल	रोग	भय	०	सुख

ग्रहणे चूडामणियोगः- व्यासः-"रविग्रहः सूर्यवारे सोमे सोमग्रहस्तथा । चूडामणिरिति स्यातस्तत्र दत्तमनन्तकम् वारेष्वन्येषु यत्पुण्यं ग्रहणे चन्द्रसूर्ययोः ॥ तत्पुण्यं कोटिगुणितं योगे चूडामणौ स्मृतम् ॥ व्यासजी कहते हैं कि, रविवार को सूर्य और सोमवार को चन्द्रग्रहण होय तो यह चूडामणियोग है इसमें दिया हुआ अनन्त होता है जो और वारों मे चन्द्र-सूर्य के ग्रहण में दान जप का फल है उससे चूडामणियोग में करोड गुणा फल है ॥

अथ मासेश्वरान् स्त्रीणां चन्द्रवलं च वसन्ततिलकयाह - मासेश्वराः सितकुजेज्यरवीन्दुसौरिचन्द्रात्मजास्तनुपचन्द्रदिवाकराः स्युः । स्त्रीणां विधोर्वलमुशन्ति विवाहगर्भसंस्कारयोरितरकर्मसु भर्तुरेव ॥९॥ - पीयू.२३५
भावार्थ - विवाह गर्भाधान, पुंसवन और सीमन्त संस्कारों मे दोनों पतिपत्नियों का चन्द्रवल ग्रहण करना चाहिए । अन्य कर्मों में वस्त्रपरिधान अलंकार (आभूषण) धारण में पति का ही चन्द्रवल विचारणीय होता है ॥९॥
राजमार्त्तण्डे-पाणिपीडनविधेरनन्तरं भर्तुरेव वलमैन्दवादिकम् । चिंतनीयमिह योषितां कश्चित्रष्टमंगलमृते मनीषिभिः॥६२॥ विवाह के वाद गर्भाधान पुंसवनादि अभीष्ट मंगल छोड अन्य कार्यों में पति का ही चन्द्रवल देखना चाहिए ॥६२॥

वर्षप्रवेशसारिणी

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
दिन	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
वर्ष	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
दिन	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५
घटी	१	१६	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१
पल	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
वर्ष	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
दिन	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	०	१
घटी	४७	२	१८	३३	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७
पल	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

जव किसी को वर्ष निकालना हो तो इस सारिणी से उसी वक्त निकाल लेना चाहिये। क्रिया - वर्तमान सम्वत् में जन्म समय का सम्वत् घटाने से गत वर्ष होता है उसी गत वर्ष के अंक के नीचे सारिणी में अंक, वारादि हैं, सो पाटी पै लिख के जन्म का वार इष्ट घटी जोड़ने से वर्षप्रवेष होता है, परंतु इतना ध्यान रक्खै कि, उपरके अंक में ७ से अधिक होवे तो ७ का भाग देना, लब्ध त्याग देना और नीचे साठि से ज्यादा हो तोसाठि के भाग से लब्ध ऊपर युक्त करने से वर्षप्रवेश का वारादि होगा। जन्म सूर्य स्पष्ट से देखना वार मिलेगा। इत्यलम्।

राशि अक्षर विशेषः -

नक्षत्र व राशि में (श) और (स) तथा (व) एवं (व) एक समझना। नाम में जहां दो अक्षर (क्ष,ज्ञ,द्य,त्र) जुड़े हों वहां पहले अक्षर से देखना चाहिये (संयोगजाक्षरे नाम्नि ग्राह्य तत्र आदिम् अक्षरम्)। यथा - ज्ञानचन्द्र की (जज्ञोर्ज्ञः) मकर राशिः। क्षेमचन्द्र की (क.ख. संयोगे क्ष) मिथुन राशि द्यालाराम की (द. य. संयोगे द्य) कुम्भराशि। राशि के अक्षरों में ऋलृक् या अनुस्वार, मात्रा नहीं होती हैं, इ उ ए ओ व आदि होते हैं। जैसे ऋषिकुमार।

राशि चक्रम्।

चु	चे	चो	ला	लि	लु	ले	लो	अ	मेषः
इ	उ	ए	ओ	व	वि	वु	वे	वो	वृषः
क	कि	कु	घ	ङ	छ	के	को	ह	मिथुन
हि	हु	हे	हो	ड	डि	डु	डे	डो	कर्कः
म	मि	मु	मे	मो	ट	टि	टु	टे	सिंहः
टो	प	पि	पू	ष	ण	ठ	पी	पो	कन्या
र	रि	रु	रे	रो	त	ति	तु	ते	तुला
तो	न	नि	नु	ने	नो	या	यि	यु	वृश्चिकः
ये	यो	भ	भि	भू	धा	फा	ढा	भे	धनुः
भो	ज	जी	जु	जे जो	ख खि	खु खे	खो ग	गि	मकरः
गु	गे	गो	स	सि	सु	से	सो	द	कुंभः
दि	दु	थ	झ	ञ	दे	दो	च	चि	मीनः

छिक्काशब्दस्य फलज्ञानचक्रम्।

दिशा	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	ईशान	अग्नि	नैऋति	वायव्य	ऊर्ध्व	मध्य	आत्मछिंका
फल	अशुभ	अग्नि	मिष्टान्न प्राप्ति	कलह	शुभ	शोक	शुभ	धन लाभ	शुभ	भय	भय

त्रिविष-घटी चक्रम्।

नक्षत्र	घटी	नक्षत्र	घटी
अश्विनी	५०	स्वाती	१४
भरणी	२४	विशाखा	११
कृतिका	३०	अनुराधा	१०
रोहिणी	४०	ज्येष्ठा	१४
मृग	१४	मूल	५६
आर्द्रा	२१	पू.षा.	२४
पुनवर्सु	३०	उ.षा.	२१
पुष्य	२०	श्रवण	१०
आश्लेषा	३२	धनिष्ठा	१०
मघा	३०	शतभि	१८
पू.फा.	२०	पू.भा.	१६
उ.फा.	१८	उ.भा.	२४
हस्त	२१	रेवती	३०
चित्रा	२०	००	००

तिथि-विष घटीचक्रम्

तिथि	घटी
प्रतिपदा	१५
द्वितीया	५
तृतीया	८
चतुर्थी	७
पंचमी	६
षष्ठी	५
सप्तमी	४
अष्टमी	८
नवमी	७
दशमी	१०
एकादशी	३
द्वादशी	१२
त्रयोदशी	१४
चतुर्दशी	७
पौर्णि.अमा.	८

॥ ग्रामवाससेवा-चक्रम् (साभि.) ॥

ग्राम-नक्षत्रात्	७ मस्तके	७ पृष्ठे	७ हृदि	७ पादे
फलं	धनीनान्य	हीनदरिद्र	सुखसंपत	पर्यटन
स्वामि-नक्षत्रात्	७ मस्तक	७ पृष्ठ	७ कुक्षि	७ पाद
फलं	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

विवाह में विहित मास - मिथुनकुम्भमृगाऽलिवृषाजगे मिथुनगेऽपि रवौ त्रिलवे शुचेः। अलिमृगाजगते करपीडनं भवति कार्तिकपौषमधुष्वपि ॥१३॥ **भावार्थः -** मिथुन, कुम्भ, मकर, वृश्चिक, वृष और मेष इन छै राशियों में सूर्य के रहने पर विवाह होता है। यदि सूर्य मिथुन राशि मे रहे तो आषाढ मास के प्रथम त्रिभाग में (अर्थात् शुक्ल पक्ष की पड़िवा से १० मी तक) वृश्चिक में रहे तो कार्तिक-मार्ग. मास में मकर में रहे तो पौष मास और मेष राशि में रहें तो चैत्रमास में विवाह करना चाहिये (अपिच- सौरमास व देशाचार प्रधान हैं)।

विवाहादि शुभकार्यों में होलाष्टक का त्याग - विपाशेरावतीतीरे शुतुद्र्वाश्च त्रिपुष्करे। विवाहादिशुभे नेष्टं होलिकाप्राग्दिनाष्टकम् ॥४०॥ **भावार्थः -** विपाशा, इरावती और शुतुद्रु नदियों के तट में वसने वाले देशों में और त्रिपुष्कर देश में होलिका (फाल्गुन की पूर्णमासी) से आठ दिन पूर्व (अर्थात् फाल्गुन शुक्ला ८ मीसे पूर्णमासी तक) विवाह आदि शुभकार्य में निन्दित हैं।

हलप्रवाहमुहूर्तः

अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढा, मघा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, श्रवण, रोहिणी, मृग, रेवती, उत्तरा-फाल्गुनी, उत्तराषाढा, उत्तरा-भाद्रपदा यह नक्षत्र शुभ है। गुरु, शुक्र, बुध, सोम, रवि यह वार शुभ हैं। ७।८।१०।११।१३।५।१ यह तिथि श्रेष्ठ है। २।३।६।१२ लग्न शुभ हैं।

सूर्यभात् हलचक्रम्।

नक्षत्र	३	३	३	५
फल	हानि	वृद्धि	हानि	वृद्धि
नक्षत्र	३	५	३	२
फल	हानि	वृद्धि	हानि	वृद्धि

॥ देव-प्रतिष्ठा मुहूर्त्तः ॥

मासशुद्धि	उत्तरायणे- मेष, वृष, मिथुन, मकर, कुंभ उग्रदेवानां दक्षिणायने तु कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक सक्रांतिमासाः अपि ग्राह्याः
नक्षत्राणि	अश्वि,रोहि, मृग, पुन, पुष्य, उफा, हस्त, चित्रा, स्वा, अनु, उषा, श्रव, धनि, शत, उभा, रेव,
तिथयः	कृष्णा - शुक्ला २, ३, ५, ६, ७ शुक्ला १०, ११, १२, १३, १५ ग्राह्याः
वाराः	रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र, शनि
लग्नादि-शुद्धिः	लग्न - २, ३, ६, ९, १२, लग्नात् ८, १२ भावरिक्तौ। दिवाकाले, पापरहितेष्वविद्धभेषु गुरुशुक्रयोरुदितयोः। नूतने तु वास्तुशांतिमपि.
पापग्रहाः (उग्र/क्रूराः वा)- सूर्य, मंग., शनि, राहु, केतु	

अथ क्रूराक्रान्तादिनक्षत्रदोषं सापवादमनुष्टुभाह - ऋक्षाणि क्रूरविद्धानि क्रूरमुक्तादिकानि च। भुक्त्वा चन्द्रेण मुक्तानि शुभार्हाणि प्रचक्षते ॥५८॥ **अर्थ -** जिस नक्षत्र पर पापग्रह का वेध हो, जिस नक्षत्र पर पापग्रह का योग हो अर्थात् वैठा हो या जिस नक्षत्र को भोगकर पापग्रह ने उसे छोड़ दिया हो तो वह नक्षत्र यदि चन्द्रमा से भुक्त हो जाय तो ऊपर के सभी दोष मिट जाते हैं अन्यथा वह नक्षत्र संस्कार के योग्य नहीं होता है। पीयूषधारा पृ.३७९

दशमसारिणी सुगमा.

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
९ मकर	४ १९	४ ३०	४ ४१	४ ५१	५ १	५ १२	५ २३	५ ३३	५ ४३	५ ५३	६ ३	६ १३	६ २३	६ ३३	६ ४३	६ ५३	७ २	७ १२	७ २२	७ ३२	७ ४२	७ ५२	८ २	८ १२	८ २२	८ ३२	८ ४२	८ ५२	९ २	९ १२
१० कुंभ	९ २२	९ ३२	९ ४२	९ ५२	१० २	१० १२	१० २२	१० ३१	१० ४०	१० ४९	१० ५९	११ ८	११ १७	११ २६	११ ३६	११ ४५	११ ५४	१२ ४	१२ १३	१२ २२	१२ ३१	१२ ४१	१२ ५०	१२ ५९	१३ ८	१३ १८	१३ २७	१३ ३६	१३ ४६	१३ ५५
११ मिन	१४ ४	१४ १३	१४ २२	१४ ३२	१४ ४१	१४ ५०	१५ ०	१५ ९	१५ १८	१५ १७	१५ ३७	१५ ४६	१५ ५५	१६ ४	१६ १४	१६ २३	१६ ३२	१६ ४१	१६ ५१	१७ ०	१७ ९	१७ १९	१७ २८	१७ ३७	१७ ४६	१७ ५६	१८ ५	१८ १४	१८ २३	१८ ३३
० मेष	१८ ४२	१८ ५१	१९ ०	१९ १०	१९ १९	१९ २८	१९ ३८	१९ ४८	१९ ५८	२० ८	२० १८	२० २८	२० ३८	२० ४८	२० ५८	२१ ८	२१ १८	२१ २७	२१ ३७	२१ ४७	२१ ५७	२२ ७	२२ १७	२२ २७	२२ ३७	२२ ४७	२२ ५७	२३ ७	२३ १७	२३ २७
१ वृषभ	२३ ३७	२३ ४७	२३ ५७	२४ ७	२४ १७	२४ २७	२४ ३७	२४ ४८	२४ ५८	२५ १०	२५ २०	२५ ३१	२५ ४२	२५ ५२	२६ ३	२६ १३	२६ २४	२६ ३५	२६ ४६	२६ ५६	२७ ७	२७ १८	२७ २९	२७ ४०	२७ ५०	२८ १	२८ १२	२८ २३	२८ ३३	२८ ४४
२ मिथुन	२८ ५५	२९ ६	२९ १६	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० १०	३० २१	३० ३२	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १५	३१ २६	३१ ३६	३१ ४७	३१ ५८	३२ ९	३२ १९	३२ ३०	३२ ४१	३२ ५२	३३ ३	३३ १३	३३ २४	३३ ३५	३३ ४६	३३ ५६	३४ ७
३ कर्क	३४ १८	३४ २९	३४ ३९	३४ ५०	३५ १	३५ १२	३५ २३	३५ ३३	३५ ४३	३५ ५३	३६ ३	३६ १३	३६ २३	३६ ३३	३६ ४३	३६ ५३	३७ २	३७ १२	३७ २२	३७ ३२	३७ ४२	३७ ५२	३८ २	३८ १२	३८ २२	३८ ३२	३८ ४२	३८ ५२	३९ २	३९ १२
४ सिंह	३९ २२	३९ ३२	३९ ४२	३९ ५२	४० २	४० १२	४० २२	४० ३१	४० ४०	४० ४९	४० ५९	४१ ८	४१ १७	४१ २६	४१ ३६	४१ ४५	४१ ५४	४२ ३	४२ १३	४२ २२	४२ ३२	४२ ४१	४२ ५०	४२ ५९	४३ ८	४३ १८	४३ २७	४३ ३६	४३ ४५	४३ ५५
५ कन्या	४४ ४	४४ १३	४४ २२	४४ ३२	४४ ४१	४४ ५०	४५ ०	४५ ९	४५ १८	४५ २७	४५ ३७	४५ ४६	४५ ५५	४६ ४	४६ १४	४६ २३	४६ ३२	४६ ४१	४६ ५१	४७ ०	४७ ८	४७ १८	४७ २७	४७ ३७	४७ ४६	४७ ५५	४८ ४	४८ १४	४८ २३	४८ ३२
६ तुला	४८ ४१	४८ ५१	४९ ०	४९ १०	४९ १९	४९ २८	४९ ३८	४९ ४८	४९ ५८	५० ८	५० १८	५० २८	५० ३८	५० ४८	५० ५८	५१ ८	५१ १८	५१ २८	५१ ३७	५१ ४७	५१ ५७	५२ ७	५२ १७	५२ २७	५२ ३७	५२ ४७	५२ ५७	५३ ७	५३ १७	५३ २७
७ वृश्चिक	५३ ३७	५३ ४७	५३ ५७	५४ ७	५४ १७	५४ २७	५४ ३७	५४ ४८	५४ ५८	५५ ९	५५ २०	५५ ३०	५५ ४१	५५ ५२	५६ ३	५६ १३	५६ २४	५६ ३५	५६ ४६	५६ ५६	५७ ७	५७ १८	५७ २९	५७ ४०	५७ ५०	५८ १	५८ १२	५८ २३	५८ ३३	५८ ४४
८ धनु	५८ ५५	५९ ६	५९ १६	५९ २७	५९ ३८	५९ ४९	० ०	० १०	० २१	० ३२	० ४३	० ५३	१ ४	१ १५	१ २६	१ ३६	१ ४७	१ ५८	२ ९	२ १९	२ ३०	२ ४१	२ ५२	३ ३	३ १३	३ २४	३ ३५	३ ११	३ ५८	४ ९

देखिये न नतका काम न उन्नतका काम फक्त लग्नसारिणी में जिन अंकोंसे लग्न मालुम हुआ है उन्ही अंकोसे इस सारिणी में दशम सिद्ध होगा. उदाहरण जैसे सूर्य० मेषराशिका०अंशके दिन १५ पंद्रह घटी ४५ पैंतालीस पलमें दशम ० मेषराशिका ० पुर्ण अंश सिद्ध हुआ। **ज्योतिषी पण्डित हरदेवशर्मा (दांता रामगढ़)**

मुम्बई लग्नसारिणी अयनांशा: २४ चरखंडानि ४०।३२।१३ अक्षभा ४।७

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
मेष ०	३ १०	३ १८	३ २६	३ ३४	३ ४२	३ ५०	३ ५८	४ ६	४ १५	४ २४	४ ३६	४ ४२	४ ५१	५ ०	५ ९	५ १८	५ २७	५ ३६	५ ४५	५ ५३	६ २	६ ११	६ २०	६ २९	६ ३८	६ ४७	६ ५६	७ ५	७ १३	७ २२	२३८
वृष. १	७ ३१	७ ४०	७ ४९	७ ५८	८ ७	८ १६	८ २५	८ ३५	८ ४५	८ ५६	९ ६	९ १६	९ २७	९ ३८	९ ४७	९ ५८	१० ८	१० १८	१० २९	१० ३९	१० ४९	११ ०	११ १०	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५१	१२ २	१२ १२	१२ २२	२६७
मिथुन २	१२ ३३	१२ ४३	१२ ५३	१३ ४	१३ १४	१३ २४	१३ ३५	१३ ४६	१३ ५७	१४ ८	१४ १९	१४ ३१	१४ ४२	१४ ५३	१५ ४	१५ १५	१५ २७	१५ ३८	१५ ४९	१६ ०	१६ ११	१६ २३	१६ ३४	१६ ४५	१६ ५६	१७ ७	१७ १९	१७ ३०	१७ ४१	१७ ५२	३१०
कर्क ३	१८ ३	१८ १५	१८ २६	१८ ३७	१८ ४८	१८ ५९	१९ ११	१९ २२	१९ ३३	१९ ४४	१९ ५५	२० ६	२० १७	२० २८	२० ३९	२० ५०	२१ १	२१ १२	२१ २३	२१ ३४	२१ ४५	२१ ५६	२२ ७	२२ १८	२२ २९	२२ ४०	२२ ५१	२३ २	२३ १३	२३ २४	३३६
सिंह ४	२३ ३५	२३ ४७	२३ ५८	२४ ९	२४ २०	२४ ३१	२४ ४२	२४ ५२	२५ ३	२५ १३	२५ २४	२५ ३५	२५ ४५	२५ ५६	२६ ६	२६ १७	२६ २८	२६ ३८	२६ ४९	२६ ५०	२७ १०	२७ २१	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १४	२८ २४	२८ ३५	२८ ४५	३३१
कन्या ५	२८ ५६	२९ ७	२९ १७	२९ २८	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० १०	३० २१	३० ३१	३० ४२	३० ५३	३१ ३	३१ १४	३१ २४	३१ ३५	३१ ४६	३१ ५६	३२ ७	३२ १७	३२ २८	३२ ३९	३२ ४९	३३ ०	३३ १०	३३ २१	३३ ३२	३३ ४२	३३ ५३	३४ ३	३१८
तुला ६	३४ १४	३४ २५	३४ ३५	३४ ४६	३४ ५६	३५ ७	३५ १८	३५ २९	३५ ४०	३५ ५१	३६ २	३६ १३	३६ २४	३६ ३५	३६ ४६	३६ ५७	३७ ८	३७ १९	३७ ३०	३७ ४१	३७ ५२	३८ ३	३८ १४	३८ २५	३८ ३६	३८ ४७	३८ ५८	३९ ९	३९ २०	३९ ३१	३१८
वृश्चिक ७	३९ ४२	३९ ५४	४० ५	४० १६	४० २७	४० ३८	४० ३९	४१ ०	४१ ११	४१ २२	४१ ३४	४१ ४५	४१ ५६	४२ ७	४२ १९	४२ ३०	४२ ४१	४२ ५२	४३ ३	४३ १५	४३ २६	४३ ३७	४३ ४८	४३ ५९	४४ ११	४४ २२	४४ ३३	४४ ४४	४४ ५५	४५ ७	३३१
धनु ८	४५ १८	४५ २९	४५ ४०	४५ ५१	४६ ३	४६ १४	४६ २५	४६ ३५	४६ ४६	४६ ५६	४७ ६	४७ १७	४७ २७	४७ ३७	४७ ४८	४७ ५८	४८ ८	४८ १९	४८ २९	४८ ३९	४८ ५०	४९ ०	४९ १०	४९ २१	४९ ३१	४९ ४१	४९ ५२	५० २	५० १२	५० २३	३३६
मकर ९	५० ३३	५० ४३	५० ५४	५१ ४	५१ १४	५१ २५	५१ ३५	५१ ४४	५१ ५३	५२ २	५२ ११	५२ २०	५२ २८	५२ ३७	५२ ४६	५२ ५५	५३ ४	५३ १३	५३ २२	५३ ३१	५३ ४०	५३ ४९	५३ ५७	५४ ६	५४ १५	५४ २४	५४ ३३	५४ ४२	५४ ५१	५५ ०	३१०
कुंभ १०	५५ ९	५५ १८	५५ २६	५५ ३५	५५ ४४	५५ ५३	५६ २	५६ १०	५६ १८	५६ ३६	५६ ३४	५६ ४२	५६ ४९	५६ ५७	५७ ५	५७ १३	५७ २१	५७ २९	५७ ३७	५७ ४५	५७ ५३	५८ १	५८ ९	५८ १७	५८ २५	५८ ३३	५८ ४१	५८ ४८	५८ ५६	५९ ४	२६७
मीन ११	५९ १२	५९ २०	५९ २८	५९ ३६	५९ ४४	५९ ५२	० ०	० ८	० १६	० २४	० ३२	० ४०	० ४७	० ५५	१ ३	१ ११	१ १९	१ २७	१ ३५	१ ४३	१ ५१	१ ५९	२ ७	२ १५	२ २३	२ ३१	२ ३९	२ ४६	२ ५४	३ १	२६८

श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ लग्न सारणी ॥ घटी-पल, परमरविक्रान्ति २३° २६′ १९″

अक्षांशाः २८° १०′, अयनांशाः २४° ०′, अं.व्यंगु.पलभा ६।२३, चरखण्डाः६१।५८, ५०।३५, २०।४६, (खगोलिक अक्षांशाः २८° ०′ २३″)

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदयपलानि
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२१७।०९
०	५३	०	७	१५	२२	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२४	३२	४०	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	७।१४
वृष	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	२४८।३०
१	५३	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४२	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२२	३२	८।१७
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	३०१।०२
२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१०।०२
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	३४२।३५
३	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५९	११।२५
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४९।३९
४	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	११।३९
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४१।०४
५	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२१	११।२२
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३४१।०४
६	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	९	११।२२
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	३४९।३९
७	२१	३३	४४	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	११।३९
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	३४२।३५
८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५०	०	१०	११।२५
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३०१।०२
९	१९	२९	३८	४७	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	८	१७	२६	३४	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	१०।०२
कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४८।३०
१०	३७	४५	५३	०	८	१६	२३	३१	३८	४६	५३	१	८	१६	२३	३०	३८	४५	५२	५९	७	१४	२१	२८	३५	४२	५०	५७	४	११	८।१७
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२१७।०९
११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	१	९	१६	२३	३०	३८	४५	७।१४

यामार्द्धकुलिकादिचक्रम्

वारः	यामार्द्ध घ.			कुलिकाः	कालवेला	यमघण्टः	कंटकः
	सं.	प्रष्ट	नि.	कु.	का.	य.	कं.
सूर्यः	४	१२	१६	१४	८	१०	६
सोमः	७	२४	२८	१२	६	८	४
मंगलः	२	४	८	१०	४	६	२
बुधः	५	१६	१०	८	२	४	१४
गुरुः	८	८	३	६	१४	२	१२
शुक्रः	३	८	१२	४	१२	१४	१०
शनिः	६	०	२४	२	१०	१३	८

यामार्द्ध ४।४ घटी के अन्यकुलिकादि २।२ घटी के ६ मुहूर्त उक्त वारों के उक्त समय में होते है। शु. कृ. वे हैं।

तीक्ष्णदारुणनक्षत्राणि तत्कृत्यं च.

मूलेन्द्राद्राहिमं सौरिस्तीक्ष्णं दारुणसंज्ञकम्।
तत्राभिचारघातोग्रभेदाः पशुदमादिकम् ॥

मूल ज्येष्ठा आर्द्रा ऽश्ले शनिवार इनकी तीक्ष्ण तथा दारुण संज्ञा है इनमें अभिचार, घात, उग्र, भेद, पशुदमादिक कर्म करना श्रेष्ठ है ॥

ध्रुवसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

उत्तरात्रय-रोहिण्यो भास्करश्च ध्रुवं स्थिरम्।
तत्र स्थिरं बीजगेहशान्त्यारामादि सिद्धये ॥

तीनों उत्तरा (उत्तरा फाल्गुनी, उत्तराषाढा और उत्तरा भाद्रपद) और रोहिणी और रविवार इनकी ध्रुव तथा सिथर संज्ञा है. इनमें स्थिर कार्य, बीज बोना, गृहारम्भ, शान्तिकर्म इत्यादि कार्य शुभ होते है।

उग्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

पूर्वात्रयं याम्यमघे उग्रं क्रूरं कुजस्तथा।
तस्मिन् घाताग्निशाठ्यानि विषशस्त्रादि सिद्ध्यति ॥

तीनों पूर्वा (पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढ, पूर्वाभाद्रपद) भरणी और मघा मंगलवार इंनकी उग्र तथा क्रूर संज्ञा है. इनमें उग्र (शस्त्रादि निर्माण कार्य) और क्रूर कार्य होते हैं।

चरसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

स्वात्यादित्ये श्रुतेस्त्रीणि चन्द्रश्चापि चरं चलम्।
तस्मिन्गजादिकारोहो वाटिकागमनादिकम् ॥

स्वाती, पुनवसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा नक्षत्र और चन्द्रवार इनकी चर और चल संज्ञा है। इन नक्षत्रों में हाथी, घोड़े आदि सवारी (मोटरगाड़ी आदि सभी तरह की सवारियाँ) शुभ होता है।

मिश्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

विशाखाग्नेयमे सौम्यो मिश्रं साधारणं स्मृतम्।
तत्राग्निकार्य मिश्रं च वृषोत्सर्गादि सिद्ध्यति ॥

विशाखा, कृत्तिका तथा बुधवार इनकी मिश्र और साधारण संज्ञा है इनमें अग्निकार्य (अग्निहोत्र अर्थात् यज्ञ, हवनादि) मिश्रकार्य और वृषोत्सर्ग (मनोरथ पूर्ति के लिए वृषोत्सर्ग) करना शुभ है।

मृदुसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

मृगान्त्यचित्रानित्रर्क्षं मृदु मैत्रं भृगुस्तथा।
तत्र गीताम्बरक्रीडा मित्रकार्यं विभूषणम् ॥

मृगशिरा, रेवती, चित्रा, अनुराधा तथा शुक्रवार इनकी मृदु और मैत्र संज्ञा है इनमें गीत गाना, वस्त्र बनाना और पहनना, खेल खेलना, मित्र सम्बन्धी कार्य और भूषणों का बनाना तथा पहनना ये सब शुभ होते हैं।

क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

हस्ताश्वि-पुष्याभिजितः क्षिप्रं लघु गुरुस्तथा।
तस्मिन्पण्यरतिज्ञानं भूषाशिल्पकलादिकम्।

हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित नक्षत्र और गुरुवार इनकी क्षिप्र और लघु संज्ञा हैं। इनमें पण्य (दुकान) खोलना, रति, शास्त्रविद्या का ज्ञान, भूषणों का बनाना और पहनना, शिल्प (चित्रकारी) कला (गान वाद्य नृत्यादि कला) कर्म शुभ होते हैं।

वर्षा-विषये	**स्वामीसूर्य**- रोहि., मृग., पू.फा., उ.फा., हस्त, चित्रा, स्वाति, विशा., अनु., ज्येष्ठा, मूल, शत., उ.भा. ॥ **स्वामीचन्द्र**- अश्वि., भर., कृति., आर्द्रा, पुन., पुष्य, आश्ले., मघा, पू.षा., उ.षा., श्रव., धनि., पू.भा., रेवती। **नपुंसक संज्ञक नक्षत्र**- विशाखादि ज्येष्ठान्त ३ नक्षत्र (विशा., अनु., ज्येष्ठा) **स्त्रीसंज्ञक नक्षत्र** - आर्द्रादि स्वात्यन्त १० नक्षत्र (आर्द्रा, पुन., पुष्य, आश्ले, मघा, पू.फा., उ.फा., हस्त, चित्रा, स्वाती), **पुरुष संज्ञक नक्षत्र** - मूलादि मृगशीर्ष पर्यन्त १४ नक्षत्र (मूल, पू.षा., उ.षा., श्रव., धनि., शत., पू.भा., उ.भा., रेवती, अश्वि., भर., कृति., रोहि., मृग.) - **बृहद् दैवज्ञ विनोद, पृष्ठ २७०** **वाहन**- सूर्य के नक्षत्र से दिन (चन्द्र) के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग दें। १ शेष रहे तो अश्व, २ जम्बूक, ३ मंडूक, ४ मेष, ५ चातक, ६ मूषक (ग्रंथांतर मृग), ७ महिष, ८ खर, ९ या ० नाग। **वृ.दै.वि.**

वर्षा देखने की विधि - जिस दिन (वर्षाऋतु मे) देखना हो उस दिन का - सूर्य जिस नक्षत्र पर हो वह नक्षत्र और चन्द्रमा जिस नक्षत्र पर हो वह नक्षत्र ग्रहण करें। दोनों के नक्षत्र स्त्रीसंज्ञक हों तो अल्पवृष्टि, एक स्त्रीसंज्ञक और दूसरा पुरुष संज्ञक हो तो उत्तमवृष्टि और एक स्त्रीसंज्ञक दूसरा नपुंसक संज्ञक हो तो अनावृष्टि हो। जैसे कि सूर्य आर्द्रा नक्षत्र पर है (स्त्रीसंज्ञक, स्वामी चन्द्र) और चन्द्रमा पू.फा. पर है (स्त्रीसंज्ञक, स्वामी सूर्य) तो पंक्ति बन गई - "संज्ञा स्त्री.स्त्री., स्वामी चं.सू., वाहन (सूर्य नक्षत्र आर्द्रा से चन्द्रमा नक्षत्र पू.फा., संख्या ६) मूषक, अल्पवृष्टिः" ॥

संवत् २०७७ मध्ये ग्रहक्रमांकेन ग्रहाणाम् स्फुटीकृतं ॥ ग्रहों के राशी, नक्षत्र, (गुरु, शनि, राहु, केतु के चरण) वक्री, मार्गी, उदय और अस्त के परिवर्तन समय (सन २०२०-२१)

सूर्य राशि प्रवेश

१३। ४	मेषे	१९।४८
१४। ५	वृषे	१६।४१
१४। ६	मिथुने	२३।२२
१६। ७	कर्के	१०।१९
१६। ८	सिंहे	१८।४९
१६। ९	कन्या.	१८।४९
१७।१०	तुलायां	६।४८
१५।११	वृश्चिके	३०।३३
१५।१२	धनुषि	२१।०८
१४। १	मकरे	७।४७
१२। २	कुंभे	२०।४१
१४। ३	मीने	१७।२९

सूर्य नक्षत्र प्रवेश

३१। ३	रेव.	६।२८
१३। ४	अश्वि.	१९।४८
२७। ४	भर.	११।३८
११। ५	कृत्ति.	५।४८
२४। ५	रोहि.	२६।०३
७। ६	मृगे	२३।५७
२१। ६	आर्द्रा.	२२।५९
५। ७	पुन.	२२।३६
१९। ७	पुष्ये	२२।१०
२। ८	श्लेषा.	२१।०६
१६। ८	मघा.	१८।४९
३०। ८	पूफा.	१४।४९
१३। ९	उफा.	८।४३
२६। ९	हस्ते	२४।१४
१०।१०	चित्रा.	१३।१४
२३।१०	स्वा.	२३।४४
६।११	विशा.	७।५२
१९।११	अनु.	१३।५३
२।१२	ज्येष्ठा.	१८।०९
१५।१२	मूले	२१।०८
२८।१२	पूषा.	२३।१९
१०। १	उषा.	२५।१६
२०। १	अभि.प्र.	२०।५४
२३। १	श्रव.	२७।३२
२४। १	अभि.नि.	२४।३०
५। २	धनि.	३०।३९
१९। २	शत.	११।०७
४। ३	पूभा.	१७।२३
१७। ३	उभा.	२५।४८
३१। ३	रेव.	१२।३७

भौम राशि प्रवेश

४। ५	कुंभे	२०।४१
१८। ६	मीने	२१।३५
१६। ८	मेषे	२२।१७
४।१०	मीने	(व) १८।०३
२३।१२	मेषे	२९।४०
२१। २	वृषे	२५।३४

भौम नक्षत्र प्रवेश

३१। ३	अभि.प्र.	२८।४०
५। ४	श्रव.	२३।४६
७। ४	अभि.नि.	६।२७
२४। ४	धनि.	२८।५२
१४। ५	शत.	१४।१३
३। ६	पूभा.	१०।२१
२४। ६	उभा.	५।४३
१७। ७	रेव.	६।०६
१६। ८	अश्वि.	२२।१७
४।१०	रेव.	(व) १८।०३
२३।१२	अश्वि.	२९।४०
२२। १	भर.	९।३५
१५। २	कृत्ति.	२७।५७
११। ३	रोहि.	८।५१
२। ४	मृगे	२०।२८

भौम वक्री-मार्गी

१०। ९	वक्री	२०।२३
१४।११	मार्गी	१९।०३

भौम अस्तोदय नहीं है।

बुध राशि प्रवेश

७। ४	मीने	१६।२२
२४। ४	मेषे	२६।२२
९। ५	वृषे	९।०९
२४। ५	मिथुने	२२।४६
१। ८	कर्के	२७।४३
१७। ८	सिंहे	८।१२
२। ९	कन्या.	११।१७
२२। ९	तुलायां	१६।१२
२८।११	वृश्चिके	७।१४
१७।१२	धनुषि	११।१४
४। १	मकरे	२६।३६
२५। १	कुंभे	१४।३७
४। २	मकरे	(व) २५।१३
११। ३	कुंभे	११।३५
३१। ३	मीने	२६।०४

बुध नक्षत्र प्रवेश

३१। ३	पूभा.	८।१५
९। ४	उभा.	२१।३१
१७। ४	रेव.	२२।५०
२४। ४	अश्वि.	२६।२२
१। ५	भर.	१५।३८
७। ५	कृत्ति.	२०।२१
१३। ५	रोहि.	२५।४७
२०। ५	मृगे	२३।२०
२९। ५	आर्द्रा.	१२।३१
१४। ६	पुन.	५।५९
२२। ६	आर्द्रा.	(व) १२।५६
२६। ७	पुन.	१०।००
३। ८	पुष्ये	२४।५१
१०। ८	श्लेषा.	२०।०२
१७। ८	मघा.	८।१२
२३। ८	पूफा.	२७।३५
३१। ८	उफा.	१२।२६
८। ९	हस्ते	१५।१६
१७। ९	चित्रा.	१६।४२
२७। ९	स्वा.	२७।२९
२७।१०	चित्रा.	(व) १४।१६
११।११	स्वा.	२३।१५
२१।११	विशा.	१८।४५
३०।११	अनु.	१०।३४
८।१२	ज्येष्ठा.	२३।०६
१७।१२	मूले	११।१४
२५।१२	पूषा.	२०।४५
२। १	उषा.	२५।५०
८। १	अभि.प्र.	२८।०९
१०। १	श्रव.	२९।१७
११। १	अभि.नि.	१८।२८
१९। १	धनि.	२१।४२
१०। २	श्रव.	(व) २२।३७
५। ३	धनि.	७।०७
१६। ३	शत.	१८।२०
२५। ३	पूभा.	२३।३१
२। ४	उभा.	२४।०४
९। ४	रेव.	२९।०१

बुध वक्री-मार्गी

१८। ६	वक्री	२०।४३
१२। ७	मार्गी	२५।५७
१४।१०	वक्री	१२।४३
४।११	मार्गी	१२।४१
३१। १	वक्री	९।३९
२१। २	मार्गी	१९।२९

बुध अस्तोदय

१३। ४	पूर्वस्यामस्तः	२४।१०
१४। ५	पश्चि. उदयः	१०।२२
२९। ६	पश्चि. अस्तः	९।१८
११। ७	पूर्वस्यामुदयः	७।०५
७। ८	पूर्वस्यामस्तः	१४।५४
७। ९	पश्चि. उदयः	११।५२
१३।१०	पश्चि. अस्तः	२३।३२
३०।१०	पूर्वस्यामुदयः	२९।१६
३०।११	पूर्वस्यामस्तः	७।२१
९। १	पश्चि. उदयः	२२।१०
३। २	पश्चि. अस्तः	१५।४०
१४। २	पूर्वस्यामुदयः	१६।४७
२६। ३	पूर्वस्यामस्तः	२३।५७

गुरु राशि प्रवेश

२९। ३	मकरे	२७।३६
२९। ६	धनुषि	(व) २८।४७
२०।११	मकरे	११।१६
.५। ४	कुंभे	२३।१०

गुरु नक्षत्र प्रवेश

२९। ३	उषा. -२	२७।३६
२९। ६	उषा. -१	(व) २८।४७
२६। ७	पूषा. -४	(व) १५।१७
६। ९	पूषा. -३	(व) २६।०४
१९। ९	पूषा. -४	७।३३
३०।१०	उषा. -१	१०।४२
२०।११	उषा. -२	११।१६
७।१२	उषा. -३	१८।५५
२३।१२	अभि.प्र.	९।२६
६। १	श्रव. -१	२६।०९
१०। १	अभि.नि.	२१।५३
२०। १	श्रव. -२	३१।१६
४। २	श्रव. -३	८।२२
१८। २	श्रव. -४	११।५२
४। ३	धनि. -१	२४।३३
२०। ३	धनि. -२	७।२५
५। ४	धनि. -३	२३।१०

गुरु वक्री-मार्गी

१४। ५	वक्री	२८।०७
१३। ९	मार्गी	१७।०३

गुरु अस्तोदय

१७। १	पश्चि. अस्तः	२३।३६
१४। २	पूर्वस्यामुदयः	२६।२६

शुक्र राशि प्रवेश

२८। ३	वृषे	८।४५
१। ८	मिथुने	१३।१९
३१। ८	कर्के	२९।२९
२७। ९	सिंहे	२६।४५
२३।१०	कन्या.	१२।२१
१६।११	तुलायां	२६।२७
१०।१२	वृश्चिके	३०।०१
३। १	धनुषि	२९।११
२७। १	मकरे	२७।२६
२०। २	कुंभे	२६।१६
१६। ३	मीने	२६।४०
९। ४	मेषे	२९।५०

शुक्र नक्षत्र प्रवेश

८। ४	रोहि.	६।५८
२६। ४	मृगे	२४।५९
२८। ५	रोहि.	(व) १५।४६
२४। ७	मृगे	६।१४
८। ८	आर्द्रा.	२४।४०
२२। ८	पुन.	१६।०२
४। ९	पुष्ये	७।५४
१६। ९	श्लेषा.	९।५७
२७। ९	मघा.	२६।४५
९।१०	पूफा.	१२।५०
२०।१०	उफा.	१७।४७
३१।१०	हस्ते	१८।४३
११।११	चित्रा.	१६।३०
२२।११	स्वा.	११।५४
२।१२	विशा.	२९।३४
१३।१२	अनु.	२२।०३
२४।१२	ज्येष्ठा.	१३।४९
३। १	मूले	२९।११
१४। १	पूषा.	२०।२४
२५। १	उषा.	११।३७
२। २	अभि.प्र.	११।०६
४। २	श्रव.	२६।५६
५। २	अभि.नि.	१९।५८
१५। २	धनि.	१८।२५
२६। २	शत.	१०।१०
८। ३	पूभा.	२६।१७
१९। ३	उभा.	१८।५१
३०। ३	रेव.	१२।०१
९। ४	अश्वि.	२९।५०

शुक्र वक्री-मार्गी

१३। ५	वक्री	११।२६
२५। ६	मार्गी	२८।२८

शुक्र अस्तोदय

३०। ५	पश्चि. अस्तः	२३।१५
९। ६	पूर्वस्यामुदयः	६।१९
११। २	पूर्वस्यामस्तः	११।३८

शनि राशि मकरे (परिवर्त्तन नहीं है।)

शनि नक्षत्र प्रवेश

२। ४	अभि.प्र.	१६।४९
११। ६	अभि.नि.	(व) १८।३०
६। ८	उषा. -२	(व) १७।४५
१९।११	उषा. -३	२०।५१
२४।१२	अभि.प्र.	१६।२८
२२। १	श्रव. -१	५०।३९
२९। १	अभि.नि.	२२।००
१९। २	श्रव. -२	२२।५३
२४। ३	श्रव. -३	२५।४१

शनि वक्री-मार्गी

११। ५	वक्री	१८।५७
२९। ९	मार्गी	२२।४३

शनि अस्तोदय

९। ९	पश्चि. अस्तः	८।१२
१४। २	पूर्वस्यामुदयः	२४।४१

राहु राशि प्रवेश

२२। ९	वृषे	२६।५६

राहु नक्षत्र प्रवेश

२०। ५	मृगे -४	७।३८
२१। ७	मृगे -३	२९।१४
२२। ९	मृगे -२	२६।५६
२४।११	मृगे -१	२४।३५
२६। १	रोहि. -४	२२।१२
३०। ३	रोहि. -३	१९।४९

केतु राशि प्रवेश

२२। ९	वृश्चिके	२६।५६

केतु नक्षत्र प्रवेश

२०। ५	मूले -२	७।३८
२१। ७	मूले -१	२९।१४
२२। ९	ज्येष्ठा. -४	२६।५६
२४।११	ज्येष्ठा. -३	२४।३५
२६। १	ज्येष्ठा. -२	२२।१२
३०। ३	ज्येष्ठा. -१	१९।४९

नामानि	दिवा सहमानि नीलकंठमते	रात्रौ सहमानि
पुण्यम्.	चन्द्र में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करो।	सूर्य में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करना।
गुरु:विद्या	सूर्य में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	चन्द्र में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करना।
यशःबलम्	गुरु मे पुण्य सहम करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
मित्रम्	गुरु सहम में पुण्य हीन करके भृगु युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु सहम हीन करके शुक्र युक्त करना।
माहात्म्यं सौर्य	पुण्य सहम में मंगल हीन करके लग्न युक्त करो।	मंगल में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करना।
आशा.	शनि में शुक्र हीन करके लग्न युक्त करो।	शुक्र में शनि हीन करके लग्न युक्त करना।
सामर्थ्यम्.	मंगल में लग्नेश हीन करके लग्न युक्त करो। यदि लग्नेश भी भौम होय तो गुरु लेना।	लग्नेश में भौम हीन करके लग्न जोडना। लग्नेश भौम होय तो यहां गुरु ग्रहण करना।
भ्राता.	गुरु में शनि हीन करके लग्न युक्त करो।	शनि में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
गौरवम्	गुरु में चन्द्र हीन करके सूर्य युक्त करो। सूर्य राशि।	गुरु में सूर्य हीन करके चन्द्र युक्त करना। चन्द्र राशि।
राज्यम्. पिता.	शनि में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करो।	सूर्य में शनि हीन करके लग्न युक्त करना।
माता	चन्द्रमा में भृगु हीन करके लग्न युक्त करो।	भृगु में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करना।
स्त्री	सप्तमेश में भृगु हीन करके सप्तम भाव युक्त करो।	सप्तमेश में भृगु हीन करके शनि युक्त करना।
पुत्रः	गुरु में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	गुरु में चन्द्रमा हीन करके लग्न युक्त करना।
रोगः	लग्न में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	लग्न में चन्द्रमा हीन करके लग्न युक्त करना।
मृत्युः	अष्टमभाव में चन्द्र हीन करके शनि युक्त करो।	अष्टमभाव में चन्द्र हीन करके शनि युक्त करना।
देशान्तरम्	नवमभाव में नवमेश हीन करके लग्न युक्त करो।	नवमभाव में नवमेश हीन करके लग्न युक्त करना।
धनम्	धनभाव में धनभावेश हीन करके लग्न युक्त करो।	धनभाव में धनभावेश हीन करके लग्न युक्त करना।
वाणिज्यम्	चन्द्र में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	चन्द्र में बुध हीन करके लग्न युक्त करना।
प्रसूतिः	गुरु में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	बुध में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
श्रद्धा	भृगु में भौम हीन करके लग्न युक्त करो।	भृगु में भौम हीन करके लग्न युक्त करना।
बलम्	गुरु में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
देहः	गुरु में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
व्यापारः	भौम में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	भौम में बुध हीन करके लग्न युक्त करना।
रिपुः	भौम में शनि हीन करके लग्न युक्त करो।	शनि में भौम हीन करके लग्न युक्त करना।

गोरख पतडो

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	सौख्यं	क्लेशः	भीतिः	अर्था
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	शून्यं	नैःस्वम्	नैःस्वम्	मिश्रम्
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	धननाश	दुःखम्	इष्टाप्तिः	अर्था
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	लाभः	सौख्यम्	मंगलम्	वित्तलाभः
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	लाभः	द्रव्याप्तिः	धनम्	सौख्यम्
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	भयम्	लाभः	मृत्युः	अर्था
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	लाभः	कष्टम्	द्रव्यलाभः	सुखम्
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	कष्टम्	सौख्यम्	क्लेशः	सुखम्
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	सौख्यम्	लाभः	कार्यम्	कष्टम्
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	क्लेशः	कष्टात्[रि]	अर्थः	धनम्
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	मृत्युः	लाभः	द्रव्यलाभः	शून्यम्
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	शून्यम्	सौख्यम्	मृत्युः	अत्यंत-कष्टम्

अथ सहम करने की रीति :– सहमसांरिणी में जो सहम करना हो सो देखके करना परंतु इतना ध्यान रखना चाहिये कि घटने वाले से लेके जिसमें घटाया जायेगा इसके अन्तर्गत लग्न नहीं होय तो सहम में राशि १ युक्त करना नहीं तो नहीं करना और वर्ष लग्न में ग्रहों सहित सहम लगा देना चाहिये पीछे उस श्लोकप्रमाण से फल देखना।

श्लोक :– स्वस्वामिना शुभखगैः सहितं च दृष्टं स्वामी बली च यदि तत्सहमस्य वृद्धिः।
यस्वामिना शुभखगैश्च न युक्तदृष्टं तत्संभवो नहि भवेदिति चिंत्यमादौ ॥१॥

जो सहम अपना स्वामी और शुभग्रहों से युक्त हो और दृष्ट होय या उसका स्वामी बलवान हो तब उस सहम की वृद्धि होवेगी और यदि अपने स्वामी और शुभ ग्रहों के संग और दृष्टि नहीं होय तो समझ लेना उस सहम की वृद्धि नहीं होवे ऐसा आदि में विचार करके कहना चाहिये। इत्यलम्।

संवत् २०७७ शाकः १९४२ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
वै.कृ. ०६ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	ज्ये.कृ. ०७ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	चै.शु. ११ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	चै.कृ. ३० से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	वै.शु. ०१ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	चै.शु. ०३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	चै.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	वै.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	चै.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	चै.शु. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	वै.शु. ०१ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	चै.शु. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.
वै.शु. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	ज्ये.शु. १२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.कृ. ०९ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	वै.शु. १४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	आ.कृ. ०१ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	ज्ये.शु. .०३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	वै.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	वै.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र	ज्ये.शु. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.
आ.शु. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	श्रा.शु. ०४ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.शु. १४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	श्रा.कृ. ११ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	भा.कृ. १२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	श्रा.कृ. ०२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	आ.शु. ०४ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	श्रा.शु. ०४ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र	आ.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	श्रा.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.
श्रा.शु. ०१ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. ०६ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	भा.कृ. ०२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	प्र.आ.कृ. ०३ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	प्र.आ.कृ. १४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	भा.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	प्र.आ.कृ. ०३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.शु. ०५ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	श्रा.शु. ०५ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	भा.शु. ०५ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र	भा.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.
प्र.आ.कृ. १४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	द्वि.आ.शु.०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	प्र.आ.शु. ०५ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	प्र.आ.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	द्वि.आ.शु.१० से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	द्वि.आ.कृ.०४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	द्वि.आ.शु.०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. ३० से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	द्वि.आ.कृ.०३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र	प्र.आ.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	द्वि.आ.शु.०५ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	प्र.आ.शु. ०६ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.
द्वि.आ.शु.०६ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ०८ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ०३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	द्वि.आ.शु.०७ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. ०९ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.कृ. ०५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.कृ. ०३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	का.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	मा.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. ०६ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	मा.शु. १० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र	मा.शु. १३ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	पौ.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	मा.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	पौ.कृ. ०३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	फा.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.शु. ०८ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. १२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ०७ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. ११ से म द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.

संवत् २०७७, प्र.आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०२०

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	मंगलवार १ सितंवर दिन ९।४० वजे के बाद (भाद्र. शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	बुधवार २ सितंवर दिन १०।५२ वजे के वाद
द्वितीया (दूज) "	शुक्रवार ४ सितंवर मध्यान्ह २।२२ वजे के पहले
तृतीया (तीज) "	शनिवार ५ सितंवर
चतुर्थी (चोथ) "	रविवार ६ सितंवर
पंचमी (पांच) "	सोमवार ७ सितंवर
षष्ठी (छठ) "	मंगलवार ८ सितंवर

सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	वुधवार ९ सितंवर
अष्ठमी (आठं) "	गुरुवार १० सितंवर
नवमी (नौमी) "	शुक्रवार ११ सितंवर
दशमी (दस) "	शनिवार १२ सितंवर
एकादशी "	रविवार १३ सितंवर
द्वादशी (वारस) "	सोमवार १४ सितंवर
त्रयोदशी (तेरस) "	मंगलवार १५ सितंवर
चतुर्दशी (चौदस) "	वुधवार १६ सितंवर
अमावस्या (मावस) "	गुरुवार १७ सितंवर

शाकः १९४२, जन साधारण की सुगमता के लिए (द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे इति) यहाँ शततमे यानि शत शब्द का उपयोग किया गया है, अन्यथा शत शब्द के विना भी यह पंक्ति शुद्ध है यथा- द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशतितमे शालिवाहनशकाब्दे इति । अनुवाद चन्द्रिका (प्रकाशन - सन १९६७) पृष्ठ ३२३ में सन १९४७ का संस्कृत में अनुवाद- 'सप्तचत्वारिंशदधिकैकोनविंशतिस्रिरताब्दे' इति । अपरञ्च व्यवहारकेऽपि उत्तम् - अंकानां वामतो गतिः ।

२५ मार्च से ८ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिनासू. सृ. तारीख स्टें. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	बु	२७	१४	१७	२६	रेव	...	...	...	...	ब्र	२२	२५	१५	३०	व	२७	१४	१७	२६	३०/२१	६/३२	६/४०	५	२९	२५	मीने	११।१०।३७।१९	५९।२७
सिंधारा	२	गु	३३	२३	१९	५२	रेव	१	४३	७	१२	ऐ	२४	३६	१६	२१	बा	०	२१	६	३९	२५	३१	४१	६	१	२६	मेषे ७।१२	११।११।३६।४६	५९।२४
गणगोर	३	शु	३९	१४	२२	११	अश्वि	८	५८	१०	०५	वै	२६	३७	१७	०९	तै	६	२३	९	०३	२९	३०	४१	७	२	२७	मेषे	११।१२।३६।१०	५९।२२
ध्वाङ्क्ष	४	श	४४	३२	२४	१७	भर	१५	४९	१२	४८	वि	२८	१६	१७	४७	व	११	५९	११	१६	३३	२९	४२	८	३	२८	वृषे १९।२७	११।१३।३५।३२	५९।२०
धूम्र	५	र	४८	५५	२६	०१	कृति	२१	५८	१५	१५	प्री	२९	१८	१८	११	व	१६	५३	१३	१३	३८	२७	४२	९	४	२९	वृषे	११।१४।३४।५२	५९।१७
प्रवर्धमा	६	सो	५२	०३	२७	१६	रोहि	२७	०३	१७	१५	आ	२९	२८	१८	१४	कौ	२०	४१	१४	४३	४२	२६	४३	१०	५	३०	मिथु. ३०।०३	११।१५।३४।०९	५९।१५
राक्षस	७	मं	५३	३५	२७	५१	मृग	३०	४२	१८	४२	सौ	२८	३०	१७	४९	ग	२३	०३	१५	३८	४६	२५	४४	११	६	३१	मिथु.	११।१६।३३।२४	५९।१३
मुसल	८	बु	५३	१४	२७	४२	आर्द्रा	३२	३९	१९	२८	शो	२६	१०	१६	५२	वि	२३	४०	१५	५२	५०	२४	४४	१२	७	१	मिथु.	११।१७।३२।३७	५९।१०
रामनव	९	गु	५०	५५	२६	४५	पुन	३२	४१	१९	२७	अ	२२	१८	१५	१८	बा	२२	२२	१५	२०	५४	२३	४५	१३	८	२	कर्के १३।३२	११।१८।३१।४७	५९।०८
उत्पात	१०	शु	४६	३६	२५	००	पुष्य	३०	४५	१८	४०	सु	१६	५२	१३	०७	तै	१९	०१	१३	५८	५८	२२	४५	१४	९	३	कर्के	११।१९।३०।५५	५९।०६
ए.व्र.	११	श	४०	२९	२२	३२	श्ले	२६	५७	१७	०८	धृ	९	५२	१०	१८	व	१३	४६	११	५१	३१/०२	२१	४६	१५	१०	४	सिंहे १७।०८	११।२०।३०।०१	५९।०४
मुद्गर	१२	र	३२	४७	१९	२७	मघा	२१	३१	१४	५६	शू	१/५१	२७/५०	६/२७	५४/४४	ब	६	४९	९	०३	०६	२०	४६	१६	११	५	सिंहे	११।२१।२९।०५	५९।०१
प्र.व्र.	१३	सो	२३	५६	१५	५३	पूफा	१४	५०	१२	१५	वृ	४१	२६	२२	५३	तै	२३	५६	१५	५३	१०	१९	४७	१७	१२	६	कन्या १७।३१	११।२२।२८।०६	५८।५९
धाता	१४	मं	१४	२०	१२	०२	उफा	७/५९	२०/२८	९/३०	१३/०५	ध्रु	३०	३४	१८	३१	व	१४	२०	१२	०२	१४	१७	४७	१८	१३	७	कन्या	११।२३।२७।०५	५८।५७
पूर्णिमा	१५	बु	४	३१	८	०५	चित्रा	५१	५१	२७	०१	व्या	१९	३८	१४	०७	ब	४	३१	८	०५	१८	१६	४८	१९	१४	८	तुला. १६।३१	११।२४।२६।०२	५८।५४

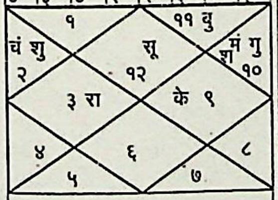
केतकी अहर्गणः ३२७६ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टं.टा.में हैं।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., D
पंचक समाप्तिः ७।१२, श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सावान ८
मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी A
भ. ११।१६ उ. २४।१७ या., वृषे शुक्रः ८।४५
कल्पादि, डोलोत्सवः, मकरे उषा.-२ गुरुः २७।३६
स्कन्दषष्ठी व्र. [C प्राशस्त्य योगं १९।२८ से २७।४२, अप्रेल ४ ता. ३०
भ.२७।५१ उ., रेव. रविः ६।२८ (सौरः ९।०६), पूभा. बुधः ८।१५
भ. १५।५२ या., भवान्युत्पत्तिः,अशोककलिका प्राशनं,बुधाष्टमी, C
श्री रामनवमी,उषा.-४ शनिः १६।४९ [B चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, E
[A पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य शयन व्र.,शिवशक्ति पू.
भ.११।५१ उ. २२।३२ या.,कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
हरि दमनोत्सवः,श्रव.भौमः २३।४६ [D आरोग्य १, विद्या १,कल्पादि
प्रदोषः,जैन महावीर जयंती,शिव पूजन विशेषः [E रोहि. शुक्रः ६।५८
भ. १२।०२ उ. २२।०३ या., पूर्णिमा व्रतं, मीने बुधः १६।२२
मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख स्नानारंभः, B

अयनांशाः २४।०७।०५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.५१ चं.शु. ६ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	९	१	९	२	८
१५	०५	१८	००	०१	०६	०९	०९
४०	१९	४०	००	४९	२७	२२	२२
४१	३९	२३	५५	३०	११	१९	१९
५९	४१	७३	७	५६	३	३	३
१३	४०	५१	३९	४३	५०	११	११
उभा	उषा	श	उषा	कृ	उषा	आ	मू
४	३	४	२	२	३	१	३



ग्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
११।१०।४४।३७	१ बु	२५	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४५	२।५०	४।३३	६।०२
११।११।४४।०३	२ गु	२६	७।२४	९।००	१०।५६	१।११	३।३१	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४१	२।४६	४।२९	५।५८
११।१२।४३।२७	३ शु	२७	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३७	२।४२	४।२५	५।५४
११।१३।४२।४९	४ श	२८	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३३	२।३८	४।२१	५।५०
११।१४।४२।०८	५ र	२९	७।१२	८।४८	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५२	१०।११	१२।२९	२।३४	४।१७	५।४६
११।१५।४१।२५	६ चं	३०	७।०८	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२६	२।३०	४।१३	५।४२
११।१६।४०।४०	७ मं	३१	७।०४	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२२	२।२६	४।०९	५।३८
११।१७।३९।५२	८ बु	१	७।००	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१८	२।२२	४।०५	५।३४
११।१८।३९।०३	९ गु	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१४	२।१८	४।०२	५।३०
११।१९।३८।१०	१० शु	३	६।५२	८।२८	१०।२५	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	१२।१०	२।१४	३।५८	५।२६
११।२०।३७।१६	११ श	४	६।४८	८।२४	१०।२१	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०६	२।१०	३।५४	५।२२
११।२१।३६।१९	१२ र	५	६।४४	८।२०	१०।१७	१२।३१	२।५२	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०२	२।०६	३।५०	५।१८
११।२२।३५।२०	१३ चं	६	६।४०	८।१७	१०।१३	१२।२७	२।४८	५।०४	७।२०	९।३९	११।५८	२।०२	३।४६	५।१४
११।२३।३४।१९	१४ मं	७	६।३६	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।००	७।१६	९।३५	११।५४	१।५९	३।४२	५।१०
११।२४।३३।१५	१५ बु	८	६।३२	८।०९	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१२	९।३१	११।५०	१।५५	३।३८	५।०६

मास फलम्

प्रतिपदा को बुध होने से मध्यम वर्षा हो। चैत्र शु. अष्टमी को बुधवार होने से अल्प वर्षा हो। पूर्णिमा चित्रा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। श्रवण पर मंगल होने से रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा हो। रोहिणी में शुक्र होने से आरोग्यता हो।

अयनांशाः २४।०७।०६

पं.५२ चं.शु.१३ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	९	१	९	२	८
२२	१०	२७	००	०८	०६	०९	०९
३४	११	५६	५१	१४	५२	००	००
३०	२३	११	२९	१९	१७	०५	०५
५८	४१	८६	६	५२	३	३	३
५९	४०	३९	३८	२७	१५	११	११
रे	श्र	पूभा	उषा	कृ	उषा	आ	मू
२	१	३	२	४	४	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य उभा. ३१ मार्च तः रेवत्यां। मंगल उषा. ३१ मार्च तः अभि. ७ अप्रे. तः श्रवणे। बुध शते ३१ मार्च तः पूभा.। गुरु उषा.। शुक्र कृति. ८ अप्रे. तः रोहि.। शनि उषा. २ अप्रे. तः अभि.। राहु आर्द्रा.। केतु मूले।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य हस्ते ३१ मार्च तः उफा.। मंगल मृगे ३१ मार्च तः रोहि. ७ अप्रे. तः मघा.। बुध स्वातौं ३१ मार्च तः चित्रा.। गुरु मृगे। शुक्र विशा. ८ अप्रे. तः अभि.। शनि मृगे २ अप्रे. तः रोहि.। राहु पूषा.। केतु पुनर्वसौ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य हस्ते ३१ मार्च तः उफा.। मंगल मृगे ३१ मार्च तः रोहि. ७ अप्रे. तः कृति.। बुध स्वातौं ३१ मार्च तः चित्रा.। गुरु मृगे। शुक्र श्रवणे ८ अप्रे. तः अभि.। शनि मृगे २ अप्रे. तः रोहि.। राहु पूषा.। केतु पुनर्वसौ।

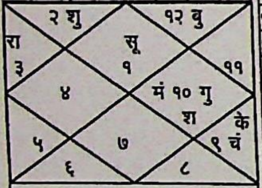
९ अप्रेल से २३ अप्रेल तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख — स्टै. प्रातः दैनिक — वसंतर्त्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
क्षयः	१	बु	५४	५३	२८	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A (सौरः २२।२७), बुधास्तः पूर्वस्याम् २४।१०
सुस्थिर	२	गु	४६	०२	२४	४०	स्वा	४४	५५	२४	१३	ह	९ ५९	०० ०३	९ २९	५१ ५३	तै	२०	२१	१४	२४	३१ ३२	६ ४५	६ ४८	२०	१५	९	तुला.	११।२५।२४।५६	५८।५२	उभा. बुधः २१।३१
मातङ्ग	३	शु	३८	१८	२१	३४	विशा	३९	०९	२१	५४	सि	५०	१२	२६	११	व	१२	०१	११	०३	२६	१४	४९	२१	१६	१०	वृश्चि. १६।२५	११।२६।२३।४८	५८।५०	भ. ११।०३ उ. २१।३४ या.
च.व्र.	४	श	३२	०८	१९	०४	अनु	३४	५५	२०	११	व्य	४२	३९	२३	१७	ब	५	०१	८	१४	३०	१३	४९	२२	१७	११	वृश्चि.	११।२७।२२।३८	५८।४८	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३८, अनुसूया जयंती
काण	५	र	२७	४६	१७	१९	ज्ये	३२	३१	१९	१३	व	३६	३८	२०	५१	तै	२७	४६	१७	१९	३४	१२	५०	२३	१८	१२	धनु. १९।१३	११।२८।२१।२५	५८।४५	
लुम्बक	६	सो	२५	२६	१६	२१	मूल	३२	०७	१९	०२	प	३२	१४	१९	०५	व	२५	२६	१६	२१	३८	११	५०	२४	१९	१३	धनु.	११।२९।२०।१०	५८।४३	भ. १६।२१ उ. २८।११ या., मेषे अश्वि. रविः १९।४८ A
मित्र	७	मं	२५	०८	१६	१३	पूषा	३३	४३	१९	३९	शि	२९	२८	१७	५७	व	२५	०८	१६	१३	४२	१०	५१	२५	२०	१४	मक. २५।५६	०।००।१८।५३	५८।४१	
वज्र	८	बु	२६	४८	१६	५२	उषा	३७	१२	२१	०२	सि	२८	१४	१७	२६	कौ	२६	४८	१६	५२	४६	०९	५१	२६	२१	१५	मक.	०।०१।१७।३४	५८।३८	वूढो वास्योड़ो
ध्वजा	९	गु	३०	११	१८	१२	श्रव	४२	१७	२३	०३	सा	२८	१८	१७	२७	ग	३०	११	१८	१२	५०	०८	५२	२७	२२	१६	मक.	०।०२।१६।१३	५८।३६	[B बुधः २२।५०
घाता	१०	शु	३४	५५	२०	०५	धनि	४८	३६	२५	३४	शु	२९	२६	१७	५४	व	२	२५	७	०५	५४	०७	५३	२८	२३	१७	कुंभे १२।१५	०।०३।१४।४९	५८।३४	भ. ७।०५ उ. २०।०५ या., पंचक प्रारम्भः १२।१५, रेव. B
ए.व्र.	११	श	४०	३३	२२	१९	शत	५५	४३	२८	२३	शु	३१	१७	१८	३७	व	७	४०	९	१०	५८	०६	५३	२९	२४	१८	कुंभे	०।०४।१३।२३	५८।३२	वरुथिनि ११ व्र.
चर	१२	र	४६	४१	२४	४६	पूभा	...	...	...	...	ब्र	३३	३४	१९	३१	कौ	१३	३७	११	३२	३३ ०३	०५	५४	३०	२५	१९	मीने २४।३७	०।०५।११।५४	५८।३०	सायन वृषे भानुः २०।०६
प्र.व्र.	१३	सो	५२	५६	२७	१५	पूभा	३	१५	७	२२	ऐ	३५	५८	२०	२७	ग	१९	५१	१४	०१	०५	०४	५४	३१	२६	२०	मीने	०।०६।१०।२४	५८।२७	भ. २७।१५ उ., प्रदोषः
सिद्धि	१४	मं	५९	०१	२९	३९	उभा	१०	४६	१०	२२	वै	३८	१७	२१	२२	वि	२६	०२	१६	२८	०९	०३	५५	१	२७	२१	मीने	०।०७।०८।५१	५८।२५	भ. १६।२८ या., मासिकशिवरात्री व्र., भा. वैशाखारंभः
उत्पात	३०	बु	...	...	...	...	रेव	१८	०४	१३	१६	वि	४०	२३	२२	११	च	३१	५७	१८	४९	१३	०२	५५	२	२८	२२	मेषे १३।१६	०।०८।०७।१७	५८।२३	पंचक समाप्तिः १३।१६, पितृकार्येऽमा.
अमाव.	३०	गु	४	४६	७	५६	अश्वि	२५	००	१६	०१	प्री	४२	१०	२२	५३	ना	४	४६	७	५६	१७	०१	५६	३	२९	२३	मेषे	०।०९।०५।३९	५८।२१	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०७।०७

पं. १ वै.कृ. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	११	९	१	९	२	८
००	१५	१०	०१	१४	०७	०८	०८
२५	४४	१८	४०	५२	१५	३४	३४
२५	३९	५८	१८	४६	५०	३९	३९
५८	४१	१००	५	४६	२	३	३
४३	३८	४३	२४	०३	३२	११	११
अ	श्र	उभा	उषा	रो	उषा	आ	मू
१	२	३	२	२	४	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।२५।३२।०९	२ गु	९	६।२८	८।०५	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५३	७।०८	९।२८	११।४६	१।५१	३।३४	५।०२
११।२६।३१।०१	३ शु	१०	६।२५	८।०१	९।५७	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०४	९।२४	११।४२	१।४७	३।३०	४।५९
११।२७।२९।५१	४ श	११	६।२१	७।५७	९।५३	१२।०८	२।२८	४।४५	७।०१	९।२०	११।३८	१।४३	३।२६	४।५५
११।२८।२८।३८	५ र	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५७	९।१६	११।३४	१।३९	३।२२	४।५१
११।२९।२७।२३	६ चं	१३	६।१३	७।४९	९।४५	१२।००	२।२०	४।३७	६।५३	९।१२	११।३०	१।३५	३।१८	४।४७
००।००।२६।०५	७ मं	१४	६।०९	७।४५	९।४१	११।५६	२।१६	४।३३	६।४९	९।०८	११।२६	१।३१	३।१४	४।४३
००।०१।२४।४६	८ बु	१५	६।०५	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२९	६।४५	९।०४	११।२२	१।२७	३।१०	४।३९
००।०२।२३।२४	९ गु	१६	६।०१	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४१	९।००	११।१९	१।२३	३।०६	४।३५
००।०३।२२।००	१० शु	१७	५।५७	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१५	१।१९	३।०२	४।३१
००।०४।२०।३४	११ श	१८	५।५३	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३३	८।५२	११।११	१।१५	२।५८	४।२७
००।०५।१९।०५	१२ र	१९	५।४९	७।२५	९।२२	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०७	१।११	२।५५	४।२३
००।०६।१७।३४	१३ चं	२०	५।४५	७।२१	९।१८	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०३	१।०७	२।५१	४।१९
००।०७।१६।०१	१४ मं	२१	५।४१	७।१७	९।१४	११।२८	१।४८	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५९	१।०३	२।४७	४।१५
००।०८।१४।२६	३० बु	२२	५।३७	७।१३	९।१०	११।२४	१।४५	४।०१	६।१७	८।३६	१०।५५	१२।५९	२।४३	४।११
००।०९।१२।४९	३० गु	२३	५।३३	७।१०	९।०६	११।२१	१।४१	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५१	१२।५६	२।३९	४।०७

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २०२०

वैशा. कृ. ६ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १९।४८ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १३।४८ से २५।४८ तक। (दान-मेष)।

अयनांशाः २४।०७।०८

पं. २ वै.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	११	९	१	९	२	८
०७	२०	२२	०२	१९	०७	०८	०८
१५	३५	३९	१४	५४	३१	१२	१२
४५	५१	१८	३३	०४	४२	२५	२५
५८	४१	११२	४	३८	१	३	३
२९	३३	१७	१३	३९	५४	११	११
अ	श्र	रे	उषा	रो	उषा	आ	मू
३	४	२	२	३	४	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य रेवत्यां १३ अप्रे. तः अश्वि. । मंगल श्रवणे । बुध पूभा. ९ अप्रे. तः उभा. १७ अप्रे. तः रेवत्यां । गुरु उषा. । शुक्र रोहि. । शनि अभि. । राहु आर्द्रा. । केतु मूले ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य उफा. १३ अप्रे. तः पूफा. । मंगल मघा. । बुध चित्रा. ९ अप्रे. तः हस्ते १७ अप्रे. तः उफा. । गुरु मृगे । शुक्र अभि. । शनि रोहि. । राहु पूषा. । केतु पुनर्वसौ ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य उफा. १३ अप्रे. तः पूफा. । मंगल कृति. । बुध चित्रा. ९ अप्रे. तः हस्ते १७ अप्रे. तः उफा. । गुरु मृगे । शुक्र अभि. । शनि रोहि. । राहु पूषा. । केतु पुनर्वसौ ।

२४ अप्रेल से ७ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	शु	१०	००	१०	००	भर	३१	२६	१८	३५	आ	४३	३२	२३	२५	व	१०	००	१०	००	३२ ३०	६ ००	६ ५६	४	३०	२४	वृषे २५।११	०।१०।०४।००	५८।१९
ध्वजा	२	श	१४	३७	११	५०	कृति	३७	१५	२०	५३	सौ	४४	२३	२३	४४	कौ	१४	३७	११	५०	२४	५ ५९	५७	५	१	२५	वृषे	०।११।०२।१९	५८।१७
अक्षया	३	र	१८	२८	१३	२२	रोहि	४२	१५	२२	५२	शो	४४	३४	२३	४८	ग	१८	२८	१३	२२	२८	५९	५८	६	२	२६	वृषे	०।१२।००।३६	५८।१४
आनन्द	४	सो	२१	२०	१४	३०	मृग	४६	१४	२४	२७	अ	४३	५६	२३	३२	वि	२१	२०	१४	३०	३१	५८	५८	७	३	२७	मिथु. ११।४३	०।१२।५८।५०	५८।१२
चर	५	मं	२३	०२	१५	०९	आर्द्रा	४८	५८	२५	३२	सु	४२	१९	२२	५२	वा	२३	०२	१५	०९	३५	५७	५९	८	४	२८	मिथु.	०।१३।५७।०२	५८।१०
गद	६	बु	२३	१८	१५	१५	पुन	५०	१६	२६	०२	धृ	३९	३३	२१	४५	तै.	२३	१८	१५	१५	३८	५६	५९	९	५	२९	कर्के १९।५८	०।१४।५५।१३	५८।०८
शुभ	७	गु	२२	००	१४	४३	पुष्य	४९	५७	२५	५४	शू	३५	३१	२०	०८	व	२२	००	१४	४३	४२	५५	७ ००	१०	६	३०	कर्के	०।१५।५३।२१	५८।०६
मृत्यु	८	शु	१९	०३	१३	३१	श्ले	४८	०१	२५	०७	गं	३०	०९	१७	५८	व	१९	०३	१३	३१	४५	५४	००	११	७	१	सिंहे २५।०७	०।१६।५१।२७	५८।०४
पद्म	९	श	१४	२७	११	४०	मघा	४४	३०	२३	४१	वृ	२३	२९	१५	१७	कौ	१४	२७	११	४०	४९	५३	०१	१२	८	२	सिंहे	०।१७।४९।३१	५८।०२
छत्र	१०	र	८	२१	९	१३	पूफा	३९	३७	२१	४३	ध्रु	१५	३७	१२	०७	ग	८	२१	९	१३	५२	५३	०२	१३	९	३	कन्या २७।०९	०।१८।४७।३३	५८।००
ए.व्र.	११	सो	१	००	६	१६	उफा	३३	३८	१९	१९	व्या	६	४४	८	३४	वि	१	००	६	१६	५६	५२	०२	१४	१०	४	कन्या	०।१९।४५।३३	५७।५८
क्षयः	१२	सो	५२	४०	२६	५६	०	०	०	०	०	ह	५७	०५	२८	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
प्र.व्र.	१३	मं	४३	४९	२३	२३	हस्त	२६	५८	१६	३८	व	४७	०१	२४	४०	कौ	१८	१९	१३	११	५९	५१	०३	१५	११	५	तुला. २७।१५	०।२०।४३।३१	५७।५६
काल	१४	बु	३४	५०	१९	४६	चित्रा	२०	००	१३	५१	सि	३६	५२	२०	३५	ग	९	२०	९	३४	३३ ०३	५०	०३	१६	१२	६	तुला.	०।२१।४१।२८	५७।५४
पूर्णिमा	१५	गु	२६	०९	१६	१७	स्वा	१३	१३	११	०७	व्य	२६	५९	१६	३८	वि	०	२७	६	००	०५	५०	०४	१७	१३	७	वृश्चि. २७।१४	०।२२।३९।२२	५७।५२

केतकी अहर्गणः ३३०६ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में हैं।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), धनि. भौमः २८।५२, मेषे अश्वि.बुधः २६।२२

शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, रमजान ९

भ. २५।५९ उ., मृगे रे. ६ ॥ऽशुऽ॥ऽऽ॥ रात्रौ लग्न १०, B

भ. १४।३० या., भर. रविः ११।३८ (सौरः १४।४१), D

श्री आद्यशंकराचार्य जयंती [D अगस्त्यास्तः १३।२८

श्री रामानुज जयंती

भ. १४।४३ उ. २६।१२ या., गंगोत्पत्ति [E बुधः १५।३८

मघा. रे. ७ ॥।ऽऽ॥ऽ। रात्रौ लग्न १०, मई ५ ता. ३१, भर. E

मघा. रे. ७ ॥।ऽऽ॥ऽ। रात्रौ लग्न गोधूलि(७), ८, सीता ९

भ.१९।४८ उ. [B युगादि,कल्पादि,अक्षय तृतीया,मृगे शुक्रः २४।५९

भ. ६।१६ या., मोहिनी ११ व्र., कुंभे भौमः २०।४१

[A पूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं, टैगोर जयन्ती, C

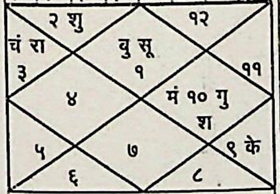
प्रदोषः [C कृत्ति. बुधः २०।२१

भ. १९।४६ उ., नृसिंह १४

भ. ६।०० या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाखस्नान A

अयनांशाः २४।०७।०९

पं. ३ वै.शु ५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	०	९	१	९	२	८
१४	२५	०६	०२	२३	०७	०७	०७
०४	२६	१६	४०	५७	४२	५०	५०
३२	२१	५९	२५	१३	५७	१०	१०
५८	४१	१२२	२	२९	१	३	३
१७	२५	३६	५८	०२	१३	१०	१०
भ	घ	अ	उषा	मृ	उषा	आ	मू
१	१	२	२	१	४	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

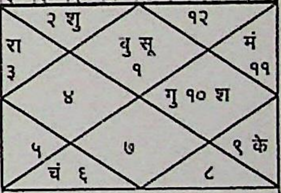
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१०।११।०९	१ शु	२४	५।२९	७।०६	९।०२	११।१७	१।३७	३।५४	६।०९	८।२८	१०।४७	१२।५२	२।३५	४।०३
००।११।०९।२८	२ श	२५	५।२५	७।०२	८।५८	११।१३	१।३३	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४३	१२।४८	२।३१	३।५९
००।१२।०७।४४	३ र	२६	५।२२	६।५८	८।५४	११।०९	१।२९	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३९	१२।४४	२।२७	३।५६
००।१३।०५।५८	४ चं	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	१।२५	३।४२	५।५८	८।१७	१०।३५	१२।४०	२।२३	३।५२
००।१४।०४।१०	५ मं	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	१।२१	३।३८	५।५४	८।१३	१०।३१	१२।३६	२।१९	३।४८
००।१५।०२।२०	६ बु	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२७	१२।३२	२।१५	३।४४
००।१६।००।२८	७ गु	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४६	८।०५	१०।२३	१२।२८	२।११	३।४०
००।१६।५८।३४	८ शु	१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४२	८।०१	१०।१९	१२।२४	२।०७	३।३६
००।१७।५६।३८	९ श	२	४।५८	६।३४	८।३०	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१६	१२।२०	२।०३	३।३२
००।१८।५४।४०	१० र	३	४।५४	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।१२	१२।१६	१।५९	३।२८
००।१९।५२।३९	११ चं	४	४।५०	६।२६	८।२२	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०८	१२।१२	१।५५	३।२४
००।२०।५०।३७	१३ मं	५	४।४६	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०४	१२।०८	१।५२	३।२०
००।२१।४८।३३	१४ बु	६	४।४२	६।१८	८।१५	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२२	७।४१	१०।००	१२।०४	१।४८	३।१६
००।२२।४६।२७	१५ गु	७	४।३८	६।१४	८।११	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५६	१२।००	१।४४	३।१२

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। चन्द्रजीवीयदापच धान्यादीना समर्घता ॥ बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है। वैशाखी अमावस को रेवती होने से सुभिक्ष हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या अश्विनी योग सुभिक्ष और सुखद है। अमावस को अश्विनी होने से महर्घ-समर्घ. मध्यम हो। शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को मंगलवार होने से युद्ध हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०७।१०

पं. ४ वै.शु.१३ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	०	९	१	९	२	८
२०	००	२१	०२	२६	०७	०७	०७
५१	१५	००	५७	४४	४९	२७	२७
५३	४६	३६	२९	५६	२८	५५	५५
५८	४१	१२९	१	१६	०	३	३
०५	१४	५९	४१	३८	३२	१०	१०
भ	घ	भ	उषा	मृ	उषा	आ	मू
३	३	३	२	२	४	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य अश्वि. २७ अप्रे. तः भर. । मंगल श्रवणे २४ अप्रे. तः घनि. । बुध रेवत्यां २४ अप्रे. तः अश्वि. १ मई तः भर. ७ मई तः कृति. । गुरु उषा. । शुक्र रोहि. २६ अप्रे. तः मृगे । शनि अभि. । राहु आर्द्रा. । केतु मूले ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य पूफा. २७ अप्रे. तः अनुरा. । मंगल मघा. २४ अप्रे. तः श्लेषा. । बुध उफा. २४ अप्रे. तः पूफा. १ मई तः अनुरा. ७ मई तः विशा. । गुरु मृगे । शुक्र अभि. २६ अप्रे. तः उषा. । शनि रोहि. । राहु पूषा. । केतु पुनर्वसौ ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य पूफा. २७ अप्रे. तः मघा. । मंगल कृति. २४ अप्रे. तः विशा. । बुध उफा २४ अप्रे. तः पूफा. १ मई तः मघा. ७ मई तः श्रवणे । गुरु मृगे । शुक्र अभि. २६ अप्रे. तः उषा. । शनि रोहि. । राहु पूषा. । केतु पुनर्वसौ ।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

८ मई से २२ मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२,																						दिमा	सू.	सू.	तारीख			स्टै.	प्रातः	दैनिक
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	शु	१८	१०	१३	०५	विशा	७	०३	८	३८	व	१७	४३	१२	५४	कौ	१८	१०	१३	०५	३३ ०३	५ ४९	७ ०४	१८	१४	८	वृश्चि.	०।२३।३७।१४	५७।५०
अमृत	२	श	११	१८	१०	२०	अनु	१ ५८	५५ ५०	६ २९	३४ ०४	प	९	२१	९	३३	ग	११	१८	१०	२०	१२	४८	०५	१९	१५	९	धनु. २९।०४	०।२४।३५।०५	५७।४९
च.ब्र.	३	र	५	५२	८	०९	मूल	५६	०७	२८	१४	शि	३ ५६	१९ २२	६ २८	४० २१	वि	५	५२	८	०९	१५	४८	०६	२०	१६	१०	धनु.	०।२५।३२।५३	५७।४७
उत्पात	४	सो	२	११	६	३९	पूषा	५५	५७	२८	१०	सा	५२	०७	२६	३८	बा	२	११	६	३९	१८	४७	०६	२१	१७	११	धनु.	०।२६।३०।४०	५७।४५
मानस	५	मं	०	२४	५	५६	उषा	५७	४३	२८	५२	शु	४९	२८	२५	३४	तै	०	२४	५	५६	२१	४६	०७	२२	१८	१२	मक. १०।१६	०।२७।२८।२५	५७।४३
मुद्गर	६	बु	०	३५	६	००	श्रव	...	...	...	...	शु	४८	१९	२५	०६	व	०	३५	६	००	२४	४६	०७	२३	१९	१३	मक.	०।२८।२६।०८	५७।४१
ध्वजा	७	गु	२	४२	६	५०	श्रव	१	२४	६	१९	ब्र	४८	३३	२५	११	व	२	४२	६	५०	२७	४५	०८	२४	२०	१४	कुंभे १९।१८	०।२९।२३।५०	५७।४०
धाता	८	शु	६	३१	८	२१	घनि	६	४२	८	२६	ऐ	४९	५३	२५	४२	कौ	६	३१	८	२१	३०	४५	०८	२५	२१	१५	कुंभे	१।००।२१।२९	५७।३८
आनन्द	९	श	११	३८	१०	२३	शत	१३	१७	११	०३	वै	५१	५८	२६	३२	ग	११	३८	१०	२३	३२	४४	०९	२६	२२	१६	कुंभे	१।०१।१९।०७	५७।३६
चर	१०	र	१७	३४	१२	४५	पूभा	२०	३६	१३	५८	वि	५४	२६	२७	३०	वि	१७	३४	१२	४५	३५	४४	१०	२७	२३	१७	मीने ७।१३	१।०२।१६।४४	५७।३५
ए.ब्र.	११	सो	२३	४५	१५	१३	उभा	२८	१०	१६	५९	प्री	५६	५१	२८	२८	बा	२३	४५	१५	१३	३८	४३	१०	२८	२४	१८	मीने	१।०३।१४।१८	५७।३३
प्र.ब्र.	१२	मं	२९	४५	१७	३७	रेव	३५	३०	१९	५५	आ	५९	००	२९	१९	तै	२९	४५	१७	३७	४०	४३	११	२९	२५	१९	मेषे १९।५५	१।०४।११।५१	५७।३१
मृत्यु	१३	बु	३५	१०	१९	४६	अश्वि	४२	१७	२२	३७	सौ	...	...	...	...	ग	२	३३	६	४३	४३	४२	११	३०	२६	२०	मेषे	१।०५।०९।२३	५७।३०
पद्म	१४	गु	३९	४८	२१	३७	भर	४८	१९	२५	०१	सौ	०	३९	५	५७	वि	७	३६	८	४४	४५	४२	१२	३१	२७	२१	मेषे	१।०६।०६।५३	५७।२८
अमाव.	३०	शु	४३	३६	२३	०८	कृति	५३	३०	२७	०५	शो	१	३९	६	२१	च	११	४९	१०	२५	४८	४१	१२	१	२८	२२	वृषे ७।३४	१।०७।०४।२१	५७।२७

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई २०२०

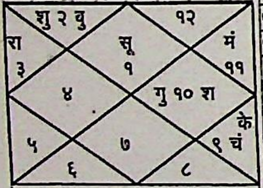
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

[A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु), भा. ज्येष्ठारंभः
भ. २१।१० उ., नारद जयंती, वीणादानं, वृषे बुधः ९।०९
भ. ८।०९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२६
कृत्ति. रविः ५।४८ (सौरः ९।४०), वक्री शनिः १८।५७
[C भौमः १४।१३, बुधोदयः पश्चिमायाम् १०।२२, वक्री गुरुः २८।०७
भ. ६।०० उ. १८।२० या., रोहि. बुधः २५।४७, वक्री शुक्रः १९।२६
पंचक प्रारम्भः १९।१८, वृषे रविः १६।४१ (सौरः २०।४८), शत. C
[B १९।११, मृगे बुधः २३।२०, मृगे-४ राहुः ७।३८, मूले-२ D
भ. २३।३३ उ. [D केतुः ७।३८
भ. १२।४५ या. [E अपरा ११ व्र.
रेवत्यां रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), १०, १, E
पंचक समाप्तिः १९।५५, प्रदोषः
भ. १९।४६ उ., मासिकशिवरात्री व्र., सायन मिथुने भानुः B
भ. ८।४४ या.
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट मे ॥

अयनांशाः २४।०७।११

पं. ५ ज्ये.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	१	९	१	९	२	८
२७	०५	०६	०३	२७	०७	०७	०७
३७	०३	०९	०५	५७	५१	०५	०५
५२	४०	०६	२७	०५	१२	४१	४१
५७	४०	१२६	०	१	०	३	३
५४	५८	४०	२३	२१	०९	११	११
कृ	घ	कृ	उषा	मृ	उषा	आ	मू
१	४	३	२	२	४व	१	३



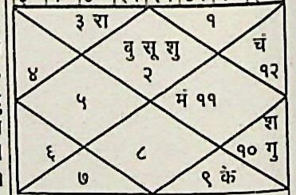
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२३।४४।१९	१ शु	८	४।३४	६।१०	८।०७	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१४	७।३३	९।५२	११।५६	१।४०	३।०८
००।२४।४२।०९	२ श	९	४।३०	६।०६	८।०३	१०।१७	१२।३८	२।५४	५।१०	७।२९	९।४८	११।५२	१।३६	३।०४
००।२५।३९।५८	३ र	१०	४।२६	६।०३	७।५९	१०।१४	१२।३४	२।५०	५।०६	७।२५	९।४४	११।४९	१।३२	३।००
००।२६।३७।४४	४ चं	११	४।२२	५।५९	७।५५	१०।१०	१२।३०	२।४७	५।०२	७।२१	९।४०	११।४५	१।२८	२।५६
००।२७।३५।२९	५ मं	१२	४।१८	५।५५	७।५१	१०।०६	१२।२६	२।४३	४।५८	७।१८	९।३६	११।४१	१।२४	२।५२
००।२८।३३।१२	६ बु	१३	४।१५	५।५१	७।४७	१०।०२	१२।२२	२।३९	४।५४	७।१४	९।३२	११।३७	१।२०	२।४९
००।२९।३०।५३	७ गु	१४	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३५	४।५१	७।१०	९।२८	११।३३	१।१६	२।४५
०१।००।२८।३२	८ शु	१५	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	१२।१४	२।३१	४।४७	७।०६	९।२४	११।२९	१।१२	२।४१
०१।०१।२६।१०	९ श	१६	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२७	४।४३	७।०२	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०१।०२।२३।४६	१० र	१७	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	१२।०६	२।२३	४।३९	६।५८	९।१६	११।२१	१।०४	२।३३
०१।०३।२१।२१	११ चं	१८	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	१२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१२	११।१७	१।००	२।२९
०१।०४।१८।५३	१२ मं	१९	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	११।५८	२।१५	४।३१	६।५०	९।०९	११।१३	१२।५६	२।२५
०१।०५।१६।२५	१३ बु	२०	३।४७	५।२३	७।१९	९।३४	११।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०५	११।०९	१२।५२	२।२१
०१।०६।१३।५४	१४ गु	२१	३।४३	५।१९	७।१५	९।३०	११।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।०१	११।०५	१२।४८	२।१७
०१।०७।११।२२	३० शु	२२	३।३९	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१९	६।३८	८।५७	११।०१	१२।४५	२।१३

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०२०
ज्ये. कृ. ७ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।४१ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः वालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।१७ से १६।४१ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०७।१२

पं. ६ ज्ये.कृ.१२ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	१	९	१	९	२	८
०४	०९	२०	०३	२७	०७	०६	०६
२२	४९	११	०४	१५	४८	४३	४३
३८	३१	०९	१०	४४	०९	२६	२६
५७	४०	११०	०	१५	०	३	३
४४	३८	०५	५६	४१	४९	११	११
कृ	श	रो	उषा	मृ	उषा	आ	मू
३	१	४	२व	२व	४व	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य भर. ११ मई तः कृति. । मंगल घनि. १४ मई तः शते । बुध कृति. १३ मई तः रोहि. २० मई तः मृगे । गुरु उषा. । शुक्र मृगे । शनि अभि. । राहु आर्द्रा. २० मई तः (व) मृगे । केतु मूले ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य अनुरा. ११ मई तः विशा. । मंगल श्लेषा. १४ मई तः स्वातौ । बुध विशा. १३ मई तः अभि. २० मई तः उषा. । गुरु मृगे । शुक्र उषा. । शनि रोहि. । राहु पूषा. २० मई तः उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य मघा. ११ मई तः श्रवणे । मंगल विशा. १४ मई तः स्वातौ । बुध श्रवणे १३ मई तः अभि. २० मई तः उषा. । गुरु मृगे । शुक्र उषा. । शनि रोहि. । राहु पूषा. २० मई तः उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

२३ मई से ५ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२,

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
																						दिमा सू.	सू.	तारीख		स्टं.			प्रातः	दैनिक
श्रीवत्स	१	श	४६	२७	२४	१६	रोहि	५७	४७	२८	४८	अ	१	५९	६	२८	किं	१५	०९	११	४४	३३/५०	५/४१	७/१३	२	२९	२३	वृषे	१।०८।०१।४८	५७।२५
सौम्य	२	र	४८	१९	२५	००	मृग	...	...	...	...	सु	१	३५	६	१८	वा	१७	३१	१२	४१	५२	४१	१४	३	३०	२४	मिथु. १७।३०	१।०८।५९।१३	५७।२४
आनन्द	३	सो	४९	०८	२५	२०	मृग	१	०६	६	०७	धृ	०/५८	२४/२२	५/२३	५०/०१	तै	१८	५२	१३	१३	५५	४०	१४	४	१	२५	मिथु.	१।०९।५६।३७	५७।२२
चर	४	मं.	४८	५१	२५	१२	आर्द्रा	३	२३	७	०१	गं	५५	२९	२७	५२	व	१९	०९	१३	१९	५७	४०	१५	५	२	२६	कर्के २५।२५	१।१०।५३।५९	५७।२१
गद	५	बु	४७	२३	२४	३७	पुन	४	३४	७	२१	वृ	५१	३९	२६	११	व	१८	१७	१२	५८	५९	४०	१५	६	३	२७	कर्के	१।११।५१।२०	५७।२०
शुभ	६	गु	४४	४४	२३	३३	पुष्य	४	३५	७	२१	ध्रु	४६	५३	२४	२४	कौ	१६	१३	१२	०९	३४/०१	३९	१६	७	४	२८	कर्के	१।१२।४८।४०	५७।१८
मृत्यु	७	शु	४०	५४	२२	०१	श्ले	३	२५	७	०१	व्या	४१	०९	२२	०७	ग	१२	५८	१०	५०	०३	३९	१६	८	५	२९	सिंहे ७।०१	१।१३।४५।५८	५७।१७
पद्म	८	श	३५	५८	२०	०२	मघा	१/५७	०६/४३	६/२८	०५/४४	ह	३४	३१	१९	२७	वि	८	३५	९	०५	०५	३९	१७	९	६	३०	सिंहे	१।१४।४३।१५	५७।१६
मित्र	९	र	३०	०४	१७	४०	उफा	५३	२७	२७	०१	व	२७	०५	१६	२९	वा	३	०८	६	५४	०७	३९	१७	१०	७	३१	कन्या १०।२०	१।१५।४०।३१	५७।१५
गंगा	१०	सो	२३	२३	१५	००	हस्त	४८	३०	२५	०२	सि	१९	००	१३	१४	ग	२३	२३	१५	००	०८	३८	१८	११	८	१	कन्या	१।१६।३७।४६	५७।१३
ए.व्र.	११	मं	१६	०९	१२	०६	चित्रा	४३	०८	२२	५४	व्य	१०	२७	९	४९	वि	१६	०९	१२	०६	१०	३८	१८	१२	९	२	तुला. ११।५९	१।१७।३४।५९	५७।१२
प्र.व्र.	१२	बु	८	४१	९	०६	स्वा	३७	४१	२०	४२	व	१/५२	४१/५४	६/२६	१८/०८	वा	८	४१	९	०६	११	३८	१९	१३	१०	३	तुला.	१।१८।३२।११	५७।११
प्रवर्धमा	१३	गु	१	१६	६	०९	विशा	३२	२७	१८	३७	शि	४४	२४	२३	२४	तै	१	१६	६	०९	१३	३८	१९	१४	११	४	वृश्चि. १३।०७	१।१९।२९।२३	५७।१०
क्षयः	१४	गु	५४	१४	२७	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	शु	४७	५३	२४	४७	अनु	२७	४८	१६	४५	सि	३६	२७	२०	१२	वि	२०	५६	१४	००	१४	३८	२०	१५	१२	५	वृश्चि.	१।२०।२६।३३	५७।०९

केतकी अहर्गणः ३३३५ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टं.टा.में हैं।
भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), रोहि. रविः २६।०३, मिथुने बुधः २२।४६
रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, सब्वाल १०, रोहि. सौरः ७।०५
भ. १३।१९ उ. २५।१२ या.
[B धूमावती जयंती
(व) रोहि. शुक्रः १५।४६
भ. २२।०१ उ., आर्द्रा. बुधः १२।३१
भ. ९।०५ या., दुर्गाष्टमी, शुक्रास्तः पश्चिमायाम् २३।१५ B

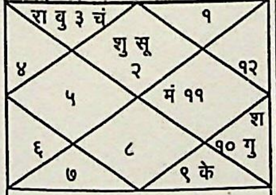
भ. २५।३४ उ., गंगा दशहरा व्र., जून ६ ता. ३०
भ. १२।०६ या., निर्जला ११ व्र.
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, पूभा. भौमः १०।२१
भ. २७।१९ उ.
[A अब्द साध्य व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः
भ. १४।०० या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, A

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०७।१३

पं. ७ ज्ये.शु. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	२	९	१	९	२	८
११	१४	०१	०२	२४	०७	०६	०६
०६	३२	५९	५३	३७	४०	२१	२१
१८	४३	३४	३९	४६	२७	११	११
५७	४०	८९	२	३०	१	३	३
३५	१२	०४	१५	५२	२८	११	११
रो	श	मृ	उषा	मृ	उषा	मृ	मू
१	३	३	२व	१व	४व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।०८।०८।४९	१ श	२३	३।३५	५।११	७।०८	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५३	१०।५७	१२।४१	२।०९
०१।०९।०६।१४	२ र	२४	३।३१	५।०७	७।०४	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४९	१०।५३	१२।३७	२।०५
०१।१०।०३।३७	३ चं	२५	३।२७	५।०३	७।००	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४५	१०।४९	१२।३३	२।०१
०१।११।०१।००	४ मं	२६	३।२३	४।५९	६।५६	९।१०	११।३१	१।४७	४।०३	६।२२	८।४१	१०।४५	१२।२९	१।५७
०१।११।५८।२०	५ बु	२७	३।१९	४।५६	६।५२	९।०७	११।२७	१।४३	३।५९	६।१८	८।३७	१०।४२	१२।२५	१।५३
०१।१२।५५।४०	६ गु	२८	३।१५	४।५२	६।४८	९।०३	११।२३	१।४०	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३८	१२।२१	१।४९
०१।१३।५२।५८	७ शु	२९	३।११	४।४८	६।४४	८।५९	११।१९	१।३६	३।५१	६।११	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४५
०१।१४।५०।१५	८ श	३०	३।०८	४।४४	६।४०	८।५५	११।१५	१।३२	३।४७	६।०७	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४२
०१।१५।४७।३०	९ र	३१	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२८	३।४४	६।०३	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३८
०१।१६।४४।४५	१० चं	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।४०	५।५९	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०१।१७।४१।५८	११ मं	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३६	५।५५	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०१।१८।३९।१०	१२ बु	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३२	५।५१	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६
०१।१९।३६।२१	१३ गु	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०५	१०।१०	११।५३	१।२२
०१।२०।३३।३१	१५ शु	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०८	३।२४	५।४३	८।०२	१०।०६	११।४९	१।१८

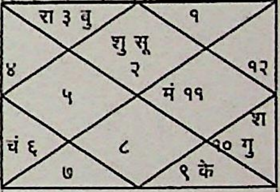
मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ कृष्णा प्रतिपदा को शुक्रवार होने से समर्धता हो। कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या कृतिका योग सुभिक्ष और सुखद हैं। पूर्णिमा अनुराधा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। रोहिणी में बुध होने से कपास, तिल, सूत महँगे हों। रोहिणी को बुध के भेदने से वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०७।१४

पं. ८ ज्ये.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	२	९	१	९	२	८
१७	१९	११	०२	२०	०७	०५	०५
४९	१२	१४	३४	३३	२८	५८	५८
०१	३४	४६	०६	०२	१५	५६	५६
५७	३९	६५	३	३८	२	३	३
२८	३९	३७	३०	२६	०६	११	११
रो	श	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
३	४	२	२व	४व	४व	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य कृति. २४ मई तः रोहि. । मंगल शते ३ जून तः पूभा. । बुध मृगे २९ मई तः आर्द्रा. । गुरु उषा. । शुक्र मृगे २८ मई तः (व) रोहि. । शनि अभि. । राहु मृगे । केतु मूले ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य विशा. २४ मई तः अभि. । मंगल स्वातौ ३ जून तः चित्रा. । बुध उषा. २९ मई तः पूषा. । गुरु मृगे । शुक्र उषा. २८ मई तः अभि. । शनि रोहि. । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य श्रवणे २४ मई तः अभि. । मंगल स्वातौ ३ जून तः चित्रा. । बुध उषा. २९ मई तः पूषा. । गुरु मृगे । शुक्र उषा. २८ मई तः अभि. । शनि रोहि. । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

६ जून से २१ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
मुसल	१	श	४२	३२	२२	३८	ज्ये	२४	०३	१५	१५	सा	२९	१५	१७	२०	वा	१५	०४	११	३९	३४/१६	५/३८	७/२०	१६	१३	६	धनु. १५।१५	१।२१।२३।४१	५७।०८
सिद्धि	२	र	३८	२९	२१	०१	मूल	२१	२९	१४	१३	शु	२३	०४	१४	५१	तैं	१०	२०	९	४६	१७	३८	२०	१७	१४	७	धनु.	१।२२।२०।४९	५७।०७
च.ब्र.	३	सो	३५	५६	२०	००	पूषा	२०	२२	१३	४७	शु	१८	०४	१२	५१	व	७	००	८	२६	१८	३८	२१	१८	१५	८	मक. १९।४६	१।२३।१७।५६	५७।०६
मानस	४	मं	३५	०७	१९	४०	उषा	२०	५४	१३	५९	ब्र	१४	२५	११	२४	ब	५	१८	७	४५	१९	३८	२१	१९	१६	९	मक.	१।२४।१५।०२	५७।०५
छत्र	५	बु	३६	०५	२०	०४	श्रव	२३	११	१४	५४	ऐ	१२	१०	१०	२९	कौ	५	२२	७	४६	२०	३८	२२	२०	१७	१०	कुंभे २७।३७	१।२५।१२।०७	५७।०४
श्रीवत्स	६	गु	३८	४७	२१	०८	धनि	२७	१२	१६	३०	वै	११	१९	१०	०९	ग	७	१३	८	३१	२१	३८	२२	२१	१८	११	कुंभे	१।२६।०९।११	५७।०३
सौम्य	७	शु	४३	०२	२२	५०	शत	३२	४५	१८	४४	वि	११	४६	१०	२०	वि	१०	४४	९	५५	२२	३८	२२	२२	१९	१२	कुंभे	१।२७।०६।१५	५७।०३
काल	८	श	४८	२६	२५	००	पूभा	३९	२८	२१	२५	प्री	१३	१५	१०	५६	वा	१५	३७	११	५३	२२	३८	२३	२३	२०	१३	मीने १४।४३	१।२८।०३।१७	५७।०२
सुस्थिर	९	र	५४	२४	२७	२३	उभा	४६	५१	२४	२२	आ	१५	२६	११	४८	तैं	२१	२३	१४	११	२३	३८	२३	२४	२१	१४	मीने	१।२९।००।१९	५७।०१
मातङ्ग	१०	सो	...	...	...	...	रेव	५४	१६	२७	२०	सौ	१७	५३	१२	४७	व	२७	२५	१६	३६	२४	३८	२३	२५	२२	१५	मेषे २७।२०	१।२९।५७।२०	५७।००
अमृत	१०	मं	०	२२	५	४७	अश्वि	...	...	...	...	शो	२०	०९	१३	४२	वि	०	२२	५	४७	२४	३८	२४	२६	२३	१६	मेषे	२।००।५४।२०	५७।००
ए.ब्र.	११	बु	५	४७	७	५७	अश्वि	१	१२	६	०७	अ	२१	५४	१४	२४	वा	५	४७	७	५७	२४	३८	२४	२७	२४	१७	मेषे	२।०१।५१।२०	५६।५९
प्र.ब्र.	१२	गु	१०	१४	९	४४	भर	७	१४	८	३२	सु	२२	५२	१४	४७	तैं	१०	१४	९	४४	२५	३८	२४	२८	२५	१८	वृषे १५।०४	२।०२।४८।१९	५६।५८
छत्र	१३	शु	१३	३१	११	०३	कृति	१२	०८	१०	३०	धृ	२२	५३	१४	४८	व	१३	३१	११	०३	२५	३९	२४	२९	२६	१९	वृषे	२।०३।४५।१७	५६।५८
श्रीवत्स	१४	श	१५	३१	११	५१	रोहि	१५	५०	११	५९	शू	२१	५६	१४	२५	श	१५	३१	११	५१	२५	३९	२५	३०	२७	२०	मिथु. २४।३२	२।०४।४२।१५	५६।५७
अमाव.	३०	र	१६	१७	१२	१०	मृग	१८	१७	१२	५८	गं	२०	०१	१३	३९	ना	१६	१७	१२	१०	२५	३९	२५	३१	२८	२१	मिथु.	२।०५।३९।१३	५६।५७

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।

[A पश्चिमायाम् ९।१८, अयन करिदिन, सं.स्री.स्री.च.चं. B
मृगे रविः २३।५७ [B वाहन अश्व अल्पवृष्टिः
भ. ८।२६ उ. २०।०० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०४, E
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ६।१९
पंचक प्रारम्भः २७।३७
भ. २१।०८ उ. [E मृगे सौरः ६।३०
भ. ९।५५ या.
उभा. रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न १
मिथुने रविः २३।२२, पुन. बुधः ५।५९
भ. १६।३६ उ., पंचक समाप्तिः २७।२०, मिथुने सौरः ६।४५
भ. ५।४७ या. [D उषा.-३ शनिः १८।३०
योगिनी ११ व्र. [C प्रारम्भ २७।१०
प्रदोषः, मीने भौमः २१।३५, वक्री बुधः २०।४३
भ. ११।०३ उ. २३।३१ या., मासिकशिवरात्री व्र., (व) D
पितृकार्येऽमा., सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन C
सूर्यग्रहणम्, देवकार्येऽमा., आर्द्रा. रविः २२।५९, बुधास्तः A

शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०७।१५

पं. ९ आ.कृ. ४ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	२	९	१	९	२	८
२४	२३	१७	०२	१६	०७	०५	०५
३०	४८	३३	०६	०९	११	३६	३६
५८	१३	३०	०२	०३	५०	४१	४१
५७	३८	३७	४	३४	२	३	३
२२	५९	५५	४०	३३	४०	११	११
मृ	पूभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
१	२	४	२व	२व	४व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।२१।३०।३९	१ श	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	१।०४	३।२०	५।३९	७।५८	१०।०२	११।४५	१।१४
०१।२२।२७।४७	२ र	७	२।३६	४।१२	६।०८	८।२३	१०।४३	१।००	३।१६	५।३५	७।५४	९।५८	११।४१	१।१०
०१।२३।२४।५४	३ चं	८	२।३२	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।५०	९।५४	११।३७	१।०६
०१।२४।२१।५९	४ मं	९	२।२८	४।०४	६।०१	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४६	९।५०	११।३४	१।०२
०१।२५।१९।०४	५ बु	१०	२।२४	४।००	५।५७	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४२	९।४६	११।३०	१२।५८
०१।२६।१६।०८	६ गु	११	२।२०	३।५६	५।५३	८।०७	१०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३८	९।४२	११।२६	१२।५४
०१।२७।१३।११	७ शु	१२	२।१६	३।५२	५।४९	८।०३	१०।२४	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३४	९।३८	११।२२	१२।५०
०१।२८।१०।१४	८ श	१३	२।१२	३।४९	५।४५	८।००	१०।२०	१२।३६	२।५२	५।११	७।३०	९।३५	११।१८	१२।४६
०१।२९।०७।१५	९ र	१४	२।०८	३।४५	५।४१	७।५६	१०।१६	१२।३३	२।४८	५।०७	७।२६	९।३१	११।१४	१२।४२
०२।००।०४।१६	१० चं	१५	२।०४	३।४१	५।३७	७।५२	१०।१२	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२२	९।२७	११।१०	१२।३८
०२।०१।०१।१६	१० मं	१६	२।०१	३।३७	५।३३	७।४८	१०।०८	१२।२५	२।४०	५।००	७।१८	९।२३	११।०६	१२।३४
०२।०१।५८।१६	११ बु	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१४	९।१९	११।०२	१२।३१
०२।०२।५५।१५	१२ गु	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३३	४।५२	७।१०	९।१५	१०।५८	१२।२७
०२।०३।५२।१३	१३ शु	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२९	४।४८	७।०६	९।११	१०।५४	१२।२३
०२।०४।४९।१०	१४ श	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२५	४।४४	७।०२	९।०७	१०।५०	१२।१९
०२।०५।४६।०८	३० र	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५८	९।०३	१०।४६	१२।१५

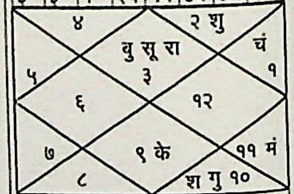
संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २०२०

आषा. कृ. ९ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।२२ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।२२ से चंद्रे ५।४६ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०७।१६

पं.१० आ.कृ.१० मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१०	२	९	१	९	२	८
०१	२८	२०	०१	१२	०६	०५	०५
१२	१८	२७	३०	४२	५१	१४	१४
१७	४०	२५	१२	५८	३४	२५	२५
५७	३८	७	५	२१	३	३	३
१७	०९	१०	४२	२२	११	११	११
मृ	पूभा	पुन	उषा	रो	उषा	मृ	मू
३	३	१	२व	१व	४व	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य रोहि. ७ जून तः मृगे २१ जून तः आर्द्रा.। मंगल पूभा.। बुध आर्द्रा. १४ जून तः पुनर्वसौ। गुरु उषा.। शुक्र रोहि.। शनि अभि. १९ जून तः (व) उषा.। राहु मृगे। केतु मूले।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य अभि. ७ जून तः उषा. २१ जून तः पूषा.। मंगल चित्रा.। बुध पूषा. १४ जून तः मूले। गुरु मृगे। शुक्र अभि.। शनि रोहि. १९ जून तः मृगे। राहु उषा.। केतु पुनर्वसौ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य अभि. ७ जून तः उषा. २१ जून तः पूषा.। मंगल चित्रा.। बुध पूषा. १४ जून तः मूले। गुरु मृगे। शुक्र अभि.। शनि रोहि. १९ जून तः मृगे। राहु उषा.। केतु पुनर्वसौ।

२२ जून से ५ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सांर र. स्प.	गति
काल	१	सो	१५	५१	११	५९	आर्द्रा	१९	३३	१३	२९	वृ	१७	०७	१२	३०	व	१५	५१	११	५९	३४/२१	५/३९	७/२१	१	२९	२२	मिथु.	२।०६।३६।०९	५६।५६
सुस्थिर	२	मं	१४	१५	११	२१	पुन	१९	४३	१३	३३	ध्रु	१३	१९	१०	५९	कौ	१४	१५	११	२१	२५	३९	२५	२	१	२३	कर्क ७।३४	२।०७।३३।०६	५६।५६
मातङ्ग	३	बु	११	३७	१०	१८	पुष्य	१८	५१	१३	१२	व्या	८	४०	९	०८	ग	११	३७	१०	१८	२५	४०	२५	३	२	२४	कर्क	२।०८।३०।०२	५६।५६
अमृत	४	गु	८	०३	८	५३	श्ले	१७	०५	१२	३०	ह	३/५७	१६/१३	६/२८	५९/३३	वि	८	०३	८	५३	२४	४०	२६	४	३	२५	सिंहे १२।३०	२।०९।२६।५८	५६।५५
काण	५	शु	३	४१	७	०९	मघा	१४	३२	११	२९	सि	५०	३७	२५	५५	वा	३	४१	७	०९	२४	४०	२६	५	४	२६	सिंहे	२।१०।२३।५३	५६।५५
क्षयः	६	शु	५८	४२	२९	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्वक	७	श	५३	१२	२६	५७	पूफा	११	२२	१०	१३	व्य	४३	३५	२३	०७	ग	२५	५९	१६	०४	२३	४१	२६	६	५	२७	कन्या १५।५३	२।११।२०।४८	५६।५५
मित्र	८	र	४७	२१	२४	३७	उफा	७	४५	८	४७	व	३६	१५	२०	११	वि	२०	१७	१३	४८	२३	४१	२६	७	६	२८	कन्या	२।१२।१७।४३	५६।५५
वज्र	९	सो	४१	२०	२२	१३	हस्त	३/५९	४०/४९	७/२९	१३/३७	प	२८	४६	१७	११	वा	१४	२१	११	२५	२२	४१	२६	८	७	२९	तुला. १८।२५	२।१३।१४।३७	५६।५४
ध्वजा	१०	मं	३५	२०	१९	४९	स्वा	५५	५०	२८	०२	शि	२१	१३	१४	११	तै	८	१८	९	०१	२१	४२	२६	९	८	३०	तुला.	२।१४।११।३२	५६।५४
ए.व्र.	११	बु	२९	२९	१७	२९	विशा	५२	०६	२६	३२	सि	१३	४७	११	१३	व	२	२२	६	३९	२०	४२	२६	१०	९	१	वृश्चि. २०।५४	२।१५।०८।२६	५६।५४
प्र.व्र.	१२	गु	२४	००	१५	१८	अनु	४८	४७	२५	१३	सा	६/५९	३७/५०	८/२९	२१/३८	वा	२४	००	१५	१८	१९	४२	२६	११	१०	२	वृश्चि.	२।१६।०५।२०	५६।५४
चर	१३	शु	१९	०२	१३	१९	ज्ये	४६	०६	२४	०९	शु	५३	३४	२७	०८	तै	१९	०२	१३	१९	१८	४३	२६	१२	११	३	धनु. २४।०९	२।१७।०२।१५	५६।५४
गद	१४	श	१४	४८	११	३८	मूल	४४	१३	२३	२४	ब्र	४८	०१	२४	५५	व	१४	४८	११	३८	१७	४३	२६	१३	१२	४	धनु.	२।१७।५९।०९	५६।५४
पूर्णिमा	१५	र	११	२९	१०	१९	पूषा	४३	२१	२३	०४	ऐ	४३	१७	२३	०२	ब	११	२९	१०	१९	१६	४३	२६	१४	१३	५	मक. २९।०३	२।१८।५६।०३	५६।५४

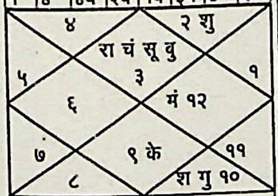
केतकी अहर्गणः ३३६५ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जून-जुलाई २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), ग्रहण-करिदिन, भा.आषाढारंभः, आर्द्रा. C
श्री जगदीश रथ यात्रा, जिल्काद ११ [D चातक वर्षाश्रेष्ठः
भ. २१।३९ उ., उभा. भौमः ५।४३
भ. ८।५३ या., मार्गी शुक्रः २८।२८
स्कंध षष्ठी [C सौरः ७।१६, (व) आर्द्रा. बुधः १२।५६
[A आषाढी योगः, पुन. रविः २२।३६, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन D
भ. २६।५७ उ. [B व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः E
भ. १३।४८ या. [E २६।३२ से, जुलाई ७ ता. ३१
भड़ली ९, (व) धनुषि उषा.-१ गुरुः २८।४७
स्वाती रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ रात्रौ लग्न गोधूलि(९), १०, १, F
भ. ६।३९ उ. १७।२९ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास B
प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, हरिवासरः ८।११ तक
जया पार्वती व्रतं [F मन्वादि, आशा दशमी
भ. ११।३८ उ. २२।५५ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, A

अयनांशाः २४।०७।१७

पं.११ आ.शु. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	९	१	९	२	८
०७	०२	१९	००	११	०६	०४	०४
५३	४२	४७	४७	०३	२७	५२	५२
०८	४७	२५	४०	१०	५५	०९	०९
५७	३७	२१	६	४	३	३	३
१४	०८	४३	३३	३७	३८	११	११
आ	पूभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
१	४	४व	२व	१व	३व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०६।४३।०४	१ चं	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१७	४।३६	६।५४	८।५९	१०।४२	१२।११
०२।०७।४०।०१	२ मं	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१३	४।३२	६।५१	८।५५	१०।३८	१२।०७
०२।०८।३६।५७	३ बु	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०९	४।२८	६।४७	८।५१	१०।३४	१२।०३
०२।०९।३३।५२	४ गु	२५	१।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	११।४९	२।०५	४।२४	६।४३	८।४७	१०।३०	११।५९
०२।१०।३०।४७	५ शु	२६	१।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४५	२।०१	४।२०	६।३९	८।४३	१०।२७	११।५५
०२।११।२७।४२	७ श	२७	१।१७	२।५३	४।५०	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३५	८।३९	१०।२३	११।५१
०२।१२।२४।३७	८ र	२८	१।१३	२।४९	४।४६	७।००	९।२०	११।३७	१।५३	४।१२	६।३१	८।३५	१०।१९	११।४७
०२।१३।२१।३२	९ चं	२९	१।०९	२।४५	४।४२	६।५६	९।१७	११।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३१	१०।१५	११।४३
०२।१४।१८।२६	१० मं	३०	१।०५	२।४१	४।३८	६।५२	९।१३	११।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२७	१०।११	११।३९
०२।१५।१५।२०	११ बु	१	१।०१	२।३८	४।३४	६।४९	९।०९	११।२५	१।४१	४।००	६।१९	८।२४	१०।०७	११।३५
०२।१६।१२।१४	१२ गु	२	१२।५७	२।३४	४।३०	६।४५	९।०५	११।२२	१।३७	३।५६	६।१५	८।२०	१०।०३	११।३१
०२।१७।०९।०८	१३ शु	३	१२।५३	२।३०	४।२६	६।४१	९।०१	११।१८	१।३३	३।५३	६।११	८।१६	९।५९	११।२७
०२।१८।०६।०२	१४ श	४	१२।५०	२।२६	४।२२	६।३७	८।५७	११।१४	१।२९	३।४९	६।०७	८।१२	९।५५	११।२४
०२।१९।०२।५७	१५ र	५	१२।४६	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	११।१०	१।२६	३।४५	६।०३	८।०८	९।५१	११।२०

मास फलम्

सूर्यग्रहण, ता. २१ जून २०२०, रविवार, संवत् २०७७

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं। एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः। इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या मृगशिरा योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से भारी तूफान चले। पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा पन्द्रह घटी से भी कम है अतः महर्घता हो। वायु और बादल के संयोग से फलों में न्यूनाधिकता हो।

अयनांशाः २४।०७।१८

पं.१२ आ.शु.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	८	१	९	२	८
१४	०६	१६	२९	११	०६	०४	०४
३३	५९	१७	५९	१९	०१	२९	२९
४३	१४	३३	४४	३६	२५	५४	५४
५७	३५	३६	७	११	३	३	३
१३	५५	४६	१२	१३	५९	११	११
आ	उभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
३	२	३व	१व	१	३व	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य आर्द्रा. ५ जुला. स्टे.२२।३६ उप. पुनर्वसौ। मंगल पूभा. २४ जून स्टे.५।४३ उप. उभा.। बुध पुनर्वसौ २२ जून स्टे.१२।५६ उप. (व) आर्द्रां.। गुरु उषा.। शुक्र रोहि.। शनि उषा.। राहु मृगे। केतु मूले।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य पूषा. ५ जुला. स्टे.२२।३६ उप. मूले। मंगल चित्रा. २४ जून स्टे.५।४३ उप. हस्ते। बुध मूले २२ जून स्टे.१२।५६ उप. पूषा.। गुरु मृगे। शुक्र अभि.। शनि मृगे। राहु उषा.। केतु पुनर्वसौ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य पूषा. ५ जुला. स्टे.२२।३६ उप. मूले। मंगल चित्रा. २४ जून स्टे.५।४३ उप. हस्ते। बुध मूले २२ जून स्टे.१२।५६ उप. पूषा.। गुरु मृगे। शुक्र अभि.। शनि मृगे। राहु उषा.। केतु पुनर्वसौ।

६ जुलाई से २० जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्षे संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अं.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	सो	९	१६	९	२६	उषा	४३	४२	२३	१३	वै	३९	३१	२१	३२	कौ	९	१६	९	२६	३४/१५	५/४४	७/२६	१५	१४	६	मक.	२।१९।५२।५७	५६।५४
वृहत्तल्पा	२	मं	८	२२	९	०५	श्रव	४५	२५	२३	५४	वि	३६	५४	२०	३०	ग	८	२२	९	०५	१३	४४	२६	१६	१५	७	मक.	२।२०।४९।५२	५६।५४
च.व्र.	३	बु	८	५५	९	१९	धनि	४८	३६	२५	११	प्री	३५	२६	१९	५५	वि	८	५५	९	१९	१२	४५	२५	१७	१६	८	कुंभे १२।२८	२।२१।४६।४६	५६।५५
वज्र	४	गु	१०	५९	१०	०९	शत	५३	१६	२७	०४	आ	३५	१०	१९	४९	बा	१०	५९	१०	०९	१०	४५	२५	१८	१७	९	कुंभे	२।२२।४३।४१	५६।५५
ध्वाङ्क्ष	५	शु	१४	३३	११	३५	पूभा	५९	१५	२९	२८	सौ	३६	००	२०	१०	तै	१४	३३	११	३५	०९	४६	२५	१९	१८	१०	मीने २२।४९	२।२३।४०।३६	५६।५५
धूम्र	६	श	१९	२३	१३	३१	उभा	...	...	...	...	शो	३७	४५	२०	५२	व	१९	२३	१३	३१	०७	४६	२५	२०	१९	११	मीने	२।२४।३७।३१	५६।५५
सुस्थिर	७	र	२५	०६	१५	४९	उभा	६	१३	८	१६	अ	४०	०२	२१	४७	ब	२५	०६	१५	४९	०५	४७	२५	२१	२०	१२	मीने	२।२५।३४।२६	५६।५६
मातङ्ग	८	सो	३१	०६	१८	१३	रेव	१३	३८	११	१४	सु	४२	२७	२२	४६	कौ	३१	०६	१८	१३	०३	४७	२४	२२	२१	१३	मेषे ११।१४	२।२६।३१।२२	५६।५६
अमृत	९	मं	३६	४७	२०	३०	अश्वि	२०	५४	१४	०९	धृ	४४	३२	२३	३६	तै	४	०१	७	२४	०१	४८	२४	२३	२२	१४	मेषे	२।२७।२८।१८	५६।५७
काण	१०	बु	४१	३३	२२	२५	भर	२७	२५	१६	४६	शू	४५	५२	२४	०९	व	९	१७	९	३१	३३/५६	४८	२४	२४	२३	१५	वृषे २३।२१	२।२८।२५।१५	५६।५७
ए.व्र.	११	गु	४४	५८	२३	४८	कृति	३२	४३	१८	५४	गं	४६	०९	२४	१६	ब	१३	२६	११	११	५७	४९	२४	२५	२४	१६	वृषे	२।२९।२२।१२	५६।५८
मित्र	१२	शु	४६	५२	२४	३४	रोहि	३६	३३	२०	२६	वृ	४५	१३	२३	५४	कौ	१६	०६	१२	१६	५५	४९	२३	२६	२५	१७	वृषे	३।००।१९।१०	५६।५८
प्र.व्र.	१३	श	४७	०७	२४	४०	मृग	३८	४६	२१	२०	ध्रु	४३	०१	२३	०२	ग	१७	११	१२	४२	५३	५०	२३	२७	२६	१८	मिथु. ८।५८	३।०१।१६।०८	५६।५९
ध्वाङ्क्ष	१४	र	४५	४६	२४	०८	आर्द्रा	३९	२६	२१	३६	व्या	३९	३२	२१	३९	वि	१६	३७	१२	२९	५१	५०	२२	२८	२७	१९	मिथु.	३।०२।१३।०६	५६।५९
अमाव.	३०	सो	४२	५८	२३	०२	पुन	३८	३८	२१	१८	ह	३४	५१	१९	४७	च	१४	३२	११	३९	४९	५१	२२	२९	२८	२०	कर्के १५।२५	३।०३।१०।०५	५७।००

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

नक्त व्रतारंभः, पुन. सौरः ८।४२
भ. २१।०७ उ., वृहत्तल्पा
भ. ९।१९ या., पंचक प्रारम्भः १२।२८,चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०९
[A सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन नाग अल्पवृष्टिः
नागपञ्चमी (मरु.)
भ. १३।३१ उ. २६।३८ या., बुधोदयः पूर्वस्याम् ७।०५
मार्गी बुधः २५।५७
पंचक समाप्तिः ११।१४
[C निरयन दक्षिणायनारंभः
भ. ९।३१ उ. २२।२५ या.
कामिका ११ व्र., कर्के रविः १०।१९ (सौरः २१।४५), C
रेव. भौमः ६।०६ [B सौरः १०।०१
भ. २४।४० उ., प्रदोषः
भ. १२।२९ या., मासिकशिवरात्री व्र., पुष्ये रविः २२।१०, A
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, सोमवती अमा., पुष्ये B

अयनांशाः २४।०७।१९

पं.१३ श्रा.कृ. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	८	१	९	२	८
२१	११	१२	२९	१३	०५	०४	०४
१४	०६	२१	०८	१९	३२	०७	०७
१२	२३	५४	००	०९	४३	३८	३८
५७	३४	२३	७	२४	४	३	३
१३	२७	३९	३६	२०	१४	११	११
पुन	उभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
१	३	२व	१व	१	३व	४	२



|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

व्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१९।५९।५१	१ चं	६	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२२	३।४१	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६
०२।२०।५६।४५	२ मं	७	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१८	३।३७	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०२।२१।५३।४०	३ बु	८	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१४	३।३३	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०२।२२।५०।३४	४ गु	९	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
०२।२३।४७।२९	५ शु	१०	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
०२।२४।४४।२४	६ श	११	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।४०	७।४४	९।२७	१०।५६
०२।२५।४१।२०	७ र	१२	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३६	७।४०	९।२३	१०।५२
०२।२६।३८।१५	८ चं	१३	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३२	७।३६	९।१९	१०।४८
०२।२७।३५।११	९ मं	१४	१२।१०	१।४६	३।४३	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३२	९।१६	१०।४४
०२।२८।३२।०८	१० बु	१५	१२।०६	१।४२	३।३९	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२४	७।२८	९।१२	१०।४०
०२।२९।२९।०५	११ गु	१६	१२।०२	१।३८	३।३५	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।२०	७।२४	९।०८	१०।३६
०३।००।२६।०२	१२ शु	१७	११।५८	१।३४	३।३१	५।४५	८।०६	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२०	९।०४	१०।३२
०३।०१।२३।०१	१३ श	१८	११।५४	१।३१	३।२७	५।४२	८।०२	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१७	९।००	१०।२८
०३।०२।१९।५९	१४ र	१९	११।५०	१।२७	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०८	७।१३	८।५६	१०।२४
०३।०३।१६।५८	३० चं	२०	११।४६	१।२३	३।१९	५।३४	७।५४	१०।११	१२।२६	२।४५	५।०४	७।०९	८।५२	१०।२०

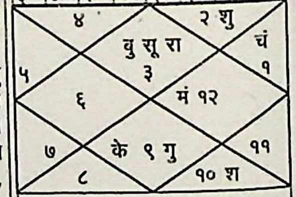
संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०२०
श्रा. कृ. ११ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।१९ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभोऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः बुधे (स्टै.) २२।१९ से गुरौ १०।१९ तक । (दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २४।०७।२०

पं.१४ श्रा.कृ. ९ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	८	१	९	२	८
२७	१५	११	२८	१६	०५	०३	०३
५४	०२	१६	१४	४१	०२	४५	४५
४६	२५	५४	१६	५०	३१	२२	२२
५७	३२	१२	७	३४	४	३	३
१४	४१	११	४४	३७	२४	११	११
पुन	उभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
३	४	२	१व	३	३व	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य पुनर्वसौ १९ जुला. स्टे.२२।१० उप. पुष्ये । मंगल उभा. १७ जुला. स्टे.६।०६ उप. रेवत्यां । बुध आर्द्रा. । गुरु उषा. । शुक्र रोहि. । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु मूले ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य मूले १९ जुला. स्टे.२२।१० उप. ज्येष्ठा. । मंगल हस्ते १७ जुला. स्टे.६।०६ उप. उफा. । बुध पूषा. । गुरु मृगे । शुक्र अभि. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य मूले १९ जुला. स्टे.२२।१० उप. ज्येष्ठा. । मंगल हस्ते १७ जुला. स्टे.६।०६ उप. उफा. । बुध पूषा. । गुरु मृगे । शुक्र अभि. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

२१ जुलाई से ३ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

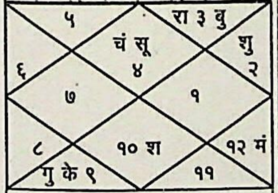
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सांर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	म	३८	५५	२१	२५	पुष्य	३६	३५	२०	२९	व	२९	०९	१७	३१	किं	११	०४	१०	१७	३३/४६	५/११	७/२२	३०	२९	२१	कर्क	३।०४।०७।०५	५७।०१
सिंधारा	२	बु	३३	५२	१९	२५	श्ले	३३	३०	१९	१६	सि	२२	३४	१४	५३	वा	६	२९	८	२७	४४	५२	२१	३१	३०	२२	सिंहे १९।१६	३।०५।०४।०६	५७।०१
तीज	३	गु	२८	०५	१७	०६	मघा	२९	४२	१७	४५	व्य	१५	२२	१२	०१	तै	१	०२	६	१७	४१	५२	२१	१	१	२३	सिंहे	३।०६।०१।०७	५७।०२
सिद्धि	४	शु	२१	५२	१४	३७	पूफा	२५	२७	१६	०४	व	७/५९	४३/५४	२६	५८/४०	वि	२१	५२	१४	३७	३९	५३	२०	२	२	२४	कन्या २१।३७	३।०६।५८।०९	५७।०३
उत्पात	५	श	१५	२८	१२	०४	उफा	२१	०४	१४	१९	शि	५२	०४	२६	४३	वा	१५	२८	१२	०४	३६	५३	२०	३	३	२५	कन्या	३।०७।५५।१२	५७।०४
मानस	६	र	९	०९	९	३३	हस्त	१६	४६	१२	३६	सि	४४	२५	२३	४०	तै	९	०९	९	३३	३३	५४	१९	४	४	२६	तुला. २३।४८	३।०८।५२।१५	५७।०४
मुद्गर	७	सो	३	०९	७	१०	चित्रा	१२	४८	११	०२	सा	३७	०७	२०	४५	व	३	०९	७	१०	३१	५४	१९	५	५	२७	तुला.	३।०९।४९।२०	५७।०५
क्षयः	८	सो	५७	३६	२८	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	९	मं	५२	३८	२६	५८	स्वा	९	१९	९	३९	शु	३०	१६	१८	०१	वा	२५	०१	१५	५५	२८	५५	१८	६	६	२८	वृश्चि. २६।४६	३।१०।४६।२५	५७।०६
धाता	१०	बु	४८	२०	२५	१५	विशा	६	२७	८	३०	शु	२३	५६	१५	३०	तै	२०	२३	१४	०५	२५	५५	१७	७	७	२९	वृश्चि.	३।११।४३।३२	५७।०७
ए.व्र.	११	गु	४४	४५	२३	५०	अनु	४	१५	७	३८	व्र	१८	१०	१३	१२	व	१६	२६	१२	३०	२२	५६	१७	८	८	३०	वृश्चि.	३।१२।४०।३९	५७।०८
चर	१२	शु	४१	५७	२२	४३	ज्ये	२	४८	७	०३	ऐ	१३	०१	११	०९	व	१३	१४	११	१४	१९	५६	१६	९	९	३१	धनु. ७।०३	३।१३।३७।४७	५७।०९
प्र.व्र.	१३	श	३९	५९	२१	५७	मूल	२	०७	६	४८	वै	८	३१	९	२१	कौ	१०	५१	१०	१७	१६	५७	१५	१०	१०	१	धनु.	३।१४।३४।५६	५७।१०
शुभ	१४	र	३८	५५	२१	३२	पूषा	२	१७	६	५२	वि	४	४२	७	५०	ग	९	२०	९	४१	१३	५८	१५	११	११	२	मक. १२।५७	३।१५।३२।०७	५७।११
पूर्णिमा	१५	सो	३८	५१	२१	३१	उषा	३	२३	७	१९	प्री	१/५९	३८/२५	६/२९	३७/३४	वि	८	४४	९	२८	१०	५८	१४	१२	१२	३	मक.	३।१६।२९।१८	५७।१३

केतकी अहर्गणः ३३९४ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
मृगे-३ राहुः २९।१४, मूले-१ केतुः २९।१४ [G भानुः १४।०९
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सायन सिंहे G
भ.२७।५३ उ.,तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे), सुकृत D
भ.१४।३७ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., मृगे शुक्रः ६।१४
कल्की जयंती, नागपञ्चमी,नागदष्ट व्र.,वर्णषष्ठी [F सोमेश्वरपूजनं
शीतला, पुन. बुधः १०।००, (व) पूषा.-४ गुरुः १५।१७
भ. ७।१० उ. १८।०२ या.,तुलसी जयंती,दुर्गाष्टमी,रोटक व्रतारंभः, F
[D तृतीया व्र., भा. श्रावणारंभः, जिल्हेज १२
[A व्रतंपुण्यञ्च,हयग्रीवजयंती,नारियल १५, यजुर्वेदि,तैतरीय, B
[B हिरण्यकेशीय,आपस्तंभ,बौधायन, काण्वमध्यन्दिन(कात्या.), C
भ.१२।३० उ. २३।५० या.,पवित्रा ११ व्र. [I मिथुने शुक्रः १३।१९
दधि भक्षणत्यागः,पवित्रारोपणं [E सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मेष वर्षाश्रेष्ठः
प्रदोषः,अगस्त ८ ता. ३१,तिलकपुण्यतिथि, कर्के बुधः २७।४३, I
भ.२१।३२ उ.,सूणमाण्डणा (पूरादिन शुद्ध है),श्लेषा. रविः २१।०६, E
भ. ९।२८ या., रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी (मरु), पूर्णिमा A
[C अथर्ववेदि उपाकर्म, श्लेषा. सौरः १०।२७, पुष्ये बुधः २४।५१

अयनांशाः २४।०७।२१

पं.१५ श्रा.शु. १ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	११	२	८	१	९	२	८
०४	१८	१४	२७	२१	०४	०३	०३
३५	४५	४१	२०	०८	३१	२३	२३
३५	०७	०७	२४	५८	३३	०६	०६
५७	३०	५१	७	४२	४	३	३
१७	३५	०७	३६	३०	२७	११	११
पु	रे	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
१	१	३	१व	४	३व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

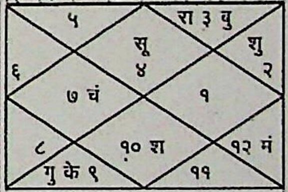
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।०४।१३।५८	१ मं	२१	११।४२	१।१९	३।१५	५।३०	७।५०	१०।०७	१२।२२	२।४२	५।००	७।०५	८।४८	१०।१६
०३।०५।१०।५९	२ बु	२२	११।३९	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५६	७।०१	८।४४	१०।१३
०३।०६।०८।००	३ गु	२३	११।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१५	२।३४	४।५२	६।५७	८।४०	१०।०९
०३।०७।०५।०२	४ शु	२४	११।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	१२।११	२।३०	४।४८	६।५३	८।३६	१०।०५
०३।०८।०२।०५	५ श	२५	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४४	६।४९	८।३२	१०।०१
०३।०८।५९।०८	६ र	२६	११।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०३।०९।५६।१३	७ चं	२७	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	११।५९	२।१८	४।३६	६।४१	८।२४	९।५३
०३।१०।५३।१८	९ मं	२८	११।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३९	११।५५	२।१४	४।३३	६।३७	८।२०	९।४९
०३।११।५०।२५	१० बु	२९	११।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	११।५१	२।१०	४।२९	६।३३	८।१६	९।४५
०३।१२।४७।३२	११ गु	३०	११।०७	१२।४३	२।३९	४।५४	७।१४	९।३१	११।४७	२।०६	४।२५	६।२९	८।१२	९।४१
०३।१३।४४।४०	१२ शु	३१	११।०३	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२७	११।४३	२।०२	४।२१	६।२५	८।०८	९।३७
०३।१४।४१।५०	१३ श	१	१०।५९	१२।३५	२।३२	४।४६	७।०६	९।२३	११।३९	१।५८	४।१७	६।२१	८।०५	९।३३
०३।१५।३९।००	१४ र	२	१०।५५	१२।३१	२।२८	४।४२	७।०२	९।१९	११।३५	१।५४	४।१३	६।१७	८।०१	९।२९
०३।१६।३६।१२	१५ चं	३	१०।५१	१२।२७	२।२४	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०९	६।१३	७।५७	९।२५

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । श्रावण में पांच सोमवार शुभद हैं । कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । कृष्णा एकादशी को कृत्तिका होने से मध्यम फल हो । कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुखी हो । अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है । गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें ।

अयनांशाः २४।०७।२२

पं.१६ श्रा.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	११	२	८	१	९	२	८
११	२२	२२	२६	२६	०४	०३	०३
१६	११	२३	२८	२५	००	००	००
४९	५४	०६	१६	३५	३५	५०	५०
५७	२८	८४	७	४८	४	३	३
२२	०४	४९	१२	३४	२३	११	११
पु	रे	पुन	पूषा	मृ	उषा	मृ	मू
३	२	१	४व	१	३व	३	१



नक्षत्र युतिः- सूर्य पुष्ये २ अग. तः श्लेषा. । मंगल रेवत्यां । बुध आर्द्रा. २६ जुला. तः पुनर्वसौ ३ अग. तः पुष्ये । गुरु उषा. २६ जुला. तः (व) पूषा. । शुक्र रोहि २४ जुला. तः मृगे । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु मूले ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य ज्येष्ठा. २ अग. तः धनि. । मंगल उफा. । बुध पूषा. २६ जुला. तः मूले ३ अग. तः ज्येष्ठा. । गुरु मृगे २६ जुला. तः आर्द्रा. । शुक्र अभि. २४ जुला. तः उषा. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य ज्येष्ठा. २ अग. तः अनुरा. । मंगल उफा. । बुध पूषा. २६ जुला. तः मूले ३ अग. तः ज्येष्ठा. । गुरु मृगे २६ जुला. तः आर्द्रा. । शुक्र अभि. २४ जुला. तः उषा. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

४ अगस्त से १९ अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्वक	१	मं	३९	५३	२१	५६	श्रव	५	३०	८	१०	सौ	५८	०२	२९	११	वा	९	१३	९	४०	३३/०७	५/४९	७/१३	१३	१३	४	कुंभे २०।४६	३।१७।२६।३१	५७।१४
मित्र	२	बु	४२	०६	२२	४९	धनि	८	४३	९	२८	शो	५७	३७	२९	०२	तै	१०	५०	१०	१९	०४	५९	१३	१४	१४	५	कुंभे	३।१८।२३।४५	५७।१५
वज्र	३	गु	४५	३२	२४	१२	शत	१३	०६	११	१४	अ	५८	०८	२९	१५	व	१३	३९	११	२७	००	६/००	१२	१५	१५	६	कुंभे	३।१९।२१।००	५७।१६
च.व्र.	४	शु	५०	०७	२६	०३	पूभा	१८	४०	१३	२८	सु	५९	३१	२९	४९	व	१७	४१	१३	०४	३२/५७	००	११	१६	१६	७	मीने ६।५२	३।२०।१८।१६	५७।१८
धूम्र	५	श	५५	४०	२८	१७	उभा	२५	१६	१६	०७	धृ	...	...	...	...	कौ	२२	४७	१५	०८	५४	०१	१०	१७	१७	८	मीने	३।२१।१५।३४	५७।१९
प्रवर्धमा	६	र	...	...	...	...	रेव	३२	३५	१९	०३	धृ	१	३४	६	३९	ग	२८	४०	१७	२९	५०	०१	०९	१८	१८	९	मेषे ११।०३	३।२२।१२।५२	५७।२०
राक्षस	६	सो	१	४४	६	४३	अश्वि	४०	०७	२२	०५	शू	४	०१	७	३८	व	१	४४	६	४३	४७	०२	०९	१९	१९	१०	मेषे	३।२३।१०।१३	५७।२२
जन्माष्ट.	७	मं	७	४८	९	०९	भर	४७	१८	२४	५७	गं	६	२६	८	३७	व	७	४८	९	०९	४४	०२	०८	२०	२०	११	मेषे	३।२४।०७।३४	५७।२३
जन्माष्ट.	८	बु	१३	१३	११	२०	कृति	५३	३०	२७	२७	वृ	८	२२	९	२४	कौ	१३	१३	११	२०	४०	०३	०७	२१	२१	१२	वृषे ७।३८	३।२५।०४।५७	५७।२४
गोगा	९	गु	१७	२४	१३	०१	रोहि	५८	१६	२९	२२	ध्रु	९	२४	९	४९	ग	१७	२४	१३	०१	३७	०३	०६	२२	२२	१३	वृषे	३।२६।०२।२२	५७।२६
मानस	१०	शु	१९	५८	१४	०३	मृग	...	...	...	...	व्या	९	१०	९	४४	वि	१९	५८	१४	०३	३३	०४	०५	२३	२३	१४	मिथु. १८।०३	३।२६।५९।४८	५७।२७
ए.व्र.	११	श	२०	३८	१४	२०	मृग	१	१३	६	३४	ह	७	२९	९	०४	वा	२०	३८	१४	२०	३०	०४	०४	२४	२४	१५	मिथु.	३।२७।५७।१५	५७।२९
प्र.व्र.	१२	र	१९	२१	१३	४९	आर्द्रा	२	१७	७	००	व	४/५९	१६/३३	७/२९	४७/५४	तै	१९	२१	१३	४९	२६	०५	०३	२५	२५	१६	कर्के २४।५०	३।२८।५४।४४	५७।३१
धूम्र	१३	सो	१६	११	१२	३४	पुन	९/५८	२८/५८	६/२९	४१/४०	व्य	५३	२३	२७	२७	व	१६	११	१२	३४	२३	०५	०२	२६	२६	१७	कर्के	३।२९।५२।१४	५७।३२
आनन्द	१४	मं	११	२२	१०	३९	श्ले	५५	००	२८	०६	व	४६	०२	२४	३१	श	११	२२	१०	३९	१९	०६	०१	२७	२७	१८	सिंहे २८।०६	४।००।४९।४६	५७।३४
अमाव.	३०	बु	५	११	८	११	मघा	४९	५८	२६	०५	प	३७	४५	२१	१२	ना	५	११	८	११	१५	०६	००	२८	२८	१९	सिंहे	४।०१।४७।२०	५७।३५

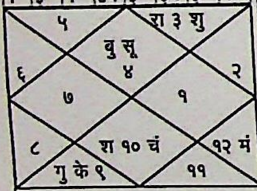
वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पंचक प्रारम्भः २०।४६, ऋग्वेदि उपाकर्म
[C सौरः ९।२०, सिंहे मघा. वुधः ८।१२
भ. ११।२७ उ. २४।१२ या., कज्जली(बूढी ३), वृहद्गौरी व्र. B
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४६, वुधास्तः पूर्वस्याम् १४।५४
आर्द्रा. शुक्रः २४।४०
पंचक समाप्तिः १९।०३, हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.)
भ. ६।४३ उ. १९।५७ या., शीतला व्र., श्लेषा. वुधः २०।०२
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. स्मा.
जन्माष्टमी व्र. वैष्ण. [A सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन महिष अल्पवृष्टिः
भ. २५।३८ उ., गोगानवमी
भ. १४।०३ या. [B (कर्नाटके डोली),(व) उपा.-२ शनिः १७।४५
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, भारतीयस्वतंत्रतादिवस
प्रदोषः, सिंहे मघा. रविः १८।४९, मेषे अश्वि. भौमः २२।१७, A
भ. १२।३४ उ. २३।४१ या., मासिकशिवरात्री व्र., सिंहे मघा. C
कुशांग्रहणी, पिठोरी ३० (मध्यदेशे पोला), पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०७।२३

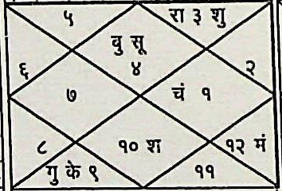
पं.१७ भा.कृ. १ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	११	३	८	२	९	२	८
१७	२५	०३	२५	०२	०३	०२	०२
५८	१९	४३	३९	२०	३०	३८	३८
४०	४५	०९	४२	२१	२४	३४	३४
५७	२५	१११	६	५३	४	३	३
२८	०५	४३	३३	१६	१२	११	११
श्ले	रे	पु	पूषा	मृ	उषा	मृ	मू
१	३	१	४व	३	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायँ	मीन रात्रौ
०३।१७।३३।२४	१ मं	४	१०।४७	१२।२३	२।२०	४।३४	६।५५	९।११	११।२७	१।४६	४।०५	६।०९	७।५३	९।२१
०३।१८।३०।३८	२ बु	५	१०।४३	१२।२०	२।१६	४।३१	६।५१	९।०७	११।२३	१।४२	४।०१	६।०६	७।४९	९।१७
०३।१९।२७।५३	३ गु	६	१०।३९	१२।१६	२।१२	४।२७	६।४७	९।०३	११।१९	१।३८	३।५७	६।०२	७।४५	९।१३
०३।२०।२५।१०	४ शु	७	१०।३५	१२।१२	२।०८	४।२३	६।४३	९।००	११।१५	१।३५	३।५३	५।५८	७।४१	९।०९
०३।२१।२२।२७	५ श	८	१०।३१	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५६	११।११	१।३१	३।४९	५।५४	७।३७	९।०५
०३।२२।१९।४६	६.र	९	१०।२८	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५२	११।०७	१।२७	३।४५	५।५०	७।३३	९।०२
०३।२३।१७।०७	६ चं	१०	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०४	१।२३	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०३।२४।१४।२८	७ मं	११	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	११।००	१।१९	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०३।२५।११।५१	८ बु	१२	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०३।२६।०९।१६	९ गु	१३	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५२	१।११	३।२९	५।३४	७।१७	८।४६
०३।२७।०६।४२	१० शु	१४	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२५	५।३०	७।१३	८।४२
०३।२८।०४।०९	११ श	१५	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२२	५।२६	७।०९	८।३८
०३।२९।०१।३८	१२ र	१६	१०।००	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१८	५।२२	७।०५	८।३४
०३।२९।५९।०९	१३ चं	१७	९।५६	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१४	५।१८	७।०१	८।३०
०४।००।५६।४१	१४ मं	१८	९।५२	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।१०	५।१४	६।५८	८।२६
०४।०१।५४।१५	३० बु	१९	९।४८	११।२४	१।२१	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०६	५।१०	६।५४	८।२२

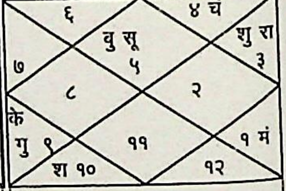
अयनांशाः २४।०७।२३

पं.१८ भा.कृ. ७ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	११	३	८	२	९	२	८
२४	२८	१७	२४	०८	०३	०२	०२
४१	०५	३१	५६	४४	०१	१६	१६
१६	१०	१२	२०	५१	४५	१८	१८
५७	२१	१२३	५	५६	३	३	३
३५	३४	२८	४१	५८	५६	११	११
श्ले	रे	श्ले	पूषा	आ	उषा	मृ	मू
३	४	१	४व	१	२व	३	१



अयनांशाः २४।०७।२४

पं.१९ भा.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	४	८	२	९	२	८
०१	००	०१	२४	१५	०२	०१	०१
२४	२४	५०	१९	३२	३५	५४	५४
४८	१०	१६	३४	५१	१८	०३	०३
५७	१७	११९	४	५९	३	३	३
४४	२७	५३	३९	५५	३३	११	११
म	अ	म	पूषा	आ	उषा	मृ	मू
१	१	१	४व	३	२व	३	१



नक्षत्र युतिः- सूर्य श्लेषा. १६ अग. तः मघा. । मंगल रेवत्यां १६ अग. तः अश्वि. । वुध पुष्ये १० अग. तः श्लेषा. १७ अग. तः मघा. । गुरु पूषा. । शुक्र मृगे ८ अग. तः आर्द्रा. । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु मूले ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य धनि. १६ अग. तः श्रवणे । मंगल उफा. १६ अग. तः पूफा. । बुध ज्येष्ठा. १० अग. तः धनि. १७ अग. तः श्रवणे । गुरु आर्द्रा. । शुक्र उषा. ८ अग. तः पूषा. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य अनुरा. १६ अग. तः भर. । मंगल उफा. १६ अग. तः पूफा. । बुध ज्येष्ठा. १० अग. तः अनुरा. १७ अग. तः भर. । गुरु आर्द्रा. । शुक्र उषा. ८ अग. तः पूषा. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

२० अगस्त से २ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख — स्टै. — प्रातः — दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	बु	५८	०२	२९	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गद	२	गु	५०	१६	२६	१३	पूफा	४४	१६	२३	४९	शि	२८	४९	१७	३९	वा	२४	११	१५	४७	३२/१२	६/०७	६/५९	२९	२९	२०	कन्या २९।१४	४।०२।४४।५५	५७।३७
शुभ	३	शु	४२	१७	२३	०२	उफा	३८	१९	२१	२७	सि	१९	३६	१३	५८	तै	१६	१६	१२	३८	०८	०७	५८	३०	१	२१	कन्या	४।०३।४२।३२	५७।३९
गणेश	४	श	३४	३१	१९	५६	हस्त	३२	३२	१९	०९	सा	१०	२४	१०	१७	व	८	२०	९	२८	०४	०८	५७	३१	२	२२	तुला. ३०।०४	४।०४।४०।११	५७।४०
ऋषि	५	र	२७	१७	१७	०३	चित्रा	२७	१७	१७	०३	शु	९/५३	३९/१३	६/२७	४५/२६	व	०	४८	६	२७	००	०८	५६	१	३	२३	तुला.	४।०५।३७।५२	५७।४२
छत्र	६	सो	२०	५१	१४	२९	स्वा	२२	५१	१५	१७	ब्र	४५	४०	२४	२५	तै	२०	५१	१४	२९	३९/५७	०९	५५	२	४	२४	तुला.	४।०६।३५।३४	५७।४४
श्रीवत्स	७	मं	१५	२७	१२	२०	विशा	१९	२६	१३	५६	ऐ	३९	००	२१	४५	व	१५	२७	१२	२०	५३	०९	५४	३	५	२५	वृश्चि. ८।१३	४।०७।३३।१८	५७।४६
सौम्य	८	बु	११	११	१०	३८	अनु	१७	०९	१३	०१	वै	३३	१७	१९	२८	व	११	११	१०	३८	४९	१०	५३	४	६	२६	वृश्चि.	४।०८।३१।०४	५७।४८
काल	९	गु	८	०५	९	२४	ज्ये	१६	०१	१२	३५	वि	२८	२९	१७	३४	कौ	८	०५	९	२४	४५	१०	५२	५	७	२७	धनु. १२।३५	४।०९।२८।५१	५७।४९
सुस्थिर	१०	शु	६	०७	८	३७	मूल	१६	०१	१२	३५	प्री	२४	३६	१६	०१	ग	६	०७	८	३७	४१	११	५१	६	८	२८	धनु.	४।१०।२६।४१	५७।५१
ए.व्र.	११	श	५	१६	८	१७	पूषा	१७	०४	१३	०१	आ	२१	३२	१४	४८	वि	५	१६	८	१७	३७	११	५०	७	९	२९	मक. १९।११	४।११।२४।३२	५७।५३
प्र.व्र.	१२	र	५	२६	८	२२	उषा	१९	०८	१३	५१	सौ	१९	१८	१३	५५	वा	५	२६	८	२२	३३	१२	४९	८	१०	३०	मक.	४।१२।२२।२५	५७।५५
सिद्धि	१३	सो	६	३३	८	४९	श्रव	२२	०७	१५	०३	शो	१७	४८	१३	१९	तै	६	३३	८	४९	३०	१२	४८	९	११	३१	कुंभे २७।४७	४।१३।२०।२०	५७।५७
उत्पात	१४	मं	८	३७	९	४०	धनि	२६	००	१६	३७	अ	१७	०२	१३	०१	व	८	३७	९	४०	२६	१३	४७	१०	१२	१	कुंभे	४।१४।१८।१७	५७।५९
पूर्णिमा	१५	बु	११	३७	१०	५२	शत	३०	४७	१८	३२	सु	१६	५८	१३	००	व	११	३७	१०	५२	२२	१३	४६	११	१३	२	कुंभे	४।१५।१६।१७	५८।०१

[C गौरी विसर्जन १२।३५ उपरान्त, अगस्त्योदयः १८।४३ [D ३०।०४), सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः [B व्रतं पूजनं,रंभारोपणं, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, सितंबर ९ ता. ३०

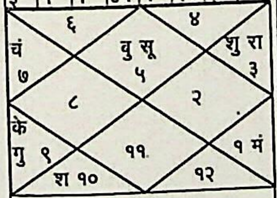
केतकी अहर्गणः ३४२४ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A जैन संवत्सरी, सामवेदि उपाकर्म, सायन कन्यायां भानुः K
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [K २१।२२, पुन. शुक्रः १६।०२
मन्वादि, वराह जयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., G
भ. ९।२८ उ. १९।५६ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), A
ऋषि पंचमी, ललिताषष्ठी व्र.(गुर्जरे), भा.भाद्रपदारंभः,पूफा. बुधः २७।३५
सौर(सूर्य) षष्ठी,स्कन्द दर्शनं,मुक्ताभरण व्र.,उमामहेश्वर पू., H
भ.१२।२० उ. २३।२६ या.,दूर्वाष्टमी,गौरी आवाहन १३।५६ उपरान्त
दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी पूजन १३।०१ उपरान्त
अदुःख नवमी व्र.,श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय),दशावतार व्र., C
भ.२०।२४ उ., श्री रामदेवजी का मेला [G मोहोर्रम १ सन १४४२ हि.
भ. ८।१७ या.,जलझूलनी ११ व्र.,वामन जयंती [H दूबड़ी सातम
प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र., पूफा. रविः १४।४९ (सौरः D
पंचक प्रारम्भः २७।४७, उफा. बुधः १२।२६, कर्के शुक्रः २९।२९
भ. ९।४० उ. २२।१३ या., पूर्णिमा व्रतं, अनन्त १४, कदली B
पूर्णिमा पुण्यं,महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, कन्यायां बुधः ११।१७

अयनांशाः २४।०७।२५

पं.२० भा.शु. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	४	८	२	९	२	८
०८	०२	१५	२३	२२	०२	०१	०१
०९	१२	२४	५०	३९	११	३१	३१
२५	२१	४७	३२	४२	४५	४७	४७
५७	१२	१११	३	६२	३	३	३
५४	४१	२१	२८	१८	०६	११	११
म	अ	पूफा	पूषा	पुन	उषा	मृ	मू
३	१	१	४व	१	२व	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०४।०२।५१।५१	२ गु	२०	९।४४	११।२०	१।१७	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०२	५।०६	६।५०	८।१८
०४।०३।४९।२८	३ शु	२१	९।४०	११।१६	१।१३	३।२७	५।४७	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५८	५।०२	६।४६	८।१४
०४।०४।४७।०७	४ श	२२	९।३६	११।१२	१।०९	३।२३	५।४४	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५४	४।५८	६।४२	८।१०
०४।०५।४४।४७	५ र	२३	९।३२	११।०९	१।०५	३।२०	५।४०	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।५०	४।५५	६।३८	८।०६
०४।०६।४२।२९	६ चं	२४	९।२८	११।०५	१।०१	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०८	१२।२७	२।४६	४।५१	६।३४	८।०२
०४।०७।४०।१४	७ मं	२५	९।२४	११।०१	१२।५७	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४२	४।४७	६।३०	७।५८
०४।०८।३८।००	८ बु	२६	९।२१	१०।५७	१२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३८	४।४३	६।२६	७।५४
०४।०९।३५।४७	९ गु	२७	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३४	४।३९	६।२२	७।५१
०४।१०।३३।३७	१० शु	२८	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५३	१२।१२	२।३०	४।३५	६।१८	७।४७
०४।११।३१।२८	११ श	२९	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२६	४।३१	६।१४	७।४३
०४।१२।२९।२२	१२ र	३०	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२२	४।२७	६।१०	७।३९
०४।१३।२७।१७	१३ चं	३१	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२५	९।४१	१२।००	२।१८	४।२३	६।०६	७।३५
०४।१४।२५।१५	१४ मं	१	८।५७	१०।३३	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२१	९।३७	११।५६	२।१४	४।१९	६।०२	७।३१
०४।१५।२३।१४	१५ बु	२	८।५३	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३३	११।५२	२।११	४।१५	५।५८	७।२७

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०२०
भा. कृ. १२ रवौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १२।२५ से १८।४९ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २४।०७।२६

पं.२१ भा.शु.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	४	८	३	९	२	८
१४	०३	२७	२३	००	०१	०१	०१
५५	२५	५६	३०	०१	५१	०९	०९
१५	१५	३५	०४	५५	३८	३१	३१
५८	७	१०२	२	६४	२	३	३
०५	१७	०९	१०	१६	३३	१२	११
पूफा	अ	उफा	पूषा	पुन	उषा	मृ	मू
१	२	१	४व	४	२व	३	१



नक्षत्र युतिः- सूर्य मघा. ३० अग. तः पूफा. । मंगल अश्वि. । बुध मघा. २३ अग. तः पूफा. ३१ अग. तः उफा. । गुरु पूषा. । शुक्र आर्द्रा. २२ अग. तः पुनर्वसौ । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु मूले ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य श्रवणे ३० अग. तः अश्वि. । मंगल पूफा. । बुध श्रवणे २३ अग. तः अश्वि. ३१ अग. तः रेवत्यां । गुरु आर्द्रा. । शुक्र पूषा. २२ अग. तः मूले । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य भर. ३० अग. तः अश्वि. । मंगल पूफा. । बुध भर. २३ अग. तः अश्वि. ३१ अग. तः रेवत्यां । गुरु आर्द्रा. । शुक्र पूषा. २२ अग. तः मूले । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

३ सितंबर से १७ सितंबर तक,श्री प्र.आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२,दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	गु	१५	३२	१२	२६	पूभा	३६	२७	२०	४८	घृ	१७	३६	१३	१६	कौ	१५	३२	१२	२६	३१/१८	६/१४	६/४५	१२	१४	३	मीने १४।१२	४।१६।१४।१८	५८।०३
ध्वजा	२	शु	२०	२१	१४	२२	उभा	४२	५६	२३	२४	शू	१८	५४	१३	४८	ग	२०	२१	१४	२२	१४	१४	४४	१३	१५	४	मीने	४।१७।१२।२१	५८।०५
च.व्र.	३	श	२५	५६	१६	३७	रेव	५०	०६	२६	१७	गं	२०	४८	१४	३४	वि	२५	५६	१६	३७	१०	१४	४२	१४	१६	५	मेषे २६।१७	४।१८।१०।२६	५८।०७
आनन्द	४	र	३२	०५	१९	०५	अश्वि	५७	४२	२९	२०	वृ	२३	०९	१५	३१	वा	३२	०५	१९	०५	०६	१५	४१	१५	१७	६	मेषे	४।१९।०८।३३	५८।०९
चर	५	सो	३८	२५	२१	३८	भर	...	...	...	...	ध्रु	२५	४२	१६	३२	कौ	५	१४	८	२१	०२	१५	४०	१६	१८	७	मेषे	४।२०।०६।४२	५८।११
मुसल	६	मं	४४	२६	२४	०२	भर	५	१८	८	२३	व्या	२८	०४	१७	२९	ग	११	३०	१०	५२	३०/५८	१६	३९	१७	१९	८	वृषे १५।०७	४।२१।०४।५४	५८।१३
सिद्धि	७	बु	४९	३४	२६	०६	कृति	१२	२२	११	१३	ह	२९	५१	१८	१३	वि	१७	०९	१३	०८	५४	१६	३८	१८	२०	९	वृषे	४।२२।०३।०७	५८।१६
उत्पात	८	गु	५३	१६	२७	३५	रोहि	१८	२१	१३	३७	व	३०	४०	१८	३३	बा	२१	३८	१४	५६	५०	१७	३७	१९	२१	१०	मिथु. २६।३६	४।२३।०१।२३	५८।१८
मानस	९	शु	५५	०६	२८	२०	मृग	२२	४५	१५	२३	सि	३०	०९	१८	२१	तै	२४	२५	१६	०३	४६	१७	३५	२०	२२	११	मिथु.	४।२३।५९।४०	५८।२०
मुद्गर	१०	श	५४	५०	२८	१४	आर्द्रा	२५	१२	१६	२३	व्य	२८	०३	१७	३१	व	२५	१४	१६	२३	४२	१८	३४	२१	२३	१२	मिथु.	४।२४।५८।००	५८।२२
ए.व्र.	११	र	५२	२५	२७	१६	पुन	२५	३४	१६	३२	व	२४	१४	१६	००	व	२३	५३	१५	५१	३८	१८	३३	२२	२४	१३	कर्के १०।३४	४।२५।५६।२२	५८।२४
धाता	१२	सो	४७	५७	२५	२९	पुष्य	२३	४९	१५	५०	प	१८	४४	१३	४८	कौ	२०	२५	१४	२९	३३	१९	३२	२३	२५	१४	कर्के	४।२६।५४।४६	५८।२६
प्र.व्र.	१३	मं	४१	४३	२३	००	श्ले	२०	११	१४	२४	शि	११	४०	१०	५९	ग	१५	०२	१२	२०	२९	१९	३१	२४	२६	१५	सिंहे १४।२४	४।२७।५३।१३	५८।२९
चर	१४	बु	३४	०३	१९	५७	मघा	१४	५९	१२	१९	सि	३/५३	१६/५०	७/२७	३८/१२	वि	८	०२	९	३२	२५	२०	३०	२५	२७	१६	सिंहे	४।२८।५१।४१	५८।३१
अमाव.	३०	गु	२५	२५	१६	३०	पूफा	८	३७	९	४७	शु	४३	४२	२३	४९	ना	२५	२५	१६	३०	२१	२०	२८	२६	२८	१७	कन्या १५।०६	४।२९।५०।१२	५८।३३

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंवर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
[A पू., कन्यायां सौरः १०।२१, चित्रा. बुधः १६।४२
भ. २७।२७ उ., पुष्ये शुक्रः ७।५४
भ.१६।३७ या.,पंचक समाप्तिः २६।१७,चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४७
(व) पूषा -३ गुरुः २६।०४
भरणी श्राद्ध, चंद्रषष्ठी, वुधोदयः पश्चिमायाम् ११।५२
भ. २४।०२ उ., हस्ते वुधः १५।१६
भ. १३।०८ या. [B गुरुः १७।०३, सं.स्री.स्री.सू.चं.वाहन C
श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, वक्री भौमः २०।२३
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं [C चातक अल्पवृष्टिः
भ. १६।२३ उ. २८।१४ या.
इंदिरा ११ व्र., उफा. रविः ८।४३ (सौरः २४।१४), मार्गी B
सन्यासिनां श्राद्धं [D श्लेषा. शुक्रः ९।५७
भ. २३।०० उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., युगादि
भ. ९।३२ या., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, कन्यायां रविः १८।४९, D
देवपितृकार्येऽमा.,अधिक मासारंभः,सर्वपितृ श्राद्धम्, विश्वकर्मा A

अयनांशाः २४।०७।२७

पं.२२ प्र.आ.कृ. ६ मं.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	५	८	३	९	२	८
२१	०३	०९	२३	०७	०१	००	००
४२	५८	२४	१८	३६	३५	४७	४७
२५	४५	५७	४४	५२	२५	१५	१५
५८	१	९३	०	६५	१	३	३
१७	२३	२३	५१	५४	५८	११	११
पूफा	अ	उफा	पूषा	पु	उषा	मृ	मू
३	२	४	३व	२	२व	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ
०४।१६।२१।१५	१ गु	३	८।४९	१०।२५	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१३	९।२९	११।४८	२।०७	४।११	५।५४	७।२३
०४।१७।१९।१९	२ शु	४	८।४५	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२५	११।४४	२।०३	४।०७	५।५०	७।१९
०४।१८।१७।२४	३ श	५	८।४१	१०।१७	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०५	९।२१	११।४०	१।५९	४।०३	५।४७	७।१५
०४।१९।१५।३१	४ र	६	८।३७	१०।१३	१२।१०	२।२४	४।४४	७।०१	९।१७	११।३६	१।५५	३।५९	५।४३	७।११
०४।२०।१३।४१	५ चं	७	८।३३	१०।०९	१२।०६	२।२०	४।४०	६।५७	९।१३	११।३२	१।५१	३।५५	५।३९	७।०७
०४।२१।११।५२	६ मं	८	८।२९	१०।०५	१२।०२	२।१६	४।३७	६।५३	९।०९	११।२८	१।४७	३।५१	५।३५	७।०३
०४।२२।१०।०६	७ बु	९	८।२५	१०।०१	११।५८	२।१२	४।३३	६।४९	९।०५	११।२४	१।४३	३।४७	५।३१	६।५९
०४।२३।०८।२२	८ गु	१०	८।२१	९।५८	११।५४	२।०९	४।२९	६।४५	९।०१	११।२०	१।३९	३।४४	५।२७	६।५५
०४।२४।०६।३९	९ शु	११	८।१७	९।५४	११।५०	२।०५	४।२५	६।४२	८।५७	११।१६	१।३५	३।४०	५।२३	६।५१
०४।२५।०५।००	१० श	१२	८।१३	९।५०	११।४६	२।०१	४।२१	६।३८	८।५३	११।१३	१।३१	३।३६	५।१९	६।४७
०४।२६।०३।२२	११ र	१३	८।१०	९।४६	११।४२	१।५७	४।१७	६।३४	८।४९	११।०९	१।२७	३।३२	५।१५	६।४३
०४।२७।०१।४६	१२ चं	१४	८।०६	९।४२	११।३८	१।५३	४।१३	६।३०	८।४६	११।०५	१।२३	३।२८	५।११	६।४०
०४।२८।००।१३	१३ मं	१५	८।०२	९।३८	११।३४	१।४९	४।०९	६।२६	८।४२	११।०१	१।१९	३।२४	५।०७	६।३६
०४।२८।५८।४२	१४ बु	१६	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२२	८।३८	१०।५७	१।१५	३।२०	५।०३	६।३२
०४।२९।५७।१३	३० गु	१७	७।५४	९।३०	११।२६	१।४१	४।०१	६।१८	८।३४	१०।५३	१।११	३।१६	४।५९	६।२८

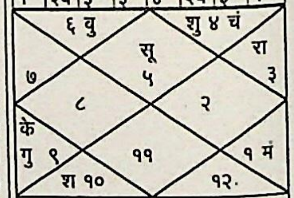
संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंवर २०२०

प्र.आश्वि. कृ. १४ वुधे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं श्वान्वाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १८।४९ से २५।१३ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०७।२८

पं.२३ प्र.आ.कृ.१३ मं.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	५	८	३	९	२	८
२८	०३	१९	२३	१५	०१	००	००
३१	५०	५४	१६	२२	२३	२४	२४
०२	०५	२०	४८	३०	३१	५९	५९
५८	४	८५	०	६७	१	३	३
३०	४३	२५	३०	१८	२०	११	११
उफा	अ	ह	पूषा	पु	उषा	मृ	मू
१	२व	३	३	४	२व	३	१



नक्षत्र युतिः- सूर्य पूफा. १३ सितं. तः उफा. । मंगल अश्वि. । बुध उफा. ८ सितं. तः हस्ते १७ सितं. तः चित्रा. । गुरु पूषा । शुक्र पुनर्वसौ ४ सितं. तः पुष्ये १६ सित. तः श्लेषा. । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु मूले ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य अश्वि. १३ सितं. तः रेवत्यां । मंगल पूफा. । बुध रेवत्यां ८ सितं. तः उभा. १७ सितं. तः पूभा. । गुरु आर्द्रा. । शुक्र मूले ४ सितं. तः ज्येष्ठा. १६ सितं. तः धनि. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य अश्वि. १३ सितं. तः रेवत्यां । मंगल पूफा. । बुध रेवत्यां ८ सितं. तः उभा. १७ सितं. तः पूभा. । गुरु आर्द्रा. । शुक्र मूले ४ सितं. तः ज्येष्ठा. १६ सितं तः अनुरा. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ ।

१८ सितंबर से १ अक्टूबर तक, श्री प्र.आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	शु	१६	१४	१२	५०	उफा	१/५४	३४/२०	६/२८	५८/५४	शु	३३	१६	१९	३९	व	१६	१४	१२	५०	३०/१६	६/६०	६/२३	२७	२९	१८	कन्या	५।००।४८।४५	५८।३५
काण	२	श	७	०१	९	०९	चित्रा	४७	२३	२५	१८	ब्र	२२	५६	१५	३१	कौ	७	०१	९	०९	१३	२१	२६	२८	१	१९	तुला. १४।४०	५।०१।४७।२०	५८।३८
क्षयः	३	श	५८	१२	२९	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	४	र	५०	१०	२६	२५	स्वा	४१	०९	२२	४९	ऐ	१३	०१	११	३४	व	२४	०३	१५	५९	०९	२१	२५	२९	२	२०	तुला.	५।०२।४५।५८	५८।४०
मित्र	५	सो	४३	१९	२३	४१	विशा	३६	०१	२०	४६	वै	३/५५	५२/३५	७/२८	५५/४०	व	१६	३४	१२	५९	०५	२२	२४	३०	३	२१	वृश्चि. १५।१४	५।०३।४४।३८	५८।४२
वज्र	६	मं	३७	४९	२१	३०	अनु	३२	१५	१९	१६	प्री	४८	४६	२५	५३	कौ	१०	२२	१०	३१	०१	२२	२३	३१	४	२२	वृश्चि.	५।०४।४३।२०	५८।४४
ध्वाङ्क्ष	७	बु	३३	५४	१९	५६	ज्ये	३०	००	१८	२३	आ	४३	०४	२३	३६	ग	५	३९	८	३८	२९/५७	२३	२१	१	५	२३	धनु. १८।२३	५।०५।४२।०४	५८।४७
धूम्र	८	गु	३१	३४	१९	०१	मूल	२९	२०	१८	०७	सौ	३८	३८	२१	५०	वि	२	३१	७	२४	५३	२३	२०	२	६	२४	धनु.	५।०६।४०।५१	५८।४९
प्रवर्धमा	९	शु	३०	४६	१८	४२	पूषा	३०	११	१८	२८	शो	३५	२५	२०	३४	वा	०	५९	६	४७	४८	२४	१९	३	७	२५	मक. २४।३९	५।०७।३९।४०	५८।५१
राक्षस	१०	श	३१	२५	१८	५८	उषा	३२	२७	१९	२३	अ	३३	१९	१९	४४	तै	०	५५	६	४६	४४	२४	१८	४	८	२६	मक.	५।०८।३८।३१	५८।५४
ए.ब्र.	११	र	३३	२१	१९	४५	श्रव	३५	५६	२०	४७	सु	३२	१२	१९	१७	व	२	१४	७	१८	४०	२५	१७	५	९	२७	मक.	५।०९।३७।२५	५८।५६
शुभ	१२	सो	३६	२३	२०	५८	धनि	४०	२८	२२	३७	धृ	३१	५५	१९	११	ब	४	४४	८	१९	३६	२५	१६	६	१०	२८	कुंभे ९।३९	५।१०।३६।२१	५८।५८
प्र.ब्र.	१३	मं	४०	२१	२२	३४	शत	४५	५३	२४	४७	शू	३२	२१	१९	२२	कौ	८	१५	९	४४	३२	२६	१४	७	११	२९	कुंभे	५।११।३५।१९	५९।०१
पद्म	१४	बु	४५	०३	२४	२७	पूभा	५२	०१	२७	१५	गं	३३	२३	१९	४७	ग	१२	३७	११	२९	२८	२६	१३	८	१२	३०	मीने २०।३६	५।१२।३४।२०	५९।०३
पूर्णिमा	१५	गु	५०	२४	२६	३६	उभा	५८	४४	२९	५६	वृ	३४	५३	२०	२४	वि	१७	३८	१३	३०	२४	२७	१२	९	१३	१	मीने	५।१३।३३।२२	५९।०५

केतकी अहर्गणः ३४५३ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंवर-अक्टूबर २०२०

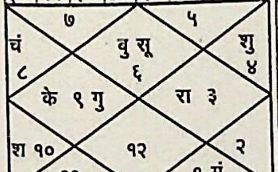
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
सफर २, पूषा.-४ गुरुः ७।३३
[A राहुः २६।५६, वृश्चिके ज्येष्ठा.-४ केतुः २६।५६
भ. १५।५९ उ. २६।२५ या.

सायन तुलायां भानुः १९।१०, तुलायां बुधः १६।१२, वृषे मृगे-२ A
भ. १९।५६ उ., भा. अश्विनारंभः
भ. ७।२४ या.
[B १५।३७, स्वा. बुधः २७।२९, सिंहे मघा. शुक्रः २६।४५
हस्ते रविः २४।१४, सं.स्री.पु.सू.चं.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
भ. ७।१८ उ. १९।४५ या., कमला ११ व्र., हस्ते सौरः B
पंचक प्रारम्भः ९।३९
प्रदोषः, मार्गी शनिः २२।४३
भ. २४।२७ उ.
भ. १३।३० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, अक्टूबर १० ता. ३१

अयनांशाः २४।०७।२९

प.२४ प्र.आ.शु. ६ मं.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	०	५	८	३	९	२	८
०५	०२	२९	२३	२३	०१	००	००
२१	५९	२८	२४	१७	१६	०२	०२
१२	१४	२५	१९	१७	१२	४३	४३
५८	१०	७७	१	६८	०	३	३
४३	३२	०९	५०	३०	४०	११	११
उफा	अ	चि	पूषा	श्ले	उषा	मृ	मू
३	१व	२	४	२	२व	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०५।००।५५।४६	१ शु	१८	७।५०	९।२६	११।२२	१।३७	३।५७	६।१४	८।३०	१०।४९	१।०७	३।१२	४।५५	६।२४
०५।०१।५४।२२	२ श	१९	७।४६	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।१०	८।२६	१०।४५	१।०३	३।०८	४।५१	६।२०
०५।०२।५२।५९	४ र	२०	७।४२	९।१८	११।१४	१।२९	३।४९	६।०६	८।२२	१०।४१	१।००	३।०४	४।४७	६।१६
०५।०३।५१।४०	५ चं	२१	७।३८	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५६	३।००	४।४३	६।१२
०५।०४।५०।२२	६ मं	२२	७।३४	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५८	८।१४	१०।३३	१२।५२	२।५६	४।३९	६।०८
०५।०५।४९।०७	७ बु	२३	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४८	२।५२	४।३६	६।०४
०५।०६।४७।५३	८ गु	२४	७।२६	९।०२	१०।५९	१।१३	३।३३	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४४	२।४८	४।३२	६।००
०५।०७।४६।४३	९ शु	२५	७।२२	८।५८	१०।५५	१।०९	३।२९	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।४०	२।४४	४।२८	५।५६
०५।०८।४५।३४	१० श	२६	७।१८	८।५४	१०।५१	१।०५	३।२६	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३६	२।४०	४।२४	५।५२
०५।०९।४४।२८	११ र	२७	७।१४	८।५१	१०।४७	१।०२	३।२२	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३२	२।३६	४।२०	५।४८
०५।१०।४३।२४	१२ चं	२८	७।१०	८।४७	१०।४३	१२।५८	३।१८	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२८	२।३३	४।१६	५।४४
०५।११।४२।२३	१३ मं	२९	७।०६	८।४३	१०।३९	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४६	१०।०५	१२।२४	२।२९	४।१२	५।४०
०५।१२।४१।२४	१४ बु	३०	७।०२	८।३९	१०।३५	१२।५०	३।१०	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।२०	२।२५	४।०८	५।३६
०५।१३।४०।२७	१५ गु	१	६।५९	८।३५	१०।३१	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१६	२।२१	४।०४	५।३३

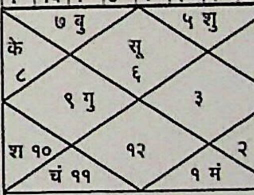
मास फलम्

दो आसोज होने से पृथ्वी में सेना, चौर और रोगभय होता है। और उस वर्ष में सुभिक्ष नहीं होता हैं, दक्षिण दिशा में दुर्भिक्ष हो। इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। चन्द्रजीवौयदा पंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक है। अमावस को पूर्वाफाल्गुनी होने से मध्यम वर्षा हो। शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। सुदी चौथ को रविवार होने से घी और अन्नादि भाव मंदा हो। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०७।३०

प.२५ प्र.आ.शु.१३ मं.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	०	६	८	४	९	१	७
१२	०१	०७	२३	०१	०१	२९	२९
१२	३०	५५	४१	१९	१३	४०	४०
५८	२०	३६	१०	५८	३८	२७	२७
५८	१५	६४	३	६९	०	३	३
५८	१९	५५	०९	३२	०२	११	११
ह	अ	स्वा	पूषा	म	उषा	मृ	ज्ये
१	१व	१	४	१	२	२	४



नक्षत्र युतिः:- सूर्य उफा. २६ सितं. तः हस्ते । मंगल अश्वि. । बुध चित्रा. २७ सितं. तः स्वातौ । गुरु पूषा. । शुक्र श्लेषा. २७ सितं. तः मघा. । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु मूले २२ सितं. तः (व) ज्येष्ठा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः:- सूर्य रेवत्यां २६ सितं. तः उभा. । मंगल पूफा. । बुध पूभा. २७ सितं. तः शते । गुरु आर्द्रा. । शुक्र धनि. २७ सितं. तः श्रवणे । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ २२ सितं. तः पुष्ये ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः:- सूर्य रेवत्यां २६ सितं. तः उभा. । मंगल पूफा. । बुध पूभा. २७ सितं. तः शते । गुरु आर्द्रा. । शुक्र अनुरा. २७ सितं. तः भर. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुनर्वसौ २२ सितं. तः पुष्ये ।

२ अक्टूबर से १६ अक्टूबर तक, श्री द्वि.आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख — स्टै. प्रातः दैनिक — शरदृतू रविर्दक्षिणे प्र.आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्रीवत्स	१	शु	५६	१४	२८	५७	रेव	...	...	...	...	ध्रु	३६	४७	२१	१०	वा	२३	१५	१५	४५	२९/३०	६/२७	६/११	१०	१४	२	मीने	५।१४।३२।२८	५९।०८	गांधी जयन्ती
धाता	२	श	...	...	...	...	रेव	५	५३	८	४९	व्या	३८	५९	२२	०३	तै	२९	१८	१८	११	१६	२८	१०	११	१५	३	मेषे ८।४९	५।१५।३१।३५	५९।१०	पंचक समाप्तिः ८।४९
आनन्द	२	र	२	२६	७	२७	अश्वि	१३	२२	११	४९	ह	४१	२१	२३	०१	ग	२	२६	७	२७	११	२८	०९	१२	१६	४	मेषे	५।१६।३०।४५	५९।१२	भ. २०।४३ उ., (व) मीने रेव. भौमः १८।०३
च.व्र.	३	सो	८	४७	१०	००	भर	२०	५७	१४	५२	व	४३	४३	२३	५८	वि	८	४७	१०	००	०७	२९	०८	१३	१७	५	वृषे २१।३७	५।१७।२९।५७	५९।१५	भ. १०।०० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।२३
गद	४	मं	१४	५९	१२	२९	कृति	२८	२०	१७	४९	सि	४५	४८	२४	४८	वा	१४	५९	१२	२९	०३	२९	०७	१४	१८	६	वृषे	५।१८।२९।१२	५९।१७	[A मण्डूक अल्पवृष्टिः
शुभ	५	बु	२०	३८	१४	४५	रोहि	३५	०४	२०	३१	व्य	४७	१७	२५	२५	तै	२०	३८	१४	४५	२८/५६	३०	०५	१५	१९	७	वृषे	५।१९।२८।२९	५९।१९	
मृत्यु	६	गु	२५	१२	१६	३५	मृग	४०	४१	२२	४७	व	४७	४९	२५	३८	व	२५	१२	१६	३५	५५	३०	०४	१६	२०	८	मिथु. ९।४३	५।२०।२७।४८	५९।२२	भ. १६।३५ उ. २९।१७ या.
पद्म	७	शु	२८	१५	१७	४९	आर्द्रा	४४	४५	२४	२५	प	४७	०४	२५	२०	व	२८	१५	१७	४९	५१	३१	०३	१७	२१	९	मिथु.	५।२१।२७।१०	५९।२४	पूफा. शुक्रः १२।५०
छत्र	८	श	२९	२५	१८	१७	पुन	४६	५३	२५	१७	शि	४४	४६	२४	२६	कौ	२९	२५	१८	१७	४७	३१	०२	१८	२२	१०	कर्के ११।०८	५।२२।२६।३४	५९।२६	चित्रा. रविः १३।१४ (सौरः २८।०७), सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन A
श्रीवत्स	९	र	२८	२७	१७	५५	पुष्य	४६	५६	२५	१८	सि	४०	४७	२२	५१	ग	२८	२७	१७	५५	४३	३२	०१	१९	२३	११	कर्के	५।२३।२६।००	५९।२९	भ. २९।२४ उ.
सौम्य	१०	सो	२५	२०	१६	४१	श्ले	४४	५३	२४	२९	सा	३५	०६	२०	३५	वि	२५	२०	१६	४१	३९	३२	००	२०	२४	१२	सिंहे २४।२९	५।२४।२५।२८	५९।३१	भ. १६।४१ या.
ए.व्र.	११	मं	२०	११	१४	३७	मघा	४०	५३	२२	५४	शु	२७	४८	१७	४०	वा	२०	११	१४	३७	३५	३३	५९	२१	२५	१३	सिंहे	५।२५।२४।५९	५९।३३	कमला ११ व्र., बुधास्तः पश्चिमायाम् २३।३२
प्र.व्र.	१२	बु	१३	१७	११	५२	पूफा	३५	१७	२०	४१	शु	१९	०७	१४	१२	तै	१३	१७	११	५२	३१	३४	५८	२२	२६	१४	कन्या २६।०२	५।२६।२४।३२	५९।३६	प्रदोषः, वक्री बुधः १२।४३
मातङ्ग	१३	गु	५	००	८	३४	उफा	२८	२९	१७	५८	ब्र	९	११	१०	१८	व	५	००	८	३४	२७	३४	५७	२३	२७	१५	कन्या	५।२७।२४।०८	५९।३८	भ. ८।३४ उ. १८।४६ या., मासिकशिवरात्री व्र.
क्षयः	१४	गु	५५	४९	२८	५४	०	०	०	०	०	ऐ	५८	४८	३०	०५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	
अमाव.	३०	शु	४६	०८	२५	०२	हस्त	२०	५६	१४	५७	वै	४७	५३	२५	४४	च	२१	००	१४	५९	२३	३५	५६	२४	२८	१६	तुला. २५।२४	५।२८।२३।४५	५९।४०	देवपितृकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः

अयनांशाः २४।०७।३१

प.२६ द्वि.आ.कृ. ४ मं.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	११	६	८	४	९	१	७
१९	२९	१४	२४	०९	०१	२९	२९
०६	३२	३०	०७	२९	१५	१८	१८
२४	४८	४१	०४	३५	५७	१२	१२
५९	१८	४२	४	७०	०	३	३
१२	२१	२७	२५	२८	४४	११	११
ह	रे	स्वा	पूषा	म	उषा	मृ	ज्ये
३	४व	३	४	३	२	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

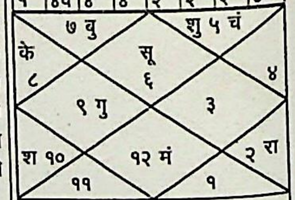
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।१४।३९।३२	१ शु	२	६।५५	८।३१	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।१९	७।३५	९।५४	१२।१२	२।१७	४।००	५।२९
०५।१५।३८।४०	२ श	३	६।५१	८।२७	१०।२३	१२।३८	२।५८	५।१५	७।३१	९।५०	१२।०८	२।१३	३।५६	५।२५
०५।१६।३७।५०	२ र	४	६।४७	८।२३	१०।१९	१२।३४	२।५४	५।११	७।२७	९।४६	१२।०४	२।०९	३।५२	५।२१
०५।१७।३७।०३	३ चं	५	६।४३	८।१९	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०७	७।२३	९।४२	१२।००	२।०५	३।४८	५।१७
०५।१८।३६।१८	४ मं	६	६।३९	८।१५	१०।११	१२।२६	२।४६	५।०३	७।१९	९।३८	११।५६	२।०१	३।४४	५।१३
०५।१९।३५।३५	५ बु	७	६।३५	८।११	१०।०७	१२।२२	२।४२	४।५९	७।१५	९।३४	११।५३	१।५७	३।४०	५।०९
०५।२०।३४।५४	६ गु	८	६।३१	८।०७	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५५	७।११	९।३०	११।४९	१।५३	३।३६	५।०५
०५।२१।३४।१६	७ शु	९	६।२७	८।०३	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५१	७।०७	९।२६	११।४५	१।४९	३।३२	५।०१
०५।२२।३३।४१	८ श	१०	६।२३	७।५९	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०३	९।२२	११।४१	१।४५	३।२८	४।५७
०५।२३।३३।०७	९ र	११	६।१९	७।५५	९।५२	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	११।३७	१।४१	३।२५	४।५३
०५।२४।३२।३६	१० चं	१२	६।१५	७।५१	९।४८	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५५	९।१४	११।३३	१।३७	३।२१	४।४९
०५।२५।३२।०७	११ मं	१३	६।११	७।४७	९।४४	११।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	११।२९	१।३३	३।१७	४।४५
०५।२६।३१।४०	१२ बु	१४	६।०७	७।४३	९।४०	११।५४	२।१५	४।३१	६।४७	९।०६	११।२५	१।२९	३।१३	४।४१
०५।२७।३१।१६	१३ गु	१५	६।०३	७।४०	९।३६	११।५१	२।११	४।२७	६।४३	९।०२	११।२१	१।२६	३।०९	४।३७
०५।२८।३०।५४	३० शु	१६	५।५९	७।३६	९।३२	११।४७	२।०७	४।२३	६।३९	८।५८	११।१७	१।२२	३।०५	४।३३

मास फलम्

इस माह मे पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, पांच शनिवार होने से महँगाई हो ॥ प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे ॥ शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या को हस्त होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। शु. प्रतिपदा को शनिवार होने से धान्यादि भाव में मंदी हो। पूर्णिमा अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी हैं। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।०७।३२

प.२७ द्वि.आ.कृ.११ मं.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	११	६	८	४	९	१	७
२६	२७	१७	२४	१७	०१	२८	२८
०१	२०	३८	४१	४५	२३	५५	५५
३२	५५	३२	३८	२०	०९	५६	५६
५९	१९	१	५	७१	१	३	३
२६	०१	५६	३७	१७	२५	११	११
चि	रे	स्वा	पूषा	पूफा	उषा	मृ	ज्ये
१	४व	४	४	२	२	२	४



नक्षत्र युतिः- सूर्य हस्ते १० अक्टू. स्टे.१३।१४ उप. चित्रा. । मंगल अश्वि. ४ अक्टू. स्टे १८।०३ उप. (व) रेवत्यां । बुध स्वातौ । गुरु पूषा. । शुक्र मघा. ९ अक्टू. स्टे.१२।५० उप. पूफा. । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु ज्येष्ठा. ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य उभा. १० अक्टू. स्टे.१३।१४ उप. पूभा. । मंगल पूफा. ४ अक्टू. स्टे.१८।०३ उप. उफा. । बुध शते । गुरु आर्द्रा. । शुक्र श्रवणे ९ अक्टू. स्टे.१२।५० उप. अश्वि. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।
अन्यत्र संप्तशलाका वेधः- सूर्य उभा. १० अक्टू. स्टे.१३।१४ उप. पूभा. । मंगल पूफा. ४ अक्टू. स्टे.१८।०३ उप. उफा. । बुध शते । गुरु आर्द्रा. । शुक्र भर. ९ अक्टू. स्टे.१२।५० उप. अश्वि. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।

|| सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ||

१७ अक्टूबर से ३१ अक्टूबर तक,श्री द्वि.आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमासू. सू. तारीस — स्टं. प्रातः दैनिक

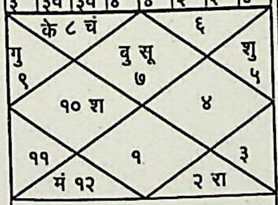
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	श	३६	२६	२१	१०	चित्रा	१३	१०	११	५१	वि	३६	५९	२१	२३	किं	११	१५	११	०५	२८/१२	६/३५	५/५५	२५	२९	१७	तुला.	५।२९।२३।२५	५९।४२
लुम्बक	२	र	२७	१३	१७	२९	स्वा	५/५८	३९/४२	८/३०	५९/०२	प्री	२६	२८	१७	११	वा	१	४४	७	१८	१५	३६	५४	२६	३०	१८	वृश्चि. २४।४७	६।००।२३।०८	५९।४५
मानस	३	सो	१८	५४	१४	१०	अनु	५३	१२	२७	५३	आ	१६	४२	१३	१७	ग	१८	५४	१४	१०	११	३७	५३	२७	१	१९	वृश्चि.	६।०१।२२।५२	५९।४७
मुद्गर	४	मं	११	५०	११	२१	ज्ये	४८	५९	२६	१३	सौ	७	५६	९	४७	वि	११	५०	११	२१	०७	३७	५२	२८	२	२०	धनु. २६।१३	६।०२।२२।३९	५९।४९
ध्वजा	५	बु	६	२०	९	१०	मूल	४६	२८	२५	१३	शो	०/५४	२६/०२	६/२८	४८/०३	बा	६	२०	९	१०	०३	३८	५१	२९	३	२१	धनु.	६।०३।२२।२८	५९।५१
धाता	६	गु	२	३६	७	४१	पूषा	४५	४७	२४	५७	सु	४९	४५	२६	३२	तै	२	३६	७	४१	२७/५९	३८	५०	३०	४	२२	धनु.	६।०४।२२।२०	५९।५४
दुर्गा	७	शु	०	४४	६	५७	उषा	४६	५५	२५	२५	धृ	४६	३६	२५	१८	व	०	४४	६	५७	५६	३९	४९	१	५	२३	मक. ७।००	६।०५।२२।१३	५९।५६
सुस्थिर	८	श	०	४४	६	५७	श्रव	४९	४६	२६	३४	शू	४४	५१	२४	३६	व	०	४४	६	५७	५२	४०	४८	२	६	२४	मक.	६।०६।२२।०९	५९।५८
विजया	९	र	२	२८	७	४०	धनि	५४	०८	२८	२०	गं	४४	१७	२४	२३	कौ	२	२८	७	४०	४८	४०	४७	३	७	२५	कुंभे १५।२३	६।०७।२२।०७	६०।००
अमृत	१०	सो	५	४४	८	५८	शत	५९	४४	३०	३४	वृ	४४	४५	२४	३५	ग	५	४४	८	५८	४४	४१	४७	४	८	२६	कुंभे	६।०८।२२।०७	६०।०२
ए.व्र.	११	मं	१०	१२	१०	४६	पूभा	...	...	...	...	ध्रु	४५	५८	२५	०५	वि	१०	१२	१०	४६	४०	४२	४६	५	९	२७	मीने २६।३०	६।०९।२२।०९	६०।०४
प्र.व्र.	१२	बु	१५	३४	१२	५६	पूभा	६	१२	९	११	व्या	४७	४३	२५	४७	बा	१५	३४	१२	५६	३७	४२	४५	६	१०	२८	मीने	६।१०।२२।१४	६०।०७
छत्र	१३	गु	२१	३१	१५	१९	उभा	१३	१५	१२	०१	ह.	४९	४५	२६	३७	तै	२१	३१	१५	१९	३३	४३	४४	७	११	२९	मीने	६।११।२२।२०	६०।०९
श्रीवत्स	१४	शु	२७	४३	१७	४९	रेव	२०	३६	१४	५८	व	५१	५५	२७	३०	व	२७	४३	१७	४९	२९	४४	४३	८	१२	३०	मेषे १४।५८	६।१२।२२।२९	६०।११
पूर्णिमा	१५	श	३३	५९	२०	२०	अश्वि	२८	०२	१७	५७	सि	५४	०६	२८	२३	वि	०	५१	७	०५	२६	४४	४३	९	१३	३१	मेषे	६।१३।२२।४०	६०।१३

केतकी अहर्गणः ३४८२ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०२०
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टं.टा.में है ।
नवरात्रारम्भः, घटस्था.अग्रसेन जयंती,आकाश दीपारंभः,मातामह C
चंद्रदर्शनम् (मु.४५) [C श्रा.,तुलायां रविः ६।४८ (सौरः २१।१८)
भ. २४।४१ उ., रविलावल ३ [H पु.सू.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
भ. ११।२१ या., उपांग ललिता व्र., उफा. शुक्रः १७।४७
सरस्वती आवाहनं मूलभे [E शमीपूजा,पट्टाभिषेक
सरस्वती पूजनं पू.षाभे, सायन वृश्चिके भानुः २८।३८
भ. ६।५७ उ. १८।५१ या.,भद्रकाली अवतार,महाष्टमी,बलिदानं A
मन्वादि, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे, स्वा. सौरः १३।४९
पंचक प्रारम्भः १५।२३, बोद्धावतार,शस्त्रादि पूजा, विजया १०, E
भ.२१।४९ उ. [A उ.षाभे.भा.कार्तिकारंभः, स्वा.रविः २३।४४, G
भ. १०।४६ या., पापांकुशा ११ व्र., (व) चित्रा. बुधः १४।१६
प्रदोषः,कार्तिके द्विदलं त्यजेत् [G कन्यायां शुक्रः १२।२१,सं.स्ती. H
[D कोजागरी व्र.,बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।१६,उषा.-१ गुरुः १०।४२
भ. १७।४९ उ., पंचक समाप्तिः १४।५८, शरद पूर्णिमा, D
भ.७।०५ या.,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च,वंगीय । लक्ष्मीपूजा,नवान्न भक्षण, B
[B आश्वयुजी कर्म(आश्वलायन शास्त्रा), कार्तिक स्नान प्रा., हस्ते शुक्रः१८।४३

अयनांशाः २४।०७।३३

पं.२८ द्वि.आ.शु. ४ मं.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	११	६	८	४	९	१	७
०२	२५	१५	२५	२६	०१	२८	२८
५८	११	०४	२४	०६	३५	३३	३३
२०	३५	२५	२४	३१	१०	३९	३९
५९	१७	५४	६	७२	२	३	३
४१	१८	२९	४५	००	०६	११	११
चि	रे	स्वा	पूषा	पूफा	उषा	मृ	ज्ये
३	३व	३व	४	४	२	२	४



|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२९।३०।३५	१ श	१७	५।५५	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।२०	६।३५	८।५४	११।१३	१।१८	३।०१	४।२९
०६।००।३०।१७	२ र	१८	५।५१	७।२८	९।२४	११।३९	१।५९	४।१६	६।३१	८।५१	११।०९	१।१४	२।५७	४।२५
०६।०१।३०।०२	३ चं	१९	५।४८	७।२४	९।२०	११।३५	१।५५	४।१२	६।२७	८।४७	११।०५	१।१०	२।५३	४।२२
०६।०२।२९।४९	४ मं	२०	५।४४	७।२०	९।१६	११।३१	१।५१	४।०८	६।२४	८।४३	११।०१	१।०६	२।४९	४।१८
०६।०३।२९।३९	५ बु	२१	५।४०	७।१६	९।१२	११।२७	१।४७	४।०४	६।२०	८।३९	१०।५७	१।०२	२।४५	४।१४
०६।०४।२९।३०	६ गु	२२	५।३६	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	४।००	६।१६	८।३५	१०।५३	१२।५८	२।४१	४।१०
०६।०५।२९।२४	७ शु	२३	५।३२	७।०८	९।०४	११।१९	१।३९	३।५६	६।१२	८।३१	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०६
०६।०६।२९।२०	८ श	२४	५।२८	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५२	६।०८	८।२७	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०२
०६।०७।२९।१८	९ र	२५	५।२४	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४८	६।०४	८।२३	१०।४२	१२।४६	२।२९	३।५८
०६।०८।२९।१९	१० चं	२६	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	६।००	८।१९	१०।३८	१२।४२	२।२५	३।५४
०६।०९।२९।२१	११ मं	२७	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३४	१२।३८	२।२१	३।५०
०६।१०।२९।२६	१२ बु	२८	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।३०	१२।३४	२।१७	३।४६
०६।११।२९।३३	१३ गु	२९	५।०८	६।४४	८।४१	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२६	१२।३०	२।१४	३।४२
०६।१२।२९।४२	१४ शु	३०	५।०४	६।४०	८।३७	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२२	१२।२६	२।१०	३।३८
०६।१३।२९।५३	१५ श	३१	५।००	६।३६	८।३३	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१८	१२।२२	२।०६	३।३४

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०२०
द्वि.आश्वि. शु. १ शनौ तुलायामर्कः प्र. (स्टैं.) टा. ६।४८ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः किंस्तुघ्नकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं कुक्कुटवाहनं वानरोपवाहनं अपमृत्युकारक श्यामवस्त्रं वाणायुधं वंशपात्रं शर्कराभक्षणं कपूरलेपनं संकरजातिः जपापुष्पं स्वर्णभूषणं पाण्डुरकंचुकी प्रव्राजिकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः भृगौ (स्टैं.) २४।४८ से शनौ १२।४८ तक । (दान- तिल गोरस) ।

अयनांशाः २४।०७।३४

पं.२९ द्वि.आ.शु.११ मं.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	११	६	८	५	९	१	७
०९	२३	०७	२६	०४	०१	२८	२८
५६	२०	०२	१४	३२	५१	११	११
४८	५०	३०	५०	३१	५४	२३	२३
५९	१३	७१	७	७२	२	३	३
५५	३२	१८	४८	३९	४६	११	११
स्वा	रे	स्वा	पूषा	उफा	उषा	मृ	ज्ये
१	३व	१व	४	३	२	२	४



नक्षत्र युतिः- सूर्य चित्रा. २३ अक्टू. तः स्वातौ । मंगल रेवत्यां । बुध स्वातौ २७ अक्टू. तः (व) चित्रा. । गुरु पूषा. ३० अक्टू. तः उषा. । शुक्र पूफा. २० अक्टू. तः उफा. ३१ अक्टू. तः हस्ते । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु ज्येष्ठा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य पूभा. २३ अक्टू. तः शते । मंगल उफा. । बुध शते २७ अक्टू. तः पूभा. । गुरु आर्द्रा. ३० अक्टू. तः मृगे । शुक्र अश्वि. २० अक्टू. तः रेवत्यां ३१ अक्टू. तः उभा. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य पूभा. २३ अक्टू. तः शते । मंगल उफा. । बुध शते २७ अक्टू. तः पूभा. । गुरु आर्द्रा. ३० अक्टू. तः मृगे । शुक्र अश्वि. २० अक्टू. तः रेवत्यां ३१ अक्टू. तः उभा. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

१ नवंबर से १५ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	र	४०	०९	२२	४९	भर	३५	२२	२०	५४	व्य	५६	०८	२९	१२	वा	७	०४	९	३५	२७/२२	६/४५	५/४३	१०	१४	१	वृषे २७।३७	६।१४।२२।५३	६०।१५
सुस्थिर	२	सो	४६	०३	२५	११	कृति	४२	२८	२३	४५	व	५७	५६	२९	५६	तै	१३	०८	१२	०१	१८	४६	४१	११	१५	२	वृषे	६।१५।२३।०८	६०।१७
मातङ्ग	३	मं	५१	२६	२७	२१	रोहि	४९	०५	२६	२४	प	५९	११	३०	३०	व	१८	४८	१४	१८	१५	४६	४०	१२	१६	३	वृषे	६।१६।२३।२४	६०।१९
च.व्र.	४	बु	५६	०२	२९	१२	मृग	५४	५७	२८	४६	शि	...	...	...	...	व	२३	५०	१६	११	११	४७	४०	१३	१७	४	मिथु. १५।३८	६।१७।२३।४३	६०।२१
काण	५	गु	५९	३०	३०	३६	आर्द्रा	५९	४५	३०	४२	शि	१/५९	०३/५७	६/३०	४९/५७	कौ	२७	५४	१७	५८	०८	४८	३९	१४	१८	५	मिथु.	६।१८।२४।०५	६०।२३
लुम्बक	६	शु	...	...	...	...	पुन	...	...	...	...	सा	५८	४४	३०	१८	ग	३०	४१	१९	०५	०४	४९	३८	१५	१९	६	कर्के २५।४७	६।१९।२४।२८	६०।२५
छत्र	६	श	१	२८	७	२५	पुन	३	०६	८	०४	शु	५६	१०	२९	१७	व	१	२८	७	२५	०१	४९	३८	१६	२०	७	कर्के	६।२०।२४।५२	६०।२७
श्रीवत्स	७	र	१	४४	७	३२	पुष्य	४	४९	८	४६	शु	५२	०८	२७	४१	व	१	४४	७	३२	२६/५८	५०	३७	१७	२१	८	कर्के	६।२१।२५।११	६०।२९
सौम्य	८	सो	०	०८	६	५४	श्ले	४	४१	८	४३	ब्र	४६	३७	२५	३०	कौ	०	०८	६	५४	५४	५१	३७	१८	२२	९	सिंहे ८।४३	६।२२।२५।४८	६०।३१
क्षयः	९	सो	५६	४०	२९	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काल	१०	मं	५१	२४	२७	२५	मघा	२/५९	४३/३२	७/३०	५७/२९	ऐ	३९	३७	२२	४३	व	२४	१४	१६	३३	५१	५२	३६	१९	२३	१०	सिंहे	६।२३।२६।१९	६०।३३
ए.व्र.	११	बु	४४	३६	२४	४३	उफा	५३	५१	२८	२५	वै	३१	२२	१९	२५	व	१८	०९	१४	०८	४८	५२	३५	२०	२४	११	कन्या १२।०१	६।२४।२६।५१	६०।३४
राक्षस	१२	गु	३६	३६	२१	३१	हस्त	४७	३२	२५	५४	वि	२२	०३	१५	४२	कौ	१०	४३	११	१०	४५	५३	३५	२१	२५	१२	कन्या	६।२५।२७।२६	६०।३६
प्र.व्र.	१३	शु	२७	४७	१८	०१	चित्रा	४०	२९	२३	०५	प्री	११	५७	११	४१	ग	२	१४	७	४८	४१	५४	३४	२२	२६	१३	तुला. १२।३१	६।२६।२८।०२	६०।३८
दीपाव.	१४	श	१८	३३	१४	२०	स्वा	३३	०७	२०	१०	आ	१/५०	२६/५०	७/२७	२९/१५	श	१८	३३	१४	२०	३८	५५	३४	२३	२७	१४	तुला.	६।२७।२८।४०	६०।४०
अन्नकू.	३०	र	९	२१	१०	४०	विशा	२५	५५	१७	१७	शो	४०	२७	२३	०६	ना	९	२१	१०	४०	३५	५५	३४	२४	२८	१५	वृश्चि. १२।००	६।२८।२९।२०	६०।४१

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवंबर ११ ता. ३०
[B कुबेर पू., नेहरुजयन्ती (वालदिवस), मार्गी भौमः १९।०३
भ. १४।१८ उ. २७।२१ या.
करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२३, दशरथ ललिता व्र., E
[E मार्गी वुधः १२।४१
स्कन्द षष्ठी, विशा. रविः ७।५२ (सौरः २०।५६)
भ. ७।२५ उ. १९।३४ या. [C वृश्चिके रविः ३०।३३
होई (अहोरी) ८ चंद्रोदय २४।०६
[D गोत्रिरात्र व्र., दीपदानं
[A गोक्रीडा, मार्गपाली वंधन, आकाशदीप समाप्तिः, C
भ. १६।३३ उ. २७।२५ या.
रमा ११ व्र., स्वा. वुधः २३।१५, चित्रा. शुक्रः १६।३०
गोवत्स द्वादशी, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं
भ. १८।०१ उ. २८।११ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., D
पितृकार्येऽमा., रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, महालक्ष्मी पूजा, B
देवकार्येऽमा., वलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, A

अयनांशाः २४।०७।३५

पं.३० का.कृ. ३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	११	६	८	५	९	१	७
१६	२२	०१	२७	१३	०२	२७	२७
५६	००	४०	१२	०२	१३	४९	४९
५२	४६	०६	२०	४७	०७	०८	०८
६०	८	२	८	७३	३	३	३
०८	२८	४९	४७	१३	२४	१२	१२
स्वा	रे	चि	उषा	ह	उषा	मृ	ज्ये
४	२व	३व	१	१	२	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१४।३०।०६	१ र	१	४।५६	६।३२	८।२९	१०।४३	१।०४	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१४	१२।१८	२।०२	३।३०
०६।१५।३०।२१	२ चं	२	४।५२	६।२९	८।२५	१०।४०	१।००	३।१६	५।३२	७।५१	१०।१०	१२।१५	१।५८	३।२६
०६।१६।३०।३९	३ मं	३	४।४८	६।२५	८।२१	१०।३६	१२।५६	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०६	१२।११	१।५४	३।२२
०६।१७।३०।५८	४ बु	४	४।४४	६।२१	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०२	१२।०७	१।५०	३।१८
०६।१८।३१।१९	५ गु	५	४।४०	६।१७	८।१३	१०।२८	१२।४८	३।०५	५।२०	७।४०	९।५८	१२।०३	१।४६	३।१४
०६।१९।३१।४२	६ शु	६	४।३७	६।१३	८।०९	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१६	७।३६	९।५४	११।५९	१।४२	३।११
०६।२०।३२।०८	६ श	७	४।३३	६।०९	८।०५	१०।२०	१२।४०	२।५७	५।१३	७।३२	९।५०	११।५५	१।३८	३।०७
०६।२१।३२।३५	७ र	८	४।२९	६।०५	८।०१	१०।१६	१२।३६	२।५३	५।०९	७।२८	९।४६	११।५१	१।३४	३।०३
०६।२२।३३।०४	८ चं	९	४।२५	६।०१	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।४९	५।०५	७।२४	९।४२	११।४७	१।३०	२।५९
०६।२३।३३।३५	१० मं	१०	४।२१	५।५७	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४५	५।०१	७।२०	९।३८	११।४३	१।२६	२।५५
०६।२४।३४।०८	११ बु	११	४।१७	५।५३	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४१	४।५७	७।१६	९।३४	११।३९	१।२२	२।५१
०६।२५।३४।४२	१२ गु	१२	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३७	४।५३	७।१२	९।३१	११।३५	१।१८	२।४७
०६।२६।३५।१९	१३ शु	१३	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४९	७।०८	९।२७	११।३१	१।१४	२।४३
०६।२७।३५।५७	१४ श	१४	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४५	७।०४	९।२३	११।२७	१।१०	२।३९
०६।२८।३६।३७	३० र	१५	४।०१	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४१	७।००	९।१९	११।२३	१।०६	२।३५

संक्रांति फलम्

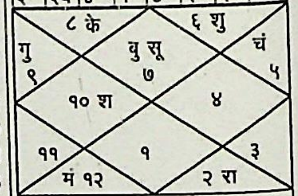
ता. १५ नवंबर २०२०

का. कृ. ३० रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ३०।३३ वारात् २ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी वालावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २४।०९ से ३०।३३ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २४।०७।३६

पं.३१ का.कृ.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	११	६	८	५	९	१	७
२३	२१	०४	२८	२१	०२	२७	२७
५८	१८	५४	१६	३६	३८	२६	२६
२८	१८	४४	२४	४४	३८	५२	५२
६०	२	६०	९	७३	३	३	३
२१	५०	२४	३९	४२	५९	११	११
वि	रे	चि	उषा	ह	उषा	मृ	ज्ये
२	२व	४	१	४	२	२	४



नक्षत्र युतिः- सूर्य स्वातौ ६ नवं. स्टे.७।५२ उप. विशा.। मंगल रेवत्यां। वुध चित्रा. ११ नवं. स्टे.२३।१५ उप. स्वातौ। गुरु उषा.। शुक्र हस्ते ११ नवं. स्टे.१६।३० उप. चित्रा.। शनि उषा.। राहु मृगे। केतु ज्येष्ठा.।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य शते ६ नवं. स्टे.७।५२ उप. कृति.। मंगल उफा.। वुध पूभा. ११ नवं. स्टे.२३।१५ उप. शते। गुरु मृगे। शुक्र उभा. ११ नवं. स्टे.१६।३० उप. पूभा.। शनि मृगे। राहु उषा.। केतु पुष्ये।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य शते ६ नवं. स्टे.७।५२ उप. धनि.। मंगल उफा.। वुध पूभा. ११ नवं. स्टे.२३।१५ उप. शते। गुरु मृगे। शुक्र उभा. ११ नवं. स्टे.१६।३० उप. पूभा.। शनि मृगे। राहु उषा.। केतु पुष्ये।

१६ नवंबर से ३० नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	सो	०	३७	७	११	अनु	१९	१८	१४	३९	अ	३०	३८	१९	११	व	०	३७	७	११	२६	६	५	२५	२९	१६	वृश्चि.	६।२९।३०।०१	६०।४३
क्षयः	२	सो	५२	४६	२८	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३२	५६	३३	०	०	०	०	०	०
मुद्गर	३	मं	४६	०५	२५	२३	ज्ये	१३	३९	१२	२५	सु	२१	४१	१५	३८	तै	१९	१३	१४	३८	२९	५७	३३	२६	१	१७	धनु. १२।२५	७।००।३०।४४	६०।४५
ध्वजा	४	बु	४०	५७	२३	२१	मूल	९	२२	१०	४३	धृ	१३	५४	१२	३१	व	१३	१८	१२	१७	२७	५८	३२	२७	२	१८	धनु.	७।०१।३१।२९	६०।४७
धाता	५	गु	३७	३८	२२	०२	पूपा	६	४४	९	४०	शू	७	२७	९	५७	व	९	०३	१०	३६	२४	५९	३२	२८	३	१९	मक. १५।३१	७।०२।३२।१६	६०।४८
काल	६	शु	३६	१७	२१	३०	उपा	५	५६	९	२२	गं	२/५९	३०/०९	७/३०	५९/३९	कौ	६	४१	९	४०	२१	५९	३२	२९	४	२०	मक.	७।०३।३३।०४	६०।५०
सुस्थिर	७	श	३६	५६	२१	४६	श्रव	७	०६	९	५१	ध्रु	५७	१८	२९	५५	ग	६	२०	९	३२	१८	७/००	३२	३०	५	२१	कुंभे २२।२२	७।०४।३३।५४	६०।५१
मातङ्ग	८	र	३९	३०	२२	४९	धनि	१०	११	११	०५	व्या	५६	५२	२९	४६	वि	७	५८	१०	१२	१६	०१	३१	१	६	२२	कुंभे	७।०५।३४।४५	६०।५३
अमृत	९	सो	४३	४४	२४	३१	शत	१४	५८	१३	०१	ह	५७	३६	३०	०४	बा	११	२५	११	३६	१३	०२	३१	२	७	२३	कुंभे	७।०६।३५।३८	६०।५४
काण	१०	मं	४९	१२	२६	४३	पूभा	२१	०८	१५	३०	व	५९	११	३०	४३	तै	१६	१९	१३	३४	११	०३	३१	३	८	२४	मीने ८।५०	७।०७।३६।३२	६०।५६
ए.व्र.	११	बु	५५	२८	२९	१४	उभा	२८	१४	१८	२१	सि	...	...	...	...	व	२२	१६	१५	५८	०८	०३	३१	४	९	२५	मीने	७।०८।३७।२८	६०।५७
मित्र	१२	गु	...	...	...	...	रेव	३५	४७	२१	२३	सि	१	१५	७	३४	व	२८	४२	१८	३३	०६	०४	३०	५	१०	२६	मेषे २१।२३	७।०९।३८।२५	६०।५९
प्र.व्र.	१२	शु	१	५७	७	५२	अश्वि	४३	२०	२४	२५	व्य	३	३०	८	२९	बा	१	५७	७	५२	०४	०५	३०	६	११	२७	मेषे	७।१०।३९।२३	६१।००
ध्वाङ्क्ष	१३	श	८	२०	१०	२६	भर	५०	३३	२७	१९	व	५	४०	९	२२	तै	८	२०	१०	२६	०२	०६	३०	७	१२	२८	मेषे	७।११।४०।२३	६१।०१
धूम्र	१४	र	१४	१८	१२	४९	कृति	५७	१५	३०	०१	प	७	३०	१०	०६	व	१४	१८	१२	४९	२५/५९	०६	३०	८	१३	२९	वृषे १०।०१	७।१२।४१।२५	६१।०३
पूर्णिमा	१५	सो	१९	३८	१४	५८	रोहि	...	...	...	...	शि	८	५३	१०	४०	व	१९	३८	१४	५८	५७	०७	३०	९	१४	३०	वृषे	७।१३।४२।२७	६१।०४

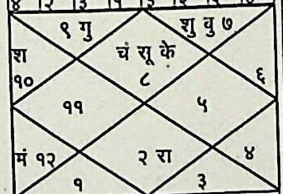
केतकी अहर्गणः ३५१२ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भ्रातृ २,यम २,यमुना स्नानं,कलम दवात B
[B पू.,गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः, वृश्चिके सौरः १८।४८,तुलायां F
रविलास्तर ४ [G त्रिपुरोत्सव,पुष्करयात्रा [E उषा.-३ शनिः२०।५१
भ. १२।१७ उ. २३।२१ या., दूर्वागणपति व्र. [F शुक्रः २६।२७
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, अनु. रविः १३।५३ (सौरः २५।५०), E
मकरे उषा.-२ गुरुः ११।१६ [D चतुर्मासव्रत समाप्तिः,भीष्म पंचक प्रा.
भ. २१।४६ उ., पंचक प्रारम्भः २२।२२, कल्पादि,सायन धनुषि H
भ.१०।१२ या., गोपाष्टमी, भा. मार्गशीर्षारंभः, स्वा. शुक्रः ११।५४
युगादि,कुष्माण्ड (अक्षय) ९ [H भानुः २६।१४,विशा. बुधः १८।४५
मृगे-१ राहुः २४।३५, ज्येष्ठा.-३ केतुः २४।३५
भ.१५।५८ उ. २९।१४ या., प्रबोधिनी ११ व्र.,देवोत्थापनं,तुलसी विवाह, D
पंचक समाप्तिः २१।२३,मन्वादि,हरिवासरः १४।३७ से २१।२३ तक
प्रदोषः [A गोपद्मव्रत समाप्ति,नानकजयंती,भीष्मपंचक समाप्ति, C
वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, वृश्चिके बुधः ७।१४
भ. १२।४९ उ. २५।५६ या., पूर्णिमा व्रतं, कार्तिक व्रतोद्यापनं, G
रोहि. रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न ७, मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, A
[C कार्तिक स्नान पूर्तिः, महाकार्तिकी, अनु. बुधः १०।३४, बुधास्तः पूर्वस्यान् ७।२१

अयनांशाः २४।०७।३७

पं.३२ का.शु. ३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	६	८	६	९	१	७
०१	२१	१३	२९	००	०३	२७	२७
०१	१५	२७	२६	१३	०८	०४	०४
२९	२३	०७	२४	५१	१०	३६	३६
६०	२	८४	१०	७४	४	३	३
३२	४५	५७	२७	०६	३२	११	११
वि	रे	स्वा	उषा	चि	उषा	मृ	ज्ये
४	२	३	१	३	२	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२९।३७।१९	१ त्रं	१६	३।५७	५।३३	७।३०	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३७	६।५६	९।१५	११।१९	१।०३	२।३१
०७।००।३८।०२	३ मं	१७	३।५३	५।२९	७।२६	९।४०	१२।००	२।१७	४।३३	६।५२	९।११	११।१५	१२।५९	२।२७
०७।०१।३८।४७	४ बु	१८	३।४९	५।२५	७।२२	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०७	११।११	१२।५५	२।२३
०७।०२।३९।३४	५ गु	१९	३।४५	५।२१	७।१८	९।३२	११।५३	२।०९	४।२५	६।४४	९।०३	११।०७	१२।५१	२।१९
०७।०३।४०।२२	६ शु	२०	३।४१	५।१८	७।१४	९।२९	११।४९	२।०५	४।२१	६।४०	८।५९	११।०४	१२।४७	२।१५
०७।०४।४१।१२	७ श	२१	३।३७	५।१४	७।१०	९।२५	११।४५	२।०१	४।१७	६।३६	८।५५	११।००	१२।४३	२।११
०७।०५।४२।०४	८ र	२२	३।३३	५।१०	७।०६	९।२१	११।४१	१।५८	४।१३	६।३३	८।५१	१०।५६	१२।३९	२।०७
०७।०६।४२।५७	९ चं	२३	३।२९	५।०६	७।०२	९।१७	११।३७	१।५४	४।०९	६।२९	८।४७	१०।५२	१२।३५	२।०३
०७।०७।४३।५२	१० मं	२४	३।२६	५।०२	६।५८	९।१३	११।३३	१।५०	४।०५	६।२५	८।४३	१०।४८	१२।३१	२।००
०७।०८।४४।४८	११ बु	२५	३।२२	४।५८	६।५४	९।०९	११।२९	१।४६	४।०२	६।२१	८।३९	१०।४४	१२।२७	१।५६
०७।०९।४५।४५	१२ गु	२६	३।१८	४।५४	६।५०	९।०५	११।२५	१।४२	३।५८	६।१७	८।३५	१०।४०	१२।२३	१।५२
०७।१०।४६।४४	१२ शु	२७	३।१४	४।५०	६।४६	९।०१	११।२१	१।३८	३।५४	६।१३	८।३१	१०।३६	१२।१९	१।४८
०७।११।४७।४४	१३ श	२८	३।१०	४।४६	६।४२	८।५७	११।१७	१।३४	३।५०	६।०९	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४४
०७।१२।४८।४५	१४ र	२९	३।०६	४।४२	६।३८	८।५३	११।१३	१।३०	३।४६	६।०५	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०
०७।१३।४९।४८	१५ चं	३०	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२६	३।४२	६।०१	८।२०	१०।२४	१२।०७	१।३६

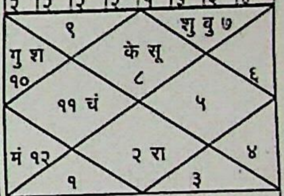
मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं, पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ कृ. पंचमी को आर्द्रा होने से घास का संग्रह लाभ दे और अल्पवृष्टि से चौपायों को दुःख हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। अमावस्या रविवारी होने से राजाओ में युद्ध हो। शुक्ल सप्तमी शनिवार होने से धान्य और सफेद वस्तु के भावों में तेजी हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।०७।३८

पं.३३ का.शु.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	६	९	६	९	१	७
०८	२१	२३	००	०८	०३	२६	२६
०५	५०	४८	४१	५३	४१	४२	४२
४७	३५	३५	४५	३७	२४	१९	१९
६०	७	९२	११	७४	५	३	३
४३	५७	०९	१०	२६	०२	११	११
अनु	रे	वि	उषा	स्वा	उषा	मृ	ज्ये
२	२	२	२	१	३	२	४



नक्षत्र युतिः- सूर्य विशा. १९ नवं. तः अनुरा. । मंगल रेवत्यां । बुध स्वातौ २१ नवं. तः विशा. ३० नवं. तः अनुरा. । गुरु उषा. । शुक्र चित्रा. २२ नवं. तः स्वातौ । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु ज्येष्ठा. ।
विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य कृति. १९ नवं. तः भर. । मंगल उफा. । बुध शते २१ नवं. तः कृति. ३० नवं. तः भर. । गुरु मृगे । शुक्र पूभा. २२ नवं. तः शते । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।
अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य धनि. १९ नवं. तः श्लेषा. । मंगल उफा. । बुध शते २१ नवं. तः धनि. ३० नवं. तः श्लेषा. । गुरु मृगे । शुक्र पूभा. २२ नवं. तः शते । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

१ दिसंबर से १४ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	मं	२४	१३	१६	४९	रोहि	३	१६	८	२६	सि	९	४४	११	०१	कौ	२४	१३	१६	४९	२५/५६	७/०८	५/३०	१०	१५	१	मिथु. २१।३२	७।१४।४३।३१	६१।०५
अमृत	२	बु	२७	५७	१८	२०	मृग	८	३१	१०	३३	सा	९	५७	११	०७	ग	२७	५७	१८	२०	५४	०९	३०	११	१६	२	मिथु.	७।१५।४४।३६	६१।०६
च.व्र.	३	गु	३०	४२	१९	२६	आर्द्रा	१२	५१	१२	१८	शु	९	२७	१०	५६	वि	३०	४२	१९	२६	५२	०९	३०	१२	१७	३	मिथु.	७।१६।४५।४२	६१।०७
लुम्बक	४	शु	३२	१९	२०	०६	पुन	१६	०९	१३	३८	शु	८	०८	१०	२५	व	१	३९	७	५०	५०	१०	३०	१३	१८	४	कर्के ७।२०	७।१७।४६।४९	६१।०८
मित्र	५	श	३२	३८	२०	१४	पुष्य	१८	१४	१४	२९	ब्र	५	५१	९	३१	कौ	२	३८	८	१४	४९	११	३०	१४	१९	५	कर्के	७।१८।४७।५८	६१।१०
वज्र	६	र	३१	३६	१९	५०	श्ले	१९	०१	१४	४८	ऐ	२/५८	३३/१२	८/३०	५३/२८	ग	२	१८	८	०७	४७	१२	३१	१५	२०	६	सिंहे १४।४८	७।१९।४९।०७	६१।११
ध्वाङ्क्ष	७	सो	२९	१०	१८	५२	मघा	१८	२६	१४	३५	वि	५२	४२	२८	१७	वि	०	३२	७	२५	४६	१२	३१	१६	२१	७	सिंहे	७।२०।५०।१८	६१।१२
धूम्र	८	मं	२५	२०	१७	२१	पूफा	१६	३०	१३	४९	प्री	४६	०९	२५	४१	कौ	२५	२०	१७	२१	४४	१३	३१	१७	२२	८	कन्या ११।३३	७।२१।५१।२९	६१।१३
प्रवर्धमा	९	बु	२०	१५	१५	२०	उफा	१३	१८	१२	३३	आ	३८	३८	२२	४१	ग	२०	१५	१५	२०	४३	१४	३१	१८	२३	९	कन्या	७।२२।५२।४२	६१।१३
राक्षस	१०	गु	१४	०५	१२	५३	हस्त	८	५९	१०	५०	सौ	३०	१९	१९	२२	वि	१४	०५	१२	५३	४२	१४	३१	१९	२४	१०	तुला. २१।५१	७।२३।५३।५५	६१।१४
ए.व्र.	११	शु	७	०५	१०	०५	चित्रा	३	४९	८	४७	शो	२१	२१	१५	४७	वा	७	०५	१०	०५	४१	१५	३२	२०	२५	११	तुला.	७।२४।५५।१०	६१।१५
क्षयः	१२	शु	५९	३०	३१	०३	स्वा	५८	०४	३०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
प्र.व्र.	१३	श	५१	३८	२७	५५	विशा	५२	०१	२८	०४	अ	११	५८	१२	०३	ग	२५	३४	१७	३०	४०	१६	३२	२१	२६	१२	वृश्चि. २२।४१	७।२५।५६।२५	६१।१६
मृत्यु	१४	र	४३	४९	२४	४८	अनु	४६	०२	२५	४१	सु	२/५३	३६/०२	२८	४५/२९	वि	१७	४०	१४	२१	३९	१६	३२	२२	२७	१३	वृश्चि.	७।२६।५७।४१	६१।१७
अमाव.	३०	सो	३६	२५	२१	५१	ज्ये	४०	२८	२३	२८	शू	४४	००	२४	५३	च	१०	०२	११	१८	३८	१७	३२	२३	२८	१४	धनु. २३।२८	७।२७।५८।५८	६१।१८

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

दिसंबर १२ ता. ३१

भ. ३०।५६ उ., ज्येष्ठा. रविः १८।०९ (सौरः २८।५५), विशा. B

भ. १९।२६ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।०२, सौभाग्य सुंदरी व्र.

[B शुक्रः २९।३४

[A महाव्रतारंभः

भ. १९।५० उ.

भ. ७।२५ या., कालभैरवाष्टमी, उपा.-३ गुरुः १८।५५

ज्येष्ठा. बुधः २३।०६

भ. २६।०९ उ., हस्ते रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२)

भ. १२।५३ या., वृश्चिके शुक्रः ३०।०१

स्वातौ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न ५, उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.

भ. २७।५५ उ., प्रदोषः

भ. १४।२१ या., मासिकशिवरात्री व्र., अनु. शुक्रः २२।०३

देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०७।३९

पं.३४ मा.कृ. १ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	७	९	६	९	१	७
१५	२३	०४	०२	१७	०४	२६	२६
११	००	४०	०१	३५	१८	२०	२०
१४	२८	१९	५५	३०	००	०३	०३
६०	१२	९३	११	७४	५	३	३
५२	३४	५१	४८	४२	२९	११	११
अनु	रे	अनु	उषा	स्वा	उषा	मृ	ज्ये
४	२	१	२	४	३	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।१४।५०।५२	१ मं	१	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३८	५।५७	८।१६	१०।२०	१२।०३	१।३२
०७।१५।५१।५७	२ बु	२	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३४	५।५३	८।१२	१०।१६	११।५९	१।२८
०७।१६।५३।०४	३ गु	३	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।३०	५।४९	८।०८	१०।१२	११।५५	१।२४
०७।१७।५४।११	४ शु	४	२।४६	४।२२	६।१९	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०४	१०।०८	११।५२	१।२०
०७।१८।५५।२०	५ श	५	२।४२	४।१८	६।१५	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	८।००	१०।०४	११।४८	१।१६
०७।१९।५६।३०	६ र	६	२।३८	४।१४	६।११	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५६	१०।००	११।४४	१।१२
०७।२०।५७।४०	७ चं	७	२।३४	४।१०	६।०७	८।२१	१०।४२	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५२	९।५६	११।४०	१।०८
०७।२१।५८।५२	८ मं	८	२।३०	४।०७	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४८	९।५३	११।३६	१।०४
०७।२३।००।०५	९ बु	९	२।२६	४।०३	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४९	११।३२	१।००
०७।२४।०१।१९	१० गु	१०	२।२२	३।५९	५।५५	८।१०	१०।३०	१२।४७	३।०२	५।२१	७।४०	९।४५	११।२८	१२।५६
०७।२५।०२।३३	११ शु	११	२।१८	३।५५	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३६	९।४१	११।२४	१२।५२
०७।२६।०३।४९	१३ श	१२	२।१५	३।५१	५।४७	८।०२	१०।२२	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३२	९।३७	११।२०	१२।४९
०७।२७।०५।०५	१४ र	१३	२।११	३।४७	५।४३	७।५८	१०।१८	१२।३५	२।५१	५।१०	७।२८	९।३३	११।१६	१२।४५
०७।२८।०६।२२	३० चं	१४	२।०७	३।४३	५।३९	७।५४	१०।१४	१२।३१	२।४७	५।०६	७।२४	९।२९	११।१२	१२।४१

संक्रांति फलम्

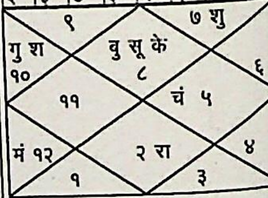
ता. १५ दिसंबर २०२०

मार्ग. शु. १ भौमे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २१।०८ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २१।०८ से २७।३२ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०७।४०

पं.३५ मा.कृ. ८ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	७	९	६	९	१	७
२२	२४	१५	०३	२६	०४	२५	२५
१७	४०	३७	२६	१९	५७	५७	५७
३८	४७	५३	१८	०४	३७	४७	४७
६०	१६	९३	१२	७४	५	३	३
५९	३४	५७	२२	५४	५३	११	११
ज्ये	रे	अनु	उषा	वि	उषा	मृ	ज्ये
२	३	४	३	२	३	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य अनुरा. २ दिसं. तः ज्येष्ठा. । मंगल रेवत्यां । बुध अनुरा. ८ दिसं. तः ज्येष्ठा. । गुरु उषा. । शुक्र स्वातौ २ दिसं. तः विशा. १३ दिसं. तः अनुरा. । शनि उषा. । राहु मृगे । केतु ज्येष्ठा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य भर. २ दिसं. तः पुष्ये । मंगल उफा. । बुध भर. ८ दिसं. तः पुष्ये । गुरु मृगे । शुक्र शते २ दिसं. तः कृति. १३ दिसं. तः भर. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य श्लेषा. २ दिसं. तः पुष्ये । मंगल उफा. । बुध श्लेषा. ८ दिसं. तः पुष्ये । गुरु मृगे । शुक्र शते २ दिसं. तः धनि. १३ दिसं. तः श्लेषा. । शनि मृगे । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

१५ दिसंवर से ३० दिसंवर तक,श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	गु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	मं	२९	४६	१९	१२	मूल	३५	४०	२१	३४	गं	३५	३६	२१	३२	किं	२	५८	८	२९	३५/३८	७/१८	५/३३	२४	२९	१५	धनु.	७।२९।००।१५	६१।१८
श्रीवत्स	२	बु	२४	१३	१६	५९	पूषा	३२	०१	२०	०७	वृ	२८	०८	१८	३३	कौ	२४	१३	१६	५९	३७	१८	३३	२५	३०	१६	मक. २५।५०	८।००।०१।३३	६१।१९
सौम्य	३	गु	२०	०७	१५	२२	उषा	२९	४८	१९	१४	ध्रु	२१	४९	१६	०३	ग	२०	०७	१५	२२	३७	१९	३४	२६	१	१७	मक.	८।०१।०२।५२	६१।१९
धूम्र	४	शु	१७	४३	१४	२५	श्रव	२९	१९	१९	०३	व्या	१६	५२	१४	०४	वि	१७	४३	१४	२५	३६	१९	३४	२७	२	१८	कुंभे ३१।१४	८।०२।०४।१२	६१।२०
प्रवर्धमा	५	श	१७	१५	१४	१४	धनि	३०	४२	१९	३७	ह	१३	२५	१२	४२	बा	१७	१५	१४	१४	३६	२०	३४	२८	३	१९	कुंभे	८।०३।०५।३२	६१।२१
राक्षस	६	र	१८	४५	१४	५१	शत	३४	०१	२०	५७	व	११	२९	११	५६	तै	१८	४५	१४	५१	३६	२१	३५	२९	४	२०	कुंभे	८।०४।०६।५२	६१।२१
मुसल	७	सो	२२	११	१६	१३	पूभा	३९	०६	२२	५९	सि	११	०१	११	४५	व	२२	११	१६	१३	३६	२१	३५	३०	५	२१	मीने १६।२५	८।०५।०८।१३	६१।२२
सिद्धि	८	मं	२७	१२	१८	१४	उभा	४५	३५	२५	३६	व्य	११	४८	१२	०५	ब	२७	१२	१८	१४	३६	२२	३६	१	६	२२	मीने	८।०६।०९।३५	६१।२२
उत्पात	९	बु	३३	२०	२०	४२	रेव	५२	५९	२८	३४	व	१३	३१	१२	४६	बा	०	०९	७	२६	३६	२२	३६	२	७	२३	मेषे २८।३४	८।०७।१०।५७	६१।२२
मानस	१०	गु	३९	५९	२३	२२	अश्वि	...	...	...	...	प	१५	४५	१३	४०	तै	६	३८	१०	०२	३६	२३	३७	३	८	२४	मेषे	८।०८।१२।१९	६१।२३
ए.व्र.	११	शु	४६	३२	२६	००	अश्वि	०	४०	७	३९	शि	१८	०३	१४	३६	व	१३	१९	१२	४२	३७	२३	३८	४	९	२५	मेषे	८।०९।१३।४१	६१।२३
ध्वाङ्क्ष	१२	श	५२	२८	२८	२२	भर	८	०६	१०	३८	सि	२०	०३	१५	२४	ब	१९	३५	१५	१३	३७	२३	३८	५	१०	२६	वृषे १७।२०	८।१०।१५।०४	६१।२३
प्र.व्र.	१३	र	५७	२५	३०	२२	कृति	१४	४९	१३	१९	सा	२१	२६	१५	५८	कौ	२५	०४	१७	२५	३८	२४	३९	६	११	२७	वृषे	८।११।१६।२७	६१।२३
प्रवर्धमा	१४	सो	...	...	...	...	रोहि	२०	३३	१५	३७	शु	२२	०२	१६	१३	ग	२९	२८	१९	११	३८	२४	३९	७	१२	२८	मिथु. २८।३७	८।१२।१७।५१	६१।२३
राक्षस	१४	मं	१	१३	७	५४	मृग	२५	११	१७	२९	शु	२१	४५	१६	०६	व	१	१३	७	५४	३९	२४	४०	८	१३	२९	मिथु.	८।१३।१९।१४	६१।२४
पूर्णिमा	१५	बु	३	५०	८	५७	आर्द्रा	२८	३८	१८	५२	ब्र	२०	३३	१५	३८	व	३	५०	८	५७	४०	२५	४१	९	१४	३०	मिथु.	८।१४।२०।३८	६१।२४

केतकी अहर्गणः ३५४१ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टे.टा.में है।
धनुषि मूले रविः २१।०८ (सौरः ३०।४२)
चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
भ. २६।४८ उ., रंभास्त्येयं, जमादिलावल ५, धनुषि मूले C
भ. १४।२५ या., पंचक प्रारम्भः ३१।१४
नागपंचमी [C बुधः ११।१४
स्कंदषष्ठी [B उत्तरायण प्रारम्भ १५।३३
भ. १६।१३ उ. २९।०९ या., सायन मकरे भानुः, सायन B
भा. पोषारंभः, अयन करिदिन [D उषा.-४ गुरुः ९।२६
पंचक समाप्तिः २८।३४, कल्पादि, मेषे अश्वि. भौमः २९।४०, D
ज्येष्ठा. शुक्रः १३।४९, उषा.-४ शनिः १६।२८
भ. १२।४२ उ. २६।०० या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, E
[A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, पूषा. सौरः ७।४२
प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र. [E बडादिन, पूषा. बुधः २०।४५
पिशाच मोचन श्राद्धं, पूषा. रविः २३।१९
भ. ७।५४ उ. २०।२९ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतं, A
पूर्णिमा पुण्यं

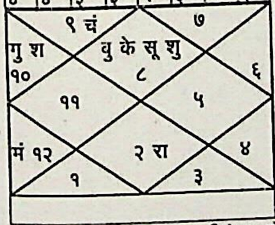
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।२९।०७।३९	१ मं	१५	२।०३	३।३९	५।३५	७।५०	१०।१०	१२।२७	२।४३	५।०२	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३७
०८।००।०८।५८	२ बु	१६	१।५९	३।३५	५।३१	७।४६	१०।०६	१२।२३	२।३९	४।५८	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३३
०८।०१।१०।१७	३ गु	१७	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।१९	२।३५	४।५४	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०८।०२।११।३६	४ शु	१८	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१५	२।३१	४।५०	७।०९	९।१३	१०।५६	१२।२५
०८।०३।१२।५६	५ श	१९	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	१२।११	२।२७	४।४६	७।०५	९।०९	१०।५२	१२।२१
०८।०४।१४।१७	६ र	२०	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०७	२।२३	४।४२	७।०१	९।०५	१०।४८	१२।१७
०८।०५।१५।३८	७ चं	२१	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१९	४।३८	६।५७	९।०१	१०।४४	१२।१३
०८।०६।१७।००	८ मं	२२	१।३५	३।११	५।०८	७।२२	९।४२	११।५९	२।१५	४।३४	६।५३	८।५७	१०।४१	१२।०९
०८।०७।१८।२२	९ बु	२३	१।३१	३।०७	५।०४	७।१८	९।३८	११।५५	२।११	४।३०	६।४९	८।५३	१०।३७	१२।०५
०८।०८।१९।४४	१० गु	२४	१।२७	३।०३	५।००	७।१४	९।३४	११।५१	२।०७	४।२६	६।४५	८।४९	१०।३३	१२।०१
०८।०९।२१।०७	११ शु	२५	१।२३	२।५९	४।५६	७।१०	९।३१	११।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	१०।२९	११।५७
०८।१०।२२।३०	१२ श	२६	१।१९	२।५६	४।५२	७।०७	९।२७	११।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४२	१०।२५	११।५३
०८।११।२३।५३	१३ र	२७	१।१५	२।५२	४।४८	७।०३	९।२३	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३८	१०।२१	११।४९
०८।१२।२५।१७	१४ चं	२८	१।११	२।४८	४।४४	६।५९	९।१९	११।३६	१।५१	४।११	६।२९	८।३४	१०।१७	११।४५
०८।१३।२६।४०	१४ मं	२९	१।०७	२।४४	४।४०	६।५५	९।१५	११।३२	१।४७	४।०७	६।२५	८।३०	१०।१३	११।४१
०८।१४।२८।०४	१५ बु	३०	१।०४	२।४०	४।३६	६।५१	९।११	११।२८	१।४३	४।०३	६।२१	८।२६	१०।०९	११।३८

अयनांशाः २४।०७।४१

पं.३६ मा.शु. १ मं. इष्टघटी ०।००

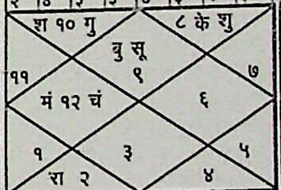
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	७	९	७	९	१	७
२९	२६	२६	०४	०५	०५	२५	२५
२४	४७	३५	५४	०३	३९	३५	३५
४९	१२	५६	२२	५२	५३	३१	३१
६१	१९	९४	१२	७५	६	३	३
०४	५७	१५	५१	०३	१४	११	११
ज्ये	रे	ज्ये	उषा	अनु	उषा	मृ	ज्ये
४	४	३	३	१	३	१	३



अयनांशाः २४।०७।४२

पं.३७ मा.शु. ८ मं. इष्टघटी ०।००

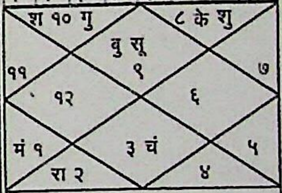
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	११	८	९	७	९	१	७
०६	२९	०७	०६	१३	०६	२५	२५
३२	१५	३८	२५	४९	२४	१३	१३
३२	४२	५८	३६	३२	२५	१५	१५
६१	२२	९५	१३	७५	६	३	३
०८	४८	३२	१५	०९	३१	११	११
मू	रे	मू	उषा	अनु	उषा	मृ	ज्ये
२	४	३	३	४	३	१	३



अयनांशाः २४।०७।४३

पं.३८ मा.शु.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	८	९	७	९	१	७
१३	०२	१८	०७	२२	०७	२४	२४
४०	०२	५३	५९	३५	१०	५०	५०
३६	४०	२६	२७	४४	५०	५९	५९
६१	२५	९७	१३	७५	६	३	३
१०	११	२७	३५	१२	४६	११	११
पूषा	अ	पूषा	उषा	ज्ये	उषा	मृ	ज्ये
१	१	२	४	२	४	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य ज्येष्ठा. १५ दिसं. तः मूले २८ दिसं. तः पूषा. । मंगल रेवत्यां २३ दिसं. तः अश्वि. । बुध ज्येष्ठा. १७ दिसं. तः मूले २५ दिसं. तः पूषा. । गुरु उषा. २३ दिसं. तः अभि. । शुक्र अनुरा. २४ दिसं. तः ज्येष्ठा. । शनि उषा. २४ दिसं. तः अभि. । राहु मृगे । केतु ज्येष्ठा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य पुष्ये १५ दिसं. तः पुनर्वसौ २८ दिसं. तः आर्द्रा. । मंगल उफा. २३ दिसं. तः पूफा. । बुध पुष्ये १७ दिसं. तः पुनर्वसौ २५ दिसं. तः आर्द्रा. । गुरु मृगे २३ दिसं. तः रोहि. । शुक्र मर. २४ दिसं. तः पुष्ये । शनि मृगे २४ दिसं. तः रोहि. । राहु उषा. । केतु पुष्ये ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य पुष्ये १५ दिसं. तः पुनर्वसौ २८ दिसं. तः आर्द्रा. । मंगल उफा. २३ दिसं. तः पूफा. । बुध पुष्ये १७ दिसं. तः पुनर्वसौ २५ दिसं. तः आर्द्रा. । गुरु मृगे २३ दिसं. तः रोहि.। शुक्र श्लेषा. २४ दिसं. तः पुष्ये । शनि मृगे २४ दिसं. तः रोहि.। राहु उषा.। केतु पुष्ये ।

५

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्त्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

३१ दिसंबर से १३ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख — स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घप	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	गु	५	१३	९	३०	पुन	३०	५६	१९	४७	ऐ	१८	२६	१४	४७	कौ	५	१३	९	३०	२५/४९	७/०५	५/४९	१०	१५	३१	कर्के १३।३६	८।१५।२२।०२	६१।२४
उत्पात	२	शु	५	२६	९	३६	पुष्य	३२	०७	२०	१६	वै	१५	२४	१३	३५	ग	५	२६	९	३६	४२	२५	४२	११	१६	१	कर्के	८।१६।२३।२५	६१।२४
च.व्र.	३	श	४	३३	९	१५	श्ले	३२	१५	२०	१९	वि	११	३२	१२	०२	वि	४	३३	९	१५	४३	२६	४३	१२	१७	२	सिंहे २०।११	८।१७।२४।४९	६१।२४
मुद्गर	४	र	२	३६	८	२८	मघा	३१	२५	२०	००	प्री	६	५१	१०	१०	वा	२	३६	८	२८	४४	२६	४३	१३	१८	३	सिंहे	८।१८।२६।१३	६१।२४
क्षयः	५	र	५९	४५	३१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	६	सो	५६	०६	२९	५२	पूफा	२९	४५	१९	२०	आ	१/५५	२६/२७	८/२९	०१/३७	ग	२८	०२	१८	३९	४५	२६	४४	१४	१९	४	कन्या २५।०७	८।१९।२७।३६	६१।२३
धाता	७	मं	५१	४३	२८	०७	उफा	२७	२०	१८	२२	शो	४८	५२	२६	५९	वि	२३	५८	१७	०२	४७	२६	४५	१५	२०	५	कन्या	८।२०।२९।००	६१।२३
आनन्द	८	बु	४६	४७	२६	०९	हस्त	२४	१८	१७	०९	अ	४१	४८	२४	१०	वा	१९	११	१५	१०	४८	२६	४६	१६	२१	६	तुला. २८।२८	८।२१।३०।२३	६१।२३
चर	९	गु	४१	२२	२३	५९	चित्रा	२०	४६	१५	४५	सु	३४	२३	२१	१२	तै	१४	०७	१३	०५	५०	२६	४६	१७	२२	७	तुला.	८।२२।३१।४६	६१।२३
गद	१०	शु	३५	३६	२१	४१	स्वा	१६	५१	१४	११	धृ	२६	४०	१८	०७	व	८	३१	१०	५१	५२	२७	४७	१८	२३	८	वृश्चि. ३०।५६	८।२३।३३।०९	६१।२३
ए.व्र.	११	श	२९	४०	१९	१८	विशा	१२	४१	१२	३१	शू	१८	४६	१४	५७	व	२	३९	८	३०	५३	२७	४८	१९	२४	९	वृश्चि.	८।२४।३४।३२	६१।२२
प्र.व्र.	१२	र	२३	४१	१६	५५	अनु	८	२६	१०	४९	गं	१०	५०	११	४६	तै	२३	४१	१६	५५	५५	२७	४९	२०	२५	१०	वृश्चि.	८।२५।३५।५४	६१।२२
पद्म	१३	सो	१७	५३	१४	३६	ज्ये	४	१८	९	१०	वृ	२/५५	५९/२५	८/२९	३८/३६	व	१७	५३	१४	३६	५७	२७	४९	२१	२६	११	धनु. ९।१०	८।२६।३७।१६	६१।२२
छत्र	१४	मं	१२	२९	१२	२६	मूल	०/५७	३०/२०	७/३०	३९/२३	व्या	४८	१९	२६	४६	श	१२	२९	१२	२६	५९	२७	५०	२२	२७	१२	धनु.	८।२७।३८।३७	६१।२१
अमाव.	३०	बु	७	४७	१०	३३	उषा	५५	०५	२९	२९	ह	४१	५६	२४	१३	ना	७	४७	१०	३३	२६/०१	२७	५१	२३	२८	१३	मक. १२।०७	८।२८।३९।५८	६१।२१

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसं.२०२०-जन.२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में है।

[B सौरः ८।३१

भ. २१।२९ उ., जनवरी १ ता. ३१ सन २०२१ ई.

भ. ९।१५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५४, उषा. बुधः २५।५०

धनुषि मूले शुक्रः २९।११

[A १२।५०, शनेरस्तः पश्चिमायाम् ८।१२

भ. २९।५२ उ., मकरे बुधः २६।३६

भ. १७।०२ या.

श्रव.-१ गुरुः २६।०९

भ. १०।५१ उ. २१।४१ या.

सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, बुधोदयः पश्चिमायाम् A

प्रदोषः, उषा. रविः २५।१६, श्रव. बुधः २९।१७

भ. १४।३६ उ. २५।२९ या., मासिकशिवरात्री व्र., उषा. B

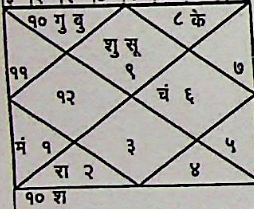
पितृकार्येऽमा., कुहूः

देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०७।४४

पं.३९ पौ.कृ. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	९	९	८	९	१	७
२०	०५	००	०९	०१	०७	२४	२४
४८	०५	१९	३५	२२	५९	२८	२८
४७	०४	५१	१८	१६	००	४४	४४
६१	२७	९८	१३	७५	६	३	३
१०	१०	३२	५२	१४	५७	१२	११
पूषा	अ	उषा	उषा	मू	उषा	मृ	ज्ये
३	२	२	४	१	४	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायँ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।१५।२९।२८	१ गु	३१	१।००	२।३६	४।३२	६।४७	९।०७	११।२४	१।४०	३।५९	६।१७	८।२२	१०।०५	११।३४
०८।१६।३०।५२	२ शु	१	१२।५६	२।३२	४।२८	६।४३	९।०३	११।२०	१।३६	३।५५	६।१३	८।१८	१०।०१	११।३०
०८।१७।३२।१५	३ श	२	१२।५२	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१६	१।३२	३।५१	६।०९	८।१४	९।५७	११।२६
०८।१८।३३।३९	४ र	३	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२८	३।४७	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०८।१९।३५।०३	६ चं	४	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२४	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०८।२०।३६।२६	७ मं	५	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।२०	३।३९	५।५८	८।०२	९।४५	११।१४
०८।२१।३७।५०	८ बु	६	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००	१।१६	३।३५	५।५४	७।५८	९।४१	११।१०
०८।२२।३९।१३	९ गु	७	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।५०	७।५४	९।३७	११।०६
०८।२३।४०।३६	१० शु	८	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४६	७।५०	९।३४	११।०२
०८।२४।४१।५९	११ श	९	१२।२४	२।००	३।५७	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४२	७।४६	९।३०	१०।५८
०८।२५।४३।२१	१२ र	१०	१२।२०	१।५६	३।५३	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३८	७।४२	९।२६	१०।५४
०८।२६।४४।४३	१३ चं	११	१२।१६	१।५२	३।४९	६।०३	८।२४	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३४	७।३८	९।२२	१०।५०
०८।२७।४६।०४	१४ मं	१२	१२।१२	१।४८	३।४५	५।५९	८।२०	१०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१८	१०।४६
०८।२८।४७।२६	३० बु	१३	१२।०८	१।४५	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३१	९।१४	१०।४२

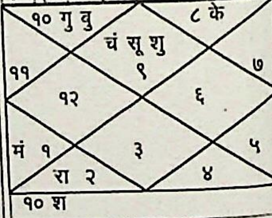
मास फलम्

इस माह मे पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ चन्द्रजीवौयदापंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो । अमावस्या उत्तराषाढा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है । शुक्ला ४ रविवार होने से ३ मास तक बीमारी बढे । पूर्णिमा पुष्य युक्त होने से महर्घता हो । उत्तराषाढा में बुध होने से अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो । गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें ।

अयनांशाः २४।०७।४५

पं.४० पौ.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	९	९	८	९	१	७
२७	०८	११	११	१०	०८	२४	२४
५६	२०	४५	१२	०८	४७	०६	०६
५२	१८	४२	५६	५४	५९	२८	२८
६१	२८	९६	१४	७५	७	३	३
०८	४८	१०	०३	१४	०४	११	११
उषा	अ	श्र	श्र	मू	उषा	मृ	ज्ये
१	३	१	१	४	४	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य पूषा. १० जन. तः उषा. । मंगल अश्वि. । बुध पूषा. २ जन. तः उषा. ८ जन. तः अभि. ११ जन. तः श्रवणे । गुरु अभि. १० जन. तः श्रवणे । शुक्र ज्येष्ठा. ३ जन. तः मूले । शनि अभि. । राहु मृगे । केतु ज्येष्ठा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य आर्द्रा. १० जन. तः मृगे । मंगल पूफा.। बुध आर्द्रा २ जन. तः मृगे ८ जन. तः रोहि. ११ जन. तः मघा.। गुरु रोहि. १० जन. तः मघा.। शुक्र पुष्ये ३ जन. तः पुनर्वसौ । शनि रोहि. । राहु उषा.। केतु पुष्ये ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य आर्द्रा. १० जन. तः मृगे । मंगल पूफा.। बुध आर्द्रा. २ जन. तः मृगे ८ जन. तः रोहि. ११ जन. तः कृति.। गुरु रोहि. १० जन. तः कृति.। शुक्र पुष्ये ३ जन. तः पुनर्वसौ । शनि रोहि. । राहु उषा.। केतु पुष्ये ।

|| सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ||

१४ जनवरी से २८ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिनासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वजा	१	गु	४	०५	९	०४	श्रव	५४	०३	२९	०४	व	३६	२९	२२	०२	व	४	०५	९	०४	२६ ०३	७ २०	५ ५२	२४	२१	१४	मक.	८।२९।४१।११	६१।२०
धाता	२	शु	१	४०	८	०७	धनि	५४	३०	२९	१४	सि	३२	१०	२०	१८	का	१	४०	८	०७	०६	२६	५३	२५	१	१५	कुंभे १७।०४	९।००।४२।३९	६१।१९
आनन्द	३	श	०	४८	७	४६	शत	५६	३८	३०	०५	व्य	२९	०९	११	०६	ग	०	४८	७	४६	०८	२६	५४	२६	२	१६	कुंभे	९।०१।४३।५८	६१।१९
चर	४	र	१	४२	८	०७	पूभा	...	...	...	...	व	२७	३१	१८	२६	वि	१	४२	८	०७	१०	२६	५४	२७	३	१७	मीने २५।११	९।०२।४५।१७	६१।१८
मुसल	५	सो	४	२३	९	११	पूभा	०	३१	७	३८	प	२७	१५	१८	२०	बा	४	२३	९	११	१३	२६	५५	२८	४	१८	मीने	९।०३।४६।३६	६१।१८
सिद्धि	६	मं	८	४८	१०	५७	उभा	६	०१	९	५०	शि	२८	११	१८	४२	तै	८	४८	१०	५७	१५	२६	५६	२९	५	१९	मीने	९।०४।४७।५३	६१।१७
उत्पात	७	बु	१४	३५	१३	१६	रेव	१२	५१	१२	३४	सि	३०	०१	१९	२६	व	१४	३५	१३	१६	१८	२६	५७	३०	६	२०	मेषे १२।३४	९।०५।४९।१०	६१।१६
मानस	८	गु	२१	१०	१५	५३	अश्वि	२०	२७	१५	३६	सा	३२	२१	२०	२२	ब	२१	१०	१५	५३	२१	२५	५८	१	७	२१	मेषे	९।०६।५०।२६	६१।१५
मुद्गर	९	शु	२७	५१	१८	३३	भर	२८	१०	१८	४१	शु	३४	४०	२१	१७	कौ	२७	५१	१८	३३	२३	२५	५८	२	८	२२	वृषे २५।२६	९।०७।५१।४२	६१।१४
ध्वजा	१०	श	३३	५९	२१	००	कृति	३५	२२	२१	३३	शु	३६	३१	२२	०१	तै	१	०२	७	५०	२६	२५	५९	३	९	२३	वृषे	९।०८।५२।५६	६१।१४
ए.व्र.	११	र	३९	००	२३	००	रोहि	४१	२९	२४	००	ब्र	३७	३३	२२	२६	व	६	३९	१०	०४	२९	२४	६ ००	४	१०	२४	वृषे	९।०९।५४।१०	६१।१३
आनन्द	१२	सो	४२	३३	२४	२५	मृग	४६	१३	२५	५३	ऐ	३७	३०	२२	२४	ब	१०	५८	११	४७	३२	२४	०१	५	११	२५	मिथु. १३।०१	९।१०।५५।२२	६१।१२
प्र.व्र.	१३	मं	४४	२८	२५	११	आर्द्रा	४९	२३	२७	०९	वै	३६	१२	२१	५२	कौ	१३	४३	१२	५३	३५	२४	०२	६	१२	२६	मिथु.	९।११।५६।३४	६१।११
गद	१४	बु	४४	४५	२५	१७	पुन	५०	५९	२७	४७	वि	३३	३९	२०	५१	ग	१४	५०	१३	१९	३८	२३	०३	७	१३	२७	कर्के २१।४१	९।१२।५७।४५	६१।१०
पूर्णिमा	१५	गु	४३	३१	२४	४७	पुष्य	५१	०७	२७	४९	प्री	२९	५४	१९	२१	वि	१४	१९	१३	०७	४१	२३	०३	८	१४	२८	कर्के	९।१३।५८।५५	६१।०९

केतकी अहर्गणः ३५७१ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०२१

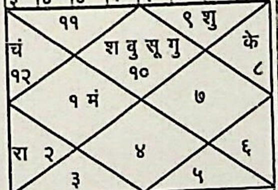
यहां लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), मकरे रविः ७।४७ (सौरः १४।४५), A
पंचक प्रारम्भः १७।०४, जमादिलास्सर ६, सक्रान्ति करिदिन
भ. १९।५१ उ. [A निरयन उत्तरायनारंभः, पूषा. शुक्रः २०।२४
भ. ८।०७ या., गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २३।३६
[D रविः २०।५४ (सौरः २७।२०), G
सायन कुंभे भानुः २६।०८, धनि. बुधः २१।४२
भ. १३।१६ उ. २६।३३ या., पंचक समाप्तिः १२।३४, अभि.प्र. D
शांकभरी यात्रा, भा. माघारंभः [C ९।४२, अभि.नि. रविः E
भर.भौमः ९।३५, श्रव.-१ शनिः १०।३९ [E २४।३० (सौरः ३०।३६)
नेताजी जयन्ती, श्रव. रविः २७।३२ [G श्रव.-२ गुरुः ३१।१६
भ.१०।०४ उ. २३।०० या.,पुत्रदा ११ व्र.,मन्वादि, श्रव. सौरः C
कुंभे बुधः १४।३७, उषा. शुक्रः ११।३७ [F केतुः २२।१२
प्रदोषः, गणराज्यदिवस, रोहि.-४ राहुः २२।१२, ज्येष्ठा.-२ F
भ. २५।१७ उ., मकरे शुक्रः २७।२६ [B स्नानारंभः
भ. १३।०७ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, माघ B

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०७।४६

पं.४१ पौ.शु. ६ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	९	९	८	९	१	७
०५	११	२२	१२	१८	०९	२३	२३
०४	४६	३०	५१	५५	३७	४४	४४
३८	१२	२२	४३	३०	३९	१३	१३
६१	३०	८३	१४	७५	७	३	३
०४	१०	३१	११	१३	०८	११	११
उषा	अ	श्र	श्र	पूषा	उषा	मृ	ज्ये
३	४	४	१	२	४	१	३



|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।२९।४८।४६	१ गु	१४	१२।०४	१।४१	३।३७	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२७	९।१०	१०।३८
०९।००।५०।०६	२ शु	१५	१२।००	१।३७	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१८	७।२३	९।०६	१०।३४
०९।०१।५१।२६	३ श	१६	११।५७	१।३३	३।२९	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१४	७।१९	९।०२	१०।३१
०९।०२।५२।४५	४ र	१७	११।५३	१।२९	३।२५	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।१०	७।१५	८।५८	१०।२७
०९।०३।५४।०३	५ चं	१८	११।४९	१।२५	३।२१	५।३६	७।५६	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०६	७।११	८।५४	१०।२३
०९।०४।५५।२०	६ मं	१९	११।४५	१।२१	३।१७	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१९
०९।०५।५६।३७	७ बु	२०	११।४१	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१५
०९।०६।५७।५३	८ गु	२१	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१७	२।३६	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०९।०७।५९।०९	९ शु	२२	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१३	२।३२	४।५१	६।५५	८।३८	१०।०७
०९।०९।००।२३	१० श	२३	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०९	२।२८	४।४७	६।५१	८।३४	१०।०३
०९।१०।०१।३७	११ र	२४	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४३	६।४७	८।३०	९।५९
०९।११।०२।५०	१२ चं	२५	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।०१	२।२०	४।३९	६।४३	८।२६	९।५५
०९।१२।०४।०१	१३ मं	२६	११।१७	१२।५३	२।५०	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३५	६।३९	८।२३	९।५१
०९।१३।०५।१२	१४ बु	२७	११।१३	१२।४९	२।४६	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३१	६।३५	८।१९	९।४७
०९।१४।०६।२२	१५ गु	२८	११।०९	१२।४५	२।४२	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२७	६।३१	८।१५	९।४३

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०२१

पौष शु. १ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।४७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ७।४७ से २३।४७ तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०७।४७

पं.४२ पौ.शु.१३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	१०	९	८	९	१	७
१२	१५	००	१४	२७	१०	२३	२३
११	२०	३५	३१	४१	२७	२१	२१
५१	५६	५१	१२	५९	३६	५८	५८
६०	३१	४२	१४	७५	७	३	३
५९	१९	५१	१५	१२	०८	११	११
श्र	भ	ध	श्र	उषा	श्र	मृ	ज्ये
१	१	३	२	१	१	१	३



नक्षत्र युतिः- सूर्य उषा. २० जन. तः अभि. २४ जन. तः श्रवणे । मंगल अश्वि. २२ जन. तः भर. । बुध श्रवणे १९ जन. तः धनि. । गुरु श्रवणे । शुक्र मूले १४ जन. तः पूषा. २५ जन. तः उषा. । शनि अभि. । राहु मृगे २६ जन. तः (व) रोहि. । केतु ज्येष्ठा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य मृगे २० जन. तः रोहि. २४ जन. तः मघा. । मंगल पूफा. २२ जन. तः अनुरा.। बुध मघा. १९ जन. तः श्लेषा.। गुरु मघा.। शुक्र पुनर्वसौ १४ जन. तः आर्द्रा. २५ जन. तः मृगे। शनि रोहि.। राहु उषा. २६ जन. तः अभि.। केतु पुष्ये।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य मृगे २० जन. तः रोहि. २४ जन तः कृति. । मंगल पूफा. २२ जन. तः मघा.। बुध कृति. १९ जन. तः विशा.। गुरु कृति.। शुक्र पुनर्वसौ १४ जन. तः आर्द्रा. २५ जन. तः मृगे। शनि रोहि.। राहु उषा. २६ जन. तः अभि.। केतु पुष्ये।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोपकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०२१

२९ जनवरी से ११ फरवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	शु	४०	५७	२३	४५	श्ले	४९	५८	२७	२२	आ	२५	०५	१७	२५	वा	१२	२३	१२	२०	२६ ४४	७ २२	६ ०४	९	१५	२९	सिंहे २७।२२	९।१५।००।०४	६१।०८
पद्म	२	श	३७	१७	२२	१७	मघा	४७	४९	२६	३०	सौ	१९	२१	१५	०६	तै	९	१५	११	०४	४८	२२	०५	१०	१६	३०	सिंहे	९।१६।०१।११	६१।०७
च.व्र.	३	र	३२	५०	२०	२९	पूफा	४४	५५	२५	२०	शो	१२	५४	१२	३१	व	५	१०	९	२५	५१	२१	०६	११	१७	३१	कन्या ३१।००	९।१७।०२।१८	६१।०५
श्रीवत्स	४	सो	२७	५१	१८	२९	उफा	४१	३४	२३	५९	अ	५ ५२	५८ ४३	९ ३०	४४ ५०	व	०	२४	७	३०	५४	२१	०७	१२	१८	१	कन्या	९।१८।०३।२३	६१।०४
सौम्य	५	मं	२२	३६	१६	२३	हस्त	३८	०१	२२	३३	धृ	५१	२२	२७	५३	तै	२२	३६	१६	२३	५८	२०	०७	१३	१९	२	कन्या	९।१९।०४।२८	६१।०३
काल	६	बु	१७	१७	१४	१५	चित्रा	३४	२७	२१	०७	शू	४४	०४	२४	५७	व	१७	१७	१४	१५	२७ ०१	२०	०८	१४	२०	३	तुला. ९।४९	९।२०।०५।३१	६१।०२
सुस्थिर	७	गु	१२	०५	१२	०९	स्वा	३१	०१	१९	४४	गं	३६	५२	२२	०४	ब	१२	०५	१२	०९	०४	१९	०९	१५	२१	४	तुला.	९।२१।०६।३२	६१।००
मातङ्ग	८	शु	७	०४	१०	०८	विशा	२७	५०	१८	२७	वृ	२९	५३	१९	१६	कौ	७	०४	१०	०८	०८	१९	१०	१६	२२	५	वृश्चि. १२।४५	९।२२।०७।३३	६०।५९
अमृत	९	श	२	२१	८	१४	अनु	२४	५६	१७	१६	ध्रु	२३	०८	१६	३३	ग	२	२१	८	१४	११	१८	११	१७	२३	६	वृश्चि.	९।२३।०८।३२	६०।५८
क्षयः	१०	श	५७	५५	३०	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	११	र	५३	५२	२८	५०	ज्ये	२२	२१	१६	१४	व्या	१६	३९	१३	५७	ब	२५	५१	१७	३८	१५	१७	११	१८	२४	७	धनु. १६।१४	९।२४।०९।३०	६०।५६
ए.व्र.	१२	सो	५०	१४	२७	२२	मूल	२०	०९	१५	२०	ह	१०	२७	११	२८	कौ	२२	००	१६	०५	१९	१७	१२	१९	२५	८	धनु.	९।२५।१०।२६	६०।५५
प्र.व्र.	१३	मं	४७	१०	२६	०८	पूषा	१८	२६	१४	३८	व	४ ५९	३९ १६	९ ३०	०७ ५९	ग	१८	३९	१४	४३	२२	१६	१३	२०	२६	९	मक. २०।३०	९।२६।११।२१	६०।५४
वज्र	१४	बु	४४	५०	२५	११	उषा	१७	२०	१४	११	व्य	५४	३४	२९	०५	वि	१५	५५	१३	३७	२६	१५	१४	२१	२७	१०	मक.	९।२७।१२।१५	६०।५२
अमाव.	३०	गु	४३	२६	२४	३७	श्रव	१७	०४	१४	०४	व	५०	३५	२७	२८	च	१४	०२	१२	५१	३०	१५	१५	२२	२८	११	कुंभे २६।०९	९।२८।१३।०७	६०।५१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं ।
[A सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी, D
[D वक्री बुधः ९।३९
भ. ९।२५ उ. २०।२९ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।५०, A
फरवरी २ ता. २८
[C गुरुः ८।२२, श्रव. शुक्रः २६।५६
भ. १४।१५ उ. २५।११ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् १५।४०
स्वामी विवेकानन्द जयंती, (व) मकरे बुधः २५।१३, श्रव.-३ C
धनि. रविः ३०।३९ [E (व) श्रव. बुधः २२।३७
भ. १९।२० उ. ३०।२८ या., धनि. सौरः ११।४९
[B पंचक प्रारम्भः २६।०९, युगादि
षट्तिला ११ व्र.स्मार्त
षट्तिला ११ व्र.वैष्ण., तिल द्वादशी
भ. २६।०८ उ., प्रदोषः
भ. १३।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र., E
देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ११।३८ B

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०७।४८

पं.४३ मा.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गुः	शु.	श.	रा.	के.
९	०	१०	९	९	९	१	७
१९	१९	०१	१६	०६	११	२२	२२
१८	०३	५६	१०	२८	१७	५९	५९
२१	०२	३३	५४	१५	२६	४३	४३
६०	३२	३३	१४	७५	७	३	३
५१	१५	२१	१४	१०	०५	११	११
श्र	म	ध	श्र	उपा	श्र	रो	ज्ये
३	२	३व	२	३	१	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०९।१५।०७।३१	१ शु	२९	११।०५	१२।४१	२।३८	४।५२	७।१३	९।२९	११।४५	२।०४	४।२३	६।२७	८।११	९।३९
०९।१६।०८।३८	२ श	३०	११।०१	१२।३८	२।३४	४।४९	७।०९	९।२५	११।४१	२।००	४।१९	६।२४	८।०७	९।३५
०९।१७।०९।४५	३ र	३१	१०।५७	१२।३४	२।३०	४।४५	७।०५	९।२२	११।३७	१।५६	४।१५	६।२०	८।०३	९।३१
०९।१८।१०।५०	४ चं	१	१०।५३	१२।३०	२।२६	४।४१	७।०१	९।१८	११।३३	१।५३	४।११	६।१६	७।५९	९।२७
०९।१९।११।५४	५ मं	२	१०।५०	१२।२६	२।२२	४।३७	६।५७	९।१४	११।२९	१।४९	४।०७	६।१२	७।५५	९।२३
०९।२०।१२।५७	६ बु	३	१०।४६	१२।२२	२।१८	४।३३	६।५३	९।१०	११।२६	१।४५	४।०३	६।०८	७।५१	९।२०
०९।२१।१३।५९	७ गु	४	१०।४२	१२।१८	२।१४	४।२९	६।४९	९।०६	११।२२	१।४१	३।५९	६।०४	७।४७	९।१६
०९।२२।१४।५९	८ शु	५	१०।३८	१२।१४	२।१०	४।२५	६।४५	९।०२	११।१८	१।३७	३।५५	६।००	७।४३	९।१२
०९।२३।१५।५९	९ श	६	१०।३४	१२।१०	२।०६	४।२१	६।४१	८।५८	११।१४	१।३३	३।५१	५।५६	७।३९	९।०८
०९।२४।१६।५६	११ र	७	१०।३०	१२।०६	२।०२	४।१७	६।३७	८।५४	११।१०	१।२९	३।४७	५।५२	७।३५	९।०४
०९।२५।१७।५३	१२ चं	८	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।५०	११।०६	१।२५	३।४४	५।४८	७।३१	९।००
०९।२६।१८।४८	१३ मं	९	१०।२२	११।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४६	११।०२	१।२१	३।४०	५।४४	७।२७	८।५६
०९।२७।१९।४१	१४ बु	१०	१०।१८	११।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	१०।५८	१।१७	३।३६	५।४०	७।२३	८।५२
०९।२८।२०।३३	३० गु	११	१०।१४	११।५०	१।४६	४।०१	६।२१	८।३८	१०।५४	१।१३	३।३२	५।३६	७।१९	८।४८

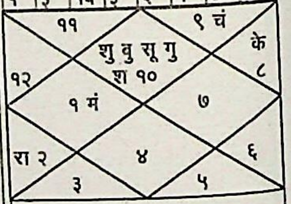
मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, पांच शनिवार होने से महँगाई हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ कृष्णा दशमी का क्षय होने से घी की विशेष महँगाई हों । गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो । आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो । अमावस्या श्रवण योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है । शुक्ला प्रतिपदा को गुरुवार शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो । शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे और श्रावण में सूखा रहे । पूर्णिमा मघा युक्त होने से समर्घता हो । प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २४।०७।४९

पं.४४ मा.कृ.१३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	९	९	९	९	१	७
२६	२२	२५	१७	१५	१२	२२	२२
२३	५१	१७	५०	१४	०६	३७	३७
५५	१४	०१	२४	१५	४६	२८	२८
६०	३३	७२	१४	७५	६	३	३
४३	०२	०६	१०	०७	५९	११	११
ध	भ	ध	श्र	श्र	श्र	रो	ज्ये
१	३	१व	३	२	१	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य श्रवणे ५ फर. तः धनि. । मंगल भर. । बुध धनि. १० फर. तः (व) श्रवणे । गुरु श्रवणे । शुक्र उंपा. २ फर. तः अभि. ५ फर. तः श्रवणे । शनि अभि. २९ जन. तः श्रवणे । राहु रोहि. । केतु ज्येष्ठा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य मघा. ५ फर. तः श्लेषा. । मंगल अनुरा. । बुध श्लेषा. १० फर. तः मघा. । गुरु मघा. । शुक्र मृगे २ फर. तः रोहि. ५ फर. तः मघा. । शनि रोहि. २९ जन. तः मघा. । राहु अभि. । केतु पुष्ये ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य कृति. ५ फर. तः विशा. । मंगल मघा. । बुध विशा. १० फर. तः कृति. । गुरु कृति. । शुक्र मृगे २ फर. तः रोहि. ५ फर. तः कृति. । शनि रोहि. २९ जन. तः कृति. । राहु अभि. । केतु पुष्ये ।

१२ फरवरी से २७ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सार र. स्प.	गति
धाता	१	शु	४३	११	२४	३०	धनि	१७	४९	१४	२१	प	४७	३२	२६	१५	किं	१३	१०	१२	३०	२७/३३	७/१४	६/१५	२३	२९	१२	कुंभे	९।२९।१३।५८	६०।४९
आनन्द	२	श	४४	१८	२४	५६	शत	१९	४८	१५	०८	शि	४५	३३	२५	२६	बा	१३	३५	१२	३९	३७	१३	१६	२४	३०	१३	कुंभे	१०।००।१४।४७	६०।४७
चर	३	र	४६	५४	२५	५८	पूभा	२३	११	१६	२९	सि	४४	४२	२५	०५	तै	१५	२४	१३	२२	४१	१२	१७	२५	१	१४	मीने १०।०५	१०।०१।१५।३४	६०।४६
गद	४	सो	५०	५९	२७	३५	उभा	२८	०१	१८	२४	सा	४५	००	२५	११	व	१८	४७	१४	४२	४५	११	१७	२६	२	१५	मीने	१०।०२।१६।२०	६०।४४
वसंत	५	मं	५६	२५	२९	४५	रेव	३४	१३	२०	५२	शु	४६	१८	२५	४२	व	२३	३४	१६	३६	४९	११	१८	२७	३	१६	मेषे २०।५२	१०।०३।१७।०५	६०।४३
मृत्यु	६	बु	...	...	...	...	अश्वि	४१	२८	२३	४५	शु	४८	२५	२६	३२	कौ	२९	३२	१८	५९	५२	१०	१९	२८	४	१७	मेषे	१०।०४।१७।४७	६०।४१
पद्म	६	गु	२	५१	८	१७	भर	४९	१७	२६	५२	ब्र	५०	५४	२७	३०	तै	२	५१	८	१७	५६	०९	१९	२९	५	१८	मेषे	१०।०५।१८।२८	६०।३९
छत्र	७	शु	९	३८	१०	५९	कृति	५७	००	२९	५६	ऐं	५३	१९	२८	२७	व	९	३८	१०	५९	२८/००	०८	२०	३०	६	१९	वृषे ९।३९	१०।०६।१९।०८	६०।३८
श्रीवत्स	८	श	१६	०६	१३	३३	रोहि	...	...	...	...	वै	५५	१०	२९	११	व	१६	०६	१३	३३	०४	०७	२१	१	७	२०	वृषे	१०।०७।१९।४५	६०।३६
धाता	९	र	२१	३४	१५	४४	रोहि	४	००	८	४२	वि	५६	००	२९	३०	कौ	२१	३४	१५	४४	०८	०६	२१	२	८	२१	मिथु. २१।५४	१०।०८।२०।२१	६०।३४
आनन्द	१०	सो	२५	३१	१७	१८	मृग	९	३७	१०	५६	प्री	५५	३२	२९	१८	ग	२५	३१	१७	१८	१२	०५	२२	३	९	२२	मिथु.	१०।०९।२०।५५	६०।३२
ए.व्र.	११	मं	२७	३३	१८	०६	आर्द्रा	१३	३०	१२	२८	आ	५३	३२	२८	२९	वि	२७	३३	१८	०६	१६	०४	२३	४	१०	२३	मिथु.	१०।१०।२१।२७	६०।३०
प्र.व्र.	१२	बु	२७	३५	१८	०६	पुन	१५	२७	१३	१४	सौ	५०	०१	२७	०४	बा	२७	३५	१८	०६	२०	०३	२३	५	११	२४	कर्के ७।०७	१०।११।२१।५८	६०।२९
शुभ	१३	गु	२५	४१	१७	१९	पुष्य	१५	३०	१३	१५	शो	४५	०१	२५	०३	तै	२५	४१	१७	१९	२४	०२	२४	६	१२	२५	कर्के	१०।१२।२२।२६	६०।२७
मृत्यु	१४	शु	२२	०२	१५	५०	श्ले	१३	४९	१२	३३	अ	३८	४३	२२	३१	व	२२	०२	१५	५०	२८	०१	२५	७	१३	२६	सिंहे १२।३३	१०।१३।२२।५३	६०।२५
पूर्णिमा	१५	श	१६	५९	१३	४८	मघा	१०	४०	११	१७	सु	३१	२२	१९	३३	ब	१६	५९	१३	४८	३२	०१	२५	८	१४	२७	सिंहे	१०।१४।२३।१८	६०।२३

केतकी अहर्गणः ३६०० शिशिरर्तू रविरुत्तरे, फरवरी २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्री वल्लभ जयंती, कुंभे रविः २०।४१ (सौर. २५।२३)
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [D बुधोदयः पूर्वस्याम् १६।४७, शनेरुदयः E
रज्जव ७, गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २६।२६, D
म.१४।४२ उ. २७।३५ या., वरद (कुंद) ४, A
पंचक समाप्तिः २०।५२, वसन्त पञ्चमी
[A तिल चतुर्थी, कृत्ति. भौमः २७।५७, धनि. शुक्रः १८।२५
सायन मीने भानुः १६।०९, श्रव.-४ गुरुः ११।५२
भ. १०।५९ उ. २४।१८ या., मन्वादि, भीष्माष्टमी, पुत्र ७, रथ B
भा. फाल्गुनारंभः, कुंभे शुक्रः २६।१६
वृषे भौमः २५।३४, मार्गी बुधः १९।२९
भ. २९।४८ उ. [B ७, अचला ७, शत. रविः ११।०७ C
भ. १८।०६ या., जया ११ व्र.
प्रदोषः, भीष्मद्वादशी [C (सौरः १५।२४), श्रव.-२ शनिः २२।५३
कल्पादि [E पूर्वस्याम् २४।४१
भ. १५।५० उ. २६।५३ या., शत. शुक्रः १०।१०
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

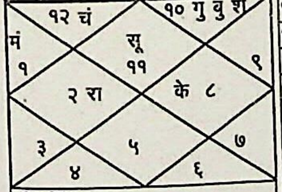
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. फर.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह साय	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
०९।२९।२१।२४	१ शु	१२	१०।१०	११।४६	१।४३	३।५७	६।१७	८।३४	१०।५०	१।०९	३।२८	५।३२	७।१६	८।४४
१०।००।२२।१३	२ श	१३	१०।०६	११।४२	१।३९	३।५३	६।१३	८।३०	१०।४६	१।०५	३।२४	५।२८	७।१२	८।४०
१०।०१।२३।००	३ र	१४	१०।०२	११।३८	१।३५	३।४९	६।१०	८।२६	१०।४२	१।०१	३।२०	५।२४	७।०८	८।३६
१०।०२।२३।४६	४ चं	१५	९।५८	११।३४	१।३१	३।४५	६।०६	८।२२	१०।३८	१२।५७	३।१६	५।२०	७।०४	८।३२
१०।०३।२४।३०	५ मं	१६	९।५४	११।३१	१।२७	३।४२	६।०२	८।१८	१०।३४	१२।५३	३।१२	५।१७	७।००	८।२८
१०।०४।२५।१३	६ बु	१७	९।५०	११।२७	१।२३	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३०	१२।४९	३।०८	५।१३	६।५६	८।२४
१०।०५।२५।५३	६ गु	१८	९।४६	११।२३	१।१९	३।३४	५।५४	८।११	१०।२६	१२।४६	३।०४	५।०९	६।५२	८।२०
१०।०६।२६।३३	७ शु	१९	९।४३	११।१९	१।१५	३।३०	५।५०	८।०७	१०।२२	१२।४२	३।००	५।०५	६।४८	८।१७
१०।०७।२७।१०	८ श	२०	९।३९	११।१५	१।११	३।२६	५।४६	८।०३	१०।१९	१२।३८	२।५६	५।०१	६।४४	८।१३
१०।०८।२७।४६	९ र	२१	९।३५	११।११	१।०७	३।२२	५।४२	७।५९	१०।१५	१२।३४	२।५२	४।५७	६।४०	८।०९
१०।०९।२८।१९	१० चं	२२	९।३१	११।०७	१।०३	३।१८	५।३८	७।५५	१०।११	१२।३०	२।४८	४।५३	६।३६	८।०५
१०।१०।२८।५२	११ मं	२३	९।२७	११।०३	१२।५९	३।१४	५।३४	७।५१	१०।०७	१२।२६	२।४४	४।४९	६।३२	८।०१
१०।११।२९।२२	१२ बु	२४	९।२३	१०।५९	१२।५५	३।१०	५।३०	७।४७	१०।०३	१२।२२	२।४०	४।४५	६।२८	७।५७
१०।१२।२९।५०	१३ गु	२५	९।१९	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४३	९।५९	१२।१८	२।३७	४।४१	६।२४	७।५३
१०।१३।३०।१७	१४ शु	२६	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५५	१२।१४	२।३३	४।३७	६।२०	७।४९
१०।१४।३०।४१	१५ श	२७	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२९	४।३३	६।१६	७।४५

अयनांशाः २४।०७।५०

पं.४५ मा.शु. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	९	९	९	९	१	७
०३	२६	१८	१९	२३	१२	२२	२२
२८	४४	२०	२९	५९	५५	१५	१५
२४	३१	२७	१३	५५	१२	१३	१३
६०	३३	३३	१४	७५	६	३	३
३३	४१	५३	०२	०४	४९	११	११
ध	कृ	श्र	श्र	ध	श्र	रो	ज्ये
४	१	३व	३	१	१	४	२



संक्रांति फलम्

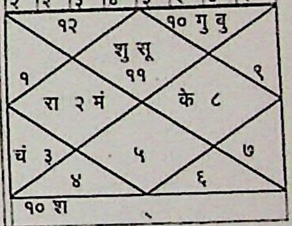
ता. १२ फरवरी २०२१

माघ शु. १ भृगौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।४१ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १४।१७ से २०।४१ तक । (दान- गोड - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०७।५१

पं.४६ मा.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	९	९	१०	९	१	७
१०	००	१७	२१	०२	१३	२१	२१
३१	४२	००	०६	४५	४२	५२	५२
३९	००	५३	५४	११	२१	५८	५८
६०	३४	१६	१३	७५	६	३	३
२१	१४	१०	४९	००	३६	१०	१०
श	कृ	श्र	श्र	ध	श्र	रो	ज्ये
२	२	३	४	३	२	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य धनि. १९ फर. तः शते । मंगल भर. १५ फर. तः कृति. । बुध श्रवणे । गुरु श्रवणे । शुक्र श्रवणे १५ फर. तः धनि. २६ फर. तः शते । शनि श्रवणे । राहु रोहि. । केतु ज्येष्ठा ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य श्लेषा. १९ फर. तः स्वातौ । मंगल अनुरा. १५ फर. तः विशा. । बुध मघा. । गुरु मघा. । शुक्र मघा. १५ फर. तः श्लेषा. २६ फर. तः स्वातौ । शनि मघा. । राहु अभि. । केतु पुष्ये ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य विशा. १९ फर. तः स्वातौ । मंगल मघा. १५ फर. तः श्रवणे । बुध कृति. । गुरु कृति. । शुक्र कृति. १५ फर. तः विशा. २६ फर. तः स्वातौ । शनि कृति. । राहु अभि. । केतु पुष्ये ।

२८ फरवरी से १३ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिनासू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	र	१०	५२	११	२०	पूफा	६	२६	९	३४	धृ	२३	१५	१६	१७	कौ	१०	५२	११	२०	३८ ३६	७ ००	६ २६	९	१५	२८	कन्या १५।०५	१०।१५।२३।४१	६०।२१
श्रीवत्स	२	सो	४	०६	८	३७	उफा	१	३२	७	३५	शू	१४	४१	१२	५१	ग	४	०६	८	३७	४०	६	२७	१०	१६	१	कन्या	१०।१६।२४।०१	६०।१९
क्षयः	३	सो	५७	०२	२९	४७	हस्त	५६	१८	२९	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५९	०	०	०	०	० ०	०	०
च.व्र.	४	मं	५०	०६	२७	००	चित्रा	५१	१३	२७	२७	गं	५ ५७	५८ २०	९ २२	२९ ५४	व	२३	३३	१६	२३	४४	५७	२७	११	१७	२	तुला. १६।२७	१०।१७।२४।२०	६०।१७
धूम्र	५	बु	४३	३४	२४	२२	स्वा	४६	३२	२५	३३	ध्रु	४९	०७	२६	३५	कौ	१६	४७	१३	३९	४९	५६	२८	१२	१८	३	तुला.	१०।१८।२४।३७	६०।१५
प्रवर्धमा	६	गु	३७	४०	२२	००	विशा	४२	२९	२३	५५	व्या	४१	२५	२३	२९	ग	१०	३३	११	०९	५३	५५	२९	१३	१९	४	वृश्चि. १८।१८	१०।१९।२४।५२	६०।१३
राक्षस	७	शु	३२	३३	१९	५५	अनु	३९	१३	२२	३६	ह	३४	२१	२०	३९	वि	५	०१	८	५५	५७	५४	२९	१४	२०	५	वृश्चि.	१०।२०।२५।०५	६०।११
मुसल	८	श	२८	१६	१८	१२	ज्ये	३६	४७	२१	३६	व	२७	५८	१८	०५	दा	०	१९	७	०१	२९ ०१	५३	३०	१५	२१	६	धनु. २१।३६	१०।२१।२५।१६	६०।०९
सिद्धि	९	र	२४	५०	१६	४८	मूल	३५	१२	२०	५७	सि	२२	१६	१५	४७	ग	२४	५०	१६	४८	०५	५२	३०	१६	२२	७	धनु.	१०।२२।२५।२५	६०।०७
उत्पात	१०	सो	२२	१६	१५	४६	पूषा	३४	२७	२०	३८	व्य	१७	१६	१३	४५	वि	२२	१६	१५	४६	०९	५१	३१	१७	२३	८	मक. २६।३६	१०।२३।२५।३२	६०।०५
ए.व्र.	११	मं	२०	३२	१५	०३	उषा	३४	३२	२०	३९	व	१२	५६	१२	००	बा	२०	३२	१५	०३	१३	५०	३१	१८	२४	९	मक.	१०।२४।२५।३७	६०।०३
प्र.व्र.	१२	बु	१९	४०	१४	४१	श्रव	३५	२९	२१	००	प	९	१५	१०	३१	तै	१९	४०	१४	४१	१८	४९	३२	१९	२५	१०	मक.	१०।२५।२५।३९	६०।००
शिवरा.	१३	गु	१९	४२	१४	४१	धनि	३७	१८	२१	४३	शि	६	१८	९	१९	व	१९	४२	१४	४१	२२	४८	३३	२०	२६	११	कुंभे ९।१९	१०।२६।२५।४०	५९।५८
सौम्य	१४	शु	२०	४३	१५	०४	शत	४०	०६	२२	४९	सि	४	०५	८	२५	श	२०	४३	१५	०४	२६	४७	३३	२१	२७	१२	कुंभे	१०।२७।२५।३८	५९।५६
अमाव.	३०	श	२२	४६	१५	५२	पूभा	४३	५५	२४	२०	सा	२	३९	७	४९	ना	२२	४६	१५	५२	३०	४६	३४	२२	२८	१३	मीने १७।५५	१०।२८।२५।३४	५९।५४

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B बुधः ११।३५

भ. १९।१२ उ. २९।४७ या., मार्च ३ ता. ३१

अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४९

[C गुरुः २४।३३

भ. २२।०० उ., पूभा. रविः १७।२३ (सौरः २०।५५), धनि.-१ C

भ. ८।५५ या., धनि. बुधः ७।०७

भ. २८।१५ उ., रामदास ९

भ: १५।४६ या., पूभा. शुक्रः २६।१७

विजया ११ व्र.

प्रदोषः

भ. १४।४१ उ. २६।५० या., महाशिवरात्री व्रतम्, A

[A पंचक प्रारम्भः ९।१९, रोहि. भौमः ८।५१, कुंभे B

देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०७।५२

पं.४७ फा.कृ. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	९	९	१०	९	१	७
१७	०४	२०	२२	११	१४	२१	२१
३३	४२	४२	४२	२९	२७	३०	३०
३१	५९	३५	५९	५९	५०	४४	४४
६०	३४	४९	१३	७४	६	३	३
०९	४०	०१	३४	५६	२१	११	११
श	कृ	श्र	श्र	श	श्र	रो	ज्ये
४	३	४	४	२	२	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।१५।३१।०४	१ र	२८	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२५	४।२९	६।१३	७।४१
१०।१६।३१।२५	२ चं	१	९।०३	१०।३९	१२।३६	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२१	४।२५	६।०९	७।३७
१०।१७।३१।४४	४ मं	२	८।५९	१०।३५	१२।३२	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१७	४।२१	६।०५	७।३३
१०।१८।३२।००	५ बु	३	८।५५	१०।३१	१२।२८	२।४२	५।०३	७।१९	९।३५	११।५४	२।१३	४।१७	६।०१	७।२९
१०।१९।३२।१५	६ गु	४	८।५१	१०।२८	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१५	९।३१	११।५०	२।०९	४।१४	५।५७	७।२५
१०।२०।३२।२८	७ शु	५	८।४७	१०।२४	१२।२०	२।३५	४।५५	७।११	९।२७	११।४६	२।०५	४।१०	५।५३	७।२१
१०।२१।३२।३९	८ श	६	८।४३	१०।२०	१२।१६	२।३१	४।५१	७।०८	९।२३	११।४३	२।०१	४।०६	५।४९	७।१७
१०।२२।३२।४७	९ र	७	८।३९	१०।१६	१२।१२	२।२७	४।४७	७।०४	९।१९	११।३९	१।५७	४।०२	५।४५	७।१३
१०।२३।३२।५४	१० चं	८	८।३६	१०।१२	१२।०८	२।२३	४।४३	७।००	९।१६	११।३५	१।५३	३।५८	५।४१	७।१०
१०।२४।३२।५८	११ मं	९	८।३२	१०।०८	१२।०४	२।१९	४।३९	६।५६	९।१२	११।३१	१।४९	३।५४	५।३७	७।०६
१०।२५।३३।०१	१२ बु	१०	८।२८	१०।०४	१२।००	२।१५	४।३५	६।५२	९।०८	११।२७	१।४५	३।५०	५।३३	७।०२
१०।२६।३३।०१	१३ गु	११	८।२४	१०।००	११।५६	२।११	४।३१	६।४८	९।०४	११।२३	१।४१	३।४६	५।२९	६।५८
१०।२७।३२।५९	१४ शु	१२	८।२०	९।५६	११।५२	२।०७	४।२७	६।४४	९।००	११।१९	१।३७	३।४२	५।२५	६।५४
१०।२८।३२।५५	३० श	१३	८।१६	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।४०	८।५६	११।१५	१।३३	३।३८	५।२१	६।५०

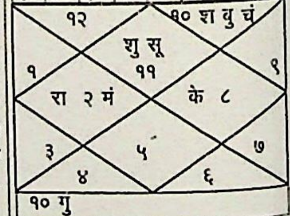
मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो। अमावस्या पूर्वाभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला ८ को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा उत्तराफाल्गुनी युक्त होने से समर्धता हो। धनिष्ठा का वृहस्पति होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य हो और पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। धनिष्ठा में वुध होने से गायें पीड़ित हों। धनिष्ठा को वुध के भेदने से वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य वहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।०७।५३

पं.४८ फा.कृ.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	९	९	१०	९	१	७
२४	०८	२७	२४	२०	१५	२१	२१
३३	४६	२८	१७	१४	११	०८	०८
५४	५१	००	०२	१४	१७	३०	३०
५९	३५	६७	१३	७४	६	३	३
५६	०३	५१	१५	५०	०१	११	११
पूभा	कृ	ध	ध	पूभा	श्र	रो	ज्ये
२	४	२	१	१	२	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य शते ४ मार्च तः पूभा.। मंगल कृति. ११ मार्च तः रोहि.। बुध श्रवणे ५ मार्च तः धनि.। गुरु श्रवणे ४ मार्च तः धनि.। शुक्र शते ८ मार्च तः पूभा.। शनि श्रवणे। राहु रोहि.। केतु ज्येष्ठा।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य स्वातौ ४ मार्च तः चित्रा.। मंगल विशा. ११ मार्च तः अभि.। बुध मघा. ५ मार्च तः श्लेषा.। गुरु मघा. ४ मार्च तः श्लेषा.। शुक्र स्वातौ ८ मार्च तः चित्रा.। शनि मघा.। राहु अभि.। केतु पुष्ये।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य स्वातौ ४ मार्च तः चित्रा.। मंगल श्रवणे ११ मार्च तः अभि.। बुध कृति. ५ मार्च तः विशा.। गुरु कृति. ४ मार्च तः विशा.। शुक्र स्वातौ ८ मार्च तः चित्रा.। शनि कृति.। राहु अभि.। केतु पुष्ये।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

१४ मार्च से २८ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिना सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	ई.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	र	२५	५५	१७	०७	उभा	४८	५०	२६	१६	शु	२	०४	७	३४	व	२५	५५	१७	०७	३६/३४	६/४५	६/३४	२३	२९	१४	मीने	१०।२९।२५।२८	५९।५२
फुलरि.	२	सो	३०	१३	१८	४९	रेव	५४	४९	२८	३९	शु	२	२१	७	४०	कौ	३०	१३	१८	४९	३८	४४	३५	२४	१	१५	मेषे २८।३९	११।००।२५।२०	५९।५०
अमृत	३	मं	३५	३६	२०	५७	अश्वि	...	...	...	...	ब्र	३	२९	८	०६	तै	२	४९	७	५०	४३	४२	३५	२५	२	१६	मेषे	११।०१।२५।१०	५९।४७
मृत्यु	४	वु	४१	५१	२३	२६	अश्वि	१	५०	७	२५	ऐ	५	२३	८	५०	व	८	४०	१०	०९	४७	४१	३६	२६	३	१७	मेषे	११।०२।२४।५७	५९।४५
पद्म	५	गु	४८	३७	२६	०७	भर	९	३१	१०	२९	वै	७	५०	९	४८	व	१५	१३	१२	४५	५१	४०	३७	२७	४	१८	वृषे १७।१६	११।०३।२४।४२	५९।४३
छत्र	६	शु	५५	१९	२८	४७	कृति	१७	२९	१३	३९	वि	१०	३०	१०	५१	कौ	२२	०२	१५	२८	५५	३९	३७	२८	५	१९	वृषे	११।०४।२४।२५	५९।४१
श्रीवत्स	७	श	...	...	...	...	रोहि	२५	०८	१६	४१	प्री	१३	००	११	५०	ग	२८	२८	१८	०१	५९	३८	३८	२९	६	२०	मिथु. ३०।०५	११।०५।२४।०६	५९।३८
सौम्य	७	र	१	२३	७	१०	मृग	३१	५२	१९	२१	आ	१४	५०	१२	३३	व	१	२३	७	१०	३०/०३	३७	३८	३०	७	२१	मिथु.	११।०६।२३।४४	५९।३६
होलाष्ट	८	सो	६	०३	९	०१	आर्द्रा	३७	०४	२१	२५	सौ	१५	३७	१२	५०	व	६	०३	९	०१	०८	३६	३९	१	८	२२	मिथु.	११।०७।२३।२१	५९।३४
सुस्थिर	९	मं	८	५४	१०	०८	पुन	४०	२२	२२	४३	शो	१४	५६	१२	३३	कौ	८	५४	१०	०८	१२	३५	३९	२	९	२३	कर्के १६।२८	११।०८।२२।५५	५९।३२
मातङ्ग	१०	वु	९	३८	१०	२५	पुष्य	४१	३२	२३	१०	अ	१२	३७	११	३६	ग	९	३८	१०	२५	१६	३३	४०	३	१०	२४	कर्के	११।०९।२२।२६	५९।२९
ए.व्र.	११	गु	८	०९	९	४८	श्ले	४०	३५	२२	४६	सु	८	३५	९	५८	वि	८	०९	९	४८	२०	३२	४०	४	११	२५	सिंहे २२।४६	११।१०।२१।५६	५९।२७
प्र.व्र.	१२	शु	४	३६	८	२१	मघा	३७	४३	२१	३६	धृ	२	५३	७	४०	वा	४	३६	८	२१	२४	३१	४१	५	१२	२६	सिंहे	११।११।२१।२३	५९।२५
क्षयः	१३	शु	५९	१०	३०	११	०	०	०	०	०	शू	५५	४०	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
लुम्बक	१४	श	५२	१९	२७	२६	पूफा	३३	१५	१९	४८	गं	४७	१८	२५	२५	ग	२५	५५	१६	५२	२८	३०	४१	६	१३	२७	कन्या २५।१६	११।१२।२०।४८	५९।२३
होली	१५	र	४४	२९	२४	१६	उफा	२७	३७	१७	३१	वृ	३८	०४	२१	४२	वि	१८	३२	१३	५३	३२	२९	४२	७	१४	२८	कन्या	११।१३।२०।१०	५९।२०

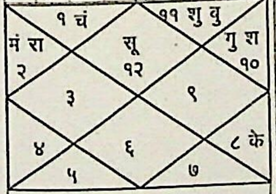
केतकी अहर्गणः ३६३० वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा. में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), मीने रविः १७।२९ (सौरः २०।३५)
पंचक समाप्तिः २८।३९, फुलरिया २, श्री रामकृष्ण B
शत. वुधः १८।२०, मीने शुक्रः २६।४०
भ. १०।०९ उ. २३।२६ या., उभा. रविः २५।४८ (सौरः २८।४७)
याज्ञवल्क्य जयंती [B परमहंस जयंती, सावान ८
उभा. शुक्रः १८।५१
सायन मेषे भानुः १४।५९, धनि.-२ गुरुः ७।२५
भ. ७।१० उ. २०।१० या.
होलाष्टक, भा. चैत्रारंभः
[C भद्रा के वाद, पूभा. वुधः २३।३१
भ. २२।१३ उ., श्रव.-३ शनिः २५।४१
भ. ९।४८ या., आमलकी ११ व्र., विड़कुला-ढाल थापणा C
प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु), वुधास्तः पूर्वस्याम् २३।५७
[A विड़कुलों की माला वनाना) भद्रा के वाद, होलिका दहनं, D
भ. २७।२६ उ. [D मन्वादि, करिदिन
भ.१३।५३ या., पूर्णिमाव्रतं पुण्यञ्च, जेलपोणी (गोवर के A

अयनांशाः २४।०७।५४

पं.४९ फा.शु. ३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	९	१०	९	१	७
०१	१२	०६	२५	२८	१५	२०	२०
३२	५३	०१	४८	५७	५२	४६	४६
४४	०८	१६	३५	४९	२१	१५	१५
५९	३५	७९	१२	७४	५	३	३
४२	२१	५५	५१	४४	३९	११	११
पूभा	रो	ध	ध	पूभा	श्र	रो	ज्ये
४	१	४	१	३	२	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
१०।२९।३२।४९	१ र	१४	८।१२	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३६	८।५२	११।११	१।३०	३।३४	५।१७	६।४६
११।००।३२।४०	२ चं	१५	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३२	८।४८	११।०७	१।२६	३।३०	५।१३	६।४२
११।०१।३२।३०	३ मं	१६	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४४	११।०३	१।२२	३।२६	५।०९	६।३८
११।०२।३२।१७	४ वु	१७	८।००	९।३६	११।३३	१।४७	४।०७	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१८	३।२२	५।०६	६।३४
११।०३।३२।०२	५ गु	१८	७।५६	९।३२	११।२९	१।४३	४।०३	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१४	३।१८	५।०२	६।३०
११।०४।३१।४५	६ शु	१९	७।५२	९।२८	११।२५	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।१०	३।१४	४।५८	६।२६
११।०५।३१।२५	७ श	२०	७।४८	९।२४	११।२१	१।३५	३।५६	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०६	३।१०	४।५४	६।२२
११।०६।३१।०३	७ र	२१	७।४४	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०२	३।०७	४।५०	६।१८
११।०७।३०।३९	८ चं	२२	७।४०	९।१७	११।१३	१।२८	३।४८	६।०५	८।२०	१०।३९	१२।५८	३।०३	४।४६	६।१४
११।०८।३०।१३	९ मं	२३	७।३६	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।०१	८।१६	१०।३६	१२।५४	२।५९	४।४२	६।१०
११।०९।२९।४४	१० वु	२४	७।३३	९।०९	११।०५	१।२०	३।४०	५।५७	८।१२	१०।३२	१२।५०	२।५५	४।३८	६।०७
११।१०।२९।१४	११ गु	२५	७।२९	९।०५	११।०१	१।१६	३।३६	५।५३	८।०९	१०।२८	१२।४६	२।५१	४।३४	६।०३
११।११।२८।४१	१२ शु	२६	७।२५	९।०१	१०।५७	१।१२	३।३२	५।४९	८।०५	१०।२४	१२।४२	२।४७	४।३०	५।५९
११।१२।२८।०५	१४ श	२७	७।२१	८।५७	१०।५३	१।०८	३।२८	५।४५	८।०१	१०।२०	१२।३८	२।४३	४।२६	५।५५
११।१३।२७।२७	१५ र	२८	७।१७	८।५३	१०।४९	१।०४	३।२४	५।४१	७।५७	१०।१६	१२।३४	२।३९	४।२२	५।५१

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०२१

फा. शु. १ रवौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टैं.) टा. १७।२९ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् चुरादा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टैं.) १७।२९ से २३।५३ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २४।०७।५५

पं.५० फा.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	९	११	९	१	७
०८	१७	१५	२७	०७	१६	२०	२०
२९	०१	५१	१७	४०	३०	२४	२४
५६	२५	५३	०९	४०	३९	०१	०१
५९	३५	९०	१२	७४	५	३	३
२८	३७	१७	२३	३८	१४	११	११
उभा	रो	श	ध	उभा	श्र	रो	ज्ये
२	३	३	२	२	२	४	२



नक्षत्र युतिः- सूर्य पूभा. १७ मार्च तः उभा. । मंगल रोहि. । वुध धनि. १६ मार्च तः शते २५ मार्च तः पूभा. । गुरु धनि. । शुक्र पूभा. १९ मार्च तः उभा. । शनि श्रवणे । राहु रोहि. । केतु ज्येष्ठा. ।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य चित्रा. १७ मार्च तः हस्ते । मंगल अभि. । वुध श्लेषा. १६ मार्च तः स्वातौ २५ मार्च तः चित्रा. । गुरु श्लेषा. । शुक्र चित्रा. १९ मार्च तः हस्ते । शनि मघा. । राहु अभि. । केतु पुष्ये ।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य चित्रा. १७ मार्च तः हस्ते । मंगल अभि. । वुध विशा. १६ मार्च तः स्वातौ २५ मार्च तः चित्रा. । गुरु विशा. । शुक्र चित्रा. १९ मार्च तः हस्ते । शनि कृति. । राहु अभि. । केतु पुष्ये ।

॥ सप्तसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७७), प्रमादीनाम संवत्सरे, द्विचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४२) ॥

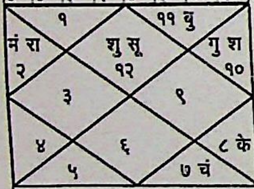
वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०२१

२९ मार्च से १२ अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
छारेंडी	१	सो	३६	०३	२०	५३	हस्त	२१	१५	१४	५८	ध्रु	२८	१८	१७	४७	वा	१०	१९	१०	३५	३०/३७	६/२८	६/४३	८	१५	२९	तुला. २५।३८	११।१४।१९।३१	५९।१८	वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन
ध्वाङ्क्ष	२	मं	२७	२८	१७	२६	चित्रा	१४	३७	१२	१७	व्या	१८	२३	१३	४८	तै	१	४६	७	०९	४१	२७	४३	९	१६	३०	तुला.	११।१५।१८।४९	५९।१६	भ. २७।४४ उ., रेव. शुक्रः १२।०१, रोहि.-३ राहुः १९।४९, C
च.व्र.	३	बु	१९	१०	१४	०५	स्वा	८	१०	९	४१	ह	६/५९	३७/१७	९/३०	५२/०८	वि	१९	१०	१४	०५	४५	२५	४३	१०	१७	३१	वृश्चि. २५।५३	११।१६।१८।०४	५९।१३	भ. १४।०५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४७, कल्पादि, रेव. B
प्रवर्धमा	४	गु	११	२९	११	००	विशा	३/५७	४६/१२	७/२९	४९/१७	सि	५०	४२	२६	४१	वा	११	२९	११	००	४९	२४	४४	११	१८	१	वृश्चि.	११।१७।१७।१८	५९।११	अप्रेल ४ ता. ३० [C ज्येष्ठा.-१ केतुः १९।४९
चर	५	शु	४	४४	८	१७	ज्ये	५३	१६	२७	४२	व्य	४३	००	२३	३५	तै	४	४४	८	१७	५३	२३	४४	१२	१९	२	धनु. २७।४२	११।१८।१६।२९	५९।०९	भ. ३०।०० उ., मृगे भौमः २०।२८, उभा. बुधः २४।०४
क्षयः	६	शु	५९	०२	३०	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B रविः १२।३७ (सौरः १५।१८), मीने बुधः २६।०४
शीतला	७	श	५४	४०	२८	१४	मूल	५०	३६	२६	३६	व	३६	१८	२०	५३	वि	२६	४२	१७	०३	५७	२२	४५	१३	२०	३	धनु.	११।१९।१५।३७	५९।०६	भ. १७।०३ या., शीतला पूजनं
शुभ	८	र	५१	३८	२७	००	पूषा	४९	१४	२६	०३	प	३०	४१	१८	३७	वा	२३	००	१५	३३	३१/०१	२१	४६	१४	२१	४	धनु.	११।२०।१४।४४	५९।०४	[A चक्र ७, पंचक समाप्तिः ११।२८, कल्पादि
मृत्यु	९	सो	४९	५५	२६	१८	उषा	४९	१२	२६	०१	शि	२६	०७	१६	४७	तै	२०	३७	१४	३५	०५	२०	४६	१५	२२	५	मक. ७।५९	११।२१।१३।४८	५९।०२	कुंभे धनि.-३ गुरुः २३।१०
लुम्बक	१०	मं	४९	३३	२६	०८	श्रव	५०	२८	२६	३०	सि	२२	३८	१५	२२	व	१९	३६	१४	०९	०९	१९	४७	१६	२३	६	मक.	११।२२।१२।५०	५९।००	भ. १४।०९ उ. २६।०८ या.
ए.व्र.	११	बु	५०	२७	२६	२८	धनि	५२	५८	२७	२९	सा	२०	१०	१४	२२	ब	१९	५३	१४	१५	१३	१८	४७	१७	२४	७	कुंभे १४।५६	११।२३।११।४९	५८।५७	पंचक प्रारम्भः १४।५६, पापमोचनी ११ व्र.
वज्र	१२	गु	५२	२९	२७	१६	शत	५६	३५	२८	५४	शु	१८	३९	१३	४४	कौ	२१	२१	१४	४९	१७	१७	४८	१८	२५	८	कुंभे	११।२४।१०।४७	५८।५५	वारुणी योग २७।१६ से २८।५४ तक
प्र.व्र.	१३	शु	५५	३५	२८	३०	पूभा	...	...	...	...	शु	१८	००	१३	२८	ग	२३	५७	१५	५०	२१	१६	४८	१९	२६	९	मीने २४।१५	११।२५।०९।४२	५८।५३	भ. २८।३० उ., प्रदोषः, रेव. बुधः २९।०१, मेषे अश्वि. D
काल	१४	श	५९	३८	३०	०६	पूभा	१	१५	६	४५	ब्र	१८	०८	१३	३०	वि	२७	३२	१७	१५	२५	१५	४९	२०	२७	१०	मीने	११।२६।०८।३४	५८।५०	भ. १७।१५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
सुस्थिर	३०	र	...	...	...	...	उभा	६	४७	८	५६	ऐ	१८	५७	१३	४८	च	३२	०१	१९	०२	२९	१३	४९	२१	२८	११	मीने	११।२७।०७।२५	५८।४८	पितृकार्येऽमा., मन्वादि [D शुक्रः २९।५०
अमाव.	३०	सो	४	३५	८	०२	रेव	१३	०८	११	२८	वै	२०	२४	१४	२२	ना	४	३५	८	०२	३३	१२	५०	२२	२९	१२	मेषे ११।२८	११।२८।०६।१३	५८।४६	देवकार्येऽमा., सोमवती अमा., केतकी अहर्गणः ३६५९, A

अयनांशाः २४।०७।५६

पं.५१ चै.कृ. २ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	९	११	९	१	७
१५	२१	२६	२८	१६	१७	२०	२०
२५	११	५५	४२	२२	०५	०१	०१
२९	२१	२२	१५	४२	५२	४६	४६
५९	३५	१००	११	७४	४	३	३
१४	५०	४९	५१	३०	४६	११	११
उभा	रो	पूभा	घ	उभा	श्र	रो	ज्ये
४	४	३	२	४	३	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

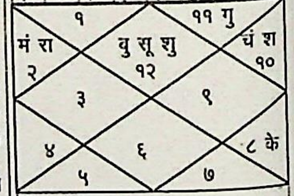
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।१४।२६।४७	१ चं	२९	७।१३	८।४९	१०।४५	१।००	३।२०	५।३७	७।५३	१०।१२	१२।३०	२।३५	४।१८	५।४७
११।१५।२६।०५	२ मं	३०	७।०९	८।४५	१०।४१	१२।५६	३।१६	५।३३	७।४९	१०।०८	१२।२७	२।३१	४।१४	५।४३
११।१६।२५।२१	३ बु	३१	७।०५	८।४१	१०।३७	१२।५२	३।१२	५।२९	७।४५	१०।०४	१२।२३	२।२७	४।१०	५।३९
११।१७।२४।३४	४ गु	१	७।०१	८।३७	१०।३३	१२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	१०।००	१२।१९	२।२३	४।०६	५।३५
११।१८।२३।४४	५ शु	२	६।५७	८।३३	१०।२९	१२।४४	३।०४	५।२१	७।३७	९।५६	१२।१५	२।१९	४।०३	५।३१
११।१९।२२।५३	७ श	३	६।५३	८।२९	१०।२६	१२।४०	३।००	५।१७	७।३३	९।५२	१२।११	२।१५	३।५९	५।२७
११।२०।२१।५९	८ र	४	६।४९	८।२५	१०।२२	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२९	९।४८	१२।०७	२।११	३।५५	५।२३
११।२१।२१।०३	९ चं	५	६।४५	८।२१	१०।१८	१२।३२	२।५३	५।०९	७।२५	९।४४	१२।०३	२।०७	३।५१	५।१९
११।२२।२०।०४	१० मं	६	६।४१	८।१८	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०५	७।२१	९।४०	११।५९	२।०४	३।४७	५।१५
११।२३।१९।०४	११ बु	७	६।३७	८।१४	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०१	७।१७	९।३६	११।५५	२।००	३।४३	५।११
११।२४।१८।०१	१२ गु	८	६।३३	८।१०	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१३	९।३३	११।५१	१।५६	३।३९	५।०७
११।२५।१६।५५	१३ शु	९	६।२९	८।०६	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५४	७।०९	९।२९	११।४७	१।५२	३।३५	५।०३
११।२६।१५।४८	१४ श	१०	६।२६	८।०२	९।५८	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	११।४३	१।४८	३।३१	५।००
११।२७।१४।३८	३० र	११	६।२२	७।५८	९।५४	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	११।३९	१।४४	३।२७	४।५६
११।२८।१३।२६	३० चं	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३५	१।४०	३।२३	४।५२

मास फलम्

अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है। रेवती में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है। मृगशिरा पर मंगल होने से पृथ्वी जल से पूरित हो जाय और कपास की खेती नष्ट हो जायँ। उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो। उत्तराभाद्रपद नक्षत्र को बुध के भेदने से प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस, मेधा,अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो।

अयनांशाः २४।०७।५७

पं.५२ चै.कृ.१० मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	११	१०	११	९	१	७
२२	२५	०९	००	२५	१७	१९	१९
१९	२२	१२	०३	०३	३७	३९	३९
२२	४१	३६	२३	५२	४१	३२	३२
५८	३६	१११	११	७४	४	३	३
५९	००	१२	१३	२३	१४	१०	१०
रे	मृ	उभा	ध	रे	श्र	रो	ज्ये
२	१	२	३	३	३	३	१



नक्षत्र युतिः- सूर्य उभा. ३१ मार्च तः रेवत्यां। मंगल रोहि. २ अप्रे. तः मृगे। बुध पूभा. २ अप्रे. तः उभा. ९ अप्रे. तः रेवत्यां। गुरु घनि.। शुक्र उभा. ३० मार्च तः रेवत्यां ९ अप्रे. तः अश्वि.। शनि श्रवणे। राहु रोहि.। केतु ज्येष्ठा।

विवाहे पञ्चशलाका वेधः- सूर्य हस्ते ३१ मार्च तः उफा.। मंगल अभि. २ अप्रे. तः उषा.। बुध चित्रा. २ अप्रे. तः हस्ते ९ अप्रे. तः उफा.। गुरु श्लेषा.। शुक्र हस्ते ३० मार्च तः उफा. ९ अप्रे. तः पूफा.। शनि मघा.। राहु अभि.। केतु पुष्ये।

अन्यत्र सप्तशलाका वेधः- सूर्य हस्ते ३१ मार्च तः उफा.। मंगल अभि. २ अप्रे. तः उषा.। बुध चित्रा. २ अप्रे. तः हस्ते ९ अप्रे. तः उफा.। गुरु विशा.। शुक्र हस्ते ३० मार्च तः उफा. ९ अप्रे. तः पूफा.। शनि कृति.। राहु अभि.। केतु पुष्ये।

चूडामुहुर्त

अश्वि. ह. चि. स्वा. विशा. अनु. ध. रेवती नक्षत्र तथा रवि, भौम, बुध, गुरुवार उक्तकर्म में उत्तम हैं।

सूर्यसंक्रान्ति सूं ५।७।९।१५।२१।२४ इतरा दिन धरती सोवै छै।

१।२।५।७।९ सूर्यपूजा।

३।६।१०।११ सूर्यशुद्ध।

१।३।६।१० गुरुपूजा।

२।५।७।९।११ गुरुशुद्ध।

४।८।१२ गुरु रवि अशुद्ध

१।२।३।५।६।७।९।१०।११ चन्द्र शुद्ध

१२ पूजा ४।८ नेष्ट चन्द्र।

चन्द्रमा १ राशिपर आठों दिशा में भोग करता है उसकी पृथक् पृथक् व. आवश्यकीय यात्रा में सम्मुख चन्द्र देखना

पूर्वादि.	घ.	१७
अग्नि.	घ.	१५
दक्षिण.	घ.	२१
नैर्ऋत्य.	घ.	१६
पश्चिम.	घ.	१८
वायव्य.	घ.	१९
उत्तर.	घ.	१५
ईशान.	घ.	१४

अथ गर्गबृहस्पतिअंगिरामुहूर्त

श्लोकः-उषःप्रशस्यते गर्गःशकुनं च बृहस्पतिः।
अंगिरास्तु मनोत्साहो विप्रवाक्यं जनार्दनः ॥१॥

अर्थ - गर्गजी (५ घटी रात्रि शेष रहै वह उषाकाल) यात्रा को शुभ कहते हैं। शकुन उत्तम देखकर यात्रा करना ये बृहस्पति का मत है। जब मन को उत्साह होय तभी यात्रादि शुभ है यह अंगिरा का मत है। विप्रों की आज्ञा लेकर यात्रादि करना ये जनार्दन का मत है। परंच पूर्व की यात्रा उषाकाल में वर्जित है।

अथ कार्याकार्यविचारप्रश्न।

श्लोकः-दिशा प्रहरसंयुक्ता तारका वारमिश्रिता।
अष्टभिस्तुहरेद्भाग शेषं प्रश्नस्य लक्षणम् ॥१॥
पञ्चैकेत्वरिता सिद्धिःषट् तुर्येचदिनत्रयम् ॥
त्रिसप्तके विलम्बश्च द्वौचाष्टौ न च सिद्धिदाः ॥२॥

अर्थ - पृच्छकरोमुख जिस दिशासामो होय सो दिशा और प्रहरनक्षत्र वार सर्वत्र एकत्र करिने ८ रो भाग दीजै बाकी उबरै जिणरो फल जानिये

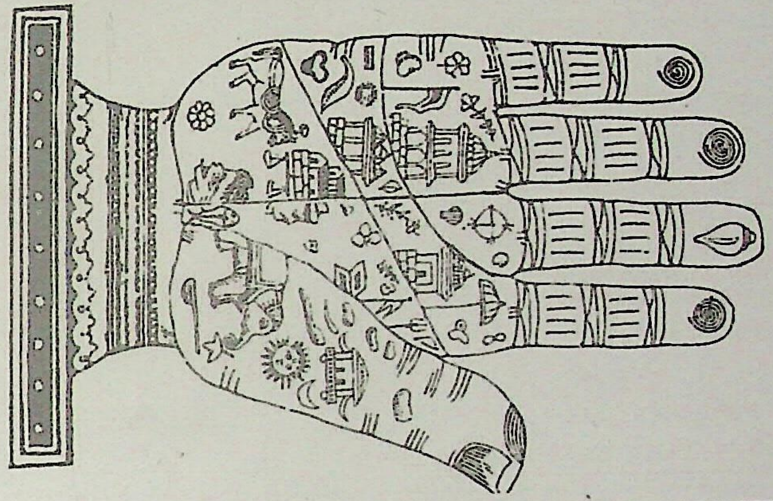
१ तथा ५ उबरै तौ बेगा कार्यसिद्धि

६।४ उबरै तौ तीन दिन में कार्यसिद्धि

३।७ उबरै तौ विलम्बसो कार्यसिद्धि

२।८ उबरै तौ कार्य सिद्धि होय नहीं।

॥ शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्तरेखाशुभाशुभफलं लिख्यते ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथातः संप्रवक्ष्यामि हस्तरेखाविचारणम् ॥ दक्षिणे पुरुषं ज्ञेयं वामे वामाकरं शुभम् ॥१॥
शिवोक्तं तत्र सामुद्रं हस्तरेखाशुभाशुभम् ॥ येनविज्ञानमात्रेण पुरुषो न विशोचति ॥२॥
यस्य मीनतमारेखा कर्मसिद्धिश्च जायते ॥ धनाढ्यस्तु स विज्ञेयो बहुपुत्रो न संशयः ॥३॥
तुलाग्रामं तथा वज्रं करमध्ये च दृश्यते ॥ तस्य वाणिज्यसिद्धिःस्यात्पुरुषस्य न संशयः॥४॥
पद्मचापादिखड्गंच अष्टकोणादि दृश्यते ॥ स्त्रियश्चपुरुषस्यापि धनवान्ससुखी नरः ॥५॥
शङ्खचक्रध्वजाकारोमत्स्याकारश्च दृश्यते ॥ सर्वविद्याप्रदानेन बुद्धिमान् स सुखी नरः ॥६॥
त्रिशूलं करमध्ये तु तेन राजा प्रवर्तते ॥ यज्ञे धर्मे च दाने च देवद्विजप्रपूजने ॥७॥
शक्तितोमरबाणैश्च करमध्ये च दृश्यते ॥ रथचक्रध्वजाकारः स च राज्यं लभेन्नरः ॥८॥
अंकुशं कुंडलं चक्रं यस्य पाणितले भवेत् ॥ तस्य राज्यं महाश्रेष्ठं सामुद्रवचनं यथा ॥९॥
गिरिकङ्कणयोनीनांन्नरमुण्डघटादिकम् ॥ करे वै यस्य चिह्नानि राजमन्त्री भवेन्नरः ॥१०॥
रविचन्द्रकृतानेत्रअष्टकोणत्रिनेत्रकम् ॥ मंदिरं गजअश्वानां चिह्ने धनसुखीनरः ॥११॥
अंगुष्ठोदरमध्यस्थो यवो यस्य विराजते ॥ उत्पन्नभक्ष्यभोगीस्यात्स नरः सुखमेधते ॥१२॥
मध्यमातर्जनीमूलंयवोयस्य प्रदृश्यते ॥ धनवान्सुखयोगीस्यात्पुत्रदारगृहादिषु ॥१३॥
एवं बहुधा ॥

अथ सम्मुखचन्द्रदिश:प्रति

मेषे च सिंहे धनु पूर्वभागे वृषेच कन्यामकरे च याम्ये ॥
मिथुने तुले कुंभसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोतरस्याम् ॥१॥
फलम् –सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसंपदा ॥
पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चन्द्रे धनक्षयः ॥२॥
अर्थः – मेष, सिंह, धनु, पूर्व। वृष, कन्या, मकर, दक्षिण॥
मिथुन, तुला, कुंभ पश्चिम। कर्क, वृश्चिक, मीन उतर ॥

अथ योगिनीचक्रम्।

ईशान्य ३०।८	पूर्व १।९	अग्नि ३।११
उत्तर २।१०	योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धनहंत्री च सन्मुखे मरणप्रदा ॥१॥	दक्षिण ५।१३
वायव्य ७।१५	पश्चिम ६।१४	नैर्ऋत्य ४।१२

अथ कालराहुचक्रम्।

ईशान्य	पूर्व शनि	अग्नि शुक्र
उत्तर रवि	अर्कोत्तरेवायुदिशाचसोमे- भौमेप्रतीच्यांबुधनैर्ऋतेच। याम्येगुरौवह्निदिशाचशुक्रे- मन्देचपूर्वेप्रवदंतिकालः ॥१॥	दक्षिण गुरु
वायव्य सोम	पश्चिम मंगल	नैर्ऋत्य बुध

अथ दिशाशूलचक्रम्।

	पूर्व चन्द्र शनि	
उत्तर मंगल बुध	दिशाशूल ले जावो वामेराहू योगिनी पूठ ॥ सन्मुख लेवै चन्द्रमा ल्याबै लक्ष्मी लूट ॥१॥	दक्षिण गुरु
	पश्चिम रवि शुक्र	

चूडामु० प्रमाण।

यावद्भास्करभुक्तिभानिदिवसेधिष्ण्यानिसंख्याततः वह्नि ३ भूत ५ गुणा ३ ब्धि ४ सप्त ७ नंयनं २ पृथ्वी १ करें २ दुः १ क्रमात् ॥ सूर्यारौकविसौम्यराहुरविजाजीवः शशीकेतवः क्रूरेऽसच्चशुभेशुभंच कथितंचक्रेचचूडाह्वये ॥१॥ चूडानक्षत्र ॥ हस्तादिपंचपूषाश्विधनिष्ठा-सुचकांचनम् ॥ रक्तंपरिदधेद्वस्त्रंभौमार्कगुरुभार्गवे ॥१॥

चूडामुहूर्त।

हस्त, चि.स्वा. वि.अनु.रे.अश्वि ध. इत्ते नक्षत्र और रवि. मंगल. बुध. गुरु. शुक्र. यह वार शुभ है।

अथ गुरुशुक्रास्तवर्जितकर्म।

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठाव्रत विद्यामंदिरकर्णवेधनमहादानंगुरोःसेवनम्॥ तीर्थस्नानविवाहकाम्यहवनं मन्त्रोपदेशे शुभं दूरेणैव जिजीविषुः परिहरेदस्तेगुरौभार्गवे ॥१॥

चूडी च० प्रमाण।

चूडीधारणे विशेषः।

अस्ते गतेभृगुसुते शयने च विष्णोर्जन्माधचापझषगे दिनपे न दध्यात्॥ रिक्तेन्दुभानुदिवसे शकवर्जिते च शंखं च रक्तपटकं युवतिः कथंचित्॥

अथजलपूजामुहूर्त

जलपूजाचनारीणांमृगेमूलेपुनर्वसौ।
पुष्यश्रवणहस्तश्वबुधेजीवेचचन्द्रमाः ॥१॥
मृग, मूलं, पुन. पुष्य, श्रव. हस्त, बुध. गुरु. सोम. जल वामें एता ग्रहण कीजै।

अथ सूतिकासूर्यपूजनमुहूर्त।

पुनर्वसुद्वयं चित्राविशाखाभरणीद्वयम्॥ मूलमार्द्रामघाहेयाश्रवणोदशमस्तथा ॥१॥ सोमशुक्रबुधःशौरिःप्रसूतिस्नानकर्मणि॥ हेयाप्रतिपदाषष्ठीनवमीचतिथिक्षयः॥२॥ एता त्यागन करीजै।

चूडीचक्रम्।

सूर्यनक्षत्रात्	३	५	३	४	७	२	१	२	१
स्वामी	सूर्य	मंगल	शुक्र	बुध	राहु	शनि	गुरु	चन्द्र	केतु
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

प्रथमवधूप्रवेशमुकालावामुहूर्त।

हस्तद्वयेव्रह्मयुगेमघायांपुष्येधनिष्ठाश्रवणोत्तरेषु।
मूलानुराधाहयरेवतीषुस्थिरेषुलग्नेषुवधूप्रवेशः ॥१॥
एते नक्षत्र शुभ, चन्द्र, गुरु, बृह० एते वार श्रेष्ठः, २।५।८।११ एतेलग्न श्रेष्ठ, चन्द्रबल देखजै। १।२।३ एतेवर्ष श्रेष्ठ। पश्चात् अशुभ।

अथ गन्धर्वविवाहतथानातरो.।

इन्द्ररुद्रादिऽश्लेषाआग्नेय्यांवरुणस्तथा॥
अश्विनीवसुदैवत्यंपट्टकालेशुभंस्मृतम्॥१॥
ज्येष्ठा, आद्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, कृत्तिका, शत. अश्विनी, धनिष्ठा, एते नक्षत्र शुभ और गुरु शुक्र अस्तोदय दोष नहीं।

अथ दत्तपुत्रतथाखोलेलेणो।

हस्तादिपञ्चसुभिषग्वसुपुष्यभेषुसूर्यक्षमाजगुरुभार्गववासरेषु॥
रिक्ताविवर्जिततिथिष्वलिकुम्भलग्नेसिंहेवृषेभवतिदत्तपरिग्रहोयम्॥१॥
हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा, ऽनु०, ऽश्वि०, ध०, पु०, रवि, मंगल, गुरु, शुक्र, सिंह, वृषलग्न शुभ और रिक्ता वृ. कुंभ अशुभ।

कूपारम्भमुहूर्त।

हस्तात्तिस्रो वासवं वारुणंच शैवं पित्र्यं त्रीणि चैवोत्तराणि॥
प्राजापत्यंचापिनक्षत्रमाहुःकूपारम्भे श्रेष्ठमाद्या मुनीन्द्राः ॥१॥
अर्थ – ह. चि. स्वा. श. ध. आ. म. उत्तरा ३, रोहिणी कूपारंभ में शुभ होय।

तृणकाष्ठादि संग्रह करणा।

वासवोत्तरदलादिपंचकेयाम्यदिग्गमनगेहगोपनम् ॥
प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहंशय्यकावितरणंवर्जयेत् ॥१॥
धनिष्ठा को उत्तरदल, शत. पूर्वाभा. उ.भा. रेवती इन नक्षत्रों में दक्षिणगमन, गृहछायणो, माचोवणनो, तृणकाष्ठादि संग्रह करणो नहीं।

॥ संक्रान्तिवशाद्दग्धास्तिथयः ॥ १०						
सूर्यराशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
तिथि	६	४	८	६	१०	८
सूर्यराशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
तिथि	१२	१०	२	१२	४	२

॥ वेध दोष ॥ ४												कात्या. नक्षत्रचतुष्टयी			
विवाह नक्षत्र	रोहि	मृग	मघा	उफा	हस्त	स्वाति	अनु	मूल	उषा	उभा	रेवती	अश्वि	चित्रा	श्रव	धनि
ग्रहस्थित नक्ष	अभि	उषा	श्रव	रेवती	उभा	शत	भर	पुन	मृग	हस्त	उफा	पूर्वा	पूभा	मघा	श्ले.

लग्नभाद् ग्रहस्थिते यामित्रम् । दोष ५										
रो.	मृ.	म.	उ.फा.	हस्त	स्वा.	अनु.	मू.	उ.पा.	उ.भा	रे.
अनु.	ज्ये.	ध.	पू.फा.	उ.भा	अश्वि	कृ.	म.	पुन.	उ.फा	ह.

लग्न नक्षत्र से १४ वें नक्षत्र पर कोई पापग्रह होवे तो अशुभ, अन्यथा शुभ ।

॥ उपग्रह दोष ॥ ८, (सूर्य नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक संख्या)

५	७	८	१०	१४	१५	१८	१९	२१	२२	२३	२४	२५
विद्युत	भूकंप	शूल	शनि	निर्घात	दण्ड	केतु	उल्का	मोह	निर्घात	कम्प	कुलिश	परिवेष

सूर्यादिग्रहाणां संक्रान्तेरत्याज्य घटीचक्रम्							
ग्रहाः	सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
घटी	३२	२	९	६	८८	९	१६०

चन्द्रसूर्यादियुत् युतिदोषः ३							
सूर्य	मंगल	बुध	बृह	शुक्र	शनि	राहु	पाप
दरिद्र	निर्धन	शुभ	सौख्य	सापत्य	वैराग्य	कलह	मरण

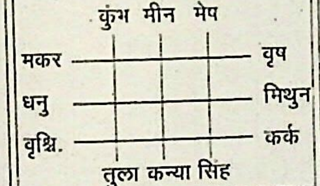
लग्ने विश्वादा ग्रहाः										
सू.	चं.	मं.	बु.		बृ.		शु.		श.	रा.
३	२	३	१	६	१	६	१	९	३	३
६	३	६	२	९	२	९	२	१०	६	६
११	११	११	३	१०	३	१०	३	११	११	११
			४	११	४	११	४			
			५		५		५			

लग्ने भंगदा ग्रहाः									
१	४	५	६	७	८		९	१०	१२
सू.	मं.	श.	चं.	सर्व	मं.	ल	मं.	मं.	बृ.
चं.	श.	०	शु.	ग्रह	चं.	ग्ने	श.	श.	मं.
मं.	रा.	०	लग्ने		बु.	श		रा	
श.		०	श.		बृ.				
रा.					शु.				

॥ विवाहे वाणज्ञानचक्रम् ॥ दोष ६					
वाणनाम	रोग	अग्नि	नृप	चौर	मृत्यु
सूर्यगतांशाः	८ । १७ २६	२ । ११ २० । २९	४ । १३ २२	६ । १५ २४	१ । १० १९ । २८
सशल्यतावा.	सूर्ये	भौमे	शनौ	भौमे	बुधे
त्याज्यकर्म	उपनयने	गृहाच्छादने	नृपसेवा.	यात्रायां	विवाहे

लत्तादोषः १							
दक्षिण				वाम			
सू.	मं.	बृ.	श.	चं.	बु.	शु.	रा.
१२	३	६	८	२२	७	५	९

क्रान्तिसाम्यम् दोष ९
सूर्याचन्द्रमसोः परस्परं वेधे



पात दोषः २
हर्षण, गंड, शूल, साध्य, व्यतिपात, वैधृति इन योगों के अंत में विवाह नक्षत्र होवे तो पात दोष होवे ।

साभि.एकार्गल (खार्जूर) दोषः ७
व्याघात, गंड, व्यतिपात, शूल, वज्र, वैधृति, परिघ, अतिगंड ये योग विवाह के दिन हों तो सूर्यनक्षत्र से विवाह (चंद्र) नक्षत्र तक गणना करें यदि प्राप्त संख्या के विषम (१,३,५,७) अंक हो तो एकार्गल दोष होता है ।

कार्यभेदेन वाणज्ञानम् - 'व्रते विवर्जयेद्रोगं गृहगोपेऽग्निवाणकम् । यात्रायां राजचौराख्यौ विवाहे मृतिपञ्चकम् ॥' इति ॥७४॥
अर्थ - कार्यभेद से यज्ञोपवीत संस्कार में रोग, घर के आच्छादन में अग्नि, राजसेवा में नृपवाण, यात्रा में चोर वाण, विवाहसंस्कार में मृत्यु वाण का त्याग करना चाहिए ॥ ७४ ॥ - पीयूष ३९५

स्त्रीणांचन्द्रवले विशेषः - स्त्रीणांविधोर्बलमुशंति विवाहगर्भसंस्कारयोरितरकर्मसुभर्तुरेव । द्वादशचन्द्रे ग्राह्यकर्म - उत्सवे चाभिषेकेच जनने व्रतवंधने पाणिग्रहेच यात्रायां चन्द्रोद्वादशमः शुभः । - गुरुदेव पाणिग्रहे स्त्रीसुरतेऽभिषेके यात्रान्नप्राशे व्रतवंधने च । व्रतोपवासादिषु गर्गपूर्वैः प्रोक्तः शुभोद्वादशगो हिमांशुः । गर्भाधाने जन्मकालेऽभिषेके मौंजिवन्धने । पाणिग्रहे प्रयाणे च चन्द्रो द्वादशगः शुभः॥ -दैवज्ञकल्पद्रुम ।

विवाहे नक्षत्र-निर्णयः- निर्णयसिंधु. - रत्नमालायां - ''मूलमैत्रमृगरोहिणीकरैः पौष्णमारुमघोत्तरान्वितैः । **हिन्दी** - रत्नमाला में कहा है कि मूल, अनुराधा, मृगशिर, रोहिणी, हस्त, रेवती स्वाती, मघा, तीनों उत्तरा (उत्तरा-फाल्गुनी, उत्तराषाढा, उत्तराभाद्रपद) इन नक्षत्रों में विवाह का विधान किया है ॥ इति ॥

धर्मसिन्धु- रोहिणीमृगमघास्तिस्र उत्तराहस्तस्वातोमूनुराधरेवत्यः सर्वसंमतनक्षत्राणि । **हिन्दी** - रोहिणी, मृगशिर, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, स्वाती, मूल, अनुराधा और रेवती विवाह मे सर्वसम्मत नक्षत्र है ।
अथ चित्रादि-नक्षत्राणि - १ हरदत्तमते चित्राश्रवणधनिष्ठाश्विन्य इत्यधिकानि चत्वारि ।
हिन्दी - हरदत्त के मत में चित्रा, श्रवण, धनिष्ठा और अश्विनी ये चार नक्षत्र विवाह में अधिक हैं ।

१. पारस्करगृह्यसूत्रेऽपि - 'त्रिषु त्रिपूत्तरादिषु' अत्र गदाधर भाष्यम् - उत्तरा आदिर्येषां तान्युत्तरादीनि तेषु तेषु त्रिषु । अयमर्थः - उत्तराफाल्गुन्यां हस्ते चित्रायां च, एवमुत्तराषाढायां श्रवणे धनिष्ठायां च, एवमुत्तराप्रोष्ठपदि रेवत्यामश्विन्यां च .. विवाहो भवतीत्यर्थ' इति ।

हमारे प्रकाशनों की अधिक जानकारी व खरीद के लिये हमारे निजी स्थानः

खेमराज श्रीकृष्णदास
अध्यक्षः श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
९१/१०९, खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग
७वी खेतवाडी बॅक रोड कार्नर, मुंबई - ४०० ००४.
दूरभाष / फैक्स - ०२२- २३८५७४५६

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रेस व बुक डिपो
श्रीलक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस बिल्डींग,
जूना छापखाना गली, अहिल्याबाई चौक,
कल्याण, जि. ठाणे, महाराष्ट्र - ४२१ ३०१.
दूरभाष - ०२५१ - २२०९०६१

खेमराज श्रीकृष्णदास
६६, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पुणे - ४११ ०१३.
दूरभाष - ०२० - २६८७१०२५

खेमराज श्रीकृष्णदास
चौक, वाराणसी (उ.प्र.) २२१ ००१
दूरभाष - ०५४२ - २४२००७८

Printers & publishers :
Khemraj Shrikrishnadass, Prop. Shri Venkateshwar Press,
Khemraj Shrikrishnadass Marg, 7th Khetwadi, Mumbai - 400 004.
Web site: http://www.khe-shri.com Email : khemraj@vsnl.com

रोगादि वाण (पंचक) ज्ञानाय - जब वाण विचार करना है उस मास की संक्रान्ति के गत अंशो को ५ स्थानों में स्थापित कर प्रत्येक स्थान में क्रमशः ६, ३, १, ८, ४ जोड़कर सर्वत्र ९ से भाग देना चाहिए । जहाँ शेष पाँच बचे उसे उस दिन क्रमशः रोग, अग्नि, नृप, चोर और मृत्युवाण समझना चाहिए । जैसे - प्रथम स्थान में शेष ५ बचे तो उस दिन रोगवाण, द्वितीय ५ शेष से अग्नि, तृतीय स्थान में ५ शेष से नृप (राज), चतुर्थ स्थान में ५ शेष से चौर और पाँचवें स्थान में ५ शेष रहने से उस दिन मृत्युवाण समझना चाहिये । यदि कहीं भी शेष ५ नहीं हो तो उस दिन कोई भी बाण नहीं होता ।

देशान्तर सारिणी

+ = पूर्व — **— = पश्चिम**

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
अयोध्या	२६।४८	६। ४	८२।१४	+ ६५।१०	— १। ४
अजमेर	२६।२८	५।५८	७४।४०	— १०।३०	— ३१।२०
अमृतसर	३१।३७	७।२३	७४।५५	— ८। ०	— ३०।२०
अकलकोट	१७।३२	३।४७	७६।१३	+ ५। ०	— २५। ८
अहमदाबाद	२३। २	५। ६	७२।३८	— ३०।५०	— ३९।२८
अलीगढ़	२७।५४	६।२१	७८। ६	+ २३।५०	— १७।३६
अगरतल्ला	२३।५२	५।१९	९१।१६	+ १५५।३०	+ ३५। ४
अलीबाग	१८।३९	४। ३	७२।५४	— २८।१०	— ३८।२४
अनन्तपुर	१४।४०	३। ८	७७।३५	+ १८।४०	— १९।४०
अहमदगनर	१९। ५	४। ९	७४।४४	— ९।५०	— ३१। ४
अलवर	२७।३४	६।१६	७६।३८	+ ९।१०	— २३।२८
आगरा	२७।१०	६।१०	७८। २	+ २३।१०	— १७।५२
आजमगढ़	२६। ४	५।५२	८३।१२	+ ७४।५०	+ २।४८
आबू	२४।४०	५।३१	७२।४५	— २९।४०	— ३९। ०
आंकोला	२०।४३	४।३२	७७। ०	+ १२।५०	— २२। ०
इटावा	२६।४७	६। ३	७९। २	+ ३३।१०	— १३।५२
इम्फाल	२४।४४	५।३२	९३।५८	+ १८२।३०	+ ४५।५२
इन्दौर	२२।४४	५। २	७५।५०	+ १।१०	— २६।४०
इटारसी	२२।३७	५। ०	७७।४६	+ २०।३०	— १८।५६
इलाहाबाद	२५।२८	५।४३	८१।५४	+ ६१।५०	— २।२४
उज्जैन	२३। ९	५। ८	७५।४३	०। ०	— २७। ८
उदयपुर	२४।३५	५।२९	७३।४२	— २०।१०	— ३५।१२
उटकमंड	११।१७	२।२४	७६।४४	+ १०।१०	— २३। ४
एलिचपुर	२१।१८	४।४१	७७।३०	+ १७।५०	— २०। ०
ओरंगाबाद	१९।५३	४।२०	७५।१९	— ४। ०	— २८।४४
ओकारेश्वर	२१।१३	४।४०	७६। ६	+ ३।५०	— २५।३६
कटक	२०।२८	४।२९	८५।५४	+ १०१।५०	+ १३।३६
कटिहार	२५।३०	५।४३	८७।४०	+ ११९।३०	+ २०।४०
कोलकाता	२२।३४	४।५९	८८।२८	+ १२७।३०	+ २३।५२
करौली	२६।३०	५।५९	७७। ४	+ १३।३०	— २१।४४
कल्याण	१९।१४	४।११	७३। ८	— २५।५०	— ३७।२८
काशी	२५।१९	५।४१	८३। ०	+ ७२।५०	+ २। ०
कानपुर	२६।२७	५।५८	८०।२१	+ ४६।२०	— ८।३६

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
कांकरोली	२५। २	५।३६	७३।५४	— १८।१०	— ३४।२४
काश्मीर	३४। ६	८। ७	७४।५४	— ८।१०	— ३०।२४
कांची	९।५६	२। ६	७६।१२	+ ४।५०	— २५।१२
कुमारी	८। ६	१।४२	७७।३०	+ १७।५०	— २०। ०
कुम्भकोणं	१०।५८	२।२०	७९।२३	+ ३६।४०	— १२।२८
कोकनाडा	१६।५९	३।४०	८२।१३	+ ६५। ०	— १। ८
कोल्हापुर	१६।४२	३।३६	७४।१६	— १४।३०	— ३२।५६
कोचीन	९।५८	२। ७	७६।१७	+ ५।४०	— २४।५२
कोटा	२५।१०	५।३८	७५।५२	+ १।३०	— २६।३२
कोटकपुरा	३०।३७	७। ६	७४।५०	— ८।५०	— ३०।४०
स्सरीयार रोड	२०।५४	४।३५	८२।३०	+ ६७।५०	०। ०
गया	२४।४९	५।३३	८५। १	+ ९३। ०	+ १०। ४
गंगानगर	२९।५९	६।५५	७३।५०	— १८।५०	— ३४।४०
गणदेवी	२०।४९	४।३४	७३। ०	— २७।१०	— ३८। ०
गढवाल	३०।१५	७। ०	७९।३०	+ ३७।५०	— १२। ०
गिलगिट	३५।२५	८।३२	७४।२२	— १३।३०	— ३२।३२
ग्वालियर	२६।१४	५।५५	७८।१०	+ २४।३०	— १७।२०
गोरखपुर	२६।४५	६। ३	८३।२४	+ ७६।५०	+ ३।३६
गोवा	१५।२५	३।१९	७३।४७	— १९।२०	— ३४।५२
गोहाटी	२६।११	५।५४	९१।४७	+ १६०।४०	+ ३७। ८
गोलाघाट	२६।३०	५।५९	९४। ०	+ १८२।५०	+ ४६। ०
चंडीगढ़	३०।४०	७। ७	७६।५२	+ ११।३०	— २२।३२
चिडावा	२८।१३	६।२६	७५।३९	— ०।४०	— २७।२४
चूरु	२८।१७	६।२७	७४।५८	— ७।३०	— ३०। ८
चेरापूंजी	२५।१७	५।४०	९१।४७	+ १६०।४०	+ ३७। ८
छपरा	२५।४७	५।४८	८४।४७	+ ९०।४०	+ ९। ८
जलपाईगुड़ी	२६।३२	६। ०	८८।४६	+ १३०।३०	+ २५। ४
जम्बू	३२।४४	७।४३	७४।५४	— ८।१०	— ३०।२४
जगदीशपुरी	१९।४८	४।१९	८५।५०	+ १०१।१०	+ १३।२०
जबलपुर	२३।१०	५। ८	७९।५८	+ ४२।३०	— १०। ८
जलगांव	२१। १	४।३७	७५।३४	— १।३०	— २७।४४
जयपुर	२६।५६	६। ६	७५।५०	+ १।१०	— २६।४०
जालंधर	३१।१९	७।१८	७५।१८	— ४।१०	— २८।४८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
जाजू	२७।४६	६।१९	७३। ०	— २७।१०	— ३८। ०
जामनगर	२२।२७	४।५७	७०। ७	— ५६। ०	— ४९।३२
जीन्द	२९।१९	६।४४	७६।२३	+ ६।४०	— २४।२८
जूनागढ़	२१।३१	४।४४	७०।३६	— ५१।१०	— ४७।३६
जेसलमेर	२६।५५	६। ६	७०।५४	— ४८।१०	— ४६।२४
जोधपुर	२६।१८	५।५६	७३। ४	— २६।३०	— ३७।४४
झांसी	२५।३७	५।४५	७८।३७	+ २९। ०	— १५।३२
झालरापाटन	२४।३२	५।२९	७६।१२	+ ४।५०	— २५।१२
झरिया	२३।४५	५।१७	८६।२४	+ १०६।५०	+ १५।३६
झूंझूनू	२८। ८	६।२५	७५।२४	— ३।१०	— २८।२४
ट्रावनकोर	९। ०	१।५४	७७। ०	+ १२।५०	— २२। ०
टोंक	२६।११	५।५४	७५।५०	+ १।१०	— २६।४०
तंजोर	१०।४७	२।१७	७९। ८	+ ३४।१०	— १३।२८
तेजपुर	२६।३८	६। १	९२।५२	+ १७१।३०	+ ४१।२८
त्रिवेन्द्रम	८।३०	१।४८	७६।५७	+ १२।२०	— २२।१२
त्रिपती	१३। ०	२।४६	७८।३६	+ २८।५०	— १५।३६
डिबरुगढ	२७।२९	६।१५	९४।५६	+ १९२।१०	+ ४९।४४
दरभंगा	२६।१०	५।५४	८५।५७	+ १०२।२०	+ १३।४८
दिल्ली	२८।३८	६।३३	७७।१२	+ १४।५०	— २१।१२
धावलपुर	२६।४२	६। २.	७७।५४	+ २१।५०	— १८।२४
नागपुर	२१। ९	४।३९	७९। ६	+ ३३।५०	— १३।३६
नागोर	२७।११	६।१०	७३।४२	— २०।१०	— ३५।१२
नासिक	२०। ०	४।२२	७३।४[illegible]	— १९।२०	— ३४।५२
नैनीताल	२९।२५	६।४६	७९।२७	+ ३७।२०	— १२।१२
पटना	२५।३७	५।४५	८५।१३	+ ९५। ०	+ १०।५२
ष्ठानकोट	३२।१५	७।३४	७५।४२	— ०।१०	— २७।१२
प्रयाग	२५।२४	५।४२	८१।५३	+ ६१।४०	— २।२८
पूना	१८।३०	४। १	७३।५२	— १८।३०	— ३४।३२
वड़ौदा	२२।१६	४।५५	७३।१६	— २४।३०	— ३६।५६
वम्बई	१८।५८	४। ७	७२।४८	— २९।१०	— ३८।४८
वागलकोट	१६।१२	३।२९	७५।४२	— ०।१०	— २७।१२
वीकानेर	२८। १	६।२३	७३।१८	— २४।१०	— ३६।४८
वूँदी	२५।२७	५।४३	७५।३८	— ०।५०	— २७।२८

+ = पूर्व देशान्तर सारिणी - = पश्चिम

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
बंगलोर	१२।५८	२।४६	७७।३५	+ १८।४०	– १९।४०
भिवानी	२८।४६	६।३५	७६।१९	+ ५।५०	– २४।४८
भरतपुर	२७।१५	६।११	७७।३०	+ १७।५०	– २०। ०
भागलपुर	२५।१५	५।४०	८७। ०	+ ११२।५०	+ १८। ०
भोपाल	२३।१६	५।१०	७७।३६	+ १८।५०	– १९।३६
मछलीपट्टम	१६। ९	३।२८	८१।१२	+ ५४।५०	– ५।१२
मणिपुर	२४।५०	५।३३	९३।५८	+ १८२।३०	+ ४५।५२
मथुरा	२७।२८	६।१४	७७।४२	+ १९।५०	– १९।१२
चिन्नई	१३। ६	२।४८	८०।१५	+ ४५।२०	– ९। ०
मुँगेर	२५।२३	५।४२	८७।३०	+ ११७।५०	+ २०। ०
रत्नागिरी	१७। ८	३।४२	७३।१९	– २४। ०	– ३६।४४
रतनगढ	२८। ५	६।२४	७४।३९	– १०।४०	– ३१।२४
रामगढ शे.	२८। ०	६।२३	७४।५९	– ७।२०	– ३०। ४
रामेश्वरम्	९।१७	१।५८	७९।१८	+ ३५।५०	– १२।४८
रायपुर	२१।१५	४।४०	८१।४१	+ ५९।४०	– ३।१६
लखनऊ	२६।५५	६। ६	८०।५४	+ ५१।५०	– ६।२४
लद्दाख	३४। ०	८। ६	७८।४२	+ २९।५०	– १५।१२
सदियाकुं.घाट	२७।४६	६।१९	९५।५०	+ २०१।१०	+ ५३।२०
सागर	२३।५०	५।१८	७७।१३	+ १५। ०	– २१। ८
सूरत	२१।११	४।३९	७२।५०	– २८।५०	– ३८।४०
शिमला	३१। ६	७।१४	७७।१०	+ १४।३०	– २१।२०
सिलचर	२४।५०	५।३३	९२।५१	+ १७१।२०	+ ४१।२४
शिलोंग	२५।३४	५।४४	९१।५६	+ १६२।१०	+ ३७।४४
सिल्लीगुडी	२६।४२	६। २	८८।२५	+ १२७। ०	+ २३।४०
सीकर	२७।३७	६।१७	७५। ९	– ५।४०	– २९।२४
हरद्वार	२९।५८	६।५५	७८।१३	+ २५। ०	– १७। ८
हिसार	२९।१०	६।४२	७५।४६	+ ०।३०	– २६।५६
हरिहर क्षेत्र	१४।३१	३। ६	७५।५०	+ १।१०	– २६।४०
द.हैदराबाद	१७।२०	३।४५	७८।३०	+ २७।५०	– १६। ०
सि.हैदराबाद	२५।२५	५।४२	६८।३८	– ७०।५०	– ५५।२८
होसपेट	१५।१०	३।१५	७६।२४	+ ६।५०	– २४।२४
होशियारपुर	३१।३२	७।२२	७५।५५	+ २। ०	– २६।२०

विदेशी नगरों के अक्षांशादि

नाम नगर	अक्षांश	पलभा अं. व्यं.	रेखांश	दिल्ली से घं. मि. से.
रंगून (ब्रह्मा)	१६।४५	३।३७	९६।१३	+ १।१६। ४
सिंगापुर (मलाया)	१।१७	०।१६	१०३।५१	+ १।४६।३६
ल्हासा (तिब्बत)	२९।४०	६।५०	९१। ५	+ ०।५५।३२
ढाका (बं.दे.)	२३।४३	५।१६	९०।२६	+ ०।५२।५६
टोकियो (जपान)	३५।४०	८।३७	१३९।४५	+ ४।१०।१२
पेकिंग (चीन)	३९।४५	९।५९	११६।२४	+ २।३६।४८
हवाना (क्यूबा)	२३। ८	५। ८	– ८२।२२	–१०।३८।१६
कोलंबो (लंका)	६।५६	१।२८	७९।५६	+ ०।१०।५६
विक्टोरिया(आस्ट्रे.)	– ३८। ०	– ९।२३	१४५। ०	+ ४।३१।१२
जकार्ता (जावा)	– ६।१२	– १।१८	१०६।५०	+ १।५८।३२
काबुल (अफगा.)	३४।३०	८।१५	६९।१८	– ०।३१।३६
कोबिजा(चिली)	– २२।३४	– ४।५९	– ७०।२६	– ९।५०।३२
बगदाद(ईराक)	३३।२०	७।५४	४४।२७	– २।११। ०
मक्का (अरब)	२१।२५	४।४२	३९।५४	– २।२९।१२
काहिरा (मिश्र)	३०। ०	६।५६	३१।१५	– ३। ३।४८
जेनेवा(स्विटजं.)	४६।१३	१२।३१	६। ७	– ४।४४।२०
न्यूयार्क (अमे.)	४०।४३	१०।२०	– ७४। ०	–१०। ४।४८
वाशिंगटन (अमे.)	३८।५५	९।४१	– ७७। ४	–१०।१७। ४
बर्लिन (पू.जर्मनी)	५२।३२	१५।३९	१३।२५	– ४।१५। ८
बुडापेस्ट (हंगरी)	४७।२९	१३। ५	१९। ३	– ३।५२।३६
लंदन (इंगलैण्ड)	५१।३०	१५। ५	– ०। ५	– ५। ९। ८
ग्रीन्वीच	५१।३०	१५। ५	०। ०	– ५। ८।४८
करांची (पाक.)	२४।५१	५।३३	६७। ४	– ०।४०।३२
पेरिस (फ्रांस)	४८।५०	१३।४३	-२।२०	– ४।५९।२८
मास्को (रुस)	५।४५	१।१३	३७।३७	– २।३८।२०
रोम (इटली)	४१।५५	१०।४६	१२।२८	– ४।१८।५६
अदन (अरब)	१२।४५	२।४३	४५। ४	– २। ८।३२
अंकारा (टर्की)	३९।५७	१०। ३	३२।५४	– २।५७।१२
तेहरान (ईरान)	३५।४१	८।३७	५१।२५	– १।४३। ८
कोडन्क (सूडान)	९।५२	२। ५	३२। ७	– ३। ०।२०
मोम्बासा(कन्या)	– ४। ०	– ०।५०	३९।४०	– २।३०। ८
लीमा (पेरु)	– १२। २	– २।३३	– ७७। २	–१०।१६।५६

अथ अश्विन्यादिनक्षत्राणां चरणगंतकष्टार्थे दानम् । कष्टावलीयंत्रम् ।

अश्वि.	१	१०	७	७	मोती
भरणी	५	७	१५	५	अन्न
कृत्ति.	१५	०	१५	५	घृत
रोहि.	१७	१८	२६	२०	मधु
मृग.	१५	१७	२१	८	कालो
आर्द्रा	०	२	७	२	दुग्ध
पुनर्वसु	७	१२	२०	८	पीत
पुष्य	७	११	१०	०	रातो
आश्ले.	७	०	०	०	रुपो
मघा	२१	१५	१७	७	गाय
पूर्वा	१५	५	९	९	गेहूँ
उत्तरा	७	१४	८	८	तेल
हस्त	१७	८	२०	२०	श्वेत
चित्रा	११	२१	२	१	सूत्र
स्वाती	११	२१	२	२३	घृत
विशाखा	१५	१४	१	५	गुड
अनुराधा	१०	११	१२	१५	गेहूँ
ज्येष्ठा	१	५	११	१८	रातो
मूल	१६	१५	१८	८	मीठो
पू.षा.	०	९	०	३०	अन्न
उ.षा.	७	११	१०	०	रातो
अभि.	७	८	५	१५	मूंगो
श्रवण	११	१८	१७	९	मुद्ग
धनि.	१०	११	१५	७	तैल
शतभि.	१६	२	२०	९	दूध
पू.भा.	०	७	८	७	अन्न
उ.भा.	७	११	१०	०	कालो
रेवती	९	४७	०	०	हेम

परे लग्नशुद्ध्या कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्ध्या समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः ।

- पीयूषधारा (पृ.४६, श्लो.४२)

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते हैं (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष- किसी एक विद्वान् के द्वारा बताये हुए शुद्धलग्न मुहूर्त्त को दूसरा विद्वान् (बालबुद्धि वाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से यह मुहूर्त्त अच्छा नहीं है । नोट - ऐसे बालमति के विद्वानों से कर-वद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष-शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषांनिन्दन्ति मूर्खाः सदा इति" ।

।।तमसो मा ज्योतिर्गमय.।।

संवत् २०७७, दिनमान एवं स्टेण्डर्ड सूर्योदयास्त जानने की सुगम विधि

भारत के किसी भी गांव या शहर का दिनमान निकालना हो उस नगर के अक्षांश पंचांग से प्राप्त करें यदि पंचांग मे न हों तो भारत के नक्शे (अटलस) से प्राप्त करे। पंचांग में दैनिक रविक्रांति की सारणी अलग पृष्ठ पर दी हुई है। उस सारणी से जिस दिन का दिनमान निकालना हो उस दिन की रविक्रांति और अक्षांश की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से चरपल लेवें और चरपलों को दुगुना (२ से गुणा) करें यदि ६० पलों से चरपल अधिक हो तो ६० का भाग देकर घटी/पल बना लें। रविक्रांति यदि + (उत्तर) हो तो मध्यम घटी ३०।०० में चरपल जोड दें और रविक्रांति – (दक्षिण) हो तो मध्यम घटी ३०।०० में घटा देने से अभीष्ट गांव या शहर का सूक्ष्मासन्न घट्यात्मक दिनमान प्राप्त आयेगा।

अभीष्ट दिन के दिनमान में पांच का भाग देने से घंटा-मिनटात्मक देशी (सूर्यघटी) सूर्यास्त बनता है। सूर्यास्त को घंटा १२।०० में घटाने से देशी सूर्योदय बनता है। इन देशी सूर्योदयास्त में जिस नगर का हो उसका रेल्वेऽन्तर मिनट संस्कार करने से मध्यम स्थानिक सूर्योदयास्त होते हैं और वेलान्तर संस्कार करने से अभीष्ट दिन के स्पष्ट स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त होते हैं। (रेल्वेऽन्तर और वेलान्तर सारणी इसी पंचांग में अलग पृष्ठ पर हैं ध्यान रहे कि स्थानिक देशी समय से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) समय बनाना हो तो रेल्वेऽन्तर संस्कार के चिन्ह ऋण (–) और धन (+) को विलोम व्यस्त चिन्ह करके संस्कार करें। यथा - पंचांग में + (धन) चिन्ह दिया है तो विलोम (व्यस्त) ऋण (–) संस्कार करे और ऋण (–) चिन्ह दिया हो तो धन (+) संस्कार करें। वेलान्तर समय के चिन्ह जैसे पंचांग में दिये हैं वे चिन्ह यथावत् रहेंगे। लेकिन स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय बनाना हो तो उपरोक्त क्रिया से विपरीत चिन्ह होते हैं यानि कि रेल्वेऽन्तर के निशान ज्यों के त्यों करें लेकिन वेलान्तर संस्कार के निशान जैसे पंचांग में हैं उससे विपरीत करें। इस तरह भारत के किसी भी नगर का दिनमान एवं स्टैण्डर्ड (रेल्वे) सूर्योदयास्त ज्ञात किये जा सकते हैं।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ – (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०७७, तारीख १ फरवरी २०२१, सोमवार को बैंगलोर (कर्ना.) अक्षांशाः १२° ५८' उ., रेखांशाः ७७° ३६' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ फरवरी २०२१ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (ऋण) -१७।०५ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति दोनों को उपकरण मानकर इनकी सहायता से चरपल संस्कार सारणी से अनुपात सहित ४०।१८ पलादि प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (८०।३६ = ४०।१८ x २) तो पलादि ८०।३६ हुई. पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि - १।२०।३६ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति दक्षिण है अतः घटी ३० में से घटा दिया (३०।००।०० - १।२०।३६) तो घट्यात्मक २८।३९।२४ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ५ घंटा ४३ मिनट ५३ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ६ घंटा १६ मिनट ०७ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए -

बैंगलोर (कर्ना.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७७।३६) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -१९ सेकण्ड ३६ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड दिया तो ६।३५।४३ सूर्योदय और ६।०३।२९ सूर्यास्त बैंगलोर (कर्ना.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ फरवरी २०२१ को वेलान्तर मिनट +१३ सेकण्ड ३२ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ६।४९।१५ सूर्योदय और ६।१७।०१ सूर्यास्त (अर्धादिक रुप से सूर्योदय ६ बजकर ४९ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर १७ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इसी प्रकार भारत के किसी भी गांव या शहर का दिनमान एवं स्टैं. सूर्योदयास्त ज्ञात कर सकते हैं।

अभिजित् मुहूर्त्त ज्ञानायः - "अष्टमे दिवसस्यार्द्धे त्वभिजित् संज्ञकः क्षणः" उपनयनादि मुहूर्त्तों में लग्न के स्थान पर '**अभिजिति**' लिखा रहता है इसका स्टैं. समय ज्ञात करने के लिए क्रिया - जिस अभीष्ट शहर का स्टैं. समय निकालना हो उस नगर के दिनमान घंटा-मिनटात्मक (यदि घटी-पल में दिनमान है तो २।। ढाई का भाग देकर घंटा मिनट बना लें) को आधा करके स्टैं. सूर्योदय में + (जोड़) दें यह स्थानिक स्पष्ट मध्यान्ह काल हो गया इस मध्यान्ह काल के २४ मिनट पहले और २४ मिनट बाद (यानि ४८ मि.) का अभीष्ट शहर का स्पष्ट अभिजित् (स्टैं.) समय होता है।

उदाहरण - बैंगलोर (कर्ना.) में १ फरवरी २०२१ सोमवार को अभिजित् मुहूर्त्त का (स्टैं.)समय निकालना है। उक्त तारीख को गणितागत घट्यात्मक दिनमान २८।३९।२४ है २।। (ढाई) का भाग देकर घंटा-मि. बनाया तो ११ घं. २७ मि. ४६ से. हुआ. इसका आधा ५ घं. ४३ मि. ५३ से. को स्टैं. सूर्योदय ६ बजकर ४९ मिनट १५ से. में जोड दिया यह स्टैं. १२ घं. ३३ मि. ०८ से. मध्यान्ह काल आ गया इसमें २४ मिनट पहले १२।३३।०८ - ०।२४ = १२।०९।०८ और २४ मिनट बाद तक १२।३३।०८ + ०।२४ = १२।५७।०८ (यानि कि मध्यान्ह काल के २४ मि. पहले और २४ मि. बाद तक का समय) बैंगलोर (कर्ना.) में अभिजित् मुहूर्त्त का स्टैं. समय दिन के १२।०९।०८ बजे से दिन के १२ बजकर ५७ मिनट ०८ से. तक का है। इस प्रकार भारत के किसी भी गांव अथवा शहर का अभिजित् मुहूर्त्त का समय निकाल सकते है। यह ध्यान रहे कि बुधवार के दिन अभिजित् मुहूर्त्त सर्वथा त्याज्य है। यथा - "अभिजिन्न बुधे शस्तं याम्यां तु गमने तथा" ॥

घटी, पल, विपल से घंटा मिनट सैकण्ड परिणत क्रिया - २ विपल ३० प्र. विपल (ढाई विपल) की १ सेकण्ड होती है, १ पल में २४ सेकण्ड होती है, २ पल में ४८ सेकण्ड होती है, २ पल ३० विपल (ढाई पल) में १ मिनट होती है। १ घटी में २४ मिनट होती हैं। २ घटी में ४८ मिनट, २ घटी ३० पल (ढाई घटी) में १ घंटा होता है और ६० घटी के २४ घंटे होते है। सब इसी तरह से जानना चाहिए। स्पष्टता के लिए घटी पल से घंटा मिनट का नीचे लिखा चक्र देखें।

घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि:
१	०।२४	८	३।१२	१६	६।२४	२३	९।१२	३१	१२।२४	३८	१५।१२
२	०।४८	९	३।३६	१७	६।४८	२४	९।३६	३२	१२।४८	३९	१५।३६
२।३०	१।००	१०	४।००	१७।३०	७।००	२५	१०।००	३२।३०	१३।००	४०	१६।००
३	१।१२	११	४।२४	१८	७।१२	२६	१०।२४	३३	१३।१२	४१	१६।२४
४	१।३६	१२	४।४८	१९	७।३६	२७	१०।४८	३४	१३।३६	४२	१६।४८
५	२।००	१२।३०	५।००	२०	८।००	२७।३०	११।००	३५	१४।००	४२।३०	१७।००
६	२।२४	१३	५।१२	२१	८।२४	२८	११।१२	३६	१४।२४	४३	१७।१२
७	२।४८	१४	५।३६	२२	८।४८	२९	११।३६	३७	१४।४८	४४	१७।३६
७।३०	३।००	१५	६।००	२२।३०	९।००	३०	१२।००	३७।३०	१५।००	४५	१८।००

॥ चरपल संस्कार सारणी ॥ उपकरण = क्रांत्यंशा: (उत्तर/दक्षिण) अक्षांशाश्च

← अक्षांशा: | अक्षांशा: →

क्रांत्यंशा: ↑ ↓

	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८
१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	८	८
२	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१५	१५	१६
३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	८	९	९	१०	१०	११	१२	१२	१३	१३	१४	१५	१५	१६	१७	१७	१८	१९	२०	२०	२१	२२	२३	२३
४	४	५	६	६	७	८	९	९	१०	११	११	१२	१३	१४	१५	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
५	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३३	३४	३५	३६	३८	३९
६	६	७	८	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३१	३२	३३	३५	३६	३८	३९	४१	४२	४४	४५	४७
७	७	९	१०	११	१२	१४	१५	१६	१८	१९	२०	२२	२३	२४	२६	२७	२८	३०	३१	३३	३४	३६	३७	३९	४१	४२	४४	४६	४८	४९	५१	५३	५५
८	८	१०	११	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२२	२३	२५	२६	२८	२९	३१	३३	३४	३६	३८	३९	४१	४३	४५	४७	४८	५०	५२	५४	५६	५९	६१	६३
९	१०	११	१३	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२४	२६	२८	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५५	५७	५९	६१	६४	६६	६९	७१
१०	११	१२	१४	१६	१८	२०	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५२	५४	५६	५८	६१	६३	६६	६८	७१	७४	७६	७९
११	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४१	४३	४५	४७	५०	५२	५४	५७	५९	६२	६४	६७	७०	७३	७५	७८	८१	८४	८७
१२	१३	१५	१७	१९	२१	२४	२६	२८	३०	३३	३५	३७	४०	४२	४४	४७	४९	५२	५४	५७	६०	६२	६५	६८	७०	७३	७६	७९	८२	८६	८९	९२	९६
१३	१४	१६	१९	२१	२३	२६	२८	३१	३३	३५	३८	४०	४३	४६	४८	५१	५४	५६	५९	६२	६५	६८	७१	७४	७७	८०	८३	८६	९०	९३	९७	१००	१०४
१४	१५	१८	२०	२३	२५	२८	३०	३३	३६	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	६१	६४	६७	७०	७३	७६	७९	८३	८६	९०	९३	९७	१०१	१०४	१०८	११२
१५	१६	१९	२२	२४	२७	३०	३३	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	६२	६५	६९	७२	७५	७८	८२	८५	८९	९३	९६	१००	१०४	१०८	११२	११६	१२१
१६	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५७	६०	६३	६७	७०	७३	७७	८०	८४	८८	९१	९५	९९	१०३	१०७	११२	११६	१२०	१२५	१२९
१७	१८	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५४	५७	६०	६४	६७	७१	७५	७८	८२	८६	९०	९४	९८	१०२	१०६	११०	११५	११९	१२४	१२८	१३३	१३८
१८	२०	२३	२६	२९	३३	३६	४०	४३	४६	५०	५३	५७	६१	६४	६८	७२	७५	७९	८३	८७	९१	९५	९९	१०४	१०८	११३	११७	१२२	१२७	१३२	१३७	१४२	१४७
१९	२१	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४६	४९	५३	५७	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८४	८८	९२	९७	१०१	१०५	११०	११५	११९	१२४	१२९	१३४	१४०	१४५	१५०	१५६
२०	२२	२६	२९	३३	३७	४१	४४	४८	५२	५६	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८५	८९	९३	९८	१०२	१०७	११२	११६	१२१	१२६	१३१	१३७	१४२	१४८	१५३	१५९	१६५
२१	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	६३	६७	७२	७६	८०	८५	८९	९४	९८	१०३	१०८	११३	११८	१२३	१२८	१३३	१३९	१४४	१५०	१५६	१६२	१६८	१७५
२२	२४	२८	३३	३७	४१	४५	४९	५४	५८	६२	६७	७१	७५	८०	८५	८९	९४	९९	१०४	१०९	११४	११९	१२४	१२९	१३५	१४०	१४६	१५२	१५८	१६४	१७१	१७७	१८४
२३	२६	३०	३४	३९	४३	४७	५२	५६	६१	६५	७०	७५	७९	८४	८९	९४	९९	१०४	१०९	११४	११९	१२५	१३०	१३६	१४२	१४८	१५४	१६०	१६६	१७३	१८०	१८७	१९४
२४	२७	३१	३६	४०	४५	५०	५४	५९	६४	६९	७३	७८	८३	८८	९३	९८	१०४	१०९	११४	१२०	१२५	१३१	१३७	१४३	१४९	१५५	१६२	१६८	१७५	१८२	१८९	१९६	२०४
२५	२८	३३	३८	४२	४७	५२	५७	६२	६७	७२	७७	८२	८७	९२	९८	१०३	१०९	११४	१२०	१२६	१३१	१३७	१४४	१५०	१५६	१६३	१६९	१७६	१८३	१९१	१९८	२०६	२१४
२६	२९	३४	३९	४४	४९	५४	६०	६५	७०	७५	८०	८६	९१	९७	१०२	१०८	११४	११९	१२५	१३१	१३८	१४४	१५०	१५७	१६४	१७०	१७७	१८५	१९२	२००	२०८	२१६	२२४
२७	३१	३६	४१	४६	५२	५७	६२	६८	७३	७८	८४	९०	९५	१०१	१०७	११३	११९	१२५	१३१	१३७	१४४	१५०	१५७	१६४	१७१	१७८	१८६	१९३	२०१	२०९	२१७	२२६	२३५
२८	३२	३७	४३	४८	५४	५९	६५	७१	७६	८२	८८	९४	९९	१०५	११२	११८	१२४	१३०	१३७	१४४	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८६	१९४	२०२	२१०	२१९	२२७	२३६	२४५
२९	३३	३९	४५	५०	५६	६२	६८	७४	७९	८५	९१	९८	१०४	११०	११६	१२३	१२९	१३६	१४३	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२८	२३७	२४७	२५७
३०	३५	४१	४७	५२	५८	६४	७०	७७	८३	८९	९५	१०२	१०८	११५	१२१	१२८	१३५	१४२	१४९	१५६	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२९	२३८	२४८	२५८	२६८
३१	३६	४२	४८	५५	६१	६७	७३	८०	८६	९३	९९	१०६	११३	११९	१२६	१३३	१४०	१४८	१५५	१६३	१७०	१७८	१८६	१९५	२०३	२१२	२२१	२३०	२३९	२४९	२५९	२६९	२८०

विशेष - क्रांति और अक्षांश दौनों दक्षिण (–) अथवा दौनों उत्तर (+) हों तो चरपल का चिन्ह धन (+) होता है। क्रांति दक्षिण (–) और अक्षांश उत्तर (+) हों तो चरपल का चिन्ह दक्षिण यानि ऋण (–) होता है। क्रांति उत्तर (+) और अक्षांश दक्षिण (–) हों तो चरपल का चिन्ह ऋण (–) होता है। नोट- दिनमान वनाने के लिए - प्राप्त चरपल को २ से गुणा कर संस्कार करें। - पं. ग्यारसीलाल शर्मा

।। संवत् २०७७ (सन् २०२०-२१) में विभिन्न नगरों का दिनमान और सूर्योदय (स्टै.घं.मि.) ता.२५। ३।२०२० से ५ दिन के अंतर से ।। सूर्यास्त = दिनमान में सूर्योदय जोड़ने से

शहर	अजमेर		अहमदाबा.		अमृतसर		आकोला		इंदौर		उज्जैन		कटक		कोलकाता		काठमाण्डु		कानपुर		कोटा		गंगानगर		गौहाटी		जयपुर		जींद(हरि)		जौधपुर	
तारीख	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ
२५। ३	१२।०८	६।३३	१२।०७	६।४३	१२।१०	६।३२	१२।०६	६।२५	१२।०७	६।२९	१२।०७	६।३०	१२।०६	५।५०	१२।०६	५।३९	१२।०८	५।५१	१२।०८	६।११	१२।०७	६।२९	१२।०९	६।३६	१२।०८	५।२५	१२।०८	६।२९	१२।०९	६।२६	१२।०८	६।४२
३०। ३	१२।१६	६।२८	१२।१४	६।३८	१२।१९	६।२६	१२।१२	६।२०	१२।१३	६।२५	१२।१३	६।२५	१२।१२	५।४५	१२।१३	५।३४	१२।१६	५।४६	१२।१६	६।०६	१२।१५	६।२४	१२।१८	६।३०	१२।१५	५।२०	१२।१६	६।२३	१२।१८	६।२०	१२।१५	६।३७
४। ४	१२।२३	६।२३	१२।२०	६।३३	१२।२९	६।२०	१२।१८	६।१६	१२।२०	६।२०	१२।२०	६।२०	१२।१७	५।४१	१२।१९	५।३०	१२।२३	५।४१	१२।२३	६।००	१२।२२	६।१९	१२।२७	६।२४	१२।२३	५।१५	१२।२४	६।१८	१२।२६	६।१४	१२।२३	६।३२
९। ४	१२।३१	६।१८	१२।२७	६।२८	१२।३८	६।१३	१२।२३	६।१२	१२।२६	६।१५	१२।२६	६।१६	१२।२३	५।३७	१२।२६	५।२५	१२।३१	५।३५	१२।३१	५।५५	१२।२९	६।१४	१२।३६	६।१९	१२।३०	५।०९	१२।३१	६।१३	१२।३५	६।०९	१२।३०	६।२६
१४। ४	१२।३८	६।१३	१२।३३	६।२४	१२।४७	६।०८	१२।२९	६।०७	१२।३२	६।११	१२।३३	६।११	१२।२९	५।३२	१२।३२	५।२१	१२।३९	५।३०	१२।३८	५।५०	१२।३६	६।०९	१२।४४	६।१३	१२।३८	५।०४	१२।३९	६।०८	१२।४३	६।०३	१२।३८	६।२२
१९। ४	१२।४५	६।०८	१२।३९	६।२०	१२।५६	६।०२	१२।३४	६।०४	१२।३८	६।०७	१२।३९	६।०७	१२।३४	५।२९	१२।३८	५।१६	१२।४६	५।२६	१२।४५	५।४५	१२।४३	६।०४	१२।५३	६।०८	१२।४५	५।००	१२।४६	६।०३	१२।५१	५।५८	१२।४५	६।१७
२४। ४	१२।५२	६।०३	१२।४५	६।१६	१३।०५	५।५७	१२।४०	६।००	१२।४४	६।०३	१२।४५	६।०३	१२।३९	५।२५	१२।४४	५।१३	१२।५३	५।२१	१२।५३	५।४१	१२।५०	६।००	१३।०१	६।०३	१२।५२	४।५५	१२।५४	५।५८	१२।५९	५।५३	१२।५२	६।१२
२९। ४	१२।५९	५।५९	१२।५१	६।१२	१३।१३	५।५२	१२।४५	५।५७	१२।५०	५।५९	१२।५१	५।५९	१२।४४	५।२२	१२।४९	५।०९	१३।००	५।१७	१२।५९	५।३७	१२।५६	५।५६	१३।०९	५।५८	१२।५८	४।५१	१३।००	५।५४	१३।०७	५।४९	१२।५९	६।०८
४। ५	१३।०६	५।५५	१२।५७	६।०८	१३।२१	५।४७	१२।५०	५।५४	१२।५५	५।५६	१२।५६	५।५६	१२।४९	५।१९	१२।५५	५।०६	१३।०६	५।१३	१३।०६	५।३३	१३।०२	५।५३	१३।१६	५।५४	१३।०५	४।४७	१३।०७	५।५०	१३।१४	५।४४	१३।०५	६।०५
९। ५	१३।१२	५।५२	१३।०२	६।०६	१३।२९	५।४३	१२।५४	५।५१	१३।००	५।५३	१३।०२	५।५३	१२।५४	५।१६	१३।००	५।०३	१३।१२	५।१०	१३।१२	५।३०	१३।०८	५।४९	१३।२३	५।५०	१३।११	४।४४	१३।१३	५।४७	१३।२१	५।४१	१३।११	६।०१
१४। ५	१३।१७	५।४९	१३।०७	६।०३	१३।३६	५।३९	१२।५९	५।४९	१३।०५	५।५१	१३।०६	५।५०	१२।५८	५।१४	१३।०४	५।००	१३।१८	५।०७	१३।१७	५।२७	१३।१३	५।४७	१३।३०	५।४६	१३।१६	४।४१	१३।१९	५।४४	१३।२७	५।३७	१३।१६	५।५८
१९। ५	१३।२२	५।४७	१३।११	६।०१	१३।४२	५।३६	१३।०२	५।४७	१३।०९	५।४९	१३।११	५।४८	१३।०२	५।१२	१३।०९	४।५८	१३।२३	५।०४	१३।२२	५।२४	१३।१८	५।४४	१३।३६	५।४३	१३।२१	४।३९	१३।२४	५।४१	१३।३३	५।३५	१३।२१	५।५६
२४। ५	१३।२७	५।४५	१३।१५	५।५९	१३।४८	५।३४	१३।०६	५।४६	१३।१३	५।४७	१३।१५	५।४७	१३।०५	५।११	१३।१२	४।५७	१३।२८	५।०२	१३।२७	५।२२	१३।२२	५।४३	१३।४१	५।४१	१३।२६	४।३७	१३।२९	५।३९	१३।३८	५।३२	१३।२६	५।५४
२९। ५	१३।३१	५।४३	१३।१९	५।५८	१३।५३	५।३२	१३।०९	५।४५	१३।१६	५।४६	१३।१८	५।४६	१३।०८	५।१०	१३।१६	४।५६	१३।३२	५।०१	१३।३१	५।२१	१३।२६	५।४१	१३।४६	५।३९	१३।३०	४।३६	१३।३३	५।३८	१३।४३	५।३१	१३।३०	५।५३
३। ६	१३।३४	५।४२	१३।२१	५।५८	१३।५७	५।३१	१३।११	५।४४	१३।१९	५।४५	१३।२१	५।४५	१३।१०	५।१०	१३।१८	४।५५	१३।३५	५।००	१३।३४	५।२०	१३।२९	५।४१	१३।४९	५।३८	१३।३३	४।३५	१३।३६	५।३७	१३।४६	५।३०	१३।३३	५।५२
८। ६	१३।३६	५।४२	१३।२३	५।५७	१४।००	५।३०	१३।१३	५।४४	१३।२१	५।४५	१३।२३	५।४५	१३।१२	५।०९	१३।२०	४।५५	१३।३८	५।००	१३।३७	५।२०	१३।३१	५।४०	१३।५२	५।३८	१३।३५	४।३४	१३।३८	५।३७	१३।४९	५।२९	१३।३५	५।५२
१३। ६	१३।३८	५।४२	१३।२५	५।५८	१४।०२	५।३०	१३।१४	५।४५	१३।२२	५।४५	१३।२४	५।४५	१३।१३	५।१०	१३।२२	४।५५	१३।३९	५।००	१३।३८	५।२०	१३।३३	५।४१	१३।५४	५।३८	१३।३७	४।३५	१३।४०	५।३७	१३।५१	५।२९	१३।३७	५।५२
१८। ६	१३।३९	५।४३	१३।२६	५।५८	१४।०३	५।३१	१३।१५	५।४५	१३।२३	५।४६	१३।२५	५।४६	१३।१४	५।११	१३।२२	४।५६	१३।४०	५।००	१३।३९	५।२०	१३।३३	५।४१	१३।५५	५।३८	१३।३८	४।३५	१३।४१	५।३७	१३।५२	५।३०	१३।३८	५।५२
२३। ६	१३।३९	५।४४	१३।२६	५।५९	१४।०३	५।३२	१३।१५	५।४६	१३।२३	५।४७	१३।२५	५।४७	१३।१४	५।१२	१३।२३	४।५७	१३।४०	५।०१	१३।३९	५।२२	१३।३३	५।४२	१३।५५	५।३९	१३।३८	४।३६	१३।४१	५।३९	१३।५२	५।३१	१३।३८	५।५३
२८। ६	१३।३८	५।४५	१३।२५	६।०१	१४।०२	५।३३	१३।१४	५।४८	१३।२३	५।४९	१३।२४	५।४८	१३।१३	५।१३	१३।२२	४।५९	१३।३९	५।०३	१३।३८	५।२३	१३।३३	५।४४	१३।५४	५।४१	१३।३७	४।३८	१३।४०	५।४०	१३।५१	५।३२	१३।३७	५।५५
३। ७	१३।३७	५।४७	१३।२४	६।०२	१४।००	५।३५	१३।१३	५।४९	१३।२१	५।५०	१३।२३	५।५०	१३।१२	५।१५	१३।२०	५।००	१३।३८	५।०५	१३।३७	५।२५	१३।३१	५।४५	१३।५२	५।४३	१३।३५	४।३९	१३।३९	५।४२	१३।४९	५।३४	१३।३५	५।५७
८। ७	१३।३४	५।४९	१३।२१	६।०४	१३।५७	५।३७	१३।११	५।५१	१३।१९	५।५२	१३।२१	५।५२	१३।१०	५।१६	१३।१९	५।०२	१३।३५	५।०७	१३।३४	५।२७	१३।२९	५।४७	१३।४९	५।४५	१३।३३	४।४१	१३।३६	५।४४	१३।४६	५।३६	१३।३३	५।५९
१३। ७	१३।३१	५।५१	१३।१९	६।०६	१३।५३	५।४०	१३।०९	५।५३	१३।१६	५।५४	१३।१८	५।५४	१३।०८	५।१८	१३।१६	५।०४	१३।३२	५।०९	१३।३१	५।२९	१३।२६	५।४९	१३।४६	५।४७	१३।३०	४।४४	१३।३३	५।४६	१३।४३	५।३९	१३।३०	६।०१
१८। ७	१३।२७	५।५४	१३।१५	६।०८	१३।४८	५।४३	१३।०६	५।५५	१३।१३	५।५६	१३।१५	५।५६	१३।०५	५।२०	१३।१३	५।०६	१३।२८	५।११	१३।२७	५।३१	१३।२२	५।५२	१३।४१	५।५०	१३।२६	४।४६	१३।२९	५।४८	१३।३९	५।४१	१३।२६	६।०३
२३। ७	१३।२३	५।५६	१३।१२	६।११	१३।४३	५।४६	१३।०३	५।५७	१३।१०	५।५८	१३।११	५।५८	१३।०२	५।२२	१३।०९	५।०८	१३।२४	५।१४	१३।२३	५।३४	१३।१८	५।५४	१३।३६	५।५३	१३।२२	४।४८	१३।२४	५।५१	१३।३४	५।४४	१३।२२	६।०६
२८। ७	१३।१८	५।५९	१३।०७	६।१३	१३।३६	५।४९	१२।५९	५।५९	१३।०५	६।००	१३।०७	६।००	१२।५८	५।२४	१३।०५	५।१०	१३।१९	५।१६	१३।१८	५।३६	१३।१३	५।५६	१३।३०	५।५६	१३।१७	४।५१	१३।१९	५।५३	१३।२८	५।४७	१३।१७	६।०८
२। ८	१३।१२	६।०१	१३।०३	६।१५	१३।३०	५।५२	१२।५५	६।००	१३।०१	६।०२	१३।०२	६।०२	१२।५४	५।२५	१३।००	५।१२	१३।१३	५।१९	१३।१२	५।३९	१३।०८	५।५९	१३।२४	५।५९	१३।११	४।५३	१३।१४	५।५६	१३।२२	५।५०	१३।११	६।१०
७। ८	१३।०६	६।०४	१२।५७	६।१७	१३।२२	५।५५	१२।५०	६।०२	१२।५६	६।०४	१२।५७	६।०४	१२।५०	५।२७	१२।५५	५।१४	१३।०७	५।२१	१३।०६	५।४१	१३।०३	६।०१	१३।१७	६।०२	१३।०६	४।५६	१३।०८	५।५९	१३।१५	५।५३	१३।०५	६।१३
१२। ८	१३।००	६।०६	१२।५२	६।१९	१३।१४	५।५८	१२।४५	६।०४	१२।५०	६।०६	१२।५१	६।०६	१२।४५	५।२९	१२।५०	५।१६	१३।०१	५।२४	१३।००	५।४४	१२।५७	६।०३	१३।१०	६।०५	१२।५९	४।५८	१३।०१	६।०१	१३।०८	५।५५	१२।५९	६।१५
१७। ८	१२।५३	६।०८	१२।४६	६।२१	१३।०६	६।०२	१२।४०	६।०५	१२।४५	६।०८	१२।४६	६।०८	१२।४०	५।३०	१२।४५	५।१८	१२।५४	५।२६	१२।५३	५।४६	१२।५०	६।०५	१३।०२	६।०७	१२।५३	५।००	१२।५४	६।०३	१३।००	५।५८	१२।५३	६।१७
२२। ८	१२।४६	६।११	१२।४०	६।२३	१२।५८	६।०५	१२।३५	६।०७	१२।३९	६।१०	१२।४०	६।१०	१२।३५	५।३२	१२।३९	५।१९	१२।४७	५।२८	१२।४६	५।४८	१२।४४	६।०७	१२।५४	६।१०	१२।४६	५।०३	१२।४७	६।०६	१२।५२	६।०१	१२।४६	६।२०
२७। ८	१२।३९	६।१३	१२।३४	६।२४	१२।४९	६।०८	१२।३०	६।०८	१२।३३	६।११	१२।३४	६।१२	१२।२९	५।३३	१२।३३	५।२१	१२।४०	५।३१	१२।३९	५।५०	१२।३७	६।०९	१२।४६	६।१३	१२।३९	५।०५	१२।४०	६।०८	१२।४४	६।०३	१२।३९	६।२२
१। ९	१२।३२	६।१५	१२।२८	६।२६	१२।४०	६।११	१२।२४	६।०९	१२।२७	६।१३	१२।२८	६।१३	१२।२४	५।३४	१२।२७	५।२२	१२।३२	५।३३	१२।३२	५।५२	१२।३०	६।११	१२।३७	६।१६	१२।३२	५।०७	१२।३३	६।१०	१२।३६	६।०६	१२।३२	६।२४
६। ९	१२।२५	६।१७	१२।२१	६।२७	१२।३०	६।१४	१२।१९	६।१०	१२।२१	६।१४	१२।२१	६।१५	१२।१८	५।३५	१२।२१	५।२४	१२।२५	५।३५	१२।२५	५।५५	१२।२३	६।१३	१२।२९	६।१८	१२।२४	५।०९	१२।२५	६।१२	१२।२८	६।०९	१२।२४	६।२६
११। ९	१२।१७	६।१९	१२।१५	६।२९	१२।२१	६।१६	१२।१३	६।११	१२।१४	६।१६	१२।१५	६।१६	१२।१३	५।३६	१२।१४	५।२५	१२।१७	५।३७	१२।१७	५।५७	१२।१६	६।१५	१२।२०	६।२१	१२।१७	५।११	१२।१७	६।१४	१२।१९	६।११	१२।१७	६।२८
१६। ९	१२।०९	६।२१	१२।०८	६।३०	१२।१२	६।१९	१२।०७	६।१३	१२।०८	६।१७	१२।०८	६।१८	१२।०७	५।३७	१२।०८	५।२७	१२।१०	५।३९	१२।०९	५।५९	१२।०९	६।१७	१२।११	६।२४	१२।०९	५।१३	१२।१०	६।१६	१२।११	६।१४	१२।०९	६।३०
२१। ९	१२।०२	६।२३	१२।०२	६।३२	१२।०२	६।२२	१२।०१	६।१४	१२।०१	६।१९	१२।०२	६।१९	१२।०१	५।३९	१२।०२	५।२८	१२।०२	५।४१	१२।०२	६।०१	१२।०२	६।१९	१२।०२	६।२६	१२।०२	५।१५	१२।०२	६।१९	१२।०२	६।१६	१२।०२	६।३२
२६। ९	११।५४	६।२५	११।५५	६।३४	११।५३	६।२५	११।५५	६।१५	११।५५	६।२०	११।५५	६।२१	११।५६	५।४०	११।५५	५।३०	११।५४	५।४३	११।५४	६।०३	११।५४	६।२०	११।५३	६।२९	११।५४	५।१७	११।५४	६।२१	११।५३	६।१९	११।५४	६।३४
१।१०	११।४६	६।२७	११।४८	६।३५	११।४३	६।२८	११।५०	६।१६	११।४९	६।२२	११।४८	६।२२	११।५०	५।४१	११।४९	५।३१	११।४६	५।४५	११।४६	६।०५	११।४७	६।२२	११।४४	६।३२	११।४७	५।१९	११।४६	६।२३	११।४५	६।२१	११।४७	६।३६

|| संवत् २०७७ (सन् २०२०-२१) में विभिन्न नगरों का दिनमान और सूर्योदय (स्टै.घं.मि.) ता.२५। ३।२०२० से ५ दिन के अंतर से || सूर्यास्त = दिनमान में सूर्योदय जोड़ने से

शहर	झरिया		चिन्नंई		दरभंगा		डिब्रुगढ		त्रिवेंद्रम		तेजपुर(आ.)		दिल्ली		बैंगलोर		बांसवाडा		विलासपुर		भिवानी		मैसूर		मुम्बई .		वाराणसी		श्रीनगर		हैदराबाद	
तारीख	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ
२५। ३	१२।०७	५।४७	१२।०४	६।१३	१२।०८	५।४९	१२।०८	५।१२	१२।०२	६।२७	१२।०८	५।२१	१२।०९	६।२३	१२।०४	६।२४	१२।०७	६।३५	१२।०६	६।०४	१२।०९	६।२७	१२।०३	६।२८	१२।०५	६।४२	१२।०७	६।००	१२।११	६।३१	१२।०५	६।२०
३०। ३	१२।१४	५।४२	१२।०७	६।१०	१२।१५	५।४४	१२।१६	५।०७	१२।०५	६।२४	१२।१६	५।१५	१२।१७	६।१७	१२।०७	६।२१	१२।१४	६।३०	१२।१३	५।५९	१२।१७	६।२१	१२।०७	६।२४	१२।११	६।३८	१२।१५	५।५५	१२।२१	६।२४	१२।१०	६।१६
४। ४	१२।२१	५।३७	१२।११	६।०७	१२।२३	५।३८	१२।२४	५।०१	१२।०७	६।२२	१२।२३	५।१०	१२।२६	६।१२	१२।११	६।१७	१२।२०	६।२५	१२।१९	५।५५	१२।२६	६।१६	१२।१०	६।२१	१२।१६	६।३४	१२।२२	५।५०	१२।३२	६।१८	१२।१५	६।१२
९। ४	१२।२७	५।३२	१२।१४	६।०४	१२।३०	५।३३	१२।३२	४।५६	१२।०९	६।१९	१२।३१	५।०५	१२।३४	६।०६	१२।१४	६।१४	१२।२७	६।२१	१२।२५	५।५०	१२।३४	६।१०	१२।१३	६।१८	१२।२१	६।३०	१२।२९	५।४५	१२।४२	६।११	१२।१९	६।०८
१४। ४	१२।३४	५।२८	१२।१८	६।०१	१२।३८	५।२८	१२।४०	४।५१	१२।११	६।१७	१२।३८	५।००	१२।४२	६।०१	१२।१८	६।११	१२।३३	६।१६	१२।३१	५।४६	१२।४२	६।०५	१२।१७	६।१५	१२।२६	६।२६	१२।३६	५।४०	१२।५२	६।०५	१२।२४	६।०४
१९। ४	१२।४०	५।२४	१२।२१	५।५८	१२।४५	५।२३	१२।४७	४।४६	१२।१४	६।१४	१२।४६	४।५५	१२।५०	५।५६	१२।२१	६।०८	१२।४०	६।१२	१२।३७	५।४२	१२।५०	६।००	१२।२०	६।१२	१२।३१	६।२२	१२।४३	५।३६	१३।०२	५।५९	१२।२८	६।०१
२४। ४	१२।४६	५।१९	१२।२४	५।५५	१२।५२	५।१९	१२।५५	४।४१	१२।१६	६।१२	१२।५३	४।५१	१२।५८	५।५१	१२।२४	६।०६	१२।४६	६।०८	१२।४३	५।३८	१२।५८	५।५५	१२।२३	६।१०	१२।३६	६।१९	१२।५०	५।३१	१३।१२	५।५३	१२।३३	५।५८
२९। ४	१२।५२	५।१६	१२।२८	५।५३	१२।५८	५।१५	१३।०२	४।३७	१२।१८	६।११	१३।००	४।४६	१३।०५	५।४६	१२।२७	६।०३	१२।५२	६।०४	१२।४८	५।३४	१३।०५	५।५०	१२।२६	६।०८	१२।४१	६।१६	१२।५६	५।२७	१३।२१	५।४८	१२।३७	५।५५
४। ५	१२।५८	५।१२	१२।३१	५।५१	१३।०५	५।११	१३।०९	४।३३	१२।२०	६।०९	१३।०६	४।४३	१३।१२	५।४२	१२।३०	६।०१	१२।५७	६।०१	१२।५३	५।३१	१३।१३	५।४६	१२।२९	६।०६	१२।४५	६।१३	१३।०२	५।२४	१३।३०	५।४३	१२।४१	५।५२
९। ५	१३।०३	५।०९	१२।३३	५।४९	१३।११	५।०८	१३।१५	४।२९	१२।२१	६।०८	१३।१२	४।३९	१३।१९	५।३८	१२।३३	६।००	१३।०३	५।५८	१२।५८	५।२९	१३।१९	५।४२	१२।३१	६।०४	१२।४९	६।११	१३।०८	५।२१	१३।३८	५।३८	१२।४५	५।५०
१४। ५	१३।०८	५।०७	१२।३६	५।४८	१३।१६	५।०५	१३।२१	४।२६	१२।२३	६।०७	१३।१८	४।३६	१३।२५	५।३५	१२।३६	५।५८	१३।०७	५।५५	१३।०३	५।२६	१३।२५	५।३९	१२।३४	६।०३	१२।५३	६।०९	१३।१३	५।१८	१३।४६	५।३४	१२।४८	५।४८
१९। ५	१३।१३	५।०५	१२।३८	५।४७	१३।२१	५।०३	१३।२६	४।२४	१२।२५	६।०६	१३।२३	४।३४	१३।३१	५।३३	१२।३८	५।५७	१३।१२	५।५३	१३।०७	५।२४	१३।३१	५।३६	१२।३६	६।०२	१२।५७	६।०७	१३।१८	५।१५	१३।५३	५।३१	१२।५२	५।४७
२४। ५	१३।१७	५।०३	१२।४०	५।४६	१३।२६	५।०१	१३।३१	४।२२	१२।२६	६।०६	१३।२८	४।३२	१३।३५	५।३०	१२।४०	५।५६	१३।१६	५।५१	१३।११	५।२३	१३।३६	५।३४	१२।३८	६।०१	१३।००	६।०६	१३।२३	५।१४	१३।५९	५।२८	१२।५४	५।४६
२९। ५	१३।२०	५।०२	१२।४२	५।४६	१३।३०	४।५९	१३।३५	४।२०	१२।२७	६।०६	१३।३१	४।३०	१३।४०	५।२९	१२।४२	५।५६	१३।१९	५।५०	१३।१४	५।२२	१३।४०	५।३३	१२।४०	६।०१	१३।०२	६।०५	१३।२६	५।१२	१४।०४	५।२६	१२।५७	५।४५
३। ६	१३।२३	५।०१	१२।४४	५।४६	१३।३३	४।५८	१३।३८	४।१९	१२।२८	६।०६	१३।३५	४।३०	१३।४३	५।२८	१२।४३	५।५६	१३।२२	५।५०	१३।१६	५।२१	१३।४४	५।३२	१२।४१	६।०१	१३।०५	६।०५	१३।२९	५।१२	१४।०९	५।२४	१२।५९	५।४५
८। ६	१३।२५	५।०१	१२।४५	५।४६	१३।३५	४।५८	१३।४१	४।१९	१२।२९	६।०७	१३।३७	४।२९	१३।४६	५।२७	१२।४४	५।५७	१३।२४	५।४९	१३।१८	५।२१	१३।४७	५।३१	१२।४२	६।०१	१३।०६	६।०५	१३।३२	५।११	१४।१२	५।२४	१३।००	५।४५
१३। ६	१३।२७	५।०१	१२।४६	५।४७	१३।३७	४।५८	१३।४३	४।१९	१२।२९	६।०८	१३।३९	४।२९	१३।४८	५।२७	१२।४५	५।५७	१३।२६	५।५०	१३।२०	५।२१	१३।४८	५।३१	१२।४३	६।०२	१३।०७	६।०५	१३।३३	५।१२	१४।१४	५।२३	१३।०१	५।४५
१८। ६	१३।२७	५।०२	१२।४६	५।४७	१३।३८	४।५९	१३।४४	४।२०	१२।३०	६।०८	१३।४०	४।३०	१३।४९	५।२८	१२।४६	५।५८	१३।२६	५।५०	१३।२१	५।२२	१३।४९	५।३२	१२।४३	६।०३	१३।०८	६।०६	१३।३४	५।१२	१४।१६	५।२४	१३।०२	५।४६
२३। ६	१३।२७	५।०३	१२।४६	५।४८	१३।३८	५।००	१३।४४	४।२१	१२।३०	६।१०	१३।४०	४।३१	१३।४९	५।२९	१२।४६	५।५९	१३।२६	५।५१	१३।२१	५।२३	१३।४९	५।३३	१२।४३	६।०४	१३।०८	६।०७	१३।३४	५।१३	१४।१६	५।२५	१३।०२	५।४७
२८। ६	१३।२७	५।०४	१२।४६	५।५०	१३।३७	५।०१	१३।४३	४।२२	१२।२९	६।११	१३।३९	४।३२	१३।४८	५।३१	१२।४५	६।००	१३।२६	५।५३	१३।२०	५।२४	१३।४९	५।३४	१२।४३	६।०५	१३।०८	६।०८	१३।३३	५।१५	१४।१४	५।२६	१३।०१	५।४९
३। ७	१३।२५	५।०६	१२।४५	५।५१	१३।३५	५।०३	१३।४१	४।२४	१२।२९	६।१२	१३।३७	४।३४	१३।४६	५।३२	१२।४४	६।०२	१३।२४	५।५५	१३।१९	५।२६	१३।४७	५।३६	१२।४२	६।०६	१३।०६	६।१०	१३।३२	५।१६	१४।१२	५।२९	१३।००	५।५०
८। ७	१३।२३	५।०८	१२।४४	५।५२	१३।३३	५।०५	१३।३९	४।२६	१२।२८	६।१३	१३।३५	४।३६	१३।४३	५।३५	१२।४३	६।०३	१३।२२	५।५६	१३।१७	५।२८	१३।४४	५।३८	१२।४१	६।०८	१३।०५	६।११	१३।३०	५।१८	१४।०९	५।३१	१२।५९	५।५२
१३। ७	१३।२०	५।१०	१२।४२	५।५४	१३।३०	५।०७	१३।३५	४।२८	१२।२७	६।१४	१३।३२	४।३९	१३।४०	५।३७	१२।४२	६।०४	१३।१९	५।५८	१३।१४	५।३०	१३।४१	५।४१	१२।४०	६।०९	१३।०३	६।१३	१३।२७	५।२०	१४।०५	५।३४	१२।५७	५।५३
१८। ७	१३।१७	५।१२	१२।४०	५।५५	१३।२६	५।१०	१३।३१	४।३१	१२।२६	६।१५	१३।२८	४।४१	१३।३६	५।३९	१२।४०	६।०६	१३।१६	६।०१	१३।११	५।३२	१३।३६	५।४३	१२।३८	६।१०	१३।००	६।१५	१३।२३	५।२३	१३।५९	५।३७	१२।५५	५।५५
२३। ७	१३।१३	५।१४	१२।३८	५।५६	१३।२२	५।१२	१३।२७	४।३३	१२।२५	६।१६	१३।२३	४।४३	१३।३१	५।४२	१२।३८	६।०७	१३।१२	६।०३	१३।०७	५।३४	१३।३१	५।४६	१२।३६	६।१२	१२।५७	६।१७	१३।१९	५।२५	१३।५३	५।४०	१२।५२	५।५७
२८। ७	१३।०९	५।१६	१२।३६	५।५८	१३।१७	५।१५	१३।२१	४।३६	१२।२३	६।१७	१३।१८	४।४६	१३।२५	५।४५	१२।३६	६।०८	१३।०८	६।०५	१३।०३	५।३६	१३।२६	५।४९	१२।३४	६।१३	१२।५३	६।१८	१३।१४	५।२७	१३।४६	५।४४	१२।४९	५।५८
२। ८	१३।०४	५।१९	१२।३४	५।५९	१३।११	५।१७	१३।१६	४।३८	१२।२२	६।१७	१३।१३	४।४८	१३।१९	५।४८	१२।३३	६।०९	१३।०३	६।०७	१२।५९	५।३८	१३।२०	५।५२	१२।३२	६।१४	१२।५०	६।२०	१३।०९	५।३०	१३।३९	५।४७	१२।४५	६।००
७। ८	१२।५९	५।२१	१२।३१	५।५९	१३।०५	५।१९	१३।०९	४।४१	१२।२०	६।१८	१३।०७	४।५१	१३।१३	५।५०	१२।३१	६।१०	१२।५८	६।०९	१२।५४	५।४०	१३।१३	५।५४	१२।२९	६।१४	१२।४६	६।२१	१३।०३	५।३२	१३।३०	५।५१	१२।४१	६।०१
१२। ८	१२।५३	५।२३	१२।२८	६।००	१२।५९	५।२२	१३।०३	४।४४	१२।१८	६।१८	१३।००	४।५३	१३।०६	५।५३	१२।२८	६।११	१२।५२	६।११	१२।४९	५।४२	१३।०६	५।५७	१२।२६	६।१५	१२।४१	६।२३	१२।५७	५।३४	१३।२२	५।५४	१२।३८	६।०२
१७। ८	१२।४७	५।२५	१२।२५	६।०१	१२।५३	५।२४	१२।५६	४।४६	१२।१६	६।१८	१२।५४	४।५६	१२।५९	५।५६	१२।२५	६।११	१२।४७	६।१३	१२।४३	५।४३	१२।५९	६।००	१२।२३	६।१५	१२।३७	६।२४	१२।५१	५।३६	१३।१३	५।५८	१२।३३	६।०३
२२। ८	१२।४१	५।२७	१२।२२	६।०१	१२।४६	५।२६	१२।४९	४।४८	१२।१४	६।१८	१२।४७	४।५८	१२।५१	५।५८	१२।२१	६।१२	१२।४१	६।१५	१२।३८	५।४५	१२।५१	६।०२	१२।२०	६।१६	१२।३२	६।२५	१२।४४	५।३९	१३।०३	६।०१	१२।२९	६।०४
२७। ८	१२।३५	५।२८	१२।१८	६।०१	१२।३९	५।२८	१२।४१	४।५१	१२।१२	६।१८	१२।४०	५।००	१२।४३	६।०१	१२।१८	६।१२	१२।३४	६।१६	१२।३२	५।४६	१२।४३	६।०५	१२।१७	६।१६	१२।२७	६।२६	१२।३७	५।४१	१२।५४	६।०५	१२।२५	६।०५
१। ९	१२।२८	५।३०	१२।१५	६।०२	१२।३२	५।३०	१२।३४	४।५३	१२।०९	६।१७	१२।३२	५।०२	१२।३५	६।०३	१२।१५	६।१२	१२।२८	६।१८	१२।२६	५।४८	१२।३५	६।०७	१२।१४	६।१६	१२।२२	६।२७	१२।३०	५।४२	१२।४४	६।०८	१२।२०	६।०६
६। ९	१२।२२	५।३२	१२।११	६।०२	१२।२४	५।३२	१२।२६	४।५५	१२।०७	६।१७	१२।२५	५।०४	१२।२७	६।०६	१२।११	६।१२	१२।२१	६।२०	१२।२०	५।४९	१२।२७	६।१०	१२।११	६।१६	१२।१७	६।२८	१२।२३	५।४४	१२।३४	६।१२	१२।१५	६।०६
११। ९	१२।१५	५।३३	१२।०८	६।०२	१२।१७	५।३४	१२।१८	४।५७	१२।०५	६।१६	१२।१७	५।०६	१२।१९	६।०८	१२।०८	६।१२	१२।१५	६।२१	१२।१४	५।५१	१२।१९	६।१२	१२।०७	६।१६	१२।१२	६।२९	१२।१६	५।४६	१२।२३	६।१५	१२।११	६।०७
१६। ९	१२।०८	५।३५	१२।०४	६।०२	१२।०९	५।३६	१२।१०	५।००	१२।०३	६।१५	१२।१०	५।०८	१२।१०	६।१०	१२।०४	६।१२	१२।०८	६।२३	१२।०८	५।५२	१२।१०	६।१५	१२।०४	६।१६	१२।०६	६।३०	१२।०९	५।४८	१२।१३	६।१८	१२।०६	६।०८
२१। ९	१२।०२	५।३६	१२।०१	६।०२	१२।०२	५।३८	१२।०२	५।०२	१२।००	६।१५	१२।०२	५।१०	१२।०२	६।१३	१२।०१	६।१२	१२।०२	६।२४	१२।०१	५।५३	१२।०२	६।१७	१२।०१	६।१६	१२।०१	६।३१	१२।०२	५।५०	१२।०३	६।२२	१२।०१	६।०८
२६। ९	११।५५	५।३८	११।५७	६।०२	११।५४	५।४०	११।५४	५।०४	११।५८	६।१४	११।५४	५।१३	११।५४	६।१५	११।५७	६।१२	११।५५	६।२६	११।५५	५।५५	११।५४	६।२०	११।५७	६।१६	११।५६	६।३२	११।५४	५।५२	११।५२	६।२५	११।५६	६।०९
१।१०	११।४८	५।४०	११।५४	६।०२	११।४७	५।४३	११।४६	५।०७	११।५६	६।१४	११।४६	५।१५	११।४५	६।१८	११।५४	६।१२	११।४८	६।२८	११।४९	५।५६	११।४५	६।२२	११।५४	६।१६	११।५१	६।३३	११।४७	५।५४	११।४२	६।२९	११।५१	६।१०

II संवत् २०७७ (सन् २०२०-२१) में विभिन्न नगरों का दिनमान और सूर्योदय (स्टै.घं.मि.) ता. ६।१०।२०२० से ५ दिन के अंतर से II सूर्यास्त = दिनमान में सूर्योदय जोड़ने से

शहर	अजमेर		अहमदाबा.		अमृतसर		आकोला		इंदौर		उज्जैन		कटक		कोलकाता		काठमाण्डु		कानपुर		कोटा		गंगानगर		गौहाटी		जयपुर		जींद(हरि)		जौधपुर	
तारीख	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ
६।१०	११।३९	६।३०	११।४२	६।३७	११।३४	६।३२	११।४४	६।१८	११।४२	६।२३	११।४२	६।२४	११।४४	५।४२	११।४२	५।३३	११।३९	५।४८	११।३९	६।०७	११।४०	६।२५	११।३५	६।३५	११।३९	५।२१	११।३८	६।२५	११।३६	६।२४	११।३९	६।३८
११।१०	११।३१	६।३२	११।३५	६।३९	११।२४	६।३५	११।३८	६।१९	११।३६	६।२५	११।३५	६।२६	११।३८	५।४४	११।३६	५।३५	११।३१	५।५०	११।३१	६।१०	११।३३	६।२७	११।२७	६।३८	११।३२	५।२४	११।३१	६।२८	११।२७	६।२७	११।३२	६।४१
१६।१०	११।२४	६।३५	११।२९	६।४१	११।१५	६।३९	११।३२	६।२१	११।२९	६।२७	११।२९	६।२८	११।३३	५।४५	११।३०	५।३७	११।२३	५।५३	११।२४	६।१२	११।२६	६।२९	११।१८	६।४१	११।२४	५।२६	११।२३	६।३१	११।१९	६।३०	११।२४	६।४३
२१।१०	११।१६	६।३७	११।२२	६।४३	११।०६	६।४२	११।२७	६।२३	११।२३	६।२९	११।२२	६।३०	११।२७	५।४७	११।२४	५।३९	११।१६	५।५६	११।१६	६।१५	११।१९	६।३२	११।०९	६।४४	११।१७	५।२९	११।१५	६।३३	११।११	६।३३	११।१७	६।४६
२६।१०	११।०९	६।४०	११।१६	६।४६	१०।५७	६।४६	११।२१	६।२५	११।१७	६।३२	११।१६	६।३३	११।२२	५।४९	११।१८	५।४१	११।०९	५।५९	११।०९	६।१८	११।१२	६।३४	११।०१	६।४८	११।१०	५।३२	११।०८	६।३६	११।०३	६।३७	११।१०	६।४९
३१।१०	११।०२	६।४३	११।१०	६।४८	१०।४८	६।५०	११।१६	६।२७	११।११	६।३४	११।१०	६।३५	११।१७	५।५१	११।१२	५।४४	११।०२	६।०२	११।०२	६।२१	११।०५	६।३७	१०।५३	६।५२	११।०३	५।३५	११।०१	६।४०	१०।५५	६।४०	११।०३	६।५२
५।११	१०।५६	६।४७	११।०४	६।५१	१०।४०	६।५४	११।११	६।२९	११।०६	६।३७	११।०५	६।३८	११।१२	५।५४	११।०६	५।४६	१०।५५	६।०५	१०।५६	६।२४	१०।५९	६।४०	१०।४५	६।५५	१०।५६	५।३८	१०।५४	६।४३	१०।४७	६।४४	१०।५६	६।५५
१०।११	१०।४९	६।५०	१०।५९	६।५४	१०।३२	६।५८	११।०६	६।३२	११।०१	६।४०	१०।५९	६।४१	११।०७	५।५७	११।०१	५।४९	१०।४९	६।०९	१०।४९	६।२८	१०।५३	६।४४	१०।३८	६।५९	१०।५०	५।४२	१०।४८	६।४७	१०।४०	६।४८	१०।५०	६।५९
१५।११	१०।४३	६।५४	१०।५४	६।५८	१०।२५	७।०३	११।०२	६।३५	१०।५६	६।४३	१०।५४	६।४४	११।०३	६।००	१०।५६	५।५३	१०।४३	६।१२	१०।४३	६।३२	१०।४८	६।४७	१०।३१	७।०४	१०।४४	५।४५	१०।४२	६।५०	१०।३३	६।५२	१०।४४	७।०२
२०।११	१०।३८	६।५८	१०।४९	७।०१	१०।१८	७।०७	१०।५८	६।३८	१०।५१	६।४६	१०।५०	६।४८	१०।५९	६।०३	१०।५२	५।५६	१०।३७	६।१६	१०।३८	६।३५	१०।४३	६।५१	१०।२५	७।०८	१०।३९	५।४९	१०।३६	६।५४	१०।२७	६।५६	१०।३९	७।०६
२५।११	१०।३३	७।०१	१०।४५	७।०४	१०।१२	७।११	१०।५४	६।४१	१०।४७	६।५०	१०।४६	६।५१	१०।५५	६।०६	१०।४८	५।५९	१०।३२	६।२०	१०।३३	६।३९	१०।३८	६।५४	१०।१९	७।१२	१०।३४	५।५३	१०।३२	६।५८	१०।२२	७।००	१०।३४	७।१०
३०।११	१०।२९	७।०५	१०।४२	७।०८	१०।०७	७।१६	१०।५१	६।४५	१०।४४	६।५३	१०।४२	६।५५	१०।५२	६।०९	१०।४४	६।०३	१०।२८	६।२४	१०।२९	६।४३	१०।३४	६।५८	१०।१५	७।१६	१०।३०	५।५६	१०।२७	७।०२	१०।१७	७।०४	१०।३०	७।१३
५।१२	१०।२६	७।०९	१०।३९	७।११	१०।०३	७।२०	१०।४९	६।४८	१०।४१	६।५७	१०।३९	६।५८	१०।५०	६।१२	१०।४२	६।०६	१०।२५	६।२७	१०।२६	६।४६	१०।३१	७।०२	१०।११	७।२०	१०।२७	६।००	१०।२४	७।०५	१०।१४	७।०८	१०।२७	७।१७
१०।१२	१०।२४	७।१२	१०।३७	७।१५	१०।००	७।२४	१०।४७	६।५१	१०।३९	७।००	१०।३७	७।०१	१०।४८	६।१५	१०।४०	६।०९	१०।२२	६।३१	१०।२३	६।५०	१०।२९	७।०५	१०।०८	७।२४	१०।२५	६।०३	१०।२२	७।०९	१०।११	७।१२	१०।२५	७।२०
१५।१२	१०।२२	७।१५	१०।३५	७।१८	९।५८	७।२७	१०।४६	६।५४	१०।३८	७।०३	१०।३६	७।०४	१०।४७	६।१८	१०।३८	६।१२	१०।२१	६।३४	१०।२२	६।५३	१०।२७	७।०८	१०।०६	७।२७	१०।२३	६।०६	१०।२०	७।१२	१०।०९	७।१५	१०।२३	७।२४
२०।१२	१०।२१	७।१८	१०।३५	७।२०	९।५७	७।३०	१०।४५	६।५७	१०।३७	७।०६	१०।३५	७।०७	१०।४६	६।२१	१०।३८	६।१५	१०।२०	६।३७	१०।२१	६।५६	१०।२७	७।११	१०।०५	७।३०	१०।२२	६।०९	१०।१९	७।१५	१०।०८	७।१८	१०।२३	७।२६
२५।१२	१०।२२	७।२१	१०।३५	७।२३	९।५८	७।३२	१०।४६	६।५९	१०।३७	७।०८	१०।३६	७।१०	१०।४६	६।२३	१०।३८	६।१७	१०।२०	६।३९	१०।२१	६।५८	१०।२७	७।१३	१०।०५	७।३२	१०।२३	६।१२	१०।१९	७।१७	१०।०९	७।२०	१०।२३	७।२९
३०।१२	१०।२३	७।२२	१०।३६	७।२५	९।५९	७।३४	१०।४६	७।०१	१०।३८	७।१०	१०।३७	७।११	१०।४७	६।२५	१०।३९	६।१९	१०।२२	६।४१	१०।२३	७।००	१०।२८	७।१५	१०।०७	७।३४	१०।२४	६।१४	१०।२१	७।१९	१०।१०	७।२२	१०।२४	७।३१
४। १	१०।२५	७।२४	१०।३८	७।२६	१०।०२	७।३५	१०।४८	७।०३	१०।४०	७।१२	१०।३८	७।१३	१०।४९	६।२७	१०।४१	६।२१	१०।२४	६।४२	१०।२५	७।०१	१०।३०	७।१७	१०।०९	७।३५	१०।२६	६।१५	१०।२३	७।२०	१०।१२	७।२३	१०।२६	७।३२
९। १	१०।२८	७।२५	१०।४०	७।२७	१०।०५	७।३५	१०।५०	७।०४	१०।४३	७।१२	१०।४१	७।१४	१०।५१	६।२८	१०।४३	६।२२	१०।२७	६।४३	१०।२८	७।०२	१०।३३	७।१७	१०।१३	७।३५	१०।२९	६।१६	१०।२६	७।२१	१०।१६	७।२४	१०।२९	७।३३
१४। १	१०।३२	७।२५	१०।४३	७।२७	१०।१०	७।३५	१०।५३	७।०४	१०।४६	७।१३	१०।४४	७।१४	१०।५४	६।२९	१०।४६	६।२२	१०।३१	६।४३	१०।३१	७।०२	१०।३७	७।१८	१०।१७	७।३५	१०।३३	६।१६	१०।३०	७।२१	१०।२०	७।२४	१०।३३	७।३३
१९। १	१०।३६	७।२४	१०।४७	७।२७	१०।१६	७।३४	१०।५६	७।०४	१०।४९	७।१३	१०।४८	७।१४	१०।५७	६।२९	१०।५०	६।२२	१०।३५	६।४२	१०।३६	७।०२	१०।४१	७।१७	१०।२२	७।३४	१०।३७	६।१५	१०।३४	७।२०	१०।२५	७।२३	१०।३७	७।३२
२४। १	१०।४१	७।२३	१०।५२	७।२६	१०।२२	७।३२	११।००	७।०४	१०।५४	७।१२	१०।५२	७।१३	११।०१	६।२८	१०।५४	६।२१	१०।४०	६।४१	१०।४१	७।००	१०।४६	७।१६	१०।२८	७।३३	१०।४२	६।१४	१०।४०	७।१९	१०।३१	७।२१	१०।४२	७।३१
२९। १	१०।४७	७।२१	१०।५७	७।२५	१०।२९	७।२९	११।०५	७।०३	१०।५८	७।११	१०।५७	७।१२	११।०५	६।२७	१०।५९	६।२०	१०।४६	६।३९	१०।४७	६।५९	१०।५१	७।१४	१०।३५	७।३०	१०।४८	६।१२	१०।४५	७।१७	१०।३७	७।१९	१०।४८	७।२९
३। २	१०।५३	७।१९	११।०२	७।२३	१०।३७	७।२६	११।०९	७।०१	११।०४	७।०९	११।०२	७।१०	११।१०	६।२५	११।०४	६।१८	१०।५२	६।३७	१०।५३	६।५६	१०।५७	७।१२	१०।४२	७।२८	१०।५४	६।१०	१०।५२	७।१५	१०।४४	७।१६	१०।५४	७।२७
८। २	११।००	७।१६	११।०८	७।२०	१०।४५	७।२३	११।१४	६।५९	११।०९	७।०६	११।०८	७।०७	११।१५	६।२३	११।१०	६।१६	१०।५९	६।३४	११।००	६।५३	११।०३	७।०९	१०।५०	७।२४	११।००	६।०७	१०।५८	७।१२	१०।५२	७।१३	११।००	७।२४
१३। २	११।०७	७।१२	११।१४	७।१७	१०।५४	७।१८	११।१९	६।५६	११।१५	७।०३	११।१४	७।०४	११।२०	६।२१	११।१५	६।१३	११।०६	६।३१	११।०६	६।५०	११।१०	७।०६	१०।५८	७।२०	११।०७	६।०४	११।०५	७।०८	११।००	७।०९	११।०७	७।२१
१८। २	११।१४	७।०८	११।२०	७।१४	११।०३	७।१४	११।२५	६।५३	११।२१	७।००	११।२०	७।०१	११।२५	६।१८	११।२१	६।१०	११।१३	६।२७	११।१४	६।४६	११।१६	७।०३	११।०६	७।१६	११।१४	६।००	११।१३	७।०४	११।०८	७।०५	११।१४	७।१७
२३। २	११।२१	७।०४	११।२६	७।१०	११।१२	७।०८	११।३०	६।५०	११।२७	६।५६	११।२७	६।५७	११।३१	६।१४	११।२७	६।०६	११।२१	६।२२	११।२१	६।४२	११।२३	६।५९	११।१५	७।११	११।२१	५।५६	११।२०	७।००	११।१६	७।००	११।२२	७।१३
२८। २	११।२९	७।००	११।३३	७।०६	११।२१	७।०३	११।३६	६।४६	११।३४	६।५२	११।३३	६।५३	११।३६	६।११	११।३४	६।०२	११।२८	६।१८	११।२९	६।३७	११।३०	६।५४	११।२४	७।०६	११।२९	५।५१	११।२८	६।५५	११।२५	६।५५	११।२९	७।०८
४। ३	११।३६	६।५५	११।३९	७।०२	११।३१	६।५७	११।४२	६।४२	११।४०	६।४८	११।४०	६।४९	११।४२	६।०७	११।४०	५।५८	११।३६	६।१३	११।३६	६।३२	११।३८	६।४९	११।३३	७।००	११।३७	५।४६	११।३६	६।५१	११।३३	६।५०	११।३७	७।०३
९। ३	११।४४	६।५०	११।४६	६।५७	११।४०	६।५१	११।४८	६।३८	११।४७	६।४४	११।४६	६।४४	११।४८	६।०३	११।४७	५।५३	११।४४	६।०८	११।४४	६।२७	११।४५	६।४५	११।४२	६।५४	११।४४	५।४१	११।४४	६।४५	११।४२	६।४४	११।४४	६।५८
१४। ३	११।५२	६।४४	११।५३	६।५३	११।५०	६।४५	११।५४	६।३४	११।५३	६।३९	११।५३	६।४०	११।५४	५।५९	११।५३	५।४९	११।५२	६।०२	११।५२	६।२२	११।५२	६।४०	११।५१	६।४८	११।५२	५।३६	११।५२	६।४०	११।५१	६।३८	११।५२	६।५३
१९। ३	१२।००	६।३९	१२।००	६।४८	१२।००	६।३९	१२।००	६।२९	१२।००	६।३४	१२।००	६।३५	१२।००	५।५४	१२।००	५।४४	१२।००	५।५७	१२।००	६।१७	१२।००	६।३४	१२।००	६।४३	१२।००	५।३१	१२।००	६।३५	१२।००	६।३२	१२।००	६।४८
२४। ३	१२।०७	६।३४	१२।०६	६।४३	१२।०९	६।३२	१२।०६	६।२५	१२।०६	६।३०	१२।०६	६।३०	१२।०६	५।५०	१२।०६	५।३९	१२।०८	५।५२	१२।०७	६।११	१२।०७	६।२९	१२।०९	६।३७	१२।०७	५।२५	१२।०८	६।२९	१२।०८	६।२६	१२।०७	६।४२
२९। ३	१२।१५	६।२८	१२।१३	६।३८	१२।१९	६।२६	१२।१२	६।२०	१२।१३	६।२५	१२।१३	६।२५	१२।११	५।४५	१२।१३	५।३४	१२।१५	५।४६	१२।१५	६।०६	१२।१४	६।२४	१२।१८	६।३१	१२।१५	५।२०	१२।१६	६।२४	१२।१७	६।२१	१२।१५	६।३७
३। ४	१२।२३	६।२३	१२।२०	६।३३	१२।२८	६।२०	१२।१७	६।१६	१२।१९	६।२०	१२।२०	६।२०	१२।१७	५।४१	१२।१९	५।३०	१२।२३	५।४१	१२।२३	६।०१	१२।२२	६।१९	१२।२७	६।२५	१२।२३	५।१५	१२।२३	६।१८	१२।२६	६।१५	१२।२३	६।३२
८। ४	१२।३०	६।१८	१२।२६	६।२९	१२।३८	६।१४	१२।२३	६।१२	१२।२६	६।१५	१२।२६	६।१६	१२।२३	५।३७	१२।२५	५।२५	१२।३१	५।३६	१२।३०	५।५५	१२।२९	६।१४	१२।३५	६।१९	१२।३०	५।१०	१२।३१	६।१३	१२।३४	६।०९	१२।३०	६।२७
१३। ४	१२।३८	६।१३	१२।३३	६।२४	१२।४७	६।०८	१२।२९	६।०८	१२।३२	६।११	१२।३३	६।११	१२।२८	५।३३	१२।३२	५।२१	१२।३८	५।३१	१२।३८	५।५०	१२।३६	६।०९	१२।४४	६।१३	१२।३७	५।०५	१२।३९	६।०८	१२।४३	६।०४	१२।३७	६।२२

॥ संवत् २०७७ (सन् २०२०-२१) में विभिन्न नगरों का दिनमान और सूर्योदय (स्टै.घं.मि.) ता. ६।१०।२०२० से ५ दिन के अंतर से ॥ सूर्यास्त = दिनमान में सूर्योदय जोड़ने से

शहर	झरिया		चिन्नई		दरभंगा		डिब्रुगढ		त्रिवेंद्रम		तेजपुर(आ.)		दिल्ली		बैंगलोर		बांसवाडा		बिलासपुर		भिवानी		मैसूर		मुम्बई		वाराणसी		श्रीनगर		हैदराबाद	
तारीख	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ	दि.मा.	सू.उ
६।१०	११।४१	५।४२	११।५०	६।०२	११।३९	५।४५	११।३८	५।०९	११।५४	६।१३	११।३९	५।१७	११।३७	६।२१	११।५०	६।१२	११।४१	६।३०	११।४३	५।५८	११।३७	६।२५	११।५१	६।१६	११।४५	६।३४	११।४०	५।५६	११।३१	६।३३	११।४७	६।११
११।१०	११।३५	५।४४	११।४७	६।०२	११।३२	५।४७	११।३०	५।१२	११।५१	६।१३	११।३१	५।२०	११।२८	६।२३	११।४७	६।१३	११।३५	६।३१	११।३७	५।५९	११।२८	६।२८	११।४७	६।१६	११।४०	६।३५	११।३३	५।५८	११।२१	६।३६	११।४२	६।१२
१६।१०	११।२८	५।४६	११।४३	६।०३	११।२४	५।५०	११।२२	५।१४	११।४९	६।१३	११।२३	५।२२	११।२०	६।२६	११।४३	६।१३	११।२८	६।३४	११।३०	६।०१	११।२०	६।३१	११।४४	६।१७	११।३५	६।३७	११।२५	६।०१	११।११	६।४०	११।३७	६।१३
२१।१०	११।२१	५।४८	११।४०	६।०४	११।१७	५।५३	११।१४	५।१७	११।४७	६।१३	११।१६	५।२५	११।१२	६।३०	११।४०	६।१४	११।२२	६।३६	११।२४	६।०३	११।१२	६।३४	११।४१	६।१७	११।३०	६।३८	११।१८	६।०३	११।०१	६।४४	११।३३	६।१४
२६।१०	११।१५	५।५१	११।३६	६।०५	११।१०	५।५५	११।०७	५।२०	११।४५	६।१४	११।०९	५।२८	११।०४	६।३३	११।३६	६।१५	११।१६	६।३८	११।१९	६।०६	११।०४	६।३७	११।३८	६।१८	११।२५	६।४०	११।१२	६।०६	१०।५१	६।४९	११।२८	६।१६
३१।१०	११।०९	५।५३	११।३३	६।०६	११।०३	५।५९	११।००	५।२४	११।४३	६।१४	११।०२	५।३१	१०।५७	६।३६	११।३३	६।१६	११।१०	६।४१	११।१३	६।०८	१०।५६	६।४१	११।३५	६।१९	११।२०	६।४२	११।०५	६।०९	१०।४१	६।५३	११।२४	६।१८
५।११	११।०३	५।५६	११।३०	६।०८	१०।५६	६।०२	१०।५३	५।२७	११।४१	६।१५	१०।५५	५।३४	१०।४९	६।४०	११।३०	६।१८	११।०४	६।४४	११।०८	६।११	१०।४९	६।४४	११।३२	६।२१	११।१६	६।४४	१०।५९	६।१२	१०।३२	६।५८	११।२०	६।२०
१०।११	१०।५८	५।५९	११।२७	६।०९	१०।५०	६।०५	१०।४६	५।३१	११।३९	६।१६	१०।४९	५।३८	१०।४२	६।४४	११।२७	६।२०	१०।५८	६।४७	११।०२	६।१४	१०।४२	६।४८	११।२९	६।२२	११।११	६।४७	१०।५३	६।१५	१०।२३	७।०२	११।१६	६।२२
१५।११	१०।५२	६।०३	११।२४	६।११	१०।४४	६।०९	१०।४०	५।३५	११।३७	६।१८	१०।४३	५।४२	१०।३६	६।४८	११।२५	६।२२	१०।५३	६।५०	१०।५८	६।१७	१०।३५	६।५२	११।२७	६।२४	११।०७	६।५०	१०।४७	६।१९	१०।१५	७।०७	११।१२	६।२४
२०।११	१०।४८	६।०६	११।२२	६।१४	१०।३९	६।१३	१०।३४	५।३८	११।३६	६।२०	१०।३८	५।४५	१०।३०	६।५२	११।२२	६।२४	१०।४९	६।५४	१०।५३	६।२०	१०।३०	६।५६	११।२४	६।२७	११।०४	६।५२	१०।४२	६।२२	१०।०८	७।१२	११।०९	६।२७
२५।११	१०।४४	६।१०	११।२०	६।१६	१०।३४	६।१६	१०।२९	५।४२	११।३४	६।२२	१०।३३	५।४९	१०।२५	६।५६	११।२०	६।२६	१०।४४	६।५७	१०।५०	६।२३	१०।२४	७।००	११।२२	६।२९	११।००	६।५५	१०।३८	६।२६	१०।०१	७।१७	११।०६	६।३०
३०।११	१०।४०	६।१३	११।१८	६।१९	१०।३०	६।२०	१०।२५	५।४६	११।३३	६।२४	१०।२९	५।५३	१०।२०	७।००	११।१८	६।२९	१०।४१	७।०१	१०।४६	६।२७	१०।२०	७।०४	११।२१	६।३२	१०।५८	६।५८	१०।३४	६।३०	९।५६	७।२१	११।०३	६।३३
५।१२	१०।३७	६।१६	११।१७	६।२२	१०।२७	६।२४	१०।२२	५।५०	११।३२	६।२७	१०।२५	५।५७	१०।१७	७।०३	११।१७	६।३२	१०।३८	७।०४	१०।४४	६।३०	१०।१६	७।०८	११।१९	६।३४	१०।५५	७।०२	१०।३१	६।३३	९।५१	७।२५	११।०१	६।३६
१०।१२	१०।३५	६।२०	११।१५	६।२४	१०।२५	६।२७	१०।१९	५।५३	११।३१	६।२९	१०।२३	६।००	१०।१४	७।०७	११।१६	६।३५	१०।३६	७।०७	१०।४२	६।३३	१०।१३	७।११	११।१८	६।३७	१०।५४	७।०५	१०।२८	६।३७	९।४८	७।२९	११।००	६।३९
१५।१२	१०।३३	६।२३	११।१५	६।२७	१०।२३	६।३०	१०।१७	५।५७	११।३१	६।३२	१०।२१	६।०३	१०।१२	७।१०	११।१५	६।३७	१०।३४	७।१०	१०।४०	६।३६	१०।१२	७।१५	११।१७	६।४०	१०।५३	७।०८	१०।२७	६।४०	९।४६	७।३३	१०।५९	६।४२
२०।१२	१०।३३	६।२६	११।१४	६।३०	१०।२३	६।३३	१०।१७	५।५९	११।३१	६।३४	१०।२१	६।०६	१०।११	७।१३	११।१५	६।४०	१०।३४	७।१३	१०।४०	६।३९	१०।११	७।१८	११।१७	६।४२	१०।५२	७।१०	१०।२६	६।४३	९।४५	७।३६	१०।५८	६।४४
२५।१२	१०।३३	६।२८	११।१४	६।३२	१०।२३	६।३५	१०।१७	६।०२	११।३१	६।३७	१०।२१	६।०८	१०।१२	७।१६	११।१५	६।४२	१०।३४	७।१६	१०।४०	६।४१	१०।११	७।२०	११।१७	६।४५	१०।५२	७।१३	१०।२६	६।४५	९।४५	७।३८	१०।५९	६।४७
३०।१२	१०।३४	६।३०	११।१५	६।३४	१०।२४	६।३७	१०।१८	६।०४	११।३१	६।३९	१०।२२	६।१०	१०।१३	७।१७	११।१५	६।४५	१०।३५	७।१७	१०।४१	६।४३	१०।१२	७।२२	११।१८	६।४७	१०।५३	७।१५	१०।२८	६।४७	९।४७	७।४०	१०।५९	६।४९
४। १	१०।३६	६।३१	११।१६	६।३६	१०।२६	६।३९	१०।२०	६।०५	११।३२	६।४१	१०।२४	६।१२	१०।१५	७।१९	११।१६	६।४६	१०।३७	७।१९	१०।४३	६।४५	१०।१५	७।२३	११।१९	६।४९	१०।५५	७।१६	१०।२९	६।४८	९।५०	७।४१	११।०१	६।५१
९। १	१०।३९	६।३२	११।१७	६।३८	१०।२९	६।३९	१०।२३	६।०६	११।३३	६।४३	१०।२७	६।१२	१०।१९	७।१९	११।१८	६।४८	१०।४०	७।२०	१०।४५	६।४६	१०।१८	७।२४	११।२०	६।५०	१०।५७	७।१८	१०।३२	६।४९	९।५४	७।४१	११।०२	६।५२
१४। १	१०।४२	६।३३	११।१९	६।३९	१०।३३	६।३९	१०।२७	६।०६	११।३४	६।४४	१०।३१	६।१२	१०।२३	७।१९	११।१९	६।४९	१०।४३	७।२०	१०।४८	६।४६	१०।२२	७।२३	११।२२	६।५२	१०।५९	७।१८	१०।३६	६।४९	९।५९	७।४०	११।०५	६।५३
१९। १	१०।४६	६।३२	११।२१	६।३९	१०।३७	६।३९	१०।३२	६।०५	११।३५	६।४५	१०।३५	६।१२	१०।२८	७।१८	११।२१	६।५०	१०।४७	७।२०	१०।५२	६।४६	१०।२७	७।२३	११।२३	६।५२	११।०२	७।१८	१०।४०	६।४९	१०।०५	७।३९	११।०८	६।५३
२४। १	१०।५०	६।३१	११।२३	६।४०	१०।४२	६।३८	१०।३७	६।०४	११।३७	६।४६	१०।४१	६।११	१०।३३	७।१७	११।२४	६।५०	१०।५१	७।१९	१०।५६	६।४५	१०।३३	७।२१	११।२६	६।५३	११।०६	७।१८	१०।४५	६।४८	१०।१२	७।३७	११।११	६।५३
२९। १	१०।५५	६।३०	११।२६	६।३९	१०।४८	६।३६	१०।४३	६।०२	११।३८	६।४६	१०।४६	६।०९	१०।४०	७।१५	११।२६	६।५०	१०।५६	७।१८	११।००	६।४४	१०।३९	७।१९	११।२८	६।५२	११।१०	७।१७	१०।५०	६।४६	१०।२०	७।३४	११।१४	६।५२
३। २	११।०१	६।२८	११।२९	६।३९	१०।५४	६।३४	१०।५०	५।५९	११।४०	६।४६	१०।५२	६।०६	१०।४६	७।१२	११।२९	६।४९	११।०२	७।१६	११।०५	६।४२	१०।४६	७।१६	११।३१	६।५२	११।१४	७।१६	१०।५६	६।४४	१०।२९	७।३०	११।१८	६।५१
८। २	११।०७	६।२५	११।३२	६।३७	११।००	६।३१	१०।५७	५।५६	११।४२	६।४५	१०।५९	६।०३	१०।५४	७।०९	११।३२	६।४८	११।०७	७।१३	११।११	६।४०	१०।५३	७।१३	११।३४	६।५१	११।१८	७।१४	११।०३	६।४१	१०।३८	७।२६	११।२२	६।४९
१३। २	११।१३	६।२२	११।३५	६।३६	११।०७	६।२७	११।०४	५।५२	११।४४	६।४४	११।०६	६।००	११।०१	७।०५	११।३५	६।४६	११।१३	७।१०	११।१६	६।३७	११।०१	७।०९	११।३७	६।४९	११।२३	७।११	११।०९	६।३८	१०।४७	७।२१	११।२६	६।४७
१८। २	११।१९	६।१९	११।३८	६।३४	११।१४	६।२४	११।१२	५।४८	११।४६	६।४३	११।१३	५।५६	११।०९	७।०१	११।३९	६।४४	११।२०	७।०७	११।२२	६।३४	११।०९	७।०५	११।४०	६।४७	११।२८	७।०९	११।१६	६।३४	१०।५७	७।१६	११।३१	६।४५
२३। २	११।२६	६।१५	११।४२	६।३२	११।२२	६।१९	११।१९	५।४४	११।४८	६।४१	११।२१	५।५२	११।१७	६।५६	११।४२	६।४२	११।२६	७।०३	११।२८	६।३०	११।१७	७।००	११।४३	६।४५	११।३३	७।०६	११।२३	६।३०	११।०७	७।१०	११।३६	६।४२
२८। २	११।३२	६।११	११।४५	६।२९	११।२९	६।१५	११।२७	५।३९	११।५१	६।३९	११।२८	५।४७	११।२६	६।५१	११।४५	६।३९	११।३३	६।५९	११।३४	६।२७	११।२५	६।५५	११।४६	६।४३	११।३८	७।०२	११।३०	६।२६	११।१७	७।०४	११।४०	६।३८
४। ३	११।३९	६।०७	११।४९	६।२६	११।३७	६।१०	११।३५	५।३४	११।५३	६।३७	११।३६	५।४२	११।३४	६।४६	११।४९	६।३७	११।३९	६।५४	११।४१	६।२२	११।३४	६।५०	११।५०	६।४०	११।४४	६।५८	११।३७	६।२१	११।२८	६।५८	११।४५	६।३५
९। ३	११।४६	६।०२	११।५३	६।२३	११।४४	६।०५	११।४३	५।२९	११।५५	६।३५	११।४४	५।३७	११।४३	६।४०	११।५३	६।३४	११।४६	६।५०	११।४७	६।१८	११।४२	६।४५	११।५३	६।३७	११।४९	६।५५	११।४५	६।१६	११।३८	६।५२	११।५०	६।३१
१४। ३	११।५३	५।५७	११।५६	६।२०	११।५२	६।००	११।५१	५।२४	११।५७	६।३२	११।५२	५।३२	११।५१	६।३५	११।५६	६।३१	११।५३	६।४५	११।५३	६।१४	११।५१	६।३९	११।५६	६।३४	११।५४	६।५१	११।५२	६।११	११।४९	६।४५	११।५५	६।२८
१९। ३	१२।००	५।५२	१२।००	६।१७	१२।००	५।५४	१२।००	५।१८	१२।००	६।३०	१२।००	५।२७	१२।००	६।२९	१२।००	६।२७	१२।००	६।४०	१२।००	६।०९	१२।००	६।३३	१२।००	६।३१	१२।००	६।४६	१२।००	६।०६	१२।००	६।३८	१२।००	६।२४
२४। ३	१२।०७	५।४७	१२।०३	६।१४	१२।०७	५।४९	१२।०८	५।१२	१२।०२	६।२७	१२।०७	५।२१	१२।०८	६।२३	१२।०३	६।२४	१२।०७	६।३५	१२।०६	६।०४	१२।०८	६।२७	१२।०३	६।२८	१२।०५	६।४२	१२।०७	६।०१	१२।१०	६।३२	१२।०५	६।२०
२९। ३	१२।१३	५।४२	१२।०७	६।१०	१२।१५	५।४४	१२।१६	५।०७	१२।०४	६।२४	१२।१५	५।१६	१२।१७	६।१८	१२।०७	६।२१	१२।१३	६।३०	१२।१२	६।००	१२।१७	६।२२	१२।०७	६।२४	१२।१०	६।३८	१२।१४	५।५५	१२।२१	६।२५	१२।०९	६।१६
३। ४	१२।२०	५।३७	१२।११	६।०७	१२।२३	५।३९	१२।२४	५।०१	१२।०७	६।२२	१२।२३	५।१०	१२।२५	६।१२	१२।११	६।१७	१२।२०	६।२६	१२।१९	५।५५	१२।२५	६।१६	१२।१०	६।२१	१२।१६	६।३४	१२।२२	५।५०	१२।३१	६।१८	१२।१४	६।१२
८। ४	१२।२७	५।३३	१२।१४	६।०४	१२।३०	५।३३	१२।३२	४।५६	१२।०९	६।१९	१२।३१	५।०५	१२।३३	६।०६	१२।१४	६।१४	१२।२७	६।२१	१२।२५	५।५०	१२।३४	६।१०	१२।१३	६।१८	१२।२१	६।३०	१२।२९	५।४५	१२।४२	६।११	१२।१९	६।०८
१३। ४	१२।३३	५।२८	१२।१८	६।०१	१२।३७	५।२८	१२।४०	४।५१	१२।११	६।१७	१२।३८	५।००	१२।४२	६।०१	१२।१७	६।११	१२।३३	६।१६	१२।३१	५।४६	१२।४२	६।०५	१२।१७	६।१५	१२।२६	६।२६	१२।३६	५।४०	१२।५२	६।०५	१२।२४	६।०५

॥ सन् २०२०-२१, संवत् २०७७ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
१	....	+ ४।३९	+१५।१०	+२२।०६	+२३।०५	+१७।५६	+ ८।१०	- ३।१८	-१४।३१	-२१।५०	-२३।००	-१७।०५	- ७।३४	+ ४।३४
२	....	+ ५।०२	+१५।२८	+२२।१३	+२३।०१	+१७।४१	+ ७।४९	- ३।४१	-१४।५०	-२२।००	-२२।५५	-१६।४८	- ७।११	+ ४।५७
३	....	+ ५।२५	+१५।४६	+२२।२१	+२२।५६	+१७।२५	+ ७।२७	- ४।०४	-१५।०९	-२२।०८	-२२।४९	-१६।३०	- ६।४८	+ ५।२०
४	....	+ ५।४८	+१६।०३	+२२।२८	+२२।५१	+१७।१०	+ ७।०५	- ४।२७	-१५।२७	-२२।१६	-२२।४३	-१६।१३	- ६।२५	+ ५।४३
५	....	+ ६।११	+१६।२०	+२२।३५	+२२।४५	+१६।५३	+ ६।४२	- ४।५०	-१५।४६	-२२।२४	-२२।३६	-१५।५४	- ६।०२	+ ६।०६
६	....	+ ६।३४	+१६।३७	+२२।४१	+२२।३९	+१६।३७	+ ६।२०	- ५।१३	-१६।०४	-२२।३१	-२२।२९	-१५।३६	- ५।३९	+ ६।२८
७	....	+ ६।५६	+१६।५४	+२२।४७	+२२।३३	+१६।२०	+ ५।५८	- ५।३६	-१६।२१	-२२।३८	-२२।२२	-१५।१७	- ५।१५	+ ६।५१
८	....	+ ७।१९	+१७।१०	+२२।५२	+२२।२६	+१६।०३	+ ५।३५	- ५।५९	-१६।३९	-२२।४५	-२२।१४	-१४।५९	- ४।५२	+ ७।१३
९	....	+ ७।४१	+१७।२६	+२२।५७	+२२।१९	+१५।४६	+ ५।१२	- ६।२२	-१६।५६	-२२।५०	-२२।०६	-१४।३९	- ४।२९	+ ७।३६
१०	....	+ ८।०३	+१७।४२	+२३।०२	+२२।१२	+१५।२९	+ ४।५०	- ६।४५	-१७।१३	-२२।५६	-२१।५७	-१४।२०	- ४।०५	+ ७।५८
११	....	+ ८।२५	+१७।५७	+२३।०६	+२२।०४	+१५।११	+ ४।२७	- ७।०७	-१७।३०	-२३।०१	-२१।४८	-१४।००	- ३।४२	+ ८।२०
१२	....	+ ८।४७	+१८।१३	+२३।१०	+२१।५६	+१४।५३	+ ४।०४	- ७।३०	-१७।४६	-२३।०६	-२१।३८	-१३।४१	- ३।१८	+ ८।४२
१३	....	+ ९।०९	+१८।२७	+२३।१४	+२१।४७	+१४।३५	+ ३।४१	- ७।५२	-१८।०२	-२३।१०	-२१।२८	-१३।२०	- २।५४	....
१४	....	+ ९।३१	+१८।४२	+२३।१७	+२१।३८	+१४।१६	+ ३।१८	- ८।१५	-१८।१८	-२३।१३	-२१।१८	-१३।००	- २।३१	....
१५	....	+ ९।५२	+१८।५६	+२३।१९	+२१।२८	+१३।५७	+ २।५५	- ८।३७	-१८।३३	-२३।१७	-२१।०७	-१२।४०	- २।०७	....
१६	....	+१०।१४	+१९।१०	+२३।२१	+२१।१९	+१३।३९	+ २।३२	- ८।५९	-१८।४८	-२३।१९	-२०।५६	-१२।१९	- १।४३	....
१७	....	+१०।३५	+१९।२४	+२३।२३	+२१।०९	+१३।१९	+ २।०९	- ९।२१	-१९।०३	-२३।२२	-२०।४४	-११।५८	- १।२०	....
१८	....	+१०।५६	+१९।३७	+२३।२५	+२०।५८	+१३।००	+ १।४६	- ९।४३	-१९।१७	-२३।२४	-२०।३२	-११।३७	- ०।५६	....
१९	....	+११।१७	+१९।५०	+२३।२६	+२०।४७	+१२।४१	+ १।२२	-१०।०५	-१९।३१	-२३।२५	-२०।१९	-११।१६	- ०।३२	....
२०	....	+११।३७	+२०।०२	+२३।२६	+२०।३६	+१२।२१	+ ०।५९	-१०।२६	-१९।४५	-२३।२६	-२०।०७	-१०।५४	- ०।०८	....
२१	....	+११।५८	+२०।१५	+२३।२६	+२०।२५	+१२।०१	+ ०।३६	-१०।४८	-१९।५८	-२३।२६	-१९।५३	-१०।३२	+ ०।१५	....
२२	....	+१२।१८	+२०।२७	+२३।२६	+२०।१३	+११।४१	+ ०।१२	-११।०९	-२०।११	-२३।२६	-१९।४०	-१०।११	+ ०।३९	....
२३	....	+१२।३८	+२०।३८	+२३।२५	+२०।०१	+११।२१	- ०।११	-११।३०	-२०।२४	-२३।२६	-१९।२६	- ९।४९	+ १।०३	....
२४	....	+१२।५८	+२०।४९	+२३।२४	+१९।४८	+११।००	- ०।३४	-११।५१	-२०।३६	-२३।२५	-१९।१२	- ९।२७	+ १।२६	....
२५	+ १।५६	+१३।१७	+२१।००	+२३।२३	+१९।३५	+१०।३९	- ०।५८	-१२।११	-२०।४८	-२३।२३	-१८।५७	- ९।०४	+ १।५०	....
२६	+ २।१९	+१३।३७	+२१।११	+२३।२१	+१९।२२	+१०।१९	- १।२१	-१२।३२	-२०।५९	-२३।२१	-१८।४२	- ८।४२	+ २।१३	....
२७	+ २।४३	+१३।५६	+२१।२१	+२३।१९	+१९।०९	+ ९।५८	- १।४४	-१२।५२	-२१।१०	-२३।१९	-१८।२७	- ८।१९	+ २।३७	....
२८	+ ३।०६	+१४।१५	+२१।३०	+२३।१६	+१८।५५	+ ९।३७	- २।०८	-१३।१२	-२१।२१	-२३।१६	-१८।११	- ७।५७	+ ३।००	....
२९	+ ३।३०	+१४।३३	+२१।४०	+२३।१३	+१८।४१	+ ९।१५	- २।३१	-१३।३२	-२१।३१	-२३।१३	-१७।५५	....	+ ३।२४	....
३०	+ ३।५३	+१४।५२	+२१।४९	+२३।०९	+१८।२६	+ ८।५४	- २।५४	-१३।५२	-२१।४१	-२३।०९	-१७।३९	....	+ ३।४७	....
३१	+ ४।१६	....	+२१।५७	....	+१८।११	+ ८।३२	....	-१४।१२	....	-२३।०५	-१७।२२	....	+ ४।१०	....

उत्तर (धन)   दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में) संवत् २०७७, (सन २०२०-२१)

महापात स्पर्शः			महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	६ अप्रै.	१६।२०	६ अप्रै.	२०।२७
वैधृति	१८ अप्रै.	२३।०१	१८ अप्रै.	२८।३३
व्यती.	२ मई	९।१६	२ मई	१४।४३
वैधृति	१४ मई	६।४१	१४ मई	१३।५०
व्यती.	२७ मई	२१।४७	२८ मई	७।१७
वैधृति	८ जून	२०।४९	९ जून	१०।३७
व्यती.	२० जून	२५।१४	२१ जून	२०।०५
वैधृति	३ जुला.	१८।१९	४ जुला.	७।२०
व्यती.	१७ जुला.	९।०१	१७ जुला.	१८।२४
वैधृति	२९ जुला.	१४।५१	२९ जुला.	२१।११
व्यती.	११ अग.	२१।४८	११ अग.	२७।५६
वैधृति	२३ अग.	२८।३५	२४ अग.	९।०१
व्यती.	५ सितं.	२९।०४	६ सितं.	१०।०६
वैधृति	१८ सितं.	२१।५७	१८ सितं.	२५।४८
व्यती.	१ अक्टू.	११।३६	१ अक्टू.	१६।२५
वैधृति	१४ अक्टू.	१८।२४	१४ अक्टू.	२२।३६
व्यती.	२६ अक्टू.	१८।२४	२६ अक्टू.	२३।४३
वैधृति	९ नवं.	११।२५	९ नवं.	१७।११
व्यती.	२० नवं.	२८।५५	२१ नवं.	११।५०
वैधृति	४ दिसं.	२५।४८	५ दिसं.	११।५०
व्यती.	१६ दिसं.	३०।४५	१७ दिसं.	१८।०९
वैधृति	२८ दिसं.	१६।३९	२८ दिसं.	२९।२२
व्यती.	१० जन.	११।४६	१० जन.	१९।४८
वैधृति	२३ जन.	१५।२९	२३ जन.	२२।४८
व्यती.	४ फर.	२९।३२	५ फर.	१०।३६
वैधृति	१७ फर.	२४।४५	१७ फर.	३०।०४
व्यती.	२ मार्च	१९।२६	२ मार्च	२३।२७
वैधृति	१५ मार्च	८।४३	१५ मार्च	१३।१८
व्यती.	२८ मार्च	१४।०१	२८ मार्च	१७।५३
वैधृति	९ अप्रै.	१७।४४	९ अप्रै.	२२।२४

॥ मास तारीख का वेलान्तर मिनट-सेकण्ड ॥ रेल्वे प्रात: ६।२७ वजे, ई.सन् २०२०

ता.	जनवरी मि.से.	फरवरी मि.से.	मार्च मि.से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि.से.	अगस्त मि.से.	सितंबर मि.से.	अक्टूबर मि.से.	नवंबर मि.से.	दिसंबर मि.से.
१	+ ३।०५	+१३।२६	+१२।२०	+ ३।५२	- २।५४	- २।०९	+ ३।५२	+ ६।१९	- ०।०३	-१०।२४	-१६।२८	-११।०१
२	+ ३।३४	+१३।३४	+१२।०८	+ ३।३५	- ३।००	- २।००	+ ४।०४	+ ६।१५	- ०।२२	-१०।४३	-१६।२९	-१०।३८
३	+ ४।०२	+१३।४१	+११।५५	+ ३।१७	- ३।०७	- १।५०	+ ४।१५	+ ६।१०	- ०।४१	-११।०२	-१६।२९	-१०।१४
४	+ ४।३०	+१३।४८	+११।४२	+ ३।००	- ३।१२	- १।४०	+ ४।२६	+ ६।०५	- १।०१	-११।२०	-१६।२९	- ९।५०
५	+ ४।५७	+१३।५४	+११।२९	+ २।४२	- ३।१८	- १।२९	+ ४।३६	+ ५।५९	- १।२१	-११।३८	-१६।२७	- ९।२६
६	+ ५।२४	+१३।५९	+११।१५	+ २।२५	- ३।२२	- १।१८	+ ४।४६	+ ५।५२	- १।४१	-११।५६	-१६।२५	- ९।०१
७	+ ५।५०	+१४।०३	+११।०१	+ २।०८	- ३।२६	- १।०७	+ ४।५६	+ ५।४५	- २।०२	-१२।१४	-१६।२२	- ८।३५
८	+ ६।१६	+१४।०७	+१०।४६	+ १।५२	- ३।३०	- ०।५६	+ ५।०५	+ ५।३७	- २।२२	-१२।३१	-१६।१८	- ८।०९
९	+ ६।४२	+१४।०९	+१०।३१	+ १।३५	- ३।३३	- ०।४४	+ ५।१४	+ ५।२९	- २।४३	-१२।४७	-१६।१३	- ७।४२
१०	+ ७।०७	+१४।११	+१०।१६	+ १।१९	- ३।३५	- ०।३२	+ ५।२३	+ ५।२०	- ३।०४	-१३।०३	-१६।०८	- ७।१५
११	+ ७।३१	+१४।१२	+१०।०१	+ १।०३	- ३।३७	- ०।२०	+ ५।३१	+ ५।११	- ३।२५	-१३।१९	-१६।०१	- ६।४७
१२	+ ७।५५	+१४।१३	+ ९।४५	+ ०।४८	- ३।३८	- ०।०८	+ ५।३९	+ ५।०१	- ३।४६	-१३।३४	-१५।५४	- ६।२०
१३	+ ८।१८	+१४।१२	+ ९।२८	+ ०।३२	- ३।३९	+ ०।०४	+ ५।४६	+ ४।५०	- ४।०८	-१३।४९	-१५।४६	- ५।५१
१४	+ ८।४१	+१४।११	+ ९।१२	+ ०।१७	- ३।३९	+ ०।१७	+ ५।५२	+ ४।३९	- ४।२९	-१४।०३	-१५।३७	- ५।२३
१५	+ ९।०३	+१४।०९	+ ८।५५	+ ०।०३	- ३।३८	+ ०।३०	+ ५।५९	+ ४।२७	- ४।५१	-१४।१६	-१५।२७	- ४।५४
१६	+ ९।२५	+१४।०६	+ ८।३८	- ०।११	- ३।३७	+ ०।४३	+ ६।०४	+ ४।१५	- ५।१२	-१४।२९	-१५।१६	- ४।२५
१७	+ ९।४५	+१४।०३	+ ८।२१	- ०।२५	- ३।३६	+ ०।५६	+ ६।१०	+ ४।०२	- ५।३३	-१४।४२	-१५।०५	- ३।५६
१८	+१०।०५	+१३।५९	+ ८।०४	- ०।३९	- ३।३३	+ १।०९	+ ६।१४	+ ३।४९	- ५।५५	-१४।५४	-१४।५३	- ३।२६
१९	+१०।२५	+१३।५४	+ ७।४६	- ०।५२	- ३।३१	+ १।२२	+ ६।१८	+ ३।३५	- ६।१६	-१५।०५	-१४।३९	- २।५७
२०	+१०।४३	+१३।४९	+ ७।२९	- १।०५	- ३।२७	+ १।३५	+ ६।२२	+ ३।२१	- ६।३८	-१५।१५	-१४।२५	- २।२७
२१	+११।०१	+१३।४२	+ ७।११	- १।१७	- ३।२४	+ १।४८	+ ६।२५	+ ३।०६	- ६।५९	-१५।२५	-१४।११	- १।५७
२२	+११।१८	+१३।३६	+ ६।५३	- १।२९	- ३।१९	+ २।०१	+ ६।२७	+ २।५१	- ७।२०	-१५।३५	-१३।५५	- १।२७
२३	+११।३४	+१३।२८	+ ६।३५	- १।४०	- ३।१४	+ २।१४	+ ६।२९	+ २।३६	- ७।४१	-१५।४३	-१३।३९	- ०।५७
२४	+११।५०	+१३।२०	+ ६।१७	- १।५१	- ३।०९	+ २।२७	+ ६।३०	+ २।२०	- ८।०२	-१५।५१	-१३।२१	- ०।२७
२५	+१२।०५	+१३।११	+ ५।५९	- २।०१	- ३।०३	+ २।३९	+ ६।३१	+ २।०३	- ८।२३	-१५।५८	-१३।०३	+ ०।०२
२६	+१२।१९	+१३।०२	+ ५।४१	- २।११	- २।५७	+ २।५२	+ ६।३१	+ १।४६	- ८।४४	-१६।०५	-१२।४५	+ ०।३२
२७	+१२।३२	+१२।५२	+ ५।२२	- २।२१	- २।५०	+ ३।०४	+ ६।३१	+ १।२९	- ९।०४	-१६।११	-१२।२५	+ १।०२
२८	+१२।४४	+१२।४२	+ ५।०४	- २।३०	- २।४३	+ ३।१७	+ ६।३०	+ १।११	- ९।२४	-१६।१६	-१२।०५	+ १।३१
२९	+१२।५६	+१२।३१	+ ४।४६	- २।३८	- २।३५	+ ३।२९	+ ६।२८	+ ०।५३	- ९।४४	-१६।२०	-११।४४	+ २।००
३०	+१३।०७	. . . .	+ ४।२८	- २।४६	- २।२७	+ ३।४१	+ ६।२६	+ ०।३५	-१०।०४	-१६।२३	-११।२३	+ २।२९
३१	+१३।१६	. . . .	+ ४।१०	. . . .	- २।१८	. . . .	+ ६।२३	+ ०।१६	. . . .	-१६।२६	. . . .	+ २।५८

+(धन) - (ऋण)

॥ राशिका उपरथकी शुभाशुभ ग्रह देखणा ॥

राशि	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
१	स्थान नाश	अन्न	शत्रु भय	वंधु लाभ	भय	शत्रु नाश	धन नाश	हानि	हानि
२	भय	वित्त लाभ	धन नाश	धन लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	धन हरण	वित्त नाश	वित्त नाश
३	श्री प्राप्ति	द्रव्य लाभ	मित्र लाभ	क्लेश कारक	सौरव्य	वित्त लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	द्रव्य लाभ
४	मान भंग	कुक्षि रोग	शत्रु भय	अर्थ लाभ	द्रव्य नाश	धन लाभ	शत्रु वृद्धि	वैर	वैर
५	दैन्य	कार्य नाश	धन क्षय	शत्रु वृद्धि	सौरव्य	पुत्र लाभ	अर्थ लाभ	शोक	शोक
६	रिपु नाश	वित्त लाभ	द्रव्य लाभ	स्थान प्रप्ति	शोक	शत्रु भय	अन्न लाभ	वित्त लाभ	वित्त लाभ
७	गमन	धनस्त्री लाभ	शोक	शरीर पीडा	राज मान	शोक	दोष संग्रह	कलि	कलि
८	पीडा	मृत्यु	शत्रु भय	धन लाभ	मृत्यु	अन्न लाभ	शरीर पीडा	प्राण नाश	प्राण नाश
९	कांति क्षय	राज भय	कार्य नाश	पीडा	सौरव्य	वस्त्र लाभ	धन लाभ	पाप	पाप
१०	कार्य सिद्धि	महा सौरव्य	शोक	सौरव्य	दैन्य	सौरव्य	दौर्म नस्य	वैर	वैर
११	वित्त लाभ	विविध लाभ	वस्त्र लाभ	अर्थ लाभ	द्रव्य लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	यश	यश
१२	रोग नाश	रोगधन नाश	रोगधन नाश	वित्त नाश	पीडा	द्रव्य लाभ	अनर्थ	हानि	हानि

॥ वर कन्या गुण मेलापक सारणी ॥

उर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि भानि पुंसां वामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम्, संपात कोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्व शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत् ।

वर→ / कन्या ↓ नक्षत्र	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पुन. ३	पुन. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	ह. ४	चि. २
मेष अ.४	२८ ३	३३ ०	२८॥	१८॥ ४	२१॥ -४	२२॥ -४	२६	१७ ३	१९ ३	२३॥ ३	३१॥	२८	२१ +५	२५ +५	१४॥ ३५	१० ३६	९ २३६	१३ ६
भ.४	३४	२८ ३	२९ ०१	१९ ०१४	२२॥ -४	१४॥ ३४	१८ ३	२६	२७	३१॥	२३॥ ३	२५॥ १	२० -१५	१८ ३५	२६ ५	२१॥ ६	२० ६	४ १३६
कृ.१	२७॥	२९ १	२८ ३	१८ ३४	१० ०१३४	१६॥ ४	२०	२० १	२१	२५॥	२६॥	२३॥ ३	१६॥ ३५	२० १५	२० १५	१५॥ १६	१५॥ ६	१८ ६
वृष कृ.३	१८॥ ४	२० १४	१९ ३४	२८ ३	२० ०१३	२६॥	१७॥ +४	१७॥ १४	१८॥ +४	२२	२३	२० ३	१८॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १५	२१ +५	२३॥ +५
रो.४	२३॥ -४	२३॥ ४	११ १३४	२० १३	२८ ३	३६ ०	२७ ०४	२३॥ +४	२२॥ +४	२६	२७	१२ १३	१०॥ १३	२४॥	२७	२६ +५	२६ +५	२० -१५
मृ.२	२३॥ -४	१४॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३५	२८ ३	१९ ३४	२४ ०४	२२॥ +४	२६	१९ ३	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३॥ +५	२६ +५	१३ ३५
मिथुन मृ.२	२७	१८ ३	२२	१९॥ +४	२७ +४	२० ३४	२८ ३	३३ ०	३१॥	११ -४	१२ ३४	१४ ४	२३॥	१९॥ ३	२८॥	३१॥	३४	२१ ३
आ.४	१९ ३	२७	२१ १	१८॥ +१४	२४॥ +४	२६ +४	३४	२८ ३	२५ ०३	१२॥ ०३४	२० -४	१३ १४	२२॥ १	२८॥	२१॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२८ १
पुन.३	२० ३	२७	२३	२०॥ +४	२२॥ +४	२३॥ +४	३१॥	२४ ३	२८ ३	१५॥ -३४	२२॥ ०४	१७ -४	२२॥ +२	२६॥ +२	२१॥ ३	२४॥ ३	२५॥ ३	२७॥
कर्क पुन.१	२२॥ ३	२९॥	२५॥	२२	२४	२५	१८ ४	१०॥ ३४	१४॥ ३४	२८ ३	३५ ०	२९॥	१६॥ २४	२०॥ २४	१५॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१
पु.४	३०॥	२९॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	१८ ४	२९॥ ४	३५	२८ ३	३० ०	१९॥ +४	१५॥ ३४	२३॥ +४	२६	२७	१२ ३
श्ले.४	२६	२४॥ १	२२॥ ३	११ ३	११ १३	१९	१२ ४	१२ १४	१५ ४	२८॥	२९	२८ ३	१५ १२३४	१५॥ १२४	१८॥ १४	२१ १	२१	२६
सिंह म.४	२० +५	२० १५	१६॥ ३५	१७॥ ३	९॥ १३	१७॥	२१॥	२१॥ १	२०॥ -२	१६॥ +२४	१९॥ +४	१६ २३४	२८ ३	३० ०१	२७॥ १	१६॥ १४	१६॥ +४	२१॥ ४
पू.४	२६ +५	१८ ३५	२० -१५	२१ १	२३॥	१५॥ ३	१९॥ ३	२७॥	२६॥ २	२२॥ +२४	१७॥ ३४	१६॥ १२४	३० -१	२८ ३	३५ ०	२४ ०४	२२॥ +४	७॥ १३४
उ.१	१५॥ ३५	२६ +५	२० -१५	२१ १	२६	२४॥	२८॥	२०॥ ३	२१॥ ३	१७॥ ३४	२५॥ +४	१९॥ -१४	२७॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०३४	१३॥ १२४
कन्या उ.३	१२ ३६	२२॥ ६	१६॥ १६	२१ +१५	२६ +५	२४॥ +५	३१॥	२३॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२२ १	१७॥ १४	२५ +४	१८ ३४	२८ ३	२७ ०३	२४॥ १२
ह.४	१० २३६	२० ६	१७॥ ६	२२ +५	२५ +५	२६ +५	३३	२२॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२३	१८॥ +४	२२॥ +४	१६ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०
चि.२	१३ ६	५ १३६	१९ ६	२३॥ +५	२० १५	१२ ३५	१९ ३	२७ १	२५॥	२१	१२ ३	२७	२२॥ +४	८॥ १३४	१४॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३

वर→ / कन्या ↓ नक्षत्र	तुला			वृश्चिक			धनु				मकर				कुम्भ			मीन		
	चि. २	स्वा ४	वि. ३	वि. १	अनु ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू. ॥	पू. ३॥	उ. १	उ. ३	श्र. १॥	श्र. २॥	ध. २	ध. २	श. ४	पू. ३	पू. १	उ. ४	रे. ४
मेष अ.४	२२॥	२६॥ -२	२२॥	१८॥ -६	२५॥ -६	१४ ३६	१३ ३५	२५ ५	२६ +५	२४॥ +५	२६	२७	२६	२०	२०	१५ ३	१६ ३	१४॥ ३४	२३॥ +४	२६ +४
भ.४	१३॥ १३	२९॥	२१॥ -१	१७॥ -१६	१७॥ ३६	१९॥ -१६	२० -१५	१८ ३५	१९ ३५	२७ +५	२८॥	२७	२६	१० १२३	१० १२३	२० -१	२४ -२	२२॥ +२४	१७॥ ३४	२६॥ +४
कृ.१	२७॥	१५॥ ३	१९॥ ३	१५॥ ३६	१९॥ ६	२५॥ -६	२४॥ +५	१८ १२५	१९ १२५	१२ १३५	१३॥ १३	१२॥ २३	११॥ २३	२५	२५	२७	१९ १	१७॥ १४	१९॥ १४	११॥ ३४
वृष कृ.३	२२॥ -६	१०॥ ३६	१४॥ ३६	२०॥ ३	२४॥	३०॥	२० ६	१३॥ १२६	१४॥ १२६	७॥ १३६	१२ १३५	११ २३५	१० २३५	२३॥ +५	२९॥	३१॥	२३॥ १	२० १	२२ १	१४ ३
रो.४	१९ -१६	१५॥ ३६	९॥ १३६	१५॥ १३	२९॥	२३॥ १	१४ १६	१९ ६	२० ६	१२॥ २३६	१७ २३५	१८ ३५	१७ ३५	२० -१५	२६ -१	२४॥ -१	३०॥	२७	२७	१९ ३
मृ.२	१२ ३६	२५ -६	१८॥ -६	२४॥	२१॥ ३	२४॥	१५ ६	१० ३६	११ ३६	१८ २६	२२॥ +२५	२६ +५	२५ ५	१३ ३५	१९ ३	२७	२९॥	२६	१८ ३	२७
मिथुन मृ.२	१४ ३५	२७ +५	२०॥ +५	१५ ६	१२ ३६	१५ ६	२३	१८ ३	१७ ३	२४ +२	२०॥ -२६	२४ ६	२३॥ -६	११॥ ३६	१३ ३५	२१ +५	२३॥ +५	२५॥	१७॥ ३	२६॥
आ.४	२१ +१५	२७ +५	२१ +१५	१५॥ १६	१८ २६	४ १२३६	१६ १३	२८	२७	२७	२३॥ ६	२३॥ -६	२३ -६	१८॥ -१६	२० +१५	१२ १३५	१८ ३५	२० ३	२६॥	२६॥
पुन.३	२०॥ +५	२८ +५	२२ +५	१६॥ ६	२२॥ ६	८ ३६	१४ ३	२७	२६	२६	२२॥ ६	२३॥ -६	२३ -६	१८ -६	१९॥ +५	१४ ३५	१७ ३५	१९ ३	२८	२७॥
कर्क पुन.१	२०॥	२८	२२	२० +५	२६ +५	११॥ ३५	८ ३६	२१ ६	२९॥ -६	२९॥ -६	२५	२६	२७	२२	१३॥ ६	८ ३६	११ ३६	१७ ३५	२६ +५	२५॥ +५
पु.४	११॥ ३	२६॥	२१	१९ -५	१८ ३५	२१ -५	१७ ६	११ २३६	११॥ २३६	२०॥ ६	२४	२४ -२	२५ २	१३ ३	४॥ ३६	१४॥ ६	१८ ६	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
श्ले.४	२५॥	१२॥ ३	१७॥ ३	१५॥ ३५	२० [illegible]	२६ -५	२२॥ ६	१६ १६	१६॥ १६	८॥ १३६	१२ १३	१२ ३	१३ ३	२७	१८॥ ६	१९॥ ६	१२॥ १६	१८॥ १५	२९ १५	१३ ३५
सिंह म.४	२४॥	११॥ ३	१६॥ ३	२२॥ ३	२५॥	३३	२४ +५	१९ १५	१९ १५	८॥ १३५	२॥ १३६	३॥ ३६	४॥ ३६	१८॥ ६	२४॥	२५॥	१८॥ १	१८॥ -१६	१९॥ १६	१३ ३६
पू.४	१०॥ १३	२५॥	१८॥ १	२४॥ -१	२३॥ ३	२५॥ -१	१८ ±१५	१७ ३५	१७ ३५	२४ +५	१८ ६	१७॥ ६	१८॥ ६	४॥ १३६	१०॥ १३	१९॥ १	२४॥	२४॥ -६	१७॥ ३६	२५॥ -६
उ.१	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	३१॥	१७॥ १३	९॥ १३५	२५ ५	२५ +५	२५ +५	१९ ६	१९ ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	१०॥ १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ -६	२५॥ -६
कन्या उ.३	१६॥ -१२४	२५॥ +४	१६॥ १२४	१९ १२	२८	१४ १३	१४ १३	२३॥	२८॥	२८॥	२५ +५	२५ +५	२४॥ +५	१६ +१५	१६॥ -१६	९॥ १३६	१४॥ ३६	१७॥ ३	२८॥	२७॥
ह.४	२० ०४	२६॥ +४	१८॥ +४	२१	२८	१५ ३	१५ ३	२७	२६	२७॥	२४ +५	२५ +५	२४॥ +५	१८॥ +५	१९ ६	८॥ २३६	१३॥ ३६	१६॥ ३	२६॥	२७॥
चि.२	२० ३४	१९ ०४	२६॥ +४	२९	१२ ३	२६	२८	१४ १३	१३ १३	२१ १	१७॥ १५	१९ +५	१८॥ +५	१७॥ ३५	१८ ३६	२४ -६	१८॥ १६	२१॥ १	१०॥ १२३	१९॥

यह मेलापक (वर्ण वश्य आदि) गुण की सारणी है, ऊपर की पंक्ति में वर के नक्षत्र है और तिरछी पंक्ति में बांयी तरफ कन्या के नक्षत्र लिखे हैं। ऊपरी भाग में गुण हैं और नीचे के भाग में दोषों के चिन्ह दिये हैं, जिनकी पहिचान के चिंन्ह इस प्रकार समझना चाहिये - नाड़ी दोष का चिन्ह (३)। गण महादोष (मनुष्य राक्षस) में (१)। भकूट महादोष (षडाष्टक) में (६)। नवपंचम में (५)। द्विर्द्वादश में (४)। वैरयोनि में (२)। जहाँ थोड़ा दोष है वहाँ (-)।

॥ वर कन्या गुण मेलापक सारणी ॥

उर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि भानि पुंसां वामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम्, संपात कोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत् ।

वर→		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
कन्या ↓ नक्षत्र		अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पुन ३	पुन. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	ह. ४	चि. २
↓	चि.२	२२॥	१४॥ १३	२८॥	२३॥ +६	२० १६	१२ ३६	१३ ३५	२१ १५	१९॥ +५	२०॥	११॥ ३	२६॥	२५॥	११॥ १३	१७॥ १२	१७॥ १२४	२० +४	२१ ३४
तुला	स्वा.४	२७॥ +२	२९॥	१७॥ ३	१२॥ ३६	१५॥ ३६	२६ -६	२७ +५	२६ +५	२८ +५	२९	२७॥	१४॥ ३	१३॥ ३	२५॥	२५॥	२५॥ +४	२७॥ +४	२१ +४
	वि.३	२२॥	२२॥ १	२०॥ ३	१५॥ ३६	१०॥ १३६	१८॥ -६	१९॥ +५	२१ १५	२१ +५	२२	२१	१८॥ ३	१७॥ ३	१९॥ १	१७॥ १२	१७॥ १२४	१८॥ +४	२७॥ +४
	वि.१	१६॥ +६	१६॥ १६	१४॥ ३६	१९॥ ३	१४॥ १३	२२॥	१३ ६	१४॥ १६	१४॥ ६	१९ -५	१८ -५	१५॥ ३५	२१॥ ३	२३॥ १	२१॥ १२	१८ १२	१९	२८
वृश्चि	अनु.४	२४॥ -६	१५॥ ३६	१९॥ -६	२४॥	२७॥	२०॥ ३	११ ३६	१६ २६	२१॥ ६	२६ -५	१८ ३५	२१ -५	२५॥	२१॥ ३	२९॥	२६	२७	१२ ३
	ज्ये.४	१२ ३६	१८॥ १६	२४॥ -६	२९॥	२२॥ १	२२॥	१३ ६	३ १२३६	६ ३६	१०॥ ३५	२० -५	२६ -५	३२	२४॥ १	१६॥ १३	१३ १३	१३ ३	२५
	मू.४	१२ ३५	२० १५	२४॥ +५	१९ ६	१३ १६	१३ ६	२१	१५ १३	१२ ३	८ ३६	१७ ६	२३॥ ६	२४ +५	१८ १५	९॥ १३५	१३ १३	१३ ३	२७
धनु	पू.॥	२६ ५	१८ ३५	१८ १२५	१२॥ १२६	१८ ६	१० ३६	१८ ३	२७	२७	२३ ६	१३ २३६	१७ १६	१९ १५	१७ ३५	२५ ५	२८॥	२७	१३ १३
	पू.३॥	२७ +५	१९ ३५	१९ +१२५	१३॥ १२६	१९ ६	११ ३६	१७ ३	२६	२६	२३॥ ६	१३॥ २३६	१७॥ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ +५	२७॥	२६	१२ १३
	उ.१	२५॥ +५	२७ +५	१२ १३५	६॥ १३६	११॥ २३६	१८ २६	२४ +२	२६	२६	२३॥ ६	२२॥ ६	९॥ १३६	८॥ १३५	२४ +५	२५ +५	२७॥	२७॥	२० १
	उ.३	२७	२८॥	१३॥ १३	११ १३५	१६ २३५	२२॥ +२५	२० +२६	२२ -६	२२ -६	२८	२७	१४ १३	४॥ १३६	२० ६	२१ ६	२४॥ +५	२४॥ ५	१७ १५
मकर	श्र.१॥	२८	२७	१४॥ २३	१२ २३५	१७ ३५	२६ ५	२३ ६	२१॥ ६	२२॥ ६	२७	२५ २	१४ ३	५॥ ३६	१७॥ ६	१९ ६	२४ ५	२५ ५	२० ५
	श्र.२॥	२७	२६	१३॥ २३	११ २३५	१६ ३५	२५ +५	२२॥ -६	२१ -६	२२ -६	२८	२६ +२	१५ ३	६॥ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३॥ +५	२४॥ +५	१९॥ ५
	ध.२	२०	११ १२३	२६	२३॥ +५	२० १५	१२ ३५	९॥ ३६	१७॥ १६	१६ -६	२२	१३ ३	२८	१९॥ ६	५॥ १३६	१२॥ १६	१६ १५	१७॥ +५	१७॥ ३५
	ध.२	२०	११ १२३	२६	३०॥	२७ १	१९ ३	१२ ३५	२० १५	१८॥ +५	१३॥ ६	४॥ ३६	१९॥ ६	२५॥	११॥ १३	१८॥ १	१७॥ १६	१९ +६	१९ ३६
कुम्भ	श.४	१५ ३	२१ १	२८	३२॥	२५॥ १	२७	२० +५	१२ १३५	१३ ३५	८ ३६	१४॥ ६	२०॥ ६	२६॥	२०॥ १	११॥ १३	१०॥ १३६	८॥ २३६	२५ ६
	पू.३	१८ ३	२५ +२	२० -१	२४॥ -१	३१॥	३१॥	२४॥ +५	१८ ३५	१८ ३५	१३ ३६	२० ६	१३॥ १६	१९॥ १	२५॥	१६॥ ३	१५॥ ३६	१५॥ +३६	१९॥ १६
	पू.१	१४॥ ३४	२९॥ +२४	१६॥ -१४	१९ १	२६	२६	२५॥	१९ ३	१९ ३	१८ ३५	२५ ५	१८॥ १५	१७॥ -१६	२३॥ +६	१४॥ ३६	१६॥ ३	१६॥ ३	२०॥ +१
मीन	उ.४	२३॥ +४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२१ १	२६	१८ ३	१७॥ ३	२५॥	२८	२७ ५	१९ ३५	२१ १५	१८॥ -१६	१६॥ ३६	२५॥ +६	२७॥	२६॥	९॥ १२३
	रे.४	२५ +४	२४॥ +४	११॥ ३४	१४ ३	१७ ३	२६	२५॥	२४॥	२६॥	२५॥ ५	२७ ५	१४ ३५	१३ ३६	२३॥ ६	२३॥ +६	२५॥	२६॥	१९॥

वर→		तुला			वृश्चिक			धनु				मकर				कुम्भ			मीन		
कन्या ↓ नक्षत्र		चि. २	स्वा ४	वि. ३	वि. १	अनु ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू. ॥	पू. ३॥	उ. १	उ. ३	श्र. १॥	श्र. २॥	ध. २	ध. २	श. ४	पू. ३	पू. १	उ. ४	रे. ४
↓	चि.२	२८ ३	२७ ०	३४॥	२४॥ ४	७॥ ३४	२१॥ ४	२८	१४ १३	१३ १३	२१ १	२५॥ १	२७	२६॥	२५॥ ३	२० ३५	२६ +५	२०॥ १५	१४॥ १६	३॥ १२३६	१२॥ ६
तुला	स्वा.४	२८	२८ ३	२० ०३	१० ०३४	२३॥ ४	१८॥ ४	२३	२७	२६	१८ ३	२२॥ ३	२३॥ ३	२३ ३	२६॥	२१ +५	२० २५	२५ +५	१९ ६	१९॥ ६	१२॥ ३६
	वि.३	३४॥	१९ ३	२८ ३	१८ ३४	१७ ०४	२१॥ ४	२८	२२ १	२१ १	१३ १३	१७॥ १३	१७॥ ३	१७ ३	३२	२६॥ +५	२६ +५	२२ १५	१६ १६	१३ १२६	४॥ ३६
	वि.१	२३॥ ४	८ ३४	१७ ३४	२८ ३	२७ ०	३१॥	२३॥ +४	१७॥ १४	१७॥ १४	९॥ १३४	१२ १३	१२ ३	१२ ३	२७	२७	२६॥	२२॥ १	२१ १५	१८ १२५	९॥ ३५
वृश्चि	अनु.४	७॥ ३४	२२॥ ४	१७ ४	२८	२८ ३	३१ ०	१६॥ +२४	१४॥ ३४	१४॥ ३४	२२॥ +४	२५	२६	२६	१२ ३	१२ ३	२२	२५॥	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
	ज्ये.४	२०॥ ४	१६॥ ४	२०॥ ४	३१॥	३०	२८ ३	१५ ०२३४	१७॥ १४	१७॥ १४	१७॥ १४	२० १	२०	२०	२५	२५	१९ ३	११ १३	९॥ १३५	२१ १५	२१ +५
	मू.४	२७	२१	२७	२४॥ +४	१६॥ +२४	१६ २३४	२८ ३	२८ ०१	२७ ०१	२५॥ १	१५॥ १४	१५॥ ४	१५ ४	२१ ४	२९॥	२१॥ ३	१५॥ १३	१७ १३	२५ १	२६॥
धनु	पू.॥	१३ १३	२७	२१ १	१८॥ १४	१६॥ ३४	१८॥ १४	२८ १	२८ ३	२७ ३	३३ ०	२३ ०४	२३॥ ४	२३ ४	७ १३४	१५॥ १३	२३॥ १	२३॥	३१	२३ ३	३१
	पू.३॥	१२ १३	२६	२० १	१८॥ -१४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२७ +१	२७ ३	२८ ३	३४ ०	२४ ०४	२४॥ ४	२३॥ ४	७॥ १३४	१४॥ १३	२२॥ १	२८॥	३१॥	२३॥ ३	३१॥
	उ.१	२० १	१८ ३	१२ १३	१०॥ १३४	२४॥ +४	१८॥ -१४	२५॥ -१	३३	३४	२८ ३	१८ ३४	१६ ०३४	१५ ०३४	१५॥ १४	२२॥ १	२२॥ १	२८॥	३१॥	३१॥	२३॥ ३
	उ.३	२४ -१	२२ ३	१६ १३	१३ १३	२७	२१ १	१६ १४	२३॥ ४	२४ ४	१८ ३४	२७ ३	२५ ०३	२६ ०३	२६॥ +१	१७ +१४	१७ +१४	२३ +४	३०॥	३०॥	[illegible]॥ ३
मकर	श्र.१॥	२७	२२॥ ३	१७॥ ३	१४ ३	२७	२२	१७॥ ४	२३॥ ४	२४॥ ४	१६ ३४	२५ ३	२८ ३	२७ ३	२८ ०	२० ०४	१८॥ ४	२२॥ ४	२८॥	२८॥	२१ ३
	श्र.२॥	२६॥	२२ ३	१७ ३	१४ ३	२७	२२	१७ ४	२३ ४	२३॥ ४	१५ ३४	२४ ३	२७ ३	२८ ३	२९ -०	१९॥ ०४	१८ +४	२२ +४	२९॥	२९॥	२२॥ ३
	ध.२	२४॥ ३	२४॥	३१	२८	१२ ३	२६	२२ ४	८ १३४	८॥ १३४	१६॥ १४	२५॥ १	२७	२८	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ०४	१९ +१४	२६॥ १	१५॥ १३	२२॥ +२
	ध.२	२० ३५	२० -५	२६॥ -५	२८	१२ ३	२६	३०॥	१६॥ १३	१५॥ १३	२३॥ १	१८॥ १४	२० +४	१९॥ +४	१९॥ ३४	२८ ३	३३ ०	२८॥ १	१८ १४	७ १३४	१४ २६
कुम्भ	श.४	२६ +५	१९ २५	२६ +५	२७॥	२२	२० ३	२२॥ ३	२४॥ १	२३॥ १	२३॥ १	१८॥ १४	१८॥ ४	१८ +४	२४॥ +४	३३	२८ ३	१९ ०१३	८॥ ०१३४	१६ १४	१६ ४
	पू.३	२०॥ -१५	२६ ५	२२ -१५	२३॥ १	२७॥	१२ १३	१६॥ १३	३०॥	२९॥	२९॥	२४॥ ४	२४॥ +४	२४ +४	२० -१४	२८॥ -१	१९ १३	२८ ३	१७॥ ३४	२२॥ ०४	२० २४
	पू.१	१३॥ १६	१९ ६	१५ १६	२१ -१५	२५ +५	९॥ १३५	१६ १३	३०	३०॥	३०॥	२८॥	२८॥	२९॥	२५॥ १	१७ १४	७॥ १३४	१६॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३०॥ +२
मीन	उ.४	२॥ १२३६	१९॥ ६	१२ १२६	१८ १२५	१९ ३५	२१ -१५	२४ -१	२२ ३	२२॥ ३	३०॥	२८॥	२८॥	२९॥	१४॥ १३	६ १३४	१५ १४	२१॥ ४	३३	२८ ३	३५ ०
	रे.४	१२॥ ६	११॥ ३६	४॥ ३६	१०॥ ३५	२७ +५	२२ +५	२६॥	२९	२९॥	२१॥ ३	१९॥ ३	२०॥ ३	२१॥ ३	२२॥ -२	१४ २४	१६ ४	१८ २४	२९॥ -२	३४	२८ ३

जहाँ दोष का पूरा निर्वाह है वहाँ (+) चिन्ह है । जहाँ वर के नक्षत्र से पूर्व कन्या का नक्षत्र है इसका भी महादोष माना गया है वहाँ (०) शून्य का चिन्ह है और जहाँ कोई दोष नहीं मिलता वहाँ केवल गुण ही लिखे हुए हैं ।

रवि रेखा ४८

सू	चं	मं	बु	बृ	शु	श	ल
१	३	१	३	५	३	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चंद्र रेखा ४९

च	मं	बु	बृ	शु	श	सू	ल
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

भौम रेखा ३९

मं	बु	बृ	शु	श	सू	चं	ल
१	३	६	६	१	३	३	१
२	५	१०	८	४	५	६	३
४	६	११	११	७	६	११	६
७	११	१२	१२	८	१०		१०
८				९	११		११
१०				१०			
११				११			

बुध रेखा ५४

बु	बृ	शु	श	सू	चं	मं	ल
१	६	१	१	५	२	१	१
३	८	२	२	६	४	२	२
५	११	३	४	९	६	४	४
६	१२	४	७	११	८	७	६
९		५	८	१२	१०	८	८
१०		८	९		११	९	१०
११		९	१०			१०	११
१२		१०	११			११	

गुरु रेखा ५६

बृ	शु.	श	सू	चं	मं	बु	ल
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

भृगरेखा ५२

शु.	श	सू	चं	मं	बु	बृ	ल
१	३	८	१	३	३	५	१
२	४	११	२	४	५	८	२
३	५	१२	३	६	६	९	३
४	८		४	९	९	१०	४
५	९		५	११	११	११	५
८	१०		८	१२			८
९	११		९				९
१०			११				११
११			१२				

शनि रेखा ३९

श	सू	चं	मं	बु	बृ	शु	ल
३	१	३	३	६	५	६	१
५	२	६	५	८	६	११	३
६	४	११	६	९	११	१२	४
११	७		१०	१०	१२		६
	८		११	११			१०
	१०		१२	१२			११
	११						

लग्न रेखा ४९

ल	सू	च	मं	बु	बृ	शु	श
३	३	३	१	१	१	१	१
६	४	६	३	२	२	२	२
१०	६	१०	६	४	४	३	४
११	१०	११	१०	६	५	४	६
	११	१२	११	८	६	५	१०
	१२			१०	७	८	११
				११	९	९	
					१०		
					११		

|| श्लोक || कष्टं स्यादेक रेखायां द्वाभ्यामर्थ क्षयो भवेत् |त्रिभिःक्लेशंविजानीयाच्चतुर्भिः समतां वदेत् | पंचभिश्च वदेत्सौख्यं षड्भिश्चैव धनागमः || सप्तभिः परमानन्दमष्टभिस्सर्वसंपदम् ||२|| || अर्थ || जिस ग्रह का बल देखना हो, उसको लग्न स्थान में रखकर जन्मकुंडली के ग्रह यथा स्थान लिखे जावें | तदनन्तर कोष्ठक के अनुसार ग्रहों की रेखा लिखे | उससे बल देखे | एक रेखा होतो कष्ट | दो हों तो धन क्षय | तीन हों तो क्लेश | चार हों तो सम, भाव | छः हों तो धनागम | सात हों तो परमानंद | आठ हों तो सर्वसंपदा |

|| अथ शनि साढेसाती विचार ||

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरे | सार्द्धानि सप्तवर्षाणि नरो दुःखैर्युतो भवेत् || अर्थ - अपनी राशि से १२ वॉं, जन्म का और दूसरा शनैश्चर होने से ७|| वर्ष तक साढे साती बडी पनौती होती है | इसमें मनुष्य पाद और वाहन के अनुसार सुख दुःख भोगते है | १२ वॉं शनि मस्तक पर, जन्म का उदर और दूसरा चरणों पर होता है | अपनी राशि से चौथा और आठवॉं शनि आने से २|| (ढाई) वर्ष की छोटी पनौती आती है | इसका क्रम से १० मास मस्तक पर, १० मास उदर और १० मास चरणों पर असर रहता है,फल बडी पनौती के तुल्य है | शिवे रसे जन्मनि स्वर्णपादं, द्वि-पंच-नन्दे रजतं शुभं च | त्रिसप्तदिक् ताम्रपदं वदन्ति, वेदाष्टरिष्फे खलु लोहपादम् || अर्थ - जिस दिन शनि एक राशि से दूसरी राशि पर गमन करे उस दिन अपनी राशि से चन्द्र राशि तक गिने | १-६-११ चंद्र हो तो सुवर्णपाद, २-५-९ चंद्र होतो चांदी का पाद, ३-७-१० चंद्र हो तो ताम्रपाद और ४-८-१२ चंद्र होवे तो लोहपाद | चांदी और ताम्रपाद शुभ है | अथ वाहनम् - तिथिवारं च नक्षत्रं नामाक्षर समन्वितम् | नवभिस्तुहरेद्भागंशेषं वाहन मुच्यते || अर्थ - तिथि का अंक (शुक्ल प्रतिपदा से गिनना) वार का अंक नक्षत्रांक और नाम के अक्षरों की संख्या को जोडकर, ९ से अधिक हो तो उसमें नव का भाग दें | बाकी बचे उस क्रम से वाहन समझें || गर्दभो घोटको हस्ती महिषो जम्बुकैणपौ | काको मरालो हंसश्च शनेस्तुनव वाहनाः || १ बचे तो गर्दभ, २ बचे तो घोडा, ३ बचे तो हाथी, ४ बचे तो भैंसा, ५ बचे तो सियार, ६ बचे तो सिंह, ७ बचे तो काक, ८ बचे तो मोर और ० या ९ शेष रहे तो हंस वाहन होता है | प्रकारान्तरेण - जन्म नक्षत्रमारभ्य गणये दिनभावधि | नवभिस्तु हरेद्भागंशेषं च शनि वाहनम् || अर्थ - अपने जन्म नक्षत्र से शनि राशि प्रवेश (एक राशि से दूसरी राशि के संक्रमण कालका नक्षत्र) नक्षत्र तक गणना करें ९ से अधिक होने पर नव का भाग दें शेष बचे उसका उपर लिखे अनुसार वाहन समझें यथा - १ शेष रहे तो गर्दभ, २ शेष रहे तो अश्व आदि | साधन - शनि के जपदानादि करने से शांति होती है | "मन्दे च मृत्युञ्जयः" इसमें मृत्युञ्जय जप श्रेष्ठ हैं | शनि के नाम- कोणस्थःपिंगलो बभ्रुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः | सौरिः शनैश्चरोमन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः || एतानि दश नामानि प्रातरुत्थाय यः पठेत् | शनैश्चर कृतापीडा न कदाचिद्भविष्यति || अथवा इन श्लोकों का प्रातःकाल उठकर पाठ करे |

७|| वर्ष (९० मास) के शनि का देह के पृथक् पृथक् अंगोपर फल |

मास	७	९	८	६	१०	११	५	४	१३	१२	५
देहाग	मस्तक	नेत्र	मुख	कंठ	हृदय	उदर	नाभि	गुदा	घुटना	जंघा	चरण
फल	हानि	हानि	लाभ	लाभ	लाभ	लाभ	भय	मृत्यु	जय	सुख	पर्यटन

|| शनिनक्षत्रवशात्फलम् ||

शनि नक्षत्र से अपनी राशि के नक्षत्र तक गिने और उस संख्या को चक्र में देख फल जाने |

नक्षत्र	१	४	६	४	२	३	५	२	१
देहांग	मुख	दक्षिण भुज	दोनों चरण	वाम हस्त	ललाट	नेत्र	हृदय	गुदा	दक्षिण कुक्षि
फल	हानि	जय	भ्रमण	रोग	राज्य	सुख	लाभ	मृत्यु	शोक

|| खरादिवाहन फलम् ||

वाहन	खर	अश्व	गज	महिष	सिंह	जम्बुक	काक	मयूर	हंस
फल	हानि	जय	सौख्य	मध्यम	शत्रुनाश	शोक	कलह	लाभ	सुख

|| तिथिवारनक्षत्रेषु शुभाशुभ योगाः ||

योगाः	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
क्रकच	ति. १२	११	१०	९	८	७	६
दग्ध	ति. १२	११	५	३	६	८	९
कुलिक	ति. ७	६	५	४	३	२	१
हुताश	१२	६	७	८	९	१०	११
मृत्यु	१.६.११	२.७.१२	१.६.११	३.८.१३	४.९.१४	२.७.१२	५.१०.१५
सिद्धि	०	०	३.८.१३	२.७.१२	५.१०.१५	१.६.११	४.९.१४
दग्धभ	भर.	चित्रा	उषा.	धनि.	उफा.	ज्ये.	रेवती
अमृतसि.	हस्त	मृग	अश्वि	अनु.	पुष्य	रेवती	रोहिणी
सिद्धि	मूल	श्रव.	उभा	कृति.	पुन.	पू.फा.	स्वाति
वर	पू.भा.	भर.	आर्द्रा.	मघा.	चि.	ज्ये.	अभि
स्थिर	उ.भा.	कृत्ति.	पुन.	पूफा.	स्वाती	मूल.	श्रवण
उत्पात	विशा.	पूषा.	ध.	रेवती	रो.	पुष्य	उफा.
मृत्यु	अनु.	उषा.	शत.	अश्वि.	मृग.	आश्ले.	हस्त
काण	ज्ये.	अभि.	पूभा.	भर.	आर्द्रा.	मघा.	चित्रा
यमदंष्ट्र	म.ध.	मू.वि	कृ.रो.	पूषा.पुन.	उषा.अश्वि.	रो.अनु.	श्र.शत.
यमघंट	मघा	विशा.	आर्द्रा	मूल.	कृ.	रो.	हस्त
कालद.	भर.	आर्द्रा.	मघा.	चि.	ज्ये	अभि.	पू.भा.
मुसल	अभि.	पूभा.	भर.	आर्द्रा	मघा	चि.	ज्ये.
सर्वार्थ सिद्धि	ह.मू. उ.३.पुष्य अश्वि.	श्र.रो.मृ. पुष्य अनु.	उभा.कृ. अश्वि. श्ले.	रो.ह.कृ. मृ.अनु.	रे.पुन. पुष्य अनु. अश्वि.	रे.पुन. श्र. अश्वि अनु.	श्र.रो. स्वा.

अथ कुयोगानां परिहारः - तिथयो मासशून्याश्च शून्य लग्नानि यान्यपि | मध्यदेशे विवर्ज्यानि न दूष्याणीतरेषु तु || पङ्ग्वन्धकाण लग्नानि मासशून्याश्च राशयः | गौडमालवयोस्त्याज्या अन्य देशे न गर्हिता || अमृतसिद्धि योगाः कार्य विशेषे वर्ज्याः - भौमाश्विनी प्रवेशे च प्रयाणे शनिरोहिणीम् | गुरू पुष्यं विवाहे च सर्वथा परिवर्जयेत् || वर्जयेत्सर्वकार्येषु हस्तार्कं पञ्चमीतिथौ | कुयोगास्तिथिवारोत्थास्तिथिभोत्था भवारजाः | हूणवङ्गखशेष्वेवर्ज्यास्त्रितयजास्तथा ||

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता.२५। ३।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२५। ३	६।३२	११।१०।४४।०४	५९।२३	११।१७।४७।४१	७११।५७	९।०१।५१।२१	४१।३९	१०।१३।०१।४४	६३।२२	८।२९।२०।३७	८।२०	०।२६।५८।२१	५९।११	९।०६।०६।५०	४।१४	२।०९।३८।१२	३।११
२६। ३	६।३१	११।११।४३।२८	५९।२१	११।२९।३९।३८	७१३।२६	९।०२।३३।००	४१।३९	१०।१४।०५।०६	६५।३९	८।२९।२८।५७	८।११	०।२७।५७।३२	५८।४४	९।०६।११।०४	४।०९	२।०९।३५।०१	३।११
२७। ३	६।३०	११।१२।४२।४९	५९।१९	०।११।३३।०४	७१६।५३	९।०३।१४।३९	४१।४०	१०।१५।१०।४५	६७।४९	८।२९।३७।०८	८।०४	०।२८।५६।१६	५८।१५	९।०६।१५।१२	४।०४	२।०९।३१।५१	३।११
२८। ३	६।२९	११।१३।४२।०८	५९।१७	०।२३।२९।५७	७२३।०१	९।०३।५६।१९	४१।४०	१०।१६।१८।३५	६९।५४	८।२९।४५।१२	७।५६	०।२९।५४।३१	५७।४५	९।०६।१९।१७	४।००	२।०९।२८।४०	३।११
२९। ३	६।२७	११।१४।४१।२५	५९।१५	१।०५।३२।५८	७३२।३०	९।०४।३७।५९	४१।४०	१०।१७।२८।२९	७१।५४	८।२९।५३।०८	७।४७	१।००।५२।१६	५७।१४	९।०६।२३।१६	३।५५	२।०९।२५।३०	३।११
३०। ३	६।२६	११।१५।४०।४१	५९।१३	१।१७।४५।२७	७४५।५५	९।०५।१९।३९	४१।४०	१०।१८।४०।२३	७३।५१	९।००।००।५५	७।३९	१।०१।४९।३०	५६।४३	९।०६।२७।११	३।५०	२।०९।२२।१९	३।११
३१। ३	६।२५	११।१६।३९।५४	५९।११	२।००।११।२३	७६३।४०	९।०६।०१।२०	४१।४०	१०।१९।५४।१३	७५।४५	९।००।०८।३५	७।३०	१।०२।४६।१३	५६।१०	९।०६।३१।०१	३।४५	२।०९।१९।०८	३।११
१। ४	६।२४	११।१७।३९।०५	५९।०९	२।१२।५५।०३	७८५।४७	९।०६।४३।००	४१।४०	१०।२१।०९।५८	७७।३६	९।००।१६।०४	७।२२	१।०३।४२।२३	५५।३६	९।०६।३४।४६	३।४०	२।०९।१५।५८	३।११
२। ४	६।२३	११।१८।३८।१४	५९।०७	२।२६।००।५१	८११।४६	९।०७।२४।४१	४१।४१	१०।२२।२७।३४	७९।२६	९।००।२३।२७	७।१४	१।०४।३७।५९	५५।०१	९।०६।३८।२६	३।३५	२।०९।१२।४७	३।११
३। ४	६।२२	११।१९।३७।२१	५९।०५	३।०९।३२।३७	८४०।१५	९।०८।०६।२१	४१।४१	१०।२३।४७।०१	८१।१५	९।००।३०।४१	७।०५	१।०५।३३।००	५४।२५	९।०६।४२।०२	३।३०	२।०९।०९।३६	३।११
४। ४	६।२१	११।२०।३६।२६	५९।०३	३।२३।३२।५२	८६८।४९	९।०८।४८।०२	४१।४०	१०।२५।०८।१६	८३।०४	९।००।३७।४६	६।५६	१।०६।२७।२५	५३।४७	९।०६।४५।३२	३।२५	२।०९।०६।२६	३।११
५। ४	६।२०	११।२१।३५।२९	५९।०१	४।०८।०१।४१	८९४।०१	९।०९।२९।४२	४१।४०	१०।२६।३१।२०	८४।५१	९।००।४४।४२	६।४७	१।०७।२१।११	५३।०७	९।०६।४८।५७	३।२०	२।०९।०३।१५	३।११
६। ४	६।१९	११।२२।३४।३०	५८।५९	४।२२।५५।४२	९१२।०३	९।१०।११।२३	४१।४०	१०।२७।५६।११	८६।३९	९।००।५१।२९	६।३८	१।०८।१४।१९	५२।२७	९।०६।५२।१७	३।१५	२।०९।००।०५	३।११
७। ४	६।१७	११।२३।३३।२९	५८।५७	५।०८।०७।४५	९१९।४६	९।१०।५३।०३	४१।४०	१०।२९।२२।५०	८८।२६	९।००।५८।०८	६।३०	१।०९।०६।४६	५१।४५	९।०६।५५।३२	३।१०	२।०८।५६।५४	३।११
८। ४	६।१६	११।२४।३२।२५	५८।५५	५।२३।२७।३१	९१५।४४	९।११।३४।४३	४१।४०	११।००।५१।१५	९०।१३	९।०१।०४।३७	६।२०	१।०९।५८।३१	५१।०१	९।०६।५८।४२	३।०५	२।०८।५३।४३	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२५। ३	८।०९।३८।१२	रेव १-१०।५९	२-१७।४४	३-२४।२८	. .. ..	. .. ..	७।११	+ ०।०९	६।४०।५१	- ४।४३	१९।३७	+ २।३८	१९।०१।१७	- ४।५१	+ ५।५९	१८।१३।४४
२६। ३	८।०९।३५।०१	रेव ४- ७।१२	अश्वि १-१३।५६	२-२०।३९	३-२७।२२	. .. ..	७।४१	+ ४।५१	७।२१।१८	- ४।१५	२०।२८	+ ७।२६	१९।४२।३४	- ४।२९	+ ५।४०	१८।१६।३३
२७। ३	८।०९।३१।५१	अश्वि ४-१०।०५	भर १-१६।४७	२-२३।२८	३-३०।०९	. .. ..	८।१३	+ ९।२४	८।०२।३१	- ३।३७	२१।२१	+११।५७	२०।२५।०५	- ३।५४	+ ५।२२	१८।१९।२२
२८। ३	८।०९।२८।४०	भर ४-१२।४८	कृति १-१९।२७	२-२६।०४	. .. ..	. .. ..	८।४५	+१३।५९	८।४५।११	- ३।३३	२२।१५	+१६।०२	२१।०९।३३	- ३।०७	+ ५।०४	१८।२२।११
२९। ३	८।०९।२५।३०	कृति ३- ८।४०	४-१५।१५	रोहि १-२१।४७	२-२८।१९	. .. ..	९।२१	+१७।४४	९।३०।१५	- २।४२	२३।१०	+१९।२७	२१।५६।३६	- २।११	+ ४।४६	१८।२५।००
३०। ३	८।०९।२२।१९	रोहि ३-१०।४८	४-१७।१५	मृग १-२३।४१	२-३०।०३	. .. ..	१०।०२	+२०।४४	१०।१८।०८	- १।४३	२४।०६	+२१।५९	२२।४६।३४	- १।०७	+ ४।२८	१८।२७।४८
३१। ३	८।०९।१९।०८	मृग ३-१२।२४	४-१८।४२	आर्द्रा १-२४।५८	. .. ..	. .. ..	१०।४८	+२२।४७	११।०९।०३	- ०।३६	२५।०२	+२३।२५	२३।३९।२४	+ ०।०२	+ ४।१०	१८।३०।३७
१। ४	८।०९।१५।५८	आर्द्रा २- ७।१०	३-१३।२०	४-१९।२८	पुन १-२५।३२	. .. ..	११।३९	+२३।३९	१२।०२।४९	+ ०।३४	२५।५८	+२३।३२	२४।३४।३२	+ १।१३	+ ३।५२	१८।३३।२७
२। ४	८।०९।१२।४७	पुन २- ७।३३	३-१३।३२	४-१९।२७	पुष्य १-२५।२०	. .. ..	१२।३७	+२३।०७	१२।५८।४४	+ १।४५	२६।५१	+२२।१२	२५।३०।५८	+ २।२२	+ ३।३५	१८।३६।१६
३। ४	८।०९।०९।३६	पुष्य २- ७।१०	३-१२।५६	४-१८।४०	श्ले १-२४।२१	२-२९।५९	१३।३९	+२१।०७	१३।५५।४३	+ २।५२	२७।४१	+१९।२४	२६।२७।३५	+ ३।२५	+ ३।१७	१८।३९।०६
४। ४	८।०९।०६।२६	श्ले ३-११।३५	४-१७।०८	मघा १-२२।३८	२-२८।०६	. .. ..	१४।४४	+१७।३९	१४।५२।४३	+ ३।५०	२८।२७	+१५।१५	२७।२३।३०	+ ४।१५	+ ३।००	१८।४१।५५
५। ४	८।०९।०३।१५	मघा ३- ९।३२	४-१४।५६	पूफा १-२०।१८	२-२५।३९	. .. ..	१५।५१	+१२।५३	१५।४८।५८	+ ४।३३	२९।१०	+१०।००	२८।१८।२१	+ ४।४८	+ २।४२	१८।४४।४६
६। ४	८।०९।००।०५	पूफा ३- ६।५७	४-१२।१५	उफा १-१७।३१	२-२२।४६	३-२८।००	१६।५९	+ ७।०९	१६।४४।१६	+ ४।५७	२९।५१	+ ४।००	२९।१२।१७	+ ५।०१	+ २।२५	१८।४७।३७
७। ४	८।०८।५६।५४	उफा ४- ९।१३	हस्त १-१४।२६	२-१९।३९	३-२४।५२	४-३०।०५	१८।०७	+ ०।५०	१७।३८।५५	+ ४।५९	. . .	. . .	. . .	. . .	+ २।०८	१८।५०।२८
८। ४	८।०८।५३।४३	चित्रा १-११।१८	२-१६।३१	३-२१।४६	४-२७।०१	. .. ..	१९।१५	- ५।३३	१८।३३।३४	+ ४।३७	६।३१	- २।२५	६।०५।४७	+ ४।३७	+ १।५२	१८।५३।२०

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. ९। ४।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
९। ४	६।१५	११।२५।३१।२०	५८।५३	६।०८।४३।१५	९००।४७	९।१२।१६।२३	४१।४०	११।०२।२१।२८	९१।५९	९।०१।१०।५७	६।११	१।१०।४९।३२	५०।१६	९।०७।०१।४७	३।००	२।०८।५०।३३	३।११
१०। ४	६।१४	११।२६।३०।१३	५८।५१	६।२३।४४।०२	८७७।३६	९।१२।५८।०३	४१।३९	११।०३।५३।२६	९३।४५	९।०१।१७।०९	६।०२	१।११।३९।४८	४९।२९	९।०७।०४।४६	२।५४	२।०८।४७।२२	३।११
११। ४	६।१३	११।२७।२९।०४	५८।४९	७।०८।२१।३८	८४९।४५	९।१३।३९।४३	४१।३९	११।०५।२७।१२	९५।३१	९।०१।२३।१०	५।५१	१।१२।२९।१७	४८।४१	९।०७।०७।४०	२।४९	२।०८।४४।११	३।११
१२। ४	६।१२	११।२८।२७।५३	५८।४७	७।२२।३१।२२	८२०।४०	९।१४।२१।२२	४१।३९	११।०७।०२।४२	९७।१६	९।०१।२९।०२	५।४३	१।१३।१७।५८	४७।५०	९।०७।१०।२९	२।४३	२।०८।४१।०१	३।११
१३। ४	६।११	११।२९।२६।४०	५८।४५	८।०६।१२।०३	७९३।०२	९।१५।०३।०१	४१।३८	११।०८।३९।५८	९९।००	९।०१।३४।४५	५।३३	१।१४।०५।४८	४६।५८	९।०७।१३।१२	२।३८	२।०८।३७।५०	३।११
१४। ४	६।१०	०।००।२५।२५	५८।४३	८।१९।२५।०५	७६८।३६	९।१५।४४।३९	४१।३८	११।१०।१८।५८	१००।४४	९।०१।४०।१८	५।२४	१।१४।५२।४६	४६।०३	९।०७।१५।५०	२।३३	२।०८।३४।३९	३।११
१५। ४	६।०९	०।०१।२४।०८	५८।४१	९।०२।१३।४०	७४८।१८	९।१६।२६।१७	४१।३७	११।११।५९।४१	१०२।२६	९।०१।४५।४२	५।१४	१।१५।३८।४९	४५।०७	९।०७।१८।२३	२।२७	२।०८।३१।२९	३।११
१६। ४	६।०८	०।०२।२२।४९	५८।३९	९।१४।४१।५८	७३२।३४	९।१७।०७।५४	४१।३७	११।१३।४२।०७	१०४।०८	९।०१।५०।५५	५।०३	१।१६।२३।५६	४४।०८	९।०७।२०।५०	२।२१	२।०८।२८।१८	३।११
१७। ४	६।०७	०।०३।२१।२८	५८।३७	९।२६।५४।३२	७२१।२२	९।१७।४९।३१	४१।३६	११।१५।२६।१५	१०५।४८	९।०१।५५।५८	४।५४	१।१७।०८।०४	४३।०७	९।०७।२३।११	२।१६	२।०८।२५।०८	३।११
१८। ४	६।०६	०।०४।२०।०५	५८।३५	१०।०८।५५।५४	७१४।२५	९।१८।३१।०७	४१।३५	११।१७।१२।०३	१०७।२८	९।०२।००।५२	४।४४	१।१७।५१।११	४२।०४	९।०७।२५।२७	२।११	२।०८।२१।५७	३।११
१९। ४	६।०५	०।०५।१८।४०	५८।३३	१०।२०।५०।२०	७११।०८	९।१९।१२।४२	४१।३५	११।१८।५९।३१	१०९।०५	९।०२।०५।३६	४।३४	१।१८।३३।१५	४०।५८	९।०७।२७।३८	२।०५	२।०८।१८।४६	३।११
२०। ४	६।०४	०।०६।१७।१३	५८।३१	११।०२।४१।२७	७१०।४५	९।१९।५४।१७	४१।३४	११।२०।४८।३६	११०।४२	९।०२।१०।०९	४।२४	१।१९।१४।१४	३९।५०	९।०७।२९।४३	१।५९	२।०८।१५।३६	३।११
२१। ४	६।०३	०।०७।१५।४५	५८।२९	११।१४।३२।१२	७१२।२९	९।२०।३५।५१	४१।३३	११।२२।३९।१८	११२।१७	९।०२।१४।३३	४।१३	१।१९।५४।०४	३८।३९	९।०७।३१।४२	१।५४	२।०८।१२।२५	३।११
२२। ४	६।०२	०।०८।१४।१४	५८।२८	११।२६।२४।४१	७१५।४१	९।२१।१७।२४	४१।३२	११।२४।३१।३५	११३।५०	९।०२।१८।४६	४।०२	१।२०।३२।४४	३७।२६	९।०७।३३।३५	१।४८	२।०८।०९।१४	३।११
२३। ४	६।०१	०।०९।१२।४२	५८।२६	०।०८।२०।२२	७२०।०१	९।२१।५८।५६	४१।३१	११।२६।२५।२५	११५।२२	९।०२।२२।४८	३।५३	१।२१।१०।०९	३६।०९	९।०७।३५।२३	१।४२	२।०८।०६।०४	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
९। ४	८।०८।५०।३३	स्वा. १- ८।१७	२-१३।३४	३-१८।५३	४-२४।१३	विशा १-२९।३५	२०।२४	-११।३१	१९।२८।४८	+ ३।५४	७।१२	- ८।२३	६।५९।४२	+ ३।५४	+ १।३५	१८।५६।११
१०। ४	८।०८।४७।२२	विशा २-१०।५९	३-१६।२५	४-२१।५४	अनु १-२७।२४	. .. ..	२१।३१	-१६।३७	२०।२५।०४	+ २।५४	७।५५	-१३।४७	७।५४।२३	+ २।५४	+ १।१९	१८।५९।०३
११। ४	८।०८।४४।११	अनु २- ८।५७	३-१४।३३	४-२०।११	ज्ये १-२५।५२	. .. ..	२२।३८	-२०।२९	२१।२२।१५	+ १।४४	८।४०	-१८।३६	८।५०।२५	+ २।२२	+ १।०३	१९।०१।५६
१२। ४	८।०८।४१।०१	ज्ये २- ७।३६	३-१३।२३	४-१९।१३	मूल १-२५।०५	. .. ..	२३।४१	-२२।५५	२२।१९।४१	+ ०।२८	९।२९	-२१।४७	९।४७।१५	+ १।०९	+ ०।४८	१९।०४।५०
१३। ४	८।०८।३७।५०	मूल २- ७।०१	३-१३।००	४-१९।०२	पूषा १-२५।०७	. .. ..	२४।४०	-२३।४९	२३।१६।१४	- ०।४६	१०।२१	-२३।३०	१०।४४।०८	- ०।०५	+ ०।३३	१९।०७।४४
१४। ४	८।०८।३४।३९	पूषा २- ७।१५	३-१३।२५	४-१९।३९	उषा १-२५।५६	. .. ..	२५।३३	-२३।१६	२४।१०।४१	- १।५५	११।१६	-२३।४४	११।३९।५१	- १।१८	+ ०।१८	१९।१०।३७
१५। ४	८।०८।३१।२९	उषा २- ८।१५	३-१४।३७	४-२१।०२	श्रव १-२७।२९	. .. ..	२६।२०	-२१।२८	२५।०२।१३	- २।५५	१२।१३	-२२।३७	१२।३३।१८	- २।२३	+ ०।०३	१९।१३।३२
१६। ४	८।०८।२८।१८	श्रव २- ९।५८	३-१६।२९	४-२३।०३	धनि १-२९।३८	. .. ..	२७।०२	-१८।३९	२५।५०।३२	- ३।४६	१३।०९	-२०।१९	१३।२३।४७	- ३।२०	- ०।११	१९।१६।२८
१७। ४	८।०८।२५।०८	धनि २-१२।१५	३-१८।५४	४-२५।३४	. .. ..	. .. ..	२७।३९	-१५।०२	२६।३५।५१	- ४।२४	१४।०४	-१७।०४	१४।११।१२	- ४।०५	- ०।२५	१९।१९।२४
१८। ४	८।०८।२१।५७	शत १- ८।१५	२-१४।५७	३-२१।४०	४-२८।२३	. .. ..	२८।१२	-१०।५१	२७।१८।४३	- ४।५०	१४।५८	-१३।०८	१४।५५।५१	- ४।३८	- ०।३९	१९।२२।२१
१९। ४	८।०८।१८।४६	पूभा १-११।०८	२-१७।५२	३-२४।३७	. .. ..	. .. ..	२८।४३	- ६।१६	२७।५९।५५	- ५।०३	१५।५०	- ८।४१	१५।३८।२४	- ४।५८	- ०।५२	१९।२५।१९
२०। ४	८।०८।१५।३६	पूभा ४- ७।२२	उभा १-१४।०७	२-२०।५२	३-२७।३७	. .. ..	२९।१३	- १।२८	२८।४०।१३	- ५।०२	१६।४१	- ३।५५	१६।१९।३८	- ५।०४	- १।०४	१९।२८।१६
२१। ४	८।०८।१२।२५	उभा ४-१०।२२	रेव १-१७।०६	२-२३।५०	. .. ..	. .. ..	२९।४३	+ ३।२५	२९।२०।२६	- ४।४८	१७।३३	+ १।०१	१७।००।२३	- ४।५६	- १।१७	१९।३१।१५
२२। ४	८।०८।०९।१४	रेव ३- ६।३३	४-१३।१६	अश्वि १-१९।५८	२-२६।४०	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१८।२४	+ ५।५६	१७।४१।२९	- ४।३५	- १।२९	१९।३४।१५
२३। ४	८।०८।०६।०४	अश्वि ३- ९।२१	४-१६।०१	भर १-२२।४१	२-२९।२०	. .. ..	६।१४	+ ८।१५	६।०१।२१	- ३।४१	१९।१७	+१०।३८	१८।२३।४२	- ४।००	- १।४०	१९।३७।१६

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. २४। ४।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२४। ४	६।००	०।१०।११।०७	५८।२४	०।२०।२०।२४	७२५।३२	९।२२।४०।२७	४१।३०	११।२८।२०।४७	११६।५२	९।०२।२६।४१	३।४२	१।२१।४६।१९	३४।५०	९।०७।३७।०५	१।३६	२।०८।०२।५३	३।११
२५। ४	५।५९	०।११।०९।३१	५८।२२	१।०२।२५।५६	७३२।३६	९।२३।२१।५७	४१।२९	०।००।१७।३९	११८।२०	९।०२।३०।२३	३।३१	१।२२।२१।०९	३३।२८	९।०७।३८।४१	१।३१	२।०७।५९।४२	३।११
२६। ४	५।५९	०।१२।०७।५३	५८।२०	१।१४।३८।३१	७४१।४४	९।२४।०३।२६	४१।२८	०।०२।१५।५९	११९।४७	९।०२।३३।५४	३।२१	१।२२।५४।३७	३२।०२	९।०७।४०।१२	१।२५	२।०७।५६।३२	३।११
२७। ४	५।५८	०।१३।०६।१४	५८।१८	१।२७।००।१५	७५३।३१	९।२४।४४।५४	४१।२७	०।०४।१५।४६	१२१।१३	९।०२।३७।१५	३।१०	१।२३।२६।३९	३०।३४	९।०७।४१।३७	१।१९	२।०७।५३।२१	३।११
२८। ४	५।५७	०।१४।०४।३२	५८।१७	२।०९।३३।४६	७६८।२३	९।२५।२६।२१	४१।२५	०।०६।१६।५९	१२२।३६	९।०२।४०।२५	२।५८	१।२३।५७।१३	२९।०२	९।०७।४२।५७	१।१३	२।०७।५०।१०	३।११
२९। ४	५।५६	०।१५।०२।४९	५८।१५	२।२२।२२।०९	७८६।३३	९।२६।०७।४६	४१।२४	०।०८।१९।३५	१२३।५६	९।०२।४३।२३	२।४९	१।२४।२६।१५	२७।२६	९।०७।४४।०९	१।०८	२।०७।४७।००	३।११
३०। ४	५।५५	०।१६।०१।०४	५८।१३	३।०५।२८।४२	८०७।४६	९।२६।४९।१०	४१।२२	०।१०।२३।३१	१२५।१३	९।०२।४६।११	२।३७	१।२४।५३।४१	२५।४७	९।०७।४५।१७	१।०२	२।०७।४३।४९	३।११
१। ५	५।५४	०।१६।५९।१७	५८।११	३।१८।५६।२८	८३१।१२	९।२७।३०।३२	४१।२१	०।१२।२८।४४	१२६।२६	९।०२।४८।४९	२।२६	१।२५।१९।२८	२४।०५	९।०७।४६।१९	०।५६	२।०७।४०।३८	३।११
२। ५	५।५३	०।१७।५७।२८	५८।१०	४।०२।४७।४०	८५५।१०	९।२८।११।५३	४१।१९	०।१४।३५।१०	१२७।३३	९।०२।५१।१५	२।१६	१।२५।४३।३३	२२।१९	९।०७।४७।१५	०।५०	२।०७।३७।२८	३।११
३। ५	५।५३	०।१८।५५।३८	५८।०८	४।१७।०२।५०	८७७।१२	९।२८।५३।१२	४१।१७	०।१६।४२।४३	१२८।३२	९।०२।५३।३१	२।०४	१।२६।०५।५१	२०।२९	९।०७।४८।०५	०।४४	२।०७।३४।१७	३।११
४। ५	५।५२	०।१९।५३।४६	५८।०६	५।०१।४०।०२	८९४।१९	९।२९।३४।३०	४१।१६	०।१८।५१।१५	१२९।२१	९।०२।५५।३५	१।५३	१।२६।२६।२०	१८।३५	९।०७।४८।४९	०।३८	२।०७।३१।०६	३।११
५। ५	५।५१	०।२०।५१।५३	५८।०५	५।१६।३४।२१	९०३।४३	१०।००।१५।४६	४१।१४	०।२१।००।३६	१२९।५९	९।०२।५७।२९	१।४१	१।२६।४४।५६	१६।३८	९।०७।४९।२८	०।३२	२।०७।२७।५५	३।११
६। ५	५।५०	०।२१।४९।५७	५८।०३	६।०१।३८।०३	९०३।४१	१०।००।५७।००	४१।१२	०।२३।१०।३५	१३०।२३	९।०२।५९।१०	१।३१	१।२७।०१।३४	१४।३८	९।०७।५०।००	०।२७	२।०७।२४।४५	३।११
७। ५	५।५०	०।२२।४८।००	५८।०१	६।१६।४१।४४	८९४।०६	१०।०१।३८।१२	४१।१०	०।२५।२०।५८	१३०।३२	९।०३।००।४१	१।२०	१।२७।१६।१२	१२।३३	९।०७।५०।२६	०।२१	२।०७।२१।३५	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. मे

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
२४। ४	८।०८।०२।५३	भर ३-११।५८	४-१८।३५	कृति १-२५।११	. .. ..	. .. ..
२५। ४	८।०७।५९।४२	कृति २- ७।४६	३-१४।२०	४-२०।५३	रोहि १-२७।२५	. .. ..
२६। ४	८।०७।५६।३२	रोहि २- ९।५६	३-१६।२५	४-२२।५२	मृग १-२९।१९	. .. ..
२७। ४	८।०७।५३।२१	मृग २-११।४३	३-१८।०६	४-२४।२७	. .. ..	. .. ..
२८। ४	८।०७।५०।१०	आर्द्रा १- ६।४६	२-१३।०४	३-१९।१९	४-२५।३२	. .. ..
२९। ४	८।०७।४७।००	पुन १- ७।४३	२-१३।५२	३-१९।५८	४-२६।०२	. .. ..
३०। ४	८।०७।४३।४९	पुष्य १- ८।०४	२-१४।०३	३-२०।००	४-२५।५४	. .. ..
१। ५	८।०७।४०।३८	श्ले १- ७।४६	२-१३।३५	३-१९।२२	४-२५।०७	. .. ..
२। ५	८।०७।३७।२८	मघा १- ६।४९	२-१२।२८	३-१८।०६	४-२३।४१	पूफा १-२९।१५
३। ५	८।०७।३४।१७	पूफा २-१०।४६	३-१६।१६	४-२१।४३	उफा १-२७।०९	. .. ..
४। ५	८।०७।३१।०६	उफा २- ८।३४	३-१३।५७	४-१९।१९	हस्त १-२४।४०	. .. ..
५। ५	८।०७।२७।५५	हस्त २- ६।००	३-११।२०	४-१६।३८	चित्रा १-२१।५७	२-२७।१५
६। ५	८।०७।२४।४५	चित्रा ३- ८।३३	४-१३।५१	स्वा. १-१९।०९	२-२४।२८	३-२९।४७
७। ५	८।०७।२१।३५	स्वा. ४-११।०७	विशा १-१६।२८	२-२१।५०	३-२७।१४	. .. ..

ता.मा.	चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२४। ४	६।४७	+१२।३९	६।४३।४८	- २।५२	२०।१०	+१४।५८	१९।०७।४६	- ३।१४	- १।५१	१९।४०।१७
२५। ४	७।२२	+१६।३६	७।२८।१७	- १।५४	२१।०५	+१८।४०	१९।५४।१३	- २।१८	- २।०१	१९।४३।१९
२६। ४	८।०१	+१९।५३	८।१५।१६	- ०।५१	२२।०२	+२१।३३	२०।४३।२४	- १।१४	- २।११	१९।४६।२१
२७। ४	८।४५	+२२।३१	९।०५।३०	- ०।४३	२२।५८	+२३।२१	२१।३५।१२	- ०।०५	- २।२१	१९।४९।२५
२८। ४	९।३४	+२३।४६	९।५८।०४	+ ०।२७	२३।५३	+२३।५४	२२।२९।०४	+ १।०६	- २।३०	१९।५२।३०
२९। ४	१०।२९	+२३।४३	१०।५२।३२	+ १।३७	२४।४६	+२३।०५	२३।२४।०२	+ २।१४	- २।३८	१९।५५।३६
३०। ४	११।२८	+२२।१५	११।४७।५४	+ २।४३	२५।३६	+२०।५०	२४।१९।०३	+ ३।१७	- २।४६	१९।५८।४२
१। ५	१२।३०	+१९।२२	१२।४३।०९	+ ३।४२	२६।२१	+१७।१७	२५।१३।१९	+ ४।०९	- २।५३	२०।०१।५०
२। ५	१३।३५	+१५।१३	१३।३७।३८	+ ४।२९	२७।०४	+१२।३५	२६।०६।३०	+ ४।४७	- ३।००	२०।०४।५७
३। ५	१४।४०	+१०।००	१४।३१।११	+ ४।५८	२७।४४	+ ७।०२	२६।५८।४८	+ ५।०६	- ३।०७	२०।०८।०७
४। ५	१५।४६	+ ४।०३	१५।२४।०९	+ ५।०७	२८।२३	+ ०।५७	२७।५०।४८	+ ५।०४	- ३।१२	२०।११।१७
५। ५	१६।५२	- २।१५	१६।१७।१६	+ ४।५४	२९।०२	- ५।१६	२८।४३।१८	+ ४।४०	- ३।१७	२०।१४।२९
६। ५	१७।५९	- ८।२८	१७।११।१९	+ ४।१९	२९।४३	-११।१०	२९।३७।०४	+ ३।५६	- ३।२२	२०।१७।४१
७। ५	१९।०८	-१४।०७	१८।०६।५७	+ ३।२४	. . .	. . .	. . .	. . .	- ३।२६	२०।२०।५५

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. ८। ५।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
८। ५	५।४९	०।२३।४६।०२	५८।००	७।०१।३५।५०	८७६।२५	१०।०२।१९।२१	४१।०८	०।२७।३१।३०	१३०।२४	९।०३।०२।०१	१।०९	१।२७।२८।४५	१०।२५	९।०७।५०।४७	०।१५	२।०७।१८।२४	३।११
९। ५	५।४८	०।२४।४४।०२	५७।५८	७।१६।१२।१६	८५३।०९	१०।०३।००।२९	४१।०६	०।२९।४१।५४	१२९!५७	९।०३।०३।०९	०।५७	१।२७।३९।१०	८।१४	९।०७।५१।०२	०।०९	२।०७।१५।१३	३।११
१०। ५	५।४८	०।२५।४२।००	५७।५७	८।००।२५।२५	८२७।०२	१०।०३।४१।३५	४१।०३	१।०१।५१।५१	१२९।११	९।०३।०४।०६	०।४६	१।२७।४७।२४	५।५९	९।०७।५१।११	०।०३	२।०७।१२।०२	३।११
११। ५	५।४७	०।२६।३९।५७	५७।५५	८।१४।१२।२७	८००।३५	१०।०४।२२।३८	४१।०१	१।०४।०१।०२	१२८।०५	९।०३।०४।५२	०।३५	१।२७।५३।२३	३।४२	९।०७।५१।१४	०।०३व	२।०७।०८।५१	३।११
१२। ५	५।४६	०।२७।३७।५२	५७।५४	८।२७।३३।०२	७७५।४३	१०।०५।०३।४०	४०।५८	१।०६।०९।०६	१२६।४०	९।०३।०५।२७	०।२३	१।२७।५७।०५	१।२१	९।०७।५१।१२	०।०९व	२।०७।०५।४१	३।११
१३। ५	५।४६	०।२८।३५।४६	५७।५२	९।१०।२८।४४	७५३।५१	१०।०५।४४।३८	४०।५६	१।०८।१५।४६	१२४।५६	९।०३।०५।५०	०।१२	१।२७।५८।२६	१।०१व	९।०७।५१।०३	०।१४व	२।०७।०२।३०	३।११
१४। ५	५।४५	०।२९।३३।३८	५७।५१	९।२३।०२।३६	७३६।००	१०।०६।२५।३४	४०।५३	१।१०।२०।४२	१२२।५६	९।०३।०६।०२	०।०१व	१।२७।५७।२५	३।२६व	९।०७।५०।४९	०।२१व	२।०६।५९।१९	३।११
१५। ५	५।४५	१।००।३१।२९	५७।४९	१०।०५।१८।३५	७२२।४५	१०।०७।०६।२७	४०।५०	१।१२।२३।३९	१२०।४२	९।०३।०६।०१	०।११व	१।२७।५३।५९	५।५३व	९।०७।५०।२८	०।२६व	२।०६।५६।०९	३।११
१६। ५	५।४४	१।०१।२९।१८	५७।४८	१०।१७।२१।२०	७१४।२१	१०।०७।४७।१७	४०।४८	१।१४।२४।२१	११८।१५	९।०३।०५।५१	०।२२व	१।२७।४८।०६	८।२०व	९।०७।५०।०२	०।३२व	२।०६।५२।५८	३।११
१७। ५	५।४४	१।०२।२७।०६	५७।४७	१०।२९।१५।४१	७१०।३८	१०।०८।२८।०५	४०।४५	१।१६।२२।३६	११५।३९	९।०३।०५।२८	०।३४व	१।२७।३९।४६	१०।४८व	९।०७।४९।३०	०।३७व	२।०६।४९।४८	३।११
१८। ५	५।४३	१।०३।२४।५३	५७।४५	११।११।०६।१९	७११।०७	१०।०९।०८।५०	४०।४१	१।१८।१८।१४	११२।५४	९।०३।०४।५५	०।४५व	१।२७।२८।५९	१३।१५व	९।०७।४८।५३	०।४४व	२।०६।४६।३७	३।११
१९। ५	५।४३	१।०४।२२।३८	५७।४४	११।२२।५७।२६	७१४।५५	१०।०९।४९।३१	४०।३८	१।२०।११।०९	११०।०५	९।०३।०४।१०	०।५६व	१।२७।१५।४४	१५।४१व	९।०७।४८।०९	०।४९व	२।०६।४३।२६	३।११
२०। ५	५।४२	१।०५।२०।२२	५७।४३	०।०४।५२।२१	७२१।०८	१०।१०।३०।०९	४०।३५	१।२२।०१।१३	१०७।११	९।०३।०३।१३	१।०८व	१।२७।००।०२	१८।०५व	९।०७।४७।२१	०।५५व	२।०६।४०।१५	३।११
२१। ५	५।४२	१।०६।१८।०४	५७।४१	०।१६।५३।२९	७२८।५६	१०।११।१०।४४	४०।३१	१।२३।४८।२४	१०४।१४	९।०३।०२।०६	१।१९व	१।२६।४१।५७	२०।२७व	९।०७।४६।२६	१।००व	२।०६।३७।०५	३।११
२२। ५	५।४१	१।०७।१५।४५	५७।४०	०।२९।०२।२५	७३७।४६	१०।११।५१।१५	४०।२८	१।२५।३२।३८	१०१।१६	९।०३।००।४७	१।३०व	१।२६।२१।३०	२२।४४व	९।०७।४५।२५	१।०६व	२।०६।३३।५४	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
८। ५	८।०७।१८।२४	विशा ४- ८।३८	अनु १-१४।०५	२-१९।३३	३-२५।०३	. .. ..	२०।१६	-१८।४६	१९।०४।२५	+ २।१५	६।२७	-१६।२२	६।३२।३६	+ २।१५	- ३।३०	२०।२४।१०
९। ५	८।०७।१५।१३	अनु ४- ६।३४	ज्ये १-१२।०८	२-१७।४५	३-२३।२३	४-२९।०४	२१।२३	-२२।०३	२०।०३।१२	+ ०।५७	७।१५	-२०।१७	७।२९।४९	+ ०।५७	- ३।३३	२०।२७।२६
१०। ५	८।०७।१२।०२	मूल १-१०।४८	२-१६।३४	३-२२।२३	४-२८।१४	. .. ..	२२।२६	-२३।४५	२१।०२।०८	- ०।२२	८।०७	-२३।०१	८।२८।४०	+ ०।२१	- ३।३५	२०।३०।४२
११। ५	८।०७।०८।५१	पूषा १-१०।०९	२-१६।०६	३-२२।०६	४-२८।१०	. .. ..	२३।२४	-२३।५२	२१।५९।३४	- १।३७	९।०३	-२३।५९	९।२६।५७	- ०।५६	- ३।३७	२०।३४।००
१२। ५	८।०७।०५।४१	उषा १-१०।१६	२-१६।२५	३-२२।३७	४-२८।५२	. .. ..	२४।१५	-२२।३२	२२।५४।०९	- २।४४	१०।०१	-२३।२६	१०।२३।२३	- २।०८	- ३।३८	२०।३७।१९
१३। ५	८।०७।०२।३०	श्रव १-११।०९	२-१७।३०	३-२३।५३	. .. ..	. .. ..	२५।००	-२०।०२	२३।४५।०५	- ३।४०	१०।५९	-२१।३२	११।१६।४४	- ३।११	- ३।३९	२०।४०।४०
१४। ५	८।०६।५९।१९	श्रव ४- ६।१९	धनि १-१२।४७	२-१९।१८	३-२५।५१	. .. ..	२५।३९	-१६।३७	२४।३२।२२	- ४।२३	११।५६	-१८।३४	१२।०६।३०	- ४।०२	- ३।३९	२०।४४।०२
१५। ५	८।०६।५६।०९	धनि ४- ८।२६	शत १-१५।०३	२-२१।४१	३-२८।२१	. .. ..	२६।१४	-१२।३३	२५।१६।३२	- ४।५३	१२।५१	-१४।४७	१२।५२।४९	- ४।३९	- ३।३८	२०।४७।२५
१६। ५	८।०६।५२।५८	शत ४-११।०३	पूभा १-१७।४५	२-२४।२९	. .. ..	. .. ..	२६।४६	- ८।०३	२५।५८।२२	- ५।०९	१३।४४	-१०।२६	१३।३६।२२	- ५।०३	- ३।३७	२०।५०।४९
१७। ५	८।०६।४९।४८	पूभा ३- ७।१३	४-१३।५८	उभा १-२०।४३	२-२७।२९	. .. ..	२७।१६	- ३।१६	२६।३८।५०	- ५।११	१४।३६	- ५।४३	१४।१८।०१	- ५।१२	- ३।३६	२०।५४।१४
१८। ५	८।०६।४६।३७	उभा ३-१०।१४	४-१६।५९	रेव १-२३।४४	. .. ..	. .. ..	२७।४६	+ १।३८	२७।१८।५२	- ५।००	१५।२७	- ०।४८	१४।५८।४४	- ५।०७	- ३।३४	२०।५७।४१
१९। ५	८।०६।४३।२६	रेव २- ६।२८	३-१३।१२	४-१९।५५	अश्वि १-२६।३७	. .. ..	२८।१६	+ ६।२९	२७।५९।२४	- ४।३५	१६।१८	+ ४।०९	१५।३९।३०	- ४।४८	- ३।३१	२१।०१।०९
२०। ५	८।०६।४०।१५	अश्वि २- ९।१८	३-१५।५८	४-२२।३७	भर १-२९।१५	. .. ..	२८।४७	+११।०९	२८।४१।१८	- ३।५७	१७।११	+ ९।००	१६।२१।१५	- ४।१६	- ३।२८	२१।०४।३७
२१। ५	८।०६।३७।०५	भर २-११।५२	३-१८।२७	४-२५।०१	. .. ..	. .. ..	२९।२२	+१५।२५	२९।२५।१७	- ३।०७	१८।०४	+१३।३३	१७।०४।४७	- ३।३१	- ३।२४	२१।०८।०७
२२। ५	८।०६।३३।५४	कृति १- ७।३४	२-१४।०६	३-२०।३६	४-२७।०५	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१८।५९	+१७।३४	१७।५०।४७	- २।३५	- ३।१९	२१।११।३९

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. २३। ५।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२३। ५	५।४१	१।०८।१३।२५	५७।३९	१।११।२०।११	७४७।३०	१०।१२।३१।४३	४०।२४	१।२७।१३।५४	९८।१६	९।०२।५९।१७	१।४२व	१।२५।५८।४६	२४।५६व	९।०७।४४।१९	१।१२व	२।०६।३०।४३	३।११
२४। ५	५।४१	१।०९।११।०४	५७।३८	१।२३।४७।४१	७५८।१३	१०।१३।१२।०७	४०।२०	१।२८।५२।१०	९५।१४	९।०२।५७।३५	१।५२व	१।२५।३३।५०	२७।०३व	९।०७।४३।०८	१।१७व	२।०६।२७।३२	३।११
२५। ५	५।४०	१।१०।०८।४२	५७।३६	२।०६।२५।५४	७७०।१२	१०।१३।५२।२७	४०।१६	२।००।२७।२४	९२।१०	९।०२।५५।४३	२।०४व	१।२५।०६।४७	२९।०२व	९।०७।४१।५०	१।२३व	२।०६।२४।२१	३।११
२६। ५	५।४०	१।११।०६।१८	५७।३५	२।१९।१६।०६	७८३।३९	१०।१४।३२।४३	४०।१२	२।०१।५९।३४	८९।०४	९।०२।५३।३९	२।१५व	१।२४।३७।४६	३०।५२व	९।०७।४०।२७	१।२८व	२।०६।२१।११	३।११
२७। ५	५।४०	१।१२।०३।५३	५७।३४	३।०२।१९।४५	७९८।३६	१०।१५।१२।५६	४०।०८	२।०३।२८।३८	८५।५५	९।०२।५१।२४	२।२७व	१।२४।०६।५४	३२।३३व	९।०७।३८।५९	१।३४व	२।०६।१८।००	३।११
२८। ५	५।३९	१।१३।०१।२७	५७।३३	३।१५।३८।२१	८१४।४५	१०।१५।५३।०३	४०।०४	२।०४।५४।३४	८२।४३	९।०२।४८।५७	२।३७व	१।२३।३४।२०	३४।०४व	९।०७।३७।२५	१।३९व	२।०६।१४।५०	३।११
२९। ५	५।३९	१।१३।५९।००	५७।३२	३।२९।१३।०६	८३१।३०	१०।१६।३३।०७	३९।५९	२।०६।१७।१७	७९।२७	९।०२।४६।२०	२।४७व	१।२३।००।१७	३५।२३व	९।०७।३५।४५	१।४५व	२।०६।११।३९	३।११
३०। ५	५।३९	१।१४।५६।३२	५७।३१	४।१३।०४।३६	८४७।४९	१०।१७।१३।०६	३९।५४	२।०७।३६।४४	७६।०७	९।०२।४३।३३	२।५८व	१।२२।२४।५४	३६।२९व	९।०७।३४।०१	१।५०व	२।०६।०८।२८	३।११
३१। ५	५।३९	१।१५।५४।०३	५७।३०	४।२७।१२।२५	८६२।१७	१०।१७।५३।००	३९।५०	२।०८।५२।५१	७२।४२	९।०२।४०।३५	३।०९व	१।२१।४८।२५	३७।२२व	९।०७।३२।११	१।५५व	२।०६।०५।१८	३।११
१। ६	५।३८	१।१६।५१।३३	५७।२९	५।११।३४।४२	८७३।१८	१०।१८।३२।५०	३९।४४	२।१०।०५।३४	६९।१२	९।०२।३७।२६	३।२०व	१।२१।११।०३	३८।०१व	९।०७।३०।१६	२।००व	२।०६।०२।०७	३।११
२। ६	५।३८	१।१७।४९।०१	५७।२८	५।२६।०८।०१	८७९।२०	१०।१९।१२।३४	३९।३९	२।११।१४।४६	६५।३७	९।०२।३४।०६	३।३०व	१।२०।३३।०२	३८।२६व	९।०७।२८।१५	२।०६व	२।०५।५८।५६	३।११
३। ६	५।३८	१।१८।४६।२९	५७।२७	६।१०।४७।२०	८७९।१६	१०।१९।५२।१४	३९।३४	२।१२।२०।२३	६१।५६	९।०२।३०।३६	३।४०व	१।१९।५४।३६	३८।३६व	९।०७।२६।०९	२।११व	२।०५।५५।४५	३।११
४। ६	५।३८	१।१९।४३।५६	५७।२६	६।२५।२६।३७	८७२।४७	१०।२०।३१।४८	३९।२९	२।१३।२२।१९	५८।१०	९।०२।२६।५५	३।५१व	१।१९।१६।००	३८।३१व	९।०७।२३।५९	२।१६व	२।०५।५२।३४	३।११
५। ६	५।३८	१।२०।४१।२२	५७।२५	७।०९।५९।२३	८६०।२१	१०।२१।११।१६	३९।२३	२।१४।२०।२९	५४।१७	९।०२।२३।०५	४।०१व	१।१८।३७।२९	३८।११व	९।०७।२१।४३	२।२१व	२।०५।४९।२४	३।११

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में														
२३। ५	८।०६।३०।४३	रोहि १· ९।३३	२-१५।५९	३-२२।२४	४-२८।४८	. .. ..	६।००	+१९।०८	६।१२।०१	- १।०१	१९।५६	+२०।४९	१८।३९।३८	- १।३०	- ३।१५	२१।१५।१२
२४। ५	८।०६।२७।३२	मृग १-११।१०	२-१७।३०	३-२३।४९	. .. ..	. .. ..	६।४३	+२१।५२	७।०१।३३	+ ०।०८	२०।५३	+२३।०३	१९।३१।१७	- ०।१९	- ३।०९	२१।१८।४६
२५। ५	८।०६।२४।२१	मृग ४- ६।०७	आर्द्रा १-१२।२३	२-१८।३७	३-२४।५०	. .. ..	७।३०	+२३।३५	७।५३।४३	+ १।१९	२१।५०	+२४।०२	२०।२५।११	+ ०।५४	- ३।०३	२१।२२।२२
२६। ५	८।०६।२१।११	आर्द्रा ४- ७।०१	पुन १-१३।११	२-१९।१९	३-२५।२५	. .. ..	८।२४	+२४।०३	८।४८।३८	+ १।२६	२२।४४	+२३।३९	२१।२०।१४	+ २।०५	- २।५७	२१।२५।५९
२७। ५	८।०६।१८।००	पुन ४- ७।२९	पुष्य १-१३।३२	२-१९।३३	३-२५।३२	. .. ..	९।२२	+२३।०१	९।४३।५९	+ २।३५	२३।३४	+२१।५१	२२।१५।१४	+ ३।१०	- २।५०	२१।२९।३७
२८। ५	८।०६।१४।५०	पुष्य ४- ७।२९	श्ले १-१३।२५	२-१९।१९	३-२५।११	. .. ..	१०।२३	+२०।३४	१०।३९।०२	+ ३।३७	२४।२०	+१८।४२	२३।०९।१०	+ ४।०५	- २।४३	२१।३३।१७
२९। ५	८।०६।११।३९	श्ले ४- ७।०१	मघा १-१२।५०	२-१८।३६	३-२४।२२	. .. ..	११।२६	+१६।५१	११।३२।५५	+ ४।२६	२५।०३	+१४।२५	२४।०१।३४	+ ४।४७	- २।३५	२१।३६।५८
३०। ५	८।०६।०८।२८	मघा ४- ६।०५	पूफा १-११।४७	२-१७।२८	३-२३।०७	४-२८।४४	१२।३०	+१२।०४	१२।२५।२३	+ ५।००	२५।४२	+ ९।१५	२४।५२।३४	+ ५।११	- २।२७	२१।४०।४०
३१। ५	८।०६।०५।१८	उफा १-१०।२०	२-१५।५५	३-२१।२९	४-२७।०१	. .. ..	१३।३३	+ ६।२९	१३।१६।४५	+ ५।१६	२६।२०	+ ३।२९	२५।४२।४७	+ ५।१५	- २।१८	२१।४४।२३
१। ६	८।०६।०२।०७	हस्त १- ८।३३	२-१४।०३	३-१९।३३	४-२५।०२	. .. ..	१४।३७	+ ०।२७	१४।०७।४६	+ ५।१०	२६।५८	- २।३२	२६।३३।०५	+ ४।५९	- २।०९	२१।४८।०८
२। ६	८।०५।५८।५६	चित्रा १- ६।३१	२-११।५९	३-१७।२६	४-२२।५४	स्वा. १-२८।२१	१५।४२	- ५।४१	१४।५९।२४	+ ४।४३	२७।३६	- ८।२९	२७।२४।२६	+ ४।२३	- २।००	२१।५१।५४
३। ६	८।०५।५५।४५	स्वा. २- ९।४८	३-१५।१५	४-२०।४२	विशा १-२६।१०	. .. ..	१६।४७	-११।३१	१५।५२।३५	+ ३।५६	२८।१८	-१३।५६	२८।१७।४०	+ ३।२९	- १।५०	२१।५५।४२
४। ६	८।०५।५२।३४	विशा २- ७।३८	३-१३।०७	४-१८।३७	अनु १-२४।०७	. .. ..	१७।५४	-१६।३७	१६।४७।५९	+ २।५२	२९।०३	-१८।३१	२९।१३।१६	+ २।२०	- १।४०	२१।५९।३०
५। ६	८।०५।४९।२४	अनु २- ५।३९	३-११।११	४-१६।४५	ज्ये १-२२।२०	२-२७।५७	१९।०२	-२०।३६	१७।४५।३७	+ १।३६	. . .	. . .	. . .	. . .	- १।३०	२२।०३।२१

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. ६| ६|२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
६| ६	५|३८	१|२१|३८|४७	५७|२४	७|२४|१९|४५	८४३|०९	१०|२१|५०|३९	३९|१७	२|१५|१४|४६	५०|२०	९|०२|१९|०४	४|११व	१|१७|५९|१८	३७|३७व	९|०७|१९|२२	२|२६व	२|०५|४६|१३	३|११
७| ६	५|३८	१|२२|३६|१२	५७|२३	८|०८|२२|५४	८२२|४२	१०|२२|२९|५६	३९|११	२|१६|०५|०६	४६|१६	९|०२|१४|५३	४|२१व	१|१७|२१|४०	३६|४९व	९|०७|१६|५६	२|३१व	२|०५|४३|०२	३|११
८| ६	५|३८	१|२३|३३|३५	५७|२३	८|२२|०५|३६	८००|३८	१०|२३|०९|०८	३९|०५	२|१६|५१|२२	४२|०८	९|०२|१०|३२	४|३०व	१|१६|४४|५१	३५|४८व	९|०७|१४|२६	२|३६व	२|०५|३९|५१	३|११
९| ६	५|३८	१|२४|३०|५८	५७|२२	९|०५|२६|१४	७७८|३२	१०|२३|४८|१३	३८|५९	२|१७|३३|३०	३७|५५	९|०२|०६|०२	४|४०व	१|१६|०९|०३	३४|३३व	९|०७|११|५०	२|४०व	२|०५|३६|४१	३|११
१०| ६	५|३८	१|२५|२८|२०	५७|२१	९|१८|२४|४७	७५७|५०	१०|२४|२७|११	३८|५२	२|१८|११|२५	३३|३८	९|०२|०१|२२	४|४९व	१|१५|३४|३०	३३|०७व	९|०७|०९|१०	२|४५व	२|०५|३३|३०	३|११
११| ६	५|३८	१|२६|२५|४१	५७|२०	१०|०१|०२|३७	७३९|५१	१०|२५|०६|०४	३८|४६	२|१८|४५|०४	२९|१८	९|०१|५६|३३	४|५८व	१|१५|०१|२३	३१|३०व	९|०७|०६|२५	२|४९व	२|०५|३०|१९	३|११
१२| ६	५|३८	१|२७|२३|०१	५७|२०	१०|१३|२२|२८	७२५|४०	१०|२५|४४|४९	३८|३९	२|१९|१४|२१	२४|५५	९|०१|५१|३४	५|०८व	१|१४|२९|५३	२९|४४व	९|०७|०३|३६	२|५४व	२|०५|२७|०८	३|११
१३| ६	५|३८	१|२८|२०|२१	५७|१९	१०|२५|२८|०८	७१६|०९	१०|२६|२३|२८	३८|३१	२|१९|३९|१६	२०|३०	९|०१|४६|२७	५|१६व	१|१४|००|०९	२७|४८व	९|०७|००|४२	२|५८व	२|०५|२३|५७	३|११
१४| ६	५|३८	१|२९|१७|४०	५७|१९	११|०७|२४|१६	७११|४२	१०|२७|०१|५९	३८|२४	२|१९|५९|४६	१६|०३	९|०१|४१|१०	५|२५व	१|१३|३२|२१	२५|४६व	९|०६|५७|४३	३|०३व	२|०५|२०|४७	३|११
१५| ६	५|३८	२|००|१४|५९	५७|१८	११|१९|१५|५८	७१२|१८	१०|२७|४०|२३	३८|१७	२|२०|१५|४९	११|३६	९|०१|३५|४५	५|३३व	१|१३|०६|३५	२३|३६व	९|०६|५४|४१	३|०७व	२|०५|१७|३६	३|११
१६| ६	५|३८	२|०१|१२|१७	५७|१७	०|०१|०८|१६	७१७|२४	१०|२८|१८|४०	३८|०९	२|२०|२७|२५	७|१०	९|०१|३०|१२	५|४२व	१|१२|४२|५८	२१|२२व	९|०६|५१|३४	३|११व	२|०५|१४|२५	३|११
१७| ६	५|३८	२|०२|०९|३४	५७|१७	०|१३|०५|४०	७२६|०८	१०|२८|५६|४९	३८|०१	२|२०|३४|३४	२|४५	९|०१|२४|३०	५|५०व	१|१२|२१|३६	१९|०४व	९|०६|४८|२३	३|१५व	२|०५|११|१४	३|११
१८| ६	५|३८	२|०३|०६|५१	५७|१६	०|२५|११|४८	७३७|२९	१०|२९|३४|५०	३७|५३	२|२०|३७|१९	१|३८व	९|०१|१८|४०	५|५८व	१|१२|०२|३३	१६|४२व	९|०६|४५|०८	३|१९व	२|०५|०८|०४	३|११
१९| ६	५|३९	२|०४|०४|०७	५७|१६	१|०७|२९|१७	७५०|२९	११|००|१२|४३	३७|४४	२|२०|३५|४२	५|५५व	९|०१|१२|४३	६|०५व	१|११|४५|५०	१४|१८व	९|०६|४१|४९	३|२३व	२|०५|०४|५३	३|११
२०| ६	५|३९	२|०५|०१|२३	५७|१५	१|१९|५९|४६	७६४|२७	११|००|५०|२७	३७|३६	२|२०|२९|४६	१०|०७व	९|०१|०६|३७	६|१२व	१|११|३१|३२	११|५३व	९|०६|३८|२६	३|२७व	२|०५|०१|४२	३|११
२१| ६	५|३९	२|०५|५८|३८	५७|१५	२|०२|४४|१३	७७८|५०	११|०१|२८|०३	३७|२७	२|२०|१९|३९	१४|१०व	९|०१|००|२५	६|२०व	१|११|१९|३९	९|२७व	९|०६|३४|५९	३|३०व	२|०४|५८|३१	३|११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. मे							चंद्रोदय चंद्रक्रांति मध्यमचंद्रो. चंद्रशर				चंद्रास्त चंद्रक्रांति मध्यमचंद्रा. चंद्रशर				वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
६| ६	८|०५|४६|१३	ज्ये ३- ९|३५	४-१५|१५	मूल १-२०|५७	२-२६|४०	. .. ..	२०|०७	-२३|०८	१८|४४|४६	+ ०|१५	५|५२	-२१|५६	६|११|०९	+ ०|१५	- १|१९	२२|०७|१२
७| ६	८|०५|४३|०२	मूल ३- ८|२६	४-१४|१३	पूषा १-२०|०३	२-२५|५५	. .. ..	२१|०८	-२४|०३	१९|४३|५०	- १|०५	६|४६	-२३|४२	७|०९|५०	- १|०५	- १|०८	२२|११|०५
८| ६	८|०५|३९|५१	पूषा ३- ७|५०	४-१३|४७	उषा १-१९|४६	२-२५|४८	. .. ..	२२|०४	-२३|२३	२०|४१|०२	- २|१८	७|४४	-२३|५६	८|०८|३७	- १|३९	- ०|५६	२२|१४|५९
९| ६	८|०५|३६|४१	उषा ३- ७|५२	४-१३|५९	श्रव १-२०|०९	२-२६|२२	. .. ..	२२|५३	-२१|२१	२१|३४|५७	- ३|२१	८|४४	-२२|३७	९|०४|४५	- २|४८	- ०|४५	२२|१८|५४
१०| ६	८|०५|३३|३०	श्रव ३- ८|३६	४-१४|५४	धनि १-२१|१४	२-२७|३७	. .. ..	२३|३५	-१८|१४	२२|२५|००	- ४|१२	९|४३	-२०|०३	९|५७|२५	- ३|४६	- ०|३३	२२|२२|५०
११| ६	८|०५|३०|१९	धनि ३-१०|०३	४-१६|३०	शत १-२३|०१	२-२९|३३	. .. ..	२४|१२	-१४|२०	२३|११|१९	- ४|४८	१०|४०	-१६|३०	१०|४६|१६	- ४|३०	- ०|२१	२२|२६|४८
१२| ६	८|०५|२७|०८	शत ३-१२|०७	४-१८|४४	पूभा १-२५|२२	. .. ..	. .. ..	२४|४६	- ९|५५	२३|५४|३८	- ५|१०	११|३५	-१२|१८	११|३१|४१	- ५|००	- ०|०८	२२|३०|४७
१३| ६	८|०५|२३|५७	पूभा २- ८|०२	३-१४|४३	४-२१|२५	उभा १-२८|०८	. .. ..	२५|१७	- ५|११	२४|३५|५१	- ५|१७	१२|२८	- ७|३९	१२|१४|२९	- ५|१५	+ ०|०४	२२|३४|४७
१४| ६	८|०५|२०|४७	उभा २-१०|५३	३-१७|३७	४-२४|२२	. .. ..	. .. ..	२५|४७	- ०|१८	२५|१६|०१	- ५|१०	१३|२०	- २|४६	१२|५५|३९	- ५|१५	+ ०|१७	२२|३८|४८
१५| ६	८|०५|१७|३६	रेव १- ७|०७	२-१३|५२	३-२०|३६	४-२७|२०	. .. ..	२६|१७	+ ४|३५	२५|५६|०९	- ४|४९	१४|११	+ २|१३	१३|३६|१६	- ५|०१	+ ०|२९	२२|४२|५१
१६| ६	८|०५|१४|२५	अश्वि १-१०|०३	२-१६|४६	३-२३|२७	. .. ..	. .. ..	२६|४७	+ ९|२१	२६|३७|१७	- ४|१६	१५|०३	+ ७|०७	१४|१७|२३	- ४|३३	+ ०|४२	२२|४६|५५
१७| ६	८|०५|११|१४	अश्वि ४- ६|०७	भर १-१२|४५	२-१९|२२	३-२५|५८	. .. ..	२७|२१	+१३|४८	२७|२०|१८	- ३|२९	१५|५५	+११|४८	१५|००|०१	- ३|५२	+ ०|५५	२२|५०|५९
१८| ६	८|०५|०८|०४	भर ४- ८|३२	कृति १-१५|०४	२-२१|३४	३-२८|०३	. .. ..	२७|५७	+१७|४५	२८|०६|००	- २|३२	१६|५०	+१६|०४	१५|४५|०१	- २|५९	+ १|०८	२२|५५|०५
१९| ६	८|०५|०४|५३	कृति ४-१०|३०	रोहि १-१६|५५	२-२३|१८	. .. ..	. .. ..	२८|३८	+२०|५७	२८|५४|५२	- १|२६	१७|४७	+१९|४१	१६|३३|०१	- १|५६	+ १|२१	२२|५९|१२
२०| ६	८|०५|०१|४२	रोहि ३- ५|३९	४-११|५९	मृग १-१८|१६	२-२४|३२	. .. ..	२९|२५	+२३|०९	२९|४६|५८	- ०|१४	१८|४५	+२२|२२	१७|२४|१४	- ०|४५	+ १|३४	२३|०३|२०
२१| ६	८|०४|५८|३१	मृग ३- ६|४६	४-१२|५८	आर्द्रा १-१९|०८	२-२५|१७	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१९|४२	+२३|५२	१८|१८|१७	+ ०|२९	+ १|४७	२३|०७|३०

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिका: (कला-विकलादौ) ता. २२। ६।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२२। ६	५।३९	२।०६।५५।५४	५७।१५	२।१५।४३।०२	७९३।१५	११।०२।०५।३०	३७।१८	२।२०।०५।२९	१८।०३व	९।००।५४।०५	६।२५व	११।११।१०।१२	७।०२व	९।०६।३१।२९	३।३३व	२।०४।५५।२१	३।११
२३। ६	५।३९	२।०७।५३।०८	५७।१४	२।२८।५६।१८	८०७।२०	११।०२।४२।४७	३७।०८	२।१९।४७।२५	२१।४३व	९।००।४७।४०	६।३३व	११।११।०३।१०	४।३७व	९।०६।२७।५५	३।३८व	२।०४।५२।०९	३।११
२४। ६	५।४०	२।०८।५०।२३	५७।१४	३।१२।२३।३८	८२०।३६	११।०३।१९।५६	३६।५९	२।१९।२५।४३	२५।०६व	९।००।४१।०७	६।४०व	११।१०।५८।३३	२।१४व	९।०६।२४।१८	३।४१व	२।०४।४८।५८	३।११
२५। ६	५।४०	२।०९।४७।३७	५७।१४	३।२६।०४।१४	८३२।३३	११।०३।५६।५४	३६।४९	२।१९।००।३७	२८।०९व	९।००।३४।२७	६।४६व	११।१०।५६।१९	०।०७	९।०६।२०।३७	३।४४व	२।०४।४५।४७	३।११
२६। ६	५।४०	२।१०।४४।५०	५७।१४	४।०९।५६।४७	८४२।३८	११।०४।३३।४३	३६।३८	२।१८।३२।२८	३०।५१व	९।००।२७।४२	६।५१व	११।१०।५६।२६	२।२६	९।०६।१६।५२	३।४७व	२।०४।४२।३७	३।११
२७। ६	५।४१	२।११।४२।०४	५७।१३	४।२३।५९।२५	८५०।२४	११।०५।१०।२२	३६।२८	२।१८।०१।३७	३३।०६व	९।००।२०।५०	६।५७व	११।१०।५८।५२	४।४२	९।०६।१३।०५	३।५१व	२।०४।३९।२६	३।११
२८। ६	५।४१	२।१२।३९।१७	५७।१३	५।०८।०९।४९	८५५।२९	११।०५।४६।५०	३६।१७	२।१७।२८।३१	३४।५२व	९।००।१३।५३	७।०२व	११।११।०३।३४	६।५६	९।०६।०९।१५	३।५३व	२।०४।३६।१५	३।११
२९। ६	५।४१	२।१३।३६।३०	५७।१३	५।२२।२५।१७	८५७।३६	११।०६।२३।०७	३६।०७	२।१६।५३।३९	३६।०६व	९।००।०६।५१	७।०७व	११।११।१०।३०	९।०६	९।०६।०५।२२	३।५६व	२।०४।३३।०४	३।११
३०। ६	५।४२	२।१४।३३।४३	५७।१३	६।०६।४२।५४	८५६।३९	११।०६।५९।१४	३५।५५	२।१६।१७।३३	३६।४६व	८।२९।५९।४४	७।१२व	११।११।१९।३६	११।१३	९।०६।०१।२५	३।५९व	२।०४।२९।५४	३।११
१। ७	५।४२	२।१५।३०।५६	५७।१३	६।२०।५९।३२	८५२।३३	११।०७।३५।०८	३५।४३	२।१५।४०।४७	३६।४९व	८।२९।५२।३२	७।१६व	११।११।३०।४९	१३।१६	९।०५।५७।२७	४।०१व	२।०४।२६।४३	३।११
२। ७	५।४२	२।१६।२८।०९	५७।१३	७।०५।१२।०५	८४५।२२	११।०८।१०।५२	३५।३२	२।१५।०३।५८	३६।१३व	८।२९।४५।१६	७।२०व	११।११।४४।०५	१५।१६	९।०५।५३।२५	४।०४व	२।०४।२३।३२	३।११
३। ७	५।४३	२।१७।२५।२१	५७।१३	७।१९।१७।२८	८३५।१५	११।०८।४६।२३	३५।१९	२।१४।२७।४५	३४।५७व	८।२९।३७।५६	७।२४व	११।११।५९।२१	१७।१२	९।०५।४९।२१	४।०६व	२।०४।२०।२१	३।११
४। ७	५।४३	२।१८।२२।३४	५७।१३	८।०३।१२।४३	८२२।२७	११।०९।२१।४३	३५।०७	२।१३।५२।४८	३३।०३व	८।२९।३०।३२	७।२७व	११।१२।१६।३३	१९।०४	९।०५।४५।१५	४।०९व	२।०४।१७।१०	३।११
५। ७	५।४३	२।१९।१९।४७	५७।१३	८।१६।५५।१०	८०७।२५	११।०९।५६।४९	३४।५४	२।१३।१९।४५	३०।३०व	८।२९।२३।०४	७।३१व	११।१२।३५।३७	२०।५३	९।०५।४१।०७	४।१०व	२।०४।१४।००	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२२। ६	८।०४।५५।२१	आर्द्रा ३- ७।२३	४-१३।२९	पुन १-१९।३२	२-२५।३४	. .. ..	६।१७	+२४।०५	६।४१।४९	+ २।११	२०।३९	+२३।५९	१९।१४।०६	+ १।४४	+ २।००	२३।११।४०
२३। ६	८।०४।५२।०९	पुन ३- ७।३४	४-१३.३३	पुष्य १-१९।३०	२-२५।२५	. .. ..	७।१४	+२३।३८	७।३७।४९	+ ३।१५	२१।३१	+२२।३७	२०।१०।१६	+ २।५३	+ २।१३	२३।१५।५१
२४। ६	८।०४।४८।५८	पुष्य ३- ७।१९	४-१३।१२	श्ले १-१९।०३	२-२४।५३	. .. ..	८।१६	+२१।३२	८।३४।२७	+ ३।२२	२२।१९	+१९।५१	२१।०५।२५	+ ३।५३	+ २।२६	२३।२०।०३
२५। ६	८।०४।४५।४७	श्ले ३- ६।४२	४-१२।३०	मघा १-१८।१६	२-२४।०२	. .. ..	९।२०	+१८।०९	९।२९।२५	+ ४।१६	२३।०३	+१५।५१	२१।५८।४५	+ ४।३९	+ २।३९	२३।२४।१६
२६। ६	८।०४।४२।३७	मघा ३- ५।४६	४-११।२९	पूफा १-१७।११	२-२२।५३	३-२८।३३	१०।२३	+१३।३७	१०।२२।३३	+ ४।५५	२३।४४	+१०।५५	२२।५०।०७	+ ५।०८	+ २।५२	२३।२८।३१
२७। ६	८।०४।३९।२६	पूफा ४-१०।१३	उफा १-१५।५३	२-२१।३१	३-२७।०९	. .. ..	११।२६	+ ८।१६	११।१३।५७	+ ५।१६	२४।२१	+ ५।२१	२३।३९।५९	+ ५।१९	+ ३।०४	२३।३२।४६
२८। ६	८।०४।३६।१५	उफा ४- ८।४७	हस्त १-१४।२४	२-२०।०१	३-२५।३७	. .. ..	१२।२९	+ २।२४	१२।०४।१४	+ ५।१६	२४।५८	- ०।३३	२४।२९।१२	+ ५।०९	+ ३।१६	२३।३७।०१
२९। ६	८।०४।३३।०४	हस्त ४- ७।१३	चित्रा १-१२।४९	२-१८।२५	३-२४।०१	४-२९।३७	१३।३२	- ३।३७	१२।५४।२२	+ ४।५६	२५।३५	- ६।२६	२५।१८।४६	+ ४।४०	+ ३।२९	२३।४१।१८
३०। ६	८।०४।२९।५४	स्वा. १-११।१३	२-१६।४९	३-२२।२५	४-२८।०२	. .. ..	१४।३६	- ९।२७	१३।४५।२५	+ ४।१६	२६।१४	-११।५७	२६।०९।४१	+ ३।५२	+ ३।४०	२३।४५।३६
१। ७	८।०४।२६।४३	विशा १- ९।३९	२-१५।१६	३-२०।५४	४-२६।३२	. .. ..	१५।४०	-१४।४४	१४।३८।१५	+ ३।२०	२६।५६	-१६।४८	२७।०२।४३	+ २।५०	+ ३।५२	२३।४९।५४
२। ७	८।०४।२३।३२	अनु १- ८।११	२-१३।५१	३-१९।३२	४-२५।१३	. .. ..	१६।४६	-१९।०६	१५।३३।२५	+ २।१०	२७।४२	-२०।३६	२७।५८।०९	+ १।३७	+ ४।०३	२३।५४।१४
३। ७	८।०४।२०।२१	ज्ये १- ६।५६	२-१२।३९	३-१८।२३	४-२४।०९	. .. ..	१७।५१	-२२।१३	१६।३०।४२	+ ०।५२	२८।३४	-२३।०४	२८।५५।३४	+ ०।११	+ ४।१५	२३।५८।३४
४।.७	८।०४।१७।१०	मूल १- ५।५६	२-११।४४	३-१७।३३	४-२३।२४	पूषा १-२९।१७	१८।५३	-२३।५०	१७।२९।०७	- ०।२८	२९।२९	-२४।०२	२९।५३।४५	- १।००	+ ४।२५	०।०२।५४
५। ७	८।०४।१४।००	पूषा २-११।११	३-१७।०६	४-२३।०४	उषा १-२९।०३	. .. ..	१९।५१	-२३।५२	१८।२७।००	- १।४५	. . .	. . .	. . .	. . .	+ ४।३६	०।०७।१५

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिका: (कला-विकलादौ) ता. ६। ७।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
६। ७	५।४४	२।२०।१६।५९	५७।१३	९।००।२२।३४	७९०।४५	११।१०।३१।४३	३४।४०	२।१२।४९।१५	२७।२१व	८।२९।१५।३३	७।३३व	१।१२।५६।३१	२२।३८	९।०५।३६।५६	४।१३व	२।०४।१०।४९	३।११
७। ७	५।४४	२।२१।१४।१२	५७।१३	९।१३।३३।१९	७७३।१६	११।११।०६।२३	३४।२७	२।१२।२१।५४	२३।३९व	८।२९।०८।००	७।३६व	१।१३।१९।०९	२४।२०	९।०५।३२।४३	४।१४व	२।०४।०७।३८	३।११
८। ७	५।४५	२।२२।११।२५	५७।१३	९।२६।२६।३५	७५५।५७	११।११।४०।५०	३४।१३	२।११।५८।१५	१९।२७व	८।२९।००।२४	७।३७व	१।१३।४३।२९	२५।५८	९।०५।२८।२९	४।१६व	२।०४।०४।२७	३।११
९। ७	५।४५	२।२३।०८।३८	५७।१३	१०।०९।०२।३२	७३९।५९	११।१२।१५।०३	३३।५९	२।११।३८।४८	१४।५०व	८।२८।५२।४८	७।४०व	१।१४।०९।२७	२७।३३	९।०५।२४।१३	४।१८व	२।०४।०१।१६	३।११
१०। ७	५।४६	२।२४।०५।५१	५७।१३	१०।२१।२२।३२	७२६।३७	११।१२।४९।०१	३३।४४	२।११।२३।५९	९।५१व	८।२८।४५।०८	७।४१व	१।१४।३७।००	२९।०४	९।०५।१९।५६	४।१९व	२।०३।५८।०५	३।११
११। ७	५।४६	२।२५।०३।०४	५७।१४	११।०३।२९।०९	७१७।०२	११।१३।२२।४५	३३।२९	२।११।१४।०८	४।३६व	८।२८।३७।२६	७।४३व	१।१५।०६।०४	३०।३२	९।०५।१५।३६	४।२१व	२।०३।५४।५४	३।११
१२। ७	५।४७	२।२६।००।१८	५७।१४	११।१५।२६।११	७१२।०९	११।१३।५६।१४	३३।१४	२।११।०९।३२	०।५२	८।२८।२९।४४	७।४३व	१।१५।३६।३५	३१।५६	९।०५।११।१६	४।२२व	२।०३।५१।४४	३।११
१३। ७	५।४७	२।२६।५७।३२	५७।१४	११।२७।१८।२१	७१२।३०	११।१४।२९।२८	३२।५७	२।११।१०।२५	६।२९	८।२८।२२।००	७।४४व	१।१६।०८।३२	३३।१८	९।०५।०६।५४	४।२३व	२।०३।४८।३३	३।११
१४। ७	५।४८	२।२७।५४।४६	५७।१४	०।०९।१०।५०	७१८।०२	११।१५।०२।२५	३२।४१	२।११।१६।५४	१२।११	८।२८।१४।१६	७।४४व	१।१६।४१।५०	३४।३७	९।०५।०२।३१	४।२४व	२।०३।४५।२२	३।११
१५। ७	५।४८	२।२८।५२।००	५७।१५	०।२१।०८।५३	७२८।१९	११।१५।३५।०६	३२।२४	२।११।२९।०५	१७।५५	८।२८।०६।३२	७।४४व	१।१७।१६।२६	३५।५२	९।०४।५८।०८	४।२५व	२।०३।४२।११	३।११
१६। ७	५।४९	२।२९।४९।१५	५७।१५	१।०३।१७।१२	७४२।३१	११।१६।०७।३०	३२।०७	२।११।४७।००	२३।३८	८।२७।५८।४८	७।४४व	१।१७।५२।१८	३७।०५	९।०४।५३।४३	४।२५व	२।०३।३९।००	३।११
१७। ७	५।४९	३।००।४६।३०	५७।१६	१।१५।३९।४३	७५९।३७	११।१६।३९।३८	३१।५०	२।१२।१०।३८	२९।१९	८।२७।५१।०५	७।४२व	१।१८।२९।२३	३८।१५	९।०४।४९।१८	४।२६व	२।०३।३५।५०	३।११
१८। ७	५।५०	३।०१।४३।४५	५७।१६	१।२८।१९।२०	७७८।३३	११।१७।११।२८	३१।३२	२।१२।३९।५७	३४।५५	८।२७।४३।२२	७।४२व	१।१९।०७।३८	३९।२२	९।०४।४४।५२	४।२६व	२।०३।३२।३९	३।११
१९। ७	५।५०	३।०२।४१।०१	५७।१६	२।११।१७।५२	७९८।११	११।१७।४२।५९	३१।१३	२।१३।१४।५२	४०।२६	८।२७।३५।४१	७।३८व	१।१९।४७।०१	४०।२७	९।०४।४०।२६	४।२६व	२।०३।२९।२८	३।११
२०। ७	५।५१	३।०३।३८।१८	५७।१७	२।२४।३६।०३	८१७।१७	११।१८।१४।१२	३०।५४	२।१३।५५।१८	४५।५०	८।२७।२८।०२	७।३८व	१।२०।२७।२८	४१।३०	९।०४।३६।००	४।२७व	२।०३।२६।१७	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
६। ७	८।०४।१०।४९	उषा २-११।०४	३-१७।०७	४-२३।१३	श्रव १-२९।२०	. .. ..	२०।४३	-२२।२५	१९।२२।४०	- २।५३	६।२८	-२३।२५	६।५१।०२	- २।५३	+ ४।४६	०।११।३७
७। ७	८।०४।०७।३८	श्रव २-११।२९	३-१७।४१	४-२३।५४	. .. ..	. .. ..	२१।२९	-१९।४३	२०।१४।५७	- ३।४९	७।२८	-२१।३०	७।४५।३०	- ३।४९	+ ४।५६	०।१५।५९
८। ७	८।०४।०४।२७	धनि १- ६।१०	२-१२।२८	३-१८।४९	४-२५।११	. .. ..	२२।०९	-१६।०५	२१।०३।३१	- ४।३२	८।२७	-१८।०९	८।३७।०१	- ४।११	+ ५।०५	०।२०।२२
९। ७	८।०४।०१।१६	शत १- ७।३६	२-१४।०३	३-२०।३२	४-२७।०४	. .. ..	२२।४४	-११।४८	२१।४८।४१	- ५।००	९।२४	-१४।०८	९।२४।३३	- ४।४७	+ ५।१४	०।२४।४६
१०। ७	८।०३।५८।०५	पूभा १- ९।३७	२-१६।१२	३-२२।४९	४-२९।२८	. .. ..	२३।१६	- ७।०८	२२।३१।११	- ५।१४	१०।१९	- ९।३५	१०।०८।५८	- ५।०९	+ ५।२३	०।२९।१०
११। ७	८।०३।५४।५४	उभा १-१२।०८	२-१८।४९	३-२५।३२	. .. ..	. .. ..	२३।४७	- २।१५	२३।११।५९	- ५।१२	११।११	- ४।४४	१०।५१।०८	- ५।१५	+ ५।३१	०।३३।३५
१२। ७	८।०३।५१।४४	उभा ४- ८।१६	रेव १-१५।००	२-२१।४५	३-२८।२९	. .. ..	२४।१७	+ २।४०	२३।५२।०६	- ४।५७	१२।०३	+ ०।१५	११।३२।०४	- ५।०६	+ ५।३८	०।३८।००
१३। ७	८।०३।४८।३३	रेव ४-११।१४	अश्वि १-१७।५९	२-२४।४३	. .. ..	. .. ..	२४।४७	+ ७।२९	२४।३२।३४	- ४।२९	१२।५४	+ ५।१२	१२।१२।५०	- ४।४४	+ ५।४६	०।४२।२५
१४। ७	८।०३।४५।२२	अश्वि ३- ७।२७	४-१४।०९	भर १-२०।५१	२-२७।३१	. .. ..	२५।१९	+१२।०३	२५।१४।२५	- ३।४८	१३।४६	+ ९।५९	१२।५४।२९	- ४।०८	+ ५।५२	०।४६।५१
१५। ७	८।०३।४२।११	भर ३-१०।०९	४-१६।४६	कृति १-२३।२१	. .. ..	. .. ..	२५।५३	+१६।१२	२५।५८।३४	- २।५६	१४।३९	+१४।२४	१३।३८।०४	- ३।२०	+ ५।५९	०।५१।१८
१६। ७	८।०३।३९।००	कृति २- ५।५४	३-१२।२५	४-१८।५४	रोहि १-२५।२०	. .. ..	२६।३२	+१९।४४	२६।४५।४८	- १।५४	१५।३५	+१८।१७	१४।२४।२६	- २।२२	+ ६।०४	०।५५।४४
१७। ७	८।०३।३५।५०	रोहि २- ७।४५	३-१४।०७	४-२०।२६	मृग १-२६।४३	. .. ..	२७।१६	+२२।२२	२७।३६।३१	- ०।४५	१६।३२	+२१।२२	१५।१४।०९	- १।१५	+ ६।०९	१।००।११
१८। ७	८।०३।३२।३९	मृग २- ८।५८	३-१५।१०	४-२१।२०	आर्द्रा १-२७।२८	. .. ..	२८।०७	+२३।५१	२८।३०।३४	+ ०।२९	१७।३०	+२३।२४	१६।०७।१४	- ०।०२	+ ६।१४	१।०४।३८
१९। ७	८।०३।२९।२८	आर्द्रा २- ९।३३	३-१५।३६	४-२१।३६	पुन १-२७।३५	. .. ..	२९।०३	+२३।५७	२९।२७।०३	+ १।४३	१८।२८	+२४।०६	१७।०३।०१	+ १।१३	+ ६।१८	१।०९।०६
२०। ७	८।०३।२६।१७	पुन २- ९।३१	३-१५।२५	४-२१।१८	पुष्य १-२७।०८	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१९।२३	+२३।१८	१८।००।०९	+ २।२५	+ ६।२२	१।१३।३४

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. २१। ७।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२१। ७	५।५१	३।०४।३५।३५	५७।१७	३।०८।१३।२१	८३४।३१	११।१८।४५।०७	३०।३५	२।१४।४१।०७	५१।०७	८।२७।२०।२४	७।३६व	१।२१।०८।५८	४२।३०	९।०४।३१।३३	४।२७व	२।०३।२३।०६	३।११
२२। ७	५।५२	३।०५।३२।५२	५७।१८	३।२२।०७।५१	८४८।२९	११।१९।१५।४२	३०।१५	२।१५।३२।१४	५६।१६	८।२७।१२।४८	७।३४व	१।२१।५१।२८	४३।२८	९।०४।२७।०७	४।२६व	२।०३।१९।५५	३।११
२३। ७	५।५२	३।०६।३०।१०	५७।१९	४।०६।१६।२०	८५८।०४	११।१९।४५।५६	२९।५५	२।१६।२८।३०	६१।१८	८।२७।०५।१५	७।३१व	१।२२।३४।५६	४४।२४	९।०४।२२।४१	४।२६व	२।०३।१६।४४	३।११
२४। ७	५।५३	३।०७।२७।२८	५७।१९	४।२०।३४।२५	८६२।४३	११।२०।१५।५१	२९।३४	२।१७।२९।४८	६६।१३	८।२६।५७।४४	७।२७व	१।२३।१९।२०	४५।१८	९।०४।१८।१५	४।२६व	२।०३।१३।३४	३।११
२५। ७	५।५३	३।०८।२४।४८	५७।२०	५।०४।५७।०७	८६२।३०	११।२०।४५।२४	२९।१२	२।१८।३६।०१	७१।०२	८।२६।५०।१६	७।२४व	१।२४।०४।३८	४६।१०	९।०४।१३।४९	४।२५व	२।०३।१०।२३	३।११
२६। ७	५।५४	३।०९।२२।०७	५७।२०	५।१९।१९।३७	८५८।११	११।२१।१४।३६	२८।५०	२।१९।४७।०३	७५।४४	८।२६।४२।५२	७।२०व	१।२४।५०।४८	४७।००	९।०४।०९।२४	४।२५व	२।०३।०७।१२	३।११
२७। ७	५।५४	३।१०।१९।२८	५७।२१	६।०३।३७।४८	८५०।५०	११।२१।४३।२६	२८।२७	२।२१।०२।४६	८०।१९	८।२६।३५।३२	७।१६व	१।२५।३७।४७	४७।४८	९।०४।०४।५९	४।२४व	२।०३।०४।०१	३।११
२८। ७	५।५५	३।११।१६।४९	५७।२२	६।१७।४८।३८	८४१।३५	११।२२।११।५४	२८।०४	२।२२।२३।०६	८४।४९	८।२६।२८।१६	७।१२व	१।२६।२५।३५	४८।३४	९।०४।००।३५	४।२३व	२।०३।००।५०	३।११
२९। ७	५।५५	३।१२।१४।११	५७।२३	७।०१।५०।१२	८३१।१९	११।२२।३९।५८	२७।४१	२।२३।४७।५५	८९।११	८।२६।२१।०४	७।०७व	१।२७।१४।०९	४९।१९	९।०३।५६।१३	४।२२व	२।०२।५७।४०	३।११
३०। ७	५।५६	३।१३।११।३४	५७।२३	७।१५।४१।३१	८२०।३४	११।२३।०७।३९	२७।१६	२।२५।१७।०६	९३।२६	८।२६।१३।५६	७।०१व	१।२८।०३।२८	५०।०२	९।०३।५१।५१	४।२०व	२।०२।५४।२९	३।११
३१। ७	५।५६	३।१४।०८।५७	५७।२४	७।२९।२२।०६	८०९।३२	११।२३।३४।५५	२६।५१	२।२६।५०।३१	९७।३१	८।२६।०६।५६	६।५७व	१।२८।५३।३१	५०।४४	९।०३।४७।३१	४।१९व	२।०२।५१।१७	३।११
१। ८	५।५७	३।१५।०६।२१	५७।२५	८।१२।५१।३८	७९८।०९	११।२४।०१।४६	२६।२६	२।२८।२८।०२	१०१।२६	८।२५।५९।५८	६।५१व	१।२९।४४।१४	५१।२४	९।०३।४३।१२	४।१८व	२।०२।४८।०७	३।११
२। ८	५।५८	३।१६।०३।४७	५७।२६	८।२६।०९।४६	७८६।१६	११।२४।२८।१२	२६।००	३।००।०९।२८	१०५।०७	८।२५।५३।०७	६।४५व	२।००।३५।३८	५२।०३	९।०३।३८।५४	४।१६व	२।०२।४४।५६	३।११
३। ८	५।५८	३।१७।०१।१३	५७।२७	९।०९।१६।०२	७७३।४८	११।२४।५४।१२	२५।३३	३।०१।५४।३५	१०८।३४	८।२५।४६।२२	६।३९व	२।०१।२७।४१	५२।४०	९।०३।३४।३९	४।१४व	२।०२।४१।४५	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२१। ७	८।०३।२३।०६	पुष्य २- ८।५७	३-१४।४४	४-२०।२९	श्ले १-२६।१३	. .. ..	६।०४	+२२।२८	६।२४।४८	+ ३।५२	२०।१४	+२१।००	१८।५७।०३	+ ३।२९	+ ६।२५	१।१८।०१
२२। ७	८।०३।१९।५५	श्ले २- ७।५५	३-१३।३६	४-१९।१६	मघा १-२४।५४	. .. ..	७।०८	+१९।३९	७।२१।३२	+ ४।३६	२१।००	+१७।२०	१९।५२।२४	+ ४।२१	+ ६।२७	१।२२।२९
२३। ७	८।०३।१६।४४	मघा २- ६।३२	३-१२।०९	४-१७।४५	पूफा १-२३।२०	२-२८।५५	८।१४	+१५।१२	८।१६।५२	+ ४।४०	२१।४३	+१२।३४	२०।४५।३९	+ ४।५६	+ ६।२९	१।२६।५८
२४। ७	८।०३।१३।३४	पूफा ३-१०।३०	४-१६।०४	उफा १-२१।३७	२-२७।११	. .. ..	९।१९	+ ९।५८	९।०९।५७	+ ५।०६	२२।२२	+ ७।०३	२१।३६।५४	+ ५।१२	+ ६।३०	१।३१।२६
२५। ७	८।०३।१०।२३	उफा ३- ८।४५	४-१४।१९	हस्त १-१९।५३	२-२५।२७	. .. ..	१०।२३	+ ४।०७	१०।०१।२०	+ ५।१२	२२।५९	+ १।०८	२२।२६।४९	+ ५।०७	+ ६।३१	१।३५।५४
२६। ७	८।०३।०७।१२	हस्त ३- ७।०१	४-१२।३६	चित्रा १-१८।१२	२-२३।४८	३-२९।२४	११।२६	- १।५७	१०।५१।४९	+ ४।५७	२३।३६	- ४।४९	२३।१६।२१	+ ४।४३	+ ६।३१	१।४०।२४
२७। ७	८।०३।०४।०१	चित्रा ४-११।०२	स्वा. १-१६।४०	२-२२।१८	३-२७।५८	. .. ..	१२।२९	- ७।५२	११।४२।२५	+ ४।२३	२४।१४	-१०।२७	२४।०६।२८	+ ४।०१	+ ६।३१	१।४४।५२
२८। ७	८।०३।००।५०	स्वा. ४- ९।३९	विशा १-१५।२०	२-२१।०२	३-२६।४६	. .. ..	१३।३३	-१३।१८	१२।३४।०६	+ ३।३१	२४।५५	-१५।२९	२४।५८।०५	+ ३।०४	+ ६।३०	१।४९।२१
२९। ७	८।०२।५७।४०	विशा ४- ८।३०	अनु १-१४।१५	२-२०।०२	३-२५।४९	. .. ..	१४।३७	-१७।५५	१३।२७।३३	+ २।२७	२५।३८	-१९।३४	२५।५१।४१	+ १।५६	+ ६।२८	१।५३।५०
३०। ७	८।०२।५४।२९	अनु ४- ७।३८	ज्ये १-१३।२८	२-१९।१८	३-२५।१०	. .. ..	१५।४१	-२१।२३	१४।२२।५९	+ १।१४	२६।२७	-२२।२६	२६।४७।१५	+ ०।४२	+ ६।२६	१।५८।१८
३१। ७	८।०२।५१।१७	ज्ये ४- ७।०३	मूल १-१२।५८	२-१८।५३	३-२४।५०	. .. ..	१६।४३	-२३।२९	१५।१९।५०	- ०।०३	२७।२०	-२३।५४	२७।४४।०२	- ०।३४	+ ६।२३	२।०२।४७
१। ८	८।०२।४८।०७	मूल ४- ६।४८	पूषा १-१२।४७	२-१८।४८	३-२४।४९	. .. ..	१७।४२	-२४।०४	१६।१६।५३	- १।१८	२८।१७	-२३।५२	२८।४०।४३	- १।४७	+ ६।१९	२।०७।१६
२। ८	८।०२।४४।५६	पूषा ४- ६।५२	उषा १-१२।५७	२-१९।०३	३-२५।१०	. .. ..	१८।३५	-२३।१०	१७।१२।३८	- २।२७	२९।१६	-२२।२४	२९।३५।४७	- २।५२	+ ६।१५	२।११।४५
३। ८	८।०२।४१।४५	उषा ४- ७।१९	श्रव १-१३।३०	२-१९।४२	३-२५।५५	. .. ..	१९।२२	-२०।५६	१८।०५।४७	- ३।२६	. . .	. . .	. . .	. . .	+ ६।१०	२।१६।१३

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. ४। ८।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
४। ८	५।५९	३।१७।५८।४०	५७।२८	९।२२।०९।५०	७६०।५१	११।२५।१९।४५	२५।०५	३।०३।४३।०९	१११।४३	८।२५।३९।४२	६।३३व	२।०२।२०।२१	५३।१६	९।०३।३०।२४	४।१२व	२।०२।३८।३४	३।११
५। ८	५।५९	३।१८।५६।०७	५७।२९	१०।०४।५०।४०	७४७।४६	११।२५।४४।५०	२४।३८	३।०५।३४।५२	११४।३२	८।२५।३३।०९	६।२६व	२।०३।१३।३८	५३।५१	९।०३।२६।१२	४।१०व	२।०२।३५।२३	३।११
६। ८	६।००	३।१९।५३।३६	५७।३०	१०।१७।१८।२६	७३५।१४	११।२६।०९।२८	२४।०९	३।०७।२९।२३	११७।००	८।२५।२६।४२	६।१९व	२।०४।०७।२९	५४।२५	९।०३।२२।०२	४।०८व	२।०२।३२।१३	३।११
७। ८	६।००	३।२०।५१।०६	५७।३१	१०।२९।३३।४१	७२४।१३	११।२६।३३।३७	२३।३९	३।०९।२६।२३	११९।०४	८।२५।२०।२३	६।१२व	२।०५।०१।५४	५४।५८	९।०३।१७।५३	४।०६व	२।०२।२९।०२	३।११
८। ८	६।०१	३।२१।४८।३७	५७।३२	११।११।३७।५४	७१५।५०	११।२६।५७।१६	२३।०९	३।११।२५।२८	१२०।४५	८।२५।१४।११	६।०५व	२।०५।५६।५२	५५।२९	९।०३।१३।४७	४।०४व	२।०२।२५।५१	३।११
९। ८	६।०१	३।२२।४६।०९	५७।३३	११।२३।३३।४३	७११।१२	११।२७।२०।२५	२२।३८	३।१३।२६।१३	१२२।०२	८।२५।०८।०६	५।५७व	२।०६।५२।२२	५६।००	९।०३।०९।४४	४।०१व	२।०२।२२।४०	३।११
१०। ८	६।०२	३।२३।४३।४२	५७।३४	०।०५।२४।५५	७११।१३	११।२७।४३।०३	२२।०७	३।१५।२८।१५	१२२।५६	८।२५।०२।०८	५।४८व	२।०७।४८।२२	५६।३०	९।०३।०५।४३	३।५८व	२।०२।१९।३०	३।११
११। ८	६।०२	३।२४।४१।१६	५७।३५	०।१७।१६।०८	७१६।२७	११।२८।०५।१०	२१।३४	३।१७।३१।१२	१२३।२८	८।२४।५६।२०	५।४१व	२।०८।४४।५१	५६।५८	९।०३।०१।४५	३।५६व	२।०२।१६।१८	३।११
१२। ८	६।०३	३।२५।३८।५१	५७।३६	०।२९।१२।३५	७२६।५८	११।२८।२६।४४	२१।०१	३।१९।३४।३९	१२३।३९	८।२४।५०।३९	५।३३व	२।०९।४१।४९	५७।२६	९।०२।५७।४९	३।५३व	२।०२।१३।०७	३।११
१३। ८	६।०३	३।२६।३६।२८	५७।३८	१।११।१९।३४	७४२।२८	११।२८।४७।४६	२०।२८	३।२१।३८।१८	१२३।३२	८।२४।४५।०६	५।२४व	२।१०।३९।१५	५७।५३	९।०२।५३।५६	३।५०व	२।०२।०९।५७	३।११
१४। ८	६।०४	३।२७।३४।०५	५७।३९	१।२३।४२।०२	७६२।१६	११।२९।०८।१३	१९।५३	३।२३।४१।५०	१२३।१०	८।२४।३९।४२	५।१६व	२।११।३७।०८	५८।१९	९।०२।५०।०६	३।४७व	२।०२।०६।४६	३।११
१५। ८	६।०४	३।२८।३१।४४	५७।४०	२।०६।२४।१८	७८५।१९	११।२९।२८।०६	१९।१८	३।२५।४५।००	१२२।३४	८।२४।३४।२६	५।०७व	२।१२।३५।२७	५८।४४	९।०२।४६।१९	३।४४व	२।०२।०३।३५	३।११
१६। ८	६।०५	३।२९।२९।२४	५७।४१	२।१९।२९।३७	८१०।१३	११।२९।४७।२४	१८।४१	३।२७।४७।३४	१२१।४८	८।२४।२९।२०	४।५८व	२।१३।३४।११	५९।०८	९।०२।४२।३६	३।४०व	२।०२।००।२४	३।११
१७। ८	६।०५	४।००।२७।०६	५७।४३	३।०२।५९।५०	८३५।०५	०।००।०६।०५	१८।०५	३।२९।४९।२३	१२०।५४	८।२४।२४।२२	४।४८व	२।१४।३३।१९	५९।३२	९।०२।३८।५५	३।३७व	२।०१।५७।१३	३।११
१८। ८	६।०६	४।०१।२४।४८	५७।४४	३।१६।५४।५५	८५७।३४	०।००।२४।१०	१७।२७	४।०१।५०।१६	११९।५३	८।२४।१९।३४	४।३९व	२।१५।३२।५१	५९।५५	९।०२।३५।१८	३।३३व	२।०१।५४।०३	३।११
१९। ८	६।०६	४।०२।२२।३२	५७।४५	४।०१।१२।२९	८७५।०६	०।००।४१।३६	१६।४९	४।०३।५०।१०	११८।४७	८।२४।१४।५५	४।२९व	२।१६।३२।४६	६०।१७	९।०२।३१।४५	३।३०व	२।०१।५०।५२	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. मे

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
४। ८	८।०२।३८।३४	श्रव ४- ८।१०	धनि १-१४।२७	२-२०।४६	३-२७।०६	. .. ..	२०।०४	-१७।३९	१८।५५।३८	- ४।१३	६।१५	-१९।३५	६।२८।०९	- ४।१३	+ ६।०५	२।२०।४२
५। ८	८।०२।३५।२३	धनि ४- ९।२८	शत १-१५।५२	२-२२।१८	३-२८।४५	. .. ..	२०।४२	-१३।३४	१९।४२।१२	- ४।४५	७।१२	-१६।०१	७।१७।०१	- ४।४५	+ ५।५९	२।२५।१०
६। ८	८।०२।३२।१३	शत ४-११।१४	पूभा १-१७।४५	२-२४।१८	. .. ..	. .. ..	२१।१५	- ८।५९	२०।२५।५५	- ५।०३	८।०८	-११।२५	८।०२।५२	- ४।५६	+ ५।५२	२।२९।४०
७। ८	८।०२।२९।०२	पूभा ३- ६।५२	४-१३।२८	उभा १-२०।०६	२-२६।४५	. .. ..	२१।४६	- ४।०७	२१।०७।३४	- ५।०६	९।०२	- ६।३७	८।४६।०६	- ५।०७	+ ५।४५	२।३४।०८
८। ८	८।०२।२५।५१	उभा ३- ९।२५	४-१६।०७	रेव १-२२।५०	२-२९।३४	. .. ..	२२।१६	+ ०।५१	२१।४८।०२	- ४।५६	९।५४	- १।३७	९।२७।४०	- ५।०३	+ ५।३८	२।३८।३६
९। ८	८।०२।२२।४०	रेव ३-१२।१८	४-१९।०३	अश्वि १-२५।४८	. .. ..	. .. ..	२२।४६	+ ५।४४	२२।२८।१७	- ४।३२	१०।४६	+ ३।२४	१०।०८।३०	- ४।४५	+ ५।२९	२।४३।०४
१०। ८	८।०२।१९।३०	अश्वि २- ८।३४	३-१५।१९	४-२२।०५	भर १-२८।४९	. .. ..	२३।१७	+१०।२४	२३।०९।१५	- ३।५६	११।३७	+ ८।१५	१०।४९।३५	- ४।१४	+ ५।२०	२।४७।३२
११। ८	८।०२।१६।१८	भर २-११।३३	३-१८।१६	४-२४।५७	. .. ..	. .. ..	२३।५०	+१४।४२	२३।५१।५५	- ३।०९	१२।३०	+१२।४८	११।३१।५७	- ३।३२	+ ५।११	२।५२।००
१२। ८	८।०२।१३।०७	कृति १- ७।३८	२-१४।१६	३-२०।५२	४-२७।२७	. .. ..	२४।२७	+१८।२७	२४।३७।०८	- २।१३	१३।२३	+१६।५३	१२।१६।३०	- २।३९	+ ५।०१	२।५६।२८
१३। ८	८।०२।०९।५७	रोहि १- ९।५९	२-१६।२९	३-२२।५७	४-२९।२२	. .. ..	२५।०८	+२१।२७	२५।२५।३६	- १।०९	१४।१९	+२०।१७	१३।०४।०१	- १।३७	+ ४।५०	३।००।५५
१४। ८	८।०२।०६।४६	मृग १-११।४४	२-१८।०३	३-२४।२०	. .. ..	. .. ..	२५।५५	+२३।२६	२६।१७।३२	+ ०।०१	१५।१६	+२२।४५	१३।५४।५४	- ०।२९	+ ४।३९	३।०५।२२
१५। ८	८।०२।०३।३५	मृग ४- ६।३४	आर्द्रा १-१२।४४	२-१८।५२	३-२४।५८	. .. ..	२६।४८	+२४।१०	२७।१२।३६	+ १।१३	१६।१४	+२४।०२	१४।४९।०१	+ ०।४३	+ ४।२७	३।०९।५०
१६। ८	८।०२।००।२४	आर्द्रा ४- ७।००	पुन १-१२।५९	२-१८।५६	३-२४।५०	. .. ..	२७।४७	+२३।२५	२८।०९।४७	+ २।२३	१७।१०	+२३।५४	१५।४५।२८	+ १।५५	+ ४।१५	३।१४।१८
१७। ८	८।०१।५७।१३	पुन ४- ६।४१	पुष्य १-१२।२९	२-१८।१५	३-२३।५९	४-२९।४०	२८।५१	+२१।०७	२९।०७।३६	+ ३।२६	१८।०३	+२२।१५	१६।४२।५३	+ ३।०१	+ ४।०२	३।१८।४४
१८। ८	८।०१।५४।०३	श्ले १-११।२०	२-१६।५७	३-२२।३२	४-२८।०६	. .. ..	२९।५७	+१७।२१	३०।०४।४०	+ ४।१७	१८।५२	+१९।०५	१७।३९।४६	+ ३।५७	+ ३।४९	३।२३।११
१९। ८	८।०१।५०।५२	मघा १- ९।३८	२-१५।०८	३-२०।३७	४-२६।०५	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१९।३७	+१४।३८	१८।३५।०५	+ ४।३८	+ ३।३५	३।२७।३८

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिका: (कला-विकलादौ) ता. २०। ८।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२०। ८	६।०७	४।०३।२०।१८	५७।४७	४।१५।४७।३४	८८५।३१	०।००।५८।२५	१६।०९	४।०५।४८।५७	११७।३८	८।२४।१०।२६	४।११व	२।१७।३३।०३	६०।३९	९।०२।२८।१५	३।२६व	२।०१।४७।४१	३।११
२१। ८	६।०७	४।०४।१८।०४	५७।४८	५।००।३३।०५	८८७।४२	०।०१।१४।३४	१५।२९	४।०७।४६।३५	११६।२६	८।२४।०६।०७	४।०८व	२।१८।३३।४२	६१।००	९।०२।२४।४९	३।२२व	२।०१।४४।३०	३।११
२२। ८	६।०८	४।०५।१५।५२	५७।४९	५।१५।२०।४७	८८२।०१	०।०१।३०।०३	१४।४८	४।०९।४३।०१	११५।१२	८।२४।०१।५९	३।५९व	२।१९।३४।४२	६१।२०	९।०२।२१।२८	३।१८व	२।०१।४१।१९	३।११
२३। ८	६।०८	४।०६।१३।४२	५७।५१	६।००।०२।४८	८७०।०५	०।०१।४४।५१	१४।०६	४।११।३८।१२	११३।५६	८।२३।५८।००	३।४९व	२।२०।३६।०२	६१।४०	९।०२।१८।०९	३।१४व	२।०१।३८।०८	३।११
२४। ८	६।०९	४।०७।११।३३	५७।५२	६।१४।३२।५३	८५४।१७	०।०१।५८।५७	१३।२४	४।१३।३२।०८	११२।३९	८।२३।५४।११	३।३८व	२।२१।३७।४३	६२।००	९।०२।१४।५५	३।१०व	२।०१।३४।५७	३।११
२५। ८	६।०९	४।०८।०९।२५	५७।५४	६।२८।४७।१०	८३६।५६	०।०२।१२।२१	१२।४१	४।१५।२४।४७	१११।२१	८।२३।५०।३२	३।२८व	२।२२।३९।४२	६२।१८	९।०२।११।४५	३।०६व	२।०१।३१।४७	३।११
२६। ८	६।१०	४।०९।०७।१९	५७।५५	७।१२।४४।०६	८१९।५०	०।०२।२५।०२	११।५७	४।१७।१६।०७	११०।०२	८।२३।४७।०५	३।१७व	२।२३।४२।००	६२।३६	९।०२।०८।३९	३।०२व	२।०१।२८।३६	३।११
२७। ८	६।१०	४।१०।०५।१५	५७।५७	७।२६।२३।५६	८०३।५९	०।०२।३६।५९	११।१२	४।१९।०६।१०	१०८।४३	८।२३।४३।४७	३।०७व	२।२४।४४।३७	६२।५४	९।०२।०५।३८	२।५७व	२।०१।२५।२५	३।११
२८। ८	६।११	४।११।०३।११	५७।५८	८।०९।४७।५५	७८९।४६	०।०२।४८।११	१०।२६	४।२०।५४।५३	१०७।२४	८।२३।४०।४१	२।५६व	२।२५।४७।३१	६३।११	९।०२।०२।४१	२।५३व	२।०१।२२।१४	३।११
२९। ८	६।११	४।१२।०१।१०	५८।००	८।२२।५७।४२	७७७।०७	०।०२।५८।३७	९।४०	४।२२।४२।१७	१०६।०५	८।२३।३७।४५	२।४५व	२।२६।५०।४२	६३।२८	९।०१।५९।४८	२।४८व	२।०१।१९।०३	३।११
३०। ८	६।१२	४।१२।५९।१०	५८।०२	९।०५।५४।४८	७६५।४४	०।०३।०८।१७	८।५३	४।२४।२८।२२	१०४।४६	८।२३।३५।००	२।३४व	२।२७।५४।१०	६३।४४	९।०१।५७।००	२।४३व	२।०१।१५।५३	३।११
३१। ८	६।१२	४।१३।५७।१२	५८।०३	९।१८।४०।३२	७५५।१६	०।०३।१७।१०	८।०६	४।२६।१३।०७	१०३।२७	८।२३।३२।२७	२।२३व	२।२८।५७।५५	६४।००	९।०१।५४।१६	२।३९व	२।०१।१२।४२	३।११
१। ९	६।१३	४।१४।५५।१५	५८।०५	१०।०१।१५।४८	७४५।२६	०।०३।२५।१५	७।१७	४।२७।५६।३५	१०२।०९	८।२३।३०।०४	२।१०व	३।००।०१।५५	६४।१६	९।०१।५१।३८	२।३३व	२।०१।०९।३१	३।११
२। ९	६।१३	४।१५।५३।२०	५८।०७	१०।१३।४१।१५	७३६।०५	०।०३।३२।३२	६।२८	४।२९।३८।४४	१००।५२	८।२३।२७।५४	२।००व	३।०१।०६।११	६४।३१	९।०१।४९।०४	२।२९व	२।०१।०६।२०	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
२०। ८	८।०१।४७।४१	पूफा १- ७।३२	२-१२।५९	३-१८।२४	४-२३।४९	उफा १-२९।१४
२१। ८	८।०१।४४।३०	उफा २-१०।३८	३-१६।०२	४-२१।२७	हस्त १-२६।५२	. .. ..
२२। ८	८।०१।४१।१९	हस्त २- ८।१७	३-१३।४२	४-१९।०९	चित्रा १-२४।३६	२-३०।०४
२३। ८	८।०१।३८।०८	चित्रा ३-११।३३	४-१७।०३	स्वा. १-२२।३४	२-२८।०७	. .. ..
२४। ८	८।०१।३४।५७	स्वा. ३- ९।४१	४-१५।१७	विशा १-२०।५४	२-२६।३३	. .. ..
२५। ८	८।०१।३१।४७	विशा ३- ८।१३	४-१३।५६	अनु १-१९।३९	२-२५।२५	. .. ..
२६। ८	८।०१।२८।३६	अनु ३- ७।१२	४-१३।०१	ज्ये १-१८।५२	२-२४।४५	. .. ..
२७। ८	८।०१।२५।२५	ज्ये ३- ६।३९	४-१२।३५	मूल १-१८।३२	२-२४।३२	. .. ..
२८। ८	८।०१।२२।१४	मूल ३- ६।३३	४-१२।३५	पूषा १-१८।३९	२-२४।४५	. .. ..
२९। ८	८।०१।१९।०३	पूषा ३- ६।५२	४-१३।०१	उषा १-१९।११	२-२५।२३	. .. ..
३०। ८	८।०१।१५।५३	उषा ३- ७।३६	४-१३।५१	श्रव १-२०।०७	२-२६।२४	. .. ..
३१। ८	८।०१।१२।४२	श्रव ३- ८।४३	४-१५।०३	धनि १-२१।२४	२-२७।४७	. .. ..
१। ९	८।०१।०९।३१	धनि ३-१०।११	४-१६।३७	शत १-२३।०४	२-२९।३२	. .. ..
२। ९	८।०१।०६।२०	शत ३-१२।०१	४-१८।३२	पूभा १-२५।०४	. .. ..	. .. ..

चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
७।०४	+१२।२०	७।००।०६	+ ५।०४	२०।१८	+ ९।१३	१९।२८।३२	+ ५।००	+ ३।२१	३।३२।०४
८।१०	+ ६।४६	७।५३।४८	+ ४।५६	२०।५७	+ ३।१२	२०।२०।२५	+ ५।०२	+ ३।०७	३।३६।३०
९।१६	+ ०।०२	८।४५।५५	+ ४।५४	२१।३५	- २।५८	२१।११।२६	+ ४।४२	+ २।५१	३।४०।५६
१०।२१	- ६।१०	९।३७।४७	+ ४।२४	२२।१४	- ८।५५	२२।०२।३०	+ ४।०३	+ २।३६	३।४५।२२
११।२६	-११।५६	१०।३०।०९	+ ३।३५	२२।५४	-१४।१६	२२।५४।२७	+ ३।०९	+ २।२०	३।४९।४८
१२।३१	-१६।५३	११।२३।४३	+ २।३३	२३।३७	-१८।४२	२३।४७।५३	+ २।०३	+ २।०३	३।५४।१४
१३।३५	-२०।४४	१२।१८।४७	+ १।२२	२४।२४	-२१।५७	२४।४२।५४	+ ०।५१	+ १।४६	३।५८।३९
१४।३७	-२३।१३	१३।१५।०२	+ ०।०७	२५।१५	-२३।४९	२५।३९।०१	- ०।२३	+ १।२९	४।०३।०४
१५।३७	-२४।१४	१४।११।३३	- १।०६	२६।१०	-२४।१३	२६।३५।०८	- १।३४	+ १।१२	४।०७।३०
१६।३१	-२३।४६	१५।०७।००	- २।१४	२७।०८	-२३।१०	२७।२९।५९	- २।३९	+ ०।५४	४।११।५५
१७।१९	-२१।५६	१६।००।१३	- ३।१२	२८।०६	-२०।५०	२८।२२।२४	- ३।३४	+ ०।३५	४।१६।२०
१८।०२	-१८।५८	१६।५०।२६	- ४।००	२९।०४	-१७।२७	२९।११।५१	- ४।१६	+ ०।१७	४।२०।४५
१८।४०	-१५।०९	१७।३७।३३	- ४।३४	३०।००	-१३।१६	२९।५८।१८	- ४।४५	- ०।०२	४।२५।०९
१९।१५	-१०।४२	१८।२१।५४	- ४।५५	. . .	. . .	. . .	. . .	- ०।२२	४।२९।३४

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. ३। ९।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
३। ९	६।१४	४।१६।५१।२७	५८।०८	१०।२५।५७।२०	७२७।१८	०।०३।३९।००	५।३९	५।०१।१९।३६	९९।३५	८।२३।२५।५४	१।४९व	३।०२।१०।४२	६४।४६	९।०१।४६।३५	२।२४व	२।०१।०३।०९	३।११
४। ९	६।१४	४।१७।४९।३५	५८।१०	११।०८।०४।३८	७१९।३०	०।०३।४४।३८	४।४८	५।०२।५९।१०	९८।१९	८।२३।२४।०५	१।३७व	३।०३।१५।२८	६५।००	९।०१।४४।११	२।१९व	२।००।५९।५८	३।११
५। ९	६।१४	४।१८।४७।४५	५८।१२	११।२०।०४।०८	७१३।२१	०।०३।४९।२६	३।५७	५।०४।३७।२९	९७।०३	८।२३।२२।२८	१।२६व	३।०४।२०।२८	६५।१४	९।०१।४१।५२	२।१४व	२।००।५६।४७	३।११
६। ९	६।१५	४।१९।४५।५७	५८।१३	०।०१।५७।२९	७०९।५०	०।०३।५३।२४	३।०६	५।०६।१४।३३	९५।४९	८।२३।२१।०२	१।१५व	३।०५।२५।४३	६५।२८	९।०१।३९।३८	२।०९व	२।००।५३।३६	३।११
७। ९	६।१५	४।२०।४४।१०	५८।१५	०।१३।४७।१९	७०९।५५	०।०३।५६।३०	२।१५	५।०७।५०।२२	९४।३६	८।२३।१९।४७	१।०३व	३।०६।३१।१०	६५।४१	९।०१।३७।२९	२।०४व	२।००।५०।२६	३।११
८। ९	६।१६	४।२१।४२।२५	५८।१७	०।२५।३७।१४	७१४।२८	०।०३।५८।४५	१।२३	५।०९।२४।५७	९३।२३	८।२३।१८।४४	०।५१व	३।०७।३६।५२	६५।५४	९।०१।३५।२५	१।५८व	२।००।४७।१५	३।११
९। ९	६।१६	४।२२।४०।४२	५८।१९	१।०७।३१।४२	७२४।०६	०।०४।००।०८	०।३१	५।१०।५८।२०	९२।१२	८।२३।१७।५२	०।४०व	३।०८।४२।४६	६६।०७	९।०१।३३।२७	१।५३व	२।००।४४।०४	३।११
१०। ९	६।१७	४।२३।३९।०१	५८।२१	१।१९।३५।४८	७३९।०३	·०।०४।००।३९	०।२२व	५।१२।३०।३२	९१।०२	८।२३।१७।१२	०।२८व	३।०९।४८।५३	६६।२०	९।०१।३१।३४	१।४८व	२।००।४०।५३	३।११
११। ९	६।१७	४।२४।३७।२२	५८।२२	२।०१।५४।५१	७५९।१०	०।०४।००।१७	१।१४व	५।१४।०१।३४	८९।५३	८।२३।१६।४४	०।१७व	३।१०।५५।१३	६६।३२	९।०१।२९।४७	१।४२व	२।००।३७।४३	३।११
१२। ९	६।१८	४।२५।३५।४४	५८।२४	२।१४।३४।०१	७८३।४९	०।०३।५९।०३	२।०६व	५।१५।३१।२७	८८।४५	८।२३।१६।२७	०।०५व	३।१२।०१।४५	६६।४४	९।०१।२८।०४	१।३७व	२।००।३४।३२	३।११
१३। ९	६।१८	४।२६।३४।०८	५८।२६	२।२७।३७।५१	८११।४७	०।०३।५६।५७	३।००व	५।१७।००।११	८७।३८	८।२३।१६।२२	०।०६	३।१३।०८।२८	६६।५५	९।०१।२६।२८	१।३१व	२।००।३१।२१	३।११
१४। ९	६।१९	४।२७।३२।३४	५८।२८	३।११।०९।३८	८४१।०२	०।०३।५३।५७	३।५१व	५।१८।२७।४९	८६।३१	८।२३।१६।२९	०।१९	३।१४।१५।२३	६७।०७	९।०१।२४।५७	१।२५व	२।००।२८।१०	३।११
१५। ९	६।१९	४।२८।३१।०२	५८।३०	३।२५।१०।४०	८६८।४१	०।०३।५०।०५	४।४३व	५।१९।५४।२०	८५।२५	८।२३।१६।४८	०।३०	३।१५।२२।३०	६७।१८	९।०१।२३।३१	१।२०व	२।००।२४।५९	३।११
१६। ९	६।२०	४।२९।२९।३२	५८।३२	४।०९।३९।२०	८९१।१९	०।०३।४५।२२	५।३५व	५।२१।१९।४५	८४।१९	८।२३।१७।१८	०।४१	३।१६।२९।४८	६७।२९	९।०१।२२।११	१।१४व	२।००।२१।४८	३।११
१७। ९	६।२०	५।००।२८।०४	५८।३४	४।२४।३०।३९	९०५।४२	०।०३।३९।४७	६।२७व	५।२२।४४।०४	८३।१२	८।२३।१७।५९	०।५३	३।१७।३७।१७	६७।३९	९।०१।२०।५७	१।०९व	२।००।१८।३७	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
३। ९	८।०१।०३।०९	पूभा २- ७।३८	३-१४।१२	४-२०।४८	उभा १-२७।२६	. .. ..	१९।४७	- ५।५३	१९।०४।०५	- ५।०१	६।५४	- ८।३१	६।४२।१०	- ५।०१	- ०।४१	४।३३।५८
४। ९	८।००।५९।५८	उभा २-१०।०४	३-१६।४४	४-२३।२४	रेव १-३०।०६	. .. ..	२०।१७	- ०।५३	१९।४४।५४	- ४।५३	७।४७	- ३।४२	७।२४।१९	- ४।५३	- १।०१	४।३८।२३
५। ९	८।००।५६।४७	रेव २-१२।४९	३-१९।३३	४-२६।१७	. .. ..	. .. ..	२०।४७	+ ४।०५	२०।२५।१०	- ४।३१	८।३९	+ १।४१	८।०५।१२	- ४।४३	- १।२१	४।४२।४७
६। ९	८।००।५३।३६	अश्वि १- ९।०२	२-१५।४८	३-२२।३४	४-२९।२०	. .. ..	२१।१७	+ ८।५३	२१।०५।४४	- ३।५८	९।३०	+ ६।३९	८।४६।०८	- ४।१५	- १।४१	४।४७।११
७। ९	८।००।५०।२६	भर १-१२।०६	२-१८।५२	३-२५।३८	. .. ..	. .. ..	२१।४९	+१३।२१	२१।४७।२८	- ३।१४	१०।२२	+११।२१	९।२७।४९	- ३।३६	- २।०२	४।५१।३५
८। ९	८।००।४७।१५	भर ४- ८।२३	कृति १-१५।०७	२-२१।५१	३-२८।३३	. .. ..	२२।२३	+१७।१९	२२।३१।११	- २।२१	११।१५	+१५।३७	१०।११।०६	- २।४६	- २।२२	४।५५।५९
९। ९	८।००।४४।०४	कृति ४-११।१३	रोहि १-१७।५२	२-२४।२९	. .. ..	. .. ..	२३।०२	+२०।३५	२३।१७।३२	- १।२१	१२।०९	+१९।१६	१०।५६।४६	- १।४८	- २।४३	५।००।२४
१०। ९	८।००।४०।५३	रोहि ३- ७।०४	४-१३।३७	मृग १-२०।०८	२-२६।३६	. .. ..	२३।४५	+२२।५८	२४।०६।५९	- ०।१५	१३।०५	+२२।०५	११।४५।१९	- ०।४३	- ३।०४	५।०४।४८
११। ९	८।००।३७।४३	मृग ३- ९।०१	४-१५।२३	आर्द्रा १-२१।४३	२-२७।५९	. .. ..	२४।३५	+२४।१३	२४।५९।३१	+ ०।५३	१४।०१	+२३।५१	१२।३६।५६	+ ०।२५	- ३।२५	५।०९।१२
१२। ९	८।००।३४।३२	आर्द्रा ३-१०।१२	४-१६।२३	पुन १-२२।३०	२-२८।३४	. .. ..	२५।३०	+२४।०८	२५।५४।३८	+ २।०१	१४।५७	+२४।२०	१३।३१।११	+ १।३३	- ३।४६	५।१३।३६
१३। ९	८।००।३१।२१	पुन ३-१०।३४	४-१६।३२	पुष्य १-२२।२६	२-२८।१७	. .. ..	२६।३१	+२२।३३	२६।५१।१५	+ ३।०४	१५।५०	+२३।२३	१४।२७।०८	+ २।३९	- ४।०८	५।१८।००
१४। ९	८।००।२८।१०	पुष्य ३-१०।०५	४-१५।५०	श्ले १-२१।३३	२-२७।१२	. .. ..	२७।३५	+१९।२९	२७।४८।०९	+ ३।५८	१६।४०	+२०।५६	१५।२३।३४	+ ३।३७	- ४।२९	५।२२।२४
१५। ९	८।००।२४।५९	श्ले ३- ८।४९	४-१४।२४	मघा १-१९।५६	२-२५।२६	. .. ..	२८।४२	+१५।०१	२८।४४।१९	+ ४।३७	१७।२७	+१७।०३	१६।१९।२२	+ ४।२३	- ४।५०	५।२६।४८
१६। ९	८।००।२१।४८	मघा ३- ६।५३	४-१२।१९	पूफा १-१७।४३	२-२३।०६	३-२८।२७	२९।४९	+ ९।२७	२९।३९।२०	+ ४।५८	१८।१०	+१२।००	१७।१३।५८	+ ४।५१	- ५।१२	५।३१।१२
१७। ९	८।००।१८।३७	पूफा ४- ९।४७	उफा १-१५।०६	२-२०।२४	३-२५।४१	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१८।५०	+ ६।०५	१८।०७।२०	+ ५।००	- ५।३३	५।३५।३७

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टा: (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिका: (कला-विकलादौ) ता. १८। ९।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१८। ९	६।२०	५।०१।२६।३८	५८।३६	५।०९।३६।२१	९०९।४३	०।०३।३३।२०	७।१७व	५।२४।०७।१५	८२।०४	८।२३।१८।५२	१।०४	३।१८।४४।५६	६७।५०	९।०१।१९।४९	१।०३व	२।००।१५।२६	३।११
१९। ९	६।२१	५।०२।२५।१३	५८।३८	५।२४।४६।०४	९०३।१२	०।०३।२६।०३	८।०७व	५।२५।२९।२०	८०।५५	८।२३।१९।५६	१।१६	३।१९।५२।४६	६८।००	९।०१।१८।४५	०।५७व	२।००।१२।१६	३।११
२०। ९	६।२१	५।०३।२३।५१	५८।४०	६।०९।४९।१६	८८७।५४	०।०३।१७।५५	८।५६व	५।२६।५०।१४	७९।४३	८।२३।२१।१२	१।२७	३।२१।००।४६	६८।१०	९।०१।१७।४९	०।५१व	२।००।०९।०५	३।११
२१। ९	६।२२	५।०४।२२।३१	५८।४२	६।२४।३७।०९	८६६।५०	०।०३।०८।५९	९।४५व	५।२८।०९।५७	७८।२८	८।२३।२२।४०	१।३९	३।२२।०८।५७	६८।२०	९।०१।१६।५७	०।४६व	२।००।०५।५४	३।११
२२। ९	६।२२	५।०५।२१।१२	५८।४३	७।०९।०४।००	८४३।१८	०।०२।५९।१४	१०।३२व	५।२९।२८।२५	७७।०९	८।२३।२४।१९	१।५०	३।२३।१७।१७	६८।३०	९।०१।१६।१२	०।४०व	२।००।०२।४३	३।११
२३। ९	६।२३	५।०६।१९।५६	५८।४५	७।२३।०७।१८	८१९।५६	०।०२।४८।४२	११।१८व	६।००।४५।३४	७५।४६	८।२३।२६।०९	२।०२	३।२४।२५।४६	६८।३९	९।०१।१५।३२	०।३४व	१।२९।५९।३३	३।११
२४। ९	६।२३	५।०७।१८।४१	५८।४८	८।०६।४७।१४	७९८।२७	०।०२।३७।२५	१२।०३व	६।०२।०१।२०	७४।१८	८।२३।२८।११	२।१३	३।२५।३४।२६	६८।४९	९।०१।१४।५८	०।२८व	१।२९।५६।२२	३।११
२५। ९	६।२४	५।०८।१७।२९	५८।४९	८।२०।०५।४१	७७९।४०	०।०२।२५।२२	१२।४५व	६।०३।१५।३७	७२।४२	८।२३।३०।२४	२।२४	३।२६।४३।१४	६८।५८	९।०१।१४।३०	०।२२व	१।२९।५३।११	३।११
२६। ९	६।२४	५।०९।१६।१८	५८।५२	९।०३।०५।२१	७६३।४९	०।०२।१२।३७	१३।२७व	६।०४।२८।२०	७१।००	८।२३।३२।४८	२।३७	३।२७।५२।१२	६९।०७	९।०१।१४।०८	०।१६व	१।२९।५०।००	३।११
२७। ९	६।२५	५।१०।१५।०९	५८।५३	९।१५।४९।१०	७५०।४४	०।०१।५९।१०	१४।०६व	६।०५।३९।२०	६९।०९	८।२३।३५।२५	२।४७	३।२९।०१।१८	६९।१५	९।०१।१३।५३	०।१०व	१।२९।४६।४९	३।११
२८। ९	६।२५	५।११।१४।०३	५८।५६	९।२८।१९।५४	७४०।०६	०।०१।४५।०४	१४।४४व	६।०६।४८।२८	६७।०७	८।२३।३८।१२	२।५८	४।००।१०।३४	६९।२४	९।०१।१३।४३	०।०४व	१।२९।४३।३८	३।११
२९। ९	६।२६	५।१२।१२।५८	५८।५८	१०।१०।४०।००	७३१।३४	०।०१।३०।२०	१५।१९व	६।०७।५५।३६	६४।५५	८।२३।४१।१०	३।०९	४।०१।१९।५८	६९।३२	९।०१।१३।३८	०।०२	१।२९।४०।२७	३।११
३०। ९	६।२६	५।१३।११।५६	५९।००	१०।२२।५१।३४	७२४।४३	०।०१।१५।०१	१५।५३व	६।०९।००।३१	६२।३१	८।२३।४४।१९	३।२०	४।०२।२९।३०	६९।४१	९।०१।१३।४०	०।०८	१।२९।३७।१६	३।११
१।१०	६।२७	५।१४।१०।५६	५९।०२	११।०४।५६।१७	७१९।१०	०।००।५९।०७	१६।२४व	६।१०।०३।०२	५९।५३	८।२३।४७।४०	३।३१	४।०३।३९।११	६९।४९	९।०१।१३।४८	०।१४	१।२९।३४।०६	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१८। ९	८।००।१५।२६	उफा ४- ६।५८	हस्त १-१२।१४	२-१७।३१	३-२२।४८	४-२८।०४	६।५७	+ ३।०३	६।३३।१६	+ ४।३३	१९।२९	- ०।१६	१८।५९।५८	+ ४।४६	- ५।५५	५।४०।०१
१९। ९	८।००।१२।१६	चित्रा १- ९।२२	२-१४।४०	३-१९।५८	४-२५।१८	. .. ..	८।०४	- ३।११	७।२६।५५	+ ३।५१	२०।०९	- ६।३६	१९।५२।३६	+ ४।१२	- ६।१६	५।४४।२५
२०। ९	८।००।०९।०५	स्वा. १- ६।३९	२-१२।०१	३-१७।२४	४-२२।४९	विशा १-२८।१५	९।१२	- ९।५१	८।२०।४१	+ ३।४५	२०।४९	-१२।२८	२०।४५।५९	+ ३।१९	- ६।३८	५।४८।४९
२१। ९	८।००।०५।५४	विशा २- ९।४४	३-१५।१४	४-२०।४६	अनु १-२६।२०	. .. ..	१०।१९	-१५।२३	९।१५।४२	+ २।४३	२१।३२	-१७।२८	२१।४०।४२	+ २।१३	- ६।५९	५।५३।१५
२२। ९	८।००।०२।४३	अनु २- ७।५७	३-१३।३५	४-१९।१६	ज्ये १-२४।५९	. .. ..	११।२६	-१९।४९	१०।१२।०४	+ १।३१	२२।१९	-२१।१७	२२।३६।५०	+ ०।५९	- ७।२०	५।५७।४०
२३। ९	७।२९।५९।३३	ज्ये २- ६।४५	३-१२।३३	४-१८।२३	मूल १-२४।१५	२-३०।१०	१२।३१	-२२।५२	११।०९।२९	+ ०।१५	२३।१०	-२३।४०	२३।३३।५६	- ०।१७	- ७।४१	६।०२।०४
२४। ९	७।२९।५६।२२	मूल ३-१२।०८	४-१८।०७	पूषा १-२४।०९	२-३०।१३	. .. ..	१३।३२	-२४।२२	१२।०७।००	- १।००	२४।०५	-२४।३१	२४।३०।५५	- १।२९	- ८।०२	६।०६।२९
२५। ९	७।२९।५३।११	पूषा ३-१२।२०	४-१८।२८	उषा १-२४।३९	. .. ..	. .. ..	१४।२९	-२४।१८	१३।०३।१९	- २।१०	२५।०२	-२३।५२	२५।२६।२८	- २।३५	- ८।२३	६।१०।५४
२६। ९	७।२९।५०।००	उषा २- ६।५२	३-१३।०६	४-१९।२३	श्रव १-२५।४१	. .. ..	१५।१९	-२२।५०	१३।५७।१४	- ३।०९	२६।०१	-२१।५२	२६।१९।३०	- ३।३१	- ८।४४	६।१५।२०
२७। ९	७।२९।४६।४९	श्रव २- ८।०१	३-१४।२३	४-२०।४७	धनि १-२७।१२	. .. ..	१६।०३	-२०।१०	१४।४८।००	- ३।५८	२६।५८	-१८।४५	२७।०९।२३	- ४।१४	- ९।०४	६।१९।४५
२८। ९	७।२९।४३।३८	धनि २- ९।३९	३-१६।०७	४-२२।३७	शत १-२९।०७	. .. ..	१६।४२	-१६।३४	१५।३५।३१	- ४।३३	२७।५४	-१४।४७	२७।५६।१०	- ४।४४	- ९।२४	६।२४।११
२९। ९	७।२९।४०।२७	शत २-११।३९	३-१८।१३	४-२४।४७	. .. ..	. .. ..	१७।१७	-१२।१८	१६।२०।०७	- ४।५४	२८।४८	-१०।१४	२८।४०।१७	- ४।५९	- ९।४४	६।२८।३७
३०। ९	७।२९।३७।१६	पूभा १- ७।२२	२-१३।५९	३-२०।३६	४-२७।१५	. .. ..	१७।४९	- ७।३४	१७।०२।२७	- ५।०२	२९।४१	- ५।१८	२९।२२।२८	- ५।००	-१०।०४	६।३३।०३
१।१०	७।२९।३४।०६	उभा १- ९।५४	२-१६।३४	३-२३।१५	४-२९।५६		१८।१९	- २।३५	१७।४३।१९	- ४।५५	. . .	. . .	. . .	. . .	-१०।२४	६।३७।२९

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. २। १०।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२।१०	६।२७	५।१५।०९।५७	५९।०४	११।१६।५५।२७	७१४।४६	०।००।४२।४४	१६।५३व	६।११।०२।५५	५६।५९	८।२३।५१।११	३।४२	४।०४।४९।००	६९।५७	९।०१।१४।०२	०।२०	१।२९।३०।५५	३।११
३।१०	६।२८	५।१६।०९।०१	५९।०६	११।२८।५०।१३	७११।३६	०।००।२५।५१	१७।१८व	६।११।५९।५४	५३।५०	८।२३।५४।५३	३।५३	४।०५।५८।५७	७०।०५	९।०१।१४।२२	०।२६	१।२९।२७।४४	३।११
४।१०	६।२८	५।१७।०८।०७	५९।०८	०।१०।४१।४९	७१०।०८	०।००।०८।३३	१७।४२व	६।१२।५३।४४	५०।२२	८।२३।५८।४६	४।०४	४।०७।०९।०२	७०।१३	९।०१।१४।४८	०।३२	१।२९।२४।३३	३।११
५।१०	६।२९	५।१८।०७।१५	५९।१०	०।२२।३१।५८	७११।०६	११।२९।५०।५०	१८।०२व	६।१३।४४।०६	४६।३५	८।२४।०२।४९	४।१४	४।०८।१९।१५	७०।२०	९।०१।१५।१९	०।३८	१।२९।२१।२३	३।११
६।१०	६।२९	५।१९।०६।२४	५९।१२	१।०४।२३।०३	७१५।२१	११।२९।३२।४८	१८।२१व	६।१४।३०।४१	४२।२७	८।२४।०७।०४	४।२५	४।०९।२९।३५	७०।२८	९।०१।१५।५७	०।४४	१।२९।१८।१२	३।११
७।१०	६।३०	५।२०।०५।३६	५९।१४	१।१६।१८।२५	७२३।४५	११।२९।१४।२७	१८।३६व	६।१५।१३।०८	३७।५६	८।२४।११।२९	४।३७	४।१०।४०।०३	७०।३५	९।०१।१६।४१	०।५०	१।२९।१५।०१	३।११
८।१०	६।३०	५।२१।०४।५०	५९।१६	१।२८।२२।१०	७३६।५५	११।२८।५५।५२	१८।४८व	६।१५।५१।०४	३३।०२	८।२४।१६।०६	४।४६	४।११।५०।३८	७०।४२	९।०१।१७।३१	०।५६	१।२९।११।४९	३।११
९।१०	६।३१	५।२२।०४।०६	५९।१८	२।१०।३९।०५	७५५।१०	११।२८।३७।०४	१८।५६व	६।१६।२४।०६	२७।४२	८।२४।२०।५२	४।५६	४।१३।०१।२०	७०।४९	९।०१।१८।२७	१।०२	१।२९।०८।३९	३।११
१०।१०	६।३१	५।२३।०३।२५	५९।२०	२।२३।१४।१६	७७८।२१	११।२८।१८।०८	१९।०२व	६।१६।५१।४९	२१।५६	८।२४।२५।४८	५।०७	४।१४।१२।१०	७०।५६	९।०१।१९।२९	१।०८	१।२९।०५।२८	३।११
११।१०	६।३२	५।२४।०२।४५	५९।२२	३।०६।१२।३६	८०५।४०	११।२७।५९।०५	१९।०५व	६।१७।१३।४५	१५।४४	८।२४।३०।५४	५।१७	४।१५।२३।०६	७१।०३	९।०१।२०।३६	१।१४	१।२९।०२।१७	३।११
१२।१०	६।३२	५।२५।०२।०७	५९।२४	३।१९।३८।१६	८३५।२८	११।२७।४०।००	१९।०५व	६।१७।२९।२९	९।०३	८।२४।३६।११	५।२७	४।१६।३४।१०	७१।१०	९।०१।२१।५०	१।१९	१।२८।५९।०६	३।११
१३।१०	६।३३	५।२६।०१।३२	५९।२६	४।०३।३३।४४	८६५।०७	११।२७।२०।५५	१९।०१व	६।१७।३८।३२	१।५६	८।२४।४१।३८	५।३७	४।१७।४५।२०	७१।१७	९।०१।२३।०९	१।२५	१।२८।५५।५६	३।११
१४।१०	६।३४	५।२७।००।५८	५९।२९	४।१७।५८।५१	८९१।१०	११।२७।०१।५३	१८।५६व	६।१७।४०।२८	५।३६व	८।२४।४७।१५	५।४७	४।१८।५६।३६	७१।२३	९।०१।२४।३५	१।३१	१।२८।५२।४५	३।११
१५।१०	६।३४	५।२८।००।२६	५९।३१	५।०२।५०।०१	९०९।५७	११।२६।४२।५७	१८।४७व	६।१७।३४।५२	१३।३०व	८।२४।५३।०२	५।५७	४।२०।०८।००	७१।३०	९।०१।२६।०६	१।३७	१।२८।४९।३४	३।११
१६।१०	६।३५	५।२८।५९।५७	५९।३३	५।१७।५९।५८	९१८।३५	११।२६।२४।१०	१८।३४व	६।१७।२१।२१	२१।४२व	८।२४।५८।५९	६।०७	४।२१।१९।३०	७१।३६	९।०१।२७।४३	१।४३	१।२८।४६।२३	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२।१०	७।२९।३०।५५	रेव १-१२।३८	२-१९।२१	३-२६।०५	. .. ..	. .. ..	१८।४८	+ २।२७	१८।२३।३२	- ४।३५	६।३३	- ०।०२	६।०३।२६	- ४।३५	-१०।४३	६।४१।५६
३।१०	७।२९।२७।४४	रेव ४- ८।४९	अश्वि १-१५।३३	२-२२।१८	३-२९।०३	. .. ..	१९।१८	+ ७।२३	१९।०३।५३	- ४।०३	७।२५	+ ४।५३	६।४४।१८	- ४।०३	-११।०२	६।४६।२४
४।१०	७।२९।२४।३३	अश्वि ४-११।४९	भर १-१८।३५	२-२५।२०	. .. ..	. .. ..	१९।४९	+१२।०२	१९।४५।१०	- ३।२०	८।१६	+ ९।३७	७।२५।४०	- ३।२०	-११।२०	६।५०।५१
५।१०	७।२९।२१।२३	भर ३- ८।०६	४-१४।५२	कृति १-२१।३७	२-२८।२२	. .. ..	२०।२३	+१६।१४	२०।२६।०४	- २।२७	९।१०	+१४।२५	८।०८।१४	- २।५२	-११।३८	६।५५।१९
६।१०	७।२९।१८।१२	कृति ३-११।०६	४-१७।४९	रोहि १-२४।३२	. .. ..	. .. ..	२०।५९	+१९।४६	२१।१३।१२	- १।२८	१०।०३	+१८।२०	८।५२।५३	- १।५५	-११।५६	६।५९।४७
७।१०	७।२९।१५।०१	रोहि २- ७।१३	३-१३।५३	४-२०।३१	मृग १-२७।०८	. .. ..	२१।४१	+२२।२९	२२।००।५८	- ०।२४	१०।५८	+२१।२७	९।३९।५८	- ०।५१	-१२।१४	७।०४।१५
८।१०	७।२९।११।४९	मृग २- ९।४३	३-१६।१६	४-२२।४७	आर्द्रा १-२९।१५	. .. ..	२२।२७	+२४।०९	२२।५१।२६	+ ०।४३	११।५३	+२३।३६	१०।२९।४२	+ ०।१५	-१२।३१	७।०८।४३
९।१०	७।२९।०८।३९	आर्द्रा २-११।४१	३-१८।०४	४-२४।२५	. .. ..	. .. ..	२३।१८	+२४।३६	२३।४४।१५	+ १।४९	१२।४८	+२४।३४	११।२१।४८	+ १।२३	-१२।४७	७।१३।१२
१०।१०	७।२९।०५।२८	पुन १- ६।४२	२-१२।५७	३-१९।०८	४-२५।१७	. .. ..	२४।१५	+२३।४०	२४।३८।४१	+ २।५२	१३।४१	+२४।१३	१२।१५।३७	+ २।२७	-१३।०३	७।१७।४१
११।१०	७।२९।०२।१७	पुष्य १- ७।२२	२-१३।२४	३-१९।२३	४-२५।१८	. .. ..	२५।१६	+२१।१७	२५।३३।४६	+ ३।४७	१४।३१	+२२।२६	१३।१०।११	+ ३।२५	-१३।१९	७।२२।११
१२।१०	७।२८।५९।०६	श्ले १- ७।११	२-१३।००	३-१८।४६	४-२४।२९	मघा १-३०।१०	२६।२०	+१७।३२	२६।२८।३९	+ ४।३०	१५।१७	+१९।१६	१४।०४।३७	+ ४।१४	-१३।३४	७।२६।४१
१३।१०	७।२८।५५।५६	मघा २-११।४७	३-१७।२२	४-२२।५४	पूफा १-२८।२४	. .. ..	२७।२६	+१२।३२	२७।२२।५३	+ ४।५७	१६।०१	+१४।४९	१४।५८।१९	+ ४।४७	-१३।४९	७।३१।१२
१४।१०	७।२८।५२।४५	पूफा २- ९।५२	३-१५।१७	४-२०।४१	उफा १-२६।०२	.. .. ..	२८।३३	+ ६।३६	२८।१६।३३	+ ५।०४	१६।४१	+ ९।२०	१५।५१।१४	+ ५।०३	-१४।०३	७।३५।४३
१५।१०	७।२८।४९।३४	उफा २- ७।२२	३-१२।४०	४-१७।५८	हस्त १-२३।१४	२-२८।२९	२९।४०	+ ०।०७	२९।१०।०८	+ ४।४८	१७।२०	+ ३।०९	१६।४३।४४	+ ४।५८	-१४।१७	७।४०।१४
१६।१०	७।२८।४६।२३	हस्त ३- ९।४३	४-१४।५७	चित्रा १-२०।११	२-२५।२४	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१८।००	- ३।२०	१७।३६।३२	+ ४।३१	-१४।३०	७।४४।४६

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १७| १०|२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१७|१०	६|३५	५|२९|५९|३०	५९|३५	६|०३|१८|३२	९१५|५४	११|२६|०५|३६	१८|१९व	६|१६|५९|३९	३०|०४व	८|२५|०५|०६	६|१७	४|२२|३१|०६	७१|४२	९|०१|२९|२६	१|४९	११|२८|४३|१३	३|११
१८|१०	६|३६	६|००|५९|०४	५९|३७	६|१८|३४|२६	९०२|४८	११|२५|४७|१७	१८|०२व	६|१६|२९|३५	३८|२८व	८|२५|११|२३	६|२६	४|२३|४२|४८	७१|४८	९|०१|३१|१५	१|५५	११|२८|४०|०१	३|११
१९|१०	६|३७	६|०१|५८|४१	५९|३९	७|०३|३७|१५	८८१|५३	११|२५|२९|१५	१७|४१व	६|१५|५१|०७	४६|४१व	८|२५|१७|४९	६|३५	४|२४|५४|३६	७१|५४	९|०१|३३|१०	२|००	११|२८|३६|५०	३|११
२०|१०	६|३७	६|०२|५८|२०	५९|४१	७|१८|१९|०७	८५६|२३	११|२५|११|३५	१७|१८व	६|१५|०४|२५	५४|२९व	८|२५|२४|२४	६|४५	४|२६|०६|३१	७२|००	९|०१|३५|१०	२|०६	११|२८|३३|३९	३|११
२१|१०	६|३८	६|०३|५८|०१	५९|४३	८|०२|३५|३१	८२९|२८	११|२४|५४|१७	१६|५२व	६|१४|०९|५७	६१|३३व	८|२५|३१|०९	६|५४	४|२७|१८|३१	७२|०६	९|०१|३७|१७	२|१२	११|२८|३०|२९	३|११
२२|१०	६|३८	६|०४|५७|४३	५९|४५	८|१६|२४|५८	८०३|३०	११|२४|३७|२५	१६|२४व	६|१३|०८|२३	६७|३५व	८|२५|३८|०३	७|०३	४|२८|३०|३७	७२|१२	९|०१|३९|२९	२|१८	११|२८|२७|१८	३|११
२३|१०	६|३९	६|०५|५७|२८	५९|४७	८|२९|४८|२९	७८०|०५	११|२४|२१|०१	१५|५४व	६|१२|००|४८	७२|१४व	८|२५|४५|०६	७|१२	४|२९|४२|४९	७२|१७	९|०१|४१|४६	२|२३	११|२८|२४|०७	३|११
२४|१०	६|४०	६|०६|५७|१५	५९|४९	९|१२|४८|३४	७६०|०३	११|२४|०५|०७	१५|२१व	६|१०|४८|३४	७५|०९व	८|२५|५२|१८	७|२१	५|००|५५|०६	७२|२३	९|०१|४४|१०	२|२९	११|२८|२०|५६	३|११
२५|१०	६|४०	६|०७|५७|०४	५९|५१	९|२५|२८|३६	७४३|४५	११|२३|४९|४६	१४|४६व	६|०९|३३|२५	७६|०५व	८|२५|५९|४०	७|३०	५|०२|०७|२९	७२|२८	९|०१|४६|३९	२|३५	११|२८|१७|४६	३|११
२६|१०	६|४१	६|०८|५६|५५	५९|५३	१०|०७|५२|२२	७३१|१४	११|२३|३५|००	१४|१०व	६|०८|१७|२०	७४|४९व	८|२६|०७|१०	७|४०	५|०३|१९|५८	७२|३४	९|०१|४९|१३	२|४१	११|२८|१४|३५	३|११
२७|१०	६|४२	६|०९|५६|४८	५९|५५	१०|२०|०३|३६	७२२|१७	११|२३|२०|५०	१३|३२व	६|०७|०२|३०	७१|१८व	८|२६|१४|५०	७|४८	५|०४|३२|३१	७२|३९	९|०१|५१|५४	२|४६	११|२८|११|२३	३|११
२८|१०	६|४२	६|१०|५६|४२	५९|५७	११|०२|०५|५२	७१६|२८	११|२३|०७|१८	१२|५३व	६|०५|५१|१२	६५|३६व	८|२६|२२|३७	७|५६	५|०५|४५|१०	७२|४४	९|०१|५४|३९	२|५१	११|२८|०८|१३	३|११
२९|१०	६|४३	६|११|५६|३९	५९|५९	११|१४|०२|२०	७१३|१३	११|२२|५४|२५	१२|११व	६|०४|४५|३६	५७|५४व	८|२६|३०|३४	८|०५	५|०६|५७|५४	७२|४९	९|०१|५७|३१	२|५७	११|२८|०५|०२	३|११
३०|१०	६|४४	६|१२|५६|३८	६०|०१	११|२५|५५|३४	७११|५७	११|२२|४२|१४	११|२९व	६|०३|४७|४१	४८|३३व	८|२६|३८|३८	८|१३	५|०८|१०|४३	७२|५४	९|०२|००|२७	३|०२	११|२८|०१|५१	३|११
३१|१०	६|४४	६|१३|५६|३८	६०|०३	०|०७|४७|३१	७१२|११	११|२२|३०|४६	१०|४५व	६|०२|५९|०८	३७|५५व	८|२६|४६|५२	८|२१	५|०९|२३|३७	७२|५९	९|०२|०३|२९	३|०७	११|२७|५८|४०	३|११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१७|१०	७|२८|४३|१३	चित्रा ३- ६|३८	४-११|५१	स्वा. १-१७|०५	२-२२|२०	३-२७|३५	६|४९	- ६|४२	६|०४|२०	+ ३|१३	१८|४०	- ९|३९	१८|३०|२५	+ ३|४३	-१४|४२	७|४९|१७
१८|१०	७|२८|४०|०१	स्वा. ४- ८|५१	विशा १-१४|०९	२-१९|२७	३-२४|४७	४-३०|०९	७|५७	-१२|३५	७|००|०५	+ २|०४	१९|२३	-१५|१९	१९|२६|०२	+ २|३८	-१४|५४	७|५३|५०
१९|१०	७|२८|३६|५०	अनु १-११|३२	२-१६|५७	३-२२|२४	४-२७|५३	. .. ..	९|०८	-१८|०५	७|५७|४९	+ १|५६	२०|१०	-१९|५५	२०|२३|३८	+ १|२३	-१५|०५	७|५८|२३
२०|१०	७|२८|३३|३९	ज्ये १- ९|२५	२-१४|५८	३-२०|३४	४-२६|१३	. .. ..	१०|१६	-२१|५६	८|५७|०९	+ ०|३६	२१|०१	-२३|०४	२१|२२|४२	+ ०|०३	-१५|१६	८|०२|५६
२१|१०	७|२८|३०|२९	मूल १- ७|५४	२-१३|३८	३-१९|२४	४-२५|१३	. .. ..	११|२२	-२४|१०	९|५७|०५	- ०|४४	२१|५६	-२४|३६	२२|२२|०४	- १|१६	-१५|२५	८|०७|३०
२२|१०	७|२८|२७|१८	पूषा १- ७|०५	२-१२|५९	३-१८|५७	४-२४|५७	. .. ..	१२|२२	-२४|४३	१०|५६|००	- १|५९	२२|५४	-२४|२९	२३|२०|०४	- २|२७	-१५|३५	८|१२|०४
२३|१०	७|२८|२४|०७	उषा १- ७|००	२-१३|०६	३-१९|१४	४-२५|२५	. .. ..	१३|१६	-२३|४१	११|५२|१९	- ३|०४	२३|५४	-२२|५२	२४|१५|१६	- ३|२८	-१५|४३	८|१६|३९
२४|१०	७|२८|२०|५६	श्रव १- ७|३९	२-१३|५५	३-२०|१३	४-२६|३४	. .. ..	१४|०३	-२१|२०	१२|४५|०१	- ३|५७	२४|५२	-२०|०२	२५|०६|५१	- ४|१५	-१५|५१	८|२१|१४
२५|१०	७|२८|१७|४६	धनि १- ८|५७	२-१५|२३	३-२१|५०	४-२८|२०	. .. ..	१४|४३	-१७|५८	१३|३३|५३	- ४|३६	२५|४९	-१६|१६	२५|५४|४५	- ४|४८	-१५|५८	८|२५|५०
२६|१०	७|२८|१४|३५	शत १-१०|५१	२-१७|२४	३-२३|५८	४-३०|३४	. .. ..	१५|१९	-१३|५०	१४|१९|१८	- ५|००	२६|४४	-११|५१	२६|३९|२९	- ५|०६	-१६|०५	८|३०|२५
२७|१०	७|२८|११|२३	पूभा १-१३|१२	२-१९|५१	३-२६|३०	. .. ..	. .. ..	१५|५२	- ९|१३	१५|०२|०१	- ५|०९	२७|३७	- ७|००	२७|२१|५२	- ५|०९	-१६|११	८|३५|०२
२८|१०	७|२८|०८|१३	पूभा ४- ९|११	उभा १-१५|५२	२-२२|३५	३-२९|१८	. .. ..	१६|२२	- ४|१७	१५|४२|५६	- ५|०५	२८|२९	- १|५५	२८|०२|५२	- ४|५८	-१६|१६	८|३९|३९
२९|१०	७|२८|०५|०२	उभा ४-१२|०१	रेव १-१८|४५	२-२५|२९	. .. ..	. .. ..	१६|५१	+ ०|४६	१६|२२|५८	- ४|४६	२९|२०	+ ३|१३	२८|४३|२३	- ४|३३	-१६|२०	८|४४|१६
३०|१०	७|२८|०१|५१	रेव ३- ८|१४	४-१४|५८	अश्वि १-२१|४३	२-२८|२८	. .. ..	१७|२१	+ ५|४७	१७|०३|००	- ४|१५	३०|१२	+ ८|१३	२९|२४|२१	- ३|५५	-१६|२३	८|४८|५३
३१|१०	७|२७|५८|४०	अश्वि ३-११|१२	४-१७|५७	भर १-२४|४२	. .. ..	. .. ..	१७|५१	+१०|३५	१७|४३|५२	- ३|३३	. . .	. . .	. . .	. . .	-१६|२६	८|५३|३२

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १। ११।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१।११	६।४५	६।१४।५६।४१	६०।०५	०।१९।३९।४२	७१३।४४	११।२२।२०।०१	१०।००व	६।०२।२१।१३	२६।२९व	८।२६।५५।१३	८।३०	५।१०।३६।३५	७३।०३	९।०२।०६।३७	३।१३	१।२७।५५।२९	३।११
२।११	६।४६	६।१५।५६।४५	६०।०६	१।०१।३३।२६	७१६।४९	११।२२।१०।०१	९।१४व	६।०१।५४।४४	१४।३९व	८।२७।०३।४३	८।३८	५।११।४९।३९	७३।०८	९।०२।०९।४९	३।१८	१।२७।५२।१९	३।११
३।११	६।४६	६।१६।५६।५२	६०।०८	१।१३।३०।१५	७२१।५८	११।२२।००।४६	८।२८व	६।०१।४०।०६	२।४९व	८।२७।१२।२०	८।४७	५।१३।०२।४७	७३।१३	९।०२।१३।०७	३।२४	१।२७।४९।०८	३।११
४।११	६।४७	६।१७।५७।००	६०।१०	१।२५।३२।१२	७२९।५५	११।२१।५२।१९	७।४१व	६।०१।३७।१७	८।३९	८।२७।२१।०७	८।५३	५।१४।१५।५९	७३।१७	९।०२।१६।३१	३।२९	१।२७।४५।५६	३।११
५।११	६।४८	६।१८।५७।१०	६०।१२	२।०७।४२।०८	७४१।२३	११।२१।४४।३८	६।५३व	६।०१।४५।५६	१९।३१	८।२७।३०।०१	९।०२	५।१५।२९।१६	७३।२१	९।०२।२०।००	३।३३	१।२७।४२।४६	३।११
६।११	६।४९	६।१९।५७।२२	६०।१४	२।२०।०३।३१	७५६।५०	११।२१।३७।४५	६।०५व	६।०२।०५।२७	२९।३४	८।२७।३९।०२	९।०९	५।१६।४२।३७	७३।२६	९।०२।२३।३३	३।३९	१।२७।३९।३५	३।११
७।११	६।४९	६।२०।५७।३६	६०।१६	३।०२।४०।२१	७७६।२४	११।२१।३१।४०	५।१६व	६।०२।३५।०१	३८।४३	८।२७।४८।११	९।१७	५।१७।५६।०३	७३।३०	९।०२।२७।१२	३।४४	१।२७।३६।२४	३।११
८।११	६।५०	६।२१।५७।५१	६०।१७	३।१५।३६।४६	७९९।४१	११।२१।२६।२४	४।२८व	६।०३।१३।४४	४६।५४	८।२७।५७।२८	९।२४	५।१९।०९।३३	७३।३४	९।०२।३०।५६	३।४९	१।२७।३३।१३	३।११
९।११	६।५१	६।२२।५८।०९	६०।१९	३।२८।५६।२७	८२५।३६	११।२१।२१।५६	३।३९व	६।०४।००।३८	५४।०६	८।२८।०६।५२	९।३२	५।२०।२३।०६	७३।३८	९।०२।३४।४५	३।५४	१।२७।३०।०२	३।११
१०।११	६।५२	६।२३।५८।२८	६०।२१	४।१२।४२।०२	८५२।१४	११।२१।१८।१८	२।५०व	६।०४।५४।४४	६०।२४	८।२८।१६।२४	९।३९	५।२१।३६।४४	७३।४२	९।०२।३८।३८	३।५९	१।२७।२६।५२	३।११
११।११	६।५२	६।२४।५८।४८	६०।२३	४।२६।५४।१७	८७६।५८	११।२१।१५।२७	२।०१व	६।०५।५५।०८	६५।४९	८।२८।२६।०३	९।४७	५।२२।५०।२६	७३।४५	९।०२।४२।३७	४।०४	१।२७।२३।४१	३।११
१२।११	६।५३	६।२५।५९।११	६०।२४	५।११।३१।१५	८९६।४६	११।२१।१३।२६	१।१३व	६।०७।००।५७	७०।२८	८।२८।३५।५०	९।५३	५।२४।०४।११	७३।४९	९।०२।४६।४१	४।०८	१।२७।२०।२९	३।११
१३।११	६।५४	६।२६।५९।३५	६०।२६	५।२६।२८।०१	९०८।४९	११।२१।१२।१३	०।२४व	६।०८।११।२५	७४।२५	८।२८।४५।४३	१०।००	५।२५।१८।००	७३।५३	९।०२।५०।४९	४।१३	१।२७।१७।१९	३।११
१४।११	६।५५	६।२८।००।०१	६०।२८	६।११।३६।५०	९११।२३	११।२१।११।४९	०।२४	६।०९।२५।४९	७७।४५	८।२८।५५।४३	१०।०७	५।२६।३१।५३	७३।५६	९।०२।५५।०२	४।१८	१।२७।१४।०८	३।११
१५।११	६।५५	६।२९।००।२९	६०।२९	६।२६।४८।१३	९०४।१०	११।२१।१२।१३	१।११	६।१०।४३।३५	८०।३५	८।२९।०५।५०	१०।१४	५।२७।४५।४९	७४।००	९।०२।५९।२०	४।२२	१।२७।१०।५७	३।११

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में														
१।११	७।२७।५५।२९	भर २- ७।२६	३-१४।१०	४-२०।५४	कृति १-२७।३७	. .. ..	१८।२४	+१५।००	१८।२६।१८	- २।४०	७।०५	+१३।०१	६।०६।३०	- २।४०	-१६।२८	८।५८।११
२।११	७।२७।५२।१९	कृति २-१०।२०	३-१७।०३	४-२३।४५	रोहि १-३०।२६	. .. ..	१८।५९	+१८।५०	१९।१०।५१	- १।४०	७।५८	+१७।०४	६।५०।३४	- १।४०	-१६।२९	९।०२।५०
३।११	७।२७।४९।०८	रोहि २-१३।०६	३-१९।४६	४-२६।२४	. .. ..	. .. ..	१९।३९	+२१।५३	१९।५७।५४	- ०।३५	८।५३	+२०।४२	७।३७।०७	- १।०३	-१६।२९	९।०७।२९
४।११	७।२७।४५।५६	मृग १- ९।०२	२-१५।३८	३-२२।१३	४-२८।४६	. .. ..	२०।२३	+२३।५६	२०।४७।२८	+ ०।३३	९।४९	+२३।१३	८।२६।०४	+ ०।०५	-१६।२८	९।१२।०९
५।११	७।२७।४२।४६	आर्द्रा १-११।१८	२-१७।४८	३-२४।१६	४-३०।४२	. .. ..	२१।१३	+२४।४८	२१।३९।१०	+ १।४१	१०।४३	+२४।३६	९।१७।१३	+ १।१३	-१६।२७	९।१६।४९
६।११	७।२७।३९।३५	पुन १-१३।०६	२-१९।२८	३-२५।४७	. .. ..	. .. ..	२२।०७	+२४।२२	२२।३२।१५	+ २।४४	११।३६	+२४।४३	१०।०९।५२	+ २।१९	-१६।२५	९।२१।२९
७।११	७।२७।३६।२४	पुन ४- ८।०४	पुष्य १-१४।१८	२-२०।३०	३-२६।३९	. .. ..	२३।०५	+२२।३३	२३।२५।४८	+ ३।४१	१२।२६	+२३।२७	११।०३।०५	+ ३।१९	-१६।२२	९।२६।१०
८।११	७।२७।३३।१३	पुष्य ४- ८।४६	श्ले १-१४।४९	२-२०।५०	३-२६।४८	. .. ..	२४।०६	+१९।२४	२४।१८।५९	+ ४।२७	१३।१३	+२०।५२	११।५६।००	+ ४।०९	-१६।१८	९।३०।५२
९।११	७।२७।३०।०२	श्ले ४- ८।४३	मघा १-१४।३६	२-२०।२६	३-२६।१३	. .. ..	२५।०९	+१५।०१	२५।११।२५	+ ४।५८	१३।५५	+१७।०१	१२।४८।०४	+ ४।४७	-१६।१३	९।३५।३४
१०।११	७।२७।२६।५२	मघा ४- ७।५७	पूफा १-१३।३८	२-१९।१८	३-२४।५४	४-३०।२९	२६।१३	+ ९।३८	२६।०३।१०	+ ५।१२	१४।३५	+१२।०६	१३।३९।१३	+ ५।०८	-१६।०८	९।४०।१५
११।११	७।२७।२३।४१	उफा १-१२।०१	२-१७।३१	३-२२।५९	४-२८।२५	. .. ..	२७।१७	+ ३।३२	२६।५४।४८	+ ५।०५	१५।१३	+ ६।२२	१४।२९।५२	+ ५।११	-१६।०१	९।४४।५७
१२।११	७।२७।२०।२९	हस्त १- ९।४९	२-१५।१२	३-२०।३४	४-२५।५४	. .. ..	२८।२३	- २।५७	२७।४७।१०	+ ४।३६	१५।५१	+ ०।०७	१५।२०।४७	+ ४।५३	-१५।५४	९।४९।४०
१३।११	७।२७।१७।१९	चित्रा १- ७।१३	२-१२।३१	३-१७।४९	४-२३।०५	स्वा. १-२८।२२	२९।३१	- ९।२१	२८।४१।१५	+ ३।४७	१६।३०	- ६।१६	१६।१२।५३	+ ४।१३	-१५।४६	९।५४।२३
१४।११	७।२७।१४।०८	स्वा. २- ९।३८	३-१४।५४	४-२०।१०	विशा १-२५।२६	२-३०।४२	३०।४१	-१५।१२	२९।३७।४८	+ २।३९	१७।११	-१२।२१	१७।०७।०५	+ ३।१५	-१५।३७	९।५९।०५
१५।११	७।२७।१०।५७	विशा ३-१२।००	४-१७।१७	अनु १-२२।३६	२-२७।५६	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१७।५५	-१७।३९	१८।०४।०२	+ २।०२	-१५।२७	१०।०३।४९

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १६। ११।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१६।११	६।५६	७।००।००।५८	६०।३१	७।११।५२।२३	८८८।२३	११।२९।१३।२४	१।५९	६।१२।०४।०९	८२।५७	८।२९।१६।०३	१०।२०	५।२८।५९।४८	७४।०३	९।०३।०३।४३	४।२७	१।२७।०७।४६	३।११
१७।११	६।५७	७।०१।०१।२९	६०।३२	७।२६।४०।४७	८६६।१६	११।२९।१५।२३	२।४५	६।१३।२७।०७	८४।५७	८।२९।२६।२४	१०।२७	६।००।१३।५१	७४।०६	९।०३।०८।१०	४।३२	१।२७।०४।३६	३।११
१८।११	६।५८	७।०२।०२।०१	६०।३४	८।११।०७।०३	८४०।२७	११।२९।१८।०८	३।३२	६।१४।५२।०३	८६।३७	८।२९।३६।५१	१०।३४	६।०१।२७।५७	७४।०९	९।०३।१२।४१	४।३७	१।२७।०१।२५	३।११
१९।११	६।५९	७।०३।०२।३५	६०।३५	८।२५।०७।३०	८१३।२८	११।२९।२१।४०	४।१८	६।१६।१८।४०	८८।०१	८।२९।४७।२५	१०।४०	६।०२।४२।०७	७४।१२	९।०३।१७।१८	४।४०	१।२६।५८।१३	३।११.
२०।११	६।५९	७।०४।०३।११	६०।३७	९।०८।४०।५८	७८७।२८	११।२९।२५।५८	५।०३	६।१७।४६।४१	८९।११	८।२९।५८।०५	१०।४६	६।०३।५६।१९	७४।१५	९।०३।२१।५८	४।४५	१।२६।५५।०३	३।११
२१।११	७।००	७।०५।०३।४८	६०।३८	९।२१।४८।२६	७६४।०५	११।२९।३१।०१	५।४७	६।१९।१५।५२	९०।०९	९।००।०८।५१	१०।५२	६।०५।१०।३४	७४।१८	९।०३।२६।४३	४।४९	१।२६।५१।५२	३।११
२२।११	७।०१	७।०६।०४।२६	६०।४०	१०।०४।३२।३१	७४४।२४	११।२९।३६।४९	६।३१	६।२०।४६।०१	९०।५७	९।००।१९।४३	१०।५८	६।०६।२४।५२	७४।२१	९।०३।३१।३३	४।५३	१।२६।४८।४१	३।११
२३।११	७।०२	७।०७।०५।०६	६०।४१	१०।१६।५६।५५	७२९।०६	११।२९।४३।२०	७।१५	६।२२।१६।५८	९१।३७	९।००।३०।४१	११।०४	६।०७।३९।१३	७४।२४	९।०३।३६।२६	४।५८	१।२६।४५।३०	३।११
२४।११	७।०३	७।०८।०५।४७	६०।४३	१०।२९।०६।०१	७१८।२६	११।२९।५०।३५	७।५७	६।२३।४८।३५	९२।०९	९।००।४१।४५	११।१०	६।०८।५३।३७	७४।२६	९।०३।४१।२४	५।०२	१।२६।४२।१९	३।११
२५।११	७।०३	७।०९।०६।३०	६०।४४	११।११।०४।२७	७१२।१७	११।२९।५८।३२	८।३९	६।२५।२०।४४	९२।३५	९।००।५२।५५	११।१७	६।१०।०८।०३	७४।२९	९।०३।४६।२५	५।०६	१।२६।३९।०९	३।११
२६।११	७।०४	७।१०।०७।१४	६०।४५	११।२२।५६।४३	७१०।०९	११।२२।०७।११	९।२०	६।२६।५३।१९	९२।५७	९।०१।०४।१२	११।२१	६।११।२२।३२	७४।३१	९।०३।५१।३२	५।१०	१।२६।३५।५७	३।११
२७।११	७।०५	७।११।०८।००	६०।४७	०।०४।४६।५३	७११।२०	११।२२।१६।३१	१०।०१	६।२८।२६।१५	९३।१४	९।०१।१५।३४	११।२७	६।१२।३७।०३	७४।३३	९।०३।५६।४१	५।१४	१।२६।३२।४६	३।११
२८।११	७।०६	७।१२।०८।४६	६०।४८	०।१६।३८।१२	७१४।५६	११।२२।२६।३२	१०।४०	६।२९।५९।२९	९३।२७	९।०१।२७।०१	११।३३	६।१३।५१।३६	७४।३६	९।०४।०१।५५	५।१८	१।२६।२९।३६	३।११
२९।११	७।०६	७।१३।०९।३४	६०।४९	०।२८।३३।०९	७२०।१६	११।२२।३७।१२	११।१९	७।०१।३२।५६	९३।३८	९।०१।३८।३४	११।३८	६।१५।०६।१२	७४।३८	९।०४।०७।१३	५।२१	१।२६।२६।२५	३।११
३०।११	७।०७	७।१४।१०।२४	६०।५०	१।१०।३३।२५	७२६।५४	११।२२।४८।३१	११।५७	७।०३।०६।३४	९३।४५	९।०१।५०।१२	११।४३	६।१६।२०।५०	७४।४०	९।०४।१२।३४	५।२५	१।२६।२३।१४	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१६।११	७।२७।०७।४६	अनु ३- ९।१७	४-१४।३९	ज्ये १-२०।०३	२-२५।२९	३-३०।५६	७।५२	-२०।०१	६।३७।०६	- ०।०२	१८।४५	-२१।४२	१९।०३।३८	+ ०।४०	-१५।१६	१०।०८।३३
१७।११	७।२७।०४।३६	ज्ये ४-१२।२५	मूल १-१७।५६	२-२३।२९	३-२९।०५	. .. ..	९।००	-२३।१०	७।३८।०६	- १।२१	१९।४०	-२४।०९	२०।०४।५४	- ०।४३	-१५।०५	१०।१३।१६
१८।११	७।२७।०१।२५	मूल ४-१०।४३	पूषा १-१६।२३	२-२२।०६	३-२७।५२	. .. ..	१०।०७	-२४।४६	८।४०।३१	- १।३१	२०।३९	-२४।५०	२१।०५।५७	- २।०२	-१४।५२	१०।१८।००
१९।११	७।२६।५८।१३	पूषा ४- ९।४०	उषा १-१५।३१	२-२१।२५	३-२७।२२	. .. ..	११।०६	-२४।२५	९।४०।२४	- २।४४	२१।४१	-२३।४९	२२।०४।४३	- ३।१०	-१४।३९	१०।२२।४३
२०।११	७।२६।५५।०३	उषा ४- ९।२२	श्रव १-१५।२५	२-२१।३०	३-२७।३९	. .. ..	११।५७	-२२।३२	१०।३६।४०	- ३।४५	२२।४२	-२१।२३	२२।५९।३९	- ४।०५	-१४।२५	१०।२७।२७
२१।११	७।२६।५१।५२	श्रव ४- ९।५१	धनि १-१६।०५	२-२२।२२	३-२८।४२	. .. ..	१२।४२	-१९।२६	११।२८।३३	- ४।३०	२३।४१	-१७।५१	२३।५०।१५	- ४।४५	-१४।१०	१०।३२।११
२२।११	७।२६।४८।४१	धनि ४-११।०५	शत १-१७।३१	२-२३।५८	३-३०।२९	. .. ..	१३।२०	-१५।२९	१२।१६।११	- ५।००	२४।३८	-१३।३३	२४।३६।५२	- ५।०८	-१३।५५	१०।३६।५५
२३।११	७।२६।४५।३०	शत ४-१३।०१	पूभा १-१९।३६	२-२६।१२	. .. ..	. .. ..	१३।५४	-१०।५६	१३।००।१९	- ५।१५	२५।३२	- ८।४६	२५।२०।२२	- ५।१६	-१३।३८	१०।४१।३९
२४।११	७।२६।४२।१९	पूभा ३- ८।५०	४-१५।३०	उभा १-२२।११	२-२८।५३	. .. ..	१४।२५	- ६।०४	१३।४१।५६	- ५।१४	२६।२४	- ३।४३	२६।०१।४७	- ५।०९	-१३।२१	१०।४६।२३
२५।११	७।२६।३९।०९	उभा ३-११।३७	४-१८।२१	रेव १-२५।०६	. .. ..	. .. ..	१४।५४	- १।०१	१४।२२।०७	- ४।५९	२७।१५	+ १।२५	२६।४२।१५	- ४।४७	-१३।०३	१०।५१।०७
२६।११	७।२६।३५।५७	रेव २- ७।५१	३-१४।३७	४-२१।२३	अश्वि १-२८।०९	. .. ..	१५।२३	+ ४।०२	१५।०१।५४	- ४।३१	२८।०७	+ ६।२९	२७।२२।४७	- ४।१३	-१२।४४	१०।५५।५१
२७।११	७।२६।३२।४६	अश्वि २-१०।५४	३-१७।४०	४-२४।२५	. .. ..	. .. ..	१५।५३	+ ८।५६	१५।४२।१५	- ३।५१	२८।५९	+११।२०	२८।०४।२२	- ३।२७	-१२।२५	११।००।३४
२८।११	७।२६।२९।३६	भर १- ७।०९	२-१३।५३	३-२०।३७	४-२७।१९	. .. ..	१६।२५	+१३।३२	१६।२४।०३	- ३।०१	२९।५२	+१५।४५	२८।४७।४७	- २।३१	-१२।०५	११।०५।१७
२९।११	७।२६।२६।२५	कृति १-१०।०१	२-१६।४२	३-२३।२२	४-३०।०१	. .. ..	१६।५९	+१७।३७	१७।०७।५९	- २।०१	३०।४७	+१९।३२	२९।३३।३९	- १।२७	-११।४४	११।१०।००
३०।११	७।२६।२३।१४	रोहि १-१२।३९	२-१९।१६	३-२५।५१	. .. ..	. .. ..	१७।३८	+२१।००	१७।५४।३३	- ०।५६	. . .	. . .	. . .	. . .	-११।२२	११।१४।४४

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १। १२।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१।१२	७।०८	७।१५।११।१४	६०।५२	१।२२।४०।१९	७३।४७	११।२३।००।२८	१२।३४	७।०४।४०।११	९३।५१	९।०२।०१।५५	११।४८	६।१७।३५।३०	७४।४२	९।०४।१८।००	५।२९	१।२६।२०।०३	३।११
२।१२	७।०९	७।१६।१२।०६	६०।५३	२।०४।५५।०६	७४४।०९	११।२३।१३।०२	१३।११	७।०६।१४।१०	९३।५५	९।०२।१३।४३	११।५५	६।१८।५०।१२	७४।४४	९।०४।२३।२८	५।३३	१।२६।१६।५२	३।११
३।१२	७।०९	७।१७।१२।५९	६०।५४	२।१७।१९।१५	७५५।२३	११।२३।२६।१३	१३।४७	७।०७।४८।०५	९३।५७	९।०२।२५।३८	११।५८	६।२०।०४।५७	७४।४६	९।०४।२९।०२	५।३६	१।२६।१३।४१	३।११
४।१२	७।१०	७।१८।१३।५२	६०।५५	२।२९।५४।३८	७६८।४८	११।२३।४०।००	१४।२१	७।०९।२२।०२	९३।५८	९।०२।३७।३६	१२।०३	६।२१।१९।४३	७४।४८	९।०४।३४।३८	५।४०	१।२६।१०।३०	३।११
५।१२	७।११	७।१९।१४।४७	६०।५६	३।१२।४३।२६	७८४।२६	११।२३।५४।२१	१४।५६	७।१०।५६।००	९३।५८	९।०२।४९।३९	१२।०८	६।२२।३४।३०	७४।५०	९।०४।४०।१७	५।४३	१।२६।०७।१९	३।११
६।१२	७।१२	७।२०।१५।४४	६०।५७	३।२५।४७।५२	८०२।०४	११।२४।०९।१७	१५।२९	७।१२।२९।५८	९३।५८	९।०३।०१।४८	१२।१३	६।२३।४९।२०	७४।५१	९।०४।४६।००	५।४७	१।२६।०४।०९	३।११
७।१२	७।१२	७।२१।१६।४०	६०।५८	४।०९।०९।५६	८२१।०४	११।२४।२४।४६	१६।०२	७।१४।०३।५६	९३।५७	९।०३।१४।००	१२।१८	६।२५।०४।११	७४।५३	९।०४।५१।४७	५।५०	१।२६।००।५८	३।११
८।१२	७।१३	७।२२।१७।३८	६०।५९	४।२२।५१।००	८४०।२३	११।२४।४०।४७	१६।३४	७।१५।३७।५३	९३।५७	९।०३।२६।१८	१२।२२	६।२६।१९।०४	७४।५४	९।०४।५७।३७	५।५३	१।२५।५७।४७	३।११
९।१२	७।१४	७।२३।१८।३७	६१।००	५।०६।५१।२३	८५८।३६	११।२४।५७।२१	१७।०५	७।१७।११।४९	९३।५७	९।०३।३८।४०	१२।२६	६।२७।३३।५८	७४।५६	९।०५।०३।३०	५।५६	१।२५।५४।३६	३।११
१०।१२	७।१४	७।२४।१९।३७	६१।०१	५।२१।०९।५९	८७४।०२	११।२५।१४।२६	१७।३५	७।१८।४५।४६	९३।५७	९।०३।५१।०६	१२।३२	६।२८।४८।५४	७४।५७	९।०५।०९।२६	६।००	१।२५।५१।२६	३।११
११।१२	७।१५	७।२५।२०।३८	६१।०२	६।०५।४४।००	८८४।५४	११।२५।३२।०१	१८।०५	७।२०।१९।४३	९३।५९	९।०४।०३।३८	१२।३५	७।००।०३।५१	७४।५८	९।०५।१५।२६	६।०२	१।२५।४८।१४	३।११
१२।१२	७।१६	७।२६।२१।३९	६१।०२	६।२०।२८।५५	८८९।४६	११।२५।५०।०६	१८।३४	७।२१।५३।४२	९४।०१	९।०४।१६।१३	१२।३९	७।०१।१८।४९	७५।००	९।०५।२१।२८	६।०५	•१।२५।४५।०३	३।११
१३।१२	७।१६	७।२७।२२।४२	६१।०३	७।०५।१८।४०	८८७।४१	११।२६।०८।४०	१९।०२	७।२३।२७।४३	९४।०५	९।०४।२८।५२	१२।४३	७।०२।३३।४९	७५।०१	९।०५।२७।३३	६।०८	१।२५।४१।५२	३।११
१४।१२	७।१७	७।२८।२३।४५	६१।०४	७।२०।०६।२१	८७८।३२	११।२६।२७।४२	१९।३०	७।२५।०१।४७	९४।०९	९।०४।४१।३५	१२।४७	७।०३।४८।५०	७५।०२	९।०५।३३।४२	६।११	१।२५।३८।४२	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१।१२	७।२६।२०।०३	रोहि ४- ८।२६	मृग १-१५।००	२-२१।३२	३-२८।०३	. .. ..	१८।२१	+२३।२७	१८।४३।५०	+ ०।१४	७।४३	+२२।३०	६।२२।१७	+ ०।१४	-११।००	११।१९।२६
२।१२	७।२६।१६।५२	मृग ४-१०।३३	आर्द्रा १-१७।०१	२-२३।२८	३-२९।५४	. .. ..	१९।०९	+२४।४४	१९।३५।२७	+ १।२४	८।३८	+२४।१७	७।१३।०५	+ १।२४	-१०।३७	११।२४।०८
३।१२	७।२६।१३।४१	आर्द्रा ४-१२।१८	पुन १-१८।४०	२-२५।०१	. .. ..	. .. ..	२०।०२	+२४।४४	२०।२८।३५	+ २।३१	९।३३	+२४।५४	८।०६।१२	+ २।०४	-१०।१४	११।२८।५०
४।१२	७।२६।१०।३०	पुन ३- ७।२०	४-१३।३८	पुष्य १-१९।५३	२-२६।०७	. .. ..	२०।५९	+२३।२०	२१।२२।०६	+ ३।३१	१०।२४	+२४।०४	८।५९।३२	+ ३।०७	- ९।५०	११।३३।३१
५।१२	७।२६।०७।१९	पुष्य ३- ८।१९	४-१४।२९	श्ले १-२०।३७	२-२६।४२	. .. ..	२१।५९	+२०।३७	२२।१४।५९	+ ४।२०	११।११	+२१।५४	९।५२।२२	+ ४।०१	- ९।२५	११।३८।१२
६।१२	७।२६।०४।०९	श्ले ३- ८।४६	४-१४।४८	मघा १-२०।४८	२-२६।४६	. .. ..	२३।००	+१६।४१	२३।०६।३९	+ ४।५६	११।५५	+१८।२९	१०।४३।५७	+ ४।४३	- ९।००	११।४२।५२
७।१२	७।२६।००।५८	मघा ३- ८।४१	४-१४।३५	पूफा १-२०।२६	२-२६।१६	. .. ..	२४।०२	+११।४५	२३।५७।०३	+ ५।१६	१२।३४	+१४।०१	११।३४।०७	+ ५।०९	- ८।३४	११।४७।३२
८।१२	७।२५।५७।४७	पूफा ३- ८।०३	४-१३।४९	उफा १-१९।३३	२-२५।१४	३-३०।५५	२५।०४	+ ६।०४	२४।४६।४३	+ ५।१६	१३।१२	+ ८।४२	१२।२३।१०	+ ५।१८	- ८।०८	११।५२।११
९।१२	७।२५।५४।३६	उफा ४-१२।३३	हस्त १-१८।०९	२-२३।४५	३-२९।१८	. .. ..	२६।०७	- ०।०६	२५।३६।३१	+ ४।५६	१३।४८	+ २।४९	१३।११।५२	+ ५।०८	- ७।४१	११।५६।५०
१०।१२	७।२५।५१।२६	हस्त ४-१०।५०	चित्रा १-१६।२१	२-२१।५१	३-२७।१९	. .. ..	२७।११	- ६।२२	२६।२७।३३	+ ४।१५	१४।२४	- ३।२१	१४।०१।१४	+ ४।३७	- ७।१४	१२।०१।२७
११।१२	७।२५।४८।१४	चित्रा ४- ८।४७	स्वा. १-१४।१३	२-१९।३९	३-२५।०४	४-३०।२९	२८।१८	-१२।२३	२७।२०।५५	+ ३।१६	१५।०२	- ९।२६	१४।५२।२१	+ ३।४८	- ६।४६	१२।०६।०५
१२।१२	७।२५।४५।०३	विशा १-११।५३	२-१७।१७	३-२२।४१	४-२८।०४	. .. ..	२९।२६	-१७।३९	२८।१७।२५	+ २।०२	१५।४४	-१५।०३	१५।४६।१३	+ २।४२	- ६।१९	१२।१०।४१
१३।१२	७।२५।४१।५२	अनु १- ९।२८	२-१४।५२	३-२०।१६	४-२५।४१	ज्ये १-३१।०७	३०।३६	-२१।४३	२९।१७।०८	+ ०।३९	१६।३०	-१९।४५	१६।४३।२५	+ १।२४	- ५।५०	१२।१५।१६
१४।१२	७।२५।३८।४२	ज्ये २-१२।३३	३-१८।००	४-२३।२८	मूल १-२८।५८	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१७।२२	-२३।०४	१७।४३।४०	+ ०।००	- ५।२२	१२।१९।५१

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १५। १२।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१५।१२	७।१८	७।२९।२४।४९	६१।०४	८।०४।४४।५३	८६३।००	११।२६।४७।१२	१९।५७	७।२६।३५।५६	९४।१५	९।०४।५४।२२	१२।५१	७।०५।०३।५२	७५।०३	९।०५।३९।५३	६।१४	१।२५।३५।३१	३।११
१६।१२	७।१८	८।००।२५।५३	६१।०५	८।१९।०७।५३	८४२।२८	११।२७।०७।०९	२०।२३	७।२८।१०।१२	९४।२२	९।०५।०७।१३	१२।५५	७।०६।१८।५५	७५।०४	९।०५।४६।०७	६।१७	१।२५।३२।२०	३।११
१७।१२	७।१९	८।०१।२६।५८	६१।०६	९।०३।१०।२१	८१८।४८	११।२७।२७।३३	२०।४९	७।२९।४४।३४	९४।३१	९।०५।२०।०८	१२।५८	७।०७।३३।५९	७५।०५	९।०५।५२।२३	६।१९	१।२५।२९।०९	३।११
१८।१२	७।१९	८।०२।२८।०४	६१।०६	९।१६।४९।०९	७९४।०१	११।२७।४८।२२	२१।१४	८।०१।१९।०५	९४।४०	९।०५।३३।०६	१३।०२	७।०८।४९।०४	७५।०६	९।०५।५८।४३	६।२२	१।२५।२५।५९	३।११
१९।१२	७।२०	८।०३।२९।१०	६१।०७	१०।००।०३।१०	७७०।०६	११।२८।०९।३६	२१।३८	८।०२।५३।४५	९४।५२	९।०५।४६।०८	१३।०६	७।१०।०४।०९	७५।०७	९।०६।०५।०५	६।२४	१।२५।२२।४८	३।११
२०।१२	७।२१	८।०४।३०।१७	६१।०७	१०।१२।५३।१६	७४८।४४	११।२८।३१।१४	२२।०२	८।०४।२८।३७	९५।०४	९।०५।५९।१४	१३।१०	७।११।१९।१६	७५।०७	९।०६।११।२९	६।२७	१।२५।१९।३७	३।११
२१।१२	७।२१	८।०५।३१।२४	६१।०८	१०।२५।२२।००	७३१।१७	११।२८।५३।१६	२२।२५	८।०६।०३।४१	९५।१७	९।०६।१२।२४	१३।१२	७।१२।३४।२३	७५।०८	९।०६।१७।५६	६।२९	१।२५।१६।२६	३।११
२२।१२	७।२२	८।०६।३२।३२	६१।०८	११।०७।३३।१७	७१८।३८	११।२९।१५।४२	२२।४८	८।०७।३८।५८	९५।३२	९।०६।२५।३६	१३।१५	७।१३।४९।३२	७५।०९	९।०६।२४।२५	६।३१	१।२५।१३।१५	३।११
२३।१२	७।२२	८।०७।३३।४०	६१।०९	११।१९।३१।५५	७११।१४	११।२९।३८।२९	२३।१०	८।०९।१४।३०	९५।४८	९।०६।३८।५१	१३।१९	७।१५।०४।४०	७५।०९	९।०६।३०।५६	६।३४	१।२५।१०।०४	३।११
२४।१२	७।२३	८।०८।३४।४९	६१।०९	०।०१।२३।०९	७०९।०१	०।००।०१।३९	२३।३१	८।१०।५०।१७	९६।०४	९।०६।५२।१०	१३।२२	७।१६।१९।५०	७५।१०	९।०६।३७।३०	६।३६	१।२५।०६।५३	३।११
२५।१२	७।२३	८।०९।३५।५८	६१।०९	०।१३।१२।१०	७११।२९	०।००।२५।११	२३।५२	८।१२।२६।२१	९६।२१	९।०७।०५।३१	१३।२५	७।१७।३५।००	७५।११	९।०६।४४।०६	६।३८	१।२५।०३।४२	३।११
२६।१२	७।२३	८।१०।३७।०७	६१।०९	०।२५।०३।३९	७१७।४९	०।००।४९।०३	२४।१३	८।१४।०२।४२	९६।३८	९।०७।१८।५६	१३।२७	७।१८।५०।१०	७५।११	९।०६।५०।४४	६।४०	१।२५।००।३२	३।११
२७।१२	७।२४	८।११।३८।१७	६१।१०	१।०७।०१।२८	७२७।०१	०।०१।१३।१६	२४।३२	८।१५।३९।२०	९६।५५	९।०७।३२।२३	१३।३०	७।२०।०५।२१	७५।११	९।०६।५७।२४	६।४२	१।२४।५७।२१	३।११
२८।१२	७।२४	८।१२।३९।२६	६१।१०	१।१९।०८।२९	७३८।११	०।०१।३७।४८	२४।५२	८।१७।१६।१५	९७।११	९।०७।४५।५४	१३।३३	७।२१।२०।३३	७५।१२	९।०७।०४।०६	६।४४	१।२४।५४।१०	३।११
२९।१२	७।२४	८।१३।४०।३६	६१।१०	२।०१।२६।४०	७५०।३६	०।०२।०२।४०	२५।११	८।१८।५३।२६	९७।२७	९।०७।५९।२७	१३।३५	७।२२।३५।४४	७५।१२	९।०७।१०।५०	६।४६	१।२४।५०।५९	३।११
३०।१२	७।२५	८।१४।४१।४६	६१।१०	२।१३।५७।१६	७६३।४७	०।०२।२७।५१	२५।२९	८।२०।३०।५३	९७।४२	९।०८।१३।०२	१३।३८	७।२३।५०।५७	७५।१३	९।०७।१७।३५	६।४७	१।२४।४७।४९	३।११

ता.मा.	केतु	निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में: नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
१५।१२	७।२५।३५।३१	मूल २-१०।२८	३-१६।००	४-२१।३४	पूषा १-२७।०९	. .. ..
१६।१२	७।२५।३२।२०	पूषा २- ८।४६	३-१४।२५	४-२०।०७	उषा १-२५।५०	. .. ..
१७।१२	७।२५।२९।०९	उषा २- ७।३६	३-१३।२४	४-१९।१४	श्रव १-२५।०७	२-३१।०३
१८।१२	७।२५।२५।५९	श्रव ३-१३।०२	४-१९।०३	धनि १-२५।०७	२-३१।१४	. .. ..
१९।१२	७।२५।२२।४८	धनि ३-१३।२४	४-१९।३७	शत १-२५।५३	. .. ..	. .. ..
२०।१२	७।२५।१९।३७	शत २- ८।११	३-१४।३३	४-२०।५७	पूभा १-२७।२४	. .. ..
२१।१२	७।२५।१६।२६	पूभा २- ९।५३	३-१६।२५	४-२२।५९	उभा १-२९।३६	. .. ..
२२।१२	७।२५।१३।१५	उभा २-१२।१४	३-१८।५४	४-२५।३६	. .. ..	. .. ..
२३।१२	७।२५।१०।०४	रेव १- ८।१९	२-१५।०३	३-२१।४८	४-२८।३४	. .. ..
२४।१२	७।२५।०६।५३	अश्वि १-११।२०	२-१८।०६	३-२४।५३	. .. ..	. .. ..
२५।१२	७।२५।०३।४२	अश्वि ४- ७।३९	भर १-१४।२५	२-२१।१०	३-२७।५४	. .. ..
२६।१२	७।२५।००।३२	भर ४-१०।३८	कृति १-१७।२०	२-२४।०१	३-३०।४१	. .. ..
२७।१२	७।२४।५७।२१	कृति ४-१३।१९	रोहि १-१९।५६	२-२६।३२	. .. ..	. .. ..
२८।१२	७।२४।५४।१०	रोहि ३- ९।०५	४-१५।३७	मृग १-२२।०८	२-२८।३७	. .. ..
२९।१२	७।२४।५०।५९	मृग ३-११।०४	४-१७।२९	आर्द्रा १-२३।५२	२-३०।१४	. .. ..
३०।१२	७।२४।४७।४९	आर्द्रा ३-१२।३४	४-१८।५२	पुन १-२५।०८	२-३१।२३	. .. ..

ता.मा.	चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१५।१२	७।४४	-२४।१४	६।१९।१६	- २।०४	१८।१९	-२४।४२	१८।४५।३६	- १।२२	- ४।५३	१२।२४।२४
१६।१२	८।४८	-२४।५०	७।२०।५६	- ३।११	१९।२१	-२४।३२	१९।४६।५७	- २।३८	- ४।२४	१२।२८।५८
१७।१२	९।४५	-२३।३९	८।२१।१०	- ३।१७	२०।२४	-२२।४३	२०।४५।२९	- ३।४१	- ३।५५	१२।३३।३०
१८।१२	१०।३४	-२१।००	९।१६।४८	- ४।११	२१।२७	-१९।३३	२१।३९।४६	- ४।२९	- ३।२५	१२।३८।००
१९।१२	११।१६	-१७।१८	१०।०७।५१	- ४।४९	२२।२६	-१५।२७	२२।२९।३३	- ५।००	- २।५५	१२।४२।३०
२०।१२	११।५२	-१२।५१	१०।५४।३८	- ५।१०	२३।२२	-१०।४३	२३।१५।२३	- ५।१५	- २।२६	१२।४६।५८
२१।१२	१२।२५	- ८।००	११।३८।०५	- ५।१६	२४।१६	- ५।४०	२३।५८।१७	- ५।१३	- १।५६	१२।५१।२६
२२।१२	१२।५६	- २।५६	१२।१९।१७	- ५।०६	२५।०८	- ०।३०	२४।३९।२४	- ४।५७	- १।२६	१२।५५।५२
२३।१२	१३।२५	+ २।१०	१२।५९।२१	- ४।४३	२६।००	+ ४।३८	२५।१९।५५	- ४।२७	- ०।५६	१३।००।१७
२४।१२	१३।५४	+ ७।०८	१३।३९।२३	- ४।०७	२६।५१	+ ९।३४	२६।००।५६	- ३।४५	- ०।२६	१३।०४।४१
२५।१२	१४।२५	+११।५१	१४।२०।२५	- ३।२१	२७।४४	+१४।०९	२६।४३।२६	- २।५३	+ ०।०४	१३।०९।०३
२६।१२	१४।५८	+१६।०९	१५।०३।२२	- २।२५	२८।३८	+१८।१२	२७।२८।१६	- १।५२	+ ०।३३	१३।१३।२५
२७।१२	१५।३५	+१९।५०	१५।४८।५६	- १।२१	२९।३४	+२१।२९	२८।१५।५७	- ०।४४	+ १।०३	१३।१७।४६
२८।१२	१६।१७	+२२।३९	१६।३७।२९	- ०।१२	३०।३०	+२३।४६	२९।०६।३३	+ ०।२६	+ १।३२	१३।२२।०४
२९।१२	१७।०४	+२४।२४	१७।२८।५४	+ ०।५८	. . .	. . .	. . .	. . .	+ २।०२	१३।२६।२१
३०।१२	१७।५६	+२४।५२	१८।२२।२६	+ २।०७	७।२६	+२४।५१	५।५९।४७	+ २।०७	+ २।३१	१३।३०।३७

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. ३१। १२।२०२० से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
३१।१२	७।२५	८।१५।४२।५६	६१।१०	२।२६।४१।०३	७७७।२३	०।०२।५३।२०	२५।४७	८।२२।०८।३५	९७।५६	९।०८।२६।४०	१३।४०	७।२५।०६।०९	७५।१३	९।०७।२४।२२	६।४९	११२४।४४।३८	३।११
१। १	७।२५	८।१६।४४।०७	६१।१०	३।०९।३८।२६	७९१।०२	०।०३।१९।०७	२६।०४	८।२३।४६।३१	९८।०७	९।०८।४०।२१	१३।३५	७।२६।२१।२२	७५।१३	९।०७।३१।१२	७।०८	११२४।४१।२७	३।११
२। १	७।२६	८।१७।४५।१७	६१।१०	३।२२।४९।२८	८०४।२१	०।०३।४५।११	२६।२१	८।२५।२४।३८	९८।१८	९।०८।५३।५६	१३।४५	७।२७।३६।३५	७५।१३	९।०७।३८।१९	६।५२	११२४।३८।१६	३।११
३। १	७।२६	८।१८।४६।२७	६१।१०	४।०६।१३।४८	८१६।५६	०।०४।११।३२	२६।३८	८।२७।०२।५६	९८।२५	९।०९।०७।४१	१३।४७	७।२८।५१।४९	७५।१४	९।०७।४५।१२	६।५४	११२४।३५।०५	३।११
४। १	७।२६	८।१९।४७।३७	६१।१०	४।१९।५०।४४	८२८।२८	०।०४।३८।१०	२६।५४	८।२८।४१।२१	९८।३०	९।०९।२१।२८	१३।४९	८।००।०७।०२	७५।१४	९।०७।५२।०५	६।५५	११२४।३१।५५	३।११
५। १	७।२६	८।२०।४८।४७	६१।१०	५।०३।३९।१२	८३८।३९	०।०५।०५।०४	२७।१०	९।००।१९।५१	९८।३२	९।०९।३५।१८	१३।५२	८।०१।२२।१६	७५।१४	९।०७।५९।००	६।५७	११२४।२८।४४	३।११
६। १	७।२६	८।२१।४९।५७	६१।१०	५।१७।३७।५०	८४७।१७	०।०५।३२।१४	२७।२५	९।०१।५८।२३	९८।३०	९।०९।४९।१०	१३।५३	८।०२।३७।३०	७५।१४	९।०८।०५।५७	६।५८	११२४।२५।३२	३।११
७। १	७।२६	८।२२।५१।०७	६१।०९	६।०१।४५।०७	८५४।०८	०।०५।५९।३९	२७।४०	९।०३।३६।५३	९८।२३	९।१०।०३।०४	१३।५५	८।०३।५२।४४	७५।१४	९।०८।१२।५५	६।५९	११२४।२२।२२	३।११
८। १	७।२७	८।२३।५२।१७	६१।०९	६।१५।५९।१५	८५८।५२	०।०६।२७।१८	२७।५४	९।०५।१५।१६	९८।१२	९।१०।१६।५९	१३।५७	८।०५।०७।५७	७५।१४	९।०८।१९।५३	७।००	११२४।१९।११	३।११
९। १	७।२७	८।२४।५३।२६	६१।०९	७।००।१८।०७	८६०।५५	०।०६।५५।१२	२८।०८	९।०६।५३।२८	९७।५३	९।१०।३०।५६	१३।५९	८।०६।२३।११	७५।१४	९।०८।२६।५३	७।०१	११२४।१६।००	३।११
१०। १	७।२७	८।२५।५४।३५	६१।०९	७।१४।३९।०२	८५९।३६	०।०७।२३।२१	२८।२२	९।०८।३१।२१	९७।२८	९।१०।४४।५४	१४।००	८।०७।३८।२६	७५।१४	९।०८।३३।५४	७।०२	११२४।१२।४९	३।११
११। १	७।२७	८।२६।५५।४४	६१।०८	७।२८।५८।३९	८५४।१४	०।०७।५१।४३	२८।३५	९।१०।०८।४९	९६।५४	९।१०।५८।५५	१४।०२	८।०८।५३।४०	७५।१४	९।०८।४०।५६	७।०३	११२४।०९।३९	३।११
१२। १	७।२७	८।२७।५६।५२	६१।०८	८।१३।१२।५३	८४४।२३	०।०८।२०।१८	२८।४८	९।११।४५।४२	९६।१०	९।११।१२।५६	१४।०३	८।१०।०८।५४	७५।१४	९।०८।४७।५९	७।०४	११२४।०६।२८	३।११
१३। १	७।२७	८।२८।५८।००	६१।०८	८।२७।१७।१६	८३०।०९	०।०८।४९।०६	२९।०१	९।१३।२१।५२	९५।१५	९।११।२६।५९	१४।०५	८।११।२४।०८	७५।१४	९।०८।५५।०३	७।०५	११२४।०३।१७	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घ. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घ. मि. से.
३१।१२	७।२४।४४।३८	पुन ३-१३।३६	४-१९।४७	पुष्य १-२५।५७	. .. ..	. .. ..	१८।५३	+२३।५६	१९।१६।५४	+ ३।१०	८।२०	+२४।३१	६।५३।४४	+ ३।१०	+ २।५९	१३।३४।५१
१। १	७।२४।४१।२७	पुष्य २- ८।०५	३-१४।११	४-२०।१६	श्ले १-२६।१९	. .. ..	१९।५३	+२१।३५	२०।१०।५८	+ ४।०४	९।०९	+२२।५२	७।४७।४०	+ ४।०४	+ ३।२८	१३।३९।०४
२। १	७।२४।३८।१६	श्ले २- ८।२१	३-१४।२१	४-२०।१९	मघा १-२६।१७	. .. ..	२०।५४	+१७।५७	२१।०३।४०	+ ४।४५	९।५४	+१९।३७	८।४०।४६	+ ४।३०	+ ३।५६	१३।४३।१६
३। १	७।२४।३५।०५	मघा २- ८।१२	३-१४।०७	४-२०।००	पूफा १-२५।५२	. .. ..	२१।५६	+१३।१६	२१।५४।३८	+ ५।०९	१०।३५	+१५।२५	९।३१।४५	+ ५।०१	+ ४।२४	१३।४७।२६
४। १	७।२४।३१।५५	पूफा २- ७।४२	३-१३।३२	४-१९।२०	उफा १-२५।०७	२-३०।५३	२२।५८	+ ७।४८	२२।४४।०८	+ ५।१५	११।१३	+१०।२०	१०।२१।०१	+ ५।१५	+ ४।५१	१३।५१।३४
५। १	७।२४।२८।४४	उफा ३-१२।३८	४-१८।२२	हस्त १-२४।०५	२-२९।४८	. .. ..	२३।५९	+ १।५१	२३।३२।५५	+ ५।०२	११।४९	+ ४।३९	११।०९।१०	+ ५।१०	+ ५।१८	१३।५५।४१
६। १	७।२४।२५।३२	हस्त ३-११।२९	४-१७।०९	चित्रा १-२२।४९	२-२८।२८	. .. ..	२५।०१	- ४।१७	२४।२२।०३	+ ४।२८	१२।२४	- १।२१	११।५७।०६	+ ४।४७	+ ५।४५	१३।५९।४६
७। १	७।२४।२२।२२	चित्रा ३-१०।०७	४-१५।४५	स्वा. १-२१।२२	२-२६।५९	. .. ..	२६।०५	-१०।१४	२५।१२।४०	+ ३।३७	१३।००	- ७।२०	१२।४५।५७	+ ४।०५	+ ६।११	१४।०३।५०
८। १	७।२४।१९।११	स्वा. ३- ८।३५	४-१४।११	विशा १-१९।४६	२-२५।२१	३-३०।५६	२७।१०	-१५।४०	२६।०५।४९	+ २।३१	१३।३९	-१२।५९	१३।३६।४८	+ ३।०७	+ ६।३७	१४।०७।५२
९। १	७।२४।१६।००	विशा ४-१२।३१	अनु १-१८।०५	२-२३।४०	३-२९।१४	. .. ..	२८।१७	-२०।०९	२७।०२।०९	+ १।१४	१४।२१	-१७।५६	१४।३०।३५	+ १।५६	+ ७।०२	१४।११।५३
१०। १	७।२४।१२।४९	अनु ४-१०।४९	ज्ये १-१६।२४	२-२१।५९	३-२७।३४	. .. ..	२९।२४	-२३।१७	२८।०१।२८	- ०।०८	१५।०९	-२१।४७	१५।२७।३९	+ ०।३७	+ ७।२६	१४।१५।५२
११। १	७।२४।०९।३९	ज्ये ४- ९।१०	मूल १-१४।४६	२-२०।२३	३-२६।००	. .. ..	३०।२९	-२४।४६	२९।०२।३१	- १।२८	१६।०३	-२४।१०	१६।२७।२८	- ०।४४	+ ७।५०	१४।१९।४९
१२। १	७।२४।०६।२८	मूल ४- ७।३९	पूषा १-१३।१८	२-१८।५८	३-२४।४०	४-३०।२३	. . .	. . .	. . .	. . .	१७।०२	-२४।५१	१७।२८।२७	- २।०२	+ ८।१४	१४।२३।४५
१३। १	७।२४।०३।१७	उषा १-१२।०७	२-१७।५२	३-२३।४०	४-२९।२९	. .. ..	७।२९	-२४।२६	६।०३।२६	- ३।४२	१८।०५	-२३।४८	१८।२८।२२	- ३।१०	+ ८।३७	१४।२७।३९

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १४। १।२०२१ से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१४। १	७।२७	८।२९।५९।०८	६१।०७	९।११।०७।२५	८१२।१६	०।०९।१८।०८	२९।१३	९।१४।५७।०७	९४।०७	९।११।४१।०४	१४।०६	८।१२।३९।२२	७५।१४	९।०९।०२।०७	७।०५	१।२४।००।०६	३।११
१५। १	७।२६	९।०१।००।१५	६१।०७	९।२४।३९।४१	७९२।०१	०।०९।४७।२१	२९।२५	९।१६।३१।१४	९२।४२	९।११।५५।१०	१४।०७	८।१३।५४।३६	७५।१४	९।०९।०९।१३	७।०६	१।२३।५६।५५	३।११
१६। १	७।२६	९।०२।०१।२२	६१।०६	१०।०७।५१।४२	७७१।०१	०।१०।१६।४६	२९।३७	९।१८।०३।५६	९१।००	९।१२।०९।१७	१४।०७	८।१५।०९।४९	७५।१४	९।०९।१६।१८	७।०६	१।२३।५३।४५	३।११
१७। १	७।२६	९।०३।०२।२७	६१।०५	१०।२०।४२।४३	७५०।५८	०।१०।४६।२३	२९।४९	९।१९।३४।५७	८८।५७	९।१२।२३।२४	१४।०९	८।१६।२५।०३	७५।१४	९।०९।२३।२४	७।०७	१।२३।५०।३५	३।११
१८। १	७।२६	९।०४।०३।३३	६१।०५	११।०३।१३।४०	७३३।२९	०।११।१६।१२	३०।००	९।२१।०३।५३	८६।२८	९।१२।३७।३३	१४।१०	८।१७।४०।१७	७५।१३	९।०९।३०।३१	७।०७	१।२३।४७।२४	३।११
१९। १	७।२६	९।०५।०४।३८	६१।०४	११।१५।२७।०९	७१९।५७	०।११।४६।१२	३०।१०	९।२२।३०।२२	८३।३१	९।१२।५१।४३	१४।११	८।१८।५५।३०	७५।१३	९।०९।३७।३९	७।०८	१।२३।४४।१३	३।११
२०। १	७।२६	९।०६।०५।४२	६१।०४	११।२७।२७।०६	७११।२३	०।१२।१६।२२	३०।२१	९।२३।५३।५२	८०।००	९।१३।०५।५४	१४।१२	८।२०।१०।४३	७५।१३	९।०९।४४।४६	७।०८	१।२३।४१।०२	३।११
२१। १	७।२५	९।०७।०६।४६	६१।०३	०।०९।१८।२९	७०८।२०	०।१२।४६।४३	३०।३१	९।२५।१३।५२	७५।५०	९।१३।२०।०५	१४।१२	८।२१।२५।५६	७५।१३	९।०९।५१।५४	७।०८	१।२३।३७।५२	३।११
२२। १	७।२५	९।०८।०७।४८	६१।०२	०।२१।०६।४९	७१०।५१	०।१३।१७।१४	३०।४१	९।२६।२९।४२	७०।५७	९।१३।३४।१८	१४।१३	८।२२।४१।०९	७५।१३	९।०९।५९।०२	७।०८	१।२३।३४।४१	३।११
२३। १	७।२५	९।०९।०८।५०	६१।०१	१।०२।५७।४०	७१८।३२	०।१३।४७।५५	३०।५१	९।२७।४०।३८	६५।१६	९।१३।४८।३०	१४।१४	८।२३।५६।२२	७५।१२	९।१०।०६।११	७।०८	१।२३।३१।३०	३।११
२४। १	७।२४	९।१०।०९।५१	६१।००	१।१४।५६।१२	७३०।३४	०।१४।१८।४६	३१।००	९।२८।४५।५४	५८।४३	९।१४।०२।४४	१४।१४	८।२५।११।३४	७५।१२	९।१०।१३।१९	७।०८	१।२३।२८।१९	३।११
२५। १	७।२४	९।११।१०।५२	६१।००	१।२७।०६।४६	७४५।५७	०।१४।४९।४७	३१।१०	९।२९।४४।३६	५१।१५	९।१४।१६।५८	१४।१४	८।२६।२६।४७	७५।१२	९।१०।२०।२७	७।०८	१।२३।२५।०८	३।११
२६। १	७।२४	९।१२।११।५१	६०।५९	२।०९।३२।४३	७६३।३७	०।१५।२०।५६	३१।१९	१०।००।३५।५१	४२।५१	९।१४।३१।१२	१४।१५	८।२७।४१।५९	७५।१२	९।१०।२७।३६	७।०८	१।२३।२१।५८	३।११
२७। १	७।२३	९।१३।१२।५०	६०।५८	२।२२।१६।२०	७८२।२१	०।१५।५२।१५	३१।२७	१०।०१।१८।४२	३३।३२	९।१४।४५।२७	१४।१५	८।२८।५७।१०	७५।११	९।१०।३४।४४	७।०८	१।२३।१८।४७	३।११
२८। १	७।२३	९।१४।१३।४८	६०।५७	३।०५।१८।४१	८००।५६	०।१६।२३।४२	३१।३६	१०।०१।५२।१५	२३।२३	९।१४।५९।४१	१४।१५	९।००।१२।२२	७५।११	९।१०।४१।५२	७।०८	१।२३।१५।३६	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में

ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण
१४। १	७।२४।००।०६	श्रव १-११।१९	२-१७।१२	३-२३।०७	४-२९।०४	. .. ..
१५। १	७।२३।५६।५५	धनि १-११।०३	२-१७।०४	३-२३।०८	४-२९।१४	. .. ..
१६। १	७।२३।५३।४५	शत १-११।२३	२-१७।३५	३-२३।४९	४-३०।०५	. .. ..
१७। १	७।२३।५०।३५	पूभा १-१२।२५	२-१८।४७	३-२५।११	. .. ..	. .. ..
१८। १	७।२३।४७।२४	पूभा ४- ७।३८	उभा १-१४।०८	२-२०।४०	३-२७।१४	. .. ..
१९। १	७।२३।४४।१३	उभा ४- ९।५०	रेव १-१६।२९	२-२३।०९	३-२९।५१	. .. ..
२०। १	७।२३।४१।०२	रेव ४-१२।३४	अश्वि १-१९।१८	२-२६।०४	. .. ..	. .. ..
२१। १	७।२३।३७।५२	अश्वि ३- ८।५०	४-१५।३६	भर १-२२।२३	२-२९।०९	. .. ..
२२। १	७।२३।३४।४१	भर ३-११।५६	४-१८।४१	कृति १-२५।२६	. .. ..	. .. ..
२३। १	७।२३।३१।३०	कृति २- ८।१०	३-१४।५२	४-२१।३३	रोहि १-२८।१३	. .. ..
२४। १	७।२३।२८।१९	रोहि २-१०।५१	३-१७।२६	४-२४।००	मृग १-३०।३२	. .. ..
२५। १	७।२३।२५।०८	मृग २-१३।०१	३-१९।२८	४-२५।५३	. .. ..	. .. ..
२६। १	७।२३।२१।५८	आर्द्रा १- ८।१६	२-१४।३६	३-२०।५४	४-२७।०९	. .. ..
२७। १	७।२३।१८।४७	पुन १- ९।२२	२-१५।३२	३-२१।४१	४-२७।४७	. .. ..
२८। १	७।२३।१५।३६	पुष्य १- ९।५१	२-१५।५२	३-२१।५२	४-२७।४९	. .. ..

चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
८।२२	-२२।३२	७।०१।०८	- ४।२६	१९।०८	-२१।१३	१९।२५।१२	- ४।०४	+ ८।५९	१४।३१।३२
९।०८	-१९।२४	७।५५।०२	- ४।५५	२०।१०	-१७।२६	२०।१७।५४	- ४।४३	+ ९।२०	१४।३५।२३
९।४७	-१४।५६	८।४४।५१	- ४।५७	२१।०९	-१२।५२	२१।०६।२७	- ५।०४	+ ९।४१	१४।३९।१३
१०।२२	-१०।०७	९।३०।३९	- ५।०९	२२।०५	- ७।४९	२१।५१।२९	- ५।०९	+१०।०१	१४।४३।०१
१०।५४	- ५।०१	१०।१३।३५	- ५।०५	२२।५९	- २।३४	२२।३४।०३	- ४।५८	+१०।२१	१४।४६।४७
११।२४	+ ०।१०	१०।५४।४०	- ४।४७	२३।५१	+ २।४०	२३।१५।१५	- ४।३३	+१०।३९	१४।५०।३२
११।५४	+ ५।१५	११।३५।००	- ४।१६	२४।४३	+ ७।४३	२३।५६।१२	- ३।५६	+१०।५७	१४।५४।१५
१२।२४	+१०।०६	१२।१५।३९	- ३।३४	२५।३५	+१२।२८	२४।३७।५९	- ३।०८	+११।१५	१४।५७।५६
१२।५६	+१४।३४	१२।५७।३६	- २।४२	२६।२८	+१६।४३	२५।२१।३४	- २।११	+११।३१	१५।०१।३६
१३।३१	+१८।३०	१३।४१।४५	- १।४२	२७।२३	+२०।१९	२६।०७।४४	- १।०७	+११।४७	१५।०५।१५
१४।१०	+२१।४०	१४।२८।४५	- ०।३७	२८।१९	+२३।०१	२६।५६।५४	+ ०।००	+१२।०२	१५।०८।५२
१४।५५	+२३।५२	१५।१८।५३	+ ०।३२	२९।१५	+२४।३५	२७।४८।५८	+ १।१०	+१२।१६	१५।१२।२७
१५।४५	+२४।५२	१६।११।४७	+ १।४०	३०।१०	+२४।५०	२८।४३।०९	+ २।१७	+१२।२९	१५।१६।०१
१६।४१	+२४।२९	१७।०६।३३	+ २।४५	३१।०२	+२३।३८	२९।३८।११	+ ३।१८	+१२।४२	१५।१९।३३
१७।४१	+२२।३८	१८।०१।५०	+ ३।४२	. . .	. . .	. . .	. . .	+१२।५३	१५।२३।०४

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. २९। १।२०२१ से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२९। १	७।२२	९।१५।१४।४४	६०।५६	३।१८।३९।३७	८१७।५७	०।१६।५५।१८	३१।४४	१०।०२।१५।३८	१२।३१	९।१५।१३।५६	१४।१५	९।०१।२७।३३	७५।११	९।१०।४८।५९	७।०७	१।२३।१२।२५	३।११
३०। १	७।२२	९।१६।१५।४०	६०।५५	४।०२।१७।३४	८३२।०९	०।१७।२७।०२	३१।५२	१०।०२।२८।०९	१।०७	९।१५।२८।११	१४।१५	९।०२।४२।४४	७५।११	९।१०।५६।०७	७।०७	१।२३।०९।१५	३।११
३१। १	७।२१	९।१७।१६।३५	६०।५४	४।१६।०९।४३	८४२।३०	०।१७।५८।५४	३२।००	१०।०२।२९।१६	१०।३३व	९।१५।४२।२६	१४।१५	९।०३।५७।५५	७५।१०	९।११।०३।१४	७।०६	१।२३।०६।०४	३।११
१। २	७।२१	९।१८।१७।२८	६०।५३	५।००।१२।१३	८४८।३८	०।१८।३०।५४	३२।०८	१०।०२।१८।४३	२२।१०व	९।१५।५६।४१	१४।१३	९।०५।१३।०५	७५।१०	९।११।१०।२०	७।०६	१।२३।०२।५३	३।११
२। २	७।२०	९।१९।१८।२१	६०।५१	५।१४।२०।५१	८५०।४७	०।१९।०३।०२	३२।१५	१०।०१।५६।३३	-३३।२१व	९।१६।१०।५४	१४।१४	९।०६।२८।१५	७५।१०	९।११।१७।२६	७।०५	१।२२।५९।४३	३।११
३। २	७।२०	९।२०।१९।१२	६०।५०	५।२८।३१।३८	८४९।५०	०।१९।३५।१७	३२।२२	१०।०१।२३।१३	४३।४४व	९।१६।२५।०९	१४।१४	९।०७।४३।२४	७५।०९	९।११।२४।३१	७।०५	१।२२।५६।३२	३।११
४। २	७।१९	९।२१।२०।०२	६०।४९	६।१२।४१।२८	८४६।५०	०।२०।०७।४०	३२।३०	१०।००।३९।२९	५२।५५व	९।१६।३९।२२	१४।१४	९।०८।५८।३४	७५।०९	९।११।३१।३५	७।०४	१।२२।५३।२१	३।११
५। २	७।१९	९।२२।२०।५२	६०।४८	६।२६।४८।१८	८४२।४३	०।२०।४०।०९	३२।३६	९।२९।४६।३४	६०।३५व	९।१६।५३।३६	१४।१३	९।१०।१३।४३	७५।०९	९।११।३८।३९	७।०३	१।२२।५०।११	३।११
६। २	७।१८	९।२३।२१।३९	६०।४७	७।१०।५१।०२	८३७।५९	०।२१।१२।४६	३२।४३	९।२८।४५।५९	६६।२६व	९।१७।०७।४९	१४।१२	९।११।२८।५१	७५।०८	९।११।४५।४२	७।०२	१।२२।४७।००	३।११
७। २	७।१७	९।२४।२२।२६	६०।४५	७।२४।४९।०१	८३२।३५	०।२१।४५।२९	३२।५०	९।२७।३९।३३	७०।२०व	९।१७।२२।०२	१४।१२	९।१२।४४।००	७५।०८	९।११।५२।४४	७।०१	१।२२।४३।४९	३।११
८। २	७।१७	९।२५।२३।११	६०।४४	८।०८।४१।३६	८२६।०३	०।२२।१८।१८	३२।५६	९।२६।२९।१३	७२।१२व	९।१७।३६।१३	१४।११	९।१३।५९।०७	७५।०७	९।११।५९।४५	७।००	१।२२।४०।३८	३।११
९। २	७।१६	९।२६।२३।५५	६०।४३	८।२२।२७।३९	८१७।४५	०।२२।५१।१४	३३।०२	९।२५।१७।०१	७२।०६व	९।१७।५०।२४	१४।१०	९।१५।१४।१५	७५।०७	९।१२।०६।४६	६।५९	१।२२।३७।२८	३।११
१०। २	७।१५	९।२७।२४।३८	६०।४१	९।०६।०५।२५	८०७।११	०।२३।२४।१७	३३।०८	९।२४।०४।५५	७०।०९व	९।१८।०४।३५	१४।०८	९।१६।२९।२२	७५।०७	९।१२।१३।४५	६।५८	१।२२।३४।१७	३।११
११। २	७।१५	९।२८।२५।१९	६०।४०	९।१९।३२।३६	७९४।१४	०।२३।५७।२५	३३।१४	९।२२।५४।४६	६६।३५व	९।१८।१८।४३	१४।०८	९।१७।४४।२८	७५।०६	९।१२।२०।४२	६।५६	१।२२।३१।०७	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२९। १	७।२३।१२।२५	श्ले १- ९।४५	२-१५।३९	३-२१।३१	४-२७।२२	. .. ..	१८।४४	+१९।२२	१८।५६।१८	+ ४।२७	७।५०	+२०।५७	६।३२।४७	+ ४।२७	+१३।०४	१५।२६।३३
३०। १	७।२३।०९।१५	मघा १- ९।११	२-१४।५८	३-२०।४५	४-२६।३०	. .. ..	१९।४७	+१४।५४	१९।४९।११	+ ४।५६	८।३३	+१७।१०	७।२५।४२	+ ४।५६	+१३।१४	१५।३०।०१
३१। १	७।२३।०६।०४	पूफा १- ८।१३	२-१३।५६	३-१९।३८	४-२५।२०	उफा १-३१।००	२०।५०	+ ९।३१	२०।४०।२०	+ ५।०७	९।१४	+१२।२३	८।१६।५५	+ ५।०७	+१३।२४	१५।३३।२८
१। २	७।२३।०२।५३	उफा २-१२।४०	३-१८।२०	४-२३।५९	हस्त १-२९।३७	. .. ..	२१।५३	+ ३।३४	२१।३०।१२	+ ४।५८	९।५०	+ ६।२१	९।०६।१५	+ ५।०५	+१३।३२	१५।३६।५३
२। २	७।२२।५९।४३	हस्त २-११।१६	३-१६।५४	४-२२।३३	चित्रा १-२८।११	. .. ..	२२।५५	- २।३८	२२।१९।३९	+ ४।३०	१०।२६	+ ०।१९	९।५४।५३	+ ४।४५	+१३।४०	१५।४०।१७
३। २	७।२२।५६।३२	चित्रा २- ९।४९	३-१५।२८	४-२१।०७	स्वा. १-२६।४५	. .. ..	२३।५८	- ८।४२	२३।०९।४५	+ ३।४३	११।०२	- ५।४५	१०।४३।३९	+ ४।०८	+१३।४७	१५।४३।४०
४। २	७।२२।५३।२१	स्वा. २- ८।२५	३-१४।०४	४-१९।४४	विशा १-२५।२४	२-३१।०४	२५।०२	-१४।१६	२४।०१।३१	+ २।४२	११।३९	-११।३१	११।३३।३४	+ ३।१५	+१३।५३	१५।४७।०१
५। २	७।२२।५०।११	विशा ३-१२।४५	४-१८।२७	अनु १-२४।०८	२-२९।५१	. .. ..	२६।०८	-१८।५९	२४।५५।४३	+ १।३०	१२।१९	-१६।३८	१२।२५।३६	+ २।०९	+१३।५८	१५।५०।२१
६। २	७।२२।४७।००	अनु ३-११।३३	४-१७।१६	ज्ये १-२३।००	२-२८।४४	. .. ..	२७।१३	-२२।३०	२५।५२।३५	+ ०।१३	१३।०४	-२०।४७	१३।२०।१९	+ ०।५५	+१४।०२	१५।५३।४०
७। २	७।२२।४३।४९	ज्ये ३-१०।२९	४-१६।१४	मूल १-२२।००	२-२७।४६	. .. ..	२८।१७	-२४।३१	२६।५१।२७	- १।०५	१३।५४	-२३।३७	१४।१७।४०	- ०।२३	+१४।०६	१५।५६।५६
८। २	७।२२।४०।३८	मूल ३- ९।३३	४-१५।२०	पूषा १-२१।०९	२-२६।५८	. .. ..	२९।१८	-२४।५२	२७।५०।४८	- २।१७	१४।५०	-२४।५३	१५।१६।४२	- १।३८	+१४।०९	१६।००।१२
९। २	७।२२।३७।२८	पूषा ३- ८।४८	४-१४।३८	उषा १-२०।३०	२-२६।२३	. .. ..	३०।१२	-२३।३५	२८।४८।४३	- ३।२०	१५।५०	-२४।३०	१६।१५।४३	- २।४६	+१४।११	१६।०३।२७
१०। २	७।२२।३४।१७	उषा ३- ८।१७	४-१४।११	श्रव १-२०।०८	२-२६।०५	. .. ..	३१।००	-२०।५१	२९।४३।३८	- ४।०९	१६।५२	-२२।३२	१७।१२।५०	- ३।४३	+१४।१२	१६।०६।४१
११। २	७।२२।३१।०७	श्रव ३- ८।०४	४-१४।०४	धनि १-२०।०६	२-२६।०९	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१७।५४	-१९।१४	१८।०६।४१	- ४।२६	+१४।१३	१६।०९।५३

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १२। २।२०२१ से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१२। २	७।१४	९।२९।२५।५९	६०।३८	१०।०२।४६।५०	७७९।१७	०।२४।३०।३९	३३।२०	९।२१।४८।११	६१।४०व	९।१८।३२।५१	१४।०७	९।१८।५९।३५	७५।०६	९।१२।२७।३९	६।५५	१।२२।२७।५६	३।११
१३। २	७।१३	१०।००।२६।३८	६०।३७	१०।१५।४६।०७	७६३।०९	०।२५।०३।५९	३३।२५	९।२०।४६।३१	५५।४०व	९।१८।४६।५८	१४।०६	९।२०।१४।४१	७५।०५	९।१२।३४।३४	६।५४	१।२२।२४।४५	३।११
१४। २	७।१२	१०।०१।२७।१५	६०।३५	१०।२८।२९।१७	७४६।५६	०।२५।३७।२४	३३।३१	९।१९।५०।५१	४८।५२व	९।१९।०१।०४	१४।०५	९।२१।२९।४६	७५।०५	९।१२।४१।२८	६।५३	१।२२।२१।३४	३।११
१५। २	७।११	१०।०२।२७।५०	६०।३४	११।१०।५६।१३	७३१।५७	०।२६।१०।५५	३३।३६	९।१९।०१।५९	४१।३२व	९।१९।१५।०९	१४।०३	९।२२।४४।५१	७५।०५	९।१२।४८।२१	६।५१	१।२२।१८।२४	३।११
१६। २	७।११	१०।०३।२८।२४	६०।३३	११।२३।०८।१०	७१९।३३	०।२६।४४।३१	३३।४१	९।१८।२०।२७	३३।५३व	९।१९।२९।१३	१४।०२	९।२३।५९।५५	७५।०४	९।१२।५५।१२	६।४९	१।२२।१५।१३	३।११
१७। २	७।१०	१०।०४।२८।५७	६०।३१	०।०५।०७।४४	७११।००	०।२७।१८।१२	३३।४६	९।१७।४६।३४	२६।०८व	९।१९।४३।१५	१४।००	९।२५।१४।५९	७५।०३	९।१३।०२।०१	६।४७	१।२२।१२।०२	३।११
१८। २	७।०९	१०।०५।२९।२८	६०।२९	०।१६।५८।४४	७०७।१८	०।२७।५१।५८	३३।५१	९।१७।२०।२७	१८।२५व	९।१९।५७।१५	१३।५९	९।२६।३०।०२	७५।०३	९।१३।०८।४८	६।४६	१।२२।०८।५२	३।११
१९। २	७।०८	१०।०६।२९।५७	६०।२८	०।२८।४६।०२	७०९।०७	०।२८।२५।४९	३३।५६	९।१७।०२।०२	१०।५२व	९।२०।११।१४	१३।५८	९।२७।४५।०५	७५।०२	९।१३।१५।३५	६।४४	१।२२।०५।४१	३।११
२०। २	७।०७	१०।०७।३०।२५	६०।२६	१।१०।३५।०९	७१६।३९	०।२८।५९।४५	३४।००	९।१६।५१।०९	३।३५व	९।२०।२५।११	१३।५६	९।२९।००।०७	७५।०२	९।१३।२२।१९	६।४३	१।२२।०२।३१	३।११
२१। २	७।०६	१०।०८।३०।५१	६०।२४	१।२२।३१।४८	७२९।३८	०।२९।३३।४६	३४।०५	९।१६।४७।३४	३।२२	९।२०।३९।०७	१३।५४	१०।००।१५।०९	७५।०१	९।१३।२९।०२	६।४१	१।२१।५९।२०	३।११
२२। २	७।०५	१०।०९।३१।१६	६०।२३	२।०४।४१।२६	७४७।२६	१।००।०७।५१	३४।०९	९।१६।५०।५६	९।५८	९।२०।५३।०१	१३।५२	१०।०१।३०।११	७५।०१	९।१३।३५।४२	६।३९	१।२१।५६।०९	३।११
२३। २	७।०४	१०।१०।३१।३९	६०।२१	२।१७।०८।५३	७६९।०२	१।००।४२।००	३४।१४	९।१७।००।५३	१६।१०	९।२१।०६।५४	१३।४९	१०।०२।४५।११	७५।००	९।१३।४२।२१	६।३६	१।२१।५२।५८	३।११
२४। २	७।०३	१०।११।३२।००	६०।२०	२।२९।५७।५४	७९२।५९	१।०१।१६।१४	३४।१८	९।१७।१७।०३	२१।५८	९।२१।२०।४३	१३।४८	१०।०४।००।११	७५।००	९।१३।४८।५७	६।३५	१।२१।४९।४८	३।११
२५। २	७।०२	१०।१२।३२।२०	६०।१८	३।१३।१०।५३	८१७।२६	१।०१।५०।३१	३४।२२	९।१७।३९।०१	२७।२३	९।२१।३४।३१	१३।४६	१०।०५।१५।११	७४।५९	९।१३।५५।३१	६।३२	१।२१।४६।३७	३।११
२६। २	७।०१	१०।१३।३२।३७	६०।१६	३।२६।४८।१९	८४०।०५	१।०२।२४।५३	३४।२६	९।१८।०६।२४	३२।२५	९।२१।४८।१७	१३।४४	१०।०६।३०।१०	७४।५८	९।१४।०२।०४	६।३०	१।२१।४३।२७	३।११
२७। २	७।०१	१०।१४।३२।५३	६०।१४	४।१०।४८।२५	८५८।३२	१।०२।५९।१९	३४।३०	९।१८।३८।४८	३७।०४	९।२२।०२।०२	१३।४२	१०।०७।४५।०८	७४।५८	९।१४।०८।३४	६।२८	१।२१।४०।१६	३।११

		निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में					चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
१२। २	७।२२।२७।५६	धनि ३- ८।१४	४-१४।२१	शत १-२०।३०	२-२६।४१	. .. ..	७।४२	-१६।५७	६।३४।४६	- ४।५९	१८।५४	-१४।५६	१८।५६।४८	- ४।५२	+१४।१२	१६।१३।०५
१३। २	७।२२।२४।४५	शत ३- ८।५४	४-१५।०८	पूभा १-२१।२५	२-२७।४४	. .. ..	८।१९	-१२।२८	७।२२।१४	- ५।००	१९।५२	-१०।००	१९।४३।२६	- ५।०२	+१४।११	१६।१६।१५
१४। २	७।२२।२१।३४	पूभा ३-१०।०५	४-१६।२९	उभा १-२२।५४	२-२९।२२	. .. ..	८।५३	- ७।३२	८।०६।४३	- ४।४८	२०।४७	- ४।४४	२०।२७।२१	- ४।५५	+१४।०९	१६।१९।२३
१५। २	७।२२।१८।२४	उभा ३-११।५२	४-१८।२४	रेव १-२४।५८	. .. ..	. .. ..	९।२३	- १।५६	८।४८।४५	- ४।४६	२१।४१	+ ०।३६	२१।०९।२९	- ४।३४	+१४।०७	१६।२२।३१
१६। २	७।२२।१५।१३	रेव २- ७।३४	३-१४।१२	४-२०।५२	अश्वि १-२७।३३	. .. ..	९।५३	+ ३।१८	९।२९।४५	- ४।१९	२२।३३	+ ५।५०	२१।५०।५१	- ४।०१	+१४।०४	१६।२५।३८
१७। २	७।२२।१२।०२	अश्वि २-१०।१६	३-१७।००	४-२३।४५	भर १-३०।३१	. .. ..	१०।२३	+ ८।२०	१०।१०।३०	- ३।४०	२३।२६	+१०।४६	२२।३२।२७	- ३।१६	+१४।००	१६।२८।४४
१८। २	७।२२।०८।५२	भर २-१३।१७	३-२०।०४	४-२६।५२	. .. ..	. .. ..	१०।५४	+१३।००	१०।५१।५७	- २।५१	२४।१८	+१५।१५	२३।१५।१२	- २।२२	+१३।५५	१६।३१।४९
१९। २	७।२२।०५।४१	कृति १- ९।३९	२-१६।२५	३-२३।११	४-२९।५६	. .. ..	११।२८	+१७।०९	११।३४।५९	- १।५५	२५।१२	+१९।०६	२३।५९।५६	- १।२२	+१३।५०	१६।३४।५४
२०। २	७।२२।०२।३१	रोहि १-१२।४०	२-१९।२२	३-२६।०३	. .. ..	. .. ..	१२।०५	+२०।३७	१२।२०।२०	- ०।५३	२६।०७	+२२।१०	२४।४७।१६	- ०।१८	+१३।४४	१६।३७।५७
२१। २	७।२१।५९।२०	रोहि ४- ८।४२	मृग १-१५।१९	२-२१।५४	३-२८।२६	. .. ..	१२।४६	+२३।१३	१३।०८।३१	+ ०।१२	२७।०२	+२४।१२	२५।३७।२७	+ ०।४९	+१३।३७	१६।४०।५८
२२। २	७।२१।५६।०९	मृग ४-१०।५६	आर्द्रा १-१७।२३	२-२३।४८	३-३०।१०	. .. ..	१३।३३	+२४।४४	१३।५९।३५	+ १।१९	२७।५७	+२५।०२	२६।३०।०९	+ १।५५	+१३।३०	१६।४४।००
२३। २	७।२१।५२।५८	आर्द्रा ४-१२।२८	पुन १-१८।४४	२-२४।५७	. .. ..	. .. ..	१४।२६	+२४।५७	१४।५३।०४	+ २।२३	२८।५०	+२४।२८	२७।२४।३१	+ २।५६	+१३।२२	१६।४७।००
२४। २	७।२१।४९।४८	पुन ३- ७।०७	४-१३।१४	पुष्य १-१९।१९	२-२५।२०	. .. ..	१५।२४	+२३।४५	१५।४७।५९	+ ३।२१	२९।४०	+२२।२७	२८।१९।२०	+ ३।४९	+१३।१३	१६।५०।००
२५। २	७।२१।४६।३७	पुष्य ३- ७।१९	४-१३।१५	श्ले १-१९।०८	२-२४।५९	३-३०।४७	१६।२६	+२१।०४	१६।४३।०६	+ ४।०९	३०।२६	+१९।०२	२९।१३।२९	+ ४।३०	+१३।०४	१६।५२।५९
२६। २	७।२१।४३।२७	श्ले ४-१२।३३	मघा १-१८।१७	२-२३।५९	३-२९।३९	. .. ..	१७।३०	+१७।०२	१७।३७।२३	+ ४।४३	. . .	. . .	. . .	. . .	+१२।५८	१६।५५।५७
२७। २	७।२१।४०।१६	मघा ४-११।१७	पूफा १-१६।५३	२-२२।२८	३-२८।०२	. .. ..	१८।३५	+११।५२	१८।३०।१९	+ ४।५९	७।०७	+१४।१६	६।०६।१८	+ ४।५९	+१२।४४	१६।५८।५४

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. २८। २।२०२१ से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२८। २	७।००	१०।१५।३३।०८	६०।१३	४।२५।०६।५७	८७०।४५	१।०३।३३।४८	३४।३३	९।१९।१५।५२	४१।२२	९।२२।१५।४३	१३।३९	१०।०९।००।०६	७४।५७	९।१४।१५।०२	६।२५	१।२१।३७।०५	३।११
१। ३	६।५९	१०।१६।३३।२०	६०।११	५।०९।३७।४२	८७५।४१	१।०४।०८।२२	३४।३७	९।१९।५७।१५	४५।२१	९।२२।२९।२३	१३।३६	१०।१०।१५।०३	७४।५६	९।१४।२१।२७	६।२३	१।२१।३३।५४	३।११
२। ३	६।५७	१०।१७।३३।३१	६०।०९	५।२४।१३।२३	८७३।३६	१।०४।४२।५९	३४।४०	९।२०।४२।३५	४९।०१	९।२२।४२।५९	१३।३४	१०।११।२९।५९	७४।५६	९।१४।२७।५०	६।२१	१।२१।३०।४४	३।११
३। ३	६।५६	१०।१८।३३।४०	६०।०७	६।०८।४६।५९	८६५।५८	१।०५।१७।३९	३४।४४	९।२१।३१।३६	५२।२३	९।२२।५६।३३	१३।३२	१०।१२।४४।५५	७४।५५	९।१४।३४।१०	६।१८	१।२१।२७।३४	३।११
४। ३	६।५५	१०।१९।३३।४७	६०।०५	६।२३।१२।५७	८५४।४७	१।०५।५२।२३	३४।४७	९।२२।२३।५९	५५।२९	९।२३।१०।०५	१३।२९	१०।१३।५९।५०	७४।५४	९।१४।४०।२८	६।१५	१।२१।२४।२३	३।११
५। ३	६।५४	१०।२०।३३।५२	६०।०४	७।०७।२७।४५	८४२।०३	१।०६।२७।१०	३४।५१	९।२३।१९।२८	५८।२१	९।२३।२३।३४	१३।२७	१०।१५।१४।४४	७४।५४	९।१४।४६।४४	६।१३	१।२१।२१।१२	३।११
६। ३	६।५३	१०।२१।३३।५६	६०।०१	७।२१।२९।४८	८२९।१०	१।०७।०२।०१	३४।५४	९।२४।१७।५०	६१।००	९।२३।३७।०१	१३।२३	१०।१६।२९।३७	७४।५३	९।१४।५२।५६	६।०९	१।२१।१८।०१	३।११
७। ३	६।५२	१०।२२।३३।५७	६०।००	८।०५।१८।५८	८१६।५३	१।०७।३६।५५	३४।५७	९।२५।१८।५०	६३।२७	९।२३।५०।२४	१३।२१	१०।१७।४४।३०	७४।५२	९।१४।५९।०६	६।०७	१।२१।१४।५१	३।११
८। ३	६।५१	१०।२३।३३।५७	५९।५८	८।१८।५५।५१	८०५।१७	१।०८।११।५१	३५।००	९।२६।२२।१७	६५।४४	९।२४।०३।४४	१३।१८	१०।१८।५९।२२	७४।५१	९।१५।०५।१३	६।०४	१।२१।११।४०	३।११
९। ३	६।५०	१०।२४।३३।५४	५९।५६	९।०२।२१।०८	७९४।०९	१।०८।४६।५१	३५।०३	९।२७।२८।००	६७।५१	९।२४।१७।०२	१३।१५	१०।२०।१४।१४	७४।५०	९।१५।११।१७	६।०१	१।२१।०८।३०	३।११
१०। ३	६।४९	१०।२५।३३।५०	५९।५४	९।१५।३५।१६	७८३।०६	१।०९।२१।५४	३५।०६	९।२८।३५।५१	६९।५०	९।२४।३०।१७	१३।१२	१०।२१।२९।०४	७४।५०	९।१५।१७।१९	५।५८	१।२१।०५।१९	३।११
११। ३	६।४८	१०।२६।३३।४४	५९।५२	९।२८।३८।२३	७७१।५२	१।०९।५७।००	३५।०८	९।२९।४५।४२	७१।४३	९।२४।४३।२८	१३।०८	१०।२२।४३।५४	७४।४९	९।१५।२३।१७	५।५५	१।२१।०२।०८	३।११
१२। ३	६।४७	१०।२७।३३।३६	५९।५०	१०।११।३०।१४	७६०।१८	१।१०।३२।०८	३५।११	१०।००।५७।२४	७३।२९	९।२४।५६।३७	१३।०४	१०।२३।५८।४२	७४।४८	९।१५।२९।१२	५।५२	१।२०।५८।५७	३।११
१३। ३	६।४६	१०।२८।३३।२६	५९।४८	१०।२४।१०।३२	७४८।३१	१।११।०७।१९	३५।१४	१०।०२।१०।५३	७५।११	९।२५।०९।४१	१३।०२	१०।२५।१३।३०	७४।४७	९।१५।३५।०४	५।४९	१।२०।५५।४७	३।११

निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से
२८। २	७।२१।३७।०५	पूफा ४- ९।३४	उफा १-१५।०५	२-२०।३६	३-२६।०६	. .. ..	१९।४०	+ ५।५३	१९।२२।०३	+ ४।५५	७।४७	+ ८।५१	६।५७।४२	+ ४।५५	+१२।३३	१७।०१।५१
१। ३	७।२१।३३।५४	उफा ४- ७।३५	हस्त १-१३।०४	२-१८।३३	३-२४।०१	४-२९।३०	२०।४४	- ०।२९	२०।१३।०९	+ ४।३१	८।२४	+ २।५३	७।४८।१०	+ ४।३१	+१२।२२	१७।०४।४७
२। ३	७।२१।३०।४४	चित्रा १-१०।५८	२-१६।२७	३-२१।५७	४-२७।२७	. .. ..	२१।४९	- ६।५२	२१।०४।२९	+ ३।४७	९।०२	- ३।१७	८।३८।२४	+ ३।४७	+१२।१०	१७।०७।४३
३। ३	७।२१।२७।३४	स्वा. १- ८।५७	२-१४।२८	३-२०।००	४-२५।३३	. .. ..	२२।५५	-१२।४९	२१।५७।०१	+ २।४७	९।३८	- ९।५३	९।२८।५८	+ ३।१९	+११।५८	१७।१०।३८
४। ३	७।२१।२४।२३	विशा १- ७।०७	२-१२।४२	३-१८।१८	४-२३।५५	अनु १-२९।३३	२४।०१	-१७।५६	२२।५१।२७	+ १।३६	१०।१८	-१५।२४	१०।२१।२८	+ २।१४	+११।४५	१७।१३।३२
५। ३	७।२१।२१।१२	अनु २-११।१३	३-१६।५४	४-२२।३६	ज्ये १-२८।१९	. .. ..	२५।०७	-२१।५२	२३।४८।०४	+ ०।२०	११।०२	-१९।५६	११।१६।०८	+ १।०१	+११।३२	१७।१६।२५
६। ३	७।२१।१८।०१	ज्ये २-१०।०३	३-१५।४९	४-२१।३६	मूल १-२७।२४	. .. ..	२६।१२	-२४।२०	२४।४६।२२	- ०।५७	११।५१	-२३।११	१२।१३।००	- ०।१५	+११।१८.	१७।१९।१८
७। ३	७।२१।१४।५१	मूल २- ९।१४	३-१५।०५	४-२०।५७	पूषा १-२६।५०	. .. ..	२७।१३	-२५।०९	२५।४५।०५	- २।०९	१२।४५	-२४।५४	१३।११।२०	- १।३०	+११।०४	१७।२२।११
८। ३	७।२१।११।४०	पूषा २- ८।४५	३-१४।४१	४-२०।३८	उषा १-२६।३६	. .. ..	२८।०८	-२४।२१	२६।४२।३६	- ३।११	१३।४३	-२५।००	१४।०९।४२	- २।३८	+१०।५०	१७।२५।०३
९। ३	७।२१।०८।३०	उषा २- ८।३६	३-१४।३७	४-२०।३९	श्रव १-२६।४३	. .. ..	२८।५७	-२२।०४	२७।३७।२५	- ४।०१	१४।४३	-२३।३०	१५।०६।२७	- ३।३५	+१०।३५	१७।२७।५५
१०। ३	७।२१।०५।१९	श्रव २- ८।४७	३-१४।५३	४-२१।००	धनि १-२७।०९	. .. ..	२९।४०	-१८।३६	२८।२८।४७	- ४।३६	१५।४४	-२०।३८	१६।००।१९	- ४।१९	+१०।२०	१७।३०।४५
११। ३	७।२१।०२।०८	धनि २- ९।१९	३-१५।३०	४-२१।४३	शत १-२७।५८	. .. ..	३०।१८	-१४।१५	२९।१६।३९	- ४।५६	१६।४४	-१६।४१	१६।५०।४२	- ४।४७	+१०।०४	१७।३३।३६
१२। ३	७।२०।५८।५७	शत २-१०।१३	३-१६।३०	४-२२।४९	पूभा १-२९।०९	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१७।४२	-११।५९	१७।३७।४७	- ४।५९	+ ९।४८	१७।३६।२७
१३। ३	७।२०।५५।४७	पूभा २-११।३१	३-१७।५५	४-२४।२०	. .. ..	. .. ..	६।५१	- ९।१३	६।०१।२७	- ४।४८	१८।३८	- ६।४८	१८।२२।१०	- ४।५६	+ ९।३२	१७।३९।१८

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. १४। ३।२०२१ से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१४। ३	६।४५	१०।२९।३३।१४	५९।४६	११।०६।३९।०४	७३६।५१	१।११।४२।३३	३५।१६	१०।०३।२६।०४	७६।४९	९।२५।२२।४३	१२।५८	१०।२६।२८।१७	७४।४६	९।१५।४०।५३	५।४६	१।२०।५२।३७	३।११
१५। ३	६।४४	११।००।३३।००	५९।४४	११।१८।५५।५५	७२५।५३	१।१२।१७।४९	३५।१९	१०।०४।४२।५३	७८।२३	९।२५।३५।४१	१२।५५	१०।२७।४३।०४	७४।४५	९।१५।४६।३८	५।४३	१।२०।४९।२६	३।११
१६। ३	६।४२	११।०१।३२।४४	५९।४२	०।०१।०१।४८	७१६।२६	१।१२।५३।०८	३५।२१	१०।०६।०१।१६	७९।५५	९।२५।४८।३५	१२।५१	१०।२८।५७।४९	७४।४४	९।१५।५२।२१	५।३९	१।२०।४६।१५	३।११
१७। ३	६।४१	११।०२।३२।२६	५९।४०	०।१२।५८।१४	७०९।३२	१।१३।२८।२९	३५।२४	१०।०७।२१।११	८१।२६	९।२६।०१।२६	१२।४६	११।००।१२।३३	७४।४४	९।१५।५८।००	५।३५	१।२०।४३।०४	३।११
१८। ३	६।४०	११।०३।३२।०६	५९।३८	०।२४।४७।४६	७०६।१६	१।१४।०३।५३	३५।२६	१०।०८।४२।३७	८२।५५	९।२६।१४।१२	१२।४३	११।०१।२७।१७	७४।४३	९।१६।०३।३५	५।३२	१।२०।३९।५४	३।११
१९। ३	६।३९	११।०४।३१।४४	५९।३६	१।०६।३४।०२	७०७।३६	१।१४।३९।१९	३५।२८	१०।१०।०५।३२	८४।२३	९।२६।२६।५६	१२।३९	११।०२।४१।५९	७४।४२	९।१६।०९।०७	५।२८	१।२०।३६।४३	३।११
२०। ३	६।३८	११।०५।३१।२०	५९।३४	१।१८।२१।३८	७१४।१३	१।१५।१४।४७	३५।३०	१०।११।२९।५५	८५।५१	९।२६।३९।३५	१२।३६	११।०३।५६।४१	७४।४१	९।१६।१४।३६	५।२५	१।२०।३३।३३	३।११
२१। ३	६।३७	११।०६।३०।५४	५९।३२	२।००।१५।५०	७२६।२७	१।१५।५०।१८	३५।३३	१०।१२।५५।४६	८७।१९	९।२६।५२।११	१२।३१	११।०५।११।२२	७४।४०	९।१६।२०।०१	५।२१	१।२०।३०।२२	३।११
२२। ३	६।३६	११।०७।३०।२६	५९।३०	२।१२।२२।१७	७४४।१२	१।१६।२५।५०	३५।३५	१०।१४।२३।०५	८८।४८	९।२७।०४।४२	१२।२६	११।०६।२६।०१	७४।३९	९।१६।२५।२२	५।१७	१।२०।२७।११	३।११
२३। ३	६।३५	११।०८।२९।५६	५९।२८	२।२४।४६।२९	७६६।५५	१।१७।०१।२५	३५।३७	१०।१५।५१।५३	९०।१७	९।२७।१७।०९	१२।२३	११।०७।४०।४०	७४।३८	९।१६।३०।३९	५।१४	१।२०।२४।०१	३।११
२४। ३	६।३३	११।०९।२९।२४	५९।२६	३।०७।३३।२४	७९३।२५	१।१७।३७।०२	३५।३९	१०।१७।२२।१०	९१।४६	९।२७।२९।३१	१२।१९	११।०८।५५।१८	७४।३७	९।१६।३५।५३	५।१०	१।२०।२०।५०	३।११
२५। ३	६।३२	११।१०।२८।५०	५९।२४	३।२०।४६।४९	८२१।४९	१।१८।१२।४०	३५।४१	१०।१८।५३।५६	९३।१६	९।२७।४१।५०	१२।१४	११।१०।०९।५४	७४।३६	९।१६।४१।०३	५।०६	१।२०।१७।४०	३।११
२६। ३	६।३१	११।११।२८।१४	५९।२२	४।०४।२८।३८	८४९।३१	१।१८।४८।२१	३५।४२	१०।२०।२७।१२	९४।४६	९।२७।५४।०४	१२।१०	११।११।२४।३०	७४।३५	९।१६।४६।०९	५।०२	१।२०।१४।२९	३।११
२७। ३	६।३०	११।१२।२७।३६	५९।२०	४।१८।३८।०९	८७३।२४	१।१९।२४।०३	३५।४४	१०।२२।०१।५९	९६।१७	९।२८।०६।१४	१२।०४	११।१२।३९।०५	७४।३४	९।१६।५१।११	४।५८	१।२०।११।१८	३।११
२८। ३	६।२९	११।१३।२६।५६	५९।१८	५।०३।११।३२	८९०।२९	१।१९।५९।४८	३५।४६	१०।२३।३८।१६	९७।४८	९।२८।१८।१८	१२।००	११।१३।५३।३८	७४।३३	९।१६।५६।०९	४।५४	१।२०।०८।०८	३।११

ता.मा.	केतु	निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में: नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	चंद्रोदय घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रो. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क.	चंद्रास्त घं. मि.	चंद्रक्रांति अं. क.	मध्यमचंद्रा. घं. मि. से.	चंद्रशर अं. क	वेलान्तर मि. से.	सांपातिक घं. मि. से.
१४। ३	७।२०।५२।३७	उभा १- ६।४६	२-१३।१५	३-१९।४५	४-२६।१६	. .. ..	७।२३	- ४।०६	६।४४।०८	- ४।२४	१९।३२	- १।२६	१९।०४।४३	- ४।३७	+ ९।१६	१७।४२।०८
१५। ३	७।२०।४९।२६	रेव १- ८।५०	२-१५।२५	३-२२।०१	४-२८।३९	. .. ..	७।५३	+ १।०६	७।२५।३१	- ३।४८	२०।२५	+ ३।५५	१९।४६।१९	- ४।०६	+ ८।५९	१७।४४।५६
१६। ३	७।२०।४६।१५	अश्वि १-११।१९	२-१८।००	३-२४।४२	. .. ..	. .. ..	८।२३	+ ६।१२	८।०६।२४	- ३।०३	२१।१७	+ ९।०३	२०।२७।५३	- ३।२३	+ ८।४२	१७।४७।४६
१७। ३	७।२०।४३।०४	अश्वि ४- ७।२५	भर १-१४।१०	२-२०।५५	३-२७।४२	. .. ..	८।५३	+११।२५	८।४७।२७	- २।५८	२२।१०	+१३।४७	२१।१०।१५	- २।३०	+ ८।२५	१७।५०।३५
१८। ३	७।२०।३९।५४	भर ४-१०।२९	कृति १-१७।१६	२-२४।०४	. .. ..	. .. ..	९।२६	+१५।५०	९।२९।५३	- २।०३	२३।०४	+१७।५५	२१।५४।०९	- १।३२	+ ८।०८	१७।५३।२५
१९। ३	७।२०।३६।४३	कृति ३- ६।५१	४-१३।३९	रोहि १-२०।२६	२-२७।१२	. .. ..	१०।०१	+१९।३६	१०।१४।०९	- १।०३	२३।५८	+२१।१९	२२।४०।१०	- ०।२८	+ ७।५०	१७।५६।१३
२०। ३	७।२०।३३।३३	रोहि ३- ९।५७	४-१६।४१	मृग १-२३।२४	२-३०।०५	. .. ..	१०।४०	+२२।३३	११।००।४७	+ ०।०१	२४।५२	+२३।४५	२३।२८।३६	+ ०।३७	+ ७।३३	१७।५९।०१
२१। ३	७।२०।३०।२२	मृग ३-१२।४४	४-१९।२१	आर्द्रा १-२५।५६	. .. ..	. .. ..	११।२४	+२४।३०	११।४९।५८	+ १।०६	२५।४७	+२५।०५	२४।१९।२४	+ १।४१	+ ७।१५	१८।०१।५०
२२। ३	७।२०।२७।११	आर्द्रा २- ८।२९	३-१४।५८	४-२१।२५	पुन १-२७।४९	. .. ..	१२।१४	+२५।१५	१२।४१।२९	+ २।०९	२६।३९	+२५।०६	२५।१२।०१	+ २।४२	+ ६।५७	१८।०४।३९
२३। ३	७।२०।२४।०१	पुन २-१०।१०	३-१६।२८	४-२२।४३	पुष्य १-२८।५५	. .. ..	१३।०९	+२४।४१	१३।३४।४३	+ ३।०७	२७।२९	+२३।४५	२६।०५।३४	+ ३।३६	+ ६।३९	१८।०७।२७
२४। ३	७।२०।२०।५०	पुष्य २-११।०३	३-१७।०८	४-२३।१०	श्ले १-२९।०९	. .. ..	१४।०८	+२२।४१	१४।२८।४३	+ ३।५७	२८।१६	+२०।५९	२६।५९।०६	+ ४।२०	+ ६।२१	१८।१०।१६
२५। ३	७।२०।१७।४०	श्ले २-११।०४	३-१६।५७	४-२२।४६	मघा १-२८।३३	. .. ..	१५।१०	+१९।१८	१५।२२।३४	+ ४।३५	२८।५९	+१६।५६	२७।५१।५५	+ ४।४९	+ ६।०३	१८।१३।०४
२६। ३	७।२०।१४।२९	मघा २-१०।१७	३-१५।५८	४-२१।३६	पूफा १-२७।१२	. .. ..	१६।१४	+१४।३८	१६।१५।४२	+ ४।५७	२९।३९	+११।४५	२८।४३।४६	+ ५।०१	+ ५।४५	१८।१५।५२
२७। ३	७।२०।११।१८	पूफा २- ८।४६	३-१४।१८	४-१९।४८	उफा १-२५।१६	. .. ..	१७।१९	+ ८।५७	१७।०८।०३	+ ५।००	३०।१७	+ ५।४५	२९।३४।५५	+ ४।५३	+ ५।२७	१८।१८।४१
२८। ३	७।२०।०८।०८	उफा २- ६।४३	३-१२।०८	४-१७।३१	हस्त १-२२।५४	२-२८।१६	१८।२५	+ २।३५	१८।००।०२	+ ४।४१	. . .	. . .	. . .	. . .	+ ५।०९	१८।२१।३०

संवत् २०७७: स्टै. सूर्योदयकालीन दैनिक निरयनग्रहस्पष्टाः (राशि-अंश-कला-विकलादौ) सगतिकाः (कला-विकलादौ) ता. २९। ३।२०२१ से पक्षांत

ता.मा.	सू.उ.	सूर्य	गति	चंद्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
२९। ३	६।२८	११।१४।२६।१४	५९।१६	५।१८।०२।०१	८९।४२	१।२०।३५।३४	३५।४८	१०।२५।१६।०४	९९।१८	९।२८।३०।१९	११।५६	११।१५।०८।११	७४।३१	९।१७।०१।०३	४।५०	१।२०।०४।५७	३।११
३०। ३	६।२७	११।१५।२५।२९	५९।१४	६।०३।००।४४	८९।३६	१।२१।११।२१	३५।५०	१०।२६।५५।२२	१००।४९	९।२८।४२।१५	११।५१	११।१६।२२।४२	७४।३०	९।१७।०५।५२	४।४६	१।२०।०१।४६	३।११
३१। ३	६।२५	११।१६।२४।४३	५९।१२	६।१७।५८।२०	८८।१९	१।२१।४७।११	३५।५१	१०।२८।३६।११	१०२।२०	९।२८।५४।०५	११।४६	११।१७।३७।१३	७४।२९	९।१७।१०।३८	४।४१	१।१९।५८।३६	३।११
१। ४	६।२४	११।१७।२३।५५	५९।१०	७।०२।४६।३९	८७।०६	१।२२।२३।०२	३५।५३	११।००।१८।३१	१०३।५०	९।२९।०५।५१	११।४०	११।१८।५१।४२	७४।२८	९।१७।१५।१९	४।३७	१।१९।५५।२५	३।११
२। ४	६।२३	११।१८।२३।०४	५९।०७	७।१७।१९।४५	८५।४।३१	१।२२।५८।५५	३५।५४	११।०२।०२।२२	१०५।२०	९।२९।१७।३१	११।३६	११।२०।०६।१०	७४।२७	९।१७।१९।५६	४।३३	१।१९।५२।१५	३।११
३। ४	६।२२	११।१९।२२।१२	५९।०६	८।०१।३४।१७	८३।४६	१।२३।३४।४९	३५।५६	११।०३।४७।४२	१०६।५०	९।२९।२९।०७	११।३१	११।२१।२०।३८	७४।२६	९।१७।२४।२९	४।२८	१।१९।४९।०४	३।११
४। ४	६।२१	११।२०।२१।१७	५९।०३	८।१५।२९।०२	८१।५।२२	१।२४।१०।४५	३५।५७	११।०५।३४।३२	१०८।१८	९।२९।४०।३८	११।२५	११।२२।३५।०४	७४।२५	९।१७।२८।५७	४।२४	१।१९।४५।५३	३।११
५। ४	६।२०	११।२१।२०।२१	५९।०२	८।२९।०४।२४	७९।७।१४	१।२४।४६।४२	३५।५९	११।०७।२२।५०	१०९।४६	९।२९।५२।०३	११।२०	११।२३।४९।२८	७४।२४	९।१७।३३।२१	४।१९	१।१९।४२।४३	३।११
६। ४	६।१९	११।२२।१९।२२	५८।५९	९।१२।२१।३९	७८।०।४९	१।२५।२२।४१	३६।००	११।०९।१२।३६	१११।१२	१०।००।०३।२३	११।१३	११।२५।०३।५२	७४।२३	९।१७।३७।४१	४।१४	१।१९।३९।३२	३।११
७। ४	६।१८	११।२३।१८।२२	५८।५७	९।२५।२२।२७	७६।१३	१।२५।५८।४१	३६।०२	११।११।०३।४८	११२।३८	१०।००।१४।३६	११।०९	११।२६।१८।१५	७४।२२	९।१७।४१।५५	४।१०	१।१९।३६।२२	३।११
८। ४	६।१७	११।२४।१७।१९	५८।५५	१०।०८।०८।४०	७५।३।२८	१।२६।३४।४२	३६।०३	११।१२।५६।२६	११४।०२	१०।००।२५।४५	११।०३	११।२७।३२।३६	७४।२०	९।१७।४६।०५	४।०६	१।१९।३३।११	३।११
९। ४	६।१६	११।२५।१६।१४	५८।५३	१०।२०।४२।०९	७४।२।२७	१।२७।१०।४५	३६।०४	११।१४।५०।२८	११५।२४	१०।००।३६।४८	१०।५७	११।२८।४६।५७	७४।१९	९।१७।५०।११	४।०१	१।१९।३०।००	३।११
१०। ४	६।१५	११।२६।१५।०८	५८।५१	११।०३।०४।३५	७३।२।५६	१।२७।४६।४९	३६।०६	११।१६।४५।५२	११६।४५	१०।००।४७।४५	१०।५१	०।००।०१।१६	७४।१८	९।१७।५४।१२	३।५६	१।१९।२६।४९	३।११
११। ४	६।१३	११।२७।१३।५९	५८।४९	११।१५।१७।३१	७२।४।४४	१।२८।२२।५५	३६।०७	११।१८।४२।३८	११८।०४	१०।००।५८।३७	१०।४४	०।०१।१५।३४	७४।१७	९।१७।५८।०८	३।५१	१।१९।२३।३९	३।११
१२। ४	६।१२	११।२८।१२।४८	५८।४७	११।२७।२२।१५	७१।७।४२	१।२८।५९।०२	३६।०८	११।२०।४०।४२	११९।२२	१०।०१।०९।२१	१०।३९	०।०२।२९।५१	७४।१६	९।१८।०१।५९	३।४६	१।१९।२०।२९	३।११

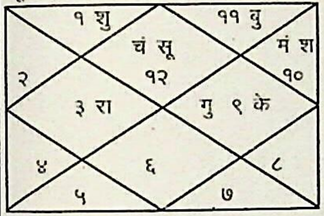
निरयन चंद्र नक्षत्र चरण समाप्ति - स्टै. घं. मि. में							चंद्रोदय	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रो.	चंद्रशर	चंद्रास्त	चंद्रक्रांति	मध्यमचंद्रा.	चंद्रशर	वेलान्तर	सांपातिक
ता.मा.	केतु	नक्षत्र चरण	चरण	चरण	चरण	चरण	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	घं. मि.	अं. क.	घं. मि. से.	अं. क.	मि. से.	घं. मि. से.
२९। ३	७।२०।०४।५७	हस्त ३- ९।३७	४-१४।५८	चित्रा १-२०।१८	२-२५।३८	. .. ..	१९।३१	- ४।०३	१८।५२।२३	+ ४।०२	६।५४	- ०।४५	६।२५।५८	+ ४।०२	+ ४।५१	१८।२४।१९
३०। ३	७।२०।०१।४६	चित्रा ३- ६।५७	४-१२।१७	स्वा. १-१७।३८	२-२२।५८	३-२८।१९	२०।३९	-१०।३०	१९।४६।०१	+ ३।०४	७।३३	- ७।०४	७।१७।५५	+ ३।०४	+ ४।३३	१८।२७।०७
३१। ३	७।१९।५८।३६	स्वा. ४- ९।४१	विशा १-१५।०४	२-२०।२८	३-२५।५३	. .. ..	२१।४७	-१६।१५	२०।४१।४०	+ १।५२	८।१३	-१३।००	८।११।२२	+ १।५२	+ ४।१५	१८।२९।५६
१। ४	७।१९।५५।२५	विशा ४- ७।१९	अनु १-१२।४६	२-१८।१५	३-२३।४५	४-२९।१७	२२।५६	-२०।५१	२१।३९।३७	+ ०।३३	८।५६	-१८।३५	९।०७।०९	+ १।१५	+ ३।५७	१८।३२।४५
२। ४	७।१९।५२।१५	ज्ये १-१०।५१	२-१६।२६	३-२२।०३	४-२७।४२	. .. ..	२४।०४	-२३।५८	२२।३९।२२	- ०।४८	९।४५	-२२।२९	१०।०५।१८	- ०।०४	+ ३।३९	१८।३५।३५
३। ४	७।१९।४९।०४	मूल १- ९।२२	२-१५।०५	३-२०।५०	४-२६।३६	. .. ..	२५।०८	-२५।२१	२३।३९।३५	- २।०३	१०।३९	-२४।४८	११।०५।००	- १।२३	+ ३।२१	१८।३८।२५
४। ४	७।१९।४५।५३	पूषा १- ८।२५	२-१४।१५	३-२०।०८	४-२६।०३	. .. ..	२६।०६	-२५।००	२४।३८।२७	- ३।०९	११।३७	-२५।२४	१२।०४।४४	- २।३४	+ ३।०४	१८।४१।१४
५। ४	७।१९।४२।४३	उषा १- ७।५९	२-१३।५८	३-१९।५८	४-२६।०१	. .. ..	२६।५७	-२३।०६	२५।३४।२२	- ४।०१	१२।३७	-२४।२०	१३।०२।४१	- ३।३४	+ २।४७	१८।४४।०५
६। ४	७।१९।३९।३२	श्रव १- ८।०५	२-१४।१२	३-२०।२०	४-२६।३०	. .. ..	२७।४१	-१९।५६	२६।२६।२९	- ४।३८	१३।३९	-२१।४९	१३।५७।२६	- ४।२०	+ २।३०	१८।४६।५५
७। ४	७।१९।३६।२२	धनि १- ८।४२	२-१४।५६	३-२१।१२	४-२७।२९	.. .. ..	२८।१९	-१५।४९	२७।१४।४७	- ५।००	१४।३९	-१८।०९	१४।४८।२५	- ४।५०	+ २।१३	१८।४९।४७
८। ४	७।१९।३३।११	शत १- ९।४८	२-१६।०८	३-२२।३१	४-२८।५४	. .. ..	२८।५४	-११।०४	२७।५९।४७	- ५।०६	१५।३६	-१३।३९	१५।३५।४७	- ५।०५	+ १।५६	१८।५२।३८
९। ४	७।१९।३०।००	पूभा १-११।२०	२-१७।४७	३-२४।१५	. .. ..	. .. ..	२९।२५	- ५।५६	२८।४२।२३	- ४।५७	१६।३२	- ८।३८	१६।२०।१३	- ५।०३	+ १।३९	१८।५५।२९
१०। ४	७।१९।२६।४९	पूभा ४- ६।४५	उभा १-१३।१६	२-१९।४८	३-२६।२२	. .. ..	२९।५५	- ०।३८	२९।२३।२९	- ४।३४	१७।२६	- ३।१९	१७।०२।३८	- ४।४७	+ १।२३	१८।५८।२१
११। ४	७।१९।२३।३९	उभा ४- ८।५६	रेव १-१५।३२	२-२२।१०	३-२८।४८	. .. ..	. . .	. . .	. . .	. . .	१८।१८	+ २।०४	१७।४४।००	- ४।१७	+ १।०७	१९।०१।१४
१२। ४	७।१९।२०।२९	रेव ४-११।२८	अश्वि १-१८।०८	२-२४।५०	. .. ..	. .. ..	६।२४	+ ४।४३	६।०३।५८	- ३।१२	१९।११	+ ७।२०	१८।२५।१४	- ३।३५	+ ०।५२	१९।०४।०८

संवत् २०७७ में सूर्यादि निरयन ग्रहों के वक्री अथवा मार्गी अवस्था में राशि परिवर्तन होने पर जो कुण्डलियाँ बनती हैं वे सभी कुण्डलियाँ निर्माण करके यहाँ प्रस्तुत की गई हैं। विद्वानों की सुविधा के लिए कुण्डली के उपर - कुण्डली क्रमांक, जो ग्रह बदली हुआ है उसका नाम, ग्रह के राशी परिवर्तन का समय (भारतीय स्टण्डर्ड घंटा-मिनट में), अंग्रेजी तारीख और वार सहित मिति का विवरण दिया है। कुण्डली क्रमांक १ में कोई भी ग्रह बदली नहीं हुआ है प्रारम्भ में ग्रहस्थिति जानने के लिए सूर्योदय समय की कुण्डली है।

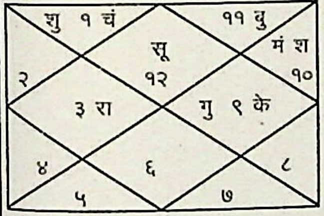
तुलनात्मक दृष्टि से सुगमता हो इसके लिए सभी कुण्डलियों में लग्न सूर्योदय कालीन लिया हैं। जन्म कुण्डली निर्माण में लग्न स्पष्ट करने के बाद ग्रह स्थापित करने में ये कुण्डलियाँ कल्पवृक्ष का काम करेंगी। हर दृष्टि से स्पष्ट उल्लेख करने का प्रयास किया है अपि तु कोई न्यूनता हो तो विद्वद्गण अवगत करें। आपके सुझाव पर इसका समावेश किया गया है आशा है ज्योतिर्विदृन्द लाभान्वित होंगे।

गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), विलेपार्ले, मुम्बई. ४०००५७.

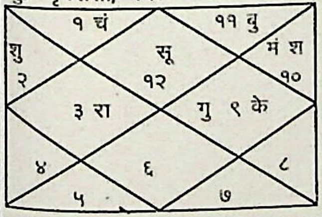
क्र. १, चै.शु. १ बु., २५ मार्च२०२०
सूर्योदय समय, मीनलग्ने स्टै. ६।३२



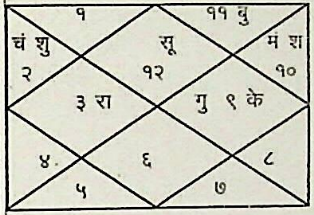
क्र. २, चै.शु. २ गु., २६ मार्च२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, मीनलग्ने स्टै. ७।१२



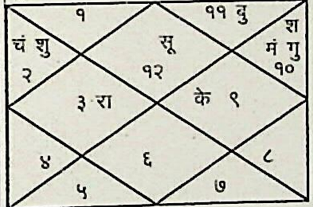
क्र. ३, चै.शु. ४ श., २८ मार्च२०२०
शुक्र-वृषराशौ, मेषलग्ने स्टै. ८।४५



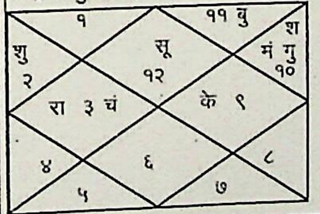
क्र. ४, चै.शु. ४ श., २८ मार्च२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, कन्यालग्ने स्टै. १९।२७



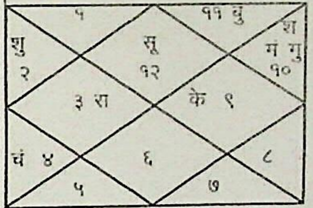
क्र ५, चै.शु. ५ र., २९ मार्च२०२०
गुरु-मकरराशौ, मकरलग्ने स्टै. २७।३६



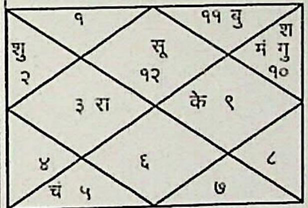
क्र. ६, चै.शु. ६ सो., ३० मार्च२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, मीनलग्ने स्टै. ३०।०३



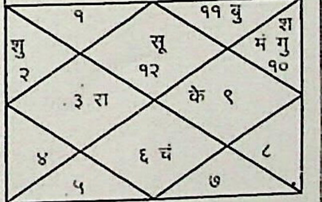
क्र. ७, चै.शु ९ गु, २ अप्रै.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, कर्कलग्ने स्टै. १३।३२



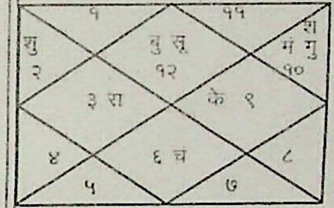
क्र. ८, चै शु.११ श., ४ अप्रै.२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, सिंहलग्ने स्टै. १७।०८



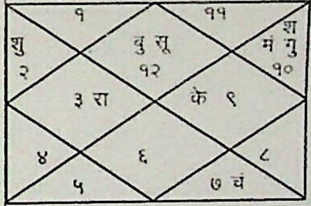
क्र. ९, चै शु.१३ सो., ६ अप्रै.२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, कन्यालग्ने स्टै.१७।३१



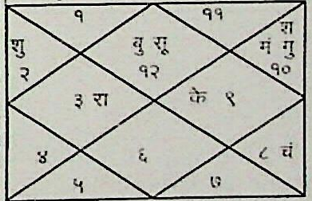
क्र. १०, चै.शु.१४ मं., ७ अप्रै. २०२०
बुध-मीनराशौ, सिंहलग्ने स्टै. १६।२२



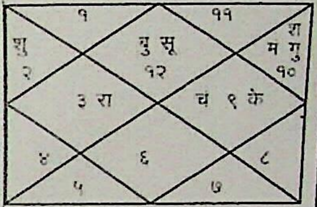
क्र. ११, वै.शु.१५ बु., ८ अप्रै.२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, सिंहलग्ने स्टै. १६।३१



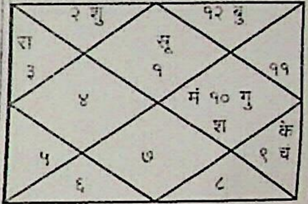
क्र. १२, वै.कृ. ३ शु., १० अप्रै.२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, सिंहलग्ने स्टै. १६।२५



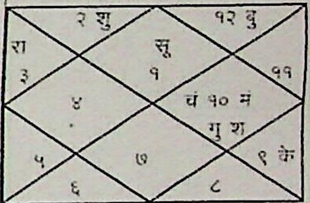
क्र. १३, वै.कृ. ५ र., १२ अप्रै. २०२०
चन्द्र-धनुराशौ, तुलालग्ने स्टै. १९।१३



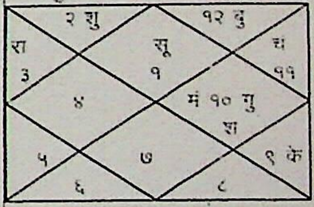
क्र. १४, वै.कृ. ६ सो., १३ अप्रै. २०२०
सूर्य-मेषराशौ, तुलालग्ने स्टै. १९।४८



क्र. १५, वै.कृ. ७ मं., १४ अप्रै. २०२०
चन्द्र-मकरराशौ, मकरलग्ने स्टै. २५।५६

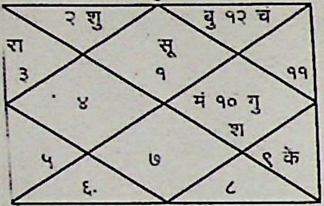


क्र. १६, वै.कृ.१० शु., १७ अप्रै. २०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, कर्कलग्ने स्टै. १२।१५

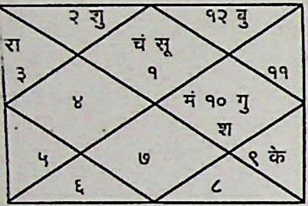


संवत् २०७७, सन २०२०-२१: सूर्यादि निरयन ग्रहों के मार्गी/वक्री अवस्था में राशि परिवर्तन होने पर वर्षभर में जो भी कुण्डलियाँ वनती हैं वे सभी राशिप्रवेश कुण्डलियाँ - (७०)

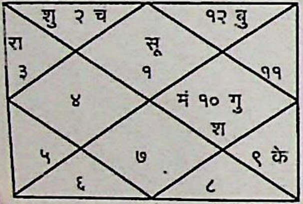
क्र. १७.बै.कृ.१२ र.,१९ अप्रे.२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, धनुलग्ने स्टै.२४।३७



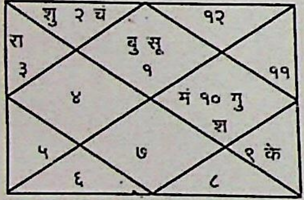
क्रं. १८.बै.कृ.३० बु.,२२ अप्रे.२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, कर्कलग्ने स्टै.१३।१६



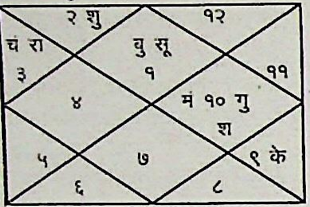
क्र. १९.बै.शु. १ शु.,२४ अप्रे.२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, मकरलग्ने स्टै.२५।११



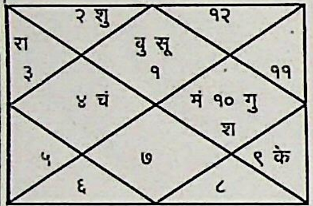
क्र. २०,बै.शु. १ शु.,२४ अप्रे.२०२०
बुध-मेषराशौ, मकरलग्ने स्टै.२६।२२



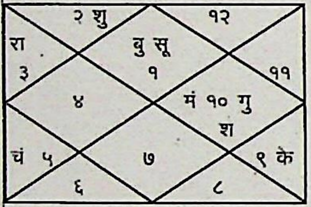
क्र. २१.बै.शु. ४ सो.,२७ अप्रे.२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, कर्कलग्ने स्टै.११।४३



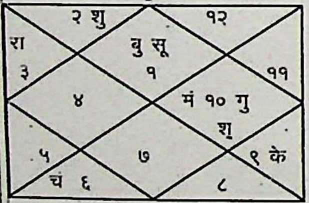
क्र. २२.बै.शु. ६ बु.,२९ अप्रे.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, तुलालग्ने स्टै.१९।५८



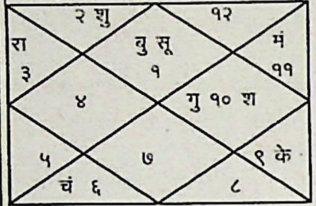
क्र. २३.बै.शु. ८ शु., १ मई२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, मकरलग्ने स्टै.२५।०७



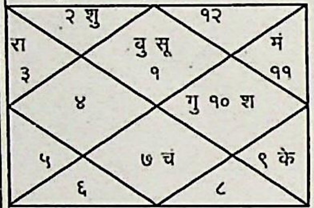
क्र. २४.बै.शु.१० र., ३ मई२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, कुंभलग्ने स्टै.२७।०९



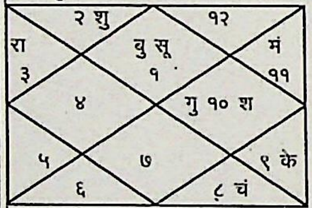
क्र. २५.बै.शु.११ सो., ४ मई२०२०
भौम-कुंभराशौ, वृश्चिलग्ने स्टै.२०।४१



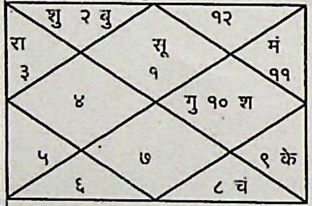
क्र. २६.बै.शु.१३ मं., ५ मई२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, कुंभलग्ने स्टै.२७।१५



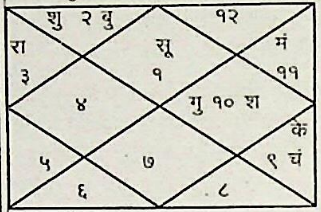
क्र. २७.बै.शु.१५ गु., ७ मई२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, मीनलग्ने स्टै.२७।१४



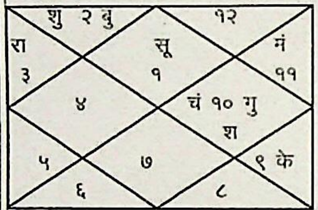
क्र. २८.ज्ये.कृ. २ श., ९ मई२०२०
बुध-वृषराशौ, मिथुनलग्ने स्टै. ९।०९



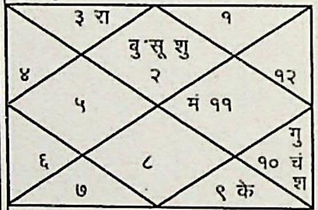
क्र. २९.ज्ये.कृ. २ श., ९ मई२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, मेषलग्ने स्टै.२९।०४



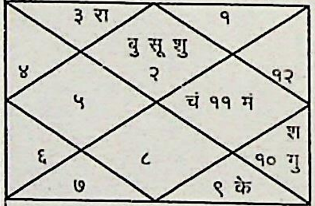
क्र ३०,ज्ये.कृ. ५ मं.,१२ मई२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, कर्कलग्ने स्टै.१०।१६



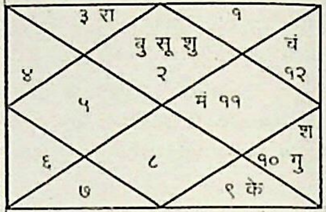
क्र ३१,ज्ये.कृ. ७ गु.,१४ मई२०२०
सूर्य-वृषराशौ, कन्यालग्ने स्टै.१६।४१



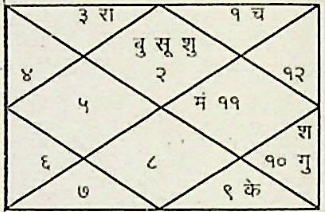
क्र. ३२.ज्ये.कृ. ७ गु.,१४ मई२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.१९।१८



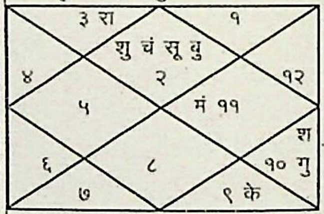
क्र ३३.ज्ये.कृ.१० र.,१७ मई२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, वृषलग्ने स्टै. ७।१३



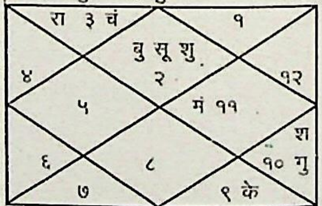
क्र. ३४.ज्ये.कृ.१२ मं.,१९ मई२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.१९।५५



क्र. ३५.ज्ये.कृ.३० शु.,२२ मई२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, मिथुनलग्ने स्टै. ७।३४

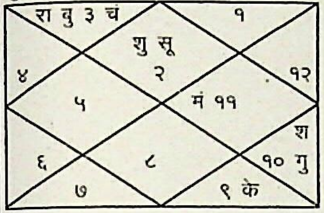


क्र. ३६.ज्ये.शु. २ र.,२४ मई२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, तुलालग्ने स्टै. १७।३०

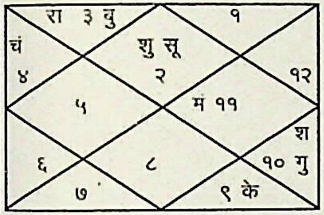


संवत् २०७७, सन २०२०-२१ : सूर्यादि निरयन ग्रहों के मार्गी/वक्री अवस्था में राशि परिवर्त्तन होने पर वर्षभर में जो भी कुण्डलियाँ बनती हैं वे सभी राशिप्रवेश कुण्डलियाँ - (७१)

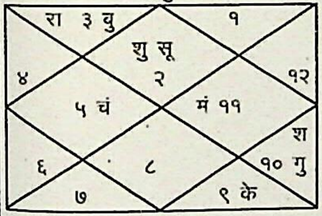
क्र. ३७,ज्ये.शु. २ र.,२४ मई२०२०
बुध-मिथुनराशौ, धनुलग्ने स्टै.२२।४६



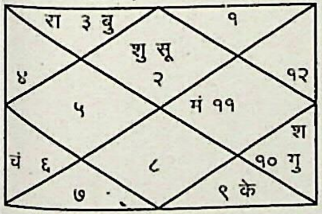
क्र. ३८,ज्ये.शु. ४ मं.,२६ मई२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, कुंभलग्ने स्टै.२५।२५



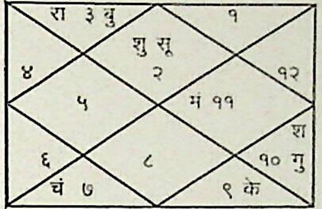
क्र. ३९,ज्ये.शु. ७ शु.,२९ मई२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, मिथुनलग्ने स्टै. ७।०१



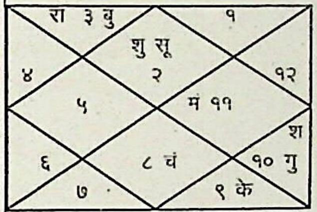
क्र. ४०,ज्ये.शु. ९ र.,३१ मई२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, कर्कलग्ने स्टै.१०।२०



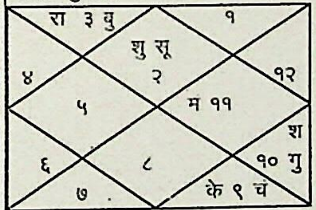
क्र. ४१,ज्ये.शु.११ मं., २ जून२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, सिंहलग्ने स्टै.११।५९



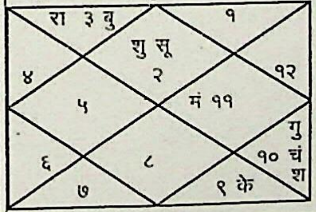
क्र. ४२,ज्ये.शु.१३ गु., ४ जून२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, सिंहलग्ने स्टै.१३।०७



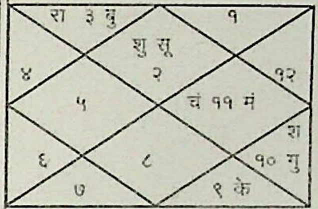
क्र. ४३,आ.कृ. १ श., ६ जून२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, कन्यालग्ने स्टै.१५।१५



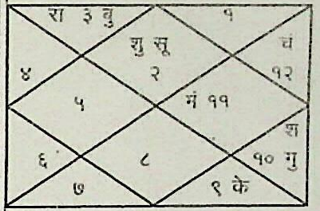
क्र. ४४,आ.कृ. ३ सो., ८ जून२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, वृश्चिकलग्ने स्टै.१९।४६



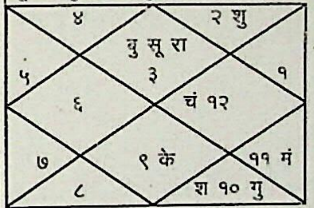
क्र. ४५,आ.कृ. ५ बु.,१० जून२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, मेषलग्ने स्टै.२७।३७



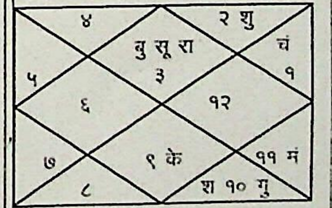
क्र. ४६,आ.कृ. ८ श.,१३ जून२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, कन्यालग्ने स्टै.१४।४३



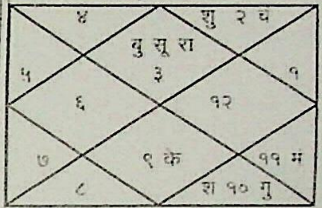
क्र. ४७,आ.कृ. ९ र.,१४ जून२०२०
सूर्य-मिथुनराशौ, कुंभलग्ने स्टै.२३।२२



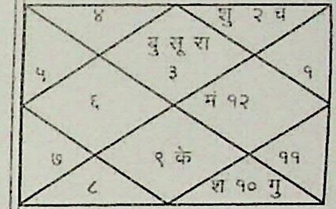
क्र. ४८,आ.कृ.१० सो.,१५ जून२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, मेषलग्ने स्टै.२७।२०



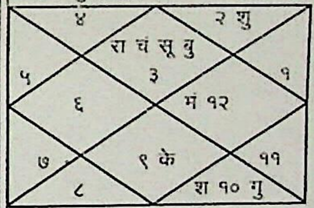
क्र. ४९,आ.कृ.१२ गु.,१८ जून२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, तुलालग्ने स्टै.१५।०४



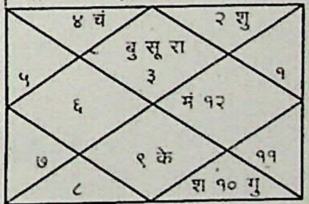
क्र. ५०,आ.कृ.१२ गु.,१८ जून२०२०
भौम-मीनराशौ, मकरलग्ने स्टै.२१।३५



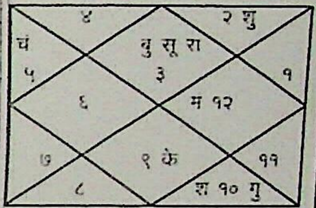
क्र. ५१,आ.कृ.१४ श.,२० जून२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, मीनलग्ने स्टै.२४।३२



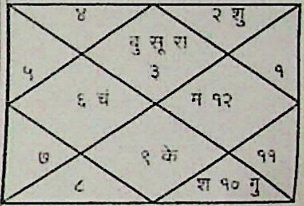
क्र. ५२,आ.शु. २ मं.,२३ जून२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, कर्कलग्ने स्टै. ७।३४



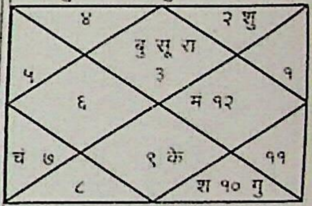
क्र. ५३,आ.शु. ४ गु.,२५ जून२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, कन्यालग्ने स्टै.१२।३०



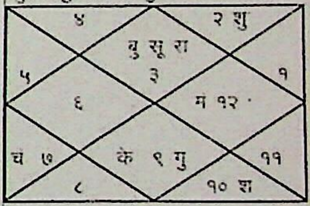
क्र. ५४,आ.शु. ७ श.,२७ जून२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, तुलालग्ने स्टै.१५।५३



क्र. ५५,आ.शु. ९ सो.,२९ जून२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, धनुलग्ने स्टै.१८।२५

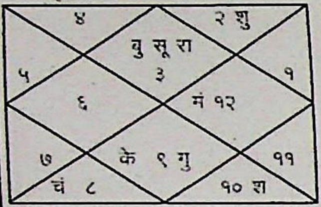


क्र. ५६,आ.शु. ९ सो.,२९ जून२०२०
गुरु-धनुराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.२८।४७

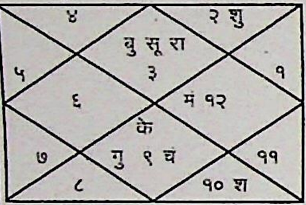


संवत् २०७७, सन २०२०-२१: सूर्यादि निरयन ग्रहों के मार्गी/वक्री अवस्था में राशि परिवर्तन होने पर वर्षभर में जो भी कुण्डलियाँ बनती हैं वे सभी राशिप्रवेश कुण्डलियाँ - (७२)

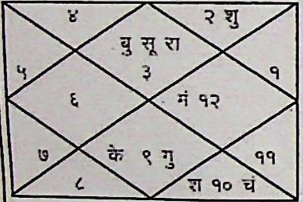
क्र. ५७.आ.शु.११ बु., १ जुला.२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, मकरलग्ने स्टै.२०।५४



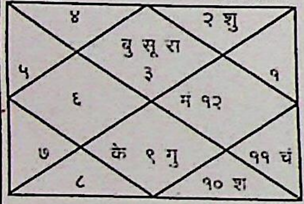
क्र. ५८.आ.शु.१३ शु., ३ जुला.२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, मीनलग्ने स्टै.२४।०९



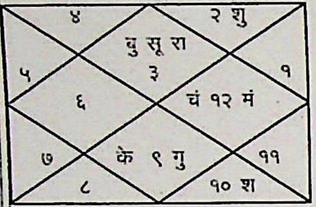
क्र. ५९.आ.शु.१५ र., ५ जुला.२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.२९।०३



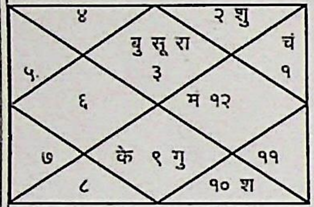
क्र. ६०.श्रा.कृ. ३ बु., ८ जुला.२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, कन्यालग्ने स्टै.१२।२८



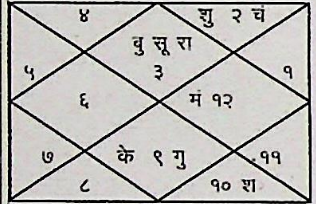
क्र. ६१.श्रा.कृ. ५ शु.,१० जुला.२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, कुंभलग्ने स्टै.२२।४९



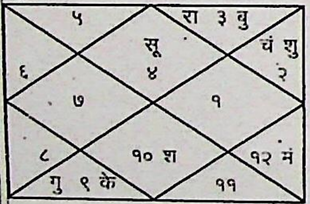
क्र. ६२.श्रा.कृ. ८ सो.,१३ जुला.२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, कन्यालग्ने स्टै.११।१४



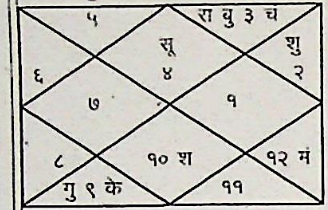
क्र. ६३.श्रा.कृ.१० बु.,१५ जुला.२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, मीनलग्ने स्टै.२३।२१



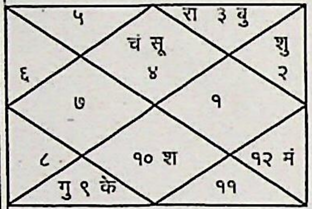
क्र. ६४.श्रा.कृ.११ गु.,१६ जुला.२०२०
सूर्य-कर्कराशौ, सिंहलग्ने स्टै.१०।१९



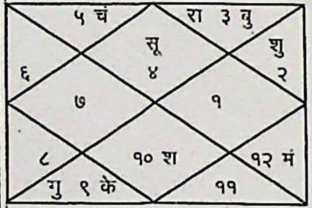
क्र. ६५.श्रा.कृ.१३ श.,१८ जुला.२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, सिंहलग्ने स्टै. ८।५८



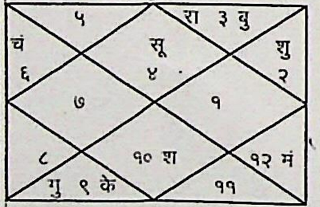
क्र. ६६.श्रा.कृ.३० सो.,२० जुला.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.१५।२५



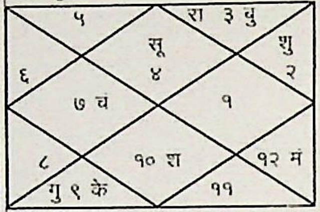
क्र. ६७.श्रा.शु. २ बु.,२२ जुला.२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, मकरलग्ने स्टै.१९।१६



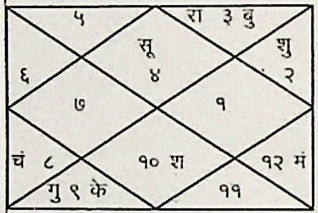
क्र. ६८.श्रा.शु. ४ शु.,२४ जुला.२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, कुंभलग्ने स्टै.२१।३७



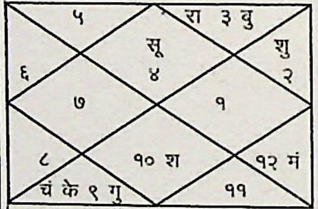
क्र. ६९.श्रा.शु. ६ र.,२६ जुला.२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, मेषलग्ने स्टै.२३।४८



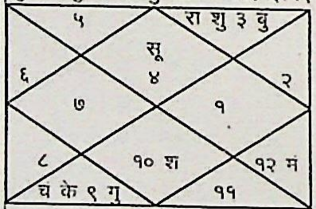
क्र. ७०.श्रा.शु. ९ मं.,२८ जुला.२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.२६।४६



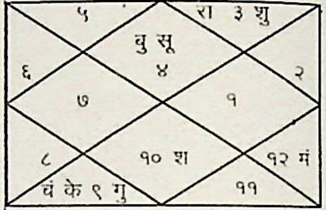
क्र. ७१.श्रा.शु.१२ शु.,३१ जुला.२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, कर्कलग्ने स्टै. ७।०३



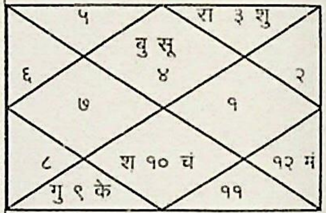
क्र. ७२.श्रा.शु.१३ श., १ अग.२०२०
शुक्र-मिथुनराशौ, तुलालग्ने स्टै.१३।१९



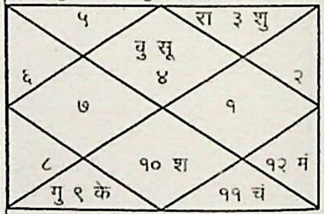
क्र. ७३.श्रा.शु.१३ श., १ अग.२०२०
बुध-कर्कराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.२७।४३



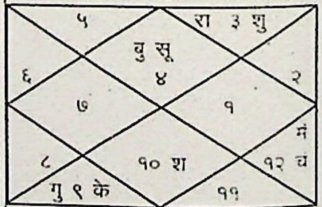
क्र. ७४.श्रा.शु.१४ र., २ अग.२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, तुलालग्ने स्टै.१२।५७



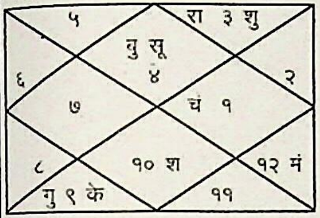
क्र. ७५.भा.कृ. १ मं., ४ अग.२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, कुंभलग्ने स्टै.२०।४६



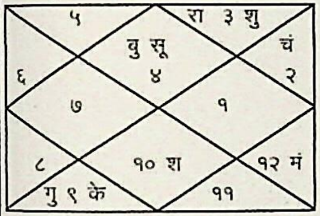
क्र. ७६.भा.कृ. ४ शु., ७ अग.२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, सिंहलग्ने स्टै. ६।५२



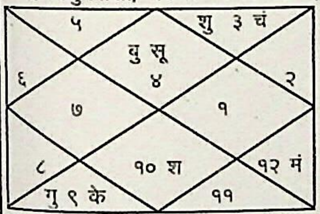
क्र. ७७,भा.कृ. ६ र., ९ अग.२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, मकरलग्ने स्टै.१९।०३



क्र. ७८,भा.कृ. ८ बु.,१२ अग.२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, सिंहलग्ने स्टै. ७।३८

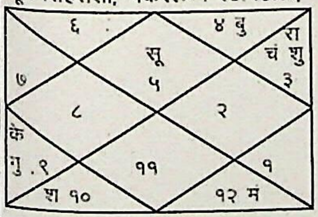


क्र. ७९,भा.कृ.१० शु.,१४ अग.२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, मकरलग्ने स्टै.१८।०३

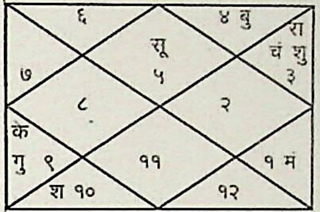


३ रा,

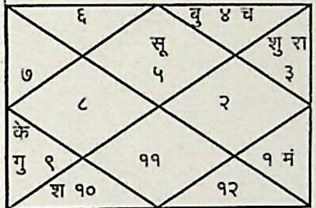
क्र. ८०,भा.कृ.१२ र.,१६ अग.२०२०
सूर्य-सिंहराशौ, मकरलग्ने स्टै.१८।४९



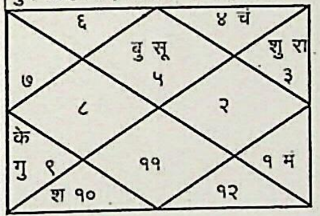
क्र. ८१,भा.कृ.१२ र.,१६ अग.२०२०
भौम-मेषराशौ, मेषलग्ने स्टै.२२।१७



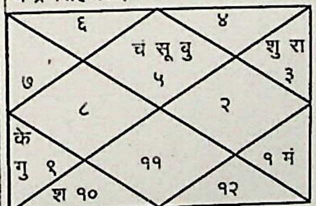
क्र. ८२,भा.कृ.१२ र.,१६ अग.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, वृषलग्ने स्टै.२४।५०



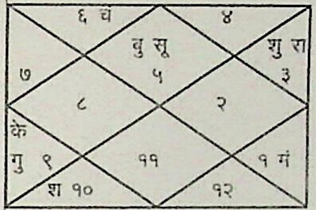
क्र. ८३,भा.कृ.१३ सो.,१७ अग.२०२०
बुध-सिंहराशौ, सिंहलग्ने स्टै. ८।१२



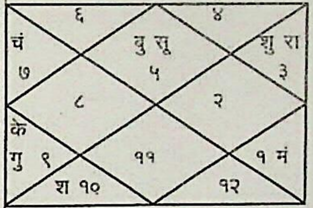
क्र. ८४,भा.कृ.१४ मं.,१८ अग.२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२८।०६



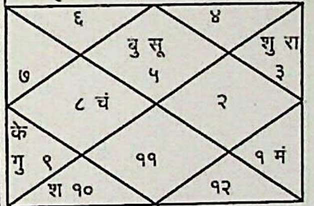
क्र. ८५,भा.शु. २ गु.,२० अग.२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२९।१४



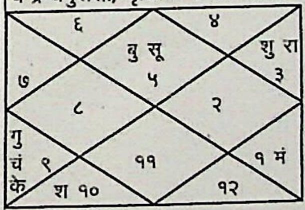
क्र. ८६,भा.शु. ४ श.,२२ अग.२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, सिंहलग्ने स्टै.३०।०४



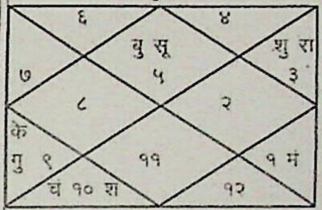
क्र. ८७,भा.शु. ७ मं.,२५ अग.२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, कन्यालग्ने स्टै. ८।१३



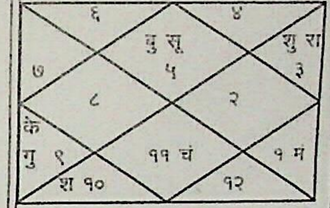
क्र. ८८,भा.शु. ९ गु.,२७ अग.२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.१२।३५



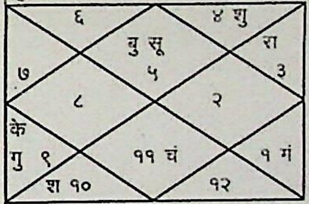
क्र. ८९,भा.शु.११ श.,२९ अग.२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, कुंभलग्ने स्टै.१९।११



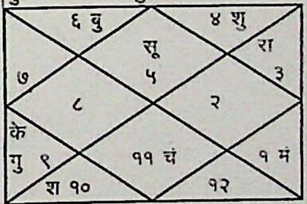
क्र. ९०,भा.शु.१३ सो.,३१ अग.२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२७।४७



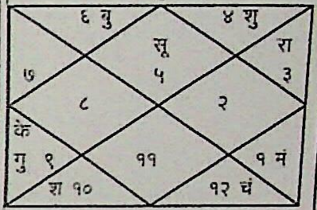
क्र. ९१,भा.शु.१३ सो.,३१ अग.२०२०
शुक्र-कर्कराशौ, सिंहलग्ने स्टै.२९।२९



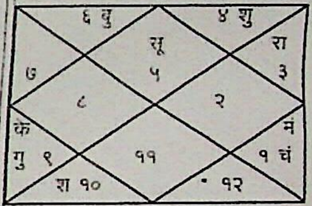
क्र. ९२,भा.शु.१५ बु., २ सित.२०२०
बुध-कन्याराशौ, तुलालग्ने स्टै.११।१७



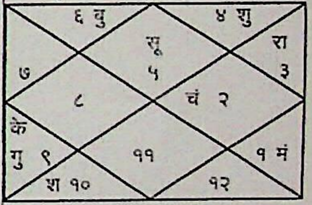
क्र. ९३,प्र.आ.कृ. १ गु., ३ सित.२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, धनुलग्ने स्टै.१४।१२



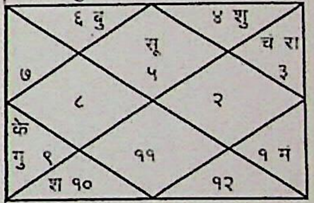
क्र. ९४,प्र.आ.कृ. ३ श., ५ सित.२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.२६।१७



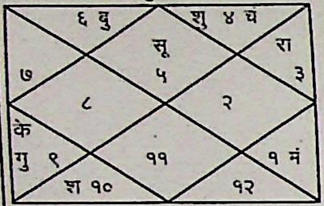
क्र. ९५,प्र.आ.कृ. ६ मं., ८ सित.२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, धनुलग्ने स्टै.१५।०७



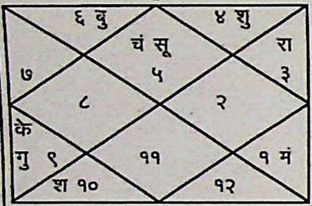
क्र. ९६,प्र.आ.कृ. ८ गु.,१० सित.२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२६।३६



क्र. ९७,प्र.आ.कृ.११ र.,१३ सित.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, तुलालग्ने स्टै.१०।३४



क्र. ९८,प्र.आ.कृ.१३ मं.,१५ सित.२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, धनुलग्ने स्टै.१४।२४



क्र. ९९,प्र.आ.कृ.१४ बु.,१६ सित.२०२०
सूर्य-कन्याराशौ, मीनलग्ने स्टै.१८।४९



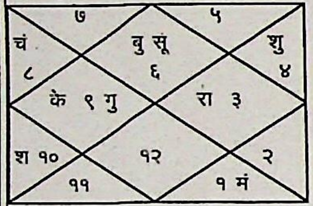
क्र.१००,प्र.आ.कृ.३० गु.,१७ सित.२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, धनुलग्ने स्टै.१५।०६



क्र.१०१,प्र.आ.शु. २ श.,१९ सित.२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, धनुलग्ने स्टै.१४।४०



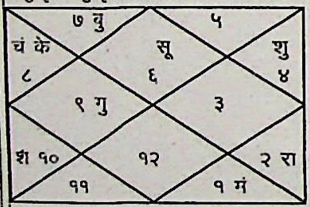
क्र.१०२,प्र.आ.शु. ५ सो.,२१ सित.२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, मकरलग्ने स्टै.१५।१४



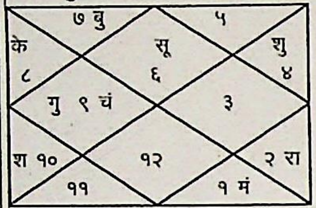
क्र.१०३,प्र.आ.शु. ६ मं.,२२ सित.२०२०
बुध-तुलाराशौ, मकरलग्ने स्टै.१६।१२



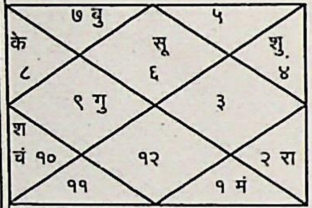
क्र.१०४,प्र.आ.शु. ६ मं.,२२ सित.२०२०
राहु-वृष,केतु-वृश्चिकराशौ,कर्कलग्ने स्टै.२६।५६



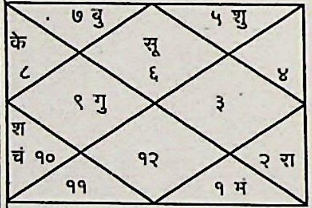
क्र.१०५,प्र.आ.शु. ७ बु.,२३ सित.२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, मीनलग्ने स्टै.१८।२३



क्र.१०६,प्र.आ.शु. ९ शु.,२५ सित.२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.२४।३९



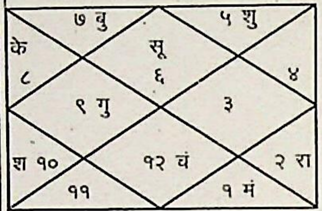
क्र.१०७,प्र.आ.शु.११ र.,२७ सित.२०२०
शुक्र-सिंहराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२६।४५



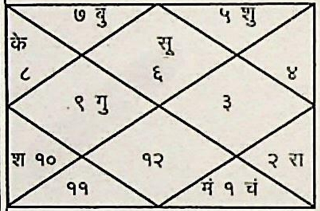
क्र.१०८,प्र.आ.शु.१२ सो.,२८ सित.२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, तुलालग्ने स्टै. ९।३९



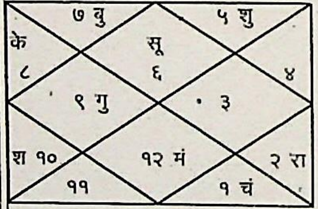
क्र.१०९,प्र.आ.शु.१४ बु.,३० सित.२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, मेषलग्ने स्टै.२०।३६



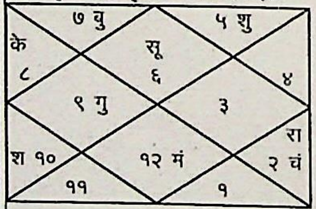
क्र.११०,द्वि.आ.कृ. २ श., ३ अक्टु.२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, तुलालग्ने स्टै. ८।४९



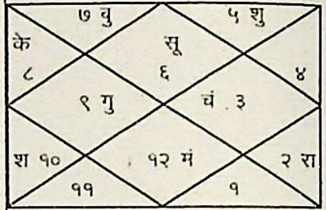
क्र.१११,द्वि.आ.कृ. २ र., ४ अक्टु.२०२०
भौम-मीनराशौ, मीनलग्ने स्टै.१८।०३



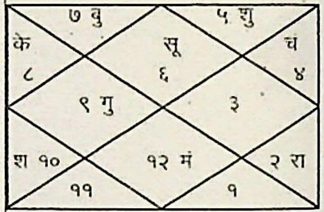
क्र.११२,द्वि.आ.कृ. ३ सो., ५ अक्टु.२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, वृषलग्ने स्टै.२१।३७



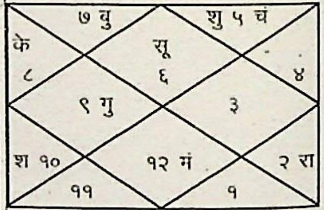
क्र.११३,द्वि.आ.कृ. ६ गु., ८ अक्टु.२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै. ९।४३



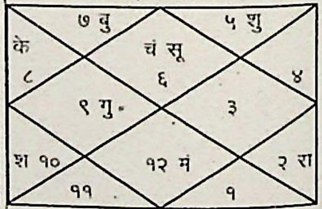
क्र.११४,द्वि.आ.कृ. ८ श.,१० अक्टु.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, मेषलग्ने स्टै.१९।०८



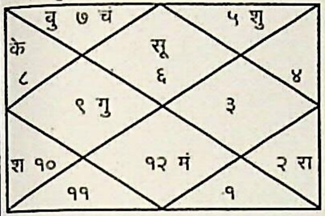
क्र.११५,द्वि.आ.कृ.१० सो.,१२ अक्टु.२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२४।२९



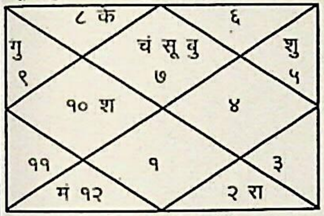
क्र.११६,द्वि.आ.कृ.१२ बु.,१४ अक्टु.२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२६।०२



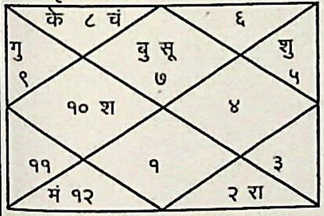
क्र.११७, द्वि.आ.कृ.३० शु., १६ अक्टु.२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२५।२४



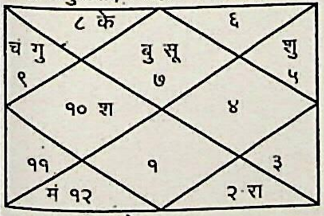
क्र.११८, द्वि.आ.शु. १ श., १७ अक्टु.२०२०
सूर्य-तुलाराशौ, तुलालग्ने स्टै. ६।४८



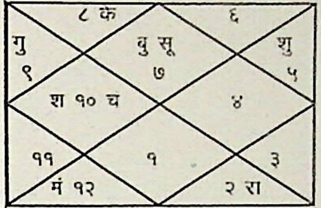
क्र.११९, द्वि.आ.शु. २ र., १८ अक्टु.२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२४।४७



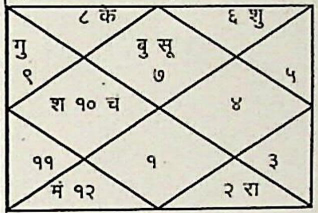
क्र.१२०, द्वि.आ.शु. ४ मं., २० अक्टु.२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, सिंहलग्ने स्टै.२६।१३



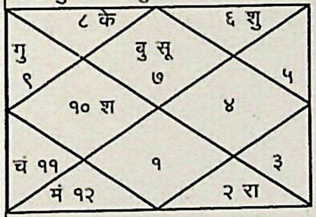
क्र.१२१, द्वि.आ.शु. ७ शु., २३ अक्टु.२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, तुलालग्ने स्टै. ७।००



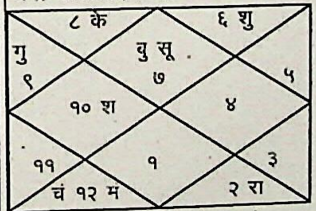
क्र.१२२, द्वि.आ.शु. ७ शु., २३ अक्टु.२०२०
शुक्र-कन्याराशौ, धनुलग्ने स्टै.१२।२१



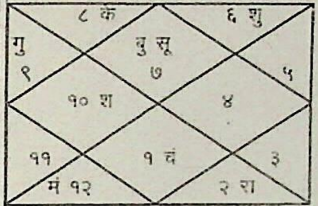
क्र.१२३, द्वि.आ.शु. ९ र., २५ अक्टु.२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, कुंभलग्ने स्टै.१५।२३



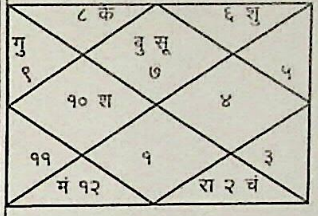
क्र.१२४, द्वि.आ.शु.११ मं., २७ अक्टु.२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, सिंहलग्ने स्टै.२६।३०



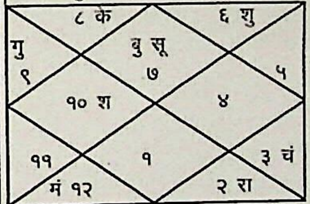
क्र.१२५, द्वि.आ.शु.१४ शु., ३० अक्टु.२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, कुंभलग्ने स्टै.१४।५८



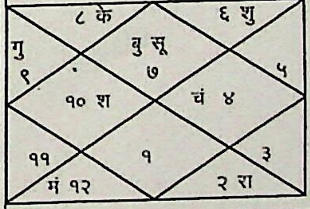
क्र.१२६, का.कृ. १ र., १ नव.२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, कन्यालग्ने स्टै.२७।३७



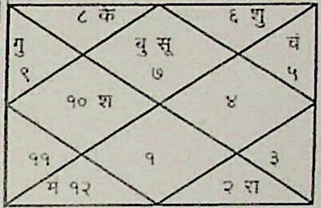
क्र.१२७, का.कृ. ४ बु., ४ नव.२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, मीनलग्ने स्टै.१५।३८



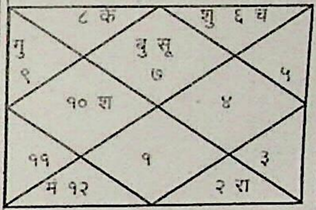
क्र.१२८, का.कृ. ६ शु., ६ नव.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, सिंहलग्ने स्टै.२५।४७



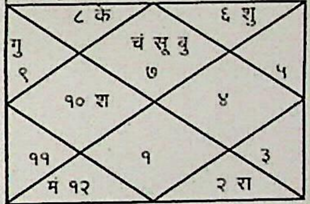
क्र.१२९, का.कृ. ८ सो., ९ नव.२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, वृश्चि लग्ने स्टै. ८।४३



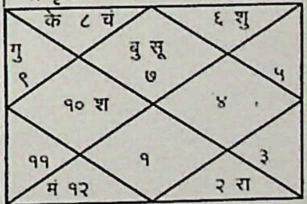
क्र.१३०, का.कृ.११ बु., ११ नव.२०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, मकरलग्ने स्टै.१२।०१



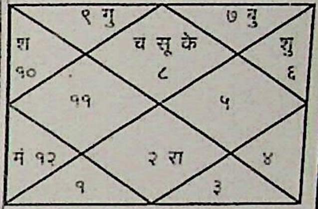
क्र.१३१, का.कृ.१३ शु., १३ नव.२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, मकरलग्ने स्टै.१२।३१



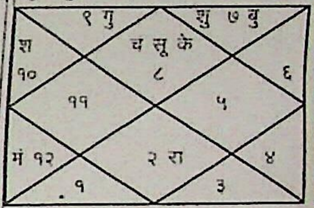
क्र.१३२, का.कृ.३० र., १५ नव.२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, मकरलग्ने स्टै.१२।००



क्र.१३३, का.कृ.३० र., १५ नव.२०२०
सूर्य-वृश्चिकराशौ, तुलालग्ने स्टै ३०।३३



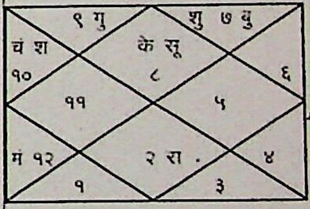
क्र.१३४, का.शु १ सो., १६ नव.२०२०
शुक्र-तुलाराशौ, कन्यालग्ने स्टै.२६।२७



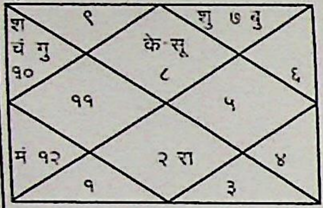
क्र.१३५, का.शु. ३ मं., १७ नव.२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, मकरलग्ने स्टै.१२।२५



क्र.१३६, का.शु. ५ गु., १९ नव.२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, मीनलग्ने स्टै.१५।३१



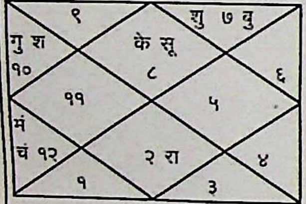
क्र.१३७,का.शु. ६ शु.,२० नव.२०२०
गुरु-मकरराशौ, मकरलग्ने स्टै.११।१६



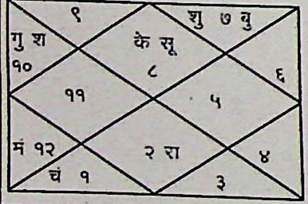
क्र.१३८,का.शु. ७ श.,२१ नव.२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२२।२२



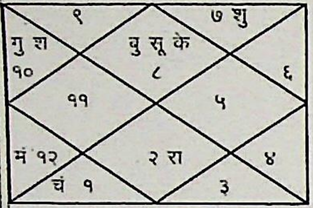
क्र.१३९,का.शु.१० मं.,२४ नव.२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, धनुलग्ने स्टै. ८।५०



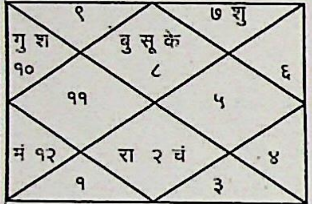
क्र.१४०,का.शु.१२ गु.,२६ नव.२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२१।२३



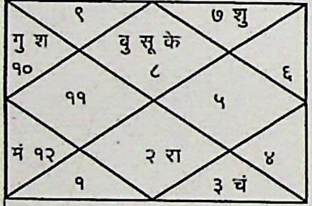
क्र.१४१,का.शु.१३ श.,२८ नव.२०२०
बुध-वृश्चिकराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै. ७।१४



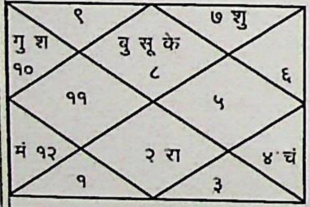
क्र.१४२,का.शु.१४ र.,२९ नव.२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, धनुलग्ने स्टै.१०।०१



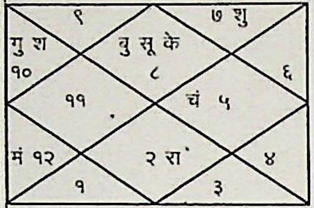
क्र.१४३,मा.कृ. १ मं., १ दिस.२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२१।३२



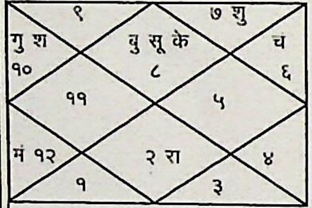
क्र.१४४,मा.कृ. ४ शु., ४ दिस.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै. ७।२०



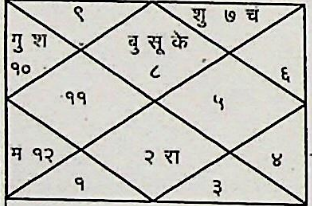
क्र.१४५,मा.कृ. ६ र., ६ दिस.२०२०
चन्द्र-सिंहराशौ, मेषलग्ने स्टै.१४।४८



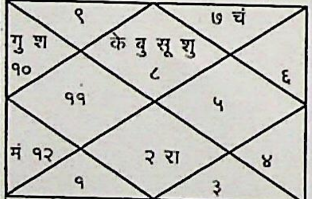
क्र.१४६,मा.कृ. ८ मं., ८ दिस २०२०
चन्द्र-कन्याराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.१९।३३



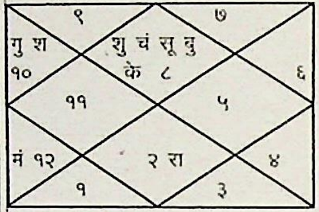
क्र.१४७,मा.कृ.१० गु.,१० दिस.२०२०
चन्द्र-तुलाराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२१।५१



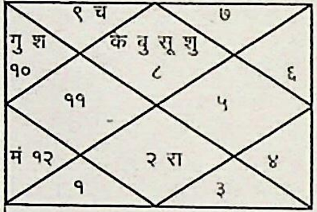
क्र.१४८,मा.कृ.१० गु.,१० दिस.२०२०
शुक्र-वृश्चिकराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.३०।०१



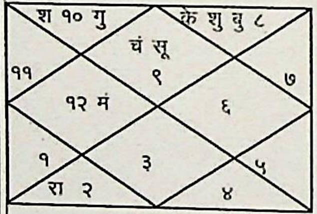
क्र.१४९,मा.कृ.१३ श.,१२ दिस.२०२०
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, सिंहलग्ने स्टै.२२।४१



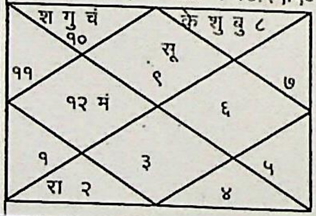
क्र.१५०,मा.कृ.३० सो.,१४ दिस.२०२०
चन्द्र-धनुराशौ, सिंहलग्ने स्टै.२३।२८



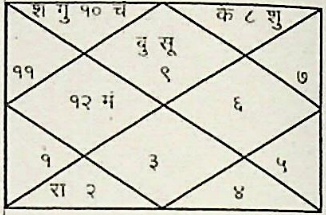
क्र.१५१,मा.शु. १ मं.,१५ दिस.२०२०
सूर्य-धनुराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२१।०८



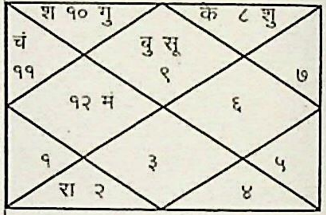
क्र.१५२,मा.शु. २ बु.,१६ दिस.२०२०
चन्द्र-मकरराशौ, कन्यालग्ने स्टै.२५।५०



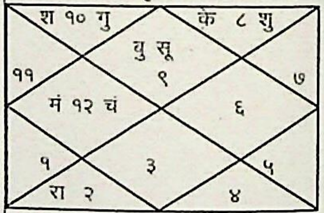
क्र.१५३,मा.शु. ३ गु.,१७ दिस.२०२०
बुध-धनुराशौ, कुंभलग्ने स्टै.११।१४



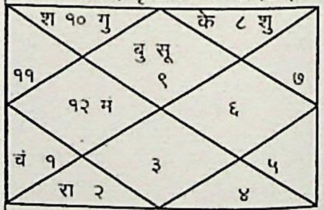
क्र.१५४,मा.शु. ४ शु.,१८ दिस.२०२०
चन्द्र-कुंभराशौ, धनुलग्ने स्टै.३१।१४



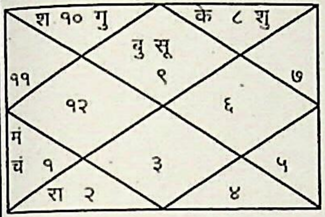
क्र.१५५,मा.शु. ७ सो.,२१ दिस.२०२०
चन्द्र-मीनराशौ, वृषलग्ने स्टै.१६।२५



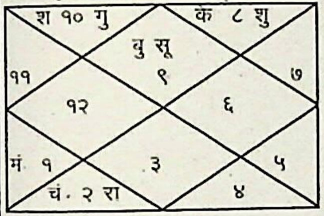
क्र.१५६,मा.शु. ९ बु.,२३ दिस.२०२०
चन्द्र-मेषराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२८।३४



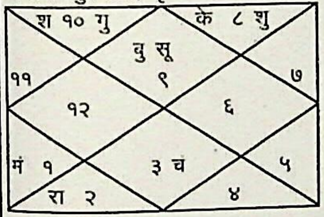
क्र.१५७,मा.शु. ९ बु.,२३ दिस.२०२०
भौम-मेषराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२९।४०



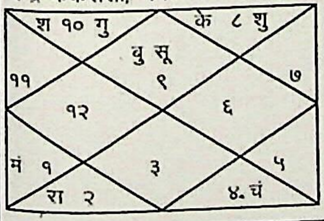
क्र.१५८,मा.शु.१२ श.,२६ दिस.२०२०
चन्द्र-वृषराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.१७।२०



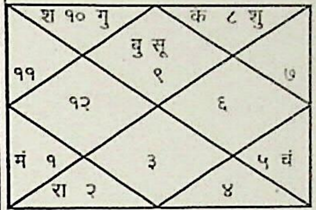
क्र.१५९,मा.शु.१४ सो.,२८ दिस.२०२०
चन्द्र-मिथुनराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२८।३७



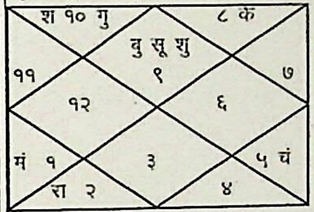
क्र.१६०,पौ.कृ. १ गु.,३१ दिस.२०२०
चन्द्र-कर्कराशौ, मेषलग्ने स्टै.१३।३६



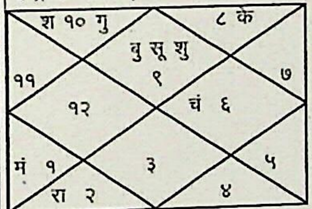
क्र.१६१,पौ.कृ. ३ श., २ जन.२०२१
चन्द्र-सिंहराशौ, कर्कलग्ने स्टै.२०।११



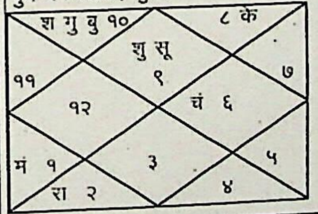
क्र.१६२,पौ.कृ. ४ र., ३ जन.२०२१
शुक्र-धनुराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२९।११



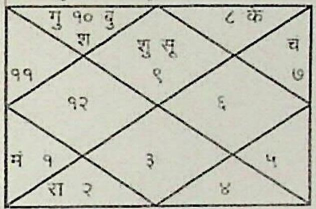
क्र.१६३,पौ.कृ. ६ सो., ४ जन.२०२१
चन्द्र-कन्याराशौ, कन्यालग्ने स्टै.२५।०७



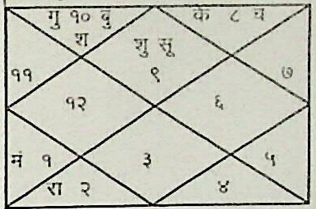
क्र.१६४,पौ.कृ. ६ सो., ४ जन.२०२१
बुध-मकरराशौ, तुलालग्ने स्टै.२६।३६



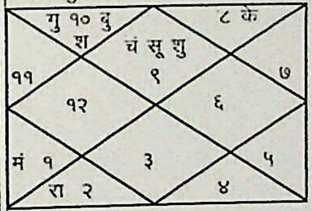
क्र.१६५,पौ.कृ. ८ बु., ६ जन.२०२१
चन्द्र-तुलाराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२८।२८



क्र.१६६,पौ.कृ.१० शु., ८ जन.२०२१
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, धनुलग्ने स्टै.३०।५६



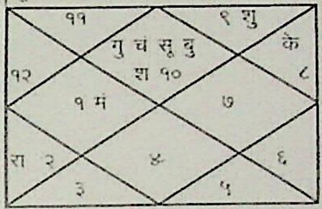
क्र.१६७,पौ.कृ.१३ सो.,११ जन.२०२१
चन्द्र-धनुराशौ, मकरलग्ने स्टै. ९।१०



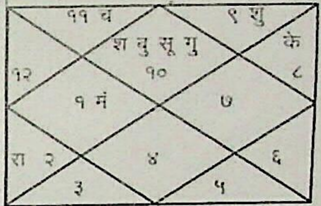
क्र.१६८,पौ.कृ.३० बु.,१३ जन.२०२१
चन्द्र-मकरराशौ, मीनलग्ने स्टै.१२।०७



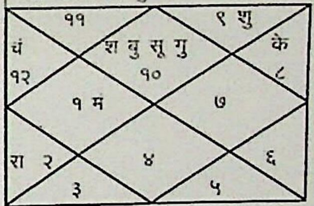
क्र.१६९,पौ.शु. १ गु.,१४ जन.२०२१
सूर्य-मकरराशौ, मकरलग्ने स्टै. ७।४७



क्र.१७०,पौ.शु. २ शु.,१५ जन.२०२१
चन्द्र-कुंभराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.१७।०४



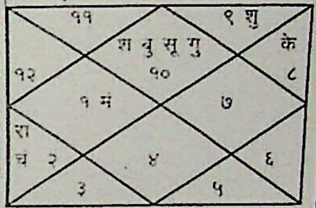
क्र.१७१,पौ.शु. ४ र.,१७ जन.२०२१
चन्द्र-मीनराशौ, तुलालग्ने स्टै.२५।११



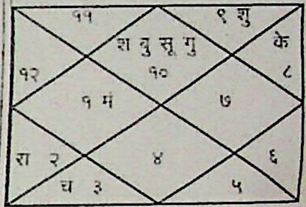
क्र.१७२,पौ.शु. ७ बु.,२० जन.२०२१
चन्द्र-मेषराशौ, मेषलग्ने स्टै.१२।३४



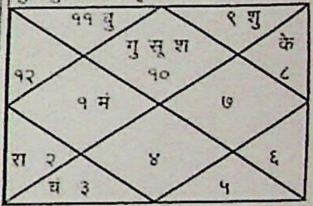
क्र.१७३,पौ.शु. ९ शु.,२२ जन.२०२१
चन्द्र-वृषराशौ, तुलालग्ने स्टै.२५।२६



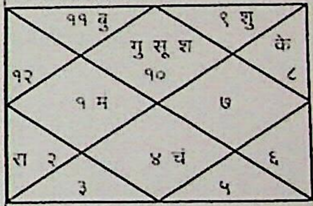
क्र.१७४,पौ.शु.१२ सो.,२५ जन.२०२१
चन्द्र-मिथुनराशौ, वृषलग्ने स्टै.१३।०१



क्र.१७५,पौ.शु.१२ सो.,२५ जन.२०२१
बुध-कुंभराशौ, वृषलग्ने स्टै.१४।३७

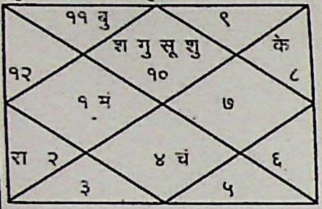


क्र.१७६,पौ.शु.१४ बु.,२७ जन.२०२१
चन्द्र-कर्कराशौ, कन्यालग्ने स्टै.२१।४१

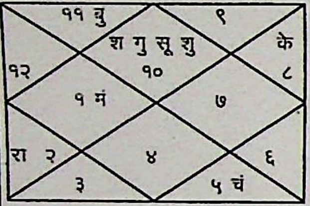


संवत् २०७७, सन २०२०-२१: सूर्यादि निरयन ग्रहों के मार्गी/वक्री अवस्था में राशि परिवर्त्तन होने पर वर्षभर में जो भी कुण्डलियाँ बनती हैं वे सभी राशिप्रवेश कुण्डलियाँ - (७८)

क्र.१७७,पौ.शु.१४ बु.,२७ जन.२०२१
शुक्र-मकरराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२७।२६



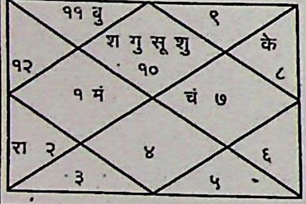
क्र.१७८,मा.कृ. १ शु.,२९ जन.२०२१
चन्द्र-सिंहराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२७।२२



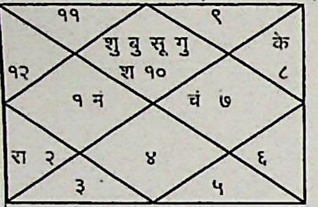
क्र.१७९,मा.कृ. ३ र.,३१ जन.२०२१
चन्द्र-कन्याराशौ, मकरलग्ने स्टै.३१।००



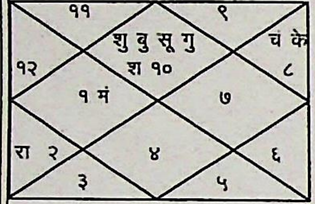
क्र.१८०,मा.कृ. ६ बु., ३ फर.२०२१
चन्द्र-तुलाराशौ, मीनलग्ने स्टै. ९।४९



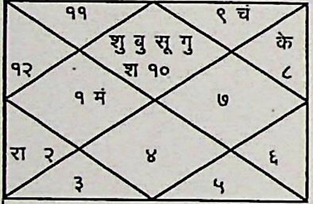
क्र.१८१,मा.कृ. ७ गु., ४ फर.२०२१
बुध-मकरराशौ, तुलालग्ने स्टै.२५।१३



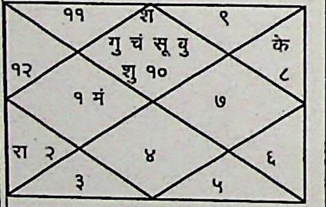
क्र.१८२,मा.कृ. ८ शु., ५ फर.२०२१
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, वृषलग्ने स्टै.१२।४५



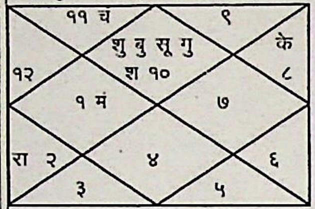
क्र.१८३,मा.कृ.११ र., ७ फर.२०२१
चन्द्र-धनुराशौ, मिथुनलग्ने स्टै.१६।१४



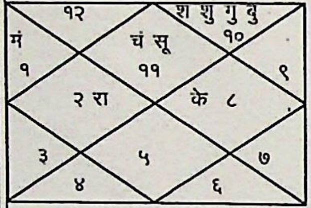
क्र.१८४,मा.कृ.१३ मं., ९ फर.२०२१
चन्द्र-मकरराशौ, सिंहलग्ने स्टै.२०।३०



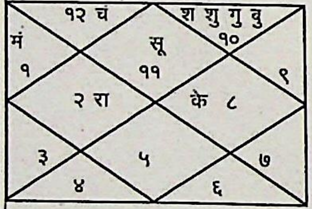
क्र.१८५,मा.कृ.३० गु.,११ फर.२०२१
चन्द्र-कुंभराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२६।०९



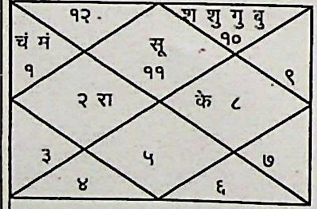
क्र.१८६,मा.शु. १ शु.,१२ फर.२०२१
सूर्य-कुंभराशौ, कन्यालग्ने स्टै.२०।४१



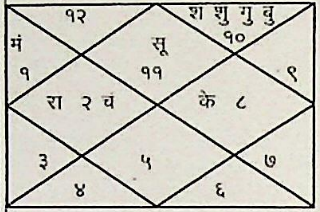
क्र.१८७,मा.शु. ३ र.,१४ फर २०२१
चन्द्र-मीनराशौ, मेषलग्ने स्टै.१०।०५



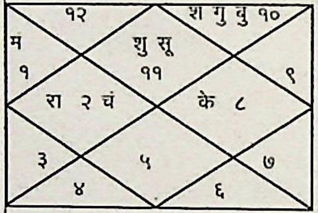
क्र.१८८,मा.शु. ५ मं.,१६ फर २०२१
चन्द्र-मेषराशौ, कन्यालग्ने स्टै.२०।५२



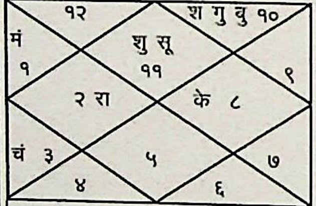
क्र.१८९,मा.शु. ७ शु.,१९ फर.२०२१
चन्द्र-वृषराशौ, मीनलग्ने स्टै. ९।३९



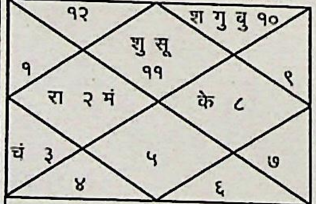
क्र १९०,मा.शु. ८ श.,२० फर.२०२१
शुक्र-कुंभराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२६।१६



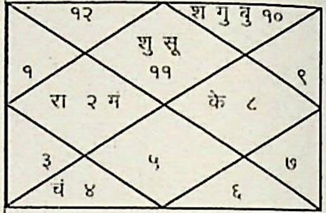
क्र १९१,मा.शु. ९ र.,२१ फर.२०२१
चन्द्र-मिथुनराशौ, कन्यालग्ने स्टै.२१।५४



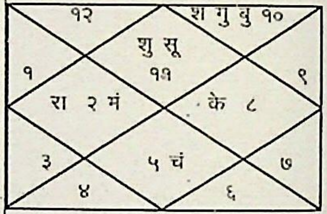
क्र.१९२,मा.शु. ९ र.,२१ फर २०२१
भौम-वृषराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२५।३४



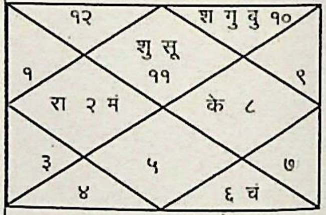
क्र.१९३,मा.शु.१२ बु.,२४ फर.२०२१
चन्द्र-कर्कराशौ, कुंभलग्ने स्टै. ७।०७



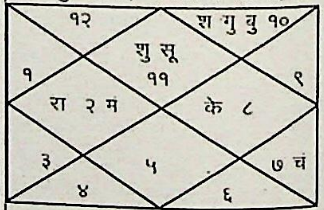
क्र.१९४,मा.शु.१४ शु.,२६ फर.२०२१
चन्द्र-सिंहराशौ, वृषलग्ने स्टै.१२।३३



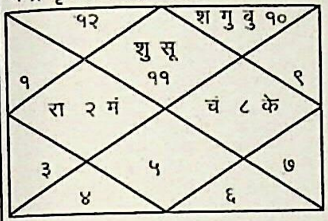
क्र.१९५,फा.कृ. १ र.,२८ फर.२०२१
चन्द्र-कन्याराशौ, कर्कलग्ने स्टै.१५।०५



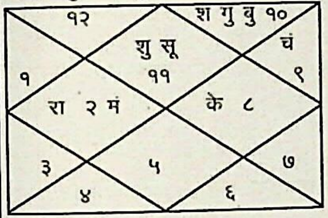
क्र.१९६,फा.कृ ४ मं., २ मार्च२०२१
चन्द्र-तुलाराशौ, कर्कलग्ने स्टै.१६।२७



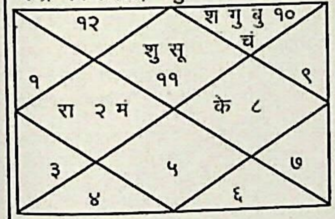
क्र.१९७,फा.कृ. ६ गु., ४ मार्च२०२१
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, सिंहलग्ने स्टै.१८।१८



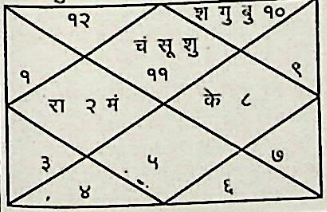
क्र.१९८,फा.कृ. ८ श., ६ मार्च२०२१
चन्द्र-धनुराशौ, तुलालग्ने स्टै.२१।३६



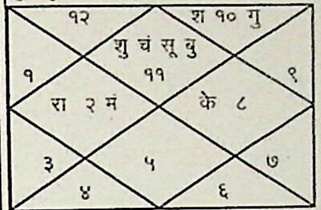
क्र.१९९,फा.कृ.१० सो., ८ मार्च२०२१
चन्द्र-मकरराशौ, धनुलग्ने स्टै.२६।३६



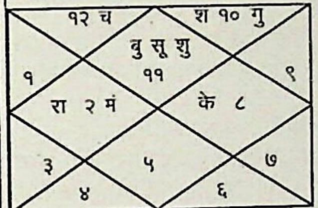
क्र.२००,फा.कृ.१३ गु.,११ मार्च२०२१
चन्द्र-कुंभराशौ, मेषलग्ने स्टै. ९।१९



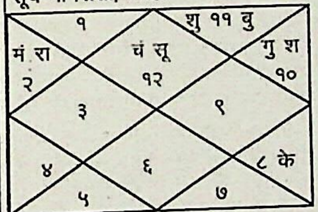
क्र.२०१,फा.कृ.१३ गु.,११ मार्च२०२१
बुध-कुंभराशौ, वृषलग्ने स्टै.११।३५



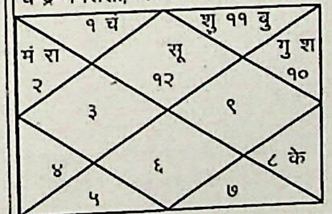
क्र.२०२,फा.कृ.३० श.,१३ मार्च२०२१
चन्द्र-मीनराशौ, सिंहलग्ने स्टै.१७।५५



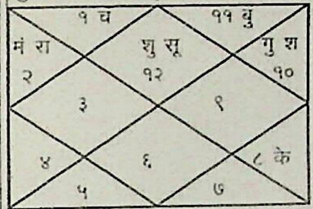
क्र.२०३,फा.शु. १ र.,१४ मार्च२०२१
सूर्य-मीनराशौ, सिंहलग्ने स्टै.१७।२९



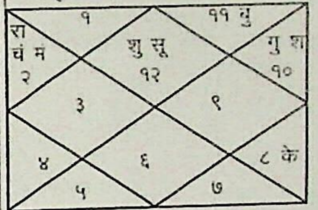
क्र.२०४,फा.शु. २ सो.,१५ मार्च२०२१
चन्द्र-मेषराशौ, मकरलग्ने स्टै.२८।३९



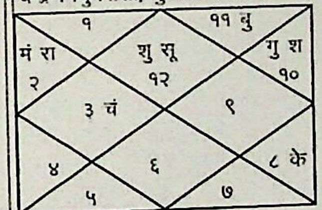
क्र.२०५,फा.शु. ३ म.,१६ मार्च२०२१
शुक्र-मीनराशौ, धनुलग्ने स्टै.२६।४०



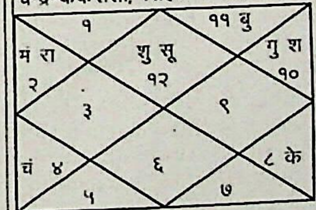
क्र.२०६,फा.शु. ५ गु.,१८ मार्च२०२१
चन्द्र-वृषराशौ, सिंहलग्ने स्टै.१७।१६



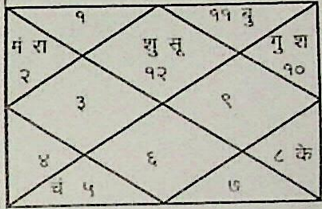
क्र.२०७,फा.शु. ७ श.,२० मार्च२०२१
चन्द्र-मिथुनराशौ, कुंभलग्ने स्टै.३०।०५



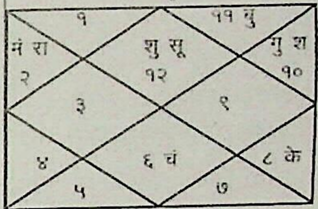
क्र.२०८,फा.शु. ९ मं.,२३ मार्च२०२१
चन्द्र-कर्कराशौ, सिंहलग्ने स्टै.१६।२८



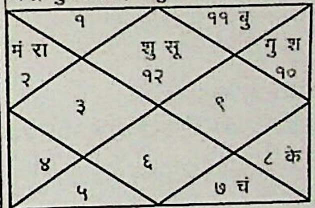
क्र.२०९,फा.शु ११ गु.,२५ मार्च२०२१
चन्द्र-सिंहराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२२।४६



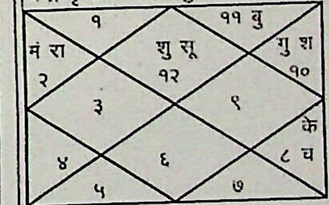
क्र.२१०,फा.शु.१४ श.,२७ मार्च२०२१
चन्द्र-कन्याराशौ, धनुलग्ने स्टै.२५।१६



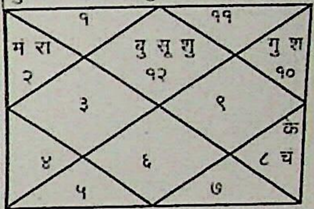
क्र.२११,चै.कृ. १ सो.,२९ मार्च२०२१
चन्द्र-तुलाराशौ, धनुलग्ने स्टै.२५।३८



क्र.२१२,चै.कृ. ३ बु.,३१ मार्च२०२१
चन्द्र-वृश्चिकराशौ, धनुलग्ने स्टै.२५।५३



क्र.२१३,चै.कृ. ३ बु.,३१ मार्च२०२१
बुध-मीनराशौ, धनुलग्ने स्टै.२६।०४



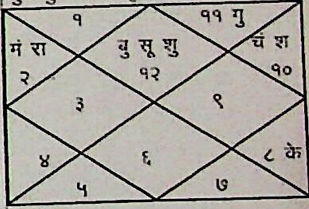
क्र.२१४,चै.कृ. ५ शु., २ अप्रै.२०२१
चन्द्र-धनुराशौ, मकरलग्ने स्टै.२७।४२



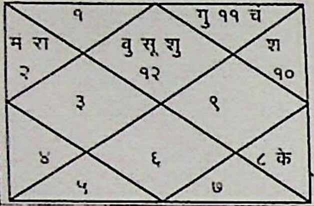
क्र.२१५,चै.कृ. ९ सो., ५ अप्रै.२०२१
चन्द्र-मकरराशौ, मेषलग्ने स्टै. ७।५९



क्र.२१६,चै.कृ. ९ सो., ५ अप्रै.२०२१
गुरु-कुंभराशौ, वृश्चि.लग्ने स्टै.२३।१०



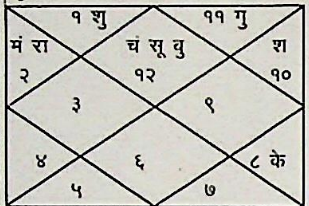
क्र.२१७, चै.कृ.११ बु., ७ अप्रै.२०२१
चन्द्र-कुंभराशौ, सिंहलग्ने स्टैं.१४।५६



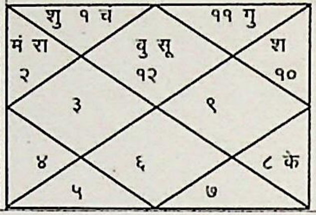
क्र.२१८, चै.कृ.१३ शु., ९ अप्रै.२०२१
चन्द्र-मीनराशौ, धनुलग्ने स्टैं.२४।१५



क्र २१९, चै.कृ.१३ शु., ९ अप्रै.२०२१
शुक्र-मेषराशौ, मीनलग्ने स्टैं.२९।५०



क्र.२२०, चै.कृ.३० सो., १२ अप्रै.२०२१
चन्द्र-मेषराशौ, मिथुनलग्ने स्टैं.११।२८



चार-नवरात्रों की जानकारी -

श्रीदेवी भागवते महापुराणे -

आश्विने मधुमासे वा तपोमासे शुचौ तथा ।
चतुर्षु नवरात्रेषु विशेषात्फलदायकम् ॥३१॥

आश्विन, चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, वा चारों नवरात्रों में सुनने से विशेष फल का देनेवाला है ॥३१॥

(देवीमाहात्म्ये, अध्याय १, श्लोक ३१, श्रीयुत पण्डितज्वालाप्रसादमिश्रकृतभाषायाम्)

अपरञ्च -

पठितव्यं प्रयत्नेन नवरात्रचतुष्टये ॥
वेदिकैर्निजगायत्रीप्रीतये नित्यशोमुने ॥२२॥

आषाढ, आश्विन, माघ, चैत्र के शुक्लपक्ष चारो नवरात्र में इस (देवीभागवत) को पढना चाहिये, वैदिकों को अपनी गांयत्री की प्रीति के निमित्त सदा पढना चाहिये ॥२२॥

(द्वादशस्कंधे, अध्याय १४, श्लोक २२, श्रीयुत पण्ड़ितज्वालाप्रसादमिश्रकृतभाषायाम्)

विशेष - चैत्र और आश्विन शुक्लपक्ष के नवरात्र तो सर्व विदित हैं लेकिन आषाढ और माघ शुक्लपक्ष के नवरात्र को लौकिक भाषा में गुप्त-नवरात्र भी कहते हैं । -

'- अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग गणितकर्ता - पं. ग्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई.

गोधूलिकाले विशेष:-

किञ्च - 'कुलिकं क्रान्तिसाम्यं च मूर्तौ षष्ठाष्टमः शशी । पञ्चगोधूलिके त्याज्यास्त्वन्ये दोषाः शुभावहाः ॥'
'लग्नशुद्धिर्यदा नास्ति कन्या यौवनशालिनी । तदा वै सर्ववर्णानां लग्नं गोधूलिकं शुभम् ॥' इति । -दैवज्ञमनोहरे
तत्र गोधूलिसूक्ष्मकालसमय:- 'अत्रोभयत्र घटिकादलमिष्टमाहुर्ग्राह्यं तदम्बरमणेरपि चार्द्धविम्बात् ॥' इति ।
केचित्तु - 'यावद्दिनान्ते दिशि पश्चिमायां पश्येतृतीयं रविविम्बभागम् । तस्मात्परं नाडिकयुग्ममेके गोधूलिकालं मुनयो वदन्ति ॥' इति ।

अथ शीतकालादिभेदेन गोधूलिभेदं जलधरमालाछन्दसाह -

पिंडीभूते दिनकृति हेमंततौं स्यादर्द्धास्ते तप समये गोधूलिः ।
सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ ॥

पीयूषधारा - पिण्डीभूते इति । हेमन्ताख्ये ऋतौ हेमन्तशब्देन शीतकाल उपलक्ष्यते । मार्गशीर्षादिमासचतुष्टये इत्यर्थः । दिनकृति सूर्ये पिण्डीभूते ओदनगोलकसदृशे सन्ध्यायां नीहाराद्यावृतत्वेन निष्प्रभे इत्यर्थः । तस्मिन्समये गोधूलिर्ज्ञेया । तथा तपसमये उष्णकाले चैत्रादिमासचतुष्टये सूर्यऽर्द्धास्ते अर्द्ध विम्बस्य दृश्यत्वे च सति गोधूलिः । जलधरा मेघास्तेषां माला समूहस्तस्योत्पादके काले वर्षाकाले श्रावणादिमासचतुष्टये सूर्यसम्पूर्णास्तमदर्शनमस्य तादृशे सति गोधूलिः । जलधरमालाशब्देन छन्दोऽपि सूचितम् । न केवलमियं विवाहे एव किन्तु सकलशुभे सम्स्तशुभकार्यादिष्वपि ज्ञेया ।
यदाह वराहः - 'गोधूलि त्रिविधा वदन्ति मुनयो नारीविवाहादिके हेमन्ते शिशिरे प्रयाति मृदुतां पिण्डीकृते भास्करे । ग्रीष्मेऽर्द्धास्तमिते वसन्तसमये भानौ गते दृश्यतां सूर्ये चास्तमुपागते भगवति प्रावृट्शरत्कालयोः ॥' इति ॥ **-पीयूषधारा**

हेमन्त ऋतु, शीतकालीन मार्गशीर्षादिक चार महीनों के सन्ध्या मसय में ओदन गोल के सदृश प्रभाहीन दृष्टिगोचर सूर्य विम्ब के समय गोधूलि होती है । तथा चैत्रादिक चार महीनों के ग्रीष्म समयों में अर्द्ध सूर्य विम्ब दृश्य और अर्द्ध सूर्यविम्ब अस्त के समय गोधूलि समय होता है । वर्षाकाल - श्रावणादिक ४ महीनों में सम्पूर्ण सूर्य विम्ब के अस्त समय पर गोधूलि कही गई है ।

तदेतयोः पक्षयोर्यथादेशाचारं व्यवस्था ॥१॥ -पीयूषधारा

गोधूलि अन्यगोधूत्योर्भेदः- द्वित्रिलाभगतश्चन्द्रोगोधूलिः शस्यते बुधैः। सुहृद्ध यस्तस्यगेधर्मेव्यये धूवीमुस्यास्मृता । -पं. ईश्वरदत्त शर्मा

सूर्यास्तकालीन लग्न से २-३-११ में चन्द्रमा हो तो गोधूलि और लग्न से ४-५-९-१०-१२ में चन्द्रमा हो तो अन्यगोधूलि । गोधूलि और अन्यगोधूलि मे चन्द्रमा के कारण नाम का भेद है, समय तो एक ही रहता है । गुरुवार को सूर्यास्त के वाद और शनिवार को सूर्यास्त के पहिले गोधूलि शुभ होती है । चन्द्रमा- लग्न, छठे, आठवें मे हो तो गोधूलि नही वनता और मगंल सप्तम या अष्टम में अशुभ है ।

विशेषः- प्राचीन दिव्यऋषियों ने धर्मशास्त्रों में गोधूलि लग्न तीन प्रकार (घटिकादलं चार्द्धविम्बात्, तस्मात्परं नाडिकयुग्म, शीतकालादिभेदेन) से कहा है या फिर अपने अपने देशाचार से गोधूलि काल की व्यवस्था करें । यहाँ पञ्चाङ्ग में धर्मशास्त्र (मुख्यकाल), देशाचार और कालानुसार के समन्वय से चार घटी (सूर्यास्तात् पूर्वापर दो दो घटी अर्थात् कुल १ घंटा ३६ मिनट) ग्रहण किया है । आप अपने देशाचारानुसार समय ग्रहण करें । विद्वानो की सुविधा के लिए गोधूलि स्टैं. समय लगा दिया है । नोट- गुरुवार को सूर्यास्त के वाद और शनिवार को सूर्यास्त के पहिले का ही गोधूलि समय ग्रहण करें ।

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२ (सन २०२०-२१) मध्ये विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह, गेहारंभ, गृहप्रवेश, देव प्रतिष्ठा-दिवसादि विषये "शास्त्रीय स्पष्टता" ॥

तत्रादौ विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह दिवसादि ...

सन२०२०	**वैशाख मास**
१४ अप्रे.	कृ, ७ भौमे उषा. गुरु शनि युति, मृत्युपञ्चकम्
१५ अप्रे.	कृ, ८ बुधे उषा. गुरु शनि युति, मृत्युपञ्चकम्
२५ अप्रे.	शु. २ शनौ रोहि. शनेर्वेधः
२६ अप्रे.	शु. ३ रवौ रोहि. शनेर्वेधः
२६ अप्रे.	शु. ३ रवौ मृगे लग्नाऽभावः (धनुषि)
२७ अप्रे.	शु. ४ चंद्रे मृगे लग्नाऽभावः (धनुषि)
१ मई	शु. ८ शुक्रे मघा. लग्नाऽभावः (कुंभे, मीने, मेषे)
२ मई	शु. ९ शनौ मघा. लग्नाऽभावः (मेषे, सिंहे, धनुषि), महापातः
३ मई	शु. १० रवौ उफा. भद्रा दोषः
४ मई	शु. ११ चंद्रे उफा. लग्नाऽभावः(कर्के,कन्या.),भद्रादोषः, मृत्युपञ्चकम्
४ मई	शु. ११ चंद्रे हस्ते लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मेषे)
५ मई	शु. १३ भौमे हस्ते लग्नाऽभावः (मेषे, वृषे, कर्के, सिंहे, कन्या.)
६ मई	शु. १४ बुधे स्वातौ लग्नाऽभावः (सिंहे, तुला.)
७ मई	शु. १५ गुरौ स्वातौ व्यतिपातः
	ज्येष्ठ मास
८ मई	कृ, १ शुक्रे अनुरा सूर्यस्य वेधः
९ मई	कृ, २ शनौ मूले केतोर्युतिः
१० मई	कृ, ३ रवौ मूले केतोर्युतिः
११ मई	कृ, ४ चंद्रे उषा. गुरु शनि युति
१२ मई	कृ, ५ भौमे उषा. गुरु शनि युति, मृत्युपञ्चकम्
१७ मई	कृ, १० रवौ उभा. लग्नाऽभावः (सिंहे,तुला, धनुषि, कुंभे, मीने, वृषे)
१८ मई	कृ, ११ चंद्रे उभा. लग्नाऽभावः (वृषे, कर्के, सिंहे)
१८ मई	कृ, ११ चंद्रे रेवत्यां लग्नाऽभावः (तुला., धनुषि, कुंभे, मीने, वृषे)
१९ मई	कृ, १२ भौमे रेवत्यां लग्नाऽभावः (वृषे, कर्के, सिंहे, तुला.)
२४ मई	शु. २ रवौ मृगे बुध शुक्र राहु युति, मृत्युपञ्चकम्
२५ मई	शु. ३ चंद्रे मृगे बुध शुक्र राहु युति
२९ मई	शु. ७ शुक्रे मघा. शुक्रस्य वृद्धत्व दोषः
	आषाढ मास
१३ जून	कृ, ८ शनौ उभा. लग्नाऽभावः (धनुषि,कुंभे, मीने, वृषे), मृत्युपञ्चकम्
१५ जून	कृ, १० चंद्रे रेवत्यां लग्नाऽभावः (कर्के, सिंहे, तुला.)
२५ जून	शु. ४ गुरौ मघा. मृत्युपञ्चकम्
२६ जून	शु. ५ शुक्रे मघा. मृत्युपञ्चकम्
२७ जून	शु. ७ शनौ उफा. लग्नाऽभावः (कुंभे, मेषे)
२८ जून	शु. ८ रवौ उफा. भद्रा दोषः
२८ जून	शु. ८ रवौ हस्ते भौमस्य वेधः
२९ जून	शु. ९ चंद्रे हस्ते भौमस्य वेधः
३० जून	शु. १० भौमे स्वातौ लग्नाऽभावः (मिथुने,कर्के,कन्या, तुला, कुंभे, वृषे)
	कार्तिक मास
२५ नवं.	शु. ११ बुधे उभा. लग्नाऽभावः (कुंभे, मीने)
२५ नवं.	शु. ११ बुधे रेवत्यां भौमस्य युतिः, मृत्युपञ्चकम्
२६ नवं.	शु. १२ गुरौ रेवत्यां भौमस्य युतिः, मृत्युपञ्चकम्
३० नवं.	शु. १५ चंद्रे रोहि. लग्नाऽभावः (धनुषि,कुंभे,वृषे,मिथुने, कर्के, कन्या.)
	मार्गशीर्ष मास
१ दिसं	कृ, १ भौमे मृगे राहोर्युतिः, शनेर्वेधः
२ दिसं	कृ, २ बुधे मृगे राहोर्युतिः, शनेर्वेधः
६ दिसं	कृ, ६ रवौ मघा. वैधृतिः
७ दिसं	कृ, ७ चंद्रे मघा. लग्नाऽभावः (कुंभे, मीने), भद्रा दोषः
८ दिसं	कृ, ८ भौमे उफा. भौमस्य वेधः
९ दिसं	कृ, ९ बुधे उफा. भौमस्य वेधः
९ दिसं	कृ, ९ बुधे हस्ते लग्नाऽभावः (कुंभे, मेषे, मिथुने, कर्के, कन्या.)
१० दिसं	कृ, १० गुरौ हस्ते भद्रा दोषः
११ दिसं	कृ, ११ शुक्रे स्वातौ लग्नाऽभावः (कुंभे,वृषे,मिथुने,कर्के, कन्या., तुला.)

॥ कात्या. विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह दिवसादि विषये "शास्त्रीय स्पष्टता" ॥

	वैशाख मास
१५ अप्रे.	कृ, ८ बुधे श्रवणे भौमस्य युतिः
१६ अप्रे.	कृ, ९ गुरौ श्रवणे भौमस्य युतिः
१६ अप्रे.	कृ, ९ गुरौ धनि. लग्नाऽभावः (धनुषि, मकरे, कुंभे, मेषे)
१७ अप्रे.	कृ, १० शुक्रे धनि. लग्नाऽभावः (मेषे, धनुषि), भद्रा दोषः
५ मई	शु. १३ भौमे चित्रा. लग्नाऽभावः (कन्या., धनुषि, कुंभे)
६ मई	शु. १४ बुधे चित्रा. लग्नाऽभावः (वृषे, कर्के, सिंहे)
	ज्येष्ठ मास
१२ मई	कृ, ५ भौमे श्रवणे मृत्युपञ्चकम्
१३ मई	कृ, ६ बुधे श्रवणे लग्नाऽभावः (वृषे, धनुषि, मकरे, कुंभे), भद्रा दोषः, मृत्युपञ्चकम्
१५ मई	कृ, ८ शुक्रे धनि. भौमस्य युतिः
१९ मई	कृ, १२ भौमे अश्वि. कृष्णानंग चतुर्दिनम्
	आषाढ मास
१० जून	कृ, ५ बुधे श्रवणे शुक्रस्य बालत्व दोषः
१० जून	कृ, ५ बुधे धनि. शुक्रस्य बालत्व दोषः, वैधृतिः
११ जून	कृ, ६ गुरौ धनि. शुक्रस्य बालत्व दोषः
१५ जून	कृ, १० चंद्रे अश्वि. भद्रा दोषः
१६ जून	कृ, १० भौमे अश्वि. लग्नाऽभावः (कर्के,सिंहे, वृश्चिके, कुंभे, मेषे, वृषे), भद्रा दोषः, मृत्युपञ्चकम्
२९ जून	शु. ९ चंद्रे चित्रा. लग्नाऽभावः (कर्के, कन्या., कुंभे, वृषे, मिथुने)
	कार्तिक मास
२६ नवं.	शु. १२ गुरौ अश्वि. व्यतिपातः
२७ नवं.	शु. १२ शुक्रे अश्वि. लग्नाऽभावः (वृश्चिके, कुंभे, मेषे, मिथुने, कर्के)
	मार्गशीर्ष मास
१० दिसं	कृ, १० गुरौ चित्रा. लग्नाऽभावः (कुंभे,मेषे, मिथुने, कर्के,कन्या, तुला)
सन२०२१	**पोष मास**
१५ जन.	शु. २ शुक्रे धनि. गुरोः वृद्धत्व दोषः, मृत्युपञ्चकम्

॥ विवादास्पद गेहारंभ (भूमि पूजन)- दिवसास्तेन शास्त्रार्थः ॥

सन२०२०	**वैशाख मास**
१७ अप्रे.	कृ. १० शुक्रे धनि. भूशयनम्
१७ अप्रे.	कृ. १० शुक्रे शते भूशयनम्
१८ अप्रे.	कृ. ११ शनौ शते लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, सिंहे, कन्या.)
२० अप्रे.	कृ. १३ चंद्रे उभा. लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, सिंहे, कन्या.)
२७ अप्रे.	शु. ०४ चंद्रे मृगे भूशयनम्
३० अप्रे.	शु. ०७ गुरौ पुष्ये लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, सिंहे)
४ मई	शु. ११ चंद्रे उफा. लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, कन्या.), अग्निपंचकः
६ मई	शु. १४ बुधे स्वातौ भूशयनम्
७ मई	शु. १५ गुरौ स्वातौ व्यतिपातः
	ज्येष्ठ मास
८ मई	कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. लग्नाऽभावः (मिथुने, कन्या.)
९ मई	कृ. ०२ शनौ अनुरा. लग्नाऽभावः (वृषे)
११ मई	कृ. ०४ चंद्रे उषा. गुरु शनि युतिः
१६ मई	कृ. ०९ शनौ शते वैधृतिः, भौमस्य युतिः
१८ मई	कृ. ११ चंद्रे उभा. भूशयनम्
१८ मई	कृ. ११ चंद्रे रेवत्यां भूशयनम्
२५ मई	शु. ०३ चंद्रे मृगे बुध राहु युतिः
२७ मई	शु. ०५ बुधे पुष्ये लग्नाऽभावः (मिथुने, सिंहे)
	आषाढ मास
१० जून	कृ. ०५ बुधे धनि. शुक्रस्य बालत्व दोषः, वैधृतिः
११ जून	कृ. ०६ गुरौ शते शुक्रस्य बालत्व दोषः
	श्रावण मास
१७ जुला	कृ. १२ शुक्रे रोहि. लग्नाऽभावः (सिंहे, धनुषि)
१७ जुला	कृ. १२ शुक्रे मृगे राहोर्युतिः
१८ जुला	कृ. १३ शनौ मृगे राहोर्युतिः, शनेर्वेधः, अग्निपंचकः (वृ.च.रहित)
२४ जुला	शु. ०४ शुक्रे उफा. भूशयनम्
२५ जुला	शु. ०५ शनौ उफा. भौमस्य वेधः (वृ.च.रहित)
२९ जुला	शु. १० बुधे अनुरा. लग्नाऽभावः (सिंहे)
३० जुला	शु. ११ गुरौ अनुरा. भूशयनम्
३ अग.	शु. १५ चंद्रे उषा. भद्रा दोषः, शनेर्युतिः
	भाद्रपद मास
५ अग.	कृ. ०२ बुधे धनि. भूशयनम्
५ अग.	कृ. ०२ बुधे शते भूशयनम्
६ अग.	कृ. ०३ गुरौ शते लग्नाऽभावः (सिंहे), अग्निपंचकः
८ अग.	कृ. ०५ शनौ उभा. भूशयनम्
८ अग.	कृ. ०५ शनौ रेवत्यां भौमस्य युतिः, भूशयनम्
१३ अग.	कृ. ०९ गुरौ रोहि. लग्नाऽभावः (धनुषि)
१३ अग.	कृ. ०९ गुरौ मृगे राहोर्युतिः
१४ अग.	कृ. १० शुक्रे मृगे राहोर्युतिः, शनेर्वेधः (वृ.च.रहित)
१५ अग.	कृ. ११ शनौ मृगे राहोर्युतिः, शनेर्वेधः (वृ.च.रहित)
१७ अग.	कृ. १३ चंद्रे पुष्ये व्यतिपातः
२० अग.	शु. ०२ गुरौ उफा. भूशयनम्
२१ अग.	शु. ०३ शुक्रे उफा. लग्नाऽभावः (कन्या., कुंभे)
२२ अग.	शु. ०४ शनौ चित्रा. भूशयनम्
२४ अग.	शु. ०६ चंद्रे स्वातौ भूशयनम्
२९ अग.	शु. ११ शनौ उषा. शनेर्युतिः, राहोर्वेधः
	द्वि.आश्विन मास
१९ अक्टु	शु. ०३ चंद्रे अनुरा. अग्निपंचकः (वृ.च.रहित)
२२ अक्टु	शु. ०६ गुरौ उषा. शनेर्युतिः
२३ अक्टु	शु. ०७ शुक्रे उषा. शनेर्युतिः, भूशयनम्
२६ अक्टु	शु. १० चंद्रे शते सूर्यस्य वेधः
२८ अक्टु	शु. १२ बुधे उभा. अग्निपंचकः
२९ अक्टु	शु. १३ गुरौ उभा. लग्नाऽभावः (धनुषि)
२९ अक्टु	शु. १३ गुरौ रेवत्यां भौमस्य युतिः
	कार्तिक मास
१२ नवं.	कृ. १२ गुरौ हस्ते लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मीने)
१३ नवं.	कृ. १३ शुक्रे चित्रा. लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मीने)
१६ नवं.	शु. ०१ चंद्रे अनुरा. लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मीने)
१९ नवं.	शु. ०५ गुरौ उषा. गुरु शनि युतिः, भूशयनम्
२१ नवं.	शु. ०७ शनौ धनि. भूशयनम्
२५ नवं.	शु. ११ बुधे उभा. लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मीने)
२५ नवं.	शु. ११ बुधे रेवत्यां भौमस्य युतिः
२६ नवं.	शु. १२ गुरौ रेवत्यां भौमस्य युतिः
३० नवं.	शु. १५ चंद्रे रोहि. लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मीने)
	मार्गशीर्ष मास
२ दिसं	कृ. ०२ बुधे मृगे राहोर्युतिः, शनेर्वेधः
५ दिसं	कृ. ०५ शनौ पुष्ये भूशयनम्
१० दिसं	कृ. १० गुरौ हस्ते भद्रा दोषः
१० दिसं	कृ. १० गुरौ चित्रा. लग्नाऽभावः (कुंभे, मीने)
११ दिसं	कृ. ११ शुक्रे चित्रा. लग्नाऽभावः (धनुषि)
११ दिसं	कृ. ११ शुक्रे स्वातौ लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मीने)
सन२०२१	**पोष मास**
१५ जन.	शु. ०२ शुक्रे धनि. गुरोः वृद्धत्व दोषः
१५ जन.	शु. ०२ शुक्रे शते गुरोः वृद्धत्व दोषः
१६ जन.	शु. ०३ शनौ शते गुरोः वृद्धत्व दोषः, व्यतिपातः

॥ विवादास्पद नूतनगृहप्रवेश (वास्तु)- दिवसास्तेन शास्त्रार्थः ॥

सन२०२०	**वैशाख मास**
१५ अप्रे.	कृ. ०८ बुधे उषा. गुरु शनि युतिः
२० अप्रे.	कृ. १३ चंद्रे उभा. लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, सिंहे, कन्या.)
२७ अप्रे.	शु. ०४ चंद्रे मृगे लग्नाऽभावः (कन्या.)
४ मई	शु. ११ चंद्रे उफा. लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, कन्या.)

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२ (सन २०२०-२१) मध्ये विवादास्पद (अशुद्ध) विवाह, गेहारंभ, गृहप्रवेश, देव प्रतिष्ठा-दिवसादि विषये "शास्त्रीय स्पष्टता" ॥

	ज्येष्ठ मास
८ मई	कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. लग्नाऽभावः (मिथुने, कन्या.)
९ मई	कृ. ०२ शनौ अनुरा. लग्नाऽभावः (वृषे)
११ मई	कृ. ०४ चंद्रे उषा. गुरु शनि युतिः
१८ मई	कृ. ११ चंद्रे उभा. लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, सिंहे)
१८ मई	कृ. ११ चंद्रे रेवत्यां लग्नाऽभावः (वृश्चिके)
२५ मई	शु. ०३ चंद्रे मृगे बुध राहु युतिः
	आषाढ़ मास
१५ जून	कृ. १० चंद्रे रेवत्यां लग्नाऽभावः (मिथुने, सिंहे)
१९ जून	कृ. १३ शुक्रे रोहि. शनेर्वेधः

॥ विवादास्पद जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु)-दिवसास्तेन शास्त्रार्थः ॥

सन२०२०	वैशाख मास
१८ अप्रे.	कृ. ११ शनौ शते लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, सिंहे, कन्या.)
३० अप्रे.	शु. ०७ गुरौ पुष्ये लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, सिंहे)
	ज्येष्ठ मास
१५ मई	कृ. ०८ शुक्रे धनि. भौमस्य युतिः
१६ मई	कृ. ०९ शनौ शते वैधृतिः, भौमस्य युतिः
२७ मई	शु. ०५ बुधे पुष्ये लग्नाऽभावः (मिथुने, सिंहे, वृश्चिके)
२८ मई	शु. ०६ गुरौ पुष्ये शुक्रस्य वृद्धत्व दोषः
	आषाढ़ मास
१० जून	कृ. ०५ बुधे धनि. शुक्रस्य बालत्व दोषः, वैधृतिः
११ जून	कृ. ०६ गुरौ धनि. शुक्रस्य बालत्व दोषः
११ जून	कृ. ०६ गुरौ शते शुक्रस्य बालत्व दोषः
१२ जून	कृ. ०७ शुक्रे शते लग्नाऽभावः (वृश्चिके)

	श्रावण मास
८ जुला	कृ. ०३ बुधे धनि. भद्रा दोषः
९ जुला	कृ. ०४ गुरौ शतें लग्नाऽभावः (सिंहे, वृश्चिके)
२७ जुला	शु. ०७ चंद्रे स्वातौ लग्नाऽभावः (धनुषि)
	कार्तिक मास
२१ नवं.	शु. ०७ शनौ धनि. लग्नाऽभावः (कुंभे, मीने)
	मार्गशीर्ष मास
५ दिसं	कृ. ०५ शनौ पुष्ये सूर्यस्य वेधः (कुं.च.रहित)
११ दिसं	कृ. ११ शुक्रे स्वातौ लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मीने)
१९ दिसं	शु. ०५ शनौ धनि. लग्नाऽभावः (धनुषि, कुंभे, मीने, वृषे, मिथुने)
सन२०२१	पोष मास
१५ जन.	शु. ०२ शुक्रे धनि. गुरोः वृद्धत्व दोषः
१५ जन.	शु. ०२ शुक्रे शते गुरोः वृद्धत्व दोषः
१६ जन.	शु. ०३ शनौ शते गुरोः वृद्धत्व दोषः, व्यतिपातः

॥ विवादास्पद देव प्रतिष्ठा-दिवसास्तेन शास्त्रार्थः ॥

सन२०२०	वैशाख मास
२६ अप्रे.	शु. ०३ रवौ रोहि. शनेर्वेधः
२७ अप्रे.	शु. ०४ चंद्रे मृगे लग्नाऽभावः (कन्या.)
२९ अप्रे.	शु. ०६ बुधे पुनर्वसौकेतोर्वेधः
३० अप्रे.	शु. ०७ गुरौ पुष्ये लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने)
४ मई	शु. ११ चंद्रे उफा. लग्नाऽभावः (वृषे, मिथुने, कन्या.)
७ मई	शु. १५ गुरौ स्वातौ व्यतिपातः
	ज्येष्ठ मास
८ मई	कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. लग्नाऽभावः (कन्या.)
९ मई	कृ. ०२ शनौ अनुरा. लग्नाऽभावः (वृषे)
११ मई	कृ. ०४ चंद्रे उषा. गुरु शनि युतिः
१३ मई	कृ. ०६ बुधे श्रवणे सूर्यस्य वेधः
२४ मई	शु. ०२ रवौ मृगे बुध राहु युतिः
२५ मई	शु. ०३ चंद्रे मृगे बुध राहु युतिः
२७ मई	शु. ०५ बुधे पुनर्वसौ केतोर्वेधः
२७ मई	शु. ०५ बुधे पुष्ये लग्नाऽभावः (मिथुने)
२८ मई	शु. ०६ गुरौ पुष्ये शुक्रस्य वृद्धत्व दोषः
	आषाढ़ मास
१० जून	कृ. ०५ बुधे श्रवणे शुक्रस्य बालत्व दोषः
१० जून	कृ. ०५ बुधे धनि. शुक्रस्य बालत्व दोषः, वैधृतिः
११ जून	कृ. ०६ गुरौ धनि. शुक्रस्य बालत्व दोषः
११ जून	कृ. ०६ गुरौ शते शुक्रस्य बालत्व दोषः
२२ जून	शु. ०१ चंद्रे पुनर्वसौ केतोर्वेधः
२४ जून	शु. ०३ बुधे पुष्ये लग्नाऽभावः (मिथुने)
२ जुला	शु. १२ गुरौ अनुरा. लग्नाऽभावः (मिथुने, धनुषि)
	श्रावण मास
६ जुला	कृ. ०१ चंद्रे उषा. गुरु शनि युतिः
८ जुला	कृ. ०३ बुधे धनि. भद्रा दोषः
१० जुला	कृ. ०५ शुक्रे उभा. भौमस्य युतिः
११ जुला	कृ. ०६ शनौ उभा. भौमस्य युतिः
१२ जुला	कृ. ०७ रवौ उभा. भौमस्य युतिः
सन२०२१	पोष मास
१५ जन.	शु. ०२ शुक्रे धनि. गुरोः वृद्धत्व दोषः
१५ जन.	शु. ०२ शुक्रे शते गुरोः वृद्धत्व दोषः
१६ जन.	शु. ०३ शनौ शते गुरोः वृद्धत्व दोषः, व्यतिपातः
	अग्रेऽभावः

यदि लड़के या लड़की का संस्कार काल बीत रहा हो वहाँ गुरुशुद्धि नहीं होने पर भी उपनयन-विवाह कर ही लेना चाहिये । ऐसा वराहमिहिर ने भी कहा है -

पूजाभिलापं प्रति निस्पृहेऽपि
कुर्याद् गुरौ शुद्धिविवर्जितेऽपि ।
वरात्र्यलाभे शुभदं विवाहं
ददन्ति गर्गच्यवनादिमुख्याः ॥'

अनाश्रमी ना तिष्ठेत क्षणमेकमपि द्विजः ।
आश्रमादाश्रमं गच्छेदेष धर्मः सनातनः ॥

इस प्रमाण से अन्य प्रत्येक आश्रमों का आदि और पोषक होने के कारण गृहस्थाश्रम सर्वश्रेष्ठ बताया गया है अतः गृहस्थाश्रम की रक्षा के लिये विवाह करना परमावश्यक होता है ।

अथ विवाहप्रकरणं व्याख्यायते । तत्र विवाहशब्देन पाणिग्रहणाख्यः संस्कारविशेष उच्यते - ते च विवाह अष्टौ । उक्तञ्च मनुना - 'चतुर्णामपि वर्णानां प्रेत्य चेह हिताहितान् । अष्टाविमान्समासेन स्त्रीविवाहान्निबोधत ॥
ब्राह्मो दैवस्तथा चाऽऽर्षः प्राजापत्यस्तथाऽऽसुरः । गान्धर्वो राक्षसश्चैव पैशाचश्चाष्टमोऽधमः ।' इति ।
अष्टविधाविवाहलक्षणानि -

एषां लक्षणान्याह याज्ञवल्क्यः -

१. 'ब्राह्मो विवाह आहूय दीयते शक्त्यलङ्कृता । तज्ञः पुनात्युभयतः पुरुषानेकविंशतिम् ॥
२. यज्ञस्थऋत्विजे दैव (३) आदायार्पस्तु गोद्वयम् । चतुर्दश प्रथमजः पुनात्युत्तरजश्च षट् ॥
४. इत्युक्त्वाचरतां धर्म सह या दीयतेऽर्थिने । स कायः पावयेत्तज्ञः षट् षड्वंश्यान्सहात्मना ॥
५. आसुरो द्रविणादानाद् (६) गान्धर्वः रामयान्मिथः ।
७. राक्षसो युद्धहरणात् (८) पैशाचः कन्यकाछलात् ॥' इति ।

कायः प्राजापत्यः । छलं वंचना ।
एचेषु कालनियमानियमव्यवस्था - .

एषां कालनियममाह नारदः - 'प्राजापत्यब्राह्मादैवविवाहा ऋषिसंज्ञकाः । उक्तकालेषु कर्तव्याश्चत्वारः फलदायकाः ॥ गान्धर्वासुरकपैशाच्यराक्षसास्याश्च सर्वदा ।' इति । अत एव - 'सार्वकालमेके विवाहम् ।' इति गृह्यकारवचनं गान्धर्वादिविवाहविनयम् ।

विवाह प्रकरण की व्याख्या - पाणिग्रहण संस्कार विशेष का नाम विवाह है । विवाह आठ प्रकार के होते हैं - (१) ब्राह्म, (२) दैव, (३) आर्ष, (४) प्राजापत्य, (५) आसुर, (६) गन्धर्व, (७) राक्षस, (८) पैशाच ।

(१) अलंकारादिकों से वर-कन्या का पूजन कर विचारवान् विवेकीवर जो दान स्वरूप में कन्या दान ब्राह्म विवाह है । इससे उत्पन्न प्रजा पूर्वापर की २१ पीढ़ी तक को पवित्र करती है ।

१३ अप्रेल से २७ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीस्स स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	मं	१०	१३	१०	१७	अश्वि	२०	१०	१४	१५	वि	२२	२३	१५	०९	व	१०	१३	१०	१७	३१ ३७	६ ११	६ ५०	२३	३०	१३	मेषे	११।२९।०४।५८	५८।४४
सिंधारा	२	बु	१६	२६	१२	४५	भर	२७	४५	१७	१६	प्री	२४	४९	१६	०६	कौ	१६	२६	१२	४५	४१	१०	५१	२४	१	१४	वृषे २४।०३	०।००।०३।४२	५८।४१
गणगोर	३	गु	२३	०३	१५	२२	कृति	३५	३९	२०	२५	आ	२७	३०	१७	०९	ग	२३	०३	१५	२२	४५	०९	५१	२५	२	१५	वृषे	०।०१।०२।२३	५८।३९
मित्र	४	शु	२९	४१	१८	०१	रोहि	४३	३०	२३	३२	सौ	३०	१२	१८	१३	वि	२९	४१	१८	०१	४९	०८	५२	२६	३	१६	वृषे	०।०२।०१।०२	५८।३७
वज्र	५	श	३५	५४	२०	२९	मृग	५०	५०	२६	२७	शो	३२	३४	१९	०९	व	२	५५	७	१७	५३	०७	५२	२७	४	१७	मिथु. १३।०२	०।०२।५९।३९	५८।३५
ध्वाङ्क्ष	६	र	४१	०७	२२	३३	आर्द्रा	५७	०८	२८	५७	अ	३४	१३	१९	४७	कौ	८	४१	९	३५	५७	०६	५३	२८	५	१८	मिथु.	०।०३।५८।१४	५८।३२
धूम्र	७	सो	४४	५२	२४	०२	पुन	...	...	...	...	सु	३४	४७	२०	००	ग	१३	१४	११	२३	३२ ०१	०५	५४	२९	६	१९	कर्के २४।२६	०।०४।५६।४६	५८।३०
सुस्थिर	८	मं	४६	४२	२४	४५	पुन	१	५५	६	५०	धृ	३३	५६	१९	३९	वि	१६	०४	१२	३०	०४	०४	५४	३०	७	२०	कर्के	०।०५।५५।१६	५८।२८
रामनव	९	बु	४६	२५	२४	३७	पुष्य	४	४६	७	५८	शू	३१	२८	१८	३९	वा	१६	५२	१२	४८	०८	०३	५५	१	८	२१	कर्के	०।०६।५३।४४	५८।२६
अमृत	१०	गु	४३	५७	२३	३७	श्ले	५	३०	८	१४	गं	२७	१६	१६	५७	तै	१५	२९	१२	१४	१२	०२	५५	२	९	२२	सिंहे ८।१४	०।०७।५२।१०	५८।२४
ए.व्र.	११	शु	३९	२८	२१	४९	मघा	४	०७	७	४०	वृ	२१	२४	१४	३५	व	११	५८	१०	४९	१६	०१	५६	३	१०	२३	सिंहे	०।०८।५०।३३	५८।२१
प्र.व्र.	१२	श	३३	११	१९	१७	पूफा	० ५५	४८ ४८	६ २८	३० ३०	ध्रु	१४	०१	११	३७	व	६	३२	८	३७	१९	०१	५६	४	११	२४	कन्या ११।५३	०।०९।४८।५५	५८।१९
मानस	१३	र	२५	२९	१६	११	हस्त	४९	३६	२५	५०	व्या	५ ५६	२० ४०	८ २८	०८ १६	तै	२५	२९	१६	११	२३	००	५७	५	१२	२५	कन्या	०।१०।४७।१४	५८।१७
मुद्गर	१४	सो	१६	४८	१२	४२	चित्रा	४२	३७	२३	०१	व	४५	२६	२४	०९	व	१६	४८	१२	४२	२७	५ ५१	५७	६	१३	२६	तुला. १२।२८	०।११।४५।३१	५८।१५
पूर्णिमा	१५	मं	७	३४	९	००	स्वा	३५	१७	२०	०५	सि	३४	५६	१९	५६	व	७	३४	९	००	३०	५८	५८	७	१४	२७	तुला.	०।१२।४३।४६	५८।१३

[J अशोककलिका प्राशनं,भर.शुक्रः२४।२३ [D शिव पूजन विशेषः, धनि.-४ गुरुः ७।२७ [H १२, १. पूर्णिमा व्रतं, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च [C रविः १७।४७ (सौरः २०।५४). अगस्त्यास्तः १९।३७

केतकी अहर्गणः ३६६० वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०२१

यहॉ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं ।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५). नवरात्रारम्भः,घटस्था., ध्वजारो.,आरोग्य १, B
श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, रमजान ९ [B विद्या १,मेषे अश्वि. F
भ.२८।४२ उ., मन्वादि,मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, A
भ. १८।०१ या., मेषे अश्वि. बुधः २०।३२ [F रविः २५।५७ K
कल्पादि, डोलोत्सवः [K (सौरः २८।४०). मिथुने भौमः २२।४०
स्कन्द षष्ठी व्र. [A गणगौरी पूजा,मनोरथ तृतीया व्र.,सौभाग्य E
भ.२४।०२ उ.,सायन वृषे भानुः २५।५४ [E शयनव्र.,शिवशक्ति पू.
भ.१२।३० या.,भवान्युत्पत्तिः, शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २५।५७ J
श्रीरामनवमी,भा.वैशाखारंभः
भर.बुधः२७।५४
भ.१०।४९ उ. २१।४९ या.,कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, आर्द्रा. भौमः २३।१६
हस्ते रे. ८ IIIIISSIII रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, जैन महावीर जयंती, D
भ.१२।४२ उ.२२।५२ या.,स्वातौ रे.७ IIIISISSII रात्रौ लग्न १०, H
मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं,वैशाख स्नानारंभः,भर. C

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०७।५८

पं. १ चै.शु. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	१०	०	९	१	७
००	००	२४	०१	०४	१८	१९	१९
१०	११	४०	३०	५८	०९	१४	१४
२१	१९	४०	३४	२२	२७	०७	०७
५८	३६	१२१	१०	७४	३	३	३
४३	१०	५०	२७	१४	३६	११	११
अ	मृ	रे	ध	अ	श्र	रो	ज्ये
१	३	३	३	२	३	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
११।२९।१२।११	१ मं	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५४	९।१३	११।३१	१।३६	३।१९	४।४८
००।००।१०।५४	२ बु	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२७	१।३२	३।१५	४।४४
००।०१।०९।३५	३ गु	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।३०	६।४६	९।०५	११।२३	१।२८	३।११	४।४०
००।०२।०८।१४	४ शु	१६	६।०२	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।२०	१।२४	३।०७	४।३६
००।०३।०६।५०	५ श	१७	५।५८	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२२	६।३८	८।५७	११।१६	१।२०	३।०३	४।३२
००।०४।०५।२५	६ र	१८	५।५४	७।३०	९।२६	११।४१	२।०१	४।१८	६।३४	८।५३	११।१२	१।१६	२।५९	४।२८
००।०५।०३।५७	७ चं	१९	५।५०	७।२६	९।२३	११।३७	१।५७	४।१४	६।३०	८।४९	११।०८	१।१२	२।५६	४।२४
००।०६।०२।२७	८ मं	२०	५।४६	७।२२	९।१९	११।३३	१।५३	४।१०	६।२६	८।४५	११।०४	१।०८	२।५२	४।२०
००।०७।००।५४	९ बु	२१	५।४२	७।१८	९।१५	११।२९	१।४९	४।०६	६।२२	८।४१	११।००	१।०४	२।४८	४।१६
००।०७।५९।२०	१० गु	२२	५।३८	७।१४	९।११	११।२५	१।४६	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५६	१।००	२।४४	४।१२
००।०८।५७।४३	११ शु	२३	५।३४	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५२	१२।५७	२।४०	४।०८
००।०९।५६।०४	१२ श	२४	५।३०	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।१०	८।२९	१०।४८	१२।५३	२।३६	४।०४
००।१०।५४।२३	१३ र	२५	५।२६	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।००
००।११।५२।४०	१४ चं	२६	५।२३	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०२	८।२२	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५६
००।१२।५०।५४	१५ मं	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५३

संक्रांति फलम्

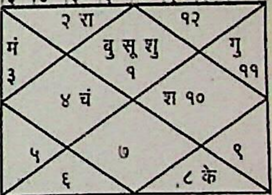
ता. १३ अप्रेल २०२१

चैत्र शु. १ भौमे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।५७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १९।५७ से बुधे ७।५७ तक । (दान- मेष) ।

अयनांशाः २४।०७।५९

पं. २ चै.शु. ९ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	१०	०	९	१	७
०७	०४	०९	०२	१३	१८	१८	१८
००	२४	१५	४१	३७	३२	५१	५१
४५	५४	११	२७	३३	५७	५२	५२
५८	३६	१२७	९	७४	३	३	३
३०	१८	५८	४१	०६	०१	११	११
अ	मृ	अ	ध	भ	श्र	रो	ज्ये
३	४	३	३	१	३	३	१



२८ अप्रेल से ११ मई तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २०२१ यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
क्षयः	१	मं	५८	१०	२९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।५५, अनुसूया जयंती, वृषे B
घाता	२	बु	४९	०५	२५	३५	विशा	२८	०३	१७	१०	व्य	२४	३१	१५	४५	तै	२३	३६	१५	२३	३२/३४	५/४७	६/५९	८	१५	२८	वृश्चि. ११।५३	०।१३।४१।५९	५८।११	बुधोदयः पश्चिमायाम् २२।१२ [B बुधः २८।१४
आनन्द	३	गु	४०	४०	२२	१२	अनु	२१	२०	१४	२८	व	१४	३०	११	४४	व	१४	४७	११	५१	३७	५६	५९	९	१६	२९	वृश्चि.	०।१४।४०।१०	५८।०९	भ. ११।५१ उ. २२।१२ या., कृत्ति. बुधः १२।१०
च.व्र.	४	शु	३३	१४	१९	१३	ज्ये	१५	३०	१२	०७	प	५/५६	११/४७	६/२८	००/३८	व	६	४९	८	३९	४१	५५	७/००	१०	१७	३०	धनु. १२।०७	०।१५।३८।१८	५८।०७	मूले रे. ९ ।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न गोधूलि(७), १०, १२, १, A
गद	५	श	२७	०५	१६	४४	मूल	१०	५२	१०	१५	सि	४९	३४	२५	४४	तै	२७	०५	१६	४४	४४	५४	००	११	१८	१	धनु.	०।१६।३६।२५	५८।०५	मई ५ ता. ३१, कृत्ति. शुक्रः १९।३९
शुभ	६	र	२२	२६	१४	५२	पूषा	७	४१	८	५८	सा	४३	३७	२३	२१	व	२२	२६	१४	५२	४८	५४	०१	१२	१९	२	मक. १४।४५	०।१७।३४।३०	५८।०३	भ.१४।५२ उ. २६।११ या.,उषा.रे. ७ ।ऽ।।।ऽ।।।ऽ रात्रौलग्न १२,१
काण	७	सो	१९	२८	१३	४०	उषा	६	०७	८	२०	शु	३९	०४	२१	३१	व	१९	२८	१३	४०	५१	५३	०१	१३	२०	३	मक.	०।१८।३२।३२	५८।०१	वूढो वास्योड़ो
लुम्बक	८	मं	१८	१३	१३	०९	श्रव	६	१६	८	२२	शु	३५	५४	२०	१४	कौ	१८	१३	१३	०९	५५	५२	०२	१४	२१	४	कुंभे २०।३९	०।१९।३०।३३	५७।५९	पंचक प्रारम्भः २०।३९, वृषे शुक्रः १२।३५
मित्र	९	बु	१८	४३	१३	२०	घनि	८	०७	९	०६	ब्र	३४	०५	१९	२९	ग	१८	४३	१३	२०	५८	५१	०३	१५	२२	५	कुंभे	०।२०।२८।३२	५७।५७	भ. २५।४१ उ.
वज्र	१०	गु	२०	४९	१४	१०	शत	११	३४	१०	२८	ऐ	३३	३०	१९	१५	वि	२०	४९	१४	१०	३३/०४	५१	०३	१६	२३	६	कुंभे	०।२१।२६।२८	५७।५५	भ. १४।१० या., रोहि. बुधः १६।०१
ए.व्र.	११	शु	२४	२०	१५	३४	पूभा	१६	२५	१२	२४	वैं	३३	५७	१९	२५	बा	२४	२०	१५	३४	०५	५०	०४	१७	२४	७	मीने ५।५२	०।२२।२४।२३	५७।५३	उभा. रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न १०, १, वरुथिनि ११ व्र., C
प्र.व्र.	१२	श	२८	५८	१७	२४	उभा	२२	२४	१४	४७	वि	३५	१५	१९	५५	तै	२८	५८	१७	२४	०८	४९	०४	१८	२५	८	मीने	०।२३।२२।१६	५७।५१	प्रदोषः [C टैगोर जयन्ती
प्रवर्धमा	१३	र	३४	२६	१९	३५	रेव	२९	१२	१७	२९	प्री	३७	१०	२०	४०	ग	१	३८	६	२८	११	४९	०५	१९	२६	९	मेषे १७।२९	०।२४।२०।०७	५७।४९	भ. १९।३५ उ., पंचक समाप्तिः १७।२९, मासिकशिवरात्री व्र.
राक्षस	१४	सो	४०	२८	२१	५९	अश्वि	३६	३३	२०	२५	आ	३९	२९	२१	३५	वि	७	२५	८	४६	१४	४८	०५	२०	२७	१०	मेषे	०।२५।१७।५६	५७।४७	भ. ८।४६ या.
अमाव.	३०	मं	४६	४७	२४	३०	मर	४४	१३	२३	२८	सौ	४२	०३	२२	३६	च	१३	३६	११	१४	१७	४७	०६	२१	२८	११	मेषे	०।२६।१५।४३	५७।४५	देवपितृकार्येऽमा., कृत्ति. रविः ११।५८ (सौरः १५।५२)

अयनांशाः २४।०८।००

पं. ३ वै.कृ. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	१०	०	९	१	७
१३	०८	२४	०३	२२	१८	१८	१८
४९	३९	०५	४६	१५	५२	२९	२९
३६	१९	२५	४१	४८	१०	३८	३८
५८	३६	१२३	८	७३	२	३	३
१७	२४	०६	४९	५८	२३	१०	१०
भ	आ	भ	घ	भ	श्र	रो	ज्ये
१	१	४	४	३	३	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१३।४९।०७	२ बु	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
००।१४।४७।१७	३ गु	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२८	१२।३३	२।१६	३।४५
००।१५।४५।२६	४ शु	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२४	१२।२९	२।१२	३।४१
००।१६।४३।३२	५ श	१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२०	१२।२५	२।०८	३।३७
००।१७।४१।३७	६ र	२	४।५९	६।३५	८।३१	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१७	१२।२१	२।०४	३।३३
००।१८।३९।३९	७ चं	३	४।५५	६।३१	८।२७	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१३	१२।१७	२।००	३।२९
००।१९।३७।३९	८ मं	४	४।५१	६।२७	८।२३	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०९	१२।१३	१।५६	३।२५
००।२०।३५।३८	९ बु	५	४।४७	६।२३	८।१९	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२७	७।४६	१०।०५	१२।०९	१।५३	३।२१
००।२१।३३।३४	१० गु	६	४।४३	६।१९	८।१६	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०५	१।४९	३।१७
००।२२।३१।२९	११ शु	७	४।३९	६।१५	८।१२	१०।२६	१२।४६	३।०३	५।१९	७।३८	९।५७	१२।०१	१।४५	३।१३
००।२३।२९।२१	१२ श	८	४।३५	६।११	८।०८	१०।२२	१२।४३	२।५९	५।१५	७।३४	९।५३	११।५७	१।४१	३।०९
००।२४।२७।१२	१३ र	९	४।३१	६।०७	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५५	५।११	७।३०	९।४९	११।५३	१।३७	३।०५
००।२५।२५।०१	१४ चं	१०	४।२७	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५१	५।०७	७।२६	९।४५	११।५०	१।३३	३।०१
००।२६।२२।४८	३० मं	११	४।२३	६।००	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०३	७।२२	९।४१	११।४६	१।२९	२।५७

संक्रांति फलम्

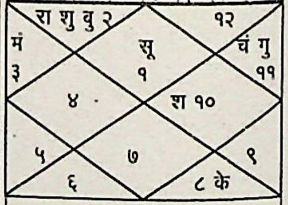
ता. १४ मई २०२१

वैशा. शु. ३ भृगौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।५० वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।२६ से २२।५० तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २४।०८।०१

पं. ४ वै.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	१	१०	१	९	१	७
२०	१२	०७	०४	००	१९	१८	१८
३६	५४	३४	४५	५३	०६	०७	०७
५९	२७	१७	४५	१२	५५	२३	२३
५८	३६	१०३	७	७३	१	३	३
०५	३०	२२	५४	५१	४४	११	११
भ	आ	कृ	घ	कृ	श्र	रो	ज्ये
३	२	४	४	२	३	३	१



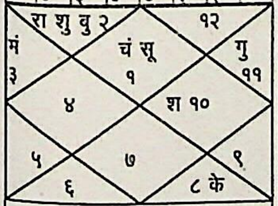
अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

१२ मई से २६ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः ३६८९ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २०२१

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सिद्धि	१	बु	५३	१३	२७	०४	कृति	५१	५९	२६	३४	शो	४४	४२	२३	३९	किं	२०	००	१३	४७	३३/२०	५/५७	७/०७	२२	२९	१२	वृषे ६।१५	०।२७।१३।२९	५७।४४	रोहि. शुक्रः १५।३७
उत्पात	२	गु	५९	३१	२९	३४	रोहि	५९	३९	२९	३७	अ	४७	१७	२४	४१	बा	२६	२४	१६	१९	२३	४६	०७	२३	३०	१३	वृषे	०।२८।११।१२	५७।४२	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), शिवाजी जयंती
अक्षया	३	शु	...	...	...	...	मृग	...	...	...	...	सु	४९	३६	२५	३६	तै	३२	३२	१८	४६	२६	४५	०८	२४	१	१४	मिथु. १९।०६	०।२९।०८।५४	५७।४०	युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, B
वज्र	३	श	५	२५	७	५५	मृग	६	५७	८	३२	धृ	५१	२६	२६	११	ग	५	२५	७	५५	२९	४५	०८	२५	२	१५	मिथु.	१।००।०६।३४	५७।३८	भ.२१।०० उ. [B सव्वाल १०, वृषे रविः २२।५० (सौरः २७।०१)
ध्वाङ्क्ष	४	र	१०	३५	९	५८	आर्द्रा	१३	३०	११	०८	शू	५२	३१	२६	४५	वि	१०	३५	९	५८	३२	४४	०९	२६	३	१६	मिथु.	१।०१।०४।१३	५७।३७	भ. ९।५८ या., पुन. भौमः २१।०२, मृगे बुधः ९।५७
धूम्र	५	सो	१४	३७	११	३५	पुन	१८	५८	१३	१९	गं	५२	३२	२६	४४	बा	१४	३७	११	३५	३४	४४	०९	२७	४	१७	कर्के ६।४९	१।०२।०१।५०	५७।३५	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
प्रवर्धमा	६	मं	१७	१०	१२	३५	पुष्य	२२	५८	१४	५४	वृ	५१	१६	२६	१४	तै	१७	१०	१२	३५	३७	४३	१०	२८	५	१८	कर्के	१।०२।५९।२५	५७।३३	श्री रामानुज जयंती [C मिथुने बुधः २४।४९
राक्षस	७	बु	१७	५८	१२	५४	श्ले	२५	१५	१५	४९	ध्रु	४८	३२	२५	०७	व	१७	५८	१२	५४	४०	४३	११	२९	६	१९	सिंहे १५।४९	१।०३।५६।५८	५७।३२	भ. १२।५४ उ. २४।४६ या., गंगोत्पत्ति
मुसल	८	गु	१६	५१	१२	२७	मघा	२५	३९	१५	५८	व्या	४४	१७	२३	२५	व	१६	५१	१२	२७	४२	४२	११	३०	७	२०	सिंहे	१।०४।५४।३०	५७।३०	सायन मिथुने भानुः २४।५९ [D शनिः २५।३६
सिद्धि	९	शु	१३	४९	११	१४	पूफा	२४	११	१५	२२	ह	३८	३१	२१	०६	कौ	१३	४९	११	१४	४५	४२	१२	३१	८	२१	कन्या २१।०७	१।०५।५२।००	५७।२९	उफा. रे. ६ SSIIISISII रात्रौ लग्न १०, सीता ९
उत्पात	१०	श	९	००	९	१८	उफा	२०	५७	१४	०४	व	३१	२०	१८	१३	ग	९	००	९	१८	४७	४१	१२	१	९	२२	कन्या	१।०६।४९।२९	५७।२७	भ. २०।०५ उ., भा. ज्येष्ठारंभः, शत.-१ गुरुः ५।५३
ए.व्र.	११	र	२	३६	६	४४	हस्त	१६	१२	१२	१०	सि	२२	५८	१४	५२	वि	२	३६	६	४४	५०	४१	१३	२	१०	२३	तुला. २३।०१	१।०७।४६।५६	५७।२६	भ. ६।४४ या., मोहिनी ११ व्र., मृगे शुक्रः १२।१६, वक्री D
क्षयः	१२	र	५४	५४	२७	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं
प्र.व्र.	१३	सो	४६	१७	२४	११	चित्रा	१०	१५	९	४७	व्य	१३	३८	११	०८	कौ	२०	४२	१३	५७	५२	४१	१३	३	११	२४	तुला.	१।०८।४४।२२	५७।२४	स्वातौ रे. ७ ISISIISIII रात्रौ लग्न १०, १, प्रदोषः
ध्वजा	१४	मं	३७	०७	२०	३१	स्वा	३/५६	२८/५४	७/२८	०४/४०	व	३/५३	३९/५६	७/२६	०८/५९	ग	११	४५	१०	२२	५४	४०	१४	४	१२	२५	वृश्चि. २२।५४	१।०९।४१।४६	५७।२३	भ.२०।३१ उ., नृसिंह १४, रोहि. रविः ८।१२ (सौरः १३।१८), C
पूर्णिमा	१५	बु	२७	४५	१६	४६	अनु	४९	००	२५	१६	शि	४२	५२	२२	४९	वि	२	२६	६	३८	५६	४०	१५	५	१३	२६	वृश्चि.	१।१०।३९।०९	५७।२१	भ. ६।३८ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यज्च, A

अयनांशाः २४।०८।०२

पं. ५ वै.शु. १ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	१	१०	१	९	१	७
२७	१७	१८	०५	०९	१९	१७	१७
२३	१०	२२	३८	२९	१७	४५	४५
०१	१४	११	०३	४४	००	०८	०८
५७	३६	७७	६	७३	१	३	३
५४	३५	३९	५४	४४	०४	११	११
कृ	आ	रो	ध	कृ	श्र	रो	ज्ये
१	४	३	४	४	३	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२७।२०।३३	१ बु	१२	४।१९	५।५६	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४४	४।५९	७।१९	९।३७	११।४२	१।२५	२।५३
००।२८।१८।१६	२ गु	१३	४।१६	५।५२	७।४८	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५५	७।१५	९।३३	११।३८	१।२१	२।५०
००।२९।१५।५८	३ शु	१४	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५२	७।११	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०१।००।१३।३८	३ श	१५	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४८	७।०७	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०१।०१।११।१६	४ र	१६	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०१।०२।०८।५२	५ चं	१७	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१७	११।२२	१।०५	२।३४
०१।०३।०६।२७	६ मं	१८	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१३	११।१८	१।०१	२।३०
०१।०४।०४।००	७ बु	१९	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	११।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।१०	११।१४	१२।५७	२।२६
०१।०५।०१।३२	८ गु	२०	३।४८	५।२४	७।२०	९।३५	११।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०६	११।१०	१२।५३	२।२२
०१।०५।५९।०२	९ शु	२१	३।४४	५।२०	७।१६	९।३१	११।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०२	११।०६	१२।४९	२।१८
०१।०६।५६।३०	१० श	२२	३।४०	५।१६	७।१२	९।२७	११।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५८	११।०२	१२।४६	२।१४
०१।०७।५३।५७	११ र	२३	३।३६	५।१२	७।०९	९।२३	११।४३	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५८	१२।४२	२।१०
०१।०८।५१।२३	१३ चं	२४	३।३२	५।०८	७।०५	९।१९	११।३९	१।५६	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५४	१२।३८	२।०६
०१।०९।४८।४७	१४ मं	२५	३।२८	५।०४	७।०१	९।१५	११।३६	१।५२	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५०	१२।३४	२।०२
०१।१०।४६।०९	१५ बु	२६	३।२४	५।००	६।५७	९।१२	११।३२	१।४८	४।०४	६।२३	८।४२	१०।४६	१२।३०	१।५८

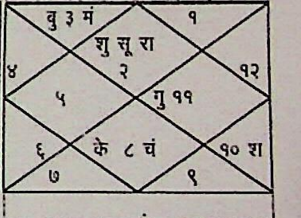
अयनांशाः २४।०८।०३

पं. ६ वै.शु. ७ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	१	१०	१	९	१	७
०४	२१	२६	०६	१८	१९	१७	१७
०७	२६	०१	२३	०५	२२	२२	२२
५०	३६	१७	०२	२९	२१	५४	५४
५७	३६	४८	५	७३	०	३	३
४४	४०	३९	४८	३७	२२	११	११
कृ	पुन	मृ	ध	रो	श्र	रो	ज्ये
३	१	१	४	३	३	३	१



अयनांशाः २४।०८।०४

पं. ७ वै.शु.१५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	२	१०	१	९	१	७
१०	२५	००	०७	२६	१९	१७	१७
५१	४३	०४	००	४०	२२	००	००
३२	३२	०८	१२	२७	५५	३८	३८
५७	३६	१५	४	७३	०	३	३
३५	४५	३२	३८	३०	१८	११	११
रो	पुन	मृ	श	मृ	श्र	रो	ज्ये
१	२	३	१	२	३व	३	१



अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

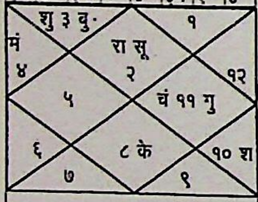
२७ मई से १० जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २०२१

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
काल	१	गु	१८	३७	१३	०६	ज्ये	४२	०८	२२	३१	सि	३२	४५	१८	४६	कौ	१८	३७	१३	०६	३३ ५८	५ ४०	७ १५	६	१४	२७	धनु. २२।३१	१।११।३६।३०	५७।२०	[B राहुः १७।३१, अनु.-४ केतुः १७।३१
सुस्थिर	२	शु	१०	०५	९	४१	मूल	३६	०३	२०	०४	सा	२३	१४	१४	५७	ग	१०	०५	९	४१	३४ ००	३९	१६	७	१५	२८	धनु.	१।१२।३३।५०	५७।१९	भ. २०।०७ उ., नारद जयंती, वीणादानं, मिथुने शुक्रः २२।४९
च.व्र.	३	श	२	२९	६	३९	पूषा	३१	०६	१८	०५	शु	१४	३४	११	२९	वि	२	२९	६	३९	०२	३९	१६	८	१६	२९	मक. २३।४१	१।१३।३१।०९	५७।१७	भ. ६।३९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४१
क्षयः	४	श	५६	१२	२८	०८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A भाऊका ३०
अमृत	५	र	५१	३२	२६	१६	उषा	२७	३८	१६	४२	शु	७	०३	८	२८	कौ	२३	३९	१५	०६	०४	३९	१७	९	१७	३०	मक.	१।१४।२८।२६	५७।१६	वक्री बुधः १२।१३
सिद्धि	६	सो	४८	४२	२५	०७	श्रव	२५	५४	१६	००	व्र	० ५६	५४ ५५	६ २८	०० ०९	ग	१९	५२	१३	३६	०६	३९	१७	१०	१८	३१	कुंभे २७।५७	१।१५।२५।४२	५७।१५	भ. २५।०७ उ., पंचक प्रारम्भः २७।५७
उत्पात	७	मं	४७	५०	२४	४६	धनि	२६	०६	१६	०५	वै	५३	१३	२६	५६	वि	१८	०१	१२	५१	०८	३८	१८	११	१९	१	कुंभे	१।१६।२२।५७	५७।१४	भ. १२।५१ या., जून ६ ता. ३०, कर्के भौमः २८।५९, रोहि.-२ B
मानस	८	बु	४८	५८	२५	१३	शत	२८	१५	१६	५६	वि	५१	४५	२६	२०	बा	१८	१०	१२	५४	०९	३८	१८	१२	२०	२	कुंभे	१।१७।२०।११	५७।१३	(व) वृषे बुधः २८।०४, बुधास्तः पश्चिमायाम् १४।२८
मुद्गर	९	गु	५१	५५	२६	२४	पूभा	३२	१६	१८	३३	प्री	५१	४२	२६	१९	तै	२०	१३	१३	४३	११	३८	१९	१३	२१	३	मीने १२।०५	१।१८।१७।२३	५७।११	आर्द्रा. शुक्रः ९।३३
ध्वजा	१०	शु	५६	२४	२८	१२	उभा	३७	५२	२०	४७	आ	५२	४९	२६	४६	व	२३	५९	१५	१४	१३	३८	१९	१४	२२	४	मीने	१।१९।१४।३५	५७।१०	भ. १५।१४ उ. २८।१२ या.
धाता	११	श	...	...	...	...	रेव	४४	४०	२३	३०	सौ	५४	५०	२७	३४	ब	२९	०६	१७	१६	१४	३८	१९	१५	२३	५	मेषे २३।३०	१।२०।११।४५	५७।०९	रेवत्यां रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), ९, C
ए.व्र.	११	र	२	००	६	२६	अश्वि	५२	११	२६	३०	शो	५७	२१	२८	३४	बा	२	००	६	२६	१५	३८	२०	१६	२४	६	मेषे	१।२१।०८।५४	५७।०८	अपरा ११ व्र. [C पंचक समाप्तिः २३।३०
प्र.व्र.	१२	सो	८	१३	८	५५	भर	६०	००	२९	३८	अ	...	...	...	...	तै	८	१३	८	५५	१७	३८	२०	१७	२५	७	मेषे	१।२२।०६।०२	५७।०७	प्रदोषः, पुष्ये भौमः १५।१३
गद	१३	मं	१४	४०	११	२९	कृति	...	...	...	...	अ	०	०५	५	४०	व	१४	४०	११	२९	१८	३८	२१	१८	२६	८	वृषे १२।२४	१।२३।०३।१०	५७।०६	भ. ११।२९ उ. २४।४५ या., मासिकशिवरात्री व्र., मृगे रविः D
सिद्धि	१४	बु	२०	५६	१४	००	कृति	७	४४	८	४३	सु	२	४५	६	४४	श	२०	५६	१४	००	१९	३८	२१	१९	२७	९	वृषे	१।२४।००।१६	५७।०५	वट सावित्री व्र. (मरु.) [D ६।०६ (सौरः १२।४२)
अमाव.	३०	गु	२६	४८	१६	२१	रोहि	१५	०८	११	४१	धृ	५	१०	७	४२	ना	२६	४८	१६	२१	२०	३८	२२	२०	२८	१०	मिथु. २५।०५	१।२४।५७।२१	५७।०४	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २४।०८।०५

पं. ८ ज्ये.कृ. ८ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	२	१०	२	९	१	७
१७	००	००	०७	०५	१९	१६	१६
३४	०१	१४	२९	१४	१८	३८	३८
१८	०१	४३	००	३९	४२	२४	२४
५७	३६	१५	३	७३	०	३	३
२८	५०	४५	२४	२३	५९	११	११
रो	पुन	मृ	श	मृ	श्र	रो	अनु
३	४	३व	१	४	३व	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्रौ	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।११।४३।३०	१ गु	२७	३।२०	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४४	४।००	६।११	८।३८	१०।४३	१२।२६	१।५४
०१।१२।४०।५०	२ शु	२८	३।१६	४।५३	६।४९	९।०४	११।२४	१।४१	३।५६	६।१५	८।३४	१०।३९	१२।२२	१।५०
०१।१३।३८।०९	३ श	२९	३।१२	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३७	३।५२	६।१२	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४६
०१।१४।३५।२६	५ र	३०	३।०९	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४८	६।०८	८।२६	१०।३१	१२।१४	१।४३
०१।१५।३२।४२	६ चं	३१	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४५	६।०४	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३९
०१।१६।२९।५६	७ मं	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४१	६।००	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०१।१७।२७।१०	८ बु	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०१।१८।२४।२२	९ गु	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।१०	१०।१५	११।५८	१।२७
०१।१९।२१।३३	१० शु	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०६	१०।११	११।५४	१।२३
०१।२०।१८।४३	११ श	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०३	१०।०७	११।५०	१।१९
०१।२१।१५।५२	११ र	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५९	१०।०३	११।४६	१।१५
०१।२२।१३।००	१२ चं	७	२।३७	४।१३	६।०९	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५५	९।५९	११।४२	१।११
०१।२३।१०।०७	१३ मं	८	२।३३	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५१	९।५५	११।३८	१।०७
०१।२४।०७।१३	१४ बु	९	२।२९	४।०५	६।०२	८।१६	१०।३६	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	११।३५	१।०३
०१।२५।०४।१८	३० गु	१०	२।२५	४।०१	५।५८	८।१२	१०।३२	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४७	११।३१	१२।५९

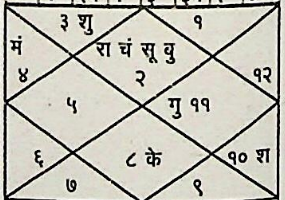
मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। चन्द्रजीवौयदापंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ कृष्णा प्रतिपदा को वृहस्पतिवार होने से समर्धता हो। कृष्णा एकादशी में रेवती होने से खण्ड वृष्टि हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या रोहिणी योग सुभिक्ष और सुखद है। सुदी दोयज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करें। पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओ के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०८।०६

पं. ९ ज्ये.कृ.१४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	१०	२	९	१	७
२४	०४	२७	०७	१३	१९	१६	१६
१६	१९	२१	४९	४८	०९	१६	१६
१६	०३	१४	०१	०२	५२	०८	०८
५७	३६	३२	२	७३	१	३	३
२२	५४	५७	०७	१६	३८	११	११
मृ	पु	मृ	श	आ	श्र	रो	अनु
१	१	२व	१	३	३व	२	४



॥ अष्टसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७८), आनन्दनाम संवत्सरे, त्रिचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४३) ॥

अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

११ जून से २४ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, क्रिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	शु	३२	०६	१८	२८	मृग	२१	५९	१४	२५	शू	७	११	८	३०	व	३२	०६	१८	२८	३४/२१	५/३८	७/२२	२१	२९	११	मिथु.	१।२५।५४।२६	५७।०४
मुद्गर	२	श	३६	३६	२०	१६	आर्द्रा	२८	०८	१६	५३	गं	८	३९	९	०५	बा	४	२७	७	२५	२२	३८	२२	२२	१	१२	मिथु.	१।२६।५१।२९	५७।०३
ध्वजा	३	र	४०	०८	२१	४१	पुन	३३	२१	१८	५८	वृ	९	२७	९	२४	तै	८	३०	९	०२	२२	३८	२३	२३	२	१३	कर्क १२।२९	१।२७।४८।३२	५७।०२
धाता	४	सो	४२	३०	२२	३८	पुष्य	३७	२७	२०	३७	ध्रु	९	२४	९	२३	व	११	२८	१०	१३	२३	३८	२३	२४	३	१४	कर्क	१।२८।४५।३४	५७।०१
आनन्द	५	मं	४३	३०	२३	०२	श्ले	४०	१६	२१	४४	व्या	८	२२	८	५९	व	१३	१०	१०	५४	२४	३८	२३	२५	४	१५	सिंहे २१।४४	१।२९।४२।३५	५७।००
चर	६	बु	४३	०४	२२	५२	मघा	४१	३९	२२	१८	ह	६	१५	८	०८	कौ	१३	२८	११	०१	२४	३८	२४	२६	५	१६	सिंहे	२।००।३९।३५	५७।००
गद	७	गु	४१	०८	२२	०५	पूफा	४१	३४	२२	१६	व	२/५८	५७/२७	६/२९	४९/०१	ग	१२	१७	१०	३३	२४	३८	२४	२७	६	१७	कन्या २८।१०	२।०१।३६।३५	५६।५९
शुभ	८	शु	३७	४२	२०	४३	उफा	४०	००	२१	३८	व्य	५२	४७	२६	४५	वि	९	३६	९	२९	२५	३८	२४	२८	७	१८	कन्या	२।०२।३३।३४	५६।५९
मृत्यु	९	श	३२	५४	१८	४८	हस्त	३७	०५	२०	२८	व	४६	००	२४	०२	बा	५	२७	७	४९	२५	३८	२४	२९	८	१९	कन्या	२।०३।३०।३३	५६।५८
गंगा	१०	र	२६	५१	१६	२३	चित्रा	३२	५५	१८	४९	प	३८	१४	२०	५६	तै	०	०१	५	३९	२५	३९	२५	३०	९	२०	तुला. ७।४२	२।०४।२७।३१	५६।५७
ए.व्र.	११	सो	१९	४६	१३	३३	स्वा	२७	४५	१६	४५	शि	२९	३९	१७	३०	वि	१९	४६	१३	३३	२५	३९	२५	३१	१०	२१	तुला.	२।०५।२४।२८	५६।५७
प्र.व्र.	१२	मं	११	५४	१०	२५	विशा	२१	४९	१४	२३	सि	२०	२६	१३	४९	बा	११	५४	१०	२५	२५	३९	२५	१	११	२२	वृश्चि. ९।००	२।०६।२१।२५	५६।५७
सौम्य	१३	बु	३	३०	७	०३	अनु	१५	२६	११	५०	सा	१०	४९	९	५९	तै	३	३०	७	०३	२५	३९	२५	२	१२	२३	वृश्चि.	२।०७।१८।२२	५६।५६
क्षयः	१४	बु	५४	५६	२७	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	गु	४६	२९	२४	१५	ज्ये	८	५५	९	१४	शु	१/५१	०६/३२	६/२६	०६/१७	वि	२०	४०	१३	५६	२५	४०	२५	३	१३	२४	धनु. ९।१४	२।०८।१५।१८	५६।५६

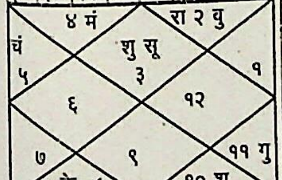
केतकी अहर्गणः ३७१९ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है। चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री D जिल्काद ११ [D गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा. रंभां व्रतं, प्रताप जयंती [C व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः भ.१०।१३ उ. २२।३८ या., मिथुने रविः २९।३१, पुन. शुक्रः ७।३२ मिथुने सौरः १२।५८ (व) रोहि. बुधः २०।२१ [G अनावृष्टिः भ. २२।०५ उ. [E ७।५५, सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन जम्बूक G भ. ९।२९ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती [F अयन करिदिन [B १३।२९, बुधोदयः पूर्वस्याम् २०।३८, कर्के शुक्रः १२।३३, F भ. २७।०१ उ., स्वातौ रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।। रात्रौ लग्न १२, H भ. १३।३३ या., निर्जला ११ व्र., आर्द्रा. रविः २९।०८, सायन A प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. सौरः B भ. २७।३८ उ., मार्गी बुधः २१।५६ [H गंगा दशहरा व्र. [A कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ ८।५८, वक्री गुरुः E भ.१३।५६ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं,अब्द साध्य C

अयनांशाः २४।०८।०७

पं.१० ज्ये.शु. ६ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	१०	२	९	१	७
००	०८	२३	०७	२२	१८	१५	१५
५७	३७	३६	५९	२०	५६	५३	५३
३६	३९	०७	५३	३२	३३	५३	५३
५७	३६	२६	०	७३	२	३	३
१८	५९	१७	४७	०८	१५	११	११
मृ	पु	मृ	श	पुन	श्र	रो	अनु
३	२.	१व	१	१	३व	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।२६।०१।२३	१ शु	११	२।२१	३।५७	५।५४	८।०८	१०।२९	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४३	११।२७	१२।५५
०१।२६।५८।२६	२ श	१२	२।१७	३।५३	५।५०	८।०४	१०।२५	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३५	९।३९	११।२३	१२।५१
०१।२७।५५।२८	३ र	१३	२।१३	३।५०	५।४६	८।०१	१०।२१	१२।३७	२।५३	५।१२	७।३१	९।३६	११।१९	१२।४७
०१।२८।५२।३०	४ चं	१४	२।०९	३।४६	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।४९	५।०८	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४३
०१।२९।४९।३१	५ मं	१५	२।०५	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२३	९।२८	११।११	१२।३९
०२।००।४६।३२	६ बु	१६	२।०२	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३५
०२।०१।४३।३१	७ गु	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३२
०२।०२।४०।३०	८ शु	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३४	४।५३	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०२।०३।३७।२९	९ श	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०२।०४।३४।२६	१० र	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०३	९।०८	१०।५१	१२।२०
०२।०५।३१।२४	११ चं	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	६।५९	९।०४	१०।४७	१२।१६
०२।०६।२८।२१	१२ मं	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५५	९।००	१०।४३	१२।१२
०२।०७।२५।१७	१३ बु	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५२	८।५६	१०।३९	१२।०८
०२।०८।२२।१३	१५ गु	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४८	८।५२	१०।३५	१२।०४

संक्रांति फलम्

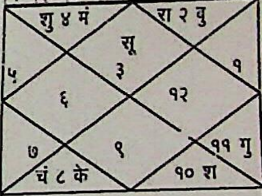
ता. १४ जून २०२१

ज्ये. शु. ४ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।३१ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २९।३१ से भौमे ११।५५ तक । (दान- वस्त्रान्न) ।

अयनांशाः २४।०८।०८

पं.११ ज्ये.शु.१३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	१०	३	९	१	७
०७	१२	२१	०८	००	१८	१५	१५
३८	५६	४६	०१	५२	३९	३१	३१
२८	५१	५०	२३	०१	०६	३७	३७
५७	३७	१	०	७२	२	३	३
१४	०५	३३	३४	५९	४९	११	११
आ	पु	रो	श	पुन	श्र	रो	अनु
१	३	४	१व	४	३व	२	४



॥ अष्टसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७८), आनन्दनाम संवत्सरे, त्रिचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४३) ॥

☞ अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

२५ जून से १० जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक	वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २०२१
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.१	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर·र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सुस्थिर	१	शु	३८	३४	२१	०६	मूल	२/५७	३९/३२	६/२८	४४/३९	ब्र	४२	२७	२२	३९	बा	१२	२६	१०	३८	३४/२४	५/४०	७/२६	४	१४	२५	धनु.	२।०९।१२।१४	५६।५५	पुष्ये शुक्रः ६।२०
राक्षस	२	श	३१	३२	१८	१७	उषा	५२	२७	२६	३९	ऐ	३४	०६	१९	१९	तै	४	५५	७	३८	२४	४०	२६	५	१५	२६	मक. ९।५९	२।१०।०९।०९	५६।५५	भ. २९।०३ उ.
च.व्र.	३	र	२५	४६	१५	५९	श्रव	४९	१५	२५	२३	वै	२६	५०	१६	२५	वि	२५	४६	१५	५९	२३	४०	२६	६	१६	२७	मक.	२।११।०६।०४	५६।५५	भ. १५।५९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१०
शुभ	४	सो	२१	३६	१४	१९	घनि	४७	४८	२४	४८	वि	२०	५३	१४	०२	बा	२१	३६	१४	१९	२३	४१	२६	७	१७	२८	कुंभे १३।००	२।१२।०२।५९	५६।५५	पंचक प्रारम्भः १३।००
मृत्यु	५	मं	१९	१८	१३	२४	शत	४८	१७	२५	००	प्री	१६	२७	१२	१६	तै	१९	१८	१३	२४	२२	४१	२६	८	१८	२९	कुंभे	२।१२।५९।५४	५६।५४	श्लेषा. भौमः ६।००, मृगे बुधः ११।५१ [C लग्न १, ३
पद्म	६	बु	१९	०४	१३	१९	पूभा	५०	४८	२६	०१	आ	१३	३९	११	०९	व	१९	०४	१३	१९	२१	४१	२६	९	१९	३०	मीने १९।४१	२।१३।५६।४८	५६।५४	भ. १३।१९ उ. २५।३५ या., उभा. रे. ७ SIIISISII रात्रौ C
छत्र	७	गु	२०	५३	१४	०३	उभा	५५	१५	२७	४८	सौ	१२	२९	१०	४१	ब	२०	५३	१४	०३	२०	४२	२६	१०	२०	१	मीने	२।१४।५३।४३	५६।५४	उभा. रे. ७ SIIISISII रात्रौ लग्न १, रेवत्यां रे. ७ SIIIIISIS B
श्रीवत्स	८	शु	२४	३३	१५	३१	रेव	...	...	...	...	शो	१२	४८	१०	४९	कौ	२४	३३	१५	३१	२०	४२	२६	११	२१	२	मीने	२।१५।५०।३७	५६।५४	रेवत्यां रे. ६ SIIIISSIS रात्रौ लग्न १
धाता	९	श	२९	४२	१७	३६	रेव	१	१९	६	१४	अ	१४	१९	११	२६	ग	२९	४२	१७	३६	१८	४३	२६	१२	२२	३	मेषे ६।१४	२।१६।४७।३१	५६।५४	पंचक समाप्तिः ६।१४ [B रात्रौ लग्न ३, जुलाई ७ ता. ३१
आनन्द	१०	र	३५	४९	२०	०३	अश्वि	८	३३	९	०८	सु	१६	४२	१२	२४	व	२	४१	६	४७	१७	४३	२६	१३	२३	४	मेषे	२।१७।४४।२५	५६।५४	भ. ६।४७ उ. २०।०३ या.
ए.व्र.	११	सो	४२	१५	२२	३८	भर	१६	२१	१२	१६	धृ	१९	२६	१३	३०	व	९	०२	९	२०	१६	४३	२६	१४	२४	५	वृषे १९।०३	२।१८।४१।२०	५६।५४	योगिनी ११ व्र., पुन. रविः २८।४५, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन A
गद	१२	मं	४८	३०	२५	०८	कृति	२४	०९	१५	२३	शू	२२	०९	१४	३५	कौ	१५	२६	११	५४	१५	४४	२६	१५	२५	६	वृषे	२।१९।३८।१४	५६।५४	पुन. सौरः १४।५५, श्लेषा. शुक्रः ६।०९ [A मूषक वर्षाश्रेष्ठः
प्र.व्र.	१३	बु	५४	०७	२७	२३	रोहि	३१	२८	१८	१९	गं	२४	३१	१५	३३	ग	२१	२४	१४	१८	१४	४४	२६	१६	२६	७	वृषे	२।२०।३५।०८	५६।५४	भ. २७।२३ उ., प्रदोषः, मिथुने बुधः १२।१२
मृत्यु	१४	गु	५८	५१	२९	१७	मृग	३८	००	२०	५७	वृ	२६	१७	१६	१५	वि	२६	३५	१६	२३	१२	४५	२६	१७	२७	८	मिथु. ७।४१	२।२१।३२।०३	५६।५५	भ. १६।२३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
पद्म	३०	शु	...	...	...	...	आर्द्रा	४३	३४	२३	११	ध्रु	२७	१७	१६	४०	च	३०	४९	१८	०५	११	४५	२५	१८	२८	९	मिथु.	२।२२।२८।५७	५६।५५	पितृकार्येऽमा.
अमाव.	३०	श	२	३०	६	४६	पुन	४८	०५	२४	५९	व्या	२७	२७	१६	४४	ना	२	३०	६	४६	०९	४६	२५	१९	२९	१०	कर्के १८।३५	२।२३।२५।५२	५६।५५	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०८।०९

।। दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ।। स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ।।

पं.१२ आ.कृ. ६ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	१०	३	९	१	७
१४	१७	२३	०७	०९	१८	१५	१५
१९	१६	४३	५३	२२	१७	०९	०९
०४	४१	४५	२४	२२	५३	२१	२१
५७	३७	३६	१	७२	३	३	३
१३	१०	५७	५४	४८	१९	११	११
आ	श्ले	मृ	श	पु	श्र	रो	अनु
३	१	१	१व	२	३व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०९।१९।०९	१ शु	२५	१।२६	३।०२	४।५८	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४४	८।४८	१०।३१	१२।००
०२।१०।१६।०४	२ श	२६	१।२२	२।५८	४।५५	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२८	११।५६
०२।११।१२।५९	३ र	२७	१।१८	२।५४	४।५१	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४०	१०।२४	११।५२
०२।१२।०९।५४	४ चं	२८	१।१४	२।५०	४।४७	७।०१	९।२१	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३६	१०।२०	११।४८
०२।१३।०६।४८	५ मं	२९	१।१०	२।४६	४।४३	६।५७	९।१८	११।३४	१।५०	४।०९	६।२८	८।३२	१०।१६	११।४४
०२।१४।०३।४३	६ बु	३०	१।०६	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३०	१।४६	४।०५	६।२४	८।२८	१०।१२	११।४०
०२।१५।००।३७	७ गु	१	१।०२	२।३९	४।३५	६।५०	९।१०	११।२६	१।४२	४।०१	६।२०	८।२५	१०।०८	११।३६
०२।१५।५७।३१	८ शु	२	१२।५८	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२३	१।३८	३।५८	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३२
०२।१६।५४।२५	९ श	३	१२।५४	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१९	१।३४	३।५४	६।१२	८।१७	१०।००	११।२८
०२।१७।५१।१९	१० र	४	१२।५१	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१५	१।३०	३।५०	६।०८	८।१३	९।५६	११।२५
०२।१८।४८।१३	११ चं	५	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२७	३।४६	६।०४	८।०९	९।५२	११।२१
०२।१९।४५।०८	१२ मं	६	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२३	३।४२	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
०२।२०।४२।०२	१३ बु	७	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३
०२।२१।३८।५६	१४ गु	८	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९
०२।२२।३५।५१	३० शु	९	१२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४८	७।५३	९।३६	११।०५
०२।२३।३२।४६	३० श	१०	१२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०७	३।२६	५।४५	७।४९	९।३२	११।०१

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ।। प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे । इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो । कृष्णा द्वितीया शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो । कृष्णा तीज को श्रवण होने से समर्घता कारक है । कृष्णा नौमी को शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो । कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले । शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें । अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुखद है । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २४।०८।१०

पं.१३ आ.कृ.१३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	१०	३	९	१	७
२०	२१	२९	०७	१७	१७	१४	१४
५९	३७	४१	३६	५१	५३	४७	४७
३३	११	२८	०७	२३	२२	०६	०६
५७	३७	६८	३	७२	३	३	३
१३	१६	५२	१२	३६	४४	११	११
पुन	श्ले	मृ	श	श्ले	श्र	रो	अनु
१	२	२	१व	१	३व	२	४



।। अष्टसप्तति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे (२०७८), आनन्दनाम संवत्सरे, त्रिचत्वारिंशदधिक-एकोनविंशति-शततमे शालिवाहनशकाब्दे (१९४३) ।।

अतिरिक्त सुविधा के अन्तर्गत (चतुर्मासारम्भ पर्यन्त)

११ जुलाई से २४ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमासू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	च.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	र	५	०४	७	४८	पुष्य	५१	२८	२६	२१	ह	२६	४४	१६	२७	व	५	०४	७	४८	३४/०७	५/४६	७/२५	२०	३०	११	कर्के	२।२४।२२।४७	५६।५५
सौम्य	२	सो	६	२९	८	२२	श्ले	५३	४४	२७	१६	व	२५	०६	१५	४९	कौ	६	२९	८	२२	०६	४६	२५	२१	१	१२	सिंहे २७।१६	२।२५।१९।४३	५६।५६
काल	३	मं	६	४५	८	२९	मघा	५४	५३	२७	४४	सि	२२	३४	१४	४९	ग	६	४५	८	२९	०४	४७	२४	२२	२	१३	सिंहे	२।२६।१६।३८	५६।५६
सुस्थिर	४	बु	५	५३	८	०९	पूफा	५४	५७	२७	४६	व्य	१९	०९	१३	२७	वि	५	५३	८	०९	०२	४७	२४	२३	३	१४	सिंहे	२।२७।१३।३४	५६।५६
मातङ्ग	५	गु	३	५७	७	२३	उफा	५४	००	२७	२४	व	१४	५२	११	४५	बा	३	५७	७	२३	००	४८	२४	२४	४	१५	कन्या ९।४३	२।२८।१०।३१	५६।५७
अमृत	६	शु	०	५८	६	१२	हस्त	५२	०७	२६	३९	प	९	४६	९	४३	तै	०	५८	६	१२	३३	४८	२४	२५	५	१६	कन्या	२।२९।०७।२८	५६।५७
क्षयः	७	शु	५७	०५	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०
काण	८	श	५२	१८	२६	४४	चित्रा	४९	२०	२५	३३	शि	३/५७	५५/३३	७/२८	२३/३६	वि	२४	४७	१५	४४	५६	४९	२३	२६	६	१७	तुला. १४।०९	३।००।०४।२५	५६।५८
लुम्बक	९	र	४६	४४	२४	३१	स्वा	४५	४७	२४	०८	सा	५०	१३	२५	५४	बा	१९	३७	१३	४०	५४	४९	२३	२७	७	१८	तुला.	३।०१।०१।२३	५६।५८
मित्र	१०	सो	४०	३१	२२	०२	विशा	४१	३३	२२	२७	शु	४२	२८	२२	४९	तै	१३	४२	११	१९	५१	५०	२३	२८	८	१९	वृश्चि. १६।५४	३।०१।५८।२२	५६।५९
ए.व्र.	११	मं	३३	४५	१९	२१	अनु	३६	४८	२०	३४	शु	३४	१७	१९	३३	व	७	११	८	४३	४९	५०	२२	२९	९	२०	वृश्चि.	३।०२।५५।२१	५७।००
प्र.व्र.	१२	बु	२६	३८	१६	३०	ज्ये	३१	४२	१८	३२	ब्र	२५	५०	१६	११	व	०	१४	५	५६	४७	५१	२२	३०	१०	२१	धनु. १८।३२	३।०३।५२।२०	५७।००
धूम्र	१३	गु	१९	२५	१३	३८	मूल	२६	३०	१६	२७	ऐ	१७	१६	१२	४६	तै	१९	२५	१३	३८	४४	५२	२१	३१	११	२२	धनु.	३।०४।४९।२१	५७।०१
प्रवर्धमा	१४	शु	१२	२१	१०	४८	पूषा	२१	३०	१४	२८	वै	८	४९	९	२४	व	१२	२१	१०	४८	४२	५२	२१	१	१२	२३	मक. २०।००	३।०५।४६।२२	५७।०२
पूर्णिमा	१५	श	५	४७	८	११	उषा	१७	०४	१२	४२	वि	०/५३	४६/२५	६/२७	१९/१४	व	५	४७	८	११	३९	५३	२०	२	१३	२४	मक.	३।०६।४३।२४	५७।०३

केतकी अहर्गणः ३७४९ वर्पत्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा
जिल्हेज १२, आर्द्रा. बुधः १५।०५ [F धनि.-४ गुरुः १०।००
भ. २०।२२ उ. [E भौमः १६।४६, पुन. बुधः १२।००, (व) F
भ. ८।०९ या. [G रात्रौ लग्न ३, स्कंध षष्ठी
उफा. रे. ८ SIIIISIIII रात्रौलग्न १२, हस्ते रे. ७ IIIIISSSII G
भ. २८।३९ उ., कर्के रविः १६।२८ (सौरः २७।५७), निरयन H
[A व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं, पुष्ये सौरः १६।१४,सिंहे मघा. E
भ. १५।४४ या., सिंहे मघा. शुक्रः ७।११ [H दक्षिणायनारंभः
भड़ली ९ [C वाहन अश्व अनावृष्टिः [B (व) श्रव.-२ शनिः २७।०६
मन्वादि, आशा दशमी, पुष्ये रविः २८।१९, सं.स्त्री.नपु.चं.सू. C
भ. ८।४३ उ. १९।२१ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास A
प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम् [D आषाढी योगः, भा. श्रावणारंभः
जया पार्वती व्रतं, सायन सिंहे भानुः १९।५७, बुधास्तः पूर्वस्याम् १९।१२
भ. १०।४८ उ. २१।२८ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, D
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, B

अयनांशाः २४।०८।११

पं.१४ आ.शु. ४ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	२	१०	३	९	१	७
२७	२५	०९	०७	२६	१७	१४	१४
४०	५८	०६	०९	१८	२६	२४	२४
०६	२४	११	५७	५३	०९	५०	५०
५७	३७	९५	४	७२	४	३	३
१४	२३	३७	२६	२२	०४	११	११
पुन	श्ले	आ	श	श्ले	श्र	रो	अनु
३	३	१	१व	३	३व	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२४।२९।४१	१ र	११	१२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४७	१।०३	३।२२	५।४१	७।४५	९।२८	१०।५७
०२।२५।२६।३६	२ चं	१२	१२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३७	७।४१	९।२४	१०।५३
०२।२६।२३।३२	३ मं	१३	१२।१५	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३३	७।३७	९।२०	१०।४९
०२।२७।२०।२८	४ बु	१४	१२।११	१।४७	३।४४	५।५८	८।१८	१०।३५	१२।५१	३।१०	५।२९	७।३३	९।१७	१०।४५
०२।२८।१७।२४	५ गु	१५	१२।०७	१।४३	३।४०	५।५४	८।१४	१०।३१	१२।४७	३।०६	५।२५	७।२९	९।१३	१०।४१
०२।२९।१४।२१	६ शु	१६	१२।०३	१।३९	३।३६	५।५०	८।१०	१०।२७	१२।४३	३।०२	५।२१	७।२५	९।०९	१०।३७
०३।००।११।१८	८ श	१७	११।५९	१।३५	३।३२	५।४६	८।०७	१०।२३	१२।३९	२।५८	५।१७	७।२१	९।०५	१०।३३
०३।०१।०८।१६	९ र	१८	११।५५	१।३२	३।२८	५।४३	८।०३	१०।१९	१२।३५	२।५४	५।१३	७।१८	९।०१	१०।२९
०३।०२।०५।१५	१० चं	१९	११।५१	१।२८	३।२४	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३१	२।५०	५।०९	७।१४	८।५७	१०।२५
०३।०३।०२।१४	११ मं	२०	११।४७	१।२४	३।२०	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०५	७।१०	८।५३	१०।२१
०३।०३।५९।१३	१२ बु	२१	११।४३	१।२०	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१७
०३।०४।५६।१४	१३ गु	२२	११।४०	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१४
०३।०५।५३।१५	१४ शु	२३	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५३	६।५८	८।४१	१०।१०
०३।०६।५०।१७	१५ श	२४	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	१२।१२	२।३१	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०६

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०२१

आषा. शु. ६ मृगौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टैं.) टा. १६।२८ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः गुरौ (स्टैं.) २८।२८ से भृगौ १६।२८ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०८।१२

पं.१५ आ.शु.१२ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	२	१०	४	९	१	७
०४	००	२१	०६	०४	१६	१४	१४
२०	२०	२५	३५	४४	५६	०२	०२
५४	२५	३०	३४	४१	५३	३३	३३
५७	३७	११७	५	७२	४	३	३
१७	३०	३४	३२	०७	१९	११	११
पु	म	पुन	ध	म	श्र	रो	अनु
१	१	१	४व	२	३व	२	४



॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३ (सन २०२१-२२) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

विवाह मुहूर्तों के आरंभ में (२२ अप्रे. २०२१) गुरुस्थिति -

कन्या राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : गुरु राशि - कुंभ

ता. १९ नवं. २०२१ के विवाह मुहूर्तों से -

कन्या राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : गुरु राशि - मकर

ता. २१ नवं. २०२१ के विवाह मुहूर्तों से -

कन्या राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : गुरु राशि - कुंभ

शुक्रोदयः (२० अप्रे. २०२१, स्टै. २५।५७)

सन२०२१

चैत्र शुक्लपक्षः

२५ अप्रे. **१३ रवौ हस्ते** रे. ८ IIIIISSIII दिवा लग्न ३, ५, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः मिथुन- दिन ८।५८ से ११।१३, सिंह- दिन १।३२ से ३।४९,
अ.गोधूलि- सायँ ६। ९ से ७।४५ (मिथुने सोग्रांगः मं, सिंहे गु ७ पूज्यः)

२६ अप्रे. **१४ चंद्रे स्वातौ** रे. ७ IIIISISSII रात्रौ लग्न १०, १२, १
(मकरे सोग्रांगः श, मेषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला
समयः मकर- रात्री १२।४२ से २।२५, मीन- उत्तर रात्री ३।५३ से ५।१९,
मेष- उत्तर रात्री ५।१९ से ५।५८

२७ अप्रे. **१५ भौमे स्वातौ** रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न १, ३, ५
(मेषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू, मिथुने सोग्रांगः मं, सिंहे गु ७ पूज्यः)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला
समयः मेष- प्रातः ५।५८ से ६।५५, मिथुन- दिन ८।५१ से ११। ५,
सिंह- दिन १।२५ से ३।४१

सन२०२१

वैशाख कृष्णपक्षः

३० अप्रे. **४ शुक्रे मूले** रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न गोधूलि(७), १०, १२, १
(मकरे सोग्रांगः श, मेषे सोग्रांगः सू)
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समयः गोधूलि- सायँ ६।१२ से ७।४८, मकर- रात्री १२।२६ से २। ९,
मीन- उत्तर रात्री ३।३७ से ५। ३, मेष- उत्तर रात्री ५। ३ से ५।५४

२ मई **६ रवौ उषा.** रे. ७ ISIIISIIIS दिवा लग्न ३, ५, रात्रौ लग्न १२, १
(भद्रा १४।५२ से २६।११ यावत्)
(मिथुने चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, सिंहे चं ६ १४।४५ उपरांत; गु ७ पूज्यः, मेषे सोग्रांगः सू)
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समयः मिथुन- दिन ८।५८ उपरांत १०।४५, सिंह- दिन १। ५ से २।४५ यावत्

वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समयः मीन-उत्तररात्री ३।२९ से ४।५५, मेष-उत्तररात्री ४।५५ से ५।५३ : दिन २।४५ उप.

७ मई **११ शुक्रे उभा.** रे. ७ SSIIIIISII रात्रौ लग्न ८, १०, १
(वृश्चिके रा ७ दोषः; बु शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के, मकरे सोग्रांगः श, मेषे सोग्रांगः सू)
वर राशि - मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः वृश्चिक- रात्री ७।३६ से ९।५४, मकर- रात्री ११।५८ से १।४१,
मेष- उत्तर रात्री ४।३५ से ५।४९

सन२०२१

वैशाख शुक्लपक्षः

२१ मई **९ शुक्रे उफा.** रे. ६ SSIIISISII दिवा लग्न ७, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), १०, १२
(अ.गोधुल्यां मं ८; सोग्रांगः के, मकरे सोग्रांगः श, मीने शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह
समयः तुला- दिन ४।२२ से ६।४१, अ.गोधूलि- सायँ ६।२४ से ८। ०

वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः मकर- रात्री ११। ३ से १२।४६, मीन- रात्री २।१५ से ३।४० : रात्री ९। ७ उप.

२२ मई **१० शनौ हस्ते** रे. ९ IIIIISIII दिवालग्न ७, रात्रौ लग्न गोधूलि (गोधुल्यां मं ८; सोग्रांगः के)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः तुला- दिन ४।१८ से ६।३७, गोधूलि- सायँ ६।२४ से ८। ० **(भद्रा २०। ५ से)**

२३ मई **११ रवौ हस्ते** रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः मं)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः मिथुन- प्रातः ७। ८ से ९।२३

२४ मई **१३ चंद्रे स्वातौ** रे. ७ ISISIISIII दिवालग्न ५, रात्रौलग्न अ. गोधूलि(८), १०, १२, १
(सिंहे गु ७ पूज्यः,अ.गोधुल्यां मं ८;सोग्रांगः के,मकरे सोग्रांगः श,मीने शु ३ दोषः,मेषे चं ७ पूज्यः)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला
समयः सिंह- दिन ११।३८ से १।५५, अ.गोधूलि-सायँ ६।२५ से ८। १, मकर-रात्री १०।५२ से १२।३५, मीन- रात्री २। ३ से ३।२९, मेष- उत्तर रात्री ३।२९ से ५। ५

२६ मई **१५ बुधे अनुरा.** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ५, ७, रात्रौ लग्न १०
(सिंहे गु ७ पूज्यः, मकरे सोग्रांगः श)
वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-वृश्चिक
समयः सिंह- दिन ११।३१ से १।४७, तुला- दिन ४। ३ से ६।२१, मकर- रात्री १०।४४ से १२।२७

सन२०२१

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

२९ मई **३ शनौ उषा.** रे. ६ IIISSIISIS रात्रौ लग्न गोधूलि(८), २
(गोधुल्यां मं ८; सोग्रांगः के, वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समयः गोधूलि- सायँ ६।२८ से ८। ४

वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समयः वृष- उत्तर रात्री ४।४५ से ५।३९
: रात्री ११।४१ उप.

अतिरिक्त सुविधा ☞ ॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३ (सन २०२१-२२) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

४ जून
१० शुक्रे रेवत्यां रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न २ (भद्रा १५।१४ उ. २८।१२ यावत्)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः वृष- उत्तर रात्री ४।२१ से ५।३८ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा)

५ जून
११ शनौ रेवत्यां रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न २, ३, ५, ६, रात्रौलग्न अ.गोधूलि(८), ९
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, सिंहे गु ७ पूज्यः, कन्या. चं ७ पूज्यः,)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः वृष- प्रातः ५।३८ से ६।१७, मिथुन-प्रातः ६।१७ से ८।३२, सिंह-दिन १०।५१ से १। ८,
कन्या- दिन १। ८ से ३।२३, अ.गोधूलि- सायँ ६।३१ से ८। ७,
धनु- रात्री ८। ० से १०। ४ (अ.गोधुल्यां सोग्रांगः के, धनुषि शु ७ पूज्यः)

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

सन२०२१ १८ जून
८ शुक्रे हस्ते रे. ८ ISIIIISIII रात्रौ लग्न २ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः वृष- उत्तर रात्री ३।२६ से ५।२२

१९ जून
९ शनौ हस्ते रे. ९ ISIIIIIIII दिवा लग्न ३, ५, ८, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९)
(मिथुने सोग्रांगः सू, सिंहे गु ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के,)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः मिथुन- प्रातः ५।३८ उपरांत ७।३७, सिंह- दिन ९।५६ से १२।१३,
वृश्चिक- दिन ४।४७ से ७। ५, अ.गोधूलि- सायँ ६।३६ से ७।४० यावत् (अ.गोधुल्यां मं ८)

२० जून
१० रवौ स्वातौ रे. ८ IIISIISIII रात्रौ लग्न गोधूलि(९), १२, १
(गोधुल्यां मं ८, मेषे शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः) (भद्रा २७। १ से)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला
समयः गोधूलि- सायँ ६।४९ उपरांत ८।१३, मीन- रात्री १२।१७ से १।४२,
मेष- रात्री १।४२ से ३। १ याव.। तदुपरांत भद्रारंभः

आषाढ़ कृष्णपक्षः

सन२०२१ २६ जून
२ शनौ उषा. रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न गोधूलि(९) (गोधुल्यां मं ८)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समयः गोधूलि- सायँ ६।३८ से ७।१९ यावत् (गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः)

३० जून
६ बुधे उभा. रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न १, २, ३
(वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने सोग्रांगः सू)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः मेष- रात्री २। १ उपरांत २।३९, वृष- रात्री २।३९ से ४।३५,
मिथुन- उत्तर रात्री ४।३५ से ५।४२

१ जुला
७ गुरौ उभा. रे. ७ SII!ISISII दिवालग्न ३, ५, ६, ८, रात्रौलग्न अ.गोधूलि(९), १
(मिथुने सोग्रांगः सू, सिंहे गु ७ पूज्यः, कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः;
सोग्रांगः के, अ.गोधुल्यां मं ८)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः मिथुन- प्रातः ५।४२ से ६।४९, सिंह- दिन ९। ९ से ११।२६, कन्या-दिन ११।२६ से १।४१,
वृश्चिक- दिन ४। ० से ६।१८, अ.गोधूलि- सायँ ६।३८ से ८।१४, मेष- रात्री १२।५९ से २।३५

१ जुला
७ गुरौ रेवत्यां रे. ७ SIIIIIISIS रात्रौ लग्न २, ३
(वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने सोग्रांगः सू)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः वृष- उत्तर रात्री ३।४८ उपरांत ४।३१, मिथुन- उत्तर रात्री ४।३१ से ५।४२

२ जुला
८ शुक्रे रेवत्यां रे. ६ SIIIIISSIS दिवालग्न ३, ५, ६, ८, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, १, २
(मिथुने सोग्रांगः सू, सिंहे गु ७ पूज्यः, कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः;
सोग्रांगः के, अ.गोधुल्यां मं ८, वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः मिथुन- प्रातः ५।४२ उपरांत ६।४५, सिंह- दिन ९। ५ से ११।२२,
कन्या-दिन ११।२२ से १।३७, वृश्चिक-दिन ३।५६ से ६।१४, अ.गोधूलि-सायँ ६।३८ से ८।१४,
मेष- रात्री १२।५५ से २।३१, वृष- रात्री २।३१ से ४।२७

आषाढ़ शुक्लपक्षः

सन२०२१ १५ जुला
५ गुरौ उफा. रे. ८ SIIIISIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९), १२, २
(अ.गोधुल्यां मं ८, मीने चं ७ पूज्यः, वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः अ.गोधूलि- सायँ ६।३६ से ८।१२, मीन- रात्री १०।३८ से १२। ४,
वृष- रात्री १।४० से २।३६ यावत्

१५ जुला
५ गुरौ हस्ते रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः सू)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः मिथुन- उत्तर रात्री ३।३६ से ५।४८

कार्तिक शुक्लपक्षः

सन२०२१ १९ नवं.
१५ शुक्रे रोहि. रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न ७ (तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं)
वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः तुला- उत्तर रात्री ४।२७ उपरांत ६।४१

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

सन२०२१ २० नवं.
१ शनौ रोहि. रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ८, १२, रात्रौ लग्न ३, ५, ६, ७
(वृश्चिके रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू के, मिथुने शु ७ पूज्यः, सिंहे गु ७ पूज्यः,
तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं)
वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः वृश्चिक- प्रातः ६।५९ उपरांत ९। ०, मीन- दिन २।१५ से ३।४१,
मिथुन- रात्री ७।१३ से ९।२७, सिंह- रात्री ११।४७ से २। ३, कन्या- रात्री २। ३ से ४।१९,
तुला- उत्तर रात्री ४।१९ से ६।३८

२१ नवं.
२ रवौ मृगे रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ८, १२, रात्रौ लग्न ५, ६, ७
(वृश्चिके रा ७ दोषः;चं ७ पूज्यः;सोग्रांगः सू के, सिंहे गु ७ पूज्यः,तुला.शु ३ दोषः;सोग्रांगः मं)
वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः वृश्चिक- प्रातः ७।३१ उपरांत ८।५६, मीन- दिन २।११ से ३।३७

वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-मिथुन
समयः सिंह- रात्री ११।४३ से १।५९, कन्या- रात्री १।५९ से ४।१५, : रात्री ९। ५ उप.
तुला- उत्तर रात्री ४।१५ से ६।३४

॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३ (सन २०२१-२२) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

२८ नवं. १ रवौ उफा. रे. ९ ||||||S|| रात्रौ लग्न ६, ७, ८
(तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के)
वर राशि - मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह
समयः कन्या- रात्री १।३२ से ३।४७

वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
: रात्री ४। ३ उप.
समयः तुला- रात्री ४। ३ उपरांत ६। ६, वृश्चिक- उत्तर रात्री ६। ६ से ७। ६

३० नवं. ११ भौमे हस्ते रे. ८ |||||S|S|| दिवा लग्न ८, ९, १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२)
(वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के, मीने चं ७ पूज्यः, अ.गोधुल्यां सोग्रांगः रा)
वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः वृश्चिक- प्रातः ७। ७ से ८।२०, धनु- प्रातः ८।२० से १०।२५,
मीन- दिन १।३६ से ३। २, अ.गोधूलि- सायँ ४।४२ से ६।१८

१ दिसं १२ बुधे स्वातौ रे. ९ |||||S|||| रात्रौ लग्न ५ (सिंहे गु ७ पूज्यः)
वर राशि - वृष, मिथुन, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला
समयः सिंह- रात्री ११। ४ से ११।३५ यावत्

सन२०२१ ६ दिसं

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

३ चंद्रे उषा. रे. ८ ||Sशु|S||| रात्रौ लग्न ६, ७, ८
(तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू मं के)
वर राशि - मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-धनु
समयः कन्या- रात्री २।२२ उपरांत ३।१६, तुला- रात्री ३।१६ से ५।३५,
वृश्चिक- उत्तर रात्री ५।३५ से ७।१२

११ दिसं ८ शनौ उभा. रे. १० |||||||||| रात्रौ लग्न ६, ८
(कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके शु ३ दोषः; रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू मं के)
वर राशि-वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः कन्या- रात्री १२।४१ से २।५६, वृश्चिक- उत्तर रात्री ५।१५ से ५।५८ यावत्

१२ दिसं ९ रवौ रेवत्यां रे. ६ |S||||SS|S रात्रौ लग्न ८
वर राशि-वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः वृश्चिक- उत्तर रात्री ५।४२ उप.७।१६ (वृश्चिके शु ३ दोषः; रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू मं के)

१३ दिसं १० चंद्रे रेवत्यां रे. ७ |S|||||S|S दिवा लग्न ९, १०, १, रात्रौ लग्न गोधूलि(२), ३, ६
(मकरे सोग्रांगः श, गोधुल्यां मं ७; सोग्रांगः रा, मिथुने बु ७ पूज्यः,कन्या.चं ७ २६।०५ यावत्)
वर राशि-वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः धनु- प्रातः ७।२९ से ९।३३, मकर- प्रातः ९।३३ से ११।१६,
मेष- दिन २।१० से ३।४६, गोधूलि- सायँ ४।४४ से ६।२०,
मिथुन- सायँ ५।४२ से ७।५७, कन्या- रात्री १२।३३ से १।१७ यावत्

अग्रे धनुर्ष्यर्कत्त्वादभावः

सन२०२२ २२ जन.

माघ कृष्णपक्षः

४ शनौ उफा. रे. ७ |||||SSS|| दिवा लग्न १, २, रात्रौ लग्न गोधूलि, ७, ८, ९, १०
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः के,
धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू श)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह
समयः मेष- दिन ११।३३ से १। ९, वृष- दिन १। ९ से ३। ५

वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
: दिन ४।५० उप.
समयः गोधूलि- सायँ ५।१० से ६।४६, तुला- रात्री १२।११ से २।३०,वृश्चिक- रात्री २।३० से ४।४८, धनु- उत्तर रात्री ४।४८ से ६।५२, मकर- उत्तर रात्री ६।५२ से ७।२५

२३ जन. ५ रवौ हस्ते रे. १० |||||||||| दिवा लग्न २, रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ७, ८, ९, १०
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः के,
धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू श)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः वृष-दिन १। ५ से ३। १, गोधूलि- सायँ ५।११ से ६।४७, तुला- रात्री १२। ७ से २।२६,
वृश्चिक- रात्री २।२६ से ४।४४, धनु- उत्तर रात्री ४।४४ से ६।४८,
मकर- उत्तर रात्री ६।४८ से ७।२५

सन२०२२ ४ फर.

माघ शुक्लपक्षः

४ शुक्रे उभा. रे. ८ |||||S|S|| रात्रौ लग्न ९, १०
(धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू श) (भद्रा १६। ८ से २७।४८ यावत्)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः धनु- रात्री ३।५७ से ६। १, मकर- उत्तर रात्री ६। १ से ७।१९

५ फर. ५ शनौ रेवत्यां रे. ९ |||||S|||| रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), ६, ८, ९, १०
(कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, धनुषि सोग्रांगःमं, मकरे सोग्रांगः सू श)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः अ.गोधूलि-सायँ ५।२२ से ६।५८, कन्या-रात्री ९। १ से ११।१६,वृश्चिक-रात्री १।३५ से ३।५३, धनु- रात्री ३।५३ से ५।५७, मकर- उत्तर रात्री ५।५७ से ७।१८

६ फर. ६ रवौ रेवत्यां रे.१० |||||||||| दिवा लग्न १, २ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मीन
समयः मेष- दिन १०।३४ से १२।१०, वृष- दिन १२।१० से २। ६

९ फर. ८ बुधे रोहि. रे. ८ |||||S||S| रात्रौ लग्न ७, ८, १० (गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः)
(तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः के, मकरे सोग्रांगः सू श)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः तुला- रात्री १२।२१ उपरांत १।१९, वृश्चिक- रात्री १।१९ से ३।३७,
मकर- उत्तर रात्री ५।४१ से ७।१५

अतिरिक्त सुविधा ☞ ॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३ (सन २०२१-२२) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

१० फर. ९ गुरौ रोहि. रे. ८ IIIIIISISI दिवालग्न १, रात्रौलग्न गोधूलि (गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-वृष
समयः मेष- दिन १०।१८ से ११।५४, गोधूलि- सायँ ५।२५ से ६।४४ यावत्

सन२०२२ १८ फर.
फाल्गुन कृष्णपक्षः
२ शुक्रे उफा. रे. १० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न ६, ७, ८, ९, १०
(तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः श)
वर राशि - मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-सिंह
समयः कन्या- रात्री ८। ९ से १०।२५

वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-कुंभ
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
: रात्री १०।४६ उप.
समयः तुला- रात्री १०।४६ उपरांत १२।४४, वृश्चिक- रात्री १२।४४ से ३। २,
धनु- रात्री ३। २ से ५। ६, मकर- उत्तर रात्री ५। ६ से ६।४९

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः (२२ फर. २०२२, स्टै. १९।२०)
गुरोरुदयः (२४ मार्च २०२२, स्टै. २१।४१)

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०२१ २५ अप्रे.
चैत्र शुक्लपक्षः
१३ रवौ चित्रा. रे. ७ ISIIISISII रात्रौ लग्न १०, १२
(मकरे सोग्रांगः श, मीने चं ७ पूज्यः)
वर राशि - मेष, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मेष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः मकर- रात्री १।५० उपरांत २।२९, मीन- उत्तर रात्री ३।५७ से ५।२३

सन२०२१ ३१ मई
ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
६ चंद्रे धनि. रे. ८ IIIIIISISI दिवा लग्न ७, रात्रौ लग्न गोधूलि(८)
(गोधुल्यां मं ८; सोग्रांगः के), गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः (भद्रा २५। ७ से)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, धनु, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि-मकर
समयः तुला- दिन ४। ० उपरांत ६। २, गोधूलि- सायँ ६।२९ से ८। ५

५ जून ११ शनौ अश्वि. रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न १२, २ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समयः मीन- रात्री १।१६ से २।४१, वृष- उत्तर रात्री ४।१७ से ५।३८

६ जून ११ रवौ अश्वि. रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न २, ३, ५, ६, रात्रौ लग्न ९, १२
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, सिंहे गु ७ पूज्यः, धनुषि शु ७ पूज्यः)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-वृष
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समयः वृष- प्रातः ५।३८ उपरांत ६।१३, मिथुन- प्रातः ६।१३ से ८।२८,
सिंह- दिन १०।४७ से १। ४, कन्या-दिन १। ४ से ३।१९, धनु-रात्री ७।५६ से १०। ०,
मीन- रात्री १।१२ से १।४२ यावत्

सन२०२१ १९ जून
ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
९ शनौ चित्रा. रे. ८ IIIISISII रात्रौ लग्न १२, २
(मीने चं ७ पूज्यः, वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
वर राशि - मेष, वृष, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः मीन- रात्री १२।२१ से १।४६, वृष- उत्तर रात्री ३।२२ से ५।१८

२० जून १० रवौ चित्रा. रे. ८ IIIISISII दिवा लग्न ५, ६, ८
(सिंहे गु ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि-तुला
समयः सिंह- दिन ९।५२ से १२। ९, कन्या- दिन १२। ९ से २।२४, : प्रातः ७।४२ उप.
वृश्चिक- दिन ४।४३ से ६। १ यावत्

सन२०२१ ३ जुला
आषाढ़ कृष्णपक्षः
९ शनौ अश्वि. रे. ८ IIIISISII दिवा लग्न ५, ६, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, १२, २, ३
(सिंहे गु ७ पूज्यः, अ.गोधुल्यां मं ८, वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने सोग्रांगः सू)
वर राशि - मेष, वृष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, कुंभ : सूर्यराशि-मिथुन
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समयः सिंह- दिन ९। १ से ११।१८, कन्या- दिन ११।१८ से १।३३,
अ.गोधूलि- सायँ ६।३८ से ८।१४, मीन- रात्री ११।२६ से १२।५१,
वृष- रात्री २।२७ से ४।२३, मिथुन- उत्तर रात्री ४।२३ से ५।४३

सन२०२१ ३० नवं.
मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
११ भौमे चित्रा. रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न ५, ७, ८
(सिंहे गु ७ पूज्यः, तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के)
वर राशि - वृष, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि-कन्या
समयः सिंह-रात्री ११। ८ से १।२४,तुला-रात्री ३।३९ से ५।५८,वृश्चिक-उत्तररात्री ५।५८ से ७। ८

सन२०२१ १३ दिसं
मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
१० चंद्रे अश्वि. रे. ९ SIIIIIIIII रात्रौ लग्न ६ (कन्या. चं ७ २६।०५ यावत्)
वर राशि - वृष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन : सूर्यराशि-वृश्चिक
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समयः कन्या- रात्री २। ५ उपरांत २।४८

सन२०२२ ६ फर.
माघ शुक्लपक्षः
६ रवौ अश्वि. रे. १० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), ६, ७, ९, १०
(तुला. शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः, धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू श)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समयः अ.गोधूलि-सायँ ५।२२ से ६।५८,कन्या-रात्री ८।५७ से ११।१२, तुला-रात्री ११।१२ से
१।३१, धनु- रात्री ३।४९ से ५।५३, मकर- उत्तर रात्री ५।५३ से ७।१८

७ फर. ७ चंद्रे अश्वि. रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न २, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४)
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
वर राशि - मेष, वृष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन : सूर्यराशि-मकर
कन्याराशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि-मेष
समयः वृष- दिन १२। ६ से २। २, अ.गोधूलि- सायँ ५।२३ से ६। ७ यावत्

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः (२२ फर. २०२२, स्टै. १९।२०)

॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३, सन २०२१-२२ मध्ये गेहारंभादि (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	**चैत्र मासः**
२४ अप्रे.	शु. १२ शनौ उफा. अभिजिति, ५ यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या समयः अभि.- दिवा १२।०४ से १२।५२, सिंह- दिवा १।३६ से ३।५३ भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष
सन२०२१	**वैशाख मासः**
२४ मई	शु. १३ चंद्रे स्वातौ अभिजिति, ५, ६ (व्यतिपात ११।०८ तक) यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, सिंह- दिवा ११।३८ से १।५५, कन्या- दिवा १।५५ से ४।१० भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि वृष
सन२०२१	**श्रावण मासः**
२६ जुला	कृ. ०३ चंद्रे शते अभिजिति (भद्रा १५।२६ से) यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ समयः अभि.- दिवा १२।१२ से १।०० भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क
सन२०२१	**भाद्रपद मासः**
२३ अग.	कृ. ०१ चंद्रे शते लग्न ५, अभिजिति यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ समयः सिंह- प्रातः ६।०८ उपरांत ७।५७, अभि.- दिवा १२।०८ से १२।५६ भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि सिंह
सन२०२१	**आश्विन मासः**
१८ अक्टु	शु. १३ चंद्रे उभा. अभिजिति यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन समयः अभि.- दिवा ११।५१ से १२।३९ भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला
सन२०२१	**कार्तिक मासः**
१५ नवं.	शु. १२ चंद्रे उभा. अभिजिति यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन समयः अभि.- दिवा ११।५० से १२।३८ भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला
सन२०२१	**मार्गशीर्ष मासः**
१० दिसं	शु. ०७ शुक्रे शते अभिजिति यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ समयः अभि.- दिवा ११।५९ से १२।४७ भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक
१३ दिसं	शु. १० चंद्रे रेवत्यां अभिजिति यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन समयः अभि.- दिवा १२।०० से १२।४८ भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि वृश्चिक
सन२०२२	**माघ मासः**
१० फर.	शु. ०९ गुरौ रोहि. अभिजिति यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष समयः अभि.- दिवा १२।२० से १।०८ भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे : सूर्यराशि मकर
१४ फर.	शु. १३ चंद्रे पुष्ये अभिजिति यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क समयः अभि.- दिवा १२।२० से १।०८ भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि कुंभ

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	**वैशाख मासः**
८ मई	कृ. १२ शनौ उभा. अभिजिति यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१ भूमि-पूजन (शिलान्यास) वायव्य कोणे : सूर्यराशि मेष
१५ मई	शु. ०३ शनौ मृगे लग्न २ यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन समयः वृष- प्रातः ५।४५ उपरांत ७।४० भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि वृष
सन२०२१	**ज्येष्ठ मासः**
४ जून	कृ. १० शुक्रे उभा. लग्न २, अभिजिति, ६ (भद्रा १५।१४ से) यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन समयः वृष- प्रातः ५।३८ से ६।२१, अभि.- दिवा १२।०४ से १२।५२, कन्या- दिवा १।१२ से ३।१४ यावत् भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि वृष
सन२०२१	**श्रावण मासः**
१३ अग.	शु. ०५ शुक्रे चित्रा. अभिजिति यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५९ भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क
१४ अग.	शु. ०६ शनौ स्वातौ अभिजिति यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५९ भूमि-पूजन (शिलान्यास) नैऋत्य कोणे : सूर्यराशि कर्क
सन२०२१	**भाद्रपद मासः**
१ सितं	कृ. १० वुधे मृगे लग्न ५ यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन समयः सिंह- प्रातः ६।१३ उपरांत ७।२२ भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि सिंह
४ सितं	कृ. १२ शनौ पुष्ये अभिजिति यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क समयः अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३ भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि सिंह
सन२०२१	**कार्तिक मासः**
२८ अक्टु	कृ. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क समयः अभि.- दिवा ११।५० से १२।३८ भूमि-पूजन (शिलान्यास) आग्नेय कोणे : सूर्यराशि तुला

अतिरिक्त सुविधा

॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३, सन २०२१-२२ मध्ये गेहारंभादि (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२१ २९ नवं. कृ. १० चंद्रे उफा. अभिजिति (भद्रा १६।५९ से)
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः अभि.- दिवा ११।५४ से १२।४२ : सूर्यराशि वृश्चिक
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे

२ दिसं कृ. १३ गुरौ स्वातौ अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा ११।५५ से १२।४३ : सूर्यराशि वृश्चिक
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे

माघ मासः

सन२०२२ ५ फर. शु. ०५ शनौ उभा. अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः अभि.- दिवा १२।२० से १।०८ : सूर्यराशि मकर
भूमि-पूजन (शिलान्यास) ईशान कोणे

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२१ ८ मई कृ. १२ शनौ उभा. अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१

२२ मई शु. १० शनौ उफा. लग्न २, अभिजिति, ५
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि कन्या
समयः वृष- प्रातः ५।४१ से ७।१२, अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, सिंह- दिवा ११।४६ से २।०३

ज्येष्ठ मासः

सन२०२१ ४ जून कृ. १० शुक्रे उभा. लग्न २, अभिजिति, ६ (भद्रा १५।१४ से)
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः वृष- प्रातः ५।३८ से ६।२१, अभि.- दिवा १२।०४ से १२।५२, कन्या- दिवा १।१२ से ३।१४ यावत्

५ जून कृ. ११ शनौ रेवत्यां लग्न २, अभिजिति, ६
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः वृष- प्रातः ५।३८ से ६।१७, अभि.- दिवा १२।०५ से १२।५३, कन्या- दिवा १।०८ से ३।२३

माघ मासः

सन२०२२ १० फर. शु. ०९ गुरौ रोहि. अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष कर्क सिंह कन्या वृश्चिक धनु मकर मीन : चंद्रराशि वृष
समयः अभि.- दिवा १२।२० से १।०८

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनंगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२१ १५ मई शु. ०३ शनौ मृगे लग्न २
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि मिथुन
समयः वृष- प्रातः ५।४५ उपरांत ७।४०

माघ मासः

सन२०२२ २२ जन. कृ. ०४ शनौ उफा. अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन कर्क सिंह तुला वृश्चिक धनु कुंभ मीन : चंद्रराशि सिंह
समयः अभि.- दिवा १२।१८ से १।०६

५ फर. शु. ०५ शनौ उभा. अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि मीन
समयः अभि.- दिवा १२।२० से १।०८

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०२१ ५ मई कृ. ०९ बुधे शते लग्न ५ (महापात मोक्षः १०।१३)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः सिंह- दिवा १।२० उपरांत ३।१०

२४ मई शु. १३ चंद्रे स्वातौ अभिजिति, ५, ६ (व्यतिपात ११।०८ तक)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२।०३ से १२।५१, सिंह- दिवा ११।३८ से १।५५, कन्या- दिवा १।५५ से ४।१०

ज्येष्ठ मासः

सन२०२१ २१ जून शु. ११ चंद्रे स्वातौ लग्न ६ (भद्रा १३।३३ तक)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः कन्या- दिवा १।३३ उपरांत २।२०

श्रावण मासः

सन२०२१ १४ अग. शु. ०६ शनौ स्वातौ अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा १२।११ से १२।५९

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२१ २ दिसं कृ. १३ गुरौ स्वातौ अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि तुला
समयः अभि.- दिवा ११।५५ से १२।४३

१० दिसं शु. ०७ शुक्रे शते अभिजिति
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा ११।५९ से १२।४७

माघ मासः

सन२०२२ १४ फर. शु. १३ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः अभि.- दिवा १२।२० से १।०८

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

श्रावण मासः

सन२०२१ २६ जुला कृ. ०३ चंद्रे शते अभिजिति, ८ (भद्रा १५।२६ से)
यजमान राशि- मेष वृष मिथुन सिंह कन्या तुला धनु मकर कुंभ : चंद्रराशि कुंभ
समयः अभि.- दिवा १२।१२ से १।००, वृश्चिक- दिवा २।२१ से ३।२६ यावत्

कार्तिक मासः

सन२०२१ २८ अक्टु कृ. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः अभि.- दिवा ११।५० से १२।३८

मार्गशीर्ष मासः

सन२०२१ २५ नवं. कृ. ०६ गुरौ पुष्ये अभिजिति
यजमान राशि- वृष मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक मकर कुंभ मीन : चंद्रराशि कर्क
समयः अभि.- दिवा ११।५३ से १२।४१

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

+ = धन || बृहद्-देशान्तर सारिणी || (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) **नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं ।** **— = ऋण**

भारत - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से देशान्तरः- + ५ घन्टा, ३० मिनट

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अरुणाचल प्र. -			
इटानगर	२७। ८	९३।४०	+ ४४।४०
तवांग	२७।३३	९१।४८	+ ३७।१२
आसाम -			
उत्तरलखीमपु.	२७।१३	९३।५८	+ ४५।५२
कचार	२४।५०	९२।५१	+ ४१।२४
गोलपारा	२६।११	९०।४१	+ ३२।४४
गोलाघाट	२६।३०	९४। ०	+ ४६। ०
गौहाटी	२६।११	९१।४७	+ ३७। ८
जयपुर	२७।१५	९५।२६	+ ५१।४४
जोरहाट	२६।४६	९४।१६	+ ४७। ४
डारंग	२६।४५	९२।४०	+ ४०।४०
डिब्रुगढ	२७।२९	९४।५८	+ ४९।५२
डोंगबोल	२७।३३	९५।४०	+ ५२।४०
तिनसुकिया	२७।२७	९५।२९	+ ५१।५६
तेजपुर	२६।३७	९२।५०	+ ४१।२०
दीसपुर	२६। ९	९१।५०	+ ३७।२०
धूबरी	२६। २	९०। २	+ ३०। ८
नौगांव	२६।२१	९२।४५	+ ४१। ०
पटकईप.मा.	२७। ०	९५।३०	+ ५२। ०
पांडू	२६।१०	९१।४२	+ ३६।४८
बीसनाथ	२६।३६	९३।१०	+ ४२।४०
ब्रह्मपुत्रा	२६।४५	९२। ०	+ ३८। ०
मंगलडाइ	२६।२७	९२। ५	+ ३८।२०
लामडिंग	२५।४६	९३।१०	+ ४२।४०
शिवसागर	२६।५९	९४।४१	+ ४८।४४
सदिया	२७।५०	९५।४२	+ ५२।४८
सिलचर	२४।५०	८२।५१	+ १।२४
आन्ध्र प्र. -			
अदन्की	१५।४९	८०। १	— ९।५६
अदीलाबाद	१९।३७	७८।३०	— १६। ०
अदोनी	१५।३८	७७।१९	— २०।४४
अल्लूर	१४।४१	८०। ५	— ९।४०
अलूर	१५।२४	७७।१६	— २०।५६
अमरावती	१६।५०	८०।१५	— ९। ०
अनकापाली	१७।४१	८३। ३	+ २।१२
अनंतपुर	१४।४९	७७।३९	— १९।२४
अरमूर	१८।४८	७८।१६	— १६।५६
अटमाकुर	१४।३७	७९।४०	— ११।२०
आलमपुर	१५।५४	७८।११	— १७।१६
ओंगोले	१६।३०	८०। ६	— ९।३६
इराभाला	१५।२०	७८। ०	— १८। ०
इचचापुरम्	१९। ७	८४।४४	+ ८।५६
उदयगिरी	१४।५२	७९।१९	— १२।४४
एलूरु	१६।४३	८१। ९	— ५।२४
कड़प्पा	१४।२८	७८।५२	— १४।३२

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
कम्बम	१५।३४	७९। ९	— १३।२४
करीमनगर	१८।२८	७९। ६	— १३।३६
कादीरी	१४। ७	७८।१४	— १७। ४
काकीनाड़ा	१६।५७	८२।१५	— १। ०
कालहस्ती	१३।४५	७९।४४	— ११। ४
कालिंगपटनम्	१८।२०	८४।२०	+ ७।२०
कामारेड्डी	१८।१८	७८।२२	— १६।३२
कांदी	१७।३६	७८। ५	— १७।४०
कावेली	१४।५५	८०। ३	— ९।४८
कूर्नाल	१५।५०	७८। ५	— १७।४०
कोरिंगा	१६।४८	८२।१६	— ०।५६
कोडांगल	१७। ८	७७।३६	— १९।३६
कोहीर	१७।३५	७७।४०	— १९।२०
कोइलुकोण्डा	१६।४५	७७।५०	— १८।४०
कोइल्कुन्टा	१५।२७	७८।१८	— १६।४८
कोण्डापाली	१६।३८	८०।३६	— ७।३६
कोराटला	१८।४३	७८।४१	— १५।१६
कोरगी	१७। ०	७७।४३	— १९। ८
कोटागडम	१७।३०	८०।४०	— ७।२०
कंपली	१५।२५	७६।३९	— २३।२४
कंडकूर	१५।१२	७९।५७	— १०।१२
कंनीगिरी	१५।२३	७९।३२	— ११।५२
कृष्णा	१५।५५	८१।१०	— ५।२०
खेमम	१७।१५	८०।११	— ९।१६
गढवाल	१६।१३	७७।४८	— १८।४८
गुदर	१४। ९	७९।५४	— १०।२४
गुतकल	१५।११	७७।२५	— २०।२०
गुंटूर	१६।१८	८०।२९	— ८। ४
गुरामकोण्डा	१३।४७	७८।३८	— १५।२८
गुरजाला	१६।३०	७८।५६	— १४।१६
गोदावरी	१६।३५	८२।१५	— १। ०
गोलकोन्डा	१७।२३	७८।२७	— १६।१२
गोटी	९५। ७	७७।४१	— १९।१६
चिनूर	१९। ७	७९।४३	— ११। ८
चिपुरपल्ली	१७।३०	८३।१२	+ २।४८
चित्तूर	१३।१३	७९। ८	— १३।२८
जगायापिटा	१६।५२	८०। ९	— ९।२४
जग्तयाल	१८।४८	७९। ९	— १३।२४
जमालामडगु	१४।५१	७८।२५	— १६।२०
टडपत्री	१४।५६	७८। २	— १७।५२
तन्कूयू	१६।४५	८१।४४	— ३। ४
तिरुपति	१३।४०	७९।२०	— १२।४०
तुंगभद्रा	१५।५८	७८।१८	— १६।४८
तुनी	१७।२१	८२।३५	+ ०।२०
तनाली	१६।१५	८०।३५	— ७।४०
तंदूर	१७।१७	७७।३०	— २०। ०
दर्सी	१५।४६	७९।४४	— ११। ४
देवकोन्डा	१६।४२	७८।५८	— १४। ८
धरमवरम	१४।२४	७७। ०	— २२। ०
नलगोंडा	१७। ३	७९। २	— १३।५२
नागार्जुनसागर	१६।५०	७९।२०	— १२।४०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
नालामलाइंप मा.	१५। ०	७८।३८	— १५।२८
नांदीकोतूर	१५।५२	७८।१८	— १६।४८
नांदयाल	१५।२९	७८।३२	— १५।५२
नारासपुर	१६।२६	८१।४५	— ३। ०
नारासाराओपेट	१६।१४	८०। ६	— ९।३६
नारायणपेट	१६।४६	७७।२७	— २०।१२
नार्सीपटनम्	१७।४०	८२।३९	+ ०।३६
निजामाबाद	१८।४०	७८।१०	— १७।२०
नील्लोर	१४।२७	८०। २	— ९।५२
नीर्मल	१९। ६	७८।२५	— १६।२०
नीजामापटनम्	१५।५४	८०।४३	— ७। ८
नंदीगाम	१६।४६	८०।२०	— ८।४०
पटनचेरु	१७।३६	७८।२०	— १६।४०
पाकाला	१३।३०	७९। ०	— १४। ०
पालाकोलू	१६।३१	८१।४६	— २।५६
पालकोण्डारेन्ज	१३।५०	७९।२०	— १२।४०
पालकोण्डा	१८।३६	८३।४८	+ ५।१२
पार्वतीपुरम्	१८।४७	८३।२८	+ ३।५२
पाटीकोण्डा	१५।२४	७७। ४	— २१।४४
पिथापुरम्	१७। ७	८२।१९	— ०।४४
पीडापुरम्	१७। ५	८२।११	— १।१६
पुलीवेन्डाला	१४।२६	७८।१६	— १६।५६
पेनुकोण्डा	१४। ५	७७।३८	— १९।२८
पोडिली	१५।३६	७९।३९	— ११।२४
पंगानुरु	१३।२५	७८।३७	— १५।३२
प्रोदातूर	१४।४५	७८।३५	— १५।४०
प्यापाल्ली	१५।१४	७७।४७	— १८।५२
बपाटला	१५।५४	८०।३०	— ८। ०
बालकोण्डा	१९। ५	७८।२०	— १६।४०
बीम्लीपटम्	१७।५३	८३।३०	+ ४। ०
बोबीली	१८।३४	८३।२५	+ ३।४०
बोधन	१८।३९	७७।५०	— १८।४०
बंगनेले	१५।१९	७८।१७	— १६।५२
भद्राचलम	१७।४०	८०।५६	— ६।१६
भर्निसा	१९।१०	७७।५८	— १८। ८
मछलीपट्टनम्	१६। ९	८१।१२	— ५।१२
मडकसीरा	१३।५७	७७।१९	— २०।४४
महबूबनगर	१६।४२	७७।५८	— १८। ८
महू	२२।३४	७५।४७	— २६।५२
मागर कार्नूल	१६।३०	७८।१९	— १६।४४
मार्कापुर	१५।४४	७९।१९	— १२।४४
मुडोल	१९। ०	७७।५२	— १८।३२
मेदक	१८। ३	७८।१८	— १६।४८
मंगलागिरी	१६।२६	८०।३६	— ७।३६
यमन	१६।४४	८२।१६	— ०।५६
यमीगनपूर	१५।४६	७७।३१	— १९।५६
येलांदू	१७।३७	८०।२३	— ८।२८
येर्नागुडम	१६।५९	८१।३३	— ३।४८
राजमुद्री	१७। ०	८१।४८	— २।४८
रापुर	१४।१२	७९।३६	— ११।३६
रायाछोटी	१४। ४	७८।५०	— १४।४०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
रायादूर्ग	१४।४०	७६।५३	— २२।२८
राजम	१८।२८	८३।४८	+ ५।१२
रीकापाली	१७।३४	८१।२०	— ४।४०
रीपंली	१६। २	८०।५३	— ६।२८
रेमालेकोट्टा	१५।३५	७८। २	— १७।५२
वालतेर	१७।४४	८३।२३	+ ३।३२
वारंगल	१७।५८	७९।४०	— ११।२०
विजयवाडा	१६।३१	८०।३९	— ७।२४
विजयनगरम्	१८। ७	८३।२७	+ ३।४८
विनूकोण्डा	१६। ४	७९।४७	— १०।५२
विशाखापटनम्	१७।४२	८३।२०	+ ३।२०
वेयालपेड	१३।४८	७८।४०	— १५।२०
वेमालवाडा	१८।३०	७८।५६	— १४।१६
वेंकटपुरम्	१८।१७	८०।३६	— ७।३६
वेमपल्ली	१४।२२	७८।३०	— १६। ०
वेन्काटागिरी	१३।५७	६९।३७	— ५१।३२
शीशाचलम	१४।१०	७८।३०	— १६। ०
सर्कर्स	१७। ०	८३।३०	+ ४। ०
कोलेट	१६।४०	८१।१०	— ५।२०
सावासेपेट	१७।४०	७७।५८	— १८। ८
सामलकोट	१७। ३	८२।१३	— १। ८
सातनेपाली	१६।२४	८०।११	— ९।१६
सिकंदराबाद	१७।२७	७८।३३	— १५।४८
सिद्धोत	१४।२८	७९। १	— १३।५६
सिंगरजकोलीअर्स	१७।२७	८०।२०	— ८।४०
सिरपूरकागजनगर	१९।३२	७९।४५	— ११। ०
सीडीपिट	१८। ७	७८।५०	— १४।४०
सूर्यपेट	१७।१०	७८।१९	— १६।४४
सेलूर	१८।३१	८३।१५	+ ३। ०
संगरडिप्ट	१७।३५	७८। २	— १७।५२
श्रृगावारापुकोटा	१८। ६	८३।११	+ २।४४
श्रीहरिकोटा	१३।४५	८०।२०	— ८।४०
श्रीकाकुलम्	१८।१७	८३।५७	+ ५।४८
हनमकोण्डा	१८। ३	७९।३२	— ११।५२
हसनपार्टी	१८।१०	७९।४६	— १०।५६
हिन्दुपुर	१३।४९	७७।३२	— १९।५२
हैदराबाद	१७।२०	७८।३०	— १६। ०
उत्तर प्र. -			
अहरायूरा	२४।५९	८३। २	+ २। ८
अकबरपुर	२६।२६	८२।३३	+ ०।१२
अलीगढ	२७।३०	७९।४०	— ११।२०
अल्मोड़ा	२९।३७	७९।४०	— ११।२०
अमेठी	२६। ८	८१।५०	— २।४०
अमरोहा	२८।५४	७८।३१	— १५।५६
अयोध्या	२६।४८	८२।१४	— १। ४
आगरा	२७।१०	७७।५४	— १८।२४
आजमगढ	२६। ४	८३।१२	+ २।४८
इलाहाबाद	२५।२८	८१।५४	— २।२४
इथ	२७।३५	७८।४०	— १५।२०
इटावा	२६।४७	७९। २	— १३।५२

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
उस्का	२७।१४	८३।१२	+ २।४८
उताराउला	२७।१९	८२।२८	— ०। ८
औरल	२५।५९	७९।३०	— १२। ०
कडारा	२५।५९	७९।५२	— १०।३२
कन्नोज	२७। ३	७९।५८	— १०। ८
कामारिन	२५।३१	८०।५६	— ६।१६
कामेट शिखर	३०।५६	७९।३६	— ११।३६
कानपुर	२६।२८	८०।१८	— ८।४८
कोइल	२७।५४	७८। ६	— १७।३६
कोसी	२६। ०	८७। ६	+ १८।२४
खुरजा	२८।१५	७७।५०	— १८।४०
खेरी	२७।५४	८०।४८	— ६।४८
गढवाल	३०।१२	७८।३६	— १५।३६
गाजियाबाद	२८।४०	७७।२८	— २०। ८
गाजीपुर	२५।३४	८३।३५	+ ४।२०
गोमती	२७।१५	८०।३८	— ७।२८
गोण्डा	२७।२८	८२। १	— १।५६
गोरखपुर	२६।४५	८३।२४	+ ३।३६
घटामपुर	२६। ८	८०।१३	— ९। ८
घाघरा	२७।३०	८१।२०	— ४।४०
चारकारी	२५।२६	७९।४५	— ११। ०
चुनार	२५। ८	८२।५६	+ १।४४
चंडारट	२८।२७	७८।४९	— १४।४४
जलालपुर	२६।१८	८२।४४	+ ०।५६
जालौन	२६। ८	७९।२३	— १२।२८
जिगनी	२५।४४	७९।२५	— १२।२०
जौनपुर	२५।४६	८२।४४	+ ०।५६
झांसी	२५।२६	७८।३७	— १५।३२
टीहरी	३०।२०	७८।५३	— १४।२८
डालमू	२६। ७	८१। ५	— ५।४०
डोवेन्ड	२९।४२	७७।४३	— १९। ८
तराई खेम्प	२९। ०	८०। ०	— १०। ०
तानकपूर	२९।१०	८०।१८	— ८।४८
तान्डा	२६।३३	८२।४२	+ ०।४८
देहरादून	३०।१९	७८। ४	— १७।४४
देवरिया	२६।२३	८३।४२	+ ४।४८
नगीना	२९।२७	७८।२९	— १६। ४
नवाबगंज	२६।५६	८२।१२	— १।१२
नानपारा	२७।५२	८१।३३	— ३।४८
नीघासन	२८।१४	८०।५५	— ६।२०
नैनिताल	२९।२३	७९।३०	— १२। ०
फरुखाबाद	२७।२४	७९।३७	— ११।३२
फतेहगढ	२७।२३	७९।४०	— ११।२०
फतेहपुर	२५।५५	८०।५२	— ६।३२
पद्राउना	२६।५४	८४। १	+ ६। ४
फिरोजाबाद	२७। ९	७८।२४	— १६।२४
पीलीभीत	२८।३८	७९।५१	— १०।३६
फूलपुर	२५।३२	८२। ७	— १।३२
फैजाबाद	२६।४७	८२।१२	— १।१२
प्रतापगढ	२५।३४	८१।५९	— २। ४
प्रयाग	२५।२५	८१।४८	— २।४८

सूचना - संवत् २०७२, ७५, ७६, ७८ में ये पृष्ठ नहीं आयेंगें । अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष के कारण किसी भी तरह की त्रुटि हो तो कृपया सूचित करे, सुधार कर दिया जायेगा । -गणितकर्ता.

+ = धन || बृहद्-देशान्तर सारिणी || (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं । — = ऋण

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
बद्रीनाथ	३०।४४	७९।३२	— ११।५२
बलरामपुर	२७।२५	८२।१५	— १। ०
बरेली	२८।२२	७९।२७	— १२।१२
बरहज	२६।१६	८३।४६	+ ५। ४
बस्ती	२६।४८	८२।४६	+ १। ४
बहराइच	२७।३४	८१।३८	— ३।२८
बलिया	२५।४४	८४।११	+ ६।४४
बांदा	२५।२०	८०।२२	— ८।३२
बाराबंकी	२६।५६	८१।१३	— ५। ८
बांसी	२७।१०	८२।५६	+ १।४४
बिजनौर	२९।२३	७९।११	— १३।१६
बिठूर	२६।३७	८०।१९	— ८।४४
बीन्दकी	२६। २	८०।३३	— ७।४८
बुलंदशहर	२८।२४	७७।५४	— १८।२४
बूडान	२८। २	७९।१०	— १३।२०
बेलागंज	२५।५६	८२। २	— १।५२
भदोही-जोनपुर	२५।२४	८२।३८	+ ०।३२
मछलीशहर	२५।४१	८२।२७	— ०।१२
महोबा	२५।१८	७९।५५	— १०।२०
मसूरी	३०।२७	७८। ६	— १७।३६
मथुरा	२७।२८	७७।४१	— १९।१६
मऊ	२५।५७	८३।३६	+ ४।२४
मिर्जापुर	२५।१०	८२।३७	+ ०।२८
मुरादाबाद	२८।५१	७८।४९	— १४।४४
मुगल सराय	२५।१७	८३।११	+ २।४४
मुज्जफरनगर	२९।२८	७७।४४	— १९। ४
मेरठ	२९। १	७७।४५	— १९। ०
मेहन्डवाल	२६।५८	८३।१०	+ २।४०
मैनपुरी	२७।१४	७९। ३	— १३।४८
यमुना	२५।३०	८१।१०	— ५।२०
यून्नो	२६।४८	८०।४३	— ७। ८
राय बरेली	२६।१४	८१।१६	— ४।५६
रामपुर	२८।४८	७९। ५	— १३।४०
रानीखेत	२९।४०	७९।३३	— ११।४८
रुहेलखण्ड	२८।३८	७९। ०	— १४। ०
रुड़की	२९।५२	७७।५३	— १८।२८
लखीमपुर	२७।५७	८०।४९	— ६।४४
लखनऊ	२६।५५	८०।५४	— ६।२४
ललितपुर	२४।२२	७८।२८	— १६। ८
वृन्दावन	२७।३३	७७।४४	— १९। ४
वाराणसी	२५।२०	८३। ०	+ २। ०
वारुना	२५।२५	८३। ०	+ २। ०
शाहाबाद	२७।३०	८०। ५	— ९।४०
शाहजहानपुर	२७।५४	७९।५७	— १०।१२
शिवालिकप.मा.	३०। ०	७८। ०	— १८। ०
सहारनपुर	२९।५८	७७।२३	— २०।२८
सारीला	२५।४६	७९।४३	— ११। ८
सिधाली	२७।१८	८०।५०	— ६।४०
सिकंदरा	२७।१३	७७।५८	— १८। ८
सीतापुर	२७।३२	८०।४३	— ७। ८
सुल्तानपुर	२६।१६	८२। ७	— १।३२

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
सैदपुर	२५।३२	८३।१६	+ ३। ४
सोरो	२७।५२	७८।४८	— १४।४८
संबल	२८।३५	७८।३७	— १५।३२
हल्दवानी	२९।११	७९।३५	— ११।४०
हमीरपुर	२५।५८	८०।१२	— ९।१२
हरदोई	२७।२३	८०।१०	— ९।२०
हापुर	२८।४३	७७।५०	— १८।४०
हरिद्वार	२९।५८	७८।१३	— १७। ८
हाथरस	२७।३६	७८। ६	— १७।३६

उडीसा -

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अथगढ	२०।३२	८५।४१	+ १२।४४
अथमल्लिक	२०।५५	८४।३०	+ ८। ०
अंगूल	२०।४८	८५। ९	+ १०। ४
कलाहंडी	१९।४०	८३। ०	+ २। ०
कटक	२०।२८	८५।५४	+ १३।३६
कासांजिया	२१।४३	८७। ७	+ १८।२८
कारोन्ड	१९।४०	८३। ०	+ २। ०
कोंझर	२१।३०	८५।३०	+ १२। ०
केन्द्रपारा	२०।३०	८६।२८	+ १५।५२
कैनटीरा	२०।४५	८४।३७	+ ८।२८
कोलाबीरा	२१।४९	८४।१५	+ ७। ०
कोणार्क	१९।५३	८६। ८	+ १४।३२
कोरापूट	.१८।४८	८२।४१	+ ०।४४
कोटापड	१९। ४	८२।२४	— ०।२४
खांडपारा	२०।१६	८५।१३	+ १०।५२
खुर्दा	२०।११	८५।४०	+ १२।४०
खोण्डमाल्स	२०।४२	८४।२०	+ ७।२०
गोपालपुर	१९।१६	८४।५७	+ ९।४८
गंजाम	१९।२२	८५। ६	+ १०।२४
चिल्का झ़ी.ल	१९।५०	८५।३०	+ १२। ०
छत्रापूर	१९।२१	८५। ३	+ १०।१२
जूनागढ	१९।५२	८२।५९	+ १।५६
जेपोर	१८।५२	८२।३८	+ ०।३२
टीगीरिया	२०।२८	८४।३४	+ ८।१६
टेलचर	२०।५७	८५।१६	+ ११। ४
ढेंकानल	२०।४०	८५।३८	+ १२।३२
दरापाला	२०।१९	८४।५६	+ ९।४४
दसपुर	२१।५८	८६। ७	+ १४।२८
दोगढ	२१।३२	८४।४६	+ ९। ४
धम्रा	२०।४८	८६।५६	+ १७।४४
नयागड	२०। ८	८५। ८	+ १०।३२
नर्सिंगपुर	२०।२८	८५। ७	+ १०।२८
नीजगढ़	२१।३०	८५।३०	+ १२। ०
नीलगिरी	२१।२७	८६।४९	+ १७।१६
फाल्स पोइंट	२०।२०	८६।४६	+ १७। ४
पराद्वीप	२०।३०	८६।५५	+ १७।४०
पटना	२०।४३	८३।१२	+ २।४८
पल्मिरास पोईन्ट	२०।४५	८७। २	+ १८। ८
पार्लकमिडी	१८।४७	८४। ८	+ ६।३२
पुरी	१९।४८	८५।५२	+ १३।२८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
बरहमपुर	१९।१८	८४।५१	+ ९।२४
बनाकी	२०।२१	८५।३३	+ १२।१२
बालेश्वर	२१।३०	८६।५४	+ १७।३६
बारांबा	२०।२५	८५।२३	+ ११।३२
बारीपाडा	२१।५६	८६।४६	+ १७। ४
बुद्ध	२०।५०	८४।५२	+ ९।२८
बोलंगीर	२०।४०	८३।३०	+ ४। ०
बोनाइगढ	२१।४९	८५। ०	+ १०। ०
बोरासंबर	२०।५८	८३। ०	+ २। ०
भद्रक	२१। ३	८६।३३	+ १६।१२
भवानी पटना	१९।५८	८३।१२	+ २।४८
भूवन	२१। ५	८५।५२	+ १३।२८
भूवनेश्वर	२०।१५	८५।५२	+ १३।२८
महानंदी	२०।१९	८६।४५	+ १७। ०
मल्कनगिरी	१८।२२	८१।५६	— २।१६
रत्नागिरी-उदयगिरी	१९। ४	८३।५५	+ ५।४०
रामपुर	२१। ५	८४।२२	+ ७।२८
रानीपुर	२०। ४	८५।२३	+ ११।३२
रायगढ	१९। ९	८३।२७	+ ३।४८
राउरकेला	२२।२५	८५। ०	+ १०। ०
लाहारा	२१।२६	८५।१४	+ १०।५६
सुंदर गढ	२२। ६	८४। ०	+ ६। ०
सूरादा	१९।४५	८४।२९	+ ७।५६
सोहेला	२१।१८	८३।२६	+ ३।४४
सोनपुर	२०।५१	८३।५९	+ ५।५६
संबलपुर	२१।२८	८४। १	+ ६। ४
हींदोल	२०।३६	८५।१४	+ १०।५६
हीराकुण्ड	२१।३०	८४। ०	+ ६। ०

कर्नाटक -

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अलीस्वैर	१८।१०	७७।१३	— २१। ८
अनागुंदी	१५।२१	७६।३३	— २३।४८
अथनी	१६।४४	७५। ६	— २९।३६
आलन्द	१७।३६	७६।३५	— २३।४०
उडीपा	१३।२०	७४।४५	— ३१। ०
कल्लूर	१६।१२	७७। ८	— २१।२८
कल्याणी	१७।५३	७६।५९	— २२। ४
कर्काला	१३।१२	७५। ०	— ३०। ०
ककुम्ता	१४।२६	७४।२७	— ३२।१२
कादूर	१३।३३	७६। ३	— २५।४८
कारवार	१४।४८	७४।११	— ३३।१६
कूद्रीमूख	१३।१०	७५।१५	— २९। ०
कोण्डापुर	१३।३८	७४।४२	— ३१।१२
कोलार	१३। ९	७८।११	— १७।१६
कोलारस्वर्णस.	१२।५५	७८।१७	— १६।५२
कोलेगल	१२। ९	७७। ९	— २१।२४
कोल्लूर	१३।५३	७४।५३	— ३०।२८
कोवाल	१५।२०	७६।१३	— २५। ८
कोटूरु	१४।४९	७६।१६	— २४।५६
कृष्णाराजा	१२।२०	७६।३२	— २३।५२
स्वानपुर	१५।४२	७४।३५	— ३१।४०
गीरसोपा	१४।१८	७४।५५	— ३०।२०
गुलबर्गा	१७।१९	७६।५४	— २२।२४
गोकाक	१६।११	७४।५२	— ३०।३२
गंदग	१५।२५	७५।४२	— २७।१२
गंगावाटी	१५।३०	७६।३६	— २३।३६
चनापटना	१२।३८	७७।१३	— २१। ८
चामराजनगर	११।५६	७७। ०	— २२। ०
चिकमगलूर	१३।१८	७५।४९	— २६।४४
चिकनायकनहील	१३।२५	७६।४०	— २३।२०
चित्रदूर्ग	१४।१४	७६।२६	— २४।१६
चिकबल्लापुर	१३।२६	७७।४६	— १८।५६
जमखंडी	१६।३०	७५।२०	— २८।४०
जोग फाल्स	१४।१८	७४।५५	— ३०।२०
टेलगुपा	१४।१०	७४।५२	— ३०।३२
डोडबालापुर	१३।१४	७७।२३	— २०।२८
तारीकेरे	१३।४२	७५।५१	— २६।३६
तुमकूर	१३।२०	७७। ८	— २१।२८
देवगिरी	१४।३१	७५।५८	— २६। ८
दोबर्ग	१६।२५	७७। ०	— २२। ०
धारवाड	१५।२७	७५। ०	— ३०। ०
नाजनगुड	१२। ७	७६।४४	— २३। ४
पुत्तूर	१२।४५	७५।१०	— २९।२०
बदामी	१५।५५	७५।४५	— २७। ०
बगवादी	१६।३३	७६। ५	— २५।४०
बंगलोर	१२।५८	७७।३६	— १९।३६
बागलकोट	१६।१२	७५।४५	— २७। ०
बीदर	१७।५७	७७।३९	— १९।२४
बीजापुर	१६।५०	७५।४७	— २६।५२
बेलगाँव	१५।५२	७४।३४	— ३१।४४
बेल्लारी	१५। ९	७६।५५	— २२।२०
बंटवल	१२।५३	७५। ५	— २९।४०
भद्रावती	१३।५२	७५।४०	— २७।२०
भल्की	१८। ४	७७।१०	— २१।२०
मडकेरी	१२।२६	७५।४७	— २६।५२
मनवत	१९।१८	७६।३०	— २४। ०
मन्वी	१५।५७	७६।५८	— २२। ८
मुडविहाल	१६।२०	७६।१०	— २५।२०
मुडहोल	१६।२०	७५।२०	— २८।४०
मुलबागल	१३।११	७८।१४	— १७। ४
मैसूर	१२।१८	७६।४२	— २३।१२
मंगलौर	१२।५२	७४।५३	— ३०।२८
येलैण्डूर	१२। ५	७७। ०	— २२। ०
रामनगरम्	१२।५४	७७।१२	— २१।१२
रामदूर्ग	१५।५८	७५।२२	— २८।३२
रानिबन्नूर	१४।३३	७५।४१	— २७।१६
रीटहूर	१६।१२	७७।२१	— २०।३६
रोबर्टसोनपेट	१२।५८	७८।१६	— १६।५६
लोंदा	१५।६०	७४।५०	— ३०।४०
लीगसूगर	१६। ७	७६।३४	— २३।४४
वादी	१७। ०	७६।५७	— २२।१२
विजयनगर	१५।२०	७६।३०	— २४। ०
बेनीविलास	१३।५०	७६। २	— २५।५२
शाहाबाद	१७।१०	७८।११	— १७।१६
शाहपुर	१५।५०	७४।३४	— ३१।४४
शिमोगा	१३।५६	७५।३८	— २७।२८
शेकापुंर	१४।१६	७५।२४	— २८।२४
सागर	१६।३७	७६।५१	— २२।३६
सावानूर	१४।५८	७५।१९	— २८।४४
सिंधी	१६।५८	७६।१३	— २५। ८
सिंघनूर	१५।४५	७६।४३	— २३। ८
सीरा	१३।४५	७६।५७	— २२।१२
सीर्सी	१४।३६	७४।५४	— ३०।२४
सीवासमुद्रम्	१२।१६	७७।१३	— २१। ८
सूरापुर	१६।३१	७६।४८	— २२।४८
सदूर	१५। २	७६।३६	— २३।३६
श्रीरंगपटनम्	१२।२६	७६।४३	— २३। ८
हेंगल	१४।४६	७५।१२	— २९।१२
हरनाली	१३।१५	७६।१२	— २५।१२
हर्दनहल्ली	१४।४७	७५।५८	— २६। ८
हरिहर	१४।३१	७५।५२	— २६।३२
हासन	१३। १	७६।१०	— २५।२०
हीरीयूर	१३।५७	७६।४०	— २३।२०
हुबली	१५।२०	७५।१२	— २९।१२
होल नारसीपुर	१२।४७	७६।१७	— २४।५२
होगनाबाद	१७।४३	७७।१२	— २१।१२
होनावर	१४।१७	७४।२९	— ३२। ४
होनाली	१४।१५	७५।४१	— २७।१६
होसदूर्गा	१३।४८	७६।२०	— २४।४०
होसपेंट	१५।१६	७६।२६	— २४।१६
हंसर	१२।१८	७६।१९	— २४।४४

केरला -

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अलप्पी	९।३०	७६।२३	— २४।२८
आलुवाय	१०। ७	७६।२४	— २४।२४
एर्नाकुलम	१०। ०	७६।१५	— २५। ०
अंजेंगो	८।४०	७६।४८	— २२।४८
कण्णूर	११।५२	७५।२५	— २८।२०
कालीकट	११।१५	७५।४९	— २६।४४
कार्डमोम हिल्स	९।२७	७६।५२	— २२।३२
कासरगोड	१२।३०	७५। ०	— ३०। ०
कोचीन	९।५८	७६।१७	— २४।५२
कोल्लम	८।५४	७६।३८	— २३।२८
कोट्टयम्	९।३६	७६।३४	— २३।४४
चित्तूर	१०।४२	७६।४७	— २२।५२
तेलीचेरी	११।४५	७५।३२	— २७।५२
नीलगिरीहिल्स	११।२८	७६।४७	— २२।५२
पालघाट	१०।४६	७६।४२	— २३।१२
पामेड	९।३०	७७। २	— २१।५२
पेरियार	१०। ०	७६।५२	— २२।३२
पोन्नय	१०।४७	७५।५८	— २६। ८
बेपोर	११।१०	७५।५०	— २६।४०
मट्टांचेरी	९।५७	७६।१७	— २४।५२

सूचना - संवत् २०७२, ७५, ७६, ७८ में ये पृष्ठ नहीं आयेंगें । अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष के कारण किसी भी तरह की त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा । -गणितकर्ता.

+ = धन || वृहद्-देशान्तर सारिणी || (अक्षांश और रेस्यांश अंश-कलादि में) नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं । **— = ऋण**

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेस्यांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
माही	११।४२	७५।३४	— २७।४४
विपिन	९।५८	७९।१७	— १२।५२
वैक्कम	९।४५	७६।२७	— २४।१२
त्रिशूर	१०।३०	७६।१५	— २५। ०
त्रिवेंद्रम	८।२९	७६।५९	— २२। ४
गुजरात -			
अहमदाबाद	२३।२०	७२।३०	— ४०। ०
अमरेली	२१।३६	७१।१५	— ४५। ०
आनंद	२२।३२	७३। ०	— ३८। ०
इदर	२३।५०	७३। २	— ३७।५२
अंकलेश्वर	२१।३८	७३। २	— ३७।५२
कच्छ वड़ारण	२४। ०	७०। ०	— ५०। ०
कच्छ छोटारण	२३।२६	७१।२०	— ४४।४०
कच्छ की खाडी	२२।३५	६९।४०	— ५१।२०
कादी	२३।१८	७२।२३	— ४०।२८
कालोल	२३।१५	७२।३३	— ३९।४८
काठिया. पेनिसुला	२२। ०	७१। ०	— ४६। ०
कंडला	२३। ०	७०।१०	— ४९।२०
खदीर	२३।५०	७०।४२	— ४७।१२
खमबाट	२१। ०	७२।३०	— ४०। ०
खमबाट	२१। ०	७२।३०	— ४०। ०
खारागोडा	२३।१२	७२।१५	— ४१। ०
खेड़ा	२२।४५	७२।४५	— ३९। ०
खेडब्रह्मा	२४। ३	७३। ४	— ३७।४४
खेरालू	२३।५४	७२।४०	— ३९।२०
गांधीधाम	२३। ७	७०।१०	— ४९।२०
गांधीनगर	२३।१५	७२।४५	— ३९। ०
गोंडल	२१।५५	७०।५२	— ४६।३२
गीर फोरेस्ट	२१। ०	७१। ०	— ४६। ०
गोधरा	२२।४५	७३।४०	— ३५।२०
घंटीला	२३।१०	७१।१०	— ४५।२०
छोटा उदयपुर	२२।१८	७४। ८	— ३३।२८
जफाराबाद	२०।५२	७१।२५	— ४४।२०
जखू	२३।१४	६८।४५	— ५५। ०
जामनगर	२२।२७	७०। ७	— ४९।३२
जासडन	२२। ४	७१।११	— ३९।५६
जूनागढ	२१।३१	७०।३६	— ४७।३६
डबोही	२२।११	७३।२५	— ३६।२०
डाठा	२१।१२	७२। ०	— ४२। ०
ढेडेन	२१। ०	७१।२२	— ४४।३२
ढोलेरा	२२।१५	७२।१५	— ४१। ०
ढोलका	२२।४४	७२।२९	— ४०। ४
ढंढूका	२२।२१	७२। २	— ४१।५२
तापी	२१।२०	७४।३०	— ३२। ०
तारंगा हील	२४। ३	७२।४४	— ३९। ४
थ्रेड	२४।२३	७१।३७	— ४३।३२
दाहज	२१।४२	७२।३८	— ३९।२८
दीसा	२४।१४	७२।१३	— ४१। ८
दोहड	२२।५३	७४।११	— ३२।४४
द्वारका	२२।१४	६९। १	— ५३।५६

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेस्यांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
धरमपुर	२०।३२	७३।१३	— ३७। ८
धोराजी	२१।४५	७०।३७	— ४७।३२
ध्रागंध्रा	२२।५९	७१।३१	— ४३।५६
नवसारी	२१। ७	७३।४०	— ३५।२०
नडियाद	२२।४१	७२।५५	— ३८।२०
नांदेड	२१।५४	७३।३४	— ३५।४४
पच्छम	२३।५६	६९।५०	— ५०।४०
पद्रा	२२।१५	७३। ७	— ३७।३२
परांतीज	२३।२६	७२।५५	— ३८।२०
पालनपुर	२४।१२	७२।२८	— ४०। ८
पलिताना	२१।३१	७१।५३	— ४२।२८
पाटन सोमनाथ	२१। ४	७०।२६	— ४८।१६
पाटन	२३।५२	७२।१०	— ४१।२०
पीटलेड	२२।२९	७२।५०	— ३८।४०
पोरबंदर	२१।३७	६९।४९	— ५०।४४
पोर्ट ओखा	२२।१५	६९।१०	— ५३।२०
वडोदा	२५।२५	७६। ७	— २५।३२
बदोदरा	२२। ०	७३।१२	— ३७।१२
बांसदा	२०।४५	७३।२८	— ३६। ८
बेदी	२२।३२	७०। २	— ४९।५२
बेला	२३।४८	७०।५०	— ४६।४०
बोरसद	२२।२५	७२।५४	— ३८।२४
भड़ोच	२१।४१	७३। १	— ३७।५६
भावनगर	२१।४६	७२।११	— ४१।१६
भुज	२३।१५	६९।४९	— ५०।४४
महुआ	२१।१०	७१।४५	— ४३। ०
मागोरी	२३।१८	७३।२४	— ३६।२४
माही	२२।२०	७३। ५	— ३७।४०
मालीया	२३। ९	७०।८२	— ४४।३२
मुन्दरा	२२।४९	६९।५२	— ५०।३२
मेहसाना	२३।४२	७२।३७	— ३९।३२
मेहमदाबाद	२२।५०	७२।४८	— ३८।४८
मोबासा	२३।२८	७३।२१	— ३६।३६
मोरबी	२२।४९	७०।५४	— ४६।२४
मंडवी	२२।५१	६८।३२	— ५५।५२
मंग्राल	२१। ८	७०।१४	— ४९। ४
राजकोट	२२।१८	७०।५६	— ४६।१६
रापेर	२३।३२	७०।४०	— ४७।२०
रेढानपुर	२३।५०	७१।३८	— ४३।२८
लखपत	२३।५९	६८।४८	— ५४।४८
लखतर	२२।५२	७१।५१	— ४२।३६
लिम्बडी	२२।३४	७१।५३	— ४२।२८
लुनावाडा	२२। ८	७३।३७	— ३५।३२
वल्साड	२०।३६	७२।५९	— ३८। ४
वांकानेर	२२।३३	७१। ०	— ४६। ०
वाघवान	२२।४३	७१।४३	— ४३। ८
विरमगाँव	२३। ८	७२। ७	— ४१।३२
विसावदर	२१।२२	७०।५२	— ४६।३२
वेरावल	२०।५३	७०।२६	— ४८।१६
सदरा	२३।२०	७३।४७	— ३४।५२
सतपुड़ा पवर्त	२१।४०	७५। ०	— ३०। ०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेस्यांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
सचिन	२१। ५	७२।५९	— ३८। ४
साराधा	२१।३५	७०। ५	— ४९।४०
सिद्धपुर	२३।४५	७२।३७	— ३९।३२
सुरेन्द्रनगर	२२।४३	७१।४३	— ४३। ८
सूरत	२१।१२	७२।५२	— ३८।३२
सोमनाथ	२१। ४	७०।२६	— ४८।१६
हिम्मतनगर	२३।४२	७३। २	— ३७।५२
पणजी-गोआ	१५।३०	७३।५५	— ३४।२०
जम्मू और कश्मीर -			
अनतनाग	३३।४३	७५।१७	— २८।५२
ऊधमपुर	३२।५५	७५। ९	— २९।२४
कपालू	३५।१०	७६।२०	— २४।४०
कत्थ्यू	३२।१७	७५।३६	— २७।३६
कराकोरमप.मा.	३६।१०	७५। ०	— ३०। ०
कार्गिल	३४।३०	७६।१३	— २५। ८
किस्तवार	३३।१९	७५।४८	— २६।४८
कोट्ली	३३।३०	७३।५७	— ३४।१२
खारतक्षो	३४।५३	७६।१०	— २५।२०
गुलमर्ग	३४।१५	७४।२५	— ३२।२०
गुराइस	३४।३८	७४।५६	— ३०।१६
गोडवीनअस्टन	३५।३०	७६।३२	— २३।५२
जम्मू	३२।४४	७४।५४	— ३०।२४
जेरकर	३३।३०	७७। ०	— २२। ०
डारस	३४।२२	७५।५०	— २६।४०
नौशेरा	३३।१३	७४।१७	— ३२।५२
नंगा पर्वत	३५।२०	७४।४०	— ३१।२०
पदम	३३।२८	७६।५४	— २२।२४
पीर पंजी पास	३३।३६	७४।२२	— ३२।३२
पूंछ	३३।५१	७४। ८	— ३३।२८
बालटिस्तान	३५।३०	७६। ०	— २६। ०
बारामूला	३४।१०	७४।३०	— ३२। ०
भदरावाह	३३। ४	७५।४०	— २७।२०
मीरपुर	३३।१२	७३।५१	— ३४।३६
मुज़फराबाद	३४।२४	७३।२२	— ३६।३२
रामनगर	३२।५२	७५।२२	— २८।३२
लदाख प.मा.	३२। ०	८०। ०	— १०। ०
लेह	३४।१०	७७।४०	— १९।२०
वुलार	३४।२०	७४।३७	— ३१।३२
सोपुर	३४।१९	७४।३०	— ३२। ०
श्रीनगर	३४। ६	७४।५१	— ३०।३६
तमिलनाडु -			
अनामलाइहिल्स	१०।२४	७६।४०	— २३।२०
अराकनम	१३। ५	७९।४३	— ११। ८
अरनतागी	१०।१०	७९। २	— १३।५२
अरनी	१२।४०	७९।१९	— १२।४४
अरुपकोटा	९।३१	७८। ८	— १७।२८
अदिरामपट्टिनम्	१०।२१	७९।२५	— १२।२०
आरकोट	१२।५६	७९।२४	— १२।२४
इरोड	११।२०	७७।४६	— १८।५६

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेस्यांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
इनोर	१३।१४	८०।२२	— ८।३२
उदागमंडलम्	११।२४	७६।४४	— २३। ४
उडमलपेट	१०।३६	७७।१७	— २०।५२
उदरायारपालीयम	११।११	७९।२०	— १२।४०
उत्तंगाराय	१२।१६	७८।३५	— १५।४०
अंबासमुद्रम्	८।४३	७७।२९	— २०। ४
अंबूर	२१।५०	७८।४५	— १५। ०
करुपूर	१०।५८	७८। ७	— १७।३२
कार्नेटीक	१२। ०	८०। ०	— १०। ०
कांचीपुरम्	१२।५०	७९।४५	— ११। ०
कारिकल	१०।५५	७९।५२	— १०।३२
कायलपट्टिनम्	८।३४	७८।१०	— १७।२०
कीलाकराई	९।१४	७८।५०	— १४।४०
कूडलोर	११।४३	७९।४९	— १०।४४
कैलीमेरेपोइन्ट	१०।१८	७९।५२	— १०।३२
केवियर	११।२०	७७।५०	— १८।४०
कोयम्बत्तूर	११। ०	७७। ०	— २२। ०
कोरोमंडल	१२। ०	८०।३०	— ८। ०
कोडाईकनाल	१०।१३	७७।३२	— १९।५२
कुंभकोनम	१०।५९	७९।२४	— १२।२४
कृष्णागिरी	१२।३२	७८।१६	— १६।५६
गुडीयतम	१२।५७	७८।५५	— १४।२०
चिन्नई	१३। ४	८०।१२	— ९।१२
चिंदबरम	११।२४	७९।४४	— ११। ४
चिंगलपुट	१२।४२	८०। १	— ९।५६
जालारेप्ट	१२।३४	७८।३७	— १५।३२
जावादी हिल्स	१२।४०	७८।४०	— १५।२०
टींडीवानन	१२।१४	७९।४२	— ११।१२
टोन्डी	९।४५	७९। ४	— १३।४४
ट्रांसक्यूबर	११। १	७९।५४	— १०।२४
डींडीगल	१०।२२	७८। ०	— १८। ०
डोडाबेटा	११।२५	७६।४६	— २२।५६
तिरुचिरापल्ली	१०।५०	७८।४६	— १४।५६
तिरुकोयल्लूर	११।५८	७९।१५	— १३। ०
तिरुमंगलम्	९।४९	७९। १	— १३।५६
तिरुनेलवेली	८।४४	७७।४४	— १९। ४
तिरुपुर	११। ५	७७।२०	— २०।४०
तिरुवेल्लूर	१३। ९	७९।५७	— १०।१२
तिरुवेन्नामलाइ	१२।१५	७९। ७	— १३।३२
तीरुचेंदूर	८।३०	७८।११	— १७।१६
तीरुचंगोदू	११।२३	७७।५६	— १८।१६
तुराईयूर	११। ९	७८।३८	— १५।२८
तूतीकोरन	८।४८	७८।११	— १७।१६
तेन्कसू	८।५८	७७।२१	— २०।३६
तंजाउर	१०।४७	७९।१०	— १३।२०
देवकोट्टै	९।५७	७८।५३	— १४।२८
धरमपुरी	१२। ८	७८।१३	— १७। ८
धनुषकोटि	९।१०	७९।२८	— १२। ८
धारापुरम	१०।४५	७७।३४	— १९।४४
नागपतनम्	१०।४६	७९।५३	— १०।२८
नागरकोइल	८।११	७७।२९	— २०। ४

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेस्यांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
नामाकाल	११।१३	७८।१३	— १७। ८
नांगुनेरी	८।२९	७७।४४	— १९। ४
नीलगिरि	११।२४	७६।४७	— २२।५२
नेवेली	१०।३१	७९।२४	— १२।२४
फोर्ट डेविट	११।४५	७९।५०	— १०।४०
फोर्ट गोर्गे	१३। ४	८०।१७	— ८।५२
पचीमलाई-हिल्स	११।१५	७८।३०	— १६। ०
पद्मनाभपुरम्	९। ६	७६।५०	— २२।४०
पलनी हिल्स	१०। ०	७७। ०	— २२। ०
पलनी	१०।२७	७७।३३	— १९।४८
पट्टुकोट्टाइ	१०।२६	७९।२२	— १२।३२
पालायन्कओटी	८।४३	७७।४६	— १८।५६
पालाडम	१०।५९	७७।२०	— २०।४०
पालावरम्	१२।५८	८०।१३	— ९। ८
पालीवासल	९।५५	७७। ०	— २२। ०
पानरुती	११।४७	७९।३५	— ११।४०
पार्मांकुडी	९।३१	७८।३९	— १५।२४
पुदुकोट्टाई	१०।२३	७८।५२	— १४।३२
पुलीकेट	१३।२५	८०।२१	— ८।३६
पेरांबलपुर	११।१४	७८।५६	— १४।१६
पेरियुकलम	१०। ७	७७।३५	— १९।४०
पोलाची	१०।३९	७७। ३	— २१।४८
पोलूर	१२।३१	७९।१०	— १३।२०
पोन्नेरी	१३।२०	८०।१५	— ९। ०
पोर्टो नोवो	११।३०	७९।४८	— १०।४८
बोडीनायकानूर	१०। १	७७।२४	— २०।२४
मदुरै	९।५८	७८।१०	— १७।२०
मधुरंतकम	१२।३०	७९।५६	— १०।१६
महावलीपुरम	१२।३७	८०।१४	— ९। ४
मन्नारगुडी	१०।४०	७९।२९	— १२। ४
मायूरम	११। ६	७९।४२	— ११।१२
मेट्टूपलायम	११।१८	७६।५९	— २२। ४
मेट्टूर डेम	११।५२	७७।५०	— १८।४०
यर्केड	११।४८	७८।१३	— १७। ८
राजापालीयाम	९।२७	७७।३६	— १९।३६
रामनाथपुरम्	९।२२	७८।५२	— १४।३२
रामेश्वरम्	९।१७	७९।२२	— १२।३२
वृद्धाचलम	११।३२	७९।२४	— १२।२४
वांदीवाश	१२।३०	७९।३०	— १२। ०
विल्लूपुर	११।५७	७९।३२	— ११।५२
विरुथुनगर	९।३५	७७।५७	— १८।१२
वेनियामबादी	१२।४१	७८।३९	— १५।२४
वेल्लोर	१२।५५	७९।११	— १३।१६
शेनकोटा	८।५९	७७।१८	— २०।४८
शेवारॉय	१२। ०	७८।३०	— १६। ०
सत्यमंगलन्	११।३०	७७।१७	— २०।५२
सात्तूर	९।२१	७७।५८	— १८। ८
शिवगंगा	९।५१	७९।३२	— ११।५२
सेलम	११।३९	७८।१२	— १७।१२
सैदापेट	१३। २	८०।१६	— ८।५६
संकरनकोइल	९।१०	७७।३५	— १९।४०

सूचना - संवत् २०७२, ७५, ७६, ७८ में ये पृष्ठ नहीं आयेंगें । अक्षांश-रेस्यांश एटलस से लिए है, दृष्टि दोष के कारण किसी भी तरह की त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा । -गणितकर्ता.

+ = धन ॥ बृहद्-देशान्तर सारिणी ॥ (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) **नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं ।** **– = ऋण**

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
श्रीरंगम	१०।५२	७८।४४	– १५। ४
श्रीविलीपुत्तर	९।३१	७७।४०	– १९।२०
होसूर	१२।४४	७७।५२	– १८।३२
त्रिपुरा -			
अगरतला	२३।५०	९१।२५	+ ३५।४०
उदयपुर	२३।३१	९१।३१	+ ३६। ४
नागालैण्ड -			
कोहीमा	२५।४०	९४। ८	+ ४६।३२
जापोव	२५।३२	९४।१०	+ ४६।४०
तुनसेनग	२६।२०	९४।४३	+ ४८।५२
दीमापुर	२५।५१	९३।४८	+ ४५।१२
नागा हिल्स	२६। ०	९४।२०	+ ४७।२०
पटकइ हिल्स	२७। ०	९५।३०	+ ५२। ०
पंजाब -			
अबोहर	३०। ८	७४।१२	– ३३।१२
अमृतसर	३१।३७	७४।५५	– ३०।२०
आनंदपुर	३१।१५	७६।३४	– २३।४४
उना	३१।३२	७६।१८	– २४।४८
कपूरथला	३१।२३	७५।२५	– २८।२०
करतारपुर	३१।२७	७५।३२	– २७।५२
कोटकपूरा	३०।३४	७४।५२	– ३०।३२
कंदाघाट	३०।५७	७७। ६	– २१।३६
खन्ना	३०।४२	७६।१४	– २५। ४
गारशंकर	३१।१३	७६।११	– २५।१६
गुरदासपुर	३२। ३	७५।२७	– २८।१२
जालंधर	३१।१९	७५।३५	– २७।४०
जंदीआला	३१।५१	७५।३७	– २७।३२
डूजाना	२८।४१	७६।४०	– २३।२०
डेराबाबा नानक	३२। २	७५। ४	– २९।४४
डेराबाबा	३१।५७	७५।२९	– २८। ४
तरन तारन	३१।२८	७४।५८	– ३०। ८
तान्डा उर्मार	३१।४०	७६।४१	– २३।१६
दसूया	३१।४९	७५।४२	– २७।१२
दीनानगर	३२। ८	७५।३१	– २७।५६
धरमकोट	३०।५६	७५।१४	– २९। ४
नाभा	३०।२५	७६। ९	– २५।२४
नांगल	३१।२३	७६।२३	– २४।२८
फगवाड़ा	३१।१३	७५।४७	– २६।५२
फरीदकोट	३०।४०	७४।५७	– ३०।१२
पठानकोट	३२।१७	७५।४२	– २७।१२
पटियाला	३०।२०	७६।२५	– २४।२०
फिरोजपुर	३०।५५	७४।४०	– ३१।२०
फ़ाजिल्का	३०।२५	७४। ४	– ३३।४४
बरनाला	३०।२६	७५।३३	– २७।४८
बटाला	३१।४९	७५।१४	– २९। ४
भटिंडा	३०।११	७५। ०	– ३०। ०
मच्छीवाडा	३०।५५	७६।१५	– २५। ०
मजीथा	३१।४६	७५। १	– २९।५६
मलेरकोटला	३०।३१	७५।५९	– २६। ४

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
मुक्तसर	३०।३०	७४।४३	– ३१। ८
मोगा	३०।४८	७५।१०	– २९।२०
मोहीन्दर	२८।१७	७६।१४	– २५। ४
राजपुरा	३०।२९	७६।३५	– २३।४०
रोपड़	३०।५७	७६।३२	– २३।५२
लुधियाना	३०।५५	७५।५४	– २६।२४
शेरेहिन्द	३०।३८	७६।२९	– २४। ४
सानावार	३०।१८	७६।३०	– २४। ०
सूजानपुर	३१।५०	७६।३३	– २३।४८
सूल्तानपुर	३१।५८	७७। ७	– २१।३२
सावरेन	३१। ७	७४।५४	– ३०।२४
संगरुर	३०।१२	७५।५३	– २६।२८
होशियारपुर	३१।३२	७५।५७	– २६।१२
प.बंगाल -			
अलीपुर	२२।३२	८८।२४	+ २३।३६
अलीपुरदौड	२६।३०	८९।३५	+ २८।२०
अरामबाग	२२।५३	८७।५०	+ २१।२०
आसनसोल	२३।४२	८७। १	+ १८। ४
इंगराजबाजार	२५। ०	८८।११	+ २२।४४
कटोया	२३।३९	८८।११	+ २२।४४
कूचबिहार	२६।२०	८९।२९	+ २७।५६
कोलकाता	२२।३४	८८।२८	+ २३।५२
कोन्टाइ	२१।५०	८७।४८	+ २१।१२
कोटाल्पुर	२३। १	८७।३८	+ २०।३२
कृष्णनगर	२३।२४	८८।३३	+ २४।१२
खड्गपुर	२२।३०	८७।२०	+ १९।२०
चिनसूरा	२२।५३	८८।२७	+ २३।४८
चित्तरंजन	२३।५०	८७। ०	+ १८। ०
चंदारिया	२२।५६	८८।५५	+ २५।४०
चंदरनगर	२२।५२	८८।२५	+ २३।४०
चंद्रकोन	२२।४४	८७।३३	+ २०।१२
जलपाईगुडी	२६।३२	८८।४६	+ २५। ४
जांगीपुर	२४।२८	८८। ५	+ २२।२०
झाडग्राम	२२।३०	८७।२०	+ १९।२०
डायमंड हार्बर	२२।११	८८।१४	+ २२।५६
तमलूक	२२।१८	८७।५८	+ २१।५२
तीलपारा	२३।५८	८७।३२	+ २०। ८
दामोदर	२३।१७	८७।३५	+ २०।२०
दार्जीलिंग	२७। ३	८८।१८	+ २३।१२
दुर्गापुर	२३।३०	८७।२०	+ १९।२०
नवद्वीप	२३।२४	८८।२३	+ २३।३२
नीहत्थी	२२।५४	८८।२८	+ २३।५२
पुरुलिया	२३।२०	८६।२५	+ १५।४०
प्लासे	२३।४७	८८।१७	+ २३। ८
बहरामपुर	२४। ६	८८।१९	+ २३।१६
बक्सादूर	२६।४५	८९।३५	+ २८।२०
बर्धमान	२३।१६	८७।५४	+ २१।३६
बल्दंगा	२३।५८	८८।२०	+ २३।२०
बाली	२२।३९	८८।२१	+ २३।२४
बालूरघाट	२५।१४	८८।४७	+ २५। ८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
बांकुड़ा	२३।१४	८७। ७	+ १८।२८
बारकपूर	२२।४६	८८।२४	+ २३।३६
बारानगर	२२।३८	८८।२२	+ २३।२८
बेनापोल	२३। ४	८८।३२	+ २४। ८
भद्रेश्वर	२२।४९	८८।२०	+ २३।२०
भारपारा	२२।५४	८८।२५	+ २३।४०
मलदाह	२५। ३	८८। ९	+ २२।३६
मुर्शिदाबाद	२४।११	८८।१९	+ २३।१६
मेदिनीपुर	२२।२५	८७।२१	+ १९।२४
रघुनाथपुर	२३।३२	८६।४३	+ १६।५२
रानाघाट	२३।११	८८।३७	+ २४।२८
रानीगंज	२५।५२	८७।५२	+ २१।२८
लब्बाह	२४।१३	८८।१९	+ २३।१६
विष्णुपुर	२३। ५	८७।२३	+ १९।३२
शान्तिपुर	२३।१४	८८।२९	+ २३।५६
सागर	२१।४०	८८।१०	+ २२।४०
सिल्लीगुडी	२६।४२	८८।२५	+ २३।४०
सीरामपुर	२२।४५	८८।२३	+ २३।३२
हुगली	२२।५५	८८।२६	+ २३।४४
हैओरा	२२।३५	८८।२३	+ २३।३२
बिहार -			
आरा	२५।३४	८४।३२	+ ८। ८
इचक	२४। ५	८५।२५	+ ११।४०
औरंगाबाद	२४।४५	८४।२५	+ ७।४०
कांताइ	२६।३१	८५।२१	+ ११।२४
कटिहार	२५।३०	८७।४०	+ २०।४०
किशनगंज	२६।१०	८७। २	+ १८। ८
कोलगांव	२५।१६	८७।१७	+ १९। ८
खारसावान	२२।४८	८५।५२	+ १३।२८
गया	२४।४९	८५। १	+ १०। ४
गरवा	२४।१०	८३।५२	+ ५।२८
गीरीध	२४।१०	८६।२१	+ १५।२४
गोविन्दपुर	२३।५१	८६।३४	+ १६।१६
गोर्गरी	२५।२८	८६।३८	+ १६।३२
गोपालगंज	२६।२८	८४।२६	+ ७।४४
गंदक	२६।३०	८४।३०	+ ८। ०
चाइबासा	२२।३३	८५।५१	+ १३।२४
छपरा	२५।४७	८४।४७	+ ९। ८
छत्रा	२४।१२	८४।५६	+ ९।४४
छोटा नागपुर	२३। ०	८५। ०	+ १०। ०
जमालपुर	२५।१९	८६।३२	+ १६। ८
जमशेदपुर	२२।५०	८६।१२	+ १४।४८
जयनगर	२६।३५	८६। ५	+ १४।२०
झरिया	२३।५०	८६।३३	+ १६।१२
टिलिया	२४।२०	८५।३१	+ १२। ४
डाल्टनगंज	२४। २	८४। ४	+ ६।१६
डुमरोन	२५।३३	८४।१२	+ ६।४८
डोरन्डा	२३।२२	८५।२२	+ ११।२८
तेकारी	२४।५७	८४।५३	+ ९।३२
दरभंगा	२६।१०	८५।५७	+ १३।४८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
दीनापुर	२५।३८	८५। ५	+ १०।२०
धनबाद	२३।४७	८६।३०	+ १६। ०
धनगेन	२५।१४	८४।१७	+ ७। ८
नवादा	२४।५३	८५।३५	+ १२।२०
नया डूमका	२४।३०	८७।२०	+ १९।२०
पटना	२५।३७	८५।१३	+ १०।५२
पाकार	२४।३८	८७।५४	+ २१।३६
पालामऊ	२३।५२	८४।१७	+ ७। ८
पालकोट	२२।५२	८४।४१	+ ८।४४
पार्श्वनाथ शि.	२४। ०	८६।११	+ १४।४४
पुर्णिया	२५।४९	८७।३१	+ २०। ४
पोराहत	२२।३६	८५।२८	+ ११।५२
बर्वा	२३।१०	८४।१६	+ ७। ४
बक्सार	२५।३४	८४। १	+ ६। ४
बाँकीपुर	२५।४०	८५।१२	+ १०।४८
बाराकार	२४।१०	८६।२०	+ १५।२०
बासिया	२२।५२	८४।५३	+ ९।३२
बुद्ध गया	२४।४१	८५। २	+ १०। ८
बेतिया	२६।४८	८४।३३	+ ८।१२
बोकारो	२३।४८	८५।५४	+ १३।३६
भागलपुर	२५।१५	८७।२०	+ १९।२०
मधेपुरा	२५।५७	८६।५१	+ १७।२४
मधुबनी	२६।२१	८६। ७	+ १४।२८
मधुपुर	२४।१८	८६।३७	+ १६।२८
मुंगेर	२५।२३	८६।३०	+ १६। ०
मुझफरपुर	२६। ७	८५।२७	+ ११।४८
मेसेन्जर	२४। ५	८७।२१	+ १९।२४
मोकामा	२५।२४	८५।५५	+ १३।४०
मोतीहारी	२६।४०	८५।५७	+ १३।४८
मंकहरी	२३।४०	८४।३३	+ ८।१२
राजमहल	२५। ३	८७।५३	+ २१।३२
रामगढ	२३।३८	८५।३४	+ १२।१६
रांची	२३।२३	८५।२३	+ ११।३२
लोहार्दागा	२३।२६	८४।४२	+ ८।४८
शेखूपुरा	२५। ९	८५।५३	+ १३।३२
सहरसा	२५।५५	८६।३५	+ १६।२०
समस्तीपुर	२५।५५	८५।५०	+ १३।२०
सागाउली	२६।४७	८४।४८	+ ९।१२
साहिबगंज	२५।१३	८७।४०	+ २०।४०
साराइकेला	२२।४२	८५।५८	+ १३।५२
सारंदा	२२।१६	८५।१५	+ ११। ०
सासाराम	२४।५७	८४। ३	+ ६।१२
सिंघभूम	२२।२४	८५।३०	+ १२। ०
सिवान	२६।१२	८४।१३	+ ६।५२
सीमारा	२४। ५	८४।५८	+ ९।५२
सीतामढी	२६।३५	८५।३२	+ १२। ८
सुवर्नरिखा	२२।१०	८७। ०	+ १८। ०
सोनपुर	२५।४२	८५।१३	+ १०।५२
संथालपरगना	२४।३०	८७। ०	+ १८। ०
हजारी बाग	२३।५९	८५।२५	+ ११।४०
हाजीपुर	२५।४१	८५।१४	+ १०।५६

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
मध्य प्र. -			
अदीगाँव	२२।३८	७९।३२	– ११।५२
अगर	२३।४४	७६। ४	– २५।४४
अजयगढ	२४।५३	८०।१३	– ९। ८
अली राजपुर	२२।११	७४।२४	– ३२।२४
अलीपुरा	२५।१०	७९।२२	– १२।३२
अमजेरा	२२।३२	७५।१०	– २९।२०
अस्ता	२३। १	७६।३८	– २३।२८
इंदौर	२२।४४	७५।५२	– २६।३२
इंदरावती	१९। ३	८१। ०	– ६। ०
इटारसी	२२।३०	७७।५५	– १८।२०
उज्जैन	२३। ९	७५।४३	– २७। ८
उमारिआ	२३।३०	८०।५३	– ६।२८
उनचारा	२४।३३	८०।३७	– ७।३२
एक्सरेगढ	२१।५४	८३।२६	+ ३।४४
ओर्छा	२५।२१	७८।३८	– १५।२८
अंबिकापुर	२३।१०	८३।१५	+ ३। ०
कवार्धा	२२। ०	८१।१७	– ४।५२
कातांगी	२१।४७	७९।५१	– १०।३६
कात्नि	२३।४७	८०।२७	– ८।१२
कूक्षी	२२।१३	७४।४८	– ३०।४८
कून्नू	१९। ३	८०।५३	– ६।२८
कैमूर	२४।३०	८१।१६	– ४।५६
कोर्वाय	२४। ७	७८। ५	– १७।४०
कोठी	२४।४५	८०।४०	– ७।२०
कंकेर	२०।१५	८१।३२	– ३।५२
खहीरागढ	२१।२६	८१। २	– ५।५२
खावरोद	२३।२५	७५।२०	– २८।४०
खानीढाणा	२५। १	७८। ७	– १७।३२
खारगाँव	२१।५०	७५।३७	– २७।३२
खिलचीपुर	२४। २	७६।३७	– २३।३२
खुराइ	२४। ३	८७।२३	+ १९।३२
खंडवा	२१।५०	७६।२३	– २४।२८
गदरवारा	२२।५६	७८।५०	– १४।४०
गया	२४।४९	८५। १	+ १०। ४
गाँधीसागरबाँध	२४।३९	७५।४१	– २७।१६
गुना	२४।४०	७७।२०	– २०।४०
गेराली	२५। ५	७९।२४	– १२।२४
गेरीहर	२५।१६	८०।१२	– ९।१२
ग्रहा	२४।२५	७८। ३	– १७।४८
ग्वालियर	२६।१४	७८।१०	– १७।२०
चलगली	२३।१८	८३।४२	+ ४।४८
चिंटनार	१८।२०	८१।१८	– ४।४८
चंबले	२५।४०	७६।२०	– २४।४०
चंपा	२२। २	८२।४३	+ ०।५२
चंदेरी	२४।४२	७८।११	– १७।१६
छत्तरपुर	२४।५४	७९।३८	– ११।२८
छिंदवाड़ा	२२। ३	७८।५९	– १४। ४
छुरवण्डन	२१।१३	८१। २	– ५।५२
जबलपुर	२३।१०	७९।५८	– १०। ८

सूचना - संवत् २०७२, ७५, ७६, ७८ में ये पृष्ठ नहीं आयेंगें । अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष के कारण किसी भी तरह की त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा । -गणितकर्ता.

+ = धन || बृहद्-देशान्तर सारिणी || (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते है। — = ऋण

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
जगदालपुर	१९। ५	८२। ४	– १।४४
जनकपुर	२३।४३	८१।५०	– २।४०
जासपुरनगर	२२।५३	८४।१२	+ ६।४८
जासों	२४।३०	८०।३२	– ७।५२
जोरा	२३।४३	७५। ९	– २९।२४
जोवत	२२।२९	७४।३७	– ३१।३२
झाबुआ	२२।४५	७४।३८	– ३१।२८
टीकमगढ़	२४।४५	७८।५३	– १४।२८
डाट्या	२५।३९	७८।२७	– १६।१२
डींडोरी	२२।५७	८१।४१	– ३।१६
डोंगरगढ	२१।१२	८०।५०	– ६।४०
डोरी	२३।२३	७९। ४	– १३।४४
डंट्रीवारा	१८।५४	८१।२८	– ४। ८
तोरीफतहपुर	२५।२८	७९। ८	– १३।२८
दामोह	२३।५०	७९।२९	– १२। ४
दुर्ग	२१।११	८१।२१	– ४।३६
देवास	२२।५८	७६। ६	– २५।३६
दोगढ	२१।५१	७८।५०	– १४।४०
धमतरी	२०।४२	८१।३४	– ३।४४
धर्मजयगढ	२२।२८	८३।१५	+ ३। ०
धार	२२।३५	७५।२०	– २८।४०
धूरवाइ	२५।२८	७९। ७	– १३।३२
नरसिंहपुर	२२।५७	७९।१५	– १३। ०
नवाव बसोदा	२३।३७	७८।१४	– १७। ४
नागदा	२३।३०	७५।२९	– २८। ४
नागोड	२४।३३	८०।३७	– ७।३२
नासिंगगढ	२३।४४	७७। ८	– २१।२८
नारवाड़	२५।३९	७७।५३	– १८।२८
नीमच	२४।२७	७४।५२	– ३०।३२
नीगांव	२५। ३	७९। ३	– १३।४८
पचपाहर	२४।२५	७५।५०	– २६।४०
पन्ना	२४।४४	८०।१४	– ९। ४
पतहारि	२३।५६	७८।१५	– १७। ०
पार्लकोट	१९।४५	८०।४८	– ६।४८
पिरावा	२४।१२	७६। ६	– २५।३६
पितिहरा	२३। ४	७९।२०	– १२।४०
फूलझार	२१।१४	८२।५४	+ १।३६
परोन	२४।५७	७६।५०	– २२।४०
पेनगंगा	२०। ०	७७। ०	– २२। ०
पंढारी	२२।१५	८१।२७	– ४।१२
पंथ पीपलोदा	२३।३७	७५।२०	– २८।४०
पंचमढी	२२।३०	७८।२२	– १६।३२
प्रतावपुर	१९।५९	८०।५०	– ६।४०
बदनूर	२१।८०	७७।९०	– १६। ०
वर्दी	२४।३०	८२।२६	– ०।१६
बस्तर	१९।१०	८१।३०	– ४। ०
बज्ना	२५।२७	७९। ५	– १३।४०
बागलखंड	२४।१०	८२। ०	– २। ०
बालाघाट	२१।४८	८०।१५	– ९। ०
बारानंदा	२५। ३	८०।४०	– ७।२०
बाडवानी	२२। ३	७४।५७	– ३०।१२

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
विलासपुर	२२। ५	८२।१३	– १। ८
बीजावार	२४।३८	७९।३२	– ११।५२
बीजी	१८। २	८१।२४	– ४।२४
बुंदेलखण्ड	२४।४०	८०। ०	– १०। ०
बुरहानपुर	२१।१७	७६।१६	– २४।५६
बैरी	२५।५५	७९।५५	– १०।२०
बेतूल	२१।५३	७७।५९	– १८। ४
बंका पहरी	२५।१४	८०।५०	– ६।४०
ब्यावरा	२३।५५	७६।५७	– २२।१२
भादुरा	२४।४८	७७।२६	– २०।१६
भीड	२६।३६	७८।४६	– १४।५६
भिंड	२६।३५	७८।४६	– १४।५६
भेइन्दी	२१।३९	७७।४०	– १९।२०
भोपाल	२३।१४	७७।१८	– २०।४८
भोपाल पटनम	१८।५०	८०।२४	– ८।२४
महेडो हिल्स	२२।२४	७८। ०	– १८। ०
महेन्द्रगढ	२३।२१	८२।२१	– ०।३६
महेश्वर	२२।११	७५।३७	– २७।३२
मक्री	१९।४५	८१।५८	– २। ८
मनोहर थाना	२४।१७	७६।४५	– २३। ०
मउगंज	२४।४०	८१।५६	– २।१६
माइहर	२४।१६	८०।४९	– ६।४४
माकराज	२२। ४	७७। ८	– २१।२८
मालवाप्लोटीयू	२४। ०	७६। ०	– २६। ०
मानपुर	२२।२४	७५।४०	– २७।२०
माउ	२२।१५	८०।१३	– ९। ८
मुरैना	२६।२३	७८। ४	– १७।४४
मुहम्मदगढ	२३।३९	७८।१३	– १७। ८
मुरवारा	२३।५१	८०। २	– ९।५२
मेहडीपुर	२३।२९	७५।४२	– २७।१२
मेमावर	२२।३०	७७। ०	– २२। ०
मोरार	२६।१३	७८।१४	– १७। ४
मंडला	२२।४३	८०।३५	– ७।४०
मंदसौर	२४। ३	७५। ८	– २९।२८
रतनपुर	२२।१७	८२।११	– १।१६
रतलाम	२३।३१	७५। ७	– २९।३२
रेहली	२३।३८	७९। ५	– १३।४०
रावकोक	२२।२८	८३।१५	+ ३। ०
राघोगढ	२४।२६	७७।१५	– २१। ०
रायपुर	२१।१५	८१।४१	– ३।१६
राज नंदगाँव	२१। ५	८१। ५	– ५।४०
राजगढ	२४। ०	७६।४७	– २२।५२
राजीम	२०।५९	८१।५५	– २।२०
रामनगर	२४।११	८१।१२	– ५।१२
रामकोला	२३।४०	८३। ८	+ २।३२
रामनगर	२।३६	८०।३३	– ७।४८
रामपुरा	२३।२८	७५।३०	– २८। ०
रायसेन	२३।१५	७७।५०	– १८।४०
रीवा	२४।३१	८१।१९	– ४।४४
लखनदोन	२२।३६	७९।३९	– ११।२४
लश्कर	२६।१०	७८।१०	– १७।२०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
लुगासी	२५। ५	७९।३७	– ११।३२
विदिशा	२३।३२	७७।५१	– १८।३६
विनधा	२२।३०	७६। ०	– २६। ०
शहडोला	२३। ०	८१।३०	– ४। ०
शान्ता	२४।३४	८०।५५	– ६।२०
शाहपुर	२१।१३	७६।१५	– २५। ०
शाहपुरा	२३।१०	८०।४५	– ७। ०
शाजापुर	२३।२६	७६।१८	– २४।४८
शिवपुरी	२५।४०	७७।४४	– १९। ४
शेओपुर	२५।३९	७६।४१	– २३।१६
समथर	२५।५१	७८।४९	– १४।४४
सागर	२३।५०	७८।५०	– १४।४०
सात्ती	२२। १	८३। ०	+ २। ०
सारंगढ	२१।३६	८३। ७	+ २।२८
सारंगपुर	२३।३४	७६।३१	– २३।५६
सिवनी	२२। ६	७९।३५	– ११।४०
सिद्धी	२४।२०	८२।३९	+ ०।३६
सिहोर	२३।२९	८०। ९	– ९।२४
सिरोन्ज	२४। ६	७७।४४	– १९। ४
सीओनी-मालवा	२२।२८	७७।२९	– २०। ४
सीतामु	२४। १	७५।२३	– २८।२८
सुजालपुर	२३।२४	७६।३४	– २३।४४
सुनकम	१८।२२	८१।४६	– २।५६
सेल्वाइ	२५।५१	७८।१९	– १६।४४
सेहोर	२३।१२	७७। ०	– २२। ०
सैलाना	२३।३१	७५। १	– २९।५६
सोहागपुर	२२।४२	७८।१७	– १६।५२
सोहावल	२४।३५	८०।५०	– ६।४०
सोनाखान	२१।३६	८२।३६	+ ०।२४
सोनहत	२३।२९	८२।३०	०। ०
हराइ	२२।३७	७९।१८	– १२।४८
होशंगाबाद	२२।४६	७७।४५	– १९। ०
महाराष्ट्र -			
अचलपुर	२१।१८	७७।८३	– १६।२८
अहीरी	१९।३०	८०।३०	– ८। ०
अहमदनगर	१९। ५	७४।४८	– ३०।४८
अजंता प.मा.	२०।२०	७७।१०	– २१।२०
अजंता	२०।३३	७५।४८	– २६।४८
अकलकोट	१७।३१	७६।५१	– २२।३६
अकोट	२१। ६	७७। ६	– २१।३६
अलीबाग	१८।३९	७२।५५	– ३८।२०
अमरावती	२०।५६	७७।४८	– १८।४८
अरमोरी	२०।२८	८०। २	– ९।५२
असाई	२०।१५	७६।५८	– २२। ८
अस्ती	१८।५०	७५।१५	– २९। ०
अस्ती वर्धा	२१।१२	७८।१४	– १७। ४
असये	२०।१५	७५।५८	– २६। ८
आकोला	२०।४२	७७। ६	– २१।३६
औंध	१७।३३	७४।२३	– ३२।२८
इगतपुरी	१९।४०	७३।३५	– ३५।४०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
उदगीर	१८।२५	७७।१०	– २१।२०
उल्लासनगर	१९।२०	७३।१०	– ३७।२०
उमेर	२०।१८	७९।२१	– १२।३६
उरलीकाँचन	१८।१०	७४। ६	– ३३।३६
उस्मानाबाद	१८। ८	७६। ६	– २५।३६
एलोरा	२०। २	७५।१३	– २९। ८
औरंगाबाद	१९।५६	७५।१९	– २८।४४
अंबगाँव	२०।३८	८०। ०	– १०। ०
करड	१७।१५	७४।१२	– ३३।१२
करामला	१८।२४	७५।१५	– २९। ०
कल्याण	१९।१४	७३।१०	– ३७।२०
कादीराबाद	१९।५१	७५।५६	– २६।१६
कामटी	२१।१४	७९।१५	– १३। ०
कारंजा	२०।२९	७७।३२	– १९।५२
कोंडलवाडी	१८।१५	७७।४३	– १९। ८
कीर्की	१८।३३	७३।५४	– ३४।२४
कुरुंदवाद	१६।४०	७४।४०	– ३१।२०
कोल्हापुर	१६।४२	७४।१६	– ३२।५६
कोपागाँव	१९।५४	७४।३३	– ३१।४८
कोयना	१७।३०	७३।४५	– ३५। ०
खापा	२१।२५	७९। २	– १३।५२
खुलदाबाद	२०। १	७५।१५	– २९। ०
खेमगाँव	२०।४२	७६।३७	– २३।३२
खेड़	१८।५१	७३।५६	– ३४।१६
गविलगढ	२१।२२	७७।२५	– २०।२०
गोंदिया	२१।२८	८०।२९	– ८। ४
गंगटेखर	१८।५२	७६।४३	– २३। ८
चालिसगाँव	२०।३३	७५।१०	– २९।२०
चिकाल्डा	२१।२४	७७।२२	– २०।३२
चोपड़ा	२१।१५	७५।२०	– २८।४०
चंदोर	२०।२०	७४।१९	– ३२।४४
चंद्रपुर	१९।५७	७९।२१	– १२।३६
जलगाँव	२१। ५	७५।४०	– २७।२०
जमखंड	१८।४३	७५।२४	– २८।२४
जवाहर	१९।५२	७३।२१	– ३६।३६
जालना	१९।५१	७५।५६	– २६।१६
जाथ	१७। ३	७५।१५	– २९। ०
जुन्नर	१९।१२	७३।५८	– ३४। ८
जंजीरा	१८।१८	७३। ०	– ३८। ०
ठाणे	१९।१२	७३। २	– ३७।५२
डोली	२०।३९	७८।३२	– १५।५२
तालोडा	२१।३४	७४।१९	– ३२।४४
तारापुर	१९।५२	७२।४२	– ३९।१२
तुलजापुर	१८। २	७६।१०	– २५।२०
तुमसर	२०।१५	८०।१९	– ८।४४
दहानू	१९।५८	७२।४५	– ३९। ०
दीगुलर	१८।३४	७७।३३	– १९।४८
दौलताबाद	१९।५७	७५।१५	– २९। ०
दौण्ड	१८।३२	७४।४०	– ३१।२०
धुले	२०।५८	७४।४७	– ३०।५२
नागपुर	२१। ९	७९। ९	– १३।२४

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
नालदुर्ग	१७।४९	७६।२०	– २४।४०
नांदेड	१९। ९	७७।२७	– २०।१२
नासिक	२०। ०	७३।४२	– ३५।१२
नंन्दूर्वार	२१।२३	७४।१९	– ३२।४४
पचोरा	२०।३८	७५।२९	– २८। ४
परभनी	१९। ८	७६।५०	– २२।४०
परान्डा	१८।१६	७५।३०	– २८। ०
फालटेन	१८। ०	७४।२९	– ३२। ४
पाइथान	१९।२९	७५।२६	– २८।१६
पार्ली	१८।५३	७६।३६	– २३।३६
पाथरि	१९।२०	७६।३०	– २४। ०
पुणे	१८।३१	७३।५५	– ३४।२०
पंढरपुर	१७।४१	७५।२३	– २८।२८
पंन्नी	२०।४८	७९।४०	– ११।२०
बदनेरा	२०।५२	७७।४६	– १८।५६
बालापुर	२०।४२	७६।५२	– २२।३२
बाल्हाशाँह	१९।५५	७९।२३	– १२।२८
बांद्रा	१९। ३	७२।५२	– ३८।३२
बानकोट	१७।५८	७३। ५	– ३७।४०
बार्सी	१८।१३	७५।४४	– २७। ४
बसिम	२०। ५	७७।१०	– २१।२०
बीड़	१९। ०	७५।५०	– २६।४०
बूलढ़ाणा	२०।३२	७६।१४	– २५। ४
बसीनबासमत	१९।२२	७७।१२	– २१।१२
बेसिन	१९।२२	७२।५६	– ३८।१६
बोरी	२०।५५	७९। ५	– १३।४०
ब्रह्मापुरी	२०।४०	७९।५६	– १०।१६
भुसावल	२१। २	७५।४७	– २६।५२
भोर	१८। ९	७३।५४	– ३४।२४
भंडारा	२१। ९	७९।४२	– ११।१२
महाडा	१८। ३	७३।२४	– ३६।२४
महाबलेश्वर	१७।५८	७३।४३	– ३५। ८
मल्कापुर	२०।५३	७६।१७	– २४।५२
मन्माड	२०।१५	७४।२९	– ३२। ४
मनसार	२१।२४	७९।१९	– १२।४४
माथेरान	१८।५९	७३।१८	– ३६।४८
माजलगाँव	१९। ८	७६।१३	– २५। ८
मिरज	१६।४९	७४।४३	– ३१। ८
मुसर	१८।४२	७७।२४	– २०।२४
मुल	२०। ४	७९।४३	– ११। ८
मुल्सी	१८।५०	७३।५०	– ३४।४०
मुम्बई	१८।५७	७२।५०	– ३८।४०
मुरुद	१८।१८	७२।५९	– ३८। ४
मेलेगाँव	२०।३०	७४।४०	– ३१।२०
मेलवेन	१६। ३	७३।३०	– ३६। ०
मोमिनाबाद	१८।४४	७६।२३	– २४।२८
मंगाँव	१८।१५	७३।२०	– ३६।४०
यवतमाल	२०।२३	७८।११	– १७।१६
येओला	२०। ४	७४।३१	– ३१।५६
रत्नागिरि	१७। ८	७३।१९	– ३६।४४
रउजा	२०। १	७५।१५	– २९। ०

सूचना - संवत् २०७२, ७५, ७६, ७८ में ये पृष्ठ नहीं आयेंगें। अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए है, दृष्टि दोष के कारण किसी भी तरह की त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा। -गणितकर्ता.

+ = धन || वृहद्-देशान्तर सारिणी || (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं। — = ऋण

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
राहुरी	१९।२३	७४।४२	— ३१।१२
राजापुर	१६।३९	७३।३३	— ३५।४८
राजपीपला	२१।५५	७३।२६	— ३६।१६
राजूर	२०। ८	७८।५०	— १४।४०
राजूरा	१९।४५	७९।२६	— १२।१६
रामटेक	२१।२४	७९।२०	— १२।४०
लातूर	१८।२४	७६।३६	— २३।३६
लोनावला	१८।४४	७३।२८	— ३६। ८
वर्धा	२०।४५	७८।३९	— १५।२४
वाइ	१७।५७	७३।५६	— ३४।१६
विजयदुर्ग	१६।२६	७३।२६	— ३६।१६
वेन्गुरला	१५।५२	७३।४०	— ३५।२०
वैजापुर	१९।५९	७४।४८	— ३०।४८
शेगाँव	२०।४८	७६।४६	— २२।५६
सतारा	१७।४२	७४। २	— ३३।५२
सांगमनेर	१९।३५	७४।१६	— ३२।५६
सांगली	१६।५२	७४।३६	— ३१।३६
सिंदखेड़ा	२१।१८	७४।५०	— ३०।४०
सिन्नार	१९।५०	७४। ३	— ३३।४८
सीरोन्चा	१८।५१	८०। १	— ९।५६
सीरुर	१८।५०	७४।२३	— ३२।२८
सूरगाना	२०।३३	७३।२०	— ३६।४०
सेकोली	२१। ५	८०। १	— ९।५६
सेवन्तवदी	१५।५४	७३।५२	— ३४।३२
सोलापुर	१७।४०	७५।५६	— २६।१६
सोनपत	१९। ३	७६।३०	— २४। ०
श्रीगोण्डा	१८।४१	७४।४४	— ३१। ४
हींगनघाट	२०।३४	७८।५३	— १४।२८
हिंगोली	१९।४३	७७।११	— २१।१६
मणिपुर -			
इम्फाल	२४।४४	९३।५८	+ ४५।५२
लोकटक	२४।३०	९३।५५	+ ४५।४०
मिजोरम -			
अजवाल	२३।३६	९३। ०	+ ४२। ०
मेघालय -			
खासीजैनताहिल्स	२५।३०	९१।३०	+ ३६। ०
चेरापूंजी	२५।१७	९१।४७	+ ३७। ८
शिलांग	२५।३४	९१।५६	+ ३७।४४
राजस्थान -			
अजमेर	२६।२७	७४।४२	— ३१।१२
अलीगढ	२५।५८	८६। ७	+ १४।२८
अलवर	२७।३४	७६।३८	— २३।२८
अनूपगढ	२९। ७	७३। ६	— ३७।३६
अरावलीपर्वतमा.	२५। ०	७३।१०	— ३७।२०
असोप	२६।४८	७३।४४	— ३५। ४
आबू रोड	२४।४०	७२।४५	— ३९। ०
अमित	२५।२०	७३।५९	— ३४। ४
इरिनपुरा	२५। ९	७३। ६	— ३७।३६
इंदरगढ	२५।४०	७६।१५	— २५। ०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
उदयपुर वाटी	२७।४२	७५।३३	— २७।४८
उदयपुर	२४।३७	७३।४२	— ३५।१२
एकलिंगजी	२४।४३	७३।४६	— ३४।५६
कारावती	२६।३०	७७। ४	— २१।४४
किशनगढ	२७।५३	७०।३७	— ४७।३२
कुचामन	२७।१०	७४।५०	— ३०।४०
कोटा	२५।१०	७५।५२	— २६।३२
कोटडा	२४।२२	७३।१५	— ३७। ०
खेतड़ी	२७।५६	७५।२०	— २८।४०
खेरवाडा	२४। ४	७३।४०	— ३५।२०
खंडेला	२७।३६	७५।३२	— २७।५२
गालिआकोट	२३। ९	७४। ०	— ३४। ०
गुर्हा	२५।१२	७१।४८	— ४२।४८
गोगुन्दा	२४।४६	७३।३४	— ३५।४४
गोटारु	२७।२२	७०। २	— ४९।५२
गंगानगर	२९।४९	७३।५०	— ३४।४०
गंगापुर	२६।२९	७५।४६	— २६।५६
गंगरर	२३।५६	७५।४१	— २७।१६
ग्रेटइंडियनडिसर्ट	२७। ०	७१। ०	— ४६। ०
चाकसू	२६।३६	७५।५९	— २६। ४
चिडावा	२८।१०	७५।३७	— २७।३२
चित्तौडगढ	२४।५४	७४।४२	— ३१।१२
चूरु	२८।१९	७५। १	— २९।५६
चोमू	२७। ८	७५।४७	— २६।५२
चौहटन	२५।२८	७१। ६	— ४५।३६
छाबरा	२४।४०	७६।५४	— २२।२४
छोटी सादरी	२४।२४	७४।३४	— ३१।४४
जहाजपुर	२५।३८	७५।१९	— २८।४४
जयपुर	२६।५५	७५।४८	— २६।४८
जालोर	२५।२२	७२।५८	— ३८। ८
जैसलमेर	२६।५५	७०।५७	— ४६।१२
जोधपुर	२६।१८	७३। ४	— ३७।४४
झालावाड़	२४।३७	७६।१२	— २५।१२
झालरापतनछा.	२४।३२	७६।१२	— २५।१२
झुन्झुनू	२८। ६	७५।२०	— २८।४०
टोंक	२६।११	७५।५०	— २६।४०
टोडाराय सिंग	२६। ०	७५।४२	— २७।१२
डीडवाना	२७।१७	७४।२५	— ३२।२०
डीग	२७।२८	७७।२०	— २०।४०
डूमोली	२८। ०	७५।५४	— २६।२४
डूंगरपुर	२३।५०	७३।५०	— ३४।४०
डोली	२५।४६	७५।२५	— २८।२०
डोलीया	२४।३८	७४।४२	— ३१।१२
डूंडलोद	२८। ०	७५।४५	— २७। ०
तान्तापुर	२६।५१	७७।३२	— १९।५२
तोंदा	२८। ०	७५।५४	— २६।२४
दसरापुर	२८। ०	७५।४५	— २७। ०
दाग	२३।५६	७५।५२	— २६।३२
देवीकोट	२६।३८	७१। ७	— ४५।३२
धीबार	२४।३०	७४। ०	— ३४। ०
धौलपुर	२६।४२	७७।५३	— १८।२८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
नवाना	२७।२९	७१।४९	— ४२।४४
नरेना	२६।५०	७४।११	— ३३।१६
नसीराबाद	२६।१८	७४।४६	— ३०।५६
नवलगढ	२७।४५	७५। ६	— २९।३६
नागौर	२७।११	७३।४०	— ३५।२०
नाथद्वारा	२४।५६	७३।५२	— ३४।३२
निम्बाहेड़ा	२४।३७	७४।४५	— ३१। ०
नूरबहादरा	२८।४५	७५।२३	— २८।२८
नोहर	२९।११	७४।४९	— ३०।४४
फतेहपुर	२७।५४	७४।५२	— ३०।३२
पचपदरा	२५।५५	७२।२१	— ४०।३६
फलोदी	२७। ९	७२।२४	— ४०।२४
पाली	२५।४६	७३।२५	— ३६।२०
पाटन	२७।४९	७६। १	— २५।५६
पिलानी	२८।२२	७५।३५	— २७।४०
पीफर	२६।२२	७३।३५	— ३५।४०
फुलेरा	२६।५२	७५।१६	— २८।५६
पुगाल	२८।३१	७२।५१	— ३८।३६
पोकरन	२६।५५	७१।५८	— ४२। ८
प्रतापगढ	२४। २	७४।४०	— ३१।२०
बक्सर	२४।४३	७१। ९	— ४५।२४
बनास	२६।१३	७६।१३	— २५। ८
बसवा	२७। ६	७६।३२	— २३।५२
बाडमेर	२५।४५	७१।२३	— ४४।२८
बालाहारा	२६।४५	७६।५०	— २२।४०
बालोत्रा	२५।४९	७२।२१	— ४०।३६
बांसवाडा	२३।३०	७४।२४	— ३२।२४
बाप	२७।२२	७२।२२	— ४०।३२
बाराँ	२५। ५	७६।३३	— २३।४८
बाढमेर	२५।४५	७१।२५	— ४४।२०
बिसाऊ	२८।१७	७५। ८	— २९।२८
बीवार	२६। ६	७४।२१	— ३२।३६
बीकमपुर	२७।४५	७२।१०	— ४१।२०
बीकानेर	२८।१०	७३।१८	— ३६।४८
बीसलपुर	२८।११	७२।१५	— ४१। ०
बूंदी	२५।२७	७५।४१	— २७।१६
बेंड़ली	२५।२०	७३।४५	— ३५। ०
भरतपुर	२७।१५	७७।३०	— २०। ०
भादरा	२९।१५	७५।३०	— २८। ०
भादराजन	२५।३६	७२।५४	— ३८।२४
भाइन्सरोड	२४।५८	७५।३६	— २७।३६
भीलवाड़ा	२५।२१	७४।४०	— ३१।२०
भीनमाल	२५। ०	७२।१९	— ४०।४४
महाजन	२८।४८	७३।५६	— ३४।१६
मालपुरा	२६।१८	७५।२५	— २८।२०
मांडलगढ़	२५।१२	७५। ९	— २९।२४
मारवाड़जंक्शन	२५।४३	७३।४५	— ३५। ०
मेनवा	२५।४५	७५।५७	— २६।१२
मेडता	२६।३९	७४। ६	— ३३।३६
मोहनगढ	२७।१७	७१।१८	— ४४।४८
रतनगढ.	२८। ५	७४।३९	— ३१।२४

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
राजगढ	२८।३९	७५।२६	— २८।१६
रामगढ	२८। ०	७४।५९	— ३०। ४
रावतसार	२९।१६	७४।२६	— ३२।१६
रींगस	२७।२०	७५।३१	— २७।५६
रूपनगर	२६।४८	७४।५४	— ३०।२४
रेनी	२८।४१	७५। ५	— २९।४०
लक्ष्मणगढ	२७।५०	७५। ४	— २९।४४
लाडनू	२७।३६	७४।२३	— ३२।२८
लालसोट	२६।३४	७६।२३	— २४।२८
लावा	२६।२३	७५।४३	— २७। ८
लुनी	२६। १	७३। २	— ३७।५२
ब्यावर	२६। ४	७४।१९	— ३२।४४
शाहाबाद	२५।१०	७७।२०	— २०।४०
शाहगढ	२७। ८	६९।५७	— ५०।१२
शाहपुरा	२५।४०	७५। १	— २९।५६
शेरगढ	२४।४०	७६।३२	— २३।५२
सरदारशहर	२८।२७	७४।३२	— ३१।५२
सवाई माधोपुर	२५।५८	७६।३०	— २४। ०
सांभर	२६।५४	७५।१३	— २९। ८
सांगानेर	२६।४९	७५।४९	— २६।४४
सिंद्री	२५।३३	७१।५५	— ४२।२०
सिंघाना	२७।५३	७५।५०	— २६।४०
सिरोही	२४।५३	७२।५१	— ३८।३६
सिवाना	२५।३६	७२।२७	— ४०।१२
सीकर	२७।३६	७५। ९	— २९।२४
सुजानगढ	२७।४०	७४।२७	— ३२।१२
सूरजगढ	२८।१०	७५।३७	— २७।३२
सूरतगढ	२९।१९	७३।५७	— ३४।१२
सलूम्बार	२४। ९	७४। ५	— ३३।४०
सेन्चोर	२४।३६	७१।५४	— ४२।२४
सोजत	२५।५६	७३।४२	— ३५।१२
श्रीकोलायतजी	२७।५५	७३।१५	— ३७। ०
श्री माधोपुर	२७।२५	७५।२५	— २८।२०
हनुमानगढ	२९।३५	७४।२१	— ३२।३६
सिक्किम -			
गंगटोक	२७।२०	८८।४०	+ २४।४०
हरियाणा -			
अटेलीमण्डी	२८। ६	७६।२९	— २४। ४
इलानाबाद	२९।२६	७४।५४	— ३०।२४
अंबाला	३०।२१	७६।५२	— २२।३२
करनाल	२९।४२	७७। २	— २१।५२
कैथल	२९।४८	७८।२६	— १६।१६
गुडगावाँ	२८।३७	७७। २	— २१।५२
चरखी दादरी	२८।३७	७६।१९	— २४।४४
जींद	२९।१९	७६।२३	— २४।२८
थानेसर	२९।५८	७६।५६	— २२।१६
नारनौल	२८। ०	७६।१८	— २४।४८
फरीदाबाद	२८।२५	७७।२२	— २०।३२
फतेहबाद	२९।३१	७५।३०	— २८। ०
पटोदी	२८।१८	७६।४८	— २२।४८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
पानीपत	२९।२३	७७।१०	— २१।२०
फिरोजपुरजिर्का	२७।४७	७६।५९	— २२। ४
पीहोवा	२९।५७	७६।३७	— २३।३२
भिवानी	२८।४६	७६।१०	— २५।२०
महेन्द्रगढ़	२८।१५	७६।१०	— २५।२०
रानिया	२९।२८	७४।५४	— ३०।२४
रिवाड़ी	२८।१२	७६।४०	— २३।२०
रोहतक	२८।९४	७६।३८	— २३।२८
रोरी	२९।४४	७५।१७	— २८।५२
लादवा	२९।५९	७७। ५	— २१।४०
लोहारु	२८।१६	७५।४५	— २७। ०
शाहाबाद	३०।१०	७६।५५	— २२।२०
सिरसा	२९।३२	७५। ७	— २९।३२
सोनीपत	२८।५९	७७। २	— २१।५२
हांसी	२९। ६	७६। ०	— २६। ०
हिंसार	२९।१०	७५।४६	— २६।५६
हिमाचल प्र. -			
कसूली	३०।५३	७७। १	— २१।५६
कांगड़ा	३२। ५	७६।१८	— २४।४८
कोटकाइ	३१। ८	७७।३६	— १९।३६
चंबा	३२।२९	७६।१०	— २५।२०
छाछरूली	३०।१८	७७।२७	— २०।१२
जवालामुखी	३१।५३	७६।२२	— २४।३२
जोगींदरनगर	३१।५०	७६।४५	— २३। ०
दगशी	३०।५३	७७। ६	— २१।३६
धर्मसाला	३२।१६	७६।२३	— २४।२८
नागरोटा	३२। ७	७६।२३	— २४।२८
नाहन	३०।३३	७७।२१	— २०।३६
नालागढ	३०।५७	७६।२२	— २४।३२
नूरपुर	३२।१८	७५।५६	— २६।१६
बानेड	३१।३०	७६।५५	— २२।२०
विलासपुर	३१।१९	७६।५०	— २२।४०
भाकराग्रोजडेम	३२। ५	७६।५०	— २२।४०
मंडी	३१।४३	७६।५८	— २२। ८
योल	३२।११	७६।२३	— २४।२८
शिमला	३१। ६	७७।१३	— २१। ८
सोलन	३०।५५	७७। ९	— २१।२४
केंद्र शा. क्षे. -			
कुमारीअंतरीप	८। ४	७७।३६	— १९।३६
चंदीगढ	३०।४२	७६।५४	— २२।२४
दमन	२०।२५	७२।५३	— ३८।२८
दादरानगरहवेली	२०।१०	७२।५४	— ३८।२४
दिल्ली	२८।३८	७७।१२	— २१।१२
निकोबार द्वीप	८। ०	९४। ०	+ ४६। ०
मिनिकाय द्वीप	८।१०	७३। ०	— ३८। ०
लक्षद्वीपद्वि.म.सा.	१०। ०	७३। ०	— ३८। ०
सह्याद्रि	२८।४०	७७।२०	— २०।४०
सिलवासा दा.न	२०।१२	७३। ०	— ३८। ०

सूचना - संवत् २०७२, ७५, ७६, ७८ में ये पृष्ठ नहीं आयेंगें। अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष के कारण किसी भी तरह की त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा। -गणितकर्ता.

+ = धन ॥ विदेश-देशान्तर सारिणी ॥ (अक्षांश और रेखांश अंश-कलादि में) नोट - रेल्वे-अन्तर को ही स्टैंडर्ड-अन्तर कहते हैं । − = ऋण

भारत से बाहर के देश -

इराक - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ३ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ४५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अल्फायजच	३३।२०	४३।५५	− ४।२०
अलीलाह	३२।३०	४४।२५	− २।२०
आलनराह	३१।५५	४७।१५	+ ९। ०
इयूपरेट्स	३३।३०	४३।१०	− ७।२०
कर्बाला	३२।३५	४४। ७	− ३।३२
कीर्कीया	३५।३०	४४।२१	− २।३६
टीगरिस	३५।२०	४३।३१	− ५।५६
बगदाद	३३।२०	४४।२७	− २।१२
बासरा	३०।२८	४७।५१	+ ११।२४
मोसूल	३६।२०	४३। ५	− ७।४०
सूलेमानिया	३५।३५	४५।२०	+ १।२०

ईरान - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ३ घन्टा, ३० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ५२।३०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
ऊवादन	३०।२७	४८।२५	− १६।२०
अहवाज	३१।१७	४८।४३	− १५। ८
अस्तरवाद	३६।५२	४५।३०	− २८। ०
इफाहन	३२।३७	५१।३८	− ३।२८
एलिवर्ज	३६।१०	५२। ०	− २। ०
ओमान	२३।३०	५७। ०	+ १८। ०
केर्मन	३०।२०	५७।१०	+ १८।४०
खुर्रमवाद	३३।३०	४८।२५	− १६।२०
जेहडन	२९।३४	६०।५८	+ ३३।५२
टेब्रीज	३८। २	४६।२०	− २४।४०
डेजफूल	३२।२४	४८।३२	− ९५।५२
तेरन	३५।४१	५१।२५	− ४।२०
वाबोल	३६।३०	५२।४९	+ १।१६

दुबई - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ४ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ६०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
दुबई, एमिरेट्स	२५।१५	५५।३०	− १८। ०

अफगानिस्तान-ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ४ घन्टा, ३० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ६७।३०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
काबुल	३४।३०	६९।१८	+ ७।१२
कूनर	३४।३६	७०।४८	+ १३।१२
कूश्क	३४।५३	६२।३०	− २०। ०
कंधार	३१।३७	६५।३०	− ८। ०
कुंदज	३६।४७	६८।५६	+ ५।४४
गीरीश्क	३१।५०	६४।३८	− ११।२८
जलालावाद	३४।२४	७०।२६	+ ११।४४
हीन्दू कुश	३६।१०	७१।३०	+ १६। ०
हेमान्ड	३२। ०	६५। ०	− १०। ०
हेरत	३४।२२	६२। ८	− २१।२८

पाकिस्तान- ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ५ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ७५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अबोटाबाद	३४। ९	७३।१५	− ७। ०
अहमदपुर	२९। ६	७१।१६	− १४।५६
अलीपुर	२९।२३	७०।५७	− १६।१२
अटोक	३३।५३	७२।१७	− १०।५२
इंवरदेशावाद	३३। ०	७०।३९	− १७।२४
इमरसन	३१।१०	७२।१२	− ११।१२
इंडस	२४।३०	६८। ०	− २८। ०
इसा खेल	३२।४१	७१।१९	− १४।४४
इस्लामावाद	३३।४४	७३।१०	− ७।२०
कहूटा	३३।३५	७३।२६	− ६।१६
कराची	२४।५१	६७। ४	− ३१।४४
कसूर	३१। ७	७४।३१	− १।५६
कोहट	३३।३६	७१।२९	− १४। ४
क्वेटा	३०।१२	६७। ०	− ३२। ०
खैबर पास	३४। ६	७१। ५	− १५।४०
गुजरांवाला	३२।१०	७४।१४	− ३। ४
पेशावर	३४। २	७१।३७	− १३।३२
हसन अबदल	३३।४८	७२।४५	− ९। ०
हरिपुर	३४। ०	७२।५८	− ८। ८
हैदरावाद	२५।२५	६८।३८	− २५।२८

नेपाल - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ५ घन्टा, ४५ मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ८६।१५

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अमलकगंज	२७।१५	८५। ०	− ५। ०
कांचनगंगा	२७।४२	८८।११	+ ७।४४
काटमंडू	२७।४२	८५।१२	− ४।१२
कूश्मा	२८।१६	८३।४०	− १०।२०
गोरखा	२७।५५	८४।३०	− ७। ०
जुमला	२९।१७	८२।१३	− १६। ८
धनकूटा	२६।५५	८७।२०	+ ४।२०
धोलगिरी	२९।११	८३। ०	− १३। ०
नेपालगंज	२७।५९	८१।४०	− १८।२०
पल्पा	२७।५४	८३।२५	− ११।२०
पटन	२७।३८	८५।१३	− ४। ८
पोखरा	२८।१७	८३।५८	− ९। ८
भटागाँव	२७।३९	८५।२२	− ३।३२
मुक्तिनाथ	२८।५४	८३।४९	− ९।४४
रुकुम्कोट	२८।३४	८२।४०	− १४।२०
सील ग्रही	२९।१२	८१। ६	− २०।३६
सेलयाना	२८।२४	८२।१५	− १६। ०

भूटान - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ६ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ९०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
थिम्पू	२७।३२	८९।५३	− ०।२८
देवाङ्गिरी	२६।५१	९१।२७	+ ५।४८
धीरंग जोंग	२७।२४	९२।१८	+ ९।१२
पुनाखा	२७।३२	८९।५३	− ०।२८
पेरो	२७।२४	८९।१४	− ३। ४
हीमालय प.मा	२७।३०	९०। ०	०। ०

बंगलादेश - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ६ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ९०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
कर्णाफूली	२२।५५	९१।५०	+ ७।२०
किशोरगंज	२४।२६	९०।४९	+ ३।१६
कूरीगर्म	२५।४९	८९।४१	− १।१६
कूस्तिया	२३।५५	८९।१०	− ३।२०
कोमिला	२३।२५	९१।१३	+ ४।५२
कोक्स बाजार	२१।२७	९२। १	+ ८। ४
कोटचंदपुर	२३।२५	८९। ३	− ३।४८
खुलना	२२।४९	८९।३७	− १।३२
चांदपुर	२३।१२	९०।४०	+ २।४०
चित्तागांव	२२।२१	९१।५३	+ ७।३२
चेल्ना	२२।१६	८९।३८	− १।२८
जगन्नाथगंज	२४।३९	८९।५०	− ०।४०
जमालपुर	२४।५६	९०। ०	०। ०
ढाका	२३।४३	९०।२६	+ १।४४
सैदपुर	२५।४८	८९। ०	− ४। ०
हरिनघटा	२२। ०	९०। ०	०। ०
हेबीगंज	२४।२४	९१।३०	+ ६। ०

श्रीलंका - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ६ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ९०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अनुराधापुर	८।२२	८०।२३	− ३८।२८
एडम्स ब्रीज	९। ५	७९।३५	− ४१।४०
एडम्स पीक	६।४९	८०।३०	− ३८। ०
कलूतारा	६।३४	७९।५४	− ४०।२४
कतीरावली	८।१३	८१।२३	− ३४।२८
काराटीवो	८।२२	७९।५२	− ४०।३२
कूरुंगला	७।३१	८०।२२	− ३८।३२
केगालः	७।१५	८०।२०	− ३८।४०
केकीरावा	८। २	८०।३६	− ३७।३६
कोलम्बो	६।५६	७९।५६	− ४०।१६

म्यांमार - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ६ घन्टा, ३० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ ९७।३०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अलानम्यो	१९।२१	९५।१८	− ८।४८
अमरपुरा	२१।५५	९६। ४	− ५।४४
अमहरस्ट	१६। ४	९७।५३	+ १।३२
अन	१९।४५	९४। ५	− १३।४०
अराकान	२०। ०	९४।२०	− १२।४०
अवा	२१।५२	९६। १	− ५।५६
इन्सिन	१६।५२	९६।११	− ५।१६
इरावदी	१६।१०	९५। ०	− १०। ०
रंगून	१६।४५	९६।१३	− ५। ८

थाईलैंड - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ७ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ १०५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अयूथ्या	१४।२३	१००।३५	− १७।४०
क्रा	१०।२७	९८।४६	− २४।५६
चिंगमाइ	१८।५०	९८।५३	− २४।२८
बँककोक	१३।४२	१००।३०	− १८। ०
माउंग रेहंग	१६।५२	९९। ८	− २३।२८
मुंगनाकाविसवान	१५।४०	१००। ५	− १९।४०

वियतनाम - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ७ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ १०५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
अनाम	१५। ०	१०८। ०	+ १२। ०
विन्ह	१८।४३	१०५।४१	+ २।४४
हनोइ	२१। २	१०५।५२	+ ३।२८
होचीमिन्चसीटी	१०।४९	१०६। ०	+ ४। ०
ह्यू	१६।२७	१०७।३३	+ १०।१२
न्हा-ट्रंग	१२।१६	१०९।१०	+ १६।४०

चीन - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ८ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ १२०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
कैलाश	३१। ०	८२। ०	−१५२। ०
गरटोक	३१।४५	८०।२१	−१५८।३६
तिब्बत	३०। ०	८८। ०	−१२८। ०
नोंचू डोंग	३१।२२	९१।५४	−११२।२४
बीजिंग	३९।५५	११६।२४	− १४।२४
हॉंग कॉंग	२२।१२	११४।१२	− २३।१२
उलनकोट	४६। ५	१२२। १	+ ८। ४
कुतानकींग	४४।३५	१२९।३०	+ ३८। ०

तायवान - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ८ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ १२०।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
चिलंग	२५। ५	१२१।५०	+ ७।२०
चंगुआ	२४। २	१२०।३०	+ २। ०
टेर्प	२५। २	१२१।३०	+ ६। ०
टैचुंग	२४।१०	१२०।३६	+ २।२४
टैटुंग	२२।४३	१२१। ४	+ ४।१६
तायनान	२३। ०	१२०।११	+ ०।४४
पिंगतुंग	२२।३६	१२०।३०	+ २। ०
पेस्काडोरस	२२।३०	११९।३०	− २। ०
हसिंचू	२४।५५	१२१। ०	+ ४। ०
हुआलिन	२४। ०	१२१।३०	+ ६। ०

जापान - ग्रीन्वीच-घटिका-यन्त्र से
देशान्तरः- + ९ घन्टा, ० मिनट
रेखांशाः अंश-कलादौ १३५।०

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	स्टैंडर्डअन्तर मि. से.
इशगाकी	२४।२६	१२४।१०	− ४३।२०
इशहीनोमाकी	३८।३२	१४१।२०	+ २५।२०
उटसनोमीया	३६।३०	१३९।५०	+ १९।२०
ओकीनावा	२६।४०	१२८। ०	− २८। ०
ओस्का	३४।३९	१३५।२७	+ १।४८
कागोशिमा	३१।३६	१३०।३३	− १७।४८
कानाजावा	३६।३०	१३६।३८	+ ६।३२
कावासाकी	३५।३५	१३८।४२	+ १४।४८
कीतकयूशू	३३।५०	१३०।५०	− १६।४०
कूगामोटो	३२।५०	१३०।४०	− १७।२०
कोब	३४।४१	१३५।१२	+ ०।४८
कोच	३३।३०	१३३।३५	− ५।४०
कोयटो	३५। १	१३५।३४	+ २।१६
गीफू	३५।३०	१३०।४५	− १७। ०
टोकयो	३५।४०	१३८।४५	+ १५। ०
मिटो	३६।२०	१४०।३०	+ २२। ०
हीरोशिमा	३४।३०	१३२।३०	− १०। ०

विदेशों के स्टै. सूर्योदयादि-
नेपाल, भूटान, बंगलादेश आदि देशों का दिनमान और स्टै. सूर्योदय /सूर्यास्त जानने के लिए - पञ्चाङ्ग में दी हुई विधि से ही प्राप्त हो जायेंगें मात्र रेल्वेऽन्तर की जगह यहाँ दिया हुआ स्टैंडर्ड-अन्तर (रेल्वे-अन्तर) काम में लें, तो उक्त देश का सूक्ष्मासन्न स्टै. सूर्योदय/सूर्यास्त होगा । स्टै. सूर्योदय/सूर्यास्त प्राप्त होने पर आगे के इष्टकालादि सभी कार्य सुगम हो जायेंगें । अधिक सूक्ष्मता के लिए पञ्चाङ्गस्थ रविक्रांति और वेलान्तर में अनुपात देकर काम में लें ।

सूचना - अक्षांश-रेखांश एटलस से लिए हैं, दृष्टि दोष के कारण किसी भी तरह की त्रुटि हो तो कृपया सूचित करें, सुधार कर दिया जायेगा ॥ मेरी बनाई हुई - विदेशों के लिए-लग्नसारणी (अक्षांश .५ से ६० तक की १२० सारणी) व चरपल सारणी की आवश्यकता हो तो प्रकाशक से सम्पर्क करें । -गणितकर्ता.

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः १२° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा २।३९, चरखण्डाः २५।३७, २०।४४, ८।२६

कर्नाटक के - कोलारस्वर्ण स्व., कोलेगल, कृष्णाराजा, चनापटना, नाजनगुड, पुत्तूर, बैंगलोर, बंटवल, मडकेरी, मैसूर, मंगलौर, येलेण्डूर, रामनगरम्, रोबर्टसोनपेट, सीवासमुद्रम्, श्रीरंगपटनम्, होल नार्सीपुर, हंसर । **केरला के** - कासरगोड । **तमिलनाडु के** - अरनी, आरकोट, उत्तंगाराय, कार्नेटीक, कांचीपुरम्, कोरोमंडल, कृष्णागिरी, गुडीयतम, चिंगलपुट, जालारेप्ट, जावादी हिल्स, टींडीवानन, तिरुवेन्नामलाइ, धरमपुरी, पालावरम्, पोलूर, मधुरंतकम, महाबलीपुरम, वांदीवाश, वेनियामबादी, वेल्लोर, शेवारॉय, होसूर इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः १२ से १३ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	२५३।२९
०	२१	२९	३८	४७	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२८	३७	४६	५६	५	१४	२४	३३	४३	
वृष	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	२७८।२१
१	५२	२	१२	२२	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२७	३८	४९	
मिथुन	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	३१३।२३
२	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	
कर्क	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	३३०।१५
३	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४१	
सिंह	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३१९।४९
४	५२	२	१३	२३	३४	४४	५४	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२९	३९	४९	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३०४।४३
५	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३०४।४३
६	२	१२	२३	३३	४३	५३	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४१	५२	३	१४	२४	३५	४६	५७	७	
वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	३१९।४९
७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	
धनु	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	३३०।१५
८	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२६	३७	४७	५७	
मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	३१३।२३
९	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५६	६	१५	२५	३५	४४	५३	३	१२	२२	३१	४०	४९	५८	८	१७	२६	३५	४४	
कुंभ	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७८।२१
१०	५३	२	११	१९	२८	३७	४६	५४	३	१२	२१	२९	३८	४६	५५	३	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४४	५३	१	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	२५३।२९
११	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४१	४९	५७	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः १३° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा २।५२, चरखण्डाः २७।४४, २२।२८, ९।०९

आन्ध्र प्र. के - कालाहस्ती, गुरामकोण्डा, चित्तूर, तिरुपति, पाकाला, पालकोण्डा रेन्ज, पंगानुरु, मडकसीरा, वेयालपेड, वेन्काटागिरी, श्रीहरिकोटा, हिन्दुपुर । **कर्नाटक के** - उडीपा, कर्कला, कादूर, कूद्रीमूख, कोण्डापुर, कोलार, कोल्लूर, चिकमगलूर, चिकनायकन हील, चिकबल्लापुर, डोडबालापुर, तारीकेरे, तुमकूर, भद्रावती, मुलबागल, वेनीविलास, शिमोगा, सीरा, हरनाली, हासन, हीरीयूर, होसदूर्गा । **तमिलनाडु के** - अराकनम, इनोर, चिन्नई, तिरुवेल्लूर, फोर्ट गोर्गे, पुलीकेट, पोन्नेरी, सैदापेट इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः १३ से १४ वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	२५१।२२
०	१९	२८	३६	४५	५३	२	११	१९	२८	३७	४६	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२०	३०	३९	
वृष	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	२७६।३७
१	४९	५९	८	१८	२८	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	
मिथुन	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	३१२।४०
२	५५	६	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	
कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	३३०।५७
३	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	
सिंह	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२१।३३
४	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३०६।५१
५	५८	८	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३०६।५१
६	४	१४	२४	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	
वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	३२१।३३
७	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	
धनु	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	३३०।५७
८	५३	४	१५	२६	३७	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	
मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३१२।४०
९	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४०	५०	०	९	१९	२८	३८	४७	५७	६	१५	२५	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	
कुंभ	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७६।३७
१०	५५	४	१३	२२	३०	३९	४८	५७	५	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४५	५३	२	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	२५१।२२
११	१०	१८	२६	३५	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४०	४९	५७	५	१३	२२	३०	३८	४७	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	५४	२	११	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः १४° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ३।५, चरखण्डाः २९।५३, २४।१२, ९।५१

आन्ध्र प्र. के - अल्लूर, अनंतपुर, अटमाकुर, उदयगिरी, कड़प्पा, कादीरी, कावेली, गुदर, जमालामडगु, टडपत्री, धरमवरम, नील्लोर, पुलीवेन्डाला, पेनुकोण्डा, प्रोदातूर, रापुर, रायाछोटी, रायादूर्ग, वेमपल्ली, शीशाचलम, सिद्धोत । **कर्नाटक के** - ककुम्ता, कारवार, कोटूरु, गीरसोपा, चित्रदूर्ग, जोग फाल्स, टेलगुपा, देवगिरी, रानिबन्नूर, शेकापुर, सावानूर, सीर्सी, हेंगल, हर्दनहल्ली, हरिहर, होनावर, होनाली इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः १४ से १५ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	२४९।१३
०	१७	२६	३४	४३	५१	०	८	१७	२६	३४	४३	५२	१	१०	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३१	४०	४९	५८	८	१७	२६	३६	
वृष	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	२७४।५३
१	४५	५५	४	१४	२४	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	५	१५	२५	३६	४६	५७	८	१८	२९	३९	
मिथुन	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	३११।५७
२	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	
कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	३३१।४०
३	२०	३१	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३६	
सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२३।१७
४	४७	५७	८	१९	२९	४०	५०	१	११	२२	३२	४२	५३	३	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४८	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३०८।५९
५	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३४	४५	५५	
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३०८।५९
६	५	१६	२६	३७	४७	५८	८	१९	२९	४०	५०	१	११	२२	३३	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१४	
वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	३२३।१७
७	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	
धनु	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	३३१।४०
८	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१९	२९	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	५	
मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३११।५७
९	१६	२६	३६	४५	५५	५	१५	२५	३५	४४	५४	३	१३	२३	३२	४१	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	
कुंभ	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७४।५३
१०	५८	७	१५	२४	३३	४१	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३८	४६	५४	२	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	२४९।१३
११	१०	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१६	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७	४६	५४	२	१०	१९	२७	३५	४४	५२	०	९	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः १५° ३०', अयनांशा २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ३।१८, चरखण्डाः ३२।०३, २५।५८, १०।३५

आन्ध्र प्र. के - अदन्की, अदोनी, अलूर, आलमपुर, इरामाला, कमवम, कूनाल, कोइल्कुन्टा, कंपली, कंडकूर, कंनीगिरी, कृष्णा, गुंतकल, गोटी, तुंगभद्रा, दर्शी, नालामलाई प.मा., नांदीकोयूर, नादयाल, नीजामापटनम्, पाटीकोण्डा, पोडिली, प्यापाल्ली, वपाटला, वंगनेले, मार्कापुर, यमीगनपूर, रेमालेकोट्टा । **कर्नाटक के** - अनागुंदी, कोवाल, रानपुर, गदग, गंगावाटी, धारवाड, वदामी, वेलगाँव, वेल्लारी, मन्वी, रामदूर्ग, विजयनगर, शाहपुर, सिंधनूर, संदूर, हुवली, होरापेट । पणजी गोआ । **महाराष्ट्र के** - वेन्गुरला, सेवन्तवदी इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः १५ से १६ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	२४७।०३
०	१६	२४	३२	४१	४९	५८	६	१५	२३	३२	४१	४९	५८	७	१६	२५	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	
वृष	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	२७३।०७
१	४२	५१	१	१०	२०	३०	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१४	२४	३५	
मिथुन	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	३११।१४
२	४६	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	
कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	३३२।२३
३	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५१	१	१२	२३	३४	
सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२५।०३
४	४४	५५	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३११।०९
५	५७	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३२	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५४	५	१५	२५	३६	४६	५७	
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३११।०९
६	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	
वृश्चिक	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	३२५।०३
७	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	
धनु	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	३३२।२३
८	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	२९	४०	५१	२	१३	२३	३४	४५	५५	६	१६	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	०	१०	
मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३११।१४
९	२०	३०	४०	५०	५९	९	१९	२९	३८	४८	५८	७	१७	२६	३६	४५	५४	३	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७३।०७
१०	०	९	१८	२६	३५	४४	५२	१	९	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	४९	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५५	३	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	२४७।०३
११	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३७	४५	५३	१	९	१७	२६	३४	४२	५१	५९	७	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः १६° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ३।३२, चरखण्डाः ३४।१४, २७।४५, ११।१८

आन्ध्र प्र. के - अमरावती, ओंगोले, एलूरु, काकीनाड़ा, कोरिंगा, कोइलकोण्डा, कोण्डापाली, गढवाल, गुंटूर, गुरजाला, गोदावरी, जगायापिटा, तन्कूयू, तेनाली, देवकोन्डा, नागार्जुन सागर, नारासपुर, नारासाराओपेट, नारायणपेट, नंदीगाम, पालाकोलू, मछलीपट्टनम्, महबूबनगर, मागर कार्नूल, मंगलागिरी, यमन, येर्नागुडम, रीपेली, विजयवाडा, विनूकोण्डा, सातनेपाली । **कर्नाटक के** - अथनी, कल्लूर, गोकाक, जमखंडी, दोबर्ग, बगवादी, बागलकोट, बीजापुर, मुडविहाल, मुडहोल, रीटहूर, लोंदा, लींगसूगर, सागर, सिंधी, सूरापुर । **महाराष्ट्र के** - कुरुंदवाद, कोल्हापुर, मिरज, मेलवेन, राजापुर, विजयदुर्ग, सांगली । **म्यांमार के** - इरावदी, रंगून इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः १६ से १७ वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	२४४।५२
०	१४	२२	३०	३९	४७	५६	४	१३	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२२	३१	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४२	५२	१	१०	१९	२९	
वृष	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	२७१।२०
१	३८	४७	५७	६	१६	२६	३५	४५	५५	५	१५	२४	३४	४४	५४	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	२०	३०	
मिथुन	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	३१०।३०
२	४१	५२	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	
कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	३३३।०७
३	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	
सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२६।५०
४	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१६	२६	३६	४७	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३१३।२०
५	५७	७	१८	२८	३८	४९	५९	९	२०	३०	४०	५१	१	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४८	५८	
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३१३।२०
६	९	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	
वृश्चिक	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	३२६।५०
७	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	
धनु	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	३३३।०७
८	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	
मकर	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३१०।३०
९	२४	३४	४४	५४	३	१३	२३	३३	४२	५२	१	११	२०	३०	३९	४८	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५४	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२७१।२०
१०	३	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४२	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	२४४।५२
११	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३३	४१	४९	५७	६	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः १७° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ३।४५, चरखण्डाः ३६।२६, २९।३३, १२।०३

आन्ध्र प्र. के - अनकापाली, कांदी, कोडांगल, कोहीर, कोरंगी, कोटागडम, सेमम, गोलकोन्डा, चिपुरपल्ली, तुनी, तंदूर, नलगोंडा, नार्सीपटनम्, पटनचेरु, पिथापुरम्, पीडापुरम्, बीम्लीपटम्, भद्राचलम, येलांदू, राजमुद्री, रीकापाली, वालतेर, वारंगल, विशाखापटनम्, सर्कर्स, सावासेपट, सामलकोट, सिकंदराबाद, सिंगरज कोलीअर्स, सूर्येपट, संगरडिप्ट, हैदराबाद । **कर्नाटक के** - आलन्द, कल्याणी, गुलबर्गा, बीदर, वादी, शाहाबाद, होमनाबाद । **महाराष्ट्र के** - अकलकोट, औंध, करड, कोयना, जाथ, नालदूर्ग, पंढरपुर, बानकोट, महाबलेश्वर, रत्नागिरि, वाइ, सतारा, सोलापुर इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः १७ से १८ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	२४२।४०
०	१२	२०	२९	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३६	४४	५३	२	१०	१९	२८	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१६	२५	
वृष	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	२६९।३२
१	३४	४४	५३	३	१२	२२	३१	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२६	
मिथुन	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	३०९।४६
२	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५७	
कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	३३३।५२
३	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१७	२८	
सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३२८।३८
४	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२५	३६	४६	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३१५।३३
५	५७	७	१७	२८	३८	४९	५९	१०	२०	३०	४१	५१	२	१२	२३	३३	४३	५४	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	५०	०	
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३१५।३३
६	११	२१	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	
वृश्चिक	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	३२८।३८
७	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	०	
धनु	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	३३३।५२
८	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१५	२६	३६	४६	५७	७	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	
मकर	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	३०९।४६
९	२८	३८	४८	५८	८	१७	२७	३७	४६	५६	५	१५	२४	३३	४३	५२	१	१०	१९	२९	३८	४७	५५	४	१३	२२	३१	४०	४८	५७	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६९।३२
१०	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१३	२२	३०	३८	४७	५५	३	११	१९	२७	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	२४२।४०
११	१२	२०	२८	३६	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५६	४	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः १८° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ३।५१,चरखण्डाः ३८।४१, ३१।२३, १२।४८

आन्ध्र प्र. के - अरमूर, करीमनगर, कालिंगपटनम्, कामारेड्डी, कोरट्ला, जगतयाल, निजामाबाद, पालकोण्डा, पार्वतीपुरम्, वोबीली, वोधन, मेदक, राजम, विजयनगरम्, वेमालवाडा, वेंकटपुरम्, सीडीपिट, सेलूर, श्रृगावारापुकोटा, श्रीकाकुलम्, हनमकोण्डा, हसनपार्टी । **उडीसा के** - कोरापूट, जेपोर, पार्लकमिडी, मल्कनगिरी । **कर्नाटक के** - अलीग्बैर, भल्की । **मध्य प्र. के** - चिंटनार, डंट्रीवारा, बीजी, भोपाल पटनम, सुनकम । **महाराष्ट्र के** - अलीबाग, अस्ती, उदगीर, उरलीकॉचन, उस्मानाबाद, करामला, कोंडलवाडी, कीर्की, खेड़, गंगटेश्वर, जमखंड, जंजीरा, तुलजापुर, दीगुलर, दौण्ड, परान्डा, फालटेन, पार्ली, पुणे, वार्सी, भोर, महाडा, माथेरान, मुरूर, मुल्सी, मुम्बई, मुरुद, मोमिनाबाद, मंगाँव, लातूर, लोनावला, सीरोन्चा, सीरुर, श्रीगोण्डा इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः १८ से १९ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	२४०।२६
०	१०	१८	२७	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२५	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	
वृष	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	२६७।४२
१	३१	४०	४९	५९	८	१८	२७	३७	४७	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	२८	३८	४९	०	१०	२१	
मिथुन	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	३०९।०१
२	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	११	२२	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	
कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	३३४।३७
३	३	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२५	
सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३०।२७
४	३६	४७	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३१७।४७
५	५६	७	१७	२८	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५२	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४१	५१	२	
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३१७।४७
६	१३	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	२९	
वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	३३०।२७
७	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	
धनु	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	३३४।३७
८	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	
मकर	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	३०९।०१
९	३२	४२	५२	२	१२	२१	३१	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१६	२५	३४	४२	५१	०	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६७।४२
१०	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	७	१५	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५६	४	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	२४०।२६
११	१२	२०	२८	३६	४४	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः १९° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ४।१३,चरखण्डाः ४०।५६, ३३।१३, १३।३४

आन्ध्र प्र. के - अदीलाबाद, इचचापुरम्, चिन्नूर, नीर्मल, वालकोण्डा, भनिंसा, गुडोल, सिरपुरकागजनगर । **उडीसा के** - कलाहंडी, कारोन्ड, कोणार्क, कोटापड, गोपालपुर, गंजाम, चिल्का झील, छत्रापूर, जूनागढ, पुरी, बरहमपुर, भवानी पटना, रामा गिरी-उदया गिरी, रायगढ, सूरादा । **कर्नाटक के** - मनवत । **मध्य प्र. के** - इंदरावती, कूत्रू, जगदालपुर, पार्लकोट, प्रतावपुर, वरतर, मक्री । **महाराष्ट्र के** - अहीरी, अहमदनगर, इगतपुरी, उल्लासनगर, औरंगावाद, कल्याण, कादीरावाद, कोपागाँव, चंद्रपुर, जवाहर, जालना, जुन्नर, ठाणे, तारापुर, दहानू, दोलतावाद, नांदेड, परभनी, पाइथान, पाथरि, वाल्हार्शाह, वांद्रा, वीड़, वेसीन वासमत, वेसिन, माजलगाँव, राहुरी, राजूरा, वैजापुर, सांगमनेर, सिन्नार, सोनपत, हिंगोली इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः १९ से २० तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	२३८।१०
०	८	१७	२५	३३	४१	४९	५७	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४८	५७	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१८	
वृष	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	२६५।५१
१	२७	३६	४५	५५	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	१२	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	३०८।१५
२	२७	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४८	
कर्क	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	३३५।२२
३	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	
सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३२।१८
४	३४	४५	५६	६	१७	२८	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३२०।०२
५	५६	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	
तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३२०।०२
६	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	
वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	३३२।१८
७	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	
धनु	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	३३५।२२
८	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	३	१४	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	
मकर	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	३०८।१५
९	३७	४७	५६	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१३	२२	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	२	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६५।५१
१०	११	१९	२८	३६	४५	५३	१	९	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४१	४९	५७	५	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	२३८।१०
११	१३	२०	२८	३६	४४	५२	५९	७	१५	२३	३०	३८	४६	५४	२	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः २०° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ४।२७, चरखण्डाः ४३।१३, ३५।०६, १४।२०

उडीसा के - अथगढ, अथमल्लिक, अंगूल, कटक, केन्द्रपारा, फैनटीरा, खांडपारा, खुर्दा, खोण्डमाल्स, टीगीरिया, टेलचर, ढेंकानल, दसपाला, धम्रा, नयागड, नर्सिंगपुर, फाल्स पोइंट, पराद्वीप, पटना, पल्मिरास पोइन्ट, बनाकी, बारांवा, बुद्ध, बोलंगीर, बोरासंबर, भूवनेश्वर, महानंदी, रानीपुर, सोनपुर, हींदोल । **गुजरात के** - जफाराबाद, धरमपुर, वांसदा, वल्साड, वेरावल । **मध्य प्र. के** - कंकेर, धमतरी, पेनगंगा, राजीम । **महाराष्ट्र के** - अजंता प.मा., अजंता, अमरावती, अरमोरी, असाई, असये, आकोला, उमेर, एलोरा, अंबगाँव, कारंजा, खुलदाबाद, खेमगाँव, चालिसगाँव, चंदोर, डोली, तुमसर, धुले, नासिक, पचोरा, पंत्री, बदनेरा, वालापुर, बसिम, बूलढ़ाणा, बोरी, ब्रह्मापुरी, मल्कापुर, मन्माड, मुल, मेलेगाँव, यवतमाल, येओला, रउजा, राजूर, वर्धा, शेगाँव, सूरगाना, हीगनघाट । **केंद्र शा. क्षे. के** - दमन, दादरा और नगर हवेली । **म्यांमार के** - अराकान इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः २० से २१ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	२३५।५३
०	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	५३	२	१०	१९	२७	३६	४५	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	
वृष	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	२६३।५९
१	२३	३२	४१	५१	०	१०	१९	२९	३८	४८	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२९	३९	५०	०	११	
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	३०७।२९
२	२२	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	
कर्क	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	३३६।०९
३	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	९	२०	
सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३४।११
४	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२	१२	२३	३४	४४	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३२२।२०
५	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५५	५	
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३२२।२०
६	१६	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	
वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	३३४।११
७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४१	५२	४	१५	
धनु	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	३३६।०९
८	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	८	१९	२९	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३१	
मकर	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	३०७।२९
९	४१	५१	१	११	२०	३०	३९	४९	५८	८	१७	२६	३५	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५६	५	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६३।५९
१०	१४	२२	३०	३९	४७	५५	३	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५५	३	११	१९	२७	३५	४२	५०	५८	५	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२३५।५३
११	१३	२१	२९	३६	४४	५२	५९	७	१५	२२	३०	३८	४६	५३	१	९	१६	२४	३२	४०	४८	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः २१° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ४।४२, चरखण्डाः ४५।३३, ३७।००, १५।०७

उडीसा के - कारांजिया, कोंझर, कोलावीरा, दसपुर, दोगढ, नीजगढ़, नीलगिरी, बालेश्वर, बारीपाडा, बोनाइगढ, भद्रक, भूवन, रामपुर, लाहारा, सोहेला, संबलपुर, हीराकुण्ड । **गुजरात के** - अमरेली, अंकलेश्वर, खमबाट, खमबाट, गोंडल, गीर फोरेस्ट, जूनागढ, डाठा, डेडेन, तापी, दाहज, धोराजी, नवसारी, नांदेड, पलिताना, पाटन सोमनाथ, पोरबंदर, भडोच, भावनगर, महुआ, मंग्राल, विसावदर, सतपुड़ा पर्वत, सचिन, साराद्या, सूरत, सोमनाथ । **तमिलनाडु के** - अंबूर । **प.बंगाल के** - कोन्टाइ, सागर । **मध्य प्र. के** - एक्सरेगढ, कातांगी, खहीरागढ, खारगाँव, खंडवा, छुरखण्डन, डोंगरगढ, दूर्ग, दोगढ, फूलझार, बालाघाट, बुरहानपुर, बेतूल, भेइन्दी, रायपुर, राज नंदगाँव, शाहपुर, सारंगढ, सोनाखान । **महाराष्ट्र के** - अचलपुर, अकोट, अरली वर्धा, कामटी, खापा, गविलगढ, गोंदिया, चिकाल्डा, चोपड़ा, जलगाँव, तालोडा, नागपुर, नन्दूर्बार, भुसावल, भंडारा, मनशार, राजपीपला, रामटेक, सिंदखेड़ा, सेकोली । **बंगलादेश के** - कॉक्स बाजार । **म्यांमार के** - अमरपुरा इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः २१ से २२ तक वाले सभी) नगरों के लिए ।

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	२३३।३४
०	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२६	३४	४२	५१	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	
वृष	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	२६२।०५
१	१९	२८	३७	४७	५६	५	१५	२४	३४	४३	५३	३	१३	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३४	४५	५५	६	
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	३०६।४२
२	१७	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	
कर्क	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	३३६।५६
३	५०	१	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३३	४४	५५	६	१७	
सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३६।०५
४	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३२४।३९
५	५५	५	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३२४।३९
६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	
वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	३३६।०५
७	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	२०	
धनु	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	३३६।५६
८	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	
मकर	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	३०६।४२
९	४६	५६	५	१५	२५	३४	४४	५३	२	१२	२१	३०	३९	४९	५८	७	१६	२५	३३	४२	५१	०	८	१७	२६	३४	४३	५१	०	८	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६२।०५
१०	१६	२५	३३	४१	४९	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२५	३३	४१	४९	५७	४	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५८	६	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२३३।३४
११	१४	२१	२९	३६	४४	५२	५९	७	१५	२२	३०	३७	४५	५३	०	८	१६	२३	३१	३९	४७	५४	२	१०	१८	२५	३३	४१	४९	५७	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः २२° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ४।५६, चरखण्डाः ४७।५४, ३८।५६, १५।५५

आन्ध्र प्र. के - महू। उडीसा के - राउरकेला, सुंदर गढ। गुजरात के - आनद, कच्छ की खाडी, काठियावाड पेनिसुला, खेड़ा, गोधरा, छोटा उदयपुर, जामनगर, जासडन, डबोही, ढोलेरा, ढोलका, वंदूका, दोहड, द्वारका, धागंधा, नडियाद, पद्रा, पीटलेड, पोर्ट ओखा, बदोदरा, बेदी, बोरसद, माही, मुन्दरा, मेहमदाबाद, मोरवी, मंडवी, राजकोट, लखतर, लिम्बडी, लुनावाडा, वांकानेर, वाधवान, सुरेन्द्रनगर। प.बंगाल के - अलीपुर, अरामबाग, कोलकाता, खड्गपुर, चिनसूरा, चंदारिया, चंदरनगर, चंद्रकोन, झाड़ग्राम, डायमंड हार्बर, तमलूक, नीहत्थी, बाली, बारकपूर, बारानगर, भद्रेश्वर, भारपारा, मेदिनीपुर, सीरामपुर, हुगली, हेओरा। बिहार के - खारसावान, चाइबासा, जमशेदपुर, पालकोट, पोराहत, बासिया, साराइकेला, सारंदा, सिंघभूम, सूबर्नरेखा। मध्य प्र. के - अदीगाँव, अली राजपुर, अमजेरा, इंदौर, इटारसी, कथाधा, कूक्षी, गदरवारा, चंपा, छिंदवाड़ा, जासपुरनगर, जोबत, झाबुआ, डीडोरी, देवास, धर्मजयगढ, धार, नरसिंहपुर, पंढारी, पंचमढी, बदनूर, बाडवानी, बिलासपुर, महेडो हिल्स, महेश्वर, माकराज, मानपुर, माउ, मेमावर, मंडला, रतनपुर, राबकोक, रामनगर, लखनदोन, बिनद्या, साक्ती, सिवनी, सीओनी-मालवा, सोहागपुर, हराइ, होशंगाबाद। बंगलादेश के - कर्णाफूली, खूलना, चित्तागांव, चेल्ना, बारीसाल इत्यादि (उत्तर अक्षांशः २२ से २३ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	२३१।१२
०	३	११	१९	२७	३५	४२	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५७	६	
वृष	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	२६०।०९
१	१५	२४	३३	४३	५२	१	११	२०	२९	३९	४९	५८	८	१८	२८	३७	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३०	५०	१	
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	३०५।५४
२	१२	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	
कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	३३७।४४
३	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	३३८।०१
४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४३	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३२७।००
५	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३२७।००
६	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	
वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	३३८।०१
७	५६	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१४	२५	
धनु	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	३३७।४४
८	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	
मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	३०५।५४
९	५०	०	१०	१९	२९	३८	४८	५७	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५४	३	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	२६०।०९
१०	१९	२७	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	११	१९	२७	३५	४३	५०	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५१	५९	७	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२३१।१२
११	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	[illegible]	१४	२२	३०	३७	४५	५२	०	७	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२४	३२	३९	४७	५५	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः २३° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ५।११, चरखण्डाः ५०।१७, ४०।५४, १६।४४

गुजरात के - अहमदाबाद, इदर, कच्छ छोटारण, कादी, कालोल, कंडला, खदीर, खारागोडा, खेराळू, गांधीधाम, गांधीनगर, घंटीला, जखू, पच्छम, परांतीज, पाटन, बेला, भुज, मागोरी, मालीया, मेहसाना, मोवासा, रापेर, रेढानपुर, लखपत, विरमगाँव, सादरा, सिद्धपुर, हिम्मतनगर। त्रिपुरा के - अगरतला, उदयपुर। प.बंगाल के - आसनसोल, कटोया, कोटाल्पुर, कृष्णनगर, चित्तरंजन, तीलपारा, दामोदर, दुर्गापुर, नवद्वीप, पुरुलिया, प्लासे, बर्धमान, बलदंगा, बाकुड़ा, बेनापोल, रघुनाथपुर, रानाघाट, विष्णुपुर, शान्तिपुर। बिहार के - गोबिन्दपुर, छोटा नागपुर, झरिया, डोरन्डा, धनबाद, पालामऊ, बर्वा, बोकारो, मंकहरी, रामगढ, रांची, लोहार्दागा, हजारी बाग। मध्य प्र. के - अगर, अरता, उज्जैन, उमारिआ, अंबिकापुर, कान्ति, खाचरोद, चलगली, जबलपुर, जनकपुर, जोरा, डोरी, दामोह, नवाब बसोदा, नागदा, नारसिंगगढ, पतहारे, पितिहरा, पंथ पीपलोदा, ब्यावरा, भोपाल, महेन्द्रगढ, मुहम्मदगढ, मुरवारा, मेहडीपुर, रतलाम, रेहली, रामकोला, रामपुरा, रायसेन, विदिशा, शहडोला, शाहपुरा, शाजापुर, सागर, सारंगपुर, सिहोर, सुजालपुर, रोहोर, सैलाना, सोनहत। मिजोरम के - अजवाल। राजस्थान के - गालिआकोट, गंगरर, डूंगरपुर, दाग, बांसवाडा। बंगलादेश के - कुस्तिया, कोमिला, कोटचंदपुर, चांदपुर, जैसोर, टीपरा, ढाका, फरीदपुर, मेहरपुर इत्यादि (उत्तर अक्षांशः २३ से २४ वाले सभी) नगरो के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	२२८।४९
०	१	९	१७	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५२	०	९	१८	२७	३५	४४	५३	२	
वृष	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	२५८।११
१	११	२०	२९	३८	४८	५७	६	१६	२५	३५	४४	५४	३	१३	२३	३३	४३	५२	२	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५६	
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	३०५।०५
२	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	७	१८	२९	
कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	३३८।३३
३	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	०	११	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३३९।५९
४	२३	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३२९।२३
५	५४	५	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३२९।२३
६	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	३३९।५९
७	०	११	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	७	१९	३०	
धनु	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	३३८।३३
८	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४५	
मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	३०५।०५
९	५५	५	१४	२४	३३	४३	५२	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१५	२४	३२	४१	४९	५७	६	१४	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२५८।११
१०	२२	३०	३८	४६	५४	३	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५२	५९	७	१४	२२	३०	३७	४५	५२	०	७	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२२८।४९
११	१५	२२	३०	३७	४४	५२	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	७	१५	२२	३०	३८	४५	५३	

| लग्न सारणी, घटी-पल | अक्षांशाः २४° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ५।२६, चरखण्डाः ५२।४३, ४२।५४, १७।३४

आसाम के - कचार, सिलचर | **उत्तर प्र. के** - अहरायूरा, ललितपुर | **गुजरात के** - कच्छ बड़ारण, खेडब्रह्मा, तारंगा हील, थ्रेड, दीसा, पालनपुर | **प.बंगाल के** - जांगीपुर, बहरामपुर, मुर्शिदाबाद, लब्बाह | **बिहार के** - इचक, औरंगाबाद, गरवा, गीरीध, छत्रा, टिलिया, डाल्टनगज, तेकारी, नवादा, नया डूमका, पाकार, पार्श्वनाथ शि., बाराकार, बुद्ध गया, मधुपुर, मेसेन्जर, सासाराम, सीमारा, संथाल परगना | **मध्य प्र. के** - अजयगढ, उनचारा, केमूर, कोर्वाय, कोठी, खिलचीपुर, खुराइ, गया, गाँधीसागर बाँध, गुना, ग्रहा, चंदेरी, छतरपुर, जासो, टीकमगढ, नागोड, नीमच, पचपाहर, पन्ना, पिरावा, पेरोन, वर्दी, बागलखंड, बीजावार, बुंदेलखण्ड, भादुरा, मनोहर थाना, मउगंज, माइहर, मालवा प्लोटीयू, मंदसौर, राघोगढ, राजगढ, रामनगर, रीवा, शान्ता, सिद्धी, सिरोन्ज, सीतामु, सोहावल | **मणिपुर के** - इम्फाल, लोकटक | **राजस्थान के** - आबू रोड, उदयपुर, एकलिंगजी, कोटडा, खेरवाडा, गोगुन्दा, चित्तौडगढ, छावरा, छोटी सादरी, झालावाड, झालरापतन छावनी, डोलीया, धीवार, नाथद्वारा, निम्बाहेड़ा, प्रतापगढ, बक्सर, भाइन्सारोड, शेरगढ, सिरोही, सेलूम्बार, सेन्चोर | **पाकिस्तान के** - इंडस, कराची | **बंगलादेश के** - किशोरगंज, जगन्नाथगज, जगालपुर, जमुना, तांगेल, पवना, मैमनसिंग, राजशाही, सिलहट इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः २४ से २५ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	२२६।२४
०	५९	७	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१५	२३	३१	४०	४८	५७	५	१४	२३	३२	४०	४९	५८	
वृष	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	२५६।११
१	७	१६	२५	३४	४३	५२	२	११	२०	३०	३९	४९	५९	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	
मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	३०४।१५
२	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	
कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	३३९।२३
३	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४१।५९
४	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३३१।४९
५	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३३१।४९
६	२४	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	३४१।५९
७	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	
धनु	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	३३९।२३
८	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	७	१८	२९	३९	४९	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४०	५०	
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	३०४।१५
९	०	९	१९	२८	३८	४७	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४४	५३	२	१०	१९	२७	३५	४४	५२	०	९	१७	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२५६।११
१०	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३६	४४	५२	०	७	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२३	३१	३८	४५	५३	०	८	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२२६।२४
११	१५	२२	३०	३७	४५	५२	५९	७	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५१	५८	६	१३	२१	२८	३६	४४	५१	

| लग्न सारणी, घटी-पल | अक्षांशाः २५° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ५।४१, चरखण्डाः ५५।११, ४४।५७, १८।२५

आसाम के - लामडिंग | **उत्तर प्र.. के** - इलाहाबाद, ओरल, कडारा, कामासिन, गाजीपुर, चारकारी, चुनार, जिगनी, जोनपुर, झांसी, फतेहपुर, फूलपुर, प्रतापगढ, प्रयाग, बलिया, बांदा, बेलागंज, भदोही जोनपुर, मछलीशहर, महोबा, मऊ, मिर्जापुर, मुगल सराय, यमुना, वाराणसी, वारुना, सारीला, सैदपुर, हमीरपुर | **गुजरात के** - वडोदा | **नागालैण्ड के** - कोहीमा, जापोव, दीमापुर | **प.बंगाल के** - इंगराज बाजार, बालूरघाट, मलदाह, रानीगंज | **बिहार के** - आरा, कटिहार, कोलगांव, गोगरी, छपरा, जमालपुर, डूमरॉन, दीनापुर, धनगेन, पटना, पूर्णिया, बक्सार, बाँकीपुर, भागलपुर, मधेपुरा, मुंगेर, भोकामा, राजमहल, शेखूपुरा, सहरसा, समस्तीपुर, साहिबगंज, सोनपुर, हाजीपुर | **मध्य प्र. के** - अलीपुरा, ओर्छा, खानीढाणा, गेराली, गेरीहर, चवले, डाट्या, तोरीफतहपुर, धूरवाइ, नारवाड, नांगांव, बज्ना, बारानदा, बेरी, बंका पहरी, लुगासी, शिवपुरी, शेओपुर, समथर, सेल्वाइ | **मेघालय के** - खासी और जैनता हिल्स, चेरापूंजी, शिलांग | **राजस्थान के** - अलीगढ, अरावली पर्वत मा., अमित, इरिनपुरा, इंदरगढ, कोटा, गुर्हा, चौहटन, जहाजपुर, जालोर, डोली, पचपदरा, पाली, बाडमेर, बालोत्रा, बारां, बाढमेर, बूंदी, बेडली, भादराजन, भीलवाड़ा, भीनमाल, मांडलगढ, मारवाड जंक्शन, मेनवा, शाहाबाद, शाहपुरा, सवाई माधोपुर, सिंद्री, सिवाना, सोजत | **पाकिस्तान के** - मीरपुर खास, हैदराबाद | **बंगलादेश के** - कूरीगर्म, दिनाजपुर, दुर्गापुर, रंगपुर इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः २५ से २६ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	२२३।५६
०	५७	५	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	२	१०	१९	२८	३६	४५	५४	
वृष	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	२५४।०८
१	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५४	३	१३	२३	३३	४३	५२	२	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	
मिथुन	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	३०३।२४
२	५६	७	१७	२८	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	
कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	३४०।१४
३	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४४।०२
४	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३१	४२	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३३४।१७
५	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४१	५२	३	१५	
तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३३४।१७
६	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	३४४।०२
७	८	१९	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	
धनु	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	३४०।१४
८	५१	३	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१६	२६	३५	४५	५५	
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	३०३।२४
९	५	१४	२४	३३	४३	५२	१	१०	२०	२९	३८	४७	५६	५	१३	२२	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२५४।०८
१०	२८	३६	४४	५२	०	८	१५	२३	३१	३९	४६	५४	२	९	१७	२४	३२	४०	४७	५४	२	९	१७	२४	३२	३९	४६	५४	१	८	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२२३।५६
११	१६	२३	३०	३७	४५	५२	५९	७	१४	२१	२९	३६	४३	५०	५८	५	१२	२०	२७	३५	४२	४९	५७	४	१२	१९	२७	३४	४२	४९	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः २६° ३०′, अयनांशाः २४° ०′, अं.व्यंगु.पलभा ५।५७, चरखण्डाः ५७।४१, ४७।०१, १९।१७

आसाम के - गोलपारा, गोलाघाट, गौहाटी, जोरहाट, डारंग, तेजपुर, दीसपुर, धूबरी, नौगांव, पांडू, बीसनाथ, ब्रह्मपुत्रा, मंगलडाइ, शिवसागर । **उत्तर प्र. के** - अमेठी, अयोध्या, आजमगढ, इटावा, कानपुर, कोसी, गोरखपुर, घटामपुर, जलालपुर, जालौन, डालमू, तान्डा, देवरिया, नवाबगंज, पड्राउना, फैजाबाद, बरहज, बस्ती, बाराबंकी, बिठूर, बीन्दकी, मेहन्डवाल, यूज़ो, राय बरेली, लखनऊ, सुलतानपुर । **नागालैण्ड के** - तुनसेनग, नागा हिल्स । **प.बंगाल के** - अलीपुरदौड, कूचबिहार, जलपाईगुडी, बक्सादूर, सिल्लीगुडी । **बिहार के** - कांताइ, किशनगंज, गोपालगंज, गंदक, जयनगर, दरभंगा, बेतिया, मधुबनी, मुज़फ़रपुर, मोतीहारी, सागाउली, सिवान, सीतामढी । **मध्य प्र. के** - ग्वालियर, भींड, भिंड, मुरैना, मोरार, लश्कर । **राजस्थान के** - अजमेर, असोप, कारावती, गंगापुर, चाकसू, जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, टोंक, टोडाराय सिंग, तान्तापुर, देवीकोट, धौलपुर, नरेना, नसीराबाद, पीपर, फुलेरा, पोकरन, बनास, बालाहारा, बीवार, मालपुरा, मेडता, रुपनगर, लालसोट, लावा, लुनी, व्यावर, सांभर, सांगानेर । **भूटान के** - देवाङ्गिरी । **नेपाल के** - काठमाण्डु, धनकूटा इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः २६ से २७ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२२१।२५
०	५५	३	१०	१८	२५	३३	४१	४९	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	६	१५	२४	३२	४१	५०	
वृष	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	२५२।०४
१	५९	७	१६	२५	३४	४४	५३	२	११	२१	३०	३९	४९	५९	८	१८	२८	३७	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	४०	
मिथुन	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	३०२।३२
२	५१	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	
कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	३४१।०६
३	२६	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४६।०६
४	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	१२	२३	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३३६।४७
५	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३३६।४७
६	२८	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	३७	४९	१	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	३४६।०६
७	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४६	
धनु	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	३४१।०६
८	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४०	५०	०	
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	३०२।३२
९	९	१९	२८	३८	४७	५६	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१७	२६	३५	४३	५२	१	९	१७	२६	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२५२।०४
१०	३१	३९	४७	५५	२	१०	१८	२६	३३	४१	४९	५६	४	११	१९	२६	३४	४१	४९	५६	३	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	२	९	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२२१।२५
११	१६	२३	३१	३८	४५	५२	५९	७	१४	२१	२८	३५	४३	५०	५७	४	१२	१९	२६	३३	४१	४८	५५	३	१०	१८	२५	३२	४०	४७	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः २७° ३०′, अयनांशाः २४° ०′, अं.व्यंगु.पलभा ६।१२, चरखण्डाः ६०।१४, ४९।०८, २०।१०

अरुणाचल प्र. के - इटानगर, तवांग । **आसाम के** - उत्तरलखीमपुर, जयपुर, डिब्रुगढ, डोगवोल, तिनसुकिया, पटकईप.मा., सदिया । **उत्तर प्र. के** - अलीगढ, आगरा, इथ, उस्का, उताराउला, कन्नोज, कोइल, खेरी, गोमती, गोण्डा, घाघरा, नानपारा, फरुखाबाद, फतेहगढ, फिरोजाबाद, बलरामपुर, बहराइच, बांसी, मथुरा, मैनपुरी, लखीमपुर, वृन्दावन, शाहाबाद, शाहजहानपुर, सिधाली, सिकंदरा, सीतापुर, सोरों, हरदोई, हाथरस । **नागालैण्ड के** - पटकइ हिल्स । **प.बंगाल के** - दार्जीलिंग । **राजस्थान के** - अलवर, उदयपुर वाटी, किशनगढ, कुचामन, खेतड़ी, खंडेला, गोटारु, ग्रेट इंडियन डिसर्ट, चोमू, डीडवाना, डीग, नचाना, नवलगढ, नागौर, फतेहपुर, फलोदी, पाटन, वसवा, वाप, बीकमपुर, भरतपुर, मोहनगढ, रींगस, लक्ष्मणगढ, लाडनू, शाहगढ, सिंघाना, सीकर, सुजानगढ, श्रीकोलायतजी, श्री माधोपुर । **सिक्किम के** - गंगटोक । **हरियाणा के** - फिरोजपुर जिर्का । **भूटान के** - थिम्पू, धीरंग जोंग, पुनारवा, पेरो, हीमालय प.माला । **नेपाल के** - अमलकगंज, कांचनगंगा, गोरखा, नेपालगंज, पल्पा, पाटन, भटागाँव । **पाकिस्तान के** - लरकाना, सूक्कुर इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः २७ से २८ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२१८।५२
०	५३	०	८	१५	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२८	३७	४६	
वृष	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	२४९।५६
१	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१६	२५	३४	४४	५४	३	१३	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३४	
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	३०१।३९
२	४५	५६	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	३४१।५९
३	२२	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४८।१३
४	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३३९।२०
५	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३३९।२०
६	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	५	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	३४८।१३
७	१६	२८	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३६	४८	०	११	२३	३४	४६	५८	९	२०	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५१	
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	३४१।५९
८	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५५	५	
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३०१।३९
९	१४	२४	३३	४३	५२	१	१०	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२२	३०	३९	४७	५६	४	१३	२१	२९	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	
कुंभ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४९।५६
१०	३४	४२	५०	५७	५	१३	२०	२८	३६	४३	५१	५८	६	१३	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	९	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२१८।५२
११	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	४	११	१८	२५	३२	४०	४७	५४	१	९	१६	२३	३१	३८	४५	

| लग्न सारणी, घटी-पल | अक्षांशाः २८° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ६।२८, चरखण्डाः ६२।५०, ५१।१८, २१।०५

उत्तर प्र. के - अमरोहा, खुरजा, गाजियाबाद, चंडास्ट, नीघासन, पीलीभीत, बरेली, बुलंदशहर, बूडान, मुरादाबाद, रामपुर, रुहेलखण्ड, संबल, हापुर | **दिल्ली के** - दिल्ली, सह्याद्रि | **पंजाब के** - चरखी दादरी, डूजाना, मोहीन्दर | **राजस्थान के** - चिडावा, चूरु, झुञ्झुनू, डूमोली, डूंडलोद, तोंदा, दसरापुर, नूरबहादरा, पिलानी, पुगाल, बिसाऊ, बीकानेर, बीसलपुर, महाजन, रतनगढ., राजगढ, रामगढ, रेनी, सरदारशहर, सूरजगढ | **हरियाणा के** - अटेलीमण्डी, गुडगावाँ, नारनौल, फरीदाबाद, पटोदी, भिवानी, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, लोहारु, सोनीपत | **नेपाल के** - अन्नपूर्णा शिखर, एवरेस्ट, कूश्मा, पोखरा, मुक्तिनाथ, रुकुम्कोट, सेलयाना | **पाकिस्तान के** - बहावलपुर, बलूचिस्तान इत्यादि (उत्तर अक्षांशः २८ से २९ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो प.
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	२१६।१६
०	५१	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५१	५८	६	१४	२२	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३४	४२	५०	५९	७	१५	२४	३३	४१	
वृष	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	२४७।४७
१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४३	५२	२	११	२०	२९	३९	४८	५८	८	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२९	
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	३००।४४
२	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	५	
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	३४२।५४
३	१६	२८	४०	५१	३	१५	२७	३८	५०	२	१४	२५	३७	४९	१	१२	२४	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५८	९	२१	३३	४४	५६	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५०।२३
४	८	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४१।५७
५	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२०	
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३४१।५७
६	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१६	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४६	५७	९	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	३५०।२३
७	२१	३३	४४	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	३४२।५४
८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	२९	४०	५०	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२१	३१	४१	५१	०	१०	
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३००।४४
९	१९	२९	३८	४८	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१७	२६	३५	४३	५२	०	८	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	
कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४७।४७
१०	३७	४५	५३	०	८	१५	२३	३१	३८	४६	५३	१	८	१५	२३	३०	३७	४४	५२	५९	६	१३	२०	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२१६।१६
११	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	२०	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	

| लग्न सारणी, घटी-पल | अक्षांशाः २९° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ६।४५, चरखण्डाः ६५।२९, ५३।३१, २२।०१

उत्तर प्र. के - अल्मोड़ा, डोबेन्ड, तराई खेम्प, तानकपूर, नगीना, नैनिताल, बिजनौर, मुज़फ्फरनगर, मेरठ, रानीखेत, रुडकी, सहारनपुर, हल्दवानी, हरिद्वार | **राजस्थान के** - अनूपगढ, गंगानगर, नोहर, भादरा, रावतसर, सूरतगढ, हनुमानगढ | **हरियाणा के** - इलानाबाद, करनाल, कैथल, जींद, थानेसर, फतेहबाद, पानीपत, पीहोवा, रानिया, रोहतक, रोरी, लादवा, सिरसा, हांसी, हिंसार | **नेपाल के** - जुमला, धोलगिरी, सील ग्रही | **पाकिस्तान के** - अहमदपुर, अलीपुर इत्यादि (उत्तर अक्षांशः २९ से ३० तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	२१३।३७
०	४९	५६	३	११	१८	२६	३३	४०	४८	५६	३	११	१९	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५५	३	११	२०	२८	३७	
वृष	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	२४५।३४
१	४५	५४	३	१२	२०	२९	३८	४७	५७	६	१५	२४	३४	४३	५३	२	१२	२२	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१३	२३	
मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	२९९।४८
२	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	०	
कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	३४३।५०
३	११	२३	३५	४६	५८	१०	२२	३४	४५	५७	९	२१	३३	४४	५६	८	२०	३२	४३	५५	७	१९	३१	४२	५४	६	१८	२९	४१	५३	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५२।३६
४	४	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४४।३६
५	५१	२	१३	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२३	
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	३४४।३६
६	३४	४६	५७	९	२०	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	२	१४	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	३५२।३६
७	२५	३७	४९	१	१३	२४	३६	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५१	३	
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	३४३।५०
८	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	१५	
मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	२९९।४८
२	२५	३४	४३	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	४	१३	२२	३०	३९	४७	५६	४	१२	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३२	
कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४५।३४
१०	४०	४८	५५	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५५	३	१०	१७	२५	३२	३९	४६	५३	०	८	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२१३।३७
११	१८	२५	३२	३९	४६	५२	५९	६	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४१	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः ३०° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ७।९, चरखण्डाः ६८।१२, ५५।४७, २२।५८

उत्तर प्र. के - कामेट शिखर, गढवाल, टीहरी, देहरादून, बद्रीनाथ, मसूरी, शिवालिकप.मा. । पंजाब के - अबोहर, कोटकपूरा, कंदाघाट, खन्ना, धरमकोट, नाभा, फरीदकोट, पटियाला, फिरोजपुर, फ़ाजिल्का, बरनाला, भटिंडा, मछीवाडा, मलेरकोटला, मुक्तसर, मोगा, राजपुरा, रोपड, लुधियाना, शेरेहिन्द, सानावार, संगरुर । हरियाणा के - अंबाला, शाहाबाद । हिमाचल प्र. के - कसूली, छाछरुली, दग्शी, नाहन, नालागढ, सोलन । केंद्र शा. क्षे. के - चंढीगढ । चीन के - तिब्बत । पाकिस्तान के - क्वेटा, चमन, डेरा गाजी खान, माउण्टगुमरी, मुलतान, हडप्पा, हरनाय इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः ३० से ३१ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	२१०।५५
०	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३८	४५	५३	०	८	१५	२३	३१	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५९	७	१५	२४	३२	
वृष	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	२४३।१८
१	४१	४९	५८	७	१६	२५	३३	४२	५१	१	१०	१९	२८	३८	४७	५७	६	१६	२६	३६	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१७	
मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	२९८।५१
२	२८	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	
कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	३४४।४७
३	६	१८	२९	४१	५३	५	१७	२९	४१	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५०	२	१४	२६	३८	४९	
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५४।५२
४	१	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४७।१८
५	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	१	१३	२५	
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	३४७।१८
६	३६	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	८	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४२	५४	६	१८	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	३५४।५२
७	३०	४२	५४	६	१७	२९	४१	५३	५	१७	२८	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	
धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	३४४।४७
८	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३०	४१	५१	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	
मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	२९८।५१
९	३०	३९	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	०	९	१८	२६	३५	४३	५२	०	८	१६	२५	३३	४१	४९	५७	५	१२	२०	२८	३६	
कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४३।१८
१०	४३	५१	५९	६	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	११	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२१०।५४
११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	५९	६	१३	२०	२७	३४	४१	४७	५४	१	८	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	३९	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः ३१° ३०', अयनांशाः २४° ०', अ.व्यंगु.पलभा ७।१८, चरखण्डाः ७०।५८, ५८।०६, २३।५७

पंजाब के - अमृतसर, आनंदपुर, उना, कपूरथला, करतारपुर, गारशंकर, जालंधर, जंदीआला, डेरावाबा, तरन तारन, तान्डा उर्मार, दसूया, नांगल, फगवाड़ा, बटाला, मजीथा, सूजानपुर, सूलतानपुर, सोबरेन, होशियारपुर । हिमाचल प्र. के - कोटकाइ, जवालामुखी, जोगींदरनगर, बानेड, बिलासपुर, मंडी, शिमला । अफगानिस्तान के - कंधार । चीन के - कैलाश, गरटोक, नोंचू डोंग । पाकिस्तान के - इमरसान, कसूर, चिनोट, डेरा इस्माइल खान, रावी, लाहोर, शेखूपुरा, साहीवाल इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः ३१ से ३२ तक वाले सभी) नगरों के लिए

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प
मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	२०८।०९
०	४४	५१	५९	६	१३	२०	२८	३५	४२	५०	५७	५	१२	२०	२७	३५	४३	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२८	
वृष	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	२४०।५९
१	३६	४५	५३	२	११	१९	२८	३७	४६	५५	५	१४	२३	३२	४२	५१	१	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	
मिथुन	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	२९७।५२
२	२२	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३७	४९	
कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	३४५।४६
३	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४६	
सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५७।११
४	५८	१०	२२	३३	४५	५७	९	२१	३२	४४	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३५०।०४
५	४९	१	१३	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४३	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२७	
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	३५०।०४
६	३८	५०	२	१४	२५	३७	४९	१	१३	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	
वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	३५७।११
७	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५७	९	२१	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१४	
धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	३४५।४६
८	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	१९	२८	३८	४८	५८	७	१७	२६	
मकर	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	२९७।५२
९	३५	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	५	१४	२२	३१	३९	४८	५६	४	१२	२१	२९	३७	४५	५३	०	८	१६	२४	३१	३९	
कुंभ	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४०।५९
१०	४७	५४	२	९	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५८	५	१२	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२०८।०९
११	१९	२६	३२	३९	४६	५३	५९	६	१३	२०	२६	३३	४०	४७	५४	०	७	१४	२१	२८	३५	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः ३२° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ७।३६, चरखण्डाः ७३।४७, ६०।२९, २४।५८

जम्मू और कश्मीर के - ऊधमपुर, कत्थू, जम्मू, रामनगर, लदाख प.मा. । **पंजाब के** - गुरदासपुर, डेराबाबा नानक, दीनानगर, पठानकोट । **हिमाचल प्र. के** - कांगड़ा, चंवा, धर्मसाला, नागरोटा, नूरपुर, भाकरा ग्रोज डेम, योल । **पाकिस्तान के** - इसा खेल, गुजरांवाला, जफरवाल, मियांवाली, रामनगर, लालामुसा, वजीरावाद, सरगोधा, सिआलकोट इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः ३२ से ३३ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	२०५।१९
०	४२	४९	५६	३	१०	१८	२५	३२	३९	४७	५४	१	९	१६	२४	३१	३९	४७	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१५	२३	
वृष	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	२३८।३६
१	३१	४०	४८	५७	६	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२७	३६	४६	५५	५	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	५	
मिथुन	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	२९६।५१
२	१६	२६	३७	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४९	०	१२	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५६	८	१९	३१	४३	
कर्क	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	३४६।४७
३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	
सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५९।३४
४	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	४०	५२	३	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३५२।५३
५	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४६	५७	९	२१	३३	४४	५६	८	१९	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२९	
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	३५२।५३
६	४१	५३	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	
वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	३५९।३४
७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५०	२	१४	२६	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५८	९	२१	
धनु	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	३४६।४७
८	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५३	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२५	३५	४४	५४	३	१३	२२	३२	
मकर	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	२९६।५१
९	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	४	१२	२०	२७	३५	४३	
कुंभ	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२३८।३६
१०	५०	५७	५	१२	२०	२७	३४	४१	४८	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५१	५८	५	१२	१९	२६	३२	३९	४६	५३	५९	६	१३	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२०५।१९
११	१९	२६	३३	३९	४६	५३	५९	६	१३	१९	२६	३३	३९	४६	५३	५९	६	१३	२०	२६	३३	४०	४७	५४	०	७	१४	२१	२८	३५	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांशाः ३३° ३०', अयनांशाः २४° ०', अं.व्यंगु.पलभा ७।५३, चरखण्डाः ७६।४१, ६२।५६, २६।०१

जम्मू और कश्मीर के - अनंतनाग, किरतवार, कोट्ली, जेस्कर, नौशेरा, पदम, पीर पंजी पास, पूंछ, भदरावाह, मीरपुर । **पाकिस्तान के** - अटोक, इंवरदेशावाद, इस्लामावाद, कहूटा, कोहट, तक्षशिला, वानू, रावलपिण्डी, हसन अवदल इत्यादि (उत्तर अक्षांशाः ३३ से ३४ तक वाले सभी) नगरों के लिए -

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशो.प.
मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	२०२।२६
०	४०	४७	५४	१	८	१५	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१३	२०	२८	३५	४३	५०	५८	६	१४	२१	२९	३७	४५	५३	२	१०	१८	
वृष	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२३६।०९
१	२६	३५	४३	५२	०	९	१८	२७	३६	४४	५३	३	१२	२१	३०	४०	४९	५९	८	१८	२८	३८	४७	५७	७	१८	२८	३८	४८	५९	
मिथुन	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	२९५।४८
२	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	५०	२	१४	२५	३७	
कर्क	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	३४७।४९
३	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	
सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३६२।०१
४	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३७	४९	१	१३	२५	३६	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३५५।४७
५	४८	०	१२	२४	३५	४७	५९	११	२३	३४	४६	५८	१०	२२	३३	४५	५७	९	२१	३२	४४	५६	८	२०	३२	४४	५५	७	१९	३१	
तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	३५५।४७
६	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	८	२०	३२	४४	५६	८	२०	३२	
वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	३६२।०१
७	४४	५६	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४४	५६	८	२०	३२	४३	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	
धनु	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	३४७।४९
८	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	५९	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२१	३१	४०	५०	०	९	१९	२८	३७	
मकर	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	२९५।४८
९	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१५	२४	३२	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	८	१६	२४	३१	३९	४६	
कुंभ	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	२३६।०९
१०	५३	१	८	१५	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५३	०	७	१४	२०	२७	३४	४०	४७	५४	०	७	१३	
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२०२।२६
११	२०	२७	३३	४०	४६	५३	५९	६	१३	१९	२६	३२	३९	४५	५२	५९	५	१२	१९	२५	३२	३९	४५	५२	५९	५	१२	१९	२६	३३	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांश: ३४° ३०', अयनांश: २४°०', अ.व्यां.पलभा ८।१२, चरखण्डा: ८०, ६५।२६, २७।०५

जम्मू और कश्मीर के - कारगिल, स्कारदो, गुलमर्ग, गुराइस, डावस, बारामूला, मुजफ्फराबाद, लेह, बुलार, सोपुर, श्रीनगर । अफगानिस्तान के - काबुल, जलालाबाद, लालपुरा । पाकिस्तान के - अबोटाबाद, खैबर पास, पेशावर, हरिपुर इत्यादि (उत्तर अक्षांश: ३४ से ३५ तक वाले सभी) नगरों के लिए ।

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशी.प.
मेष	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	१९९।२८
०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३९	४६	५४	२	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	
वृष	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२३३।३९
१	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३४	४३	५३	२	१२	२२	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	
मिथुन	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	२९४।४४
२	३	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३२	४४	५६	८	२०	३१	
कर्क	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	३४८।५४
३	४३	५५	७	१९	३२	४४	५६	८	२०	३२	४४	५६	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	
सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३६४।३१
४	२८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३५८।४५
५	४८	०	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	
तुला	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३५८।४५
६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
वृश्चिक	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३६४।३१
७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
धनु	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३४८।५४
८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
मकर	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२९४।४४
९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
कुंभ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२३३।३९
१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
मीन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१९९।२८
११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	

। लग्न सारणी, घटी-पल । अक्षांश: ३५° ३०', अयनांश: २४°०', अं.व्यां.पलभा ८।३०, चरखण्डा: ८२।४०, ६८।०१, २८।१२

जम्मू और कश्मीर के - कपालू, गोडवीन अस्टन, नंगा पर्वत, बाल्टिस्तान । पाकिस्तान के - चित्राल इत्यादि (उत्तर अक्षांश: ३५ से ३६ तक वाले सभी) नगरों के लिए ।

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशी.प.
मेष	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	१९६।२६
०	३५	४२	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१३	२०	२७	३५	४२	५०	५७	५	१३	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	
वृष	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	२३१।०४
१	१६	२४	३३	४१	५०	५८	७	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२८	३७	४६	५६	५	१४	२४	३३	४३	५२	२	१२	२१	३१	४१	
मिथुन	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	२९३।३७
२	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१६	२८	
कर्क	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	३५०।०१
३	३७	४९	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२७	३९	५१	३	१६	२८	४०	५२	४	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९	
सिंह	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	३६७।०५
४	४४	५६	८	२१	३३	४५	५७	९	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	
कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३६१।४७
५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	
तुला	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३६१।४७
६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
वृश्चिक	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३६७।०५
७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
धनु	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३५०।०१
८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
मकर	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२९३।३७
९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
कुंभ	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२३१।०४
१०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
मीन	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१९६।२६
११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	

स्वर्गीय पण्डित मनीरामजी शर्मा



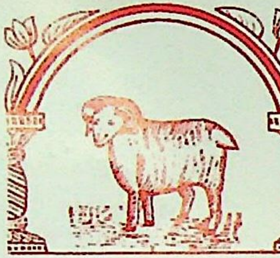
दिनका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रा	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	च	का	उ	अ	रो
अ	रा	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

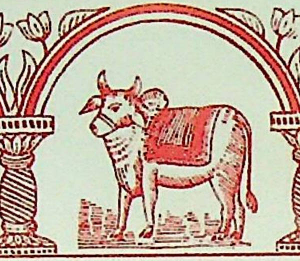
रात्रिका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

मुम्बयीनगरे श्रेष्ठो वेङ्कटेश्वरनामकः । मुद्रालयो वरीवर्ति नानाग्रन्थप्रकाशकः ॥१॥ यत्र प्रबन्धोऽनुदिनं प्रभूतो ददाति मोदं विदुषां जनानाम् । श्रीक्षेमराजाधिकृतं च मान्यं मुद्रागृहे शोभित ईक्षणीयम् ॥ २ ॥ बहवः शास्त्रिणश्चात्र कृतशास्त्रपरिश्रमाः । अनेकविद्याकुशला नियुक्ताः शोधकर्मणि ॥३॥ नागधातुकृतानेकविधकीलकयोजने । निपुणाः सन्ति चान्येऽपि बहवः कार्मणा जनाः ॥४॥



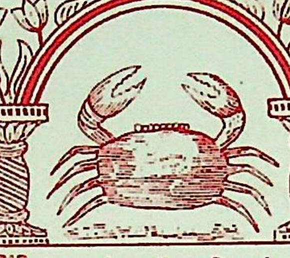
राशि मेष स्वामी भौम क्षत्रिय वर्ण चतुष्पाद चरस्व. लालरंग



रा. वृषभ स्वा. शुक्र वैश्य वर्ण च.खा.स्थि.स्व.श्वेत रङ्ग.



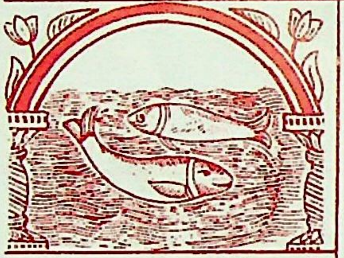
रा. मिथुन स्वा. बुध शुद्रवर्ण मा. जा. द्विस्व हरितरङ्ग.



रा. कर्क स्वामी चन्द्र विप्रवर्ण जलच. जा. चरस्व पाटलरंग.



रा. सिंह. स्वा. सू. क्षत्रियवर्ण स्थि. स्व. धूम्ररङ्ग. चतुष्पाद.



रा. मीन. स्वा. गु. विप्रवर्ण जलचरजा. द्विस्व. पीतरंग

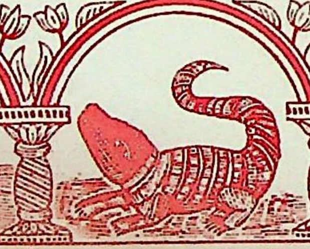
पूर्व मानव पंचांगस्य गणितम् तत्कालीन सीकरनरेशाज्ञानुसारं पंडित मनीराम शर्मणा कृतं मुंबापुर्य्यां श्रीकृष्णसुतेन क्षेमराजेन स्वकीये श्रीवेंकटेश्वर (स्टीम्) मुद्रणागारे मुद्रितम् प्रकाशितश्च। गणकगणानां प्रीत्यै पंचांगमिदम् ६६ हडपसर औद्योगिक क्षेत्र पुणे स्थित खेमराज श्रीकृष्णदासाधिकृत श्रीवेंकटेश्वर स्टीम् मुद्रणालये मुद्रणालयाध्यक्षार्थे संजय बजाज महोदयेन मुद्रितम् प्रकाशितश्च।



रा. कन्या स्वा. बुध मानवजा. वैश्यवर्ण द्विस्व. चित्रविचित्र रंग



रा. कुम्भ स्वा. श. शुद्रवर्ण मा. जा. स्थि. स्व शामरंग



रा. मकर स्वा. श. वैश्यवर्ण ज. जा. चरस्व. लालपीतरङ्ग.



राशि धन स्वा गुरु क्षत्रियवर्ण मा. जा. द्विस्व. पीतरंग.



रा. वृश्चिक. स्वा. भौम. विप्रवर्ण की. जा. स्थि. स्व. सौ. रं.



रा. तुला. स्वा. शु. मा. जा. शू. व. चरस्व कृष्ण रंग.